Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

37
112
150
3 74
3)224(75

~~जिन भद्रसूरि ज्ञान भण्डार~~

जोधपुर (राज.)

हस्तलिखित ग्रन्थों का

सूची-पत्र

प्रथम खण्ड

सेवामंदिर रावटी, जोधपुर-342 024 (भारत)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

जिनदर्शन प्रतिष्ठान ग्रन्थ क्रमांक २

जैन मन्दिरों के ज्ञान भण्डार ★ Jñāna Bhaṇḍāras of Jaina Temples

जोधपुर
JODHPUR

हस्तलिखित ग्रन्थों का ★ Handwritten Manuscripts'

सूची पत्र
CATALOGUE

प्रथम खण्ड ★ Vol. I

– कृतज्ञता ज्ञापन –

भारत सरकार के राष्ट्रीय अभिलेखागार ने इस सूची पत्र के मुद्रण व्यय की 75% राशि के अनुदान की स्वीकृति प्रदान की है जिस कारण इसका मूल्य लागत का चौथाई मात्र ही रखा है।

– समर्पण –

राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर के प्रथम निदेशक स्वर्गीय पुरातत्त्वाचार्य मुनि श्री जिनविजयजी को समर्पित जिन्होंने पूरे जीवन पर्यन्त पुरातत्त्व की अथक सेवा की।

संकलन कर्त्ता :
कार्यकर्त्तागण :
सेवा मंदिर रावटी, जोधपुर
342 024
राजस्थान (भारत)

Compiled by :-
Inmates of
Seva Mandir Raoti, JODHPUR
342 024
Rajasthan, India

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

प्रकाशक — संचालक
सेवा मंदिर रावटी, जोधपुर 342 024

वितरक — सत्साहित्य वितरण केन्द्र
सेवा मन्दिर रावटी, जोधपुर
342 024 (राजस्थान) भारत

मुद्रक — राजश्री प्रिन्टिग प्रेस, नागौरी द्वार के अन्दर
जोधपुर 342 002

संस्करण — प्रथम प्रवेश

वर्ष — विक्रम संवत् 2045, वीर संवत् 2514, शक संवत् 1910, ईस्वी सन् 1988

प्रति — **500**

पृष्ठ — **552**

आकार — रॉयल ऑक्टेव (20 × 30 आठ पेजी)

मूल्य

		रु०
कागज (20 × 30 मेपलीथो 13.6 Kg) 37 रीम		8,000
कंपोजिंग, छपाई व प्रूफरीडिंग 69 फर्म		13,000
जिल्द बंधाई व भाड़ा तोड़ा		5 000
	कुल व्यय	26,000
	1 प्रति की लागत	52.00
	विक्रय मूल्य चौथाई	रु. 13.50

निवेदन

1. पुस्तक विक्रेता अपना नफा/खर्चा अतिरिक्त लेगा।
2. प्राक्कथन में दिये संकेत अवश्य पढ़ें।
3. पुस्तक के अन्त में अशुद्धियों का शुद्धि पत्र छपा है।
4. इस पुस्तक पर किसी भो प्रकार का अधिकार प्रकाशक ने स्वाधीन नही रखा है।
5. पात्रता देखकर ही पुस्तक दी जावेगो।

For Private and Personal Use Only

— विषय सूची —

भाग	विभाग	विवरण	राजकीय विषय क्रम	प्रति संख्या	पृष्ठ
(1)	जैन आगम :—		7		
	(अ)	अंग सूत्र : आचाराङ्ग	,,	15	2
		सूत्र कृताङ्ग	,,	20	2
		स्थानाङ्ग	,,	11	4
		समवायाङ्ग	,,	11	6
		व्याख्या प्रज्ञप्ति (भगवती)	,,	24	6
		ज्ञाताधर्मकथाङ्ग	,,	29	10
		उपासकदशाङ्ग	,,	20	12
		अन्तकृतदशाङ्ग	,,	12	14
		अनुत्तरोपपातिकदशाङ्ग	,,	18	16
		प्रश्न व्याकरण	,,	14	18
		विपाक	,,	14	18
	(आ)	अंग बाह्य सूत्र :—			
		(i) उपाङ्ग : औपपातिक	,,	13	20
		राजप्रश्नीय	,,	21	22
		जीवाजीवाभिगम	,,	11	24
		प्रज्ञापना	,,	17	24
		जंबू द्वीप प्रज्ञप्ति	,,	14	26
		चन्द्र प्रज्ञप्ति	,,	1	28
		सूर्य प्रज्ञप्ति	,,	2	28
		निरियावलियादि पञ्चोपाङ्ग	,,	10	28
		(ii) छेद सूत्र : निशीथ	,,	6	30
		बृहत्कल्प	,,	1	30
		व्यवहार	,,	1	30
		दशाश्रुत स्कन्ध (कल्प सूत्र सह)	,,	140	30
		पंचकल्प	,,	2	44
		महानिशीथ	,,	3	44
		जीतकल्प	,,	4	44
		(iii) चूलिका व मूल : नंदी	,,	15	44
		अनुयोगद्वार	,,	6	46
		दशवैकालिक	,,	55	46
		उत्तराध्ययन	,,	54	52
		ओघ निर्युक्ति	,,	4	58
		(iv) आवश्यक सूत्र व पाठ :	,,	270	58
		(v) प्रकीर्णक :	,,	62	76
(2)	जैन सिद्धान्त व आचार :—				
	(अ)	तात्त्विक औपदेशिक दार्शनिक	,,	1289	82
	(आ)	न्याय	,,	42	176

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

भाग	विभाग	विवरण	राजकीय विषय क्रम	प्रति संख्या	पृष्ठ
(3)	जैन भक्ति व क्रिया :—				
	(अ)	धार्मिक विधि विधान व पर्व-व्रत कथायें	7	482	180
	(आ)	स्तवन, स्तुति स्तोत्रादि भक्ति रचनायें	,,	1215	210
	(इ)	सांप्रदायिक खण्डन-मण्डन	,,	121	276
(4)	जैन इतिहास व वृतान्त :—				
	(अ)	जीवन चरित्र व कथानक	,,	827	284
	(आ)	ऐतिहासिक, भौगोलिक व अन्य वृतान्त	,,	240	346
(5)	जैनेतर धार्मिक :—				
	(अ)	वेद	1	4	362
	(इ)	स्मृति	3	15	362
	(ई)	इतिहास व पुराण	4	58	364
	(उ)	दर्शन व न्याय	5	72	368
	(ए)	भक्ति	8	96	374
	(ऐ)	तन्त्र	9	14	380
(6)	मन्त्र, तन्त्र, यन्त्र		11	297	382
(7)	साहित्य व भाषा :—				
	(अ)	काव्यादि साहित्यिक ग्रन्थ	12	354	400
	(आ)	व्याकरण	13	273	426
	(इ)	शब्दकोश	14	79	444
	(ई)	छन्द, काव्य व भाषा शास्त्र	15	66	450
	(उ)	अलंकार	16	16	454
(8)	आयुर्वेद (वैद्यक) :—		23	150	456
(9)	ज्योतिष व निमित्त :—				
	(अ)	ज्योतिष-(i) फलित (ii) संगणना (iii) मूहूर्त (iv) प्रश्न	24	606	466
	(आ)	शुकन, सामुद्रिक व अन्य निमित्त विद्या	24	89	508
	(इ)	गणित शास्त्र	24	17	516
(10)	अवर्गीकृत शेष :—				
	कला, सामाजिक ज्ञान, जड़ विज्ञान, ज्ञान कोशादि		17 से 22 व 25	28	516
			कुलप्रतियां	7,350	

परिशिष्ट :- 1 ग्रन्थकारों की सूची (अकारादिक्रम से) 520

शुद्धिपत्रक

For Private and Personal Use Only

० प्राक्कथन ०

सेवामन्दिर जोधपुर के रावटी स्थित जिनदर्शन प्रतिष्ठान द्वारा देश के इस भू-भाग में आये जैन ज्ञान भण्डारों में और यत्र तत्र बिखरे पड़े हस्तलिखित ग्रन्थों के बारे में कुछ वर्षों से एक परियोजना क्रियान्वित की जा रही है जिसके कतिपय पहलू निम्न प्रकार है—

(i) आधुनिक ढंग से इन ग्रंथों का पूर्ण बीगतवार सूचीकरण और उन सूची पत्रों का मुद्रण;

(ii) ग्रन्थों का संग्रहण और भण्डारों का विलीनीकरण;

(iii) अतिप्राचीन, जीर्ण, प्रथम आदर्श, अद्यावधि अमुद्रित, दुर्लभ, सचित्र, अत्यन्त शुद्ध संशोधित या अन्यथा महत्वपूर्ण ग्रन्थों का फोटु प्रतिबिम्ब या फीलमीकरण;

(iv) ग्रन्थों के वैज्ञानिक ढंग से भण्डारीकरण एवं संरक्षण हेतु आवश्यक सलाह, सहायता व साधन सामग्री का वितरण।

इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक निम्न ज्ञान भंडारों से लगभग एक हजार चार सौ हस्तलिखित ग्रन्थ रावटी भण्डार में आ गये हैं—

(i)	यशोसूरि व केशरगणि ज्ञान भण्डार श्री महावीरजी जैन मन्दिर पुरानी मण्डी जोधपुर	833 प्रतियां
(ii)	श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मन्दिर क्षेत्रपाल चबूतरा पुरानी मण्डी जोधपुर	317 प्रतियां
(iii)	श्री तिंवरी मन्दिरजी, श्री देवेन्द्र मुनि, श्री प्रकाशजी बाफणा व अन्यों से भेंट/क्रय 19 129 86 4	238 प्रतियां
	योग	1388 प्रतियां

सूचीकरण व सूची पत्रों के मुद्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम ग्रन्थ के रूप में जैसलमेर के पांच ज्ञान भण्डारों का सूचीपत्र मुद्रित होकर प्रकाशित किया जा रहा है और द्वितीय ग्रन्थ के रूप में जोधपुर शहर के निम्न जैन मन्दिरों के ज्ञान भंडारों का यह सूचीपत्र तैयार होकर प्रकाशित किया जा रहा है।

		सूचीपत्र में स्रोत संकेत
(i)	श्री केशरियानाथजी मन्दिर दफ्तरियों का मोहल्ला मोती चौक जोधपुर	के०—
(ii)	श्री चितामणि पार्श्वनाथजी मन्दिर कोलड़ी, नवचौकिया जोधपुर	को०—
(iii)	श्री कुंथुनाथजी का मन्दिर सिंघियों का मोहल्ला जोधपुर	कुं०—
(iv)	श्री वर्द्धमान जैन मन्दिर तीर्थ ओसियां जिला जोधपुर तथा उपरोक्तानुसार रावटी में स्थानान्तरित	ओ०—
(v)	श्री महावीर स्वामी मन्दिर पुरानी मण्डी जोधपुर	म०—
(vi)	श्री मुनिसुव्रत स्वामी मन्दिर क्षेत्रपाल चबूतरा पुरानी मण्डी जोधपुर	मु०—
(vii)	श्री सेवामन्दिर रावटी भण्डार के अन्य ग्रन्थ	से०—

इस सूची पत्र में 7,350 ग्रन्थों का सूचीकरण किया गया है और जैसा कि सूची पत्र के अवलोकन से स्पष्ट है अधिकतर ग्रन्थ पन्द्रहवीं शताब्दी के बाद के ही है। इसका कारण है कि जोधपुर शहर विक्रम संवत् 1516 में ही बसाया गया था और उसके बाद ही ये भंडार स्थापित हुवे हैं। ओसियां मन्दिर का भण्डार भी

अधिक पुराना नहीं है। इन भण्डारों की स्थापना का विशेष कोई इतिहास प्राप्य नहीं है। श्री महावीर स्वामी मन्दिर के भण्डार खरतर गच्छ के आचार्य श्री यशसूरिजी व उनके शिष्य श्री केशरगणि द्वारा विक्रम की 20वीं शताब्दी में व्यवस्थित रूप से संकलित किये गये थे। केवल श्री कुंथुनाथजी के मन्दिर के भण्डार को छोड़कर (जो कि पायचन्द गच्छ के आचार्य श्री पार्श्वचन्दजी द्वारा स्थापित किया हुआ प्रतीत होता है) बाकी के सब भण्डार जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ की आम्नाय वालों द्वारा स्थापित व व्यवस्थित है और इसी कारण प्राय: करके सभी भण्डारों के ग्रन्थ एक सरीखे ही है।

यह सूची पत्र किस प्रकार बनाया गया है तत्सम्बन्धी जानकारी व स्पष्टीकरण निम्नलिखित "संकेत" में दिये जा रहे हैं इस सूची पत्र का सही रूप में उपयोग हो सके उस वास्ते उस लेख को ध्यान पूर्वक पूरा पढ़ लेना अनिवार्य है। उस पर भी यदि मुद्रित जानकारी व सूचना से किसी ग्रन्थ के बारे में पाठक वृन्द को संतोष न हो, शंका हो या विशेष जिज्ञासा हो तो प्रार्थना है कि हमसे सम्पर्क करें। प्रति आदि उपलब्ध कराने में और उन्हें हर प्रकार से सहयोग देने में हम हमारा अहोभाग्य समझेंगे।

———

० संकेत ०

मोटे तौर पर यह सूचीपत्र प्रचलित केटेलोगस केटेलोगोरम (Catalogus Catalogorum) पद्धति व भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्रानुसार बनाया गया है। ग्रन्थों का विभागीकरण विषय सूची के अनुसार है। वह भी लगभग सरकारी विषय विभाजन से मेल खाता है। चूंकि यह सूची पत्र जैन ज्ञान भण्डारों का है इसलिये इसमें जैन ग्रन्थों की बहुतायत है। यद्यपि सरकारी प्रपत्र के अनुसार सभी प्रकार के जैन ग्रन्थों को केवल एक ही भाग नम्बर सातवें में डाला जाता है परन्तु हमने आवश्यक समझकर इन जैन ग्रन्थों को चार भागों (1 से 4) में बांटा है जिनके पुन: क्रमश: 2+2+3+2 कुल मिलाकर 9 विभाग किये हैं और पहिले भाग के दूसरे विभाग के पांच उप विभाग किये हैं। अत भाग 1 से 4 तक सभी विभाग व उपविभाग मिलकर सरकार द्वारा निर्धारित सातवें भाग के ही अन्तर्गत आते है। भाग 5 जैनेत्तर धार्मिक ग्रन्थों का है जिसमें सरकार द्वारा निर्धारित भाग 1 से 10 (केवल उपरोक्त भाग 7 छोड़कर) इन 9 भागों के ग्रन्थों का समावेश है और उन्हें क्रमश: (अ) से (ओ) तक विभाजित कर दिया है। इसी प्रकार इस सूची पत्र के भाग 6, 7, 8 और 9 में क्रमश: सरकारी निर्धारित भाग 11, 12 से 16, 23 व 24 के ग्रंथों को अलग-अलग दिखा दिया है। और चूंकि भाग 17 से 22 व 25 तक के ग्रन्थ बिल्कुल थोड़े हैं अत: उन्हें इसे सूचीपत्र के अन्तिम भाग 10 में अवर्गीकृत शेष रूप में दिखा दिया गया है।

जैन ग्रन्थों के भाग विभाग व उपविभाग के शीर्षकों को देखने से सारा विभाजन लगभग स्पष्ट हो जावेगा। हम आगमों की संख्या के विवाद में नहीं पड़ना चाहते है और जो कोई भी ग्रन्थ किसी भी सम्प्रदाय द्वारा आगम माना जाता है वह हमने आगम में ले लिया है। चूंकि सांप्रदायिक खण्डन मण्डन विशेषकर धार्मिक क्रिया काण्ड से सम्बन्ध रखते हैं अत: इसे उस भाग का ही एक विभाग बना दिया है।

तथा अमुक ग्रन्थ किस विभाग में डाला जाना चाहिये इस बारे में कई बार एक से अधिक मत संभव होते है अथवा एक ही ग्रन्थ में विविध प्रकार की विषय वस्तु होती है अत: एक दम निर्विवाद शुद्ध विभाजन असंभव है और जो विभाजन किया गया है उसके लिये एकान्त रूप से हमारा आग्रह भी नहीं है।

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

सूचीपत्र के स्तम्भों में दी गई सूचना को मुख्यतः दो भागों में बांट सकते है—कुछ स्तम्भों की बीगत तो उस ग्रन्थ से सम्बन्ध रखती है और कुछ स्तम्भों की बीगत उस प्रति विशेष से ही सम्बन्धित है। अब हम प्रत्येक स्तम्भ का थोड़ा विश्लेषण करना उपयुक्त समझते हैं—

स्तम्भ 1—क्रमांक :—

इसमें हमने विभागीय, या जहाँ है वहाँ उपविभागीय क्रमांक दिया है। सामान्य अनुक्रमांक सारे ग्रंथ तक एक ही चालू रखा जा सकता था परन्तु हमारी राय में विभागीय संख्या का महत्व अधिक है और मुद्रण आदि में सुविधाजनक भी है। वैसे विषय सूची में कुल प्रतियों की संख्या का योग आ ही गया है। साधारणतया हर प्रति की अलग प्रविष्टि करके विभागीय क्रमांक दे दिया गया है। परन्तु कई ग्रंथों की अर्वाचीन प्रतियाँ जो अति सामान्य हैं और पाठ भेद आदि दृष्टियों से महत्वहीन हैं उनकी प्रविष्टि एक साथ कर दी गई है लेकिन वहां भी जितनी प्रतियां हैं उतने क्रमांक दे दिये है। (देखिये पृष्ठ 170 सिंदूर प्रकर सात प्रतियें एक साथ में क्रमांक 1201 से 1208)। इस तरह सूची पत्र को अनावश्यक रूप से बड़ा नहीं होने दिया है। इसके विपरीत जिस संयुक्त प्रति में एक से अधिक उल्लेखनीय ग्रन्थ हैं उन सभी ग्रन्थों की अलग अलग प्रविष्टियां विभागानुसार अकारादिक्रम से बीगतवार यथा-स्थान कर दी है और क्रमांक दे दिये हैं। और चूंकि ऐसी प्रत्येक प्रविष्टि में पत्रों की संख्या पूरी प्रति की ही लिखी है, जो भ्रमोत्पादक न हो जाए इसलिये पत्रों की संख्या पर * तारे का चिन्ह लगा दिया है। तथा जहाँ आवश्यक समझा गया है वहाँ संयुक्त प्रति के प्रथम ग्रन्थ की प्रविष्टि देखने की सूचना कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त कई प्रतियाँ विशेषतः स्तवन मंत्रादि एक दो पत्रों के अति लघु ग्रन्थ होते हैं। तथा प्रत्येक भण्डार में कई सारे पत्रे स्फुट और त्रुटक भी होते हैं और कई गुटके भी होते हैं जिनमें बहुत सी छोटी-मोटी कृतियों का संकलन होता है। हमने इन सब लघु ग्रन्थों, स्फुट व त्रुटक पत्रों और गुटकों की पूरी छानबीन करके जो मुख्य या संकलनीय रचनायें प्रतीत हुई उनकी तो अलग अलग प्रविष्टियां कर दी है; तथा बाकी बचे हुए इन अमहत्वपूर्ण व अनुल्लेखनीय लघु ग्रन्थों व पत्रों को मिलाकर एक ही क्रमांक पर विभागानुसार अंत में प्रविष्टि कर दी है। कदाचित् विषय की अधिक गहराई में जाने वाले के लिए इन लघुकृतियों व स्फुट त्रुटक व अपूर्ण पत्रों की उपयोगिता हो सकती है। इसी प्रकार गुटकों को भी क्रमांक देकर अलग से भी प्रविष्टि कर दी है। इस तरह हमने भण्डार की समस्त प्रतियों पूर्ण या अपूर्ण, गुटकों तथा स्फुट पत्रों व त्रुटक या लघु ग्रन्थों आदि सबको सूची पत्र में ले लिया है—बाहिर कुछ भी नहीं छोड़ा है।

स्तम्भ—2—स्रोत परिचयाङ्क :—

चूंकि यह सूचीपत्र केटेलोगस केटेलोगोरम पद्धति से बनाया गया है अतः इस स्तम्भ की आवश्यकता है ताकि ग्रंथ उपलब्धि आसानी से की जा सके। भंडारों के सूचक अक्षरों का स्पष्टीकरण सुगम्य है—यथा

ओ०—1 अ 16	=	ओसियां के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
कुं०—47/3	=	श्री कुंथुनाथजी के मन्दिर के भण्डार की पोथी सैंतालीस प्रतिसंख्या तीन
के०—2/4	=	श्री केशरियानाथजी के भण्डार की 2 नम्बर की पेटी की चौथी प्रति
को०—1	=	कोलड़ी श्री पार्श्वनाथजी मन्दिर के भण्डार की एक नम्बर की प्रति
म०—1 अ 1	=	श्री महावीर स्वामी मंदिर के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
मु०—1 अ 46	=	श्री मुनिसुव्रत स्वामी मंदिर के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
से०—1 अ 58	=	सेवामन्दिर रावटी भण्डार की इस नम्बर की प्रति

स्तम्भ 3—ग्रन्थ का नाम :—

जैन आगम भाग को छोड़कर प्रत्येक विभाग के ग्रन्थों को अकारादिक्रम से लिखा गया है और इसलिये सूचीपत्र में उल्लेखित ग्रन्थों को पुनः परिशिष्ट में अकारादिक्रम से सजाने की विशेष आवश्यकता नहीं समझी गई है।

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

जैन ग्रागम ग्रन्थों को जैन मान्यतानुसार ग्रंगसूत्र ग्रौर ग्रंगबाह्य सूत्र (पांच उप विभागों में विभाजित) का जो क्रम नियत है तदनुसार लिखा गया है ग्रौर यह विषयसूची से स्पष्ट हो जाता है।

लेकिन विभागीकरण की तरह नामकरण में भी एकरूपता नहीं हो सकती क्योंकि भिन्न-2 ग्रक्षर संयोजना से ग्रन्थनाम का प्रथम ग्रक्षर भी भिन्न हो जाता है। उदाहरण स्वरूप "गौड़ी पार्श्व स्तोत्र" ग्रौर "चिंतामणि पार्श्व स्तोत्र" को हमने क्रमशः "पार्श्व (गौड़ी) स्तोत्र" ग्रौर पार्श्व (चिंतामणि) स्तोत्र ऐसा नाम देकर दोनों स्तोत्रों को ग्रक्षर "पा" के नीचे संकलित करना ग्रभीष्ट समझा है। कई बार एक ग्रन्थ विद्वत् जगत् में एक से ग्रधिक नामों से प्रचलित होता है जैसे 'दर्शन-सत्तरी' को 'सम्यक्त्व सत्तरी' भी कहते हैं ग्रौर विचार षट्त्रिंशिका "चतुर्विंशतिदण्डक" "चौवीसदण्डक" या केवल "दण्डक" के नाम से भी प्रसिद्ध है। उपरोक्त कठिनाइयों से उत्पन्न समस्याग्रों के निराकरण हेतु पाठकों से ग्रौर विशेषतया शोधार्थी पाठकों से हमारा निवेदन है कि ग्रभिलषित ग्रन्थ की प्रविष्टि के बारे में निराश होने के पहले संभावनीय विविध विकल्पों के ग्रनुसार सूचीपत्र को ग्रच्छी प्रकार से ढूंढें तथा लेखक परिशिष्ट की भी मदद लें। इस वास्ते पूरी विषय सूची को हृदयंगम करके तथा प्रविष्टि के सभी स्तम्भों को देखना व इस 'प्राक्कथन संकेत' को भी ध्यान पूर्वक पढ़ना ग्रावश्यक है। सूची पत्रों में विभागीकरण, विषय सूची, ग्रकारादिक्रमणिका इत्यादि सुविधा के हेतु हैं परन्तु प्रमादवश उसे ही एक मात्र ग्राधार या बहाना बना लेंगे तो विद्यमान होते हुवे भी ग्रन्थ हाथ नहीं लगेगा।

स्तम्भ 3 A :–

इसमें ग्रन्थ का नाम रोमन लिपि में दे दिया है ताकि देवनागरी लिपि न जानने वालों को कुछ सुविधा हो जाय। तथा उनकी सहुलियत के लिये ही सूची पत्र में सर्वत्र भारतीय ग्रंकों का ग्रन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लिया गया है।

स्तम्भ 4—ग्रन्थ कर्त्तादि का नाम:—

इस स्तम्भ में ग्रन्थकार का नाम व उसके गुरु या पिता का नाम ग्रौर उसकी ग्राम्नाय भी दे दी गई है ताकि पूरा नाम परिचय हो जावे। यदि ग्रन्थ वृति ग्रादि सहित होने से दो ग्रथवा दो से ग्रधिक लेखकों की कृति है तो उन दोनों या सबका नाम व परिचय दिया गया है। उनमें क्रमानुसार प्रथम नाम मूल लेखक का है ग्रौर/करके ग्रागे वृत्तिकार ग्रादि का नाम लिखा गया है। जहाँ लेखक का नाम प्रति में नहीं है वहाँ स्तम्भ को खाली ही रखा है। लेकिन जहाँ पक्का निश्चय हो गया है कि लेखक का नाम मिलने वाला नहीं है वहाँ 'ग्रज्ञात' शब्द लिख दिया है। कहीं-कहीं साथ में ग्रन्थ की रचना के वर्ष का उल्लेख भी किया है यद्यपि ग्रच्छा यह रहता कि रचना समय की जानकारी एक स्वतन्त्र स्तम्भ में दी जाती।

स्तम्भ 5—स्वरूप :—

इस स्तम्भ में सूचना दो दृष्टिकोणों से दी गई है। प्रथमतः यह बताया गया है कि ग्रन्थ गद्य या पद्य या चंपू या नाटक या सारिणी या तालिका या यंत्र ग्रादि किस प्रकार का है तथा दूसरे में यह बताया गया है कि ग्रन्थ का स्वरूप क्या है—मूल, निर्युक्ति चूर्णि, भाष्य, वृत्ति, दीपिका, ग्रवचूरि, टब्बा (स्तबक), बालावबोध, वाचना, ग्रन्तर्वाच्य, व्याख्यान, टीका, विवरण, स्वोपज्ञ विवृत्ति ग्रादि किस किस्म या जाति का है। प्रायः करके प्रकार या स्वरूप को दर्शाने वाले उपरोक्त शब्दों के प्रथम ग्रक्षर को लिख दिया है जिसका तात्पर्य उस शब्द से लगा लेना चाहिये। बहुधा एक ही प्रति में दो किंवा दो से ग्रधिक स्वरूप साथ में हैं तो वहाँ उतने संकेत दे दिये हैं तथा ग्रन्थ का नाम लिखते हुवे भी कहीं-कहीं यह उल्लेख कर दिया है। उदाहरण:—"प्रवचन सारोद्धार सहवृत्ति" मू (प)+वृ (ग)= ग्रर्थात् मूल पद्य में तथा वृत्ति सहित जो गद्य में है।

सामान्य पाठक की सुविधा के लिये ग्रन्थों के स्वरूप का स्पष्टीकरण दे देना उचित होगा जो निम्न प्रकार है।

For Private and Personal Use Only

मू=मूल (Bare Text)

अर्थात् ग्रन्थ का मूल पाठ मात्र है।

नि० = निर्युक्ति (Explication)

जो निश्चित रूप से समग्रता व अधिकता को लिये हुवे, सूत्र में अभिहित, अन्तर्निहित संकेतित या स्थित हैं उन जीव अजीव आदि विषयों के अर्थों को भली प्रकार परस्पर वाच्य वाचक सम्बन्ध पूर्वक प्रकट करने के उपाय को (युक्ति योजना या घटना को) निर्युक्ति कहते हैं।

यद्यपि सूत्र में अर्थ बीज रूप में वर्तमान हैं तो भी शिष्यों के लिए उसका रहस्योद्घाटन या विश्लेषण करना द्विभाषण नहीं है; तथापि निर्युक्तिकार अधिकारक विद्वान हैं। सभी निर्युक्तियाँ प्राकृत भाषा की पद्य मय रचनाये हैं। निक्षेप उपोद्घात व सूत्रस्पर्शिक ये तीन इसके प्रकार हैं। निर्युक्ति निरुक्त से भिन्न होती है और कई आचार्य इसके दो भेद भी करते हैं—स्पर्श निर्युक्ति व निश्चयेन उक्ति।

भा० = भाष्य (Treatise)

मूल ग्रन्थ पर वह विशद रचना जिसमें प्रायः भाष्यकार का स्वयं का भी अर्थपूर्ण योगदान होता है भाष्य कहलाता है।

यह प्रायः पद्य शैली में लिखा जाता है और मूल ग्रन्थ की संपूर्ण विषय वस्तु की विभिन्न दृष्टियों से समीक्षा भी की जाती है।

चू० = चूर्णि (Exegesis)

मूल सूत्र की जो गद्य शैली व सरल भाषा में विस्तार सहित अध्येता को हृदयंगम कराने के लिये अभिव्यक्ति की जाती है उसे चूर्णी (या चूर्णि) कहते हैं।

चूर्ण धातु 'पेषण' के अर्थ में है अर्थात् सूत्रों का चूरा करके सुग्राह्य व सुपाच्य बना दिया जाता है।

वृ० = वृत्ति (Exposition)

वृत्ति एक वह उपयोगी व महत्त्वपूर्ण विवेचन है जिसके माध्यम से शब्दार्थ सह अनुगामिनी व्याख्या द्वारा मूल लेखक का संपूर्ण अभिप्राय निष्ठापूर्वक हेतु नय, शंकासमाधान आदि सम्मेत स्पष्ट कर दिया जाता है।

यद्यपि वृत्ति व चूर्णि शब्द का प्रयोग एक दूसरे के लिये कर दिया जाता है तो भी सामान्य पाठक के लिये यह सूचना है कि समस्त चूर्णि साहित्य (अल्प संस्कृत मिश्रित) प्राकृत भाषा में ही उपलब्ध है जबकि सारी प्रचलित वृत्तियां संस्कृत में हैं।

दी० = दीपिका (Illuminant)

यथानाम दीपक की तरह मूल ग्रन्थ पर लघु प्रकाश डालने वाली रचना को दीपिका कहते हैं।

प्रायः करके वृत्ति की पश्चात्वर्ती होती है और भावानुवाद द्वारा उसमें रही हुई जटिलता का यह निराकरण व सरलीकरण भी करती है।

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अ० = अवचूरि (Elucidatory Version)

मूल ग्रन्थ के उस (प्रायः करके संस्कृत) रूपान्तर को अवचूरि कहते हैं जिसमें बिना विस्तार के भी भावार्थ फूल की तरह खिल जाता है। अव शब्द अनुगामी के अर्थ में है मोटा चूर्ण ही किया जाता है।

वा० = वाचना (Discourse)

शास्त्र सिखाने हेतु स्वाध्यायी को पाठ रूप में जो वक्तृता गुरु द्वारा दी जाती है उसे वाचना कहते हैं। इसे देशी भाषा में 'वखाण' कह सकते हैं जिसमें व्याख्या व प्रशंसा दोनों का समावेश हो जाता है।

व्या० = व्याख्यान (Lecture)

तदर्थ बुलाई गई संगोष्ठी में उस विषय पर ज्ञानकृत ढंग से दिये गये भाषण को व्याख्यान कहते हैं।

टि० = टिप्पणक (Annotation)

ग्रन्थ का खुलासा करने के लिये जो पद-टिप्पणियां की जाती है उन्हें टिप्पणक कहते हैं।

चू० = चूलिका (या चूड़ा (Excursus)

सूत्र सम्बन्धित या सूचित अर्थ की विशेष प्ररूपणा के लिए विशिष्ट संग्रह जो बहुधा ग्रन्थ के अन्त में जोड़ा जाता है, चूलिका या चूड़ा कहा जाता है। पहाड़ की चोटी के सदृश मानो ग्रन्थ पर कलश हो।

पं० = पंजिका (Expansion)

मूल ग्रन्थ के कतिपय अंशों का सारयुक्त विवेचन पंजिका कहलाता है। पंजिका = पदभंजिका।

टी० = टीका (Commentary)

आलोचना समालोचना करते हुए किसी भी ग्रंथ के तात्पर्य को बीगतवार व विस्तृत रूप से प्रकट करने वाले प्रबन्ध को टीका कहते हैं।

बा० = बालावबोध (Vernacular)

साहित्यिक भाषा में लिखे गये मूल ग्रन्थ का वह संस्करण जो देशी बोलचाल की भाषा में व्यक्त किया जाता है बालावबोध (बालामिबोध. बालावबोध, बालबोध) कहलाता है ताकि सामान्य जन भी उसका लाभ उठा सके।

ट० = टब्बार्थ (Gloss)

पुरानी हस्तलिखित प्रतियों में अल्पपरिचित शब्दों या पदों के निर्वचन या भावार्थ को बहुधा उस प्रति में ही मूल इबारत के ऊपर सरल भाषा में (या देशी बोली में) की गई संक्षिप्त लिखावट को टब्बार्थ कहा जाता है। ऐसे स्पष्टीकरण को स्तबक भी कहते हैं।

स्वो० = स्वोपज्ञवृत्ति (Own Dilation)

अपने ग्रन्थ को और अधिक सुबोध बनाने के लिये जब मूल लेखक स्वयं उस पर वृत्ति (या भाष्य आदि) लिखकर विस्तार करता है तो उसे स्वोपज्ञ वृत्ति (या भाष्यादि) कहते हैं।

दु० = दुर्ग पद पर्याय (या विषम पद बोध आदि) (Terminology Made-easy)

ग्रन्थ में आये हुवे कठिन या दुर्गम्य शब्दों या पदावली का सरल भाषा में निर्वचन, परिभाषा अथवा अर्थ कथन, दुर्ग पद पर्याय कहा जाता है।

For Private and Personal Use Only

अन्त० = अन्तर्वाच्य (Intervenient)

वाचना में पूरक रूप से बाह्य वस्तु का समावेश कर परिवर्द्धन करना अन्तर्वाच्य है। "प्रक्षिप्त" तो मूल पाठ का भाग ही बना दिया जाता है —अन्तर्वाच्य उससे भिन्न है।

अनु० = अनुवाद (Translation)

ग्रन्थ की मूल भाषा को न जानने वालों के लिए भाषान्तर द्वारा ग्रन्थ के शुद्ध स्वरूप का उनकी भाषा में प्रस्तुतिकरण अनुवाद कहलाता है।

व्याख्या = (Explanation)

मूल कृति के मर्म को आसानी से समझा देने वाली ग्रन्थ पद्धति की सामान्य संज्ञा व्याख्या है। शास्त्रीय दृष्टि से इसके 6 अंग होते हैं:—संहिता, पदच्छेद, पदार्थ, पदविग्रह, चालना और प्रत्यावस्था।

वि० = विवरण (Narration)

विवरण शब्द सामान्य न कि विशेष पारिभाषिक, अर्थ में ही प्रचलित है। अवचूरि वृत्ति के लिए इसका प्रयोग अधिक होता है।

यद्यपि उपरोक्त परिभाषायें दी गई हैं तो भी वे कोई कठोर निश्चयात्मक नहीं हैं एक ग्रन्थ एक से अधिक परिभाषाओं के अन्तर्गत आ सकता है। अतः हमने भी ग्रन्थकार ने जैसा अपने ग्रन्थ को कहा है वैसा ही मान लिया है।

स्तम्भ 6- विषय संकेत :—

यद्यपि मोटे रूप में विभागानुसार विषय संकेत हो जाता है तो भी इस स्तम्भ में ग्रन्थ की विषय वस्तु का अति संक्षिप्ततम सारांश परिचय रूप में दिया है जो पाठकों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

स्तम्भ 7- भाषा:—

ग्रन्थ प्राकृत, संस्कृत अपभ्रंश आदि जिस भाषा में लिखा गया है उस भाषा को या तो प्रथम अक्षर से दर्शाया गया है और नहीं तो भाषा का पूरा नाम लिख दिया है।

इस प्रकार—	प्रा० = प्राकृत	डि० = डिङ्गल	रा० = राजस्थानी
	सं० = संस्कृत	हि० = हिन्दी	मा० = मारुगुर्जर
	अ० = अपभ्रंश	गु० = गुजराती	के बोधक हैं।

जहाँ ग्रन्थ (मूल+वृत्ति आदि) एक से अधिक भाषा में है वहाँ उन सभी भाषाओं को बता दिया है। मिश्रित होने से कई बार ग्रन्थ की भाषा क्या है इस बारे में मतभेद भी हो सकता है जैसे 'जयतिहुअण' स्तोत्र को कई लोग प्राकृत की रचना कहते हैं तो कई उसे अपभ्रंश की। जिन ग्रन्थों की भाषा को हमने 'मारु गुर्जर' की संज्ञा दी है उस बारे में स्पष्टीकरण करना चाहेंगे।

पश्चिमी राजस्थान व गुजरात इस भू-भाग की भाषा विक्रम की लगभग 18वीं शताब्दी तक प्रायः एक सी ही रही है और उसमें विपुल साहित्य रचा गया है। अपभ्रंश भाषा के काल के बाद, प्रदेश की इस भाषा को क्या नाम दिया जावे इस बारे में विद्वान एक मत नहीं है। चूंकि विगत दो ढाई शताब्दियों से राजस्थानी व

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

गुजराती भिन्न-भिन्न भाषाओं के रूप में उभरी है अतः उस प्रभाव में आकर प्रादेशिक व्यामोह के कारण 13वीं से 18वीं इन 5-6 शताब्दियों में रचे गये ग्रन्थों की भाषा को कई लोग तो गुजराती या प्राचीन गुजराती कहते हैं और कई लोग राजस्थानी कहते हैं। उदाहरण स्वरूप अहमदाबाद (गुजरात) से छपे सूचीपत्रों में श्री समय सुन्दरजी के ग्रंथों की भाषा को स्व. आगमप्रभाकर मुनि पुण्यविजयजी ने गुजराती बताई है, जबकि जोधपुर (राजस्थान) से छपे सूची पत्रों में उन्हीं ग्रन्थों की भाषा स्व. पद्म श्री मुनि जिनविजयजी ने राजस्थानी बताई है। इस समग्र भू-भाग में विचरण करने वाले होने के कारण जैन साधुओं द्वारा रचित जैन साहित्य में तो यह भाषा एकयता व साम्य इतना अधिक है कि भाषा भेद की कल्पना ही हास्यास्पद लगती है। ग्रन्थकर्त्ता ने स्वयं की बोली में रचना की, उस बोली को पराई संज्ञा देकर अन्याय नहीं करना चाहिये, अतः इस भाषा विवाद में न पड़कर हमने मध्यम मार्ग का अनुसरण करना ही श्रेयस्कर समझा है और कुवलयमाला नामक प्रसिद्ध ग्रन्थ में सुझाये गये 'मारु गुर्जर' नाम से इस भाषा को बताया है जिसमें 19वीं शताब्दी से पूर्व की लगभग 5-6 शताब्दियों की इस भू-भाग की बोलचाल किंवा साहित्यिक भाषा का समावेश हो गया है।

इस प्रकार उपरोक्त सात स्तम्भों में ग्रंथ संबधी जानकारी के संकेतों का स्पष्टीकरण के बाद अब उन स्तम्भों का विवेचन किया जाता है जो मुख्यतः प्रस्तुत प्रति से ही सम्बन्धित है।

स्तम्भ 8– पत्रों की संख्या –

इस स्तम्भ में प्रति के कुल पत्रों की शुद्ध संख्या जो है वह लिख दी गई है जिसको द्विगुणित करने से पृष्ठों की संख्या आ जाती है। यथा संभव पत्रों को गिनकर सही संख्या लिखी गई है और बीच में जो पत्र कम हैं अथवा अतिरिक्त हैं उन क्रमांकों की टिप्पणी दे दी गई है। अधूरी या अपूर्ण तथा कहीं-कहीं त्रुटक प्रति के भी पत्रों के क्रमांङ्क जो उपलब्ध है अथवा कम है बीगतवार लिख दिये हैं। जहां एक से अधिक प्रतियों की प्रविष्टि एक साथ की गई है वहा प्रत्येक प्रति के पत्रों की संख्या अलग-अलग लिखी गई है जिनका क्रम विभागीय क्रमांकानुसार है, ऐसा समझ लेना चाहिये।

स्तम्भ 8A– नाप:—

इस स्तम्भ में प्रति के बारे में चार प्रकार से सूचना दी गई है। पहिली संख्या प्रति की लम्बाई और दूसरी संख्या प्रति की चौड़ाई दर्शाती है जो दोनों सेन्टीमीटरों में है। तीसरी संख्या प्रतिपृष्ठ (न कि प्रति पत्र में) कितनी पंक्तियां है, यह बताती है और चौथी संख्या प्रति पंक्ति औसतन कितने अक्षर हैं, यह दिखाती है। चारों संख्याओं को इसी क्रम से लिखा है और उन्हें अलग-2 करने हेतु सुविधा के लिये बीच में '×' निशान लगा दिया है। जहां ग्रन्थ केवल यन्त्र तालिका स्वरूप ही है वहां लकीरों व अक्षरों को संख्या नहीं दी है। तथा जहां प्रति पंचपाठी (अर्थात् बीच में मूल ग्रंथ व उसके चारों ओर वृत्ति आदि लिखी हुई) या टब्बार्थ सहित है वहां पंक्तियों व अक्षरों की संख्या मूल को ही दी है। जहां एक से अधिक प्रतियों की प्रविष्टि एक साथ में की गई है वहाँ केवल प्रतियों की लम्बाई चौड़ाई ही दी है और वे भी जब प्रति प्रति भिन्न है तो लम्बाई व चौड़ाई दोनों की लघुतम व दीर्घतम दो-दो संख्यायें लिख दी गई है। दृष्टांतः—भाग 3 (आ) भक्तामर स्तोत्र 5 प्रतियों की प्रविष्टि के सामने 24 से 27 × 12 से 13 लिखने का तात्पर्य यह है कि इन पाचों प्रतियों की लम्बाई भिन्न-भिन्न हैं जो नीचे में 24 और ऊंचे में 27 सेन्टीमीटर है और इसी प्रकार चौड़ाई भी भिन्न-2 है जो नीचे में 12 और ऊंचे में 13 सेन्टीमीटर है। चूंकि सेन्टीमीटर भी कोई बहुत विस्तार वाली दूरी नहीं है अतः हमने मीलीमीटरों में जाना श्रेयस्कर नहीं समझा है – आधे से अधिक को पूरा सेन्टीमीटर गिन लिया है और आधे से कम को छोड़ दिया है।

स्तम्भ 9– परिमाण—

इस स्तम्भ में भी सूचना दो दृष्टिकोणों में दी गई है –

For Private and Personal Use Only

(i) ग्रन्थ के स्कन्ध (खण्ड) पर्व, सर्ग, अध्याय, प्रकाश, परिच्छेद, अधिकार, प्रकरण, उद्देशक, ढाल, पद, छन्द, गाथा, श्लोक आदि की संख्या द्वारा उसका परिमाण बताया गया है। जहाँ उपलब्ध है वहाँ ग्रंथाग्र [ग्रन्थ के कुल अक्षरों की संख्या को 32 (प्राचीन अनुष्टभ् छंद का अक्षर परिमाण) से भाग देने पर आने वाला भजनफल ग्रंथाग्र कहलाता है] संख्या भी लिख दी है। परन्तु कभी-कभी यह ग्रंथाग्र संख्या वास्तविकता से मेल नहीं भी खाती है क्योंकि लिपिक इस संख्या को अनुमान से अथवा बढ़ा चढाकर अथवा परंपरागत शास्त्र वर्णित परन्तु वर्तमान में अनुपलब्ध है, वह लिख देते हैं। सूचीपत्र में दी हुई पन्नों की संख्या को दुगना करने से पृष्ठों की संख्या आ जाती है और उसे पंक्ति प्रतिपृष्ठ की संख्या से गुणा करने पर ग्रंथ के कुल पंक्तियों की संख्या आ जाती है और उसे औसतन अक्षरों की संख्या से गुणा करने पर ग्रन्थ के कुल अक्षरों की संख्या आ जाती है जिसमें 32 का भाग देने से ग्रंथाग्र की संख्या आ जावेगी—इस प्रकार पाठक स्वयं ग्रंथाग्र अनुमानित कर सकते हैं।

(ii) साथ में यह भी बताया गया है कि प्रति संपूर्ण है या अपूर्ण या त्रुटक और यदि अपूर्ण है तो कितनी अपूर्णता है। यदि प्रति पूरे ग्रंथ के एक अंश हेतु ही लिखी गई है और वह अंश पूरा है तो उसे 'प्रतिपूर्ण' कहा गया है। प्रथम या अन्तिम पन्ना बहुधा नहीं होते हैं तो प्रति को अपूर्ण न कहकर वैसी टिप्पणी लिख दी गई है कि पहला या अन्तिम पन्ना कम है। उपरोक्त परिमाण सूचक शब्दों के प्रथम अक्षर ही बहुधा सूची पत्र में लिखे हैं अतः तदनुसार अर्थ लगा लेना चाहिये – जैसे सं. = संपूर्ण, अ. = अपूर्ण, ग्रं. = ग्रन्थाग्र।

स्तम्भ 10– प्रतिलेखन वर्ष, स्थल व लिपिक :—

इस स्तम्भ में प्रति के बारे में तीन प्रकार से सूचना दी गई है—

(i) सर्व प्रथम प्रस्तुत प्रति जिस वर्ष में लिखी गई है वह विक्रम संवत् दिया गया है। कदाचित् कहीं पर शक या वीर संवत् या अन्य साल है तो वैसा विशिष्ट उल्लेख कर दिया गया है। विक्रम संवत् से शक संवत् व ईस्वी सन् क्रमशः 135 और 56 कम होता है जबकि वीर सम्वत् 470 अधिक होता है, परन्तु बहुत सी प्रतियों में उनका प्रतिलेखन संवत् लिखा हुआ नहीं मिलता है। ऐसी अवस्था में अनुमान से वह प्रति जिस शताब्दी में लिखी प्रतीत हुई वह विक्रम की शताब्दी लिख दी गई है। यद्यपि अनुमान लगाते हुए हमने पर्याप्त अनुदार दृष्टि से काम लिया है (अर्थात् संदेहास्पद मामलों में प्रति को प्राचीन की अपेक्षा अर्वाचीन ही बताने की ओर झुकाव रहा है) तो भी अन्दाज तो अन्दाज ही है। अतः पाठकों को सलाह है कि हमारे इस अन्दाज को ठोस आधार न मान लें। भिन्न-भिन्न वर्षों में लिखित प्रतियों की प्रविष्टि जब एक साथ ही की गई है वहाँ कालावधि की सीमायें व यथा योग्य सूचना दे दी गई है।

(ii) दूसरी सूचना प्रति किस स्थल में लिखी गई है उसकी है और

(iii) तीसरी सूचना लिपिक के नाम की है

स्तम्भ 11– विशेषज्ञातव्य—

उपरोक्त सब के अलावा ग्रन्थ अथवा प्रति के बारे में जो भी सूचना देना उपादेय या आवश्यक समझा गया है उस वास्ते इस स्तम्भ की शरण ली गई है। यह तरह-तरह की जानकारी से भरा गया है और इसका अवलोकन किये बिना प्रविष्टि पूरी देख ली है ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस स्तम्भ में दी गई जानकारी के कतिपय उदाहरण हैं—चित्रित, संशोधित, अपठनीय, जीर्ण, प्रथम आदर्श, ताड़पत्रीय या वस्त्र पर, देवनागरी से भिन्न लिपि, स्वर्णाक्षरी, ग्रन्थ का दूसरा प्रचलित नाम, प्रशस्ति है, वृत्ति आदि का नाम जो अक्सर वृत्तिकार अपनी कृत्ति को देते हैं, साथ में गौण वस्तु जो संलग्न हो आदि 2।

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

उपरोक्त स्तम्भों के अतिरिक्त सरकारी निर्धारित प्रपत्र द्वारा चार अन्य स्तम्भों की अपेक्षा की गई है जो निम्न प्रकार है :—

(1) प्रति किस पर लिखी गई है :— कागज, ताड़पत्र, भोजपत्र, कपड़ा आदि।

(2) प्रति किस लिपि में लिखी गई है :— देवनागरी, मोड़ी, अरबी, गुजराती।

(3) प्रति जीर्ण है या ठीक है या अपठनीय है इत्यादि सूचना।

(4) ग्रन्थ अद्यावधि मुद्रित हो चुका है अथवा आज तक अमुद्रित ही है।

परन्तु इस सूची-पत्र में इन चार स्तम्भों को नहीं रखा है और इसका स्पष्टीकरण निम्न प्रकार है :—

लगभग सारी की सारी प्रतियां कागज पर हैं और देवनागरी लिपि (अक्षर अधिकतर जैन मोड़ दिये हुए) में लिखी हुई है अतः अलग स्तम्भ बनाकर सर्वत्र ,, का निशान लगाने में कुछ सार नहीं प्रतीत होता। इसी प्रकार इस सूची-पत्र में उल्लेखित प्रायः सभी प्रतियों की अवस्था ठीक है, पठनीय है अतः उसका भी स्वतन्त्र स्तम्भ बनाना उपयुक्त नहीं लगा। हाँ, कदाचित यदि कोई प्रति कागज पर नहीं है, अथवा देवनागरी लिपि में नहीं लिखी हुई है अथवा जीर्ण व अपठनीय है तो वैसा उल्लेख अवश्य "विशेष ज्ञातव्य" स्तम्भ में कर दिया गया है। विशेष उल्लेख के अभाव में पाठक निःशंक यह समझ लें कि प्रति देवनागरी लिपि में कागज पर लिखी हुई है और उसकी दशा ठीक है। तथा ग्रन्थों के अद्यावधि मुद्रित या अमुद्रित होने की जानकारी का संकलन करने में हम असमर्थ रहे हैं। अतः अपूर्ण किंवा असत्य जानकारी देने की अपेक्षा मौन रहना ही श्रेयस्कर समझा है। इसका पता शोधार्थी या प्रकाशक हमारी अपेक्षा आसानी सेलगा सकते हैं।

तथा इस बारे में एक और निवेदन है। अतिरिक्त परिशिष्ट तथा और कई स्तम्भ सूची-पत्र में जोड़े जा सकते हैं और उससे शोधार्थियों को अवश्य कुछ सुविधा हो जाती है। परन्तु साथ में हमें यह भी नहीं भूलना चाहिये कि सूची-पत्र की अपनी मर्यादायें होती हैं और सूची-पत्र बनाने वाले की योग्यता भी असीमित नहीं होती। ग्रन्थ के बारे में आवश्यक सूचना सम्मेत सूची बना देना पर्याप्त है, बाकी सब ढेर सारी सामग्री पचाकर शोधार्थी को देने से उसमें प्रमाद पनपता है, अन्वेषण की जिज्ञासा कुण्ठित हो जाती है जो ज्ञान के विकास के लिये घातक सिद्ध होती है। सूची-पत्र कितना भी विस्तृत हो, शोधार्थी के लिये तो असल प्रति या फोटो फिल्म प्रतिबिम्ब देखने के अलावा गत्यन्तर नहीं है, यह हमारा निश्चय मत है अन्यथा शोध-कार्य के प्रति न्याय नहीं होगा। केवल सूची बनाने वाले पर ही अधिक भार लादने से यह श्रम-साध्य कार्य और इतना गुरुतर हो जावेगा कि साधारण मनुष्य इस को हाथ में लेने से ही घबरा जावेगा - उसका उत्साह मारा जावेगा। सूची-पत्र सूचना है - जांच के लिये आमन्त्रण है - निर्णय का आधार नहीं।

●

For Private and Personal Use Only

आभार प्रदर्शन

(1) i. मुनि श्री जयानन्दजी महाराज साहिब को वन्दना करते हैं जिनकी आज्ञा से खरतरगच्छ समुदाय जोधपुर के अध्यक्ष महोदय ने श्री महावीर स्वामी मन्दिर के यशोसूरि व केशरगणि भण्डारों के ग्रन्थ यहाँ रावटी में स्थानान्तरित कर दिये हैं।

ii श्रीमान् मिलापचन्दजी साहिब ढढ्ढा धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने श्री ओसियां तीर्थ के रत्नप्रभ ज्ञान भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी।

iii. श्रीमान् सम्पतराजजी साहिब भंसाली धन्यवाद के पात्र हैं जिनकी प्रेरणा से मुनिसुव्रत स्वामी मन्दिर भण्डार के ग्रन्थ यहाँ रावटी में स्थानान्तरित कर दिये गये हैं।

iv. श्रीमान् स्व. भोपालचन्दजी साहिब दफ्तरी की आत्मा को शान्ति मिले जिन्होंने श्री केशरीया-नाथजी के मन्दिर के भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी।

v. श्रीमान् सायरमलजी साहिब पटवा धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर कोलड़ी भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी।

vi. श्रीमान् कल्याणमलजी साहिब भंसाली धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने श्री कुंथुनाथजी के मन्दिर के भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी।

(2) स्व. अगरचन्दजी नाहटा बीकानेर, श्रीमान् भंवरलालजी नाहटा बीकानेर एवं महामहोपाध्याय श्री विनयसागरजी जयपुर वालों को धन्यवाद दिया जाता है कि उन्होंने इस सूची-पत्र की भूलों का परि-मार्जन व संशोधन किया है।

(3) सेवा मन्दिर के परिवार में से श्री बंशीधरजी पुरोहित बी.ए.एल.एल.बी., श्री सुशीलकुमार मुथा एम.ए. एवं श्री रामलालजी धाड़ीवाल के नाम विशेषरूप से उल्लेखनीय है जिन्होंने इस सूची-पत्र को बनाने में पूरा सहयोग दिया है।

तथा पुस्तक प्रकाशित करने का मुझे बिलकुल अनुभव नहीं था- यह प्रथम प्रयास है अतः कई भूलें हुई हैं। उदाहरण स्वरूप प्रूफरीडिंग का काम मैंने पूर्णतः कर्मचारियों पर छोड़ देने की भयंकर भूल की अतः इस सूची-पत्र में अनेक अशुद्धियां । गई है। इन सब के लिये एक मात्र दायित्व व दोष मेरा है और तदर्थ क्षमा प्रार्थी हूं।

जोधपुर
2044, होलिका रजपर्व
दिनांक 3 मार्च 1988

जौहरीमल पारख का प्रणाम

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

राजस्थान के जैन ग्रंथ भंडारों के हस्तलिखित ग्रंथों का

सूची-पत्र

प्रथम खण्ड

(जोधपुर नगर)

Rajasthan Jain Granth Bhandars

CATALOGUE OF Hand-Written Manuscripts

Volume I

(JODHPUR CITY)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

क्रमांक 1	स्रोत-परिचयाङ्क 2	ग्रन्थ का नाम 3	नाम रोमन लिपि में 3A	ग्रन्थकार का नाम व परिचय 4	स्वरूप 5
1	के. नाथ 2/4	आचाराङ्ग सूत्र	Ācārāṅga Sūtra	सुधर्मा +	मू. (ग.प.)
2	,, 1/20	,,	,,	,, +	,,
3	,, 20/34	,,	,,	,, + पार्श्वचंद्र	मू. + ट. ,,
4	,, 1 22	,, + बा.	,, + Bālā	,, + पार्श्वचंद्र	मू. + बा. ,,
5	ओसि. 1 अ 16	,,	,,	-	मू. + ट. ,,
6	,, 1 अ 17	,,	,,		,,
7	,, 1 अ 56	,, + बा.	,, + Bālā	सुधर्मा +	मू. + बा. ,,
8	महा. 1 अ 2	,,	,,	सुधर्मा	मू. + ट. ,,
9	के.नाथ 29/38	,,	,,	,,	,,
10	,, 29/39	,,	,,		,,
11	,, 13/22	,,	,,	सुधर्मा	,,
12	कुन्थु 47/3	,,	,,	,,	मू. (ग.)
13	के. नाथ 9/10	,, + वृत्ति सह	,, (with Vṛtti)	सुधर्मा + शीलांकाचार्य	मू. + वृ.
14	म 1 अ 1	,, की वृत्ति	,, Kī Vṛtti	शीलांकाचार्य	वृ. (ग.)
15	के.नाथ 18/58	,, की विषय सूची	,, kī Viṣaya-sūcī		गद्य
16	,, 9/15	सूत्रकृताङ्गसूत्र	Sūtrakṛtāṅga Sūtra	सुधर्मा	मू. + ट. (प.ग.)
17	,, 14 30	,,	,,	,,	,, ,,
18	,, 1/11	,,	,,	सुधर्मा +	मू. (प.ग.)
19	,, 29/34	,,	,,	,, +	,, ,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

विषय संकेत 6	भाषा 7	पन्ने 8	नाप पंक्त्याक्षर ल × चौ × पं × अ. 8A	परिमाण 9	प्रतिलेखन सं. आदि 10	विशेष ज्ञातव्य 11
प्रथम अंग (आचरण)	प्रा.	50	27 × 11 × 15 × 50	सं.दोनों स्क.ग्र.2644	17वीं	
,,	,	83	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1749	
,,	प्रा. मा.	80	25 × 11 × 18 × 44	सं. प्र. स्कंध	18वीं	
,,	,,	118	26 × 11 × 17 × 58	,, द्वि. ,,	18 ,,	
,,	,,	87	24 × 11 × 7 × 33	,, प्र. ,,	1833 विक्रमपुर मनरंग	
,,	,,	150	24 × 11 × 6 × 33	,, द्वि. ,,	,, ,, ,,	
,,	,	92	26 × 11 × 15 × 58	,, प्र. ,,	19वीं	
,,	,,	63	26 × 12 × 5 × 36	,, ,, ,, ग्रं. 1817	1936 ख.जरगगढ़ लक्ष्मी विजय	
,,	,,	110	27 × 12 × 4 × 32	,, ,, ,, ,, 4000	20वीं	
,,	,,	189	27 × 12 × 5 × 32	,, द्वि ,, ,, 8500	20वीं	
,,	,,	43	27 × 11 × 4 × 42	प्र. छठे अध्य. तक	19वीं	
,,	प्रा.	12	27 × 12 × 13 × 35	अपूर्ण त्रुटक	19 ,,	
,,	प्रा. सं.	58	25 × 12 × 20 × 64	,, ,,	19 ,,	लकीरों की संख्या भिन्न भिन्न
अंग साहित्य	सं.	398	26 × 12 × 13 × 40	सं. दोनों स्कंधों की ग्र. 12225	1847	
,,	मा.	2	27 × 11 × 11 × 68	संपूर्ण	19वीं	
द्वितीय अंग	प्रा.मा.	50	26 × 11 × 6 × 35	सं. प्र. अध्य. 16	1574	
,,	,,	60	26 × 11 × 6 × 27	,, ,, ,,	16वीं	
,,	प्रा.	42	26 × 11 × 15 × 54	,, दोनों स्कंध 23 अध्य	1653	
,,	,,	53	30 × 11 × 13 × 56	,, ,, ,,	17 वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
20	कोलडी. 23	सूत्रकृताङ्गसूत्र	Sūtrakṛtāṅga Sūtra	सुधर्मा	मू. (प.)
21	महा. 1अ4	,,	,,	,,	,, ,,
22	मु.सुव्रत 1अ46	,,	,,	,,	,, ,,
23	,, 1अ47	,,	,,		,, (ग.प.)
24	,, 1अ45	,,	,,	सुधर्मा	मू.+ट. (प.ग.)
25	के. नाथ 29/9	,,	,,	,,	मू. (प.)
26	ओसि. 1अ18	,,	,,	,,	मू+बा. (प.ग.)
27	के.ना. 13/11	,, +दीपिका	,, +Dipikā	,, +हर्षकुशल	मू.+दी. ,,
28	कुन्थु. 29/2	,, + ,,	,, + ,,	,, +साधुरंग	,, ,,
29	महा. 1अ3	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, +शीलांकाचार्य	मू.+वृ.
30	के. ना.18/40	,, + ,,	,, + ,,	,, ,,	,, ,,
31	मुनि सु.3इ27/4	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू. (प.)
32	के.नाथ 10/77	,,	,,		,, (ग.)
33	,, 15/132	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	,, (प.)
34	कोलडी 872	,,	,,	,,	,, (प.)
35	के.नाथ 29/99	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	शीलांकाचार्य	गद्य
36	मुनि सु.1अ44	स्थानाङ्गसूत्र	Sthānāṅga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू. (ग.)
37	ओसि. 1 अ 19	,,	,,	,,	,,
38	महा. 1 अ 6	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ.(ग).
39	के. नाथ 4/3	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.+(ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
द्वितीय अंग	प्रा.	30	27 × 11 × 11 × 42	सं. प्र. स्कं. 16 अध्य.	17वीं	
,,	,,	22	26 × 11 × 13 × 44	,, ,, ,,	,,	
,,	,,	27	26 × 11 × 11 × 41	,, ,, ,,	,,	
,,	,,	54	26 × 11 × 11 × 41	,, द्वि. स्कं. 7 अध्य	,,	
,,	प्रा. मा.	63	26 × 11 × 6 × 32	,, प्र. स्क. ग्र. 5000	1696/ 1701 धमदास	
,,	प्रा.	30	26 × 10 × 11 × 33	प्र. स्कं. कुछ त्रुटक	17वीं	
,,	प्रा. मा.	51	26 × 11 × 15 × 35	ग्र. 12 अध्य. प्र. स्क	18वीं	
,,	प्रा. सं.	50	26 × 11 × 17 × 45	,, ,, ,,	19वीं	
,,	,,	89	26 × 11 × 18 × 72	प्र. 13वें से 23 अध्या	17वीं	
,,	,,	346	26 × 12 × 15 × 48	सं.दोनों स्कं.ग्र.16950	20वीं	
,,	,,	12	26 × 11 × 19 × 59	द्वि. अध्य-मात्र	17वीं	
,, महावीर स्तुति	प्रा.	2	25 × 10 × 14 × 44	छठा अध्या. मात्र	1783	
,, का 1 अध्या.	,,	10	26 × 12 × 19 × 55	क्रियानाम अध्य. मात्र	18वीं	
,, वीर स्तुति	,,	3	17 × 9 × 9 × 30	छठा अध्या. मात्र	1897	
,, ,,	,,	2	20 × 12 × 16 × 34	,, ,, ,,	1901	
अंग-साहित्य	सं.	132	27 × 12 × 15 × 52	ग्र.13वें से 23 अध्या.	1867	
तीसरा अंग (ठाणांग)	प्रा.	105	28 × 11 × 13 × 42	सं. ग्रं. 3800	16वीं	
,, ,,	,,	82	26 × 11 × 15 × 46	,, 3750	16वीं	
,,	प्रा. सं.	241	32 × 13 × 15 × 63	,, 18000	16वीं	
,,	प्रा.	137	27 × 11 × 12 × 39	,, 3750	17वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
40	महा.13/13	स्थानाङ्ग सूत्र+वृत्ति	Sthānānga Sūtra+Vṛtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
41	के.नाथ 66/13	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
42	महा./अ 5	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
43	के.नाथ 11/80	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
44	मुनि सु.1अ55	,,	,,	,,	मू.+ट.(ग.)
45	कोलडो 973	स्थानाङ्ग-वृत्ति	,, —Vṛtti	अभयदेव	वृ.(ग.)
46	,, 18	,,	,, ,,	,,	,,
47	के.नाथ 15/11	समवायाङ्ग-सूत्र+वृत्ति	Samavāyānga Sūtra+Vṛtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
48	ओसियां 1अ20	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
49	के.नाथ 1/17	,,	,,	,,	,,
50	,, 10/91	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
51	मुनि सु.1अ41	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
52	के.नाथ 20/9	,,	,,	,,	मू.+ट.(ग.)
53	,, 15/3	,,	,,	,,	मू.(ग.)
54	,, 20/7	,,	,,	,,	मू.+ट.(ग.)
55	,, 29/41	,,—वृत्ति	,, —Vṛtti	अभयदेव	वृ.(ग.)
56	महा. 1 अ 7	,, ,,	,, ,,	,,	,,
57	कोलडो 19	,, ,,	,, ,,	,,	,,
58	,, 970	भगवतीसूत्र	Bhagavatī Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
59	के.नाथ 24/7	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
तीसरा अंग	प्रा.सं.	289	27 × 11 × 17 × 64	सं.ग्र. 18000	17वीं	
,,	प्रा.	173	26 × 11 × 7 × 42	अ. 8वें स्थानक तक	19वीं	
,,	प्रा.सं.	289	30 × 15 × 20 × 54	सं.ग्र. 18000	1914	
,,	प्रा.	5	26 × 11 × 13 × 40	3-4 स्थान के बोल मात्र	18वीं	
,,	प्रा.मा.	43	26 × 11 × 8 × 57	अ. 3रे स्थान तक	19वीं	
अंग-साहित्य	सं.	170	34 × 14 × 17 × 70	अ. 8वें ,, ,,	15वीं	संशोधित
,,	,,	269	27 × 11 × 15 × 52	सं ग्र. 14250	1665	
चौथा अंग	प्रा.सं.	70	26 × 11 × 11 × 40	,, 5417	15वीं	
,,	प्रा.	60	26 × 11 × 11 × 45	,,	16वीं	
,,	,,	35	26 × 11 × 15 × 55	अ. 24वें समवाय तक	16वीं	
,,	प्रा.सं.	38	34 × 13 × 22 × 60	,, 17वें से अंत तक	1649	जीर्ण/वृत्ति संक्षेप में है।
,,	प्रा.	45	26 × 12 × 15 × 43	संपूर्ण	1659	
,,	प्रा मा.	121	25 × 11 × 12 × 55	,, ग्र. 1667	1751	
,,	प्रा.	39	25 × 10 × 14 × 38	,, ,,	1783	
,,	प्रा.मा.	76	26 × 11 × 7 × 50	अ. 8वें समवाय तक	18वीं	
अंग-साहित्य	सं.	98	26 × 11 × 13 × 52	संपूर्ण	16वीं	
,,	,,	122	25 × 11 × 13 × 41	,, ग्र. 3775	17वीं	
,,	,,	78	27 × 11 × 15 × 55	,, ,,	19वीं	
पांचवां अंग (व्याख्या प्रज्ञप्ति)	प्रा.	244	26 × 13 × 17 × 64	,, ग्र. 15775	1568	
,,	,,	245	27 × 11 × 11 × 51	अ.जमाली दीक्षा तक	16वीं	188 से 199 पन्ने कम

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
60	कोलडी 20	भगवतीसूत्र	Bhagavati Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
61	के.नाथ 5/3	,,	,,	,,	,,
62	ओसिया 1अ21	,,	,,	,,	,,
63	महावीर 1अ8	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	सुधर्मा/अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
64	मुनिसु. 1अ40	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
65	महावीर 1अ14	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
66	कोलडो 1012	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
67	महावीर 1अ9	,,	,,	,,	,,
68	के.नाथ 17/50	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, +अभय	मू.+वृ.(ग.)
69	कुन्थुनाथ 2/6	,,	,,	,,	मू.+ट.(ग.)
70	कोलडी 1012	,,	,,	,,	मू.(ग.)
71	कुंथुनाथ52/18	,,	,,	,,	,,
72	ओसि 2अ408	,,	,,	,,	मू.+ट.(ग.)
73	के नाथ10/41	,,	,,	,,	,,
74	मुनिसु 1/अ57	,,	,,	,,	,,
75	कुन्थुनाथ52/22	,,	,,	,,	,,
76	के.नाथ 6/108	,,	,,	,,	मू.(ग.)
77	,, 6/61	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	अभयदेव	गद्य
78	,, 9/11	,, ,,	,, ,,	,,	,,
79	कोलडी 21	,, का बीजक	,, kā Bījaka		,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
पांचवां अंग (व्याख्याप्रज्ञप्ति)	प्रा.	401	27×11×13×52	सपूर्ण	1670	
,,	,,	205	26×11×17×54	सं. ग्रं. 15875	1698	
,,	,,	904	26×12×13×41	,,	1887 रतलम, मनोरदास	
,,	प्रा.सं.	971	27×13×15×47	,, 41 शतक	1894	
,,	,,	715	33×19×17×45	,,	1900 तखतराम	
,,	,,	681	31×15×14×64	,, ग्रं. 18616	1965 जोधपुर	
,,	प्रा.	423	27×11×11×40	त्रुटक	19वीं	बीच में कई पत्रे कम
,,	,,	168	26×12×13×38	अपूर्ण शतक 8/8 तक	,,	
,,	प्रा.सं.	94	25×12×15×44	केवल शतक 1/7 तक	,,	
,,	प्रा.मा.	5	25×12×5×30	,, प्र. ,, का 7वां उद्दे.	1859	
,,	प्रा.	15	26×13×6×40	अपूर्ण मात्र	19वीं	
,,	,,	53	26×11×15×45	,, 13 आलापक मात्र	17वीं	
,,	प्रा.मा.	11	26×11×6×35	केवल जयंती प्रश्नोत्तरी	1763	देवलोये, शतक 2/1+3/1,2 +7/9,10,9/ 33,60+11/ 11,12+12/ 1,2,9, जमालि अधिकारादि
,,	,,	20	26×11×11×38	,, ऋषभ जयपाली अधिकार	18वीं	
,,	,,	27	26×11×11×41	,, 9/36 व 16/5,6	,,	
,,	,,	13	25×11×12×40	,, 9/33 जवाली अधिकार	19वीं	
,,	प्रा.	6	26×11×12×44	कुछ उद्धरण मात्र	,	
आगम साहित्य	सं.	424	26×11×15×45	सं. ग्र. 18616	1663	
,,	,,	468	26×11×15×45	,, ,,	1667	
विषय सूची	,,	12	27×11×18×54	सं. 138 ग्रा. 1925 उद्दे	1658	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
80	मुनि सु 2/320	भगवतीसूत्र की सज्झायें	Bhagavatı Sūtra kī Sajjhāyen	मानविजय	पद्य
81	कोलडी 22	,, यन्त्राणि	,, Yantrāṇi		तालिकायें
82	के.नाथ 11/95	ज्ञाता धर्म कथाङ्ग सूत्र	Jñatādharma kathānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू. (ग.)
83	मुनि सु 1अ53	,,	,,	,,	,,
84	के. नाथ 1/31	,,	,,	,,	,,
85	मुनि सु 1अ54	,,	,,	,,	,,
86	ओसियां 1अ35	,,	,,	,,	,,
87	के. नाथ 4/1	,,	,,	,,	,,
88	ओसियां 1अ37	,,	,,	,,	,,
89	के. नाथ 14/25	,,	,,	,,	,,
90	,, 5/2	,,	,,	,,	,,
91	से. मं.1अ 58	,,	,,	,,	,,
92	के. नाथ 4/14	,,	,,	,,	मू.+ट(ग.)
93	,, 5/102	,,	,,	,,	मू. (ग.)
94	से. मं. 1अ59	,,	,,	,,	मू.+ट(ग.)
95	कोलडी 24	,,	,,	,,	,,
96	के. नाथ 1/26	,,	,,	,,	मू. (ग.)
97	कुं. नाथ 43/9	,,	,,	,,	मू. (ग.)
98	,, 23/6	,,	,,	,, /कनक सुंदर	मू.+ट(ग.)
99	के ना 13/36	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू. (ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
आगम साहित्य	मा.	9	27 × 12 × 12 × 31	अ. 12वीं सज्झाय तक	17वीं	शांति विजय शिष्य
,,	प्रा.	3	28 × 11 × 5 × 65	त्रुटक	19वीं	
अंग सूत्र/धर्म कथायें	प्रा. मा.	77	29 × 11 × 18 × 63	सं. दोनों स्कंध	1522	पहिला पत्रा कम
,,	प्रा.	110	30 × 12 × 14 × 52	,,	1570	
,,	,,	170	25 × 11 × 11 × 48	,, ग्रं. 5834	16वीं	
,,	,,	159	26 × 11 × 11 × 47	,,	1597	
,,	,	248	28 × 12 × 10 × 32	,,	16वीं	पहिला पत्रा कम
,,	,,	223	27 × 11 × 11 × 32	,, ग्रं. 5464	1601	
,,	,,	109	33 × 13 × 13 × 64	,, ,,	17वीं	
,,	,,	146	25 × 11 × 13 × 41	अ. द्वि.स्कं.के 7वर्ग तक	,,	
,,	,,	55	26 × 11 × 13 × 44	,, आठवीं कथा से द्वि. की 1	,,	
,,	,,	154	26 × 11+11 × 42	सं दोनों स्कंध	18वीं	
छठा अंग सूत्र	प्रा.मा.	263	25 × 11 × 7 × 40	सं. दो. स्कंध ग्रं. 14000	18वीं	
,,	प्रा.	131	26 × 10 × 11 × 44	अपूर्ण दूसरी कथा से अंत तक	18वीं	
,,	प्रा.मा.	169	26 × 12 × 7 × 43	त्रुटक द्वि.स्कं.8वें वर्ग तक	18वीं	जीर्ण
,,	,,	333	25 × 12 × 15 × 37	संपूर्ण दोनों स्कंध	1839	
,,	प्रा.	209	25 × 11 × 5 × 35	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	117	27 × 11 × 16 × 44	,, 16वीं कथा तक	19वीं	
,,	प्रा.मा.	106	26 × 12 × 5 × 46	त्रुटक	19वीं	
,,	प्रा.	149	26 × 12 × 12 × 38	,,	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
100	के.नाथ 11/24	ज्ञाताधर्म कथाङ्गसूत्र	Jñātādharma Kathāṇga-sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू.+ट.(ग)
101	कोलडो 1014	,,	,,	,,	मू. (ग)
102	,, 1013	,,	,,	,,	मू +ट. (ग)
103	के. ना.5/114	,,	,,	,,	,,
104	महा. 1अ15	,,	,, +Vṛtti	,, /अभयदेव	मू.+वृ. (ग)
105	ओसि.2/312	ज्ञातोपनया	Jñātopanayā		मू.+अ.(ग)
106	कोलडो972	ज्ञाताधर्म कथांग की वृत्ति	Jñātadharma kathānga kı Vṛtt i	अभयदेव	गद्य
107	ओसि.1अ36	,,	,,	,,	गद्य
108	से. मं. ति.गु. 3	ज्ञाताभास	Jñātābhāsa	मेघऋषि (पासचंद गच्छ)	पद्य
109	के. ना.14/59	ज्ञाताधर्म कथा पर्याय	Jñātādharmakathā Paryāya		गद्य
110	,, गु. 27	,, बोल	,, Bola		गद्य
111	ओसि. 1अ26	उपासक दशांग सूत्र	Upāsakadaśānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू. (ग.)
112	मु सु 1 अ43	,,	,,	,,	,,
113	,, 1 अ 42	,,	,,	,,	मू.+ट(ग)
114	के. नाथ 4/6	,,	,,	,,	मू.ग.
115	,, 11/20	,,	,,	,,	,,
116	,, 14/34	,,	,,	,,	,,
117	ओसि.1अ 38	,,	,,	,,	,,
118	के.नाथ 6/21	,,	,,	,,	,,
119	,, 5/49	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
छठा अंग सूत्र	प्रा.मा.	22	25 × 11 × 6 × 36	अपूर्ण पहली कथा भी अधूरी	18वीं	
,,	प्रा.	157	26 × 10 × 11 × 45	,, पाँचवीं से अंत तक	19वीं	
,,	प्रा.मा.	147	25 × 11 × 5 × 48	त्रुटक	19वीं	बीच में कई पन्ने कम
,,	,,	20	25 × 11 × 7 × 34	केवल 17वीं18वीं कथा	19वीं	
,,	प्रा.सं.	61	25 × 12 × 14 × 44	अपूर्ण पहली कथाभी अधूरी	19वीं	
अंग-साहित्य कथा शिक्षा व रूपक वि	,,	4	26 × 11 × 22 × 34	सं. 19 कथाओं के	15वीं	
आगम-साहित्य	सं.	58	34 × 14 × 17 × 72	सं. ग्रं 7300	1629	
,,	सं.	88	33 × 13 × 13 × 63	,,	17वीं	
,,	मा.	39	16 × 13 × 13 × 17	,, 19 कथासार	1721	
कठिन शब्दार्थ	प्रा मा.	20	25 × 11 × 19 × 50	,, प्र.सं. के शब्दार्थ	19वीं	
आगम-साहित्य सार तालिका	मा.	19	15 × 10 × 14 × 10	,, 113 अनुच्छेद	1929	
सातवां अंग सूत्र श्राद्धाचार	प्रा.	17	28 × 11 × 15 × 58	,, 10 अध्ययन	1598 सौभाग्यसुन्दर	
,,	,,	30	27 × 11 × 11 × 50	,, 10 ,, ग्रं. 886	16वीं	
,,	प्रा.मा.	49	26 × 11 × 7 × 42	,, 10,, ग्रं. 1986	16वीं	
,,	प्रा.	39	26 × 11 × 13 × 47	,, 10 ,, ग्रं. 976	1613	
,,	,,	24	25 × 11 × 13 × 39	,, 10 ,, ग्रं. 812	1679	
,,	,,	35	26 × 11 × 11 × 40	,, ,,	17वीं	
,,	,,	23	26 × 11 × 13 × 44	,, 921	17वीं	
,,	,,	17	26 × 11 × 15 × 54	अपूर्ण 8वें अध्य तक	18वीं	
,,	,,	13	27 × 11 × 16 × 56	,, 2 से 10 ,,	18वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3A	4	5
120	के.नाथ 3/21	उपासकदशांगसूत्र	Upāsakadaśānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू.+ट.(ग.)
121	ओसियां 1अ2	,,	,,	,,	,
122	के.नाथ 15/21	,,	,,	,,	मू.ग.
123	,, 4/4	,,	,,	,,	,,
124	,, 2/6	,,	,,	,,	,,
125	ओसि.1अ39	,,	,,	,,	,,
126	के.नाथ 9/9	,,	,,	,,	मू.+ट.(ग.)
127	,, 1/36	,,	,,	,,	मू.ग.
128	,, 5/22	,,	,,	,,	मू.+ट.(ग.)
129	,, 17/52	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	अभयदेव	गद्य
130	,, 15/216	,, ,,	,, ,,	,,	,,
131	से.म. 1अ60	अन्तकृताङ्गसूत्र	Antakṛtānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू.ग.
132	मु.सु. 1अ49	,,	,,	,,	,,
133	से.म. 1अ61	,,	,,	,,	,,
134	ओसि. 1अ27	,,	,,	,,	,,
135	,, 1अ34	,,	,,	,,	,,
136	के.नाथ15 17	,,	,,	,,	,,
137	कोलडी 25	,,	,,	,,	,,
138	कोलडी 26	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
139	महावीर1अ10	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
सातवां अंग सूत्र श्राद्धाचार	प्रा. मा.	61	26 × 11 × 6 × 38	संपूर्ण 12 अध्याय	1863	
,,	,,	116	27 × 12 × 4 × 30	,,	19वीं	
,,	प्रा.	27	25 × 10 × 15 × 43	,,	19वीं	
,,	,,	22	26 × 11 × 14 × 50	,,	19वीं	
,,	,,	23	26 × 11 × 13 × 43	सं.10अध्याय ग्रं.912	19वीं	
,,	,,	23	28 × 12 × 13 × 54	अ 8वें अध्याय तक	19वीं	
,,	प्रा. मा.	60	26 × 11 × 5 × 42	अ. 9 वें ,,	20वीं	
,,	प्रा.	11	26 × 11 × 16 × 50	अ, 3 रे ,,	20वीं	पहिला पन्ना कम
,,	प्रा.मा.	11	26 × 11 × 6 × 32	अ. पहिला अध्या. भी अधूरा	20वीं	
आगम-साहित्य	सं.	24	26 × 10 × 14 × 44	सं.ग्रं.944अध्या.10	19वीं	
,,	,,	30	25 × 11 × 13 × 40	स. 10 अध्या. की	20वीं	
आठवां अंग सूत्र धर्म कथायें	प्रा.	19	26 × 11 × 15 × 53	स. 10 ,, 890	16वीं पोभाजीत	
,,	,,	21	26 × 12 × 13 × 48	,, ,,	16वीं	
,,	,,	30	27 × 11 × 11 × 40	,, ,,	16वीं	
,,	,,	16	28 × 11 × 15 × 58	,, ग्रं. 790	1589 पोभाग्यसुन्दर	
,,	,,	25	26 × 11 × 13 × 43	,, ग्रं. 795	1654 गली, जयंत	
,,	,,	24	25 × 10 × 13 × 33	,, 92 कथाये ग्रं.800	1746	
,,	,,	19	25 × 11 × 15 × 50	,, 10 अध्या. ग्रं.800	18वीं	
,,	प्रा. सं.	24	27 × 11 × 15 × 47	,, 10 अध्या.	18वीं	अंतिम पृष्ठ नहीं
,,	,,	23	25 × 13 × 15 × 38	,, 10 अध्या.	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
140	के. नाथ 15/96	अन्तकृताङ्गसूत्र	Antakṛtāṅga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू. ग.
141	मु.सुव्रत 1अ48	,,	,,	,,	मू.+ट(ग.)
142	के. ना. 10/69	,,	,,	,,	मू. (ग.)
143	ओसि. 1 अ 28	अनुत्तरोपपातिकदशाङ्गसूत्र	Anuttaropapātika-daśāṅga Sūtra	,,	,,
144	कु.ना.52/15	,,	,,	,,	,,
145	,, 37/11	,,	,,	,,	,,
146	के.नाथ 17/44	,,	,,	,,	,,
147	,, 15/7	,,	,,	,,	,,
148	,, 15/98	,,	,,	,,	,,
149	न सु.1अ52	,,	,,	,,	,,
150	के.ना. 11/66	,,	,,	,,	मू.+ट(ग.)
151	ओसि. 1अ32	,,	,,	,,	,,
152	से. मं. 1अ62	,,	,,	,,	मू ग.
153	कोलडी. 27	,,	,,	,,	मू.+ट(ग.)
154	मु.सु. 1अ51	,,	,,	,,	,,
155	कु. ना. 3/48	,,	,,	,,	,,
156	कोलडी 10/5	,,	,,	,,	मू. ग.
157	ओसि. 1अ33	,,	,,	,,	,,
158	,, 1अ30	,,	,,	,,	,,
159	के.नाथ 11/46	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,	मू.+वृ.(ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
आठवां अंग सूत्र धर्मकथायें	प्रा.	31	24 × 11 × 13 × 32	सं.10अध्याय ग्रं.892	19वीं	
,,	प्रा. मा.	67	25 × 12 × 6 × 31	,, ग्रं.880	1897फलोदी भीमराज	
,,	प्रा.	23	27 × 11 × 14 × 34	अपूर्ण	19वीं	
नवमां अंग सूत्र धर्मकथायें	,,	4	28 × 11 × 15 × 58	सं.10अध्या. ग्रं.190	1598 सौभाग्यसुन्दर	
,,	,,	8	26 × 11 × 11 × 48	,, ,,	16वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 11 × 48	,, ,,	16वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 11 × 46	,, ग्रं. 191	16वीं	
,,	,,	8	26 × 10 × 13 × 38	,, ग्रं. 196	1638	
,,	,,	8	26 × 11 × 11 × 35	,, ग्रं. 192	1646	
,,	,,	9	26 × 11 × 11 × 34	,, ,,	17वीं	
,,	प्रा. मा.	14	26 × 11 × 6 × 34	,, ,,	1700	पहिला पन्ना कम
,,	,,	13	25 × 12 × 8 × 30	,, ,,	18वीं	जीर्ण
,,	प्रा.	9	25 × 11 × 10 × 37	,, ,,	18वीं	
,,	प्रा.मा.	12	25 × 12 × 14 × 40	,, ,,	1839	
,,	,,	14	25 × 11 × 7 × 33	संपूर्ण 10 अध्याय	1898 गोपालसागर	
,,	,,	30	26 × 12 × 3 × 38	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.	9	26 × 11 × 13 × 44	,, ,,	19वीं	
,,	,,	5	25 × 12 × 16 × 47	,, ,,	19वीं	
,,	,,	9	24 × 14 × 11 × 30	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा. सं.	40	26 × 13 × 14 × 33	मू.सं. वृत्ति अपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
160	ओसियां 1अ31	अनुत्तरोपापतिकदशांगसूत्र	Anuttaropapātika-daśānga Sūtrā	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
161	,, 1अ39	प्रश्नव्याकरणसूत्र	Praśnavyākaraṇa Sūtra	,,	,,
162	के.नाथ6/64	,,	,,	,,	,,
163	से.मं. 1अ63	,,	,,	,,	,,
164	कुं.नाथ 54/4	,,	,,	,,	,,
165	के.नाथ 29/33	,, +बाला.	,, +Bālā.	,, /पार्श्वचंद	मू.+बा.(ग)
166	,, 10/13	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
167	,, 14/29	,,	,,	,,	,,
168	,, 1/24	,,	,,	,,	,,
169	महा. 1अ11	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /अभयदेव	मू.वृ.(ग.)
170	ओसि.1अ24/25	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.+ट.(ग.)
171	के.नाथ 15/176	,,	,,	,,	,,
172	के.नाथ 29/37	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	अभयदेव	गद्य
173	के.नाथ10/26	,, ,,	,, ,,	,,	,,
174	के.नाथ 5/50	,, दीपिका	,, Dīpikā	अजीतदेवसूरि	,,
175	मु.सु. 1अ50	विपाकसूत्र	Vipāka Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू.ग.
176	कोलडी 813	,,	,,	,,	,,
177	से मं. 1अ64	,,	,,	,,	,,
178	के. नाथ 4/9	,,	,,	,,	,,
179	कोलडी 28	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
नवमां अंग धर्म कथाय	प्रा.	12	25 × 12 × 7 × 42	संपूर्ण 10 अध्याय	1927 महात्मा गुजलाल	
दसवां अंग/ आश्रव संवर	,,	24	28 × 11 × 15 × 58	,, 10 अध्याय ग्रं. 1250	1598 सौभाग्यसुन्दर	
,,	,,	57	27 × 11 × 11 × 37	,, ,,	1616	
,,	,,	88	27 × 12 × 9 × 26	,, ,, ग्र. 1500	17वीं	
,,	,,	35	26 × 12 × 13 × 52	,, ,, ग्र. 1250	17वीं	
,,	प्रा. मा.	195	26 × 11 × 11 × 54	,, ,, ग्र. 7450	17वीं	
,,	प्रा.	53	28 × 13 × 13 × 50	अपूर्ण 3रे से 7वें अध्या.	17वीं	
,,	,,	48	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 10 अध्याय	19वीं	
,,	,,	38	26 × 11 × 13 × 42	,, ,, ग्र. 1200	19वीं	
,,	प्रा.सं.	125	26 × 12 × 15 × 44	,, ,, ग्र. 5880	19वीं	
,,	प्रा.मा.	91	25 × 13 × 7 × 32	,, ,, ग्र. 5400	1944	
,,	,,	6	26 × 11 × 5 × 30	अपूर्ण	20वीं	
आगम साहित्य व्याख्या	सं.	105	26 × 11 × 15 × 41	संपूर्ण 10 अ. ग्र. 4630	17वीं	
,,	सं.	23	26 × 11 × 17 × 45	अपूर्ण दूसरे अध्या. तक	19वीं	
,,	सं.	12	26 × 11 × 19 × 47	,, आश्रव 2 से 5	19वीं	
ग्यारवां अंतिम अंग धर्मकथायें	प्रा.	50	26 × 11 × 11 × 38	सं. दोनों स्कंध	1596	
,,	,,	33	31 × 11 × 13 × 35	,, ,,	1597	
,,	,,	53	27 × 11 × 11 × 38	,, ,,	16वीं	
,,	,,	58	26 × 11 × 11 × 34	,, ,, ग्र. 1316	1605	
,,	,,	24	27 × 11 × 15 × 54	,, ,,	1677	पहिला पत्र कम

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
180	के. नाथ 2/3	विपाकसूत्र	Vipāka Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू. (ग.)
181	" 17/43	"	"	"	"
182	महा.1अ12	" +वृत्ति	" +Vṛtti	" /अभयदेव	मू.+वृ (ग.)
183	के.नाथ/14/33	विपाकसूत्र	Vipāka stūra	सुधर्मा स्वामी	मू. (ग.)
184	ओसि. 1अ23	"	"	"	"
185	के. नाथ 3/5	"	"	"	मू.+ट.(ग.)
186	" 9/94	" की वृत्ति	" Ki Vṛtti	अभयदेव	गद्य
187	के. नाथ 1/23	" "	" "	"	"
188	कोलडी 29	" "	" "	"	"
भाग	विभाग	**1 आ (i) जैन**	**आगम अङ्ग बाह्य-उपाङ्ग**	**सूत्र**	
1	महा.1आ.1	औपपातिकसूत्र	Aupapātika Sūtra	+/अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
2	कोलडी 30	"	"		मू. (ग.)
3	के. नाथ 2/2	"	"		"
4	कु. नाथ52/9	"	"		"
5	के. नाथ 24/1	"	"		"
6	से.मं.1आ 128	"	"		"
7	के.नाथ 17/25	"	"		मू.+ट.(ग.)
8	ओसि. 1आ92	"	"		मू. (ग.)
9	के.नाथ 15/19	"	"		"

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
ग्यारवां अंतिम श्रंग/धर्मकथायें	प्रा.	28	25 × 12 × 15 × 50	संपूर्ण दोनों स्कंध ग्र. 1250	17वीं	
,,	,,	29	26 × 11 × 13 × 53	,, ,, ग्र. 1316	1719	
,,	प्रा.सं.	47	25 × 13 × 17 × 36	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.	29	26 × 11 × 16 × 41	,, ,, ग्र. 1334	19वीं	
,,	,,	3	26 × 12 × 15 × 56	द्वितीय स्कंध	19वीं	
,,	प्रा.मा.	11	24 × 10 × 5 × 29	केवल सुबाहु श्रध्य.	19वीं	
श्रागम साहित्य व्याख्या	सं.	17	26 × 10 × 16 × 50	सपूर्ण दोनों स्कंध	1617	
ग्यारवें श्रंग की व्याख्या/धर्म क	,,	23	26 × 11 × 15 × 46	,, ,, ग्र. 6800	1649	
,,	,,	10	26 × 11 × 15 × 52	श्रपूर्ण	1677	
प्रथम उपांग विविधवृत	प्रा.स.	83	27 × 11 × 17 × 38	संपूर्ण ग्र. 7125	16वीं	
,,	प्रा.	28	22 × 11 × 15 × 48	संपूर्ण	1665	
,,	,,	34	26 × 11 × 13 × 48	,, ग्र. 1167	1669	
,,	,,	32	26 × 10 × 13 × 41	,, ग्र. 1175	17वीं	
,,	,,	42	27 × 11 × 11 × 44	,, ग्र. 1250	17वीं	
,,	,,	36	26 × 11 × 13 × 41	,, ग्र. 1300	17वीं	प्रथम 3 पन्ने कम
,,	प्रा.मा.	82	25 × 11 × 5 × 40	श्रपूर्ण	17वीं	
,,	प्रा.	95	27 × 11 × 5 × 41	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	31	25 × 10 × 15 × 47	,, ग्र. 1167	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
10	के.नाथ 15/97	औपपातिकसूत्र	Aupapātika Sūtra		मू. (ग.)
11	,, 11/78	,,	,,		मू.+ट.(ग.)
12	कोलडो 1017	,,	,,		मू. (ग.)
13	,, 1016	,,	,,		,,
14	के.नाथ 15/12	राजप्रश्नीयसूत्र	Rājapraśnīya Sūtra		,,
15	,, 5/64	,,	,,		,,
16	,, 1/28	,,	,,		,,
17	पु.सु 1श्रा.116	,,	,,		,,
18	प.म. 1श्रा.127	,,	,,		,,
19	प्रोसियां 1श्रा.90	,,	,,		,,
20	,, 1श्रा.91	,,	,,	/वा. मेघराज	मू.+ट.(ग.)
21	के.नाथ 10/16	,,	,,		,,
22	,, 9/3	,,	,,		मू. (ग.)
23	,, 11/109	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	/मलयगिरि	मू.+वृ.(ग.)
24	कोलडी 31	राजप्रश्नीयसूत्र	Rajapraśnīya sūtra		मू. (ग.)
25	के.नाथ 14/31	,,	,,		,,
26	कोलडो 32	,,	,,		मू.+ट.(ग.)
27	,, 1012	,,	,,		मू. (ग.)
28	,, 1020	,,	,,		मू.+ट.(ग.)
29	के.ना. 16/16	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,	मू.+वृ.(ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
प्रथम उपांग विविधवृत	प्रा.	39	25×11×13×48	संपूर्ण ग्र. 1167	19वीं	
,,	प्रा.मा.	11	26×11×6×42	अपूर्ण अंतिम पन्ने	1786	
,,	प्रा.	29	26×11×5×30	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	25	25×11×15×55	,,	19वीं	
द्वितीय उपांग /2 कथायें	,,	50	25×11×15×42	संपूर्ण	1598	(सुर्यदेव + प्रदेशी केशी)
,,	,,	55	26×11×13×47	,, ग्र. 2100	1668	,,
,,	,,	68	27×11×13×36	,,	1681	,,
,,	,,	67	28×12×14×40	,, ग्र. 2579	17वीं	,,
,,	,,	61	26×11×13×46	,,	17वीं	,, अंतिम पन्ना कम
,,	,,	62	27×11×13×41	,, ग्र. 2179	17वीं	,,
,,	प्रा.मा.	193	24×11×5×40	,, ग्र. 6500	18वीं	,,
,,	,,	52	26×11×13×47	अपूर्ण	17वीं	
,,	प्रा.	54	26×11×13×48	सपूर्ण ग्र. 2121	18वीं	
,,	प्रा.सं.	77	31×13×13×58	लगभग पूर्ण	18वीं	प्रथम व अंतिम पन्ना कम
,,	प्रा.	49	27×11×13×52	संपूर्ण ग्र. 2079	18वीं	
,,	,,	50	26×11×13×42	अपूर्ण बीच के पन्ने	19वीं	
,,	प्रा.मा.	158	27×11×16×48	सं.ग्र. 2117+5000	1921	
,,	प्रा.	38	26×11×11×42	त्रुटक	18वीं	
,,	प्रा.मा.	84	27×12×7×37	अपूर्ण	18वीं	
,,	प्रा.सं.	30	26×11×15×53	त्रुटक	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
30	कु. ना.53/1	राजप्रश्नीयसूत्र	Rājapraśnīya Sūtra		मू.ट. (ग.)
31	कोलडी 1021	,,	,,		मू.ग.
32	महा. 1आ.2	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	मलयगिरि	गद्य
33	,, 1आ3	,, ,,	,, ,,	,,	,,
34	के.नाथ 10/47	,, ,,	,, ,,	,,	,,
35	से मं. 1आ129	जीवाजीवाभिगमसूत्र	Jīvājīvābhigama Sūtra		मू.अ. (ग.)
36	के. नाथ 4/11	,,	,,		मू.ग.
37	,, 9/2	,,	,,		,,
38	कोलडी 33	,,	,,		,,
39	ओसियां 1आ86	,,	,,		मू ट. (ग.)
40	के. नाथ 6/14	,,	,,		मू.ग.
41	कोलडी 1027	,,	,,		मू.ट. (ग.)
42	के. नाथ 16/7	,,	,,		मू.ग.
43	कोलडी 34	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	मलयगिरी	गद्य
44	,, 35	,, ,,	,, ,,	,,	,,
45	कु. नाथ25/8	,, ,,	,, ,,	,,	,,
46	मु.सु 1आ111	प्रज्ञापनासूत्र	Prajñāpanā Sūtra	श्यामाचार्य	मू.ग.
47	के. नाथ 1/6	,,	,,	,,	,,
48	के.नाथ24/4	,,	,,	,,	,,
49	,, 15/13	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
द्वितीय उपांग/ 2 कथायें	प्रा.मा.	66	27×12×6×33	अपूर्ण सूर्यदेव भी अपूर्ण	19वीं	
,,	प्रा.	11	24×13×6×42	अपूर्ण	20वीं	किंचित् टब्बार्थ भी
आगम साहित्य व्याख्या	सं.	75	27×11×17×50	पूर्ण ग्र. 4300	17वीं	
,,	,,	44	26×11×15×60	अपूर्ण बीचके पत्रे	18वीं	
,,	,,	54	27×12×16×43	अपूर्ण	19वीं	
तृतीय उपांग-विभक्तियां	प्रा.स	186	27×11×11×42	,,	17वीं	
,,	प्रा.	213	26×11×11×37	,,	17वीं	
,,	,,	96	26×11×15×50	सपूर्ण ग्र. 4700	1720	
,,	,,	90	25×10×17×52	,, ग्र. 4750	1721 जोधपुर	
,,	प्रा मा.	291	26×12×7×43	त्रुटक	18वीं	बीच के पत्रे कम है
,,	प्रा.	171	24×12×7×4[illegible]	अपूर्ण	19वीं	
,,	प्रा.मा.	50	28×15×6×40	,,	19वीं	
,,	प्रा.	4	28×11×14×48	केवल विजयदेव पूजा प्रकरण	19वीं	
आगम साहित्य व्याख्या	सं.	201	28×11×17×54	सं. ग्र. 14000	1561	
,,	,,	161	30×11×19×80	,, ,,	1599	
,,	,,	72	25×10×14×50	त्रुटक	16वीं	
चतुर्थ उपांग जीव अजीव विभ.	प्रा.	160	29×12×15×49	सं. ग्र. 8980	16वीं	
,,	,,	299	26×11×11×43	,, ग्र. 7788	17वीं	
,,	,,	223	28×12×13×41	,, 36 पद ग्र. 8300	18वीं	
,,	,,	182	26×11×13×52	,, ग्र. 7787	18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3		3A		4	5
50	ओसि.1अ99	प्रज्ञापनासूत्र		Prajñāpanā Sūtra		श्यामाचार्य	मू. (ग)
51	महा. 1अ4	,,	+वृत्ति	,,	+Vṛtti	,, /मलयगिरि	मू.वृ. (ग)
52	के.ना. 13/20	,,	—	,,	—	श्यामाचार्य	मू.ट. (ग)
53	ओसि. 1अ100	,,		,,		,,	,,
54	,, 1अ80	,,		,,		,,	,,
55	महा. 1अ52	,,	+वृत्ति	,,	+Vṛtti	,, /मलयगिरि	मू.वृ.(ग)
56	,, 1अ51	,,	,,	,,	,,	,, ,,	,,
57	ओसि 1अ141	,,	—	,,	—	श्यामाचार्य	मू.ट.(ग)
58	के. ना. 6/82	,,		,,		,, /कुलमंडनगणि	मू.अ.(ग)
59	कोलडी 36	,,	की वृत्ति	,,	kī Vṛtti	मलयगिरि	गद्य
60	के. ना. 1/2	,,	,,	,,	,,	,,	,,
61	ओसि.1अ87/88	,,	,,	,,	,,	,,	,,
62	के.ना.17 63	प्रज्ञापना की वृत्ति		Prajñāpanā kī Vṛtti		,,	गद्य
63	ओसि.1अ.101	जंबूद्वीप-प्रज्ञप्ति		Jambūdvīpa Prajñapti			मू ग.
64	के.ना. 1/10	,,	+वृत्ति	,,	+Vṛtti	मलयगिरि/	मू.वृ.(ग)
65	महा. 1 अ 5	,,		,,			मू ग.
66	,, 1 अ 6	,,	+वृत्ति	,,	+Vṛtti	/शांतिचंद्र वाचक तपागच्छीय	मू वृ (ग)
67	कु ना, 54/9	,,		,,			मू ग.
68	के.नाथ 9/12	,,	वृत्ति सह	,,	with Vṛtti	शांतिचंद्र तपागच्छीय	मू.वृ. (ग)
69	,, 4/5	,,		,,			मू.ग.

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8A	9	10	11
चतुर्थ उपाग जीव अजीव विभक्तिया	प्रा.	183	26 × 13 × 15 × 42	सं. 36 पद ग्र. 7787	1854 उद- रामसर माणिकमुनि	
,,	प्रा.सं.	415	25 × 11 × 16 × 57	,, ग्र.7786+16000	1885	
,,	प्रा.मा.	256	27 × 12 × 7 × 45	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	187	27 × 12 × 13 × 50	संपूर्ण ग्र. 26000	1908 बोडा गुमानीराम	
,,	,,	458	25 × 11 × 9 × 36	,,	1931	
,,	प्रा.सं.	431	27 × 12 × 14 × 56	,, ग्र. 23787	1964 केशरमुनि	
,,	,,	405	31 × 15 × 15 × 54	,, ,,	1975 केशरमुनि	
,,	प्रा.मा.	549	25 × 12 × 6 × 30	अपूर्ण त्रुटक	20वीं	जीर्ण
,,	प्रा.सं.	12	26 × 11 × 16 × 45	मात्र तृतीय पद की	20वीं	
आगम-साहित्य व्याख्या	सं.	161	31 × 11 × 19 × 80	अपूर्ण	16वीं	
,,	,,	165	26 × 11 × 15 × 36	,,	17वीं	
,,	,,	323	26 × 12 × 15 × 47	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	199	26 × 11 × 13 × 48	अपूर्ण	19वीं	
पांचवां उपांग भूगोल	प्रा.	38	26 × 11 × 23 × 74	संपूर्ण	16वीं	
,,	प्रा.सं.	286	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण	16वीं	
,,	प्रा.	171	27 × 11 × 11 × 31	संपूर्ण ग्र. 4154	1646 देवदास	
,,	प्रा सं.	435	26 × 12 × 15 × 46	,,	17वीं धनचंद्र	प्रशस्ति 2 पन्नों में
,,	प्रा.	144	26 × 11 × 11 × 43	,, ग्र. 4445	17वीं	
,,	प्रा.सं.	232	25 × 11 × 15 × 54	अपूर्ण ग्र. 12712 तक	17वीं	
,,	प्रा.	146	27 × 11 × 13 × 50	संपूर्ण	18वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
70	के. नाथ 15/2	जम्बूद्वीप-प्रज्ञप्ति	Jambūdvīpa Prajñapti		मू. (ग.)
71	,, 14/32	,,	,,		,,
72	,, 10/9	,,	,,		,,
73	कोलडी 37	,,	,,		मू.ट.(ग.)
74	के.ना. 5/65	,,	,,		मू. (ग.)
75	कोलडी 971	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	/हीरविजय (दान-सूरिका शिष्य)	गद्य
76	के.ना. 9/13	,, ,,	,, ,,		,,
77	मु सु. 1ग्रा114	चन्द्रप्रज्ञप्ति	Candra Prajñapti		मू. (ग.)
78	प्रोसि.1ग्रा102	सूर्यप्रज्ञप्ति	Sūrya ,,		,
79	के.नाथ 9/14	,,	,, ,,		,,
80	,, 11/36	निरयावलिका-पञ्चोपाङ्ग सूत्र	Niryāvalikā-pañcopāṅga Sūtra	सुधर्मा/श्रीचन्द्रसूरि	मू.वृ.(ग.)
81	कु. ना. 29/7	,,	,,	सुधर्मा	मू (ग.)
82	के.ना. 15/4	,,	,,	,,	,,
83	मु.सु. 1ग्रा112	,,	,,	,,	,,
84	के.नाथ 14/28	,,	,,	,,	,,
85	प्रोसि. 1ग्रा89	,,	,,	,,	,,
86	के. ना.17/64	,,	,,	,,	मू ट.(ग.)
87	,, 10/27	,,	,,	,,	मू.अ.(ग.)
88	महा. 1ग्रा7	,,	,,	,	मू (ग)
89	,, 1ग्रा8	निरयावलिका की वृत्ति	Niryāvalikā kī Vṛtti	श्री चन्द्रसूरि	गद्य

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
पांचवां उपांग भूगोल	प्रा.	148	26×11×11×42	लगभग पूर्ण	18वीं	प्रथम दो पत्र कम
,,	,,	81	23×11×19×49	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	83	29×11×15×60	,,	19वीं	
,,	प्रा. मा.	224	25×12×14×56	,,	1908	
,,	प्रा.	35	30×12×15×58	अपूर्ण (44से78अंत)	17वीं	
आगम व्याख्या साहित्य	सं.	198	32×14×22×54	संपूर्ण ग्र. 14252	1639	
,,	,,	77	26×11×15×50	अपूर्ण	17वीं	प्रचलित लेखक से भिन्न
छठा उपांग-अंतरीक्ष	प्रा.	37	30×14×19×50	संपूर्ण	18वीं	किंचित अवचूरि संस्कृत में
सातवां उपांग अंतरीक्ष	,,	43	27×11×16×57	,, ग्र. 2200	15वीं	
,,	,,	76	27×11×11×45	;	17वीं	
8से12 उपांग/ कथायें	प्रा.स.	32	26×11×12×45	,, ग्र. 1209+637	16वीं	
,,	प्रा.	16	27×12×19×78	लगभग पूर्ण	17वीं	प्रथम व अंतिम पत्रा कम
,,	,,	29	26×11×13×43	संपूर्ण ग्र. 1319	17वीं	
,,	,,	27	26×11×13×52	,, ग्र. 1109	17वीं	
,,	,,	21	26×11×18×45	,, ग्र. 1319	1691	
,,	,,	12	27×12×21×64	,, 52 उद्देशक	1845 नागपुर टीकमदास	
,,	प्रा.मा.	105	25×12×7×28	,, ग्र. 3600	19वीं	
,,	प्रा.सं.	8	26×11×35×70	,, ग्र. 1050	19वीं	
,,	प्रा.	27	25×13×17×37	,, ग्र. 1161	1928	
आगम व्याख्या साहित्य	सं.	11	25×13×19×40	,, ग्र. 801	1928 बालूचर, पं जीवन	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	6
भाग	विभाग 1 आ	(ii) जैनआगम-अंग	बाह्य-छेदसूत्र		
1	से.मं.1आ 131	निशीथसूत्र	Niśītha Sūtra	भद्रबाहु स्वामी	मू. (ग.)
2	ओसि. 1आ82	,,	,,	,,	मू.ट.(ग.)
3	महा. आ9	,,	,,	,,	,,
4	ओसि 1आ85	,,	,,	,,	,,
5	,, 1 आ83	,,	,,	,,	,,
6	कु. ना.42/1	निशीथ की चूर्णि	Niśītha kī Cūrṇi		गद्य
7	महा.1आ10	बृहत्कल्पसूत्र +वृत्ति	Vṛhatkalpa Sūtra +Vṛtti	भद्रबाहु/क्षेमकीर्ति	मू.वृ (ग.)
8	" 1आ11	व्यवहारसूत्र	Vyavahāra Sūtra	भद्रबाहु	मू.अ.(ग.)
9	ओसि.1आ81	दशाश्रुतस्कधसूत्र	Daśāśrutaskandha Sūtra	,,	मू. (ग.)
10	कोलडी 968	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	,,	मू.ट.(ग.)
11	के. ना. 24/79	,,	,,	,,	मू. (ग.)
12	महा 1आ36	,,	,,	,,	मू.अ.(ग.)
13	के.ना. 8/24	,, +किरणावली	,, +Kiraṇāvalı	,,/धर्मसागरगणि	मू.वृ. (ग.)
14	,, 1/4	,,	,,	,, / भक्तिलाभ	अन्तर्वाच्य
15	कु.ना. 20/1	,,	,,	भद्रबाहु	मू.ट. (ग.)
16	महा. 1आ64	,, +किरणावली	,, +Kiraṇāvalī	,, /धर्मसागर	मू.वृ. (ग.)
17	के. ना. 20/6	,,	,,	,, /गुणविजय	अन्तर्वाच्य

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
छेदसूत्र साधु समाचारी	प्रा.	28	27 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण 20 उद्दे ग्र. 815	16वीं	
,,	प्रा.मा.	62	25 × 12 × 6 × 55	,, ,, ग्र. 825	19वीं	
,,	,,	101	25 × 11 × 5 × 38	,, ,,	19वीं	
,,	,,	49	25 × 12 × 8 × 37	,, ,,	1933 विक्रमपुर	
,,	,,	53	25 × 13 × 8 × 35	,, ,,	944 विक्रमपुर	
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा.	20	30 × 12 × 15 × 56	त्रुटक	19वीं	
छेदसूत्र साध्वाचार नियम	प्रा.सं.	164	33 × 12 × 17 × 76	तृतीय खंड संपूर्ण	16वीं	
,,	,,	23	27 × 11 × 16 × 57	संपूर्ण 10 उद्देशक	17वीं	
,,	प्रा.	14	26 × 11 × 15 × 52	,, ,,	16वीं टीकम दास ऋषि	
दशाश्रुत आठवां अध्याय तीर्थंकर कल्याणक, साधु समाचारी व स्थिरावली	प्रा.मा.	96	35 × 14 × 7 × 36	,, ग्र. 1216	1485 नागपुर हेमसागर	38 चित्र हैं
,,	प्रा.	82	28 × 11 × 8 × 38	,, ,,	1536	
,,	प्रा सं.	131	27 × 11 × 7 × 25	,, ,,	1548	12 चित्र हैं
,,	,,	201	26 × 11 × 13 × 41	,, ग्र. 5200	1628	संभवत: रचना वर्ष प्रशस्ति है विस्तृत
,,	,,	56	26 × 11 × 13 × 50	,,	1645	
,,	प्रा.मा.	134	26 × 11 × 5 × 40	,, ग्र. 5000	1658	
,,	प्रा.सं.	127	26 × 11 × 18 × 52	,, ग्र. 4814	1664	प्रशस्ति है विस्तृत
,,	प्रा.सं मा.	138	26 × 11 × 15 × 44	,,	1687	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
18	के.नाथ 15/57	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु	मू.ट.(प.)
19	ओसि. 1आ70	,,	,,	,,	मू. (ग.)
20	कोलडी 1030	,,	,,	,,	मू ट.(ग.)
21	,, 1230	,,	,,	,,	,,
22	महा. 1आ63	,,	,,	,,	मू. (ग.)
23	ओसि. 1आ18	,,	,,	,,	मू.ट.(ग.)
24	के.नाथ 8/10	,,	,,	,,	मू. (ग.)
25	,, 8/4	,,	,,	,,	मू ट.(ग.)
26	,, 6/62	,,	,,	,,	,,
27	कोलडी 12	,,	,,	भद्रबाहु/गुणविजय	अन्तर्वाच्य
28	महा. 1आ33	,, +कल्पलता	+Kalpalātā	,, /समयसुन्दर	मू वृ.(ग.)
29	,, 1आ37	,, +सुबोधिका	+Subodhikā	,, /विनयविजय	,,
30	,, 1आ35	,, +किरणावली	+Kiraṇāvalı	,, /धर्मसागर	,,
31	ओसि. 1आ69	,, +बालावबोध	+Bālāvabodha	,, ,,	मूट.बा.ट(ग.)
32	कोलडी 1237	कल्पसूत्र+संदेहविषौषधि	Kalpa Sūtra+Sandeha Viṣauṣadhi	भद्रबाहु/जिनप्रभ	मू वृ(ग्र.)
33	,, 13	,,	,,	,,	मू.ट.व्या. कथा
34	के.नाथ 4/8	,,	,,	,,	मू. (ट.)
35	से मं.1आ133	,,	,,	,,	,,
36	के.नाथ 8/13	,, +कल्पलता	,, +Kalplatā	,, /समयसुन्दर	मू.वृ. (ग.)
37	कोलडी 15	,,	,,	भद्रबाहु	मू.ट. व्या.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत आठवां अध्याय तीर्थंकर कल्याणक, साधु समाचारी व स्थविरावली	प्रा. मा.	116	26 × 11 × 6 × 32	लगभग पूर्ण	1689	4 पत्रे कम हैं
	प्रा.	43	26 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण ग्र.1250	17वीं	3 चित्र मामूली
„	प्रा.मा.	141	25 × 10 × 14 × 46	अपूर्ण	17वीं	31 चित्र हैं व्याख्यान भी है
,	„	59	26 × 11 × 5 × 40	संपूर्ण	17वीं	व्याख्यान भी है
„	प्रा.	76	28 × 12 × 9 × 33	„ ग्र.1216	1719	
„	प्रा. मा.	124	25 × 11 × 6 × 25	„ „	1722	
„	प्रा.	71	26 × 11 × 11 × 25	, „	1747	
„	प्रा. मा.	95	25 × 11 × 7 × 34	„ „	1757	
„	„	137	25 × 11 × 6 × 38	„ „ कथासह	1758	
„	प्रा सं मा.	133	27 × 12 × 12 × 60	„	1766	
„	प्रा. सं.	184	26 × 11 × 15 × 50	„ 9वाचनायें	18वीं	
„	„	210	28 × 13 × 10 × 46	„	18वीं	
„	„	299	26 × 11 × 10 × 31	„ ग्र. 4814	18वीं	
„	प्रा. मा.	153	25 × 12 × 17 × 48	अपूर्ण ग्र.1000 तक	18वीं	
„	प्रा. सं.	72	24 × 11 × 7 × 36	संपूर्ण 1216 ग्र. की	18वीं	कठिनपदभंजि विवृत्ति
„	प्रा. मा.	95	24 × 10 × 11 × 58	„ ग्र. 1216	18वीं	
„	„	135	25 × 11 × 6 × 32	„	18वीं	
„	„	145	26 × 11 × 8 × 40	लगभग पूर्ण ग्र.1216	1793 गुढा. नेयमूर्ति	प्रथम2पत्रे कम
„	प्रा. सं.	154	26 × 11 × 14 × 43	अपूर्ण (कुल 13पत्रे कम हैं)	1793	
„	प्रा, मा.	243	25 × 11 × 13 × 35	सं. ग्र. 1216 का	1807	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
38	के.ना. 20/32	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु	मू. व्याख्यान
39	कोलडी 17	,,	,,	,,	मू.ट. व्या.
40	,, 1035	,,	,,	,,	,,
41	के ना. 8/22	,,	,,	,,	मू. ग.
42	,, 8/8	,,	,,	,,	,,
43	ओसि. 1अ. 67	,,	,,	,,	मू.ट.व्या.कथा
44	कोलडी 6	,,	,,	,,	मू. ग.
45	,, 14	,,	,,	,,	मू.ट.व्या.कथा
46	कु. ना. 22/2	,,	,,	,,	मू.ट.व्या.
47	कोलडी 4	,,	,,	,,	मू. ग.
48	महा. 1अ62	,,	,,	,,	मू ट. कथा
49	,, 1अ. 65	कल्पसूत्र + कल्पद्रुमकलिका	Kalpa Sūtra + Kalpadruma-kalikā	,, /लक्ष्मीवल्लभ	मू.वृ.(ग.)
50	,, 1अ32	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	,,	मू. ग.
51	कोलडी 5	,,	,,	,,	,,
52	ओसि. 1अ96	,, + कल्पद्रुमकलिका	,, + Kalpadrumakalikā	,, /लक्ष्मीवल्लभ	मू.वृ.(ग.)
53	महा. 1अ. 34	,,	,,	,,	मू. ग.
54	के.ना. 18/1	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti	,, /	मू.वृ.(ग.)
55	,, 17/45	,,	,,	,,	अन्तर्वाच्य
56	,, 15/109	,, + किरणावली	,, + Kiraṇāvalı	,, /धर्मसागर	मू.वृ.(ग.)
57	,, 15/103	,, + कल्पचंद्रिका	,, + Kalpacandrikā	,, /सुमतिहंस	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत का आठवां अध्याय	प्रा. मा.	118	25 × 11 × 15 × 45	स. ग्र. 1216 का	1810	
,,	,,	106	25 × 11 × 5 × 38	सं.ग्र.1216+2500 +825	1816	
,,	,,	183	24 × 11 × 6 × 32	सं.	1825	
,,	प्रा.	34	26 × 12 × 11 × 38	,, ग्र. 1216	1831	
,,	,,	61	25 × 12 × 11 × 34	,, ,,	1843	
,,	प्रा. मा.	166	26 × 12 × 17 × 40	,, ,,	1845 सत्यसुन्दर	
,,	प्रा.	72	27 × 13 × 11 × 30	,, ,,	1857	
,,	प्रा. मा.	129	27 × 14 × 17 × 38	,,	1865	
,,	,,	157	25 × 10 × 5 × 46	,,	1869	
,,	प्रा.	61	25 × 14 × 12 × 34	,, ग्र. 1216	1873	
,,	प्रा. मा.	160	27 × 13 × 13 × 31	,, 9वाचनायें	1875 विजयचंद	
,,	प्रा. सं.	206	26 × 11 × 13 × 43	,, 9व्याख्यान	1876 गुलाबविजय	विगतवार प्रशस्ति
,,	प्रा.	92	26 × 12 × 8 × 35	,, ग्र. 1216	1880 सुभटपुर	प्रारंभ में कुछ अवचूरि भी
,,	,,	50	26 × 31 × 12 × 32	,, ,,	1883	
,,	प्रा. सं.	161	26 × 13 × 15 × 44	,, ,,	1885	20.50 रुपयों में खरीदी गुणचंद से
,,	प्रा.	78	26 × 12 × 10 × 26	,, ,,	19वीं सिद्धचंद्र	
,,	प्रा. सं.	100	26 × 13 × 16 × 51	,, 8वाचना तक	19वीं	रत्नसार ग्रन्त-वाच्य का उल्लेख
,,	प्रा.सं.मा.	72	25 × 11 × 13 × 36	,, ग्र. 2500	19वीं	
,,	प्रा. सं.	126	25 × 10 × 17 × 60	,,	19वीं	
,,	,,	103	25 × 11 × 15 × 47	,,	19वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
58	कोलडी 16	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु/	मू.ट. व्या.
59	,, 3	,,	,,	,,	मू.ग.
60	,, 1	,,	,,	,,	,,
61	कु. ना 30/1	,,	,,	,,	,,
62	,, 53/3	,,	,,	,,	मू.ट.व्या.क
63	कोलडी 2	,,	,,	,,	मू.ग.
64	के.ना. 29/35	,,	,,	भद्रबाहु	,,
65	,, 29/30	,,	,,	,,	,,
66	कु. नाथ30/2	,,	,,	,,	अन्तर्वाच्य
67	,, 4/80	,,	,,	,,	मू.ग.
68	महा. 1श्रा.61	,, +सुबोधिका	,, +Subodhikā	,, /विनयविजय	मू.वृ. (ग.)
69-70	,, 1श्रा59/60	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	मू.ग.
71	के. नाथ 8/20	,,	,,	,, /भक्तिविलास	अन्तर्वाच्य
72	,, 8/26	,, +कल्पद्रुमकलिका	,,+Kalpadrumkalikā	,, /लक्ष्मीवल्लभ	मू.वृ. (ग.)
73	,, 20/43	,,	,,	,,	मू.ग.
74	,, 5/7	,,	,,	,,	मू.ट. कथा
75	महा. 1श्रा140	,, +कल्पार्थबोधिनि	,,+Kalpārthabodhini	,, /केशरमुनि	मू.वृ. (ग.)
76	के.नाथ29/102	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
77	,, 10/82	,,	,,	,,	मू.ट.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत 8वां अध्य. जिनकल्याणक स्थविरावली +समाचारी	प्रा.मा.	175	25 × 10 × 12 × 30	संपूर्ण	19वीं	
	प्रा.	78	26 × 11 × 7 × 35	,, ग्र. 1216	19वीं	
,,	,,	114	26 × 11 × 9 × 22	,,	19वीं	
,,	,,	126	25 × 17 × 7 × 24	,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	137	26 × 11 × 6 × 37	,,	19वीं	
,,	प्रा.	58	27 × 12 × 9 × 37	स्थविरावली तक	19वीं	समाचारी नहीं हैं
,,	,,	144	27 × 13 × 7 × 22	संपूर्ण ग्र. 1216	1919	
,,	,,	51	27 × 12 × 13 × 32	,, ,,	1927	
,,	प्रा.सं मा.	131	26 × 12 × 4 × 54	,, ,,	1939	
,,	प्रा.	108	26 × 13 × 6 × 34	,, ,,	1955	
,,	प्रा.सं.	212	27 × 12 × 10 × 43	,, ,,	1955 अहमदाबाद, श्रीकृष्ण	
,,	प्रा.	133, 139	26 × 13 × 7 × 35	,, ,,	20वीं	चित्रों की खाली जगह है
,,	प्रा.सं.मा.	152	25 × 11 × 11 × 42	,, ,,	20वीं	जिनकीर्ति सूत्र शिष्य
,,	प्रा सं.	149	26 × 11 × 7 × 32	,, ,,	20वीं	पत्रे अस्थव्यस्थ लिखावट
,,	प्रा.	63	25 × 11 × 13 × 27	,, ,,	20वीं	
,,	प्रा.मा.	123	27 × 12 × 13 × 36	,, ग्र. 4000	20वीं	
,,	प्रा.सं.	110	30 × 13 × 18 × 72	,, ग्र. 1216+ 7443	2010 जोधपुर शिवदत्त	1993की कृति
,,	,,	189	25 × 11 × 16 × 48	,, ,,	2008नागोर शिवदत्त	,,
,,	प्रा.मा.	7	26 × 12 × 6 × 44	केवल अच्छेरा अधिकार	16वीं	10आश्चर्यवृत्तांत

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
78	कु ना. 52/54	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु/	मू.ट.
79	के.ना. 8/16	,,	,,	,,	मू. व्या.
80	,, 20/19	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /-	मू.वृ.(ग.)
81	,, 16/5	,,	,,	,,	मू.ग.
82	कोलडी 1033	,,	,,	,,	मू.ट व्या.
83	के.ना. 11/37	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /-	मू.वृ.(म.)
84	कोलडी 871	,,	,,	,,	मू.बा.
85	महा. 1प्रा58	,,	,,	,,	मू.ग.
86-87	पासि.1प्रा66/126	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	,,
88	से म. 1प्रा139	,,	,,	,,	,,
89-90	कु. ना. 24/5, 13/56	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	,,
91-92	कोलडी1037-39	,, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	,,
93-95	के.ना.18/6,14/123,11/87	,, 3 ,,	,, 3 ,,	,,	,,
96	के.ना. 10/100	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /-	मू.वृ.(ग)
97	,, 20/12	,, ,,	,, ,,	,, /-	,,
98	कोलडी 1032	,,	,,	,,	मू.ट.(ग.)
99	,, 1038	,,	,,	,,	मू.ट. व्या.
100	कु. ना. 24/2	,,	,,	,,	मू.ट.(ग.)
101	के.नाथ 8/6	,,	,,	,, /उत्तमविजय	मू. व्या.
102	,, 15/110	,,	,,	,, ,,	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत 8वां अध्य. जिनकल्याणक स्थविरावली +समाचारी	प्रा.मा.	16	25 × 10 × 6 × 40	केवल साधु समाचारी	17वीं	
	,,	27	27 × 12 × 7 × 39	,, जिनचरित्र का कुछ भाग	19वीं	त्रुटक
,,	प्रा.सं.	44	20 × 10 × 7 × 43	अपूर्ण जन्महोत्सव तक	19वीं	
,,	प्रा.	48	27 × 11 × 8 × 67	,, ग्र. 550 तक	19वीं	
,,	प्रा.मा.	23	25 × 11 × ४ × 33	त्रुटक	19वीं	
,,	प्रा.सं	13	26 × 11 × 18 × 50	केवल स्थविरावली व्याख्यान	19वीं	
,,	प्रा.मा	9	26 × 11 × 16 × 52	केवल साधुसमाचारी	19वीं	
,,	प्रा.	122	30 × 13 × 9 × 34	त्रुटक	1963नागौर रामनाथ	बीच में भी पत्र कम हैं
,,	,,	77,69	26 × 12 × भिन्न2	अपूर्ण	20वीं	प्रति सामान्य प्रतियां
,,	,,	26	25 × 11 × 7 × 27	केवल 350 ग्र. तक	20वीं	
,,	,,	73,1	25,28 × 13 × भिन्न	अपूर्ण	20वीं	,,
,,	,,	41 5	27,25 × 13,11 ,,	,,	20वीं	
,,	,,	31,41:3	23से26 × 11से15	,	20वीं	
,,	प्रा.सं.	14	25 × 5 × 15 × 40	केवल चौथी वाचना	20वीं	
,,	,,	99	28 × 13 × 12 × 33	अपूर्ण महावीर गर्भ वर्णन तक	20वीं	
,,	प्रा.मा.	36	26 × 11 × 6 × 46	त्रुटक	20वीं	
,,	,,	18	26 × 11 × 6 × 38	अपूर्ण	20वीं	
,,	,,	59	26 × 14 × 7 × 30	,, 27 भव तक	20वीं	
,,	प्रा.मा.	18	25 × 12 × भिन्न2	केवल 8वां व्याख्यान	20वीं	ऋषभ कल्याणक
,,	प्रा.सं.मा.	12	26 × 10 × 14 × 42	अपूर्ण	20वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
103	के.ना. 8/9	कल्पसूत्र व्याख्यान	Kalpa Sūtra Vyākhyāna		ग्रन्तर्वाच्य
104	„ 4/19	„ „	„ „		„
105	„ 8 2	कल्पलतानाम्नीवृत्ति	Kalpalata Nāmnı Vṛtti	समयसुन्दर	गद्य
106	ग्रोसि. 1ग्रा97	„	„	„	„
107	के. ना. 8/11	„	„	„	„
108	„ 8/1	„	„	„	„
109	„ 18/42	„	„	„	„
110	मु.स. 1श्रा124	„	„	„	„
111	के.ना. 11/71	„	„	„	„
112	„ 8/17	सन्देह विषौषधिनाम्नी पंजिका	Sandeha Viṣauṣadhi Nāmanı Pañjikā	जिनप्रभसूरि	„
113	कोलडी 7	कल्पान्तः वाच्यानि	Kalpāntaḥ Vācyāni	जिनहंससूरि	„
114	„ 9	कल्पद्रुमकलिकानाम्नी-वृत्ति	Kalpadrumakalikā Nāmnı Vṛtti	लक्ष्मीवल्लभ	„
115	के.ना. 5/18	कल्पसूत्र की वृत्ति	Kalpa Sūtra kı Vṛtti		„
116	कोलडो 8	„	„		„
117	कु.ना. 24/1	कल्पसूत्र-भाषान्तर	Kalpa Sūtra Bhāṣāntara		„
118	„ 3/77	„ वाचना	„ Vācanā		„
119	के.ना. 6/97	कल्पव्याख्यान	Kalpa Vyākhyāna	जयानंदसूरि	„
120	„ 9/37	कल्पान्तः वाच्यानि	Kalpāntaḥ Vācyāni		„
121	ग्रोसि. 4ग्रा6	(स्थविरावली) कल्पसूत्र	(Sthavirāvalı) Kalpa Sūtra	(कल्पसूत्रे)	„
122	„ 2/2 6	(समाचारी) „	(Samācārı) „	„	„

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा.स.	88	26×11×13×36	संपूर्ण	19वीं	
,,	प्रा.सं.म. मा.	55	26×11×5×30	,,	19वीं	
कल्पसूत्र की व्याख्या	सं.	169	25×11×15×50	,, ग्र.1216की	16वीं	
कल्पसूत्र के व्याख्यान	,,	85	26×11×15×48	,, 8व्याख्यान	18वीं	
,,	,,	113	25×11×15×47	अपूर्ण 5 ,,	1732	महावीर निर्वाण तक
,,	,,	66	25×11×15×36	,, महावीर जन्मोत्सव तक	18वीं	
,,	,,	127	27×11×15×45	,, 6ठो वाचना तक	19वीं	
,,	,,	24	25×11×16×50	,, केवल 1½ व्याख्यान मात्र	19वीं	
,,	,,	7	25×11×19×44	,, ,, 7वां व्याख्यान	20वीं	ऋषभचरित्र मात्र
कल्पसूत्र की दुर्गपद विवृत्ति	,,	54	26×11×16×56	संपूर्ण ग्र.3041	1638	1364 की रचना
कल्पसूत्र की व्याख्या	,,	55	28×11×15×44	,,	1662	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	196	25×10×13×45	,, ग्र. 1216 की	1899	
,,	,,	60	26×11×13×45	अपूर्ण (कुछ समाचारी की)	17वीं	प्रारभ ॐ श्रुता पंचमति-श्रुता वधि....
,,	,,	77	24×11×14×36	,, 7वीं वाचना तक	1850	
,,	,,	17	26×14×11×36	,, स्वप्नाधिकार तक	19वीं	
,,	,,	10	26×13×11×44	,, केवल चौथी वाचना	19वीं	
,,	,,	18	26×11×17×50	,, स्वप्नो से अंत तक	19वीं	प्रथम 4पन्ने कम हैं
,,	,,	8	26×11×19×48	,, स्थविरावली का अंश	20वीं	
,,	प्रा.मा.	24	25×13×13×33	केवल स्थविरावली	20वीं बीकानेर कंवलगच्छे	
,,	,,	18	26×12×16×32	,, समाचारी	1914	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
123	मु सु.1आ119	कल्पसूत्र व्याख्यान	Kalpa Sūtra Vyākhyāna		गद्य
124	के.ना. 8/3	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha		,,
125	से.मं. 1आ138	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna		,,
126	ओसि.1आ71	,, वाचना	,, Vācanā		,,
127	कु. ना. 55/1	,, भाषा टीका	,, Bhāṣā Tīka	शांतिसागर	,,
128	कोलडी 1031	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna		,,
129	,, 1029	,, ,,	,, ,,		,,
130	के. ना.20/20	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha		,,
131	ओसि. 1आ95	,, ,,	,, ,,		,,
132	कुं.नाथ 55/8	,, भाषा	,, Bhāṣā		,,
133	के.नाथ15 146	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha		,,
134	ओसि. 1आ125	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna		,,
135	के.नाथ 5/63	,, ,,	,, ,,		,,
136	,, 10/57	,, अन्तर व्याख्यान	,, Antara Vyākhyāna		,,
137	से मं.1आ132	,, वाचना	,, Vācanā		,,
138	ओसि 1आ98	,, ,,	,, ,,		,,
139	के.ना. 8/25	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha		,,
140	,, 17/67	,, वाचना	,, Vācanā	शिवनिधान गणि	,,
141	कुं.ना. 44/3	,, ,,	,, ,,		,,
142	,, 24/10	,, ,,	,, ,,		,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
कल्पसूत्र की व्याख्या	मा.	113	29 × 13 × 12 × 40	संपूर्ण लगभग कालक कथा	16वीं	प्रथम व अंतिम पत्रा कम
,,	,,	174	25 × 12 × 13 × 41	,, ग्र. 1216	1608	
,,	,,	68	26 × 12 × 11 × 28	लगभग पूर्ण (स्थ.ग्र.)	1616	
,,	,,	102	25 × 12 × 20 × 37	सं. 9वाचनायें कथासह	19वीं	
,,	राजस्थानी	212	27 × 13 × 13 × 27	संपूर्ण	19वीं	
,,	मा.	194	26 × 11 × 15 × 48	,, 9वाचना	19वीं	
,,	,,	146	25 × 11 × 16 × 32	लगभग पूर्ण कालक-कथा अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	139	26 × 13 × 14 × 39	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	176	26 × 12 × 14 × 37	,, 9वाचनायें	1913 विक्रमपुर	
,,	,,	134	26 × 14 × 15 × 38	,,	1934	
,,	,,	185	25 × 11 × 14 × 36	,, ग्र.1216 का	1935	
,,	,,	99	25 × 13 × 20 × 39	,, 9वाचनायें	1942	
,,	प्र.	35	26 × 11 × 13 × 46	,,	20वीं	स्थविरावलीविधि व अचलगच्छ की
,,	मा.	13	28 × 12 × 16 × 51	,,	20वीं	
,,	,,	116	26 × 11 × 12 × 43	5वीं वाचना अधूरी	17वीं	जीर्ण प्रारम्भ में प्रशस्ति
,,	,,	63	25 × 11 × 13 × 40	1,2,4, और 6 ठी वाचना	18वीं	
,,	,,	66	26 × 11 × 15 × 42	ग्र. आदिनाथचरित्र तक	1[illegible]वीं	
,,	,,	105	25 × 10 × 14 × 46	5से8वीं वांचनायें	19वीं	
,,	,,	82	21 × 14 × 11 × 24	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	7	26 × 11 × 12 × 40	केवल 5वीं वाचना अधूरी	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
143	कोलडी 446	कल्पसूत्र-वाचना	Kalpa Sūtra Vācanā		गद्य
144	,, 158	,, ,,	,, ,,		,,
145	,, 1034	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna		,,
146	ओरि. 3ई185	,, ,,	,, ,,		,,
147	कोलडी 1040	,, वाचना	,, Vācanā		,,
148	के.नाथ 19/57	,, व्याख्यान भाषघोल	,, Vyākhyāna Bhāṣaghola	ज्ञानविमल	पद्य
149	,, 11/1	पंचकल्पभाष्य (महत्)	Pañcakalpa Bhāṣya (Mahat)	संघदास क्षमाश्रमण	भाष्य
150	,, 11/2	,, चूर्णि	,, Cūrṇi		चूर्णि
151	महा. 1आ13	महानिशीथसूत्र	Mahāniśītha Sūtrā		मू.ग.
152	,, 1आ12	,,	,,		,,
153	के.नाथ 29/3	,,	,,		,,
154	महा. 1आ40	यतिजीतकल्प	Yati Jītakalpa	जिनभद्रक्षमाश्रमण /सोमप्रभ	मू ट.
155	,, 1आ38	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, / ,, /देवसुन्दर शिष्य	मू वृ.
156	,, 1आ39	,, ,,	,, ,,	,, / ,, / ,,	,,
157	कोलडी 38	जीतकल्प+वृत्ति	Jītakalpa+ ,,	,, /तिलकाचार्य	,,
भाग	विभाग 1 आ	(iii) जैन आगम-अंग	बाह्य-चूलिका व मूल सूत्र:-		
1	कोलडी 39	नंदीसूत्र	Nandī Sūtra	देववाचक	मू.ग.
2	के.नाथ 14/26	,,	,,	,,	,,
3	महा.1आ28	,,	,,	,,	मू ट.(ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
कल्पसूत्र-व्याख्यान	मा.	14	26×10×13×50	केवल 3री वाचना	19वीं	
,,	,,	5	27×11×17×44	केवल 9वीं वाचना भी अधूरी	19वीं	
,,	,,	59	26×12×10×32	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	17	25×11×13×33	,, महावीर पूर्व भव तक	19वीं	
,,	,,	3	26×11×10×33	3री वाचना भी अधूरी	20वीं	
कल्पसूत्र का सारांश	,,	22	28×13×12×36	संपूर्ण 10 व्याख्यान	1935	
छेद सूत्रागम साहित्य	प्रा.	84	30×16×15×40	,, ग्र. 3218	1940	
,,	प्रा.सं.	61	29×16×18×41	,, ग्र. 3125	1940	
छेद सूत्र	प्रा.	160	27×11×13×38	,, ग्र. 4504	1784 चतुरहर्ष	
,,	,,	99	26×12×13×55	,, ,,	19वीं	
,,	,,	40	26×11×7×46	अपूर्ण 6,7वां अध्य. मात्र	19वीं	
,,	प्रा.मा	37	26×11×7×27	संपूर्ण 306 गाथायें	17वीं	मूल संक्षिप्त जिनचंद्र का
,,	प्रा.सं.	139	26×13×15×44	,, ,, की ग्र. 6602	19वीं	,,
,,	,,	129	27×13×10×51	,, ,, ,,	20वीं शहरदान	
,, साहित्य	,,	55	24×14×13×38	,, 105 गाथा की	19वीं	
जैनागम-ज्ञान पत्र	प्रा.	29	27×11×11×40	संपूर्ण	17वीं	
,,	,,	41	27×11×6×45	,,	1724	
,,	प्रा.मा.	38	26×11×7×51	,,	18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
4	कोलडी 40	नंदीसूत्र + बालावबोध	Nandi Sūtra + Bālāvabodha	देव वाचक	मू.बा. (ग
5	मु सु. 1आ117	,,	,,	,,	मू.ट. (ग.)
6	ओसि. 1आ73	,,	,,	,,	मू ट. कथा
7	महा. 1आ56	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti	,, /मलयगिरि	मू.वृ. (ग.)
8	ओसि. 1आ75	,,	,,	,,	मू.ग.
9	,, 1आ74	,,	,,	,,	मू.ट. (ग.)
10	के ना. 13/37	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti	,, /मलयगिरि	मू.वृ. (ग.)
11-12	कु.ना. 3/70, 40/1	,, आलापक 2 प्रतियां	,, Ālāpaka 2 Copies	,,	मू.ग.
13	महा. 1आ.29	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	मलयगिरि	गद्य
14	के. नाथ1/18	,, ,,	,, ,,		,,
15	कोलडी 1166	,, ,,	,, ,,		,,
16	मु.सु.1आ113	अनुयोगद्वारसूत्र	Anuyogadvāra Sūtra		मू.प.
17	के. नाथ 3/4	,,	,,		,,
18	,, 11/103	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti		मू.वृ (प.ग.)
19	,, 14/35	,,	,,		मू.प.
20	,, 2/1	,,	,,		,,
21	ओसि. 1आ72	,, + बालावबोध	,, + Bālāvabodha		मू.बा.
22	मु.सु.1आ118	दशवैकालिकसूत्र	Daśavaikālika Sūtra	सयंभवसूरि	मू.
23	के.नाथ1/30	,,	,, ,,	,,	,,
24	ओसि. 1आ105	,,	,,	,,	मू.ट.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-ज्ञान पर	प्रा.मा.	104	26×13×15×28	संपूर्ण	1888	
,,	,,	44	25×12×8×44	,,	19वीं	
,,	,,	96	25×12×6×35	,,	1943, ×, वासुदेव	
,,	प्रा.सं.	193	27×13×12×61	,,	1963	
,,	प्रा.	11	24×12×16×59	,,	1967	
,,	प्रा.मा.	72	24×11×19×50	,,	1985 नागौर	
,,	प्रा.सं.	70	29×12×16×63	अपूर्ण (आधाभाग पिछला)	1607	पत्र 78से147 (अंत)
,,	प्रा.	1+1	26×11×11×9	मूल के उद्धरण	18/19वीं	
जैनागम व्याख्या साहित्य	सं.	169	26×11×15×50	संपूर्ण ग्र. 8105	18वीं	
,,	,,	28	26×11×13×42	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	11	26×12×15×37	,,	19वीं	
जैनागम/व्याख्यान पद्धति	प्रा.	81	26×11×9×30	स गा.1604/ग्र 2005	17वीं पाली,भागचंद्र	
,,	,,	36	26×11×13×47	संपूर्ण ग्र. 1399	1519	जीर्ण
,,	प्रा.सं	176	27×10×13×54	लगभग पूर्ण	16वीं	
,,	प्रा.	51	28×12×13×41	संपूर्ण ग्र. 1604	17वीं	
,,	,,	30	27×11×15×50	,,	1704	किंचित् अवचूरि भी है
,,	प्रा.मा.	83	26×12×5×64	,, ग्र. 1417 का	1836 पाली टीकमदास	जीर्ण
जैनागम-आचारादि	प्रा.	34	27×9×8×54	सं. 10 अध्य + 2 चूलिका	15वीं	बीच में कुछ पत्र कम है
,,	,,	16	26×11×16×50	,, ,,	1620	
,,	प्रा.मा.	49	26×11×6×44	,, ग्र 700 ,,	17वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
25	के.ना.15/107	दशवैकालिकसूत्र	Daśavaikālika Sūtra	सयंभवसूरि	मू.
26	,, 20/5	,,	,,	,,	मू. ट.
27	कोलडी 1024	,,	,,	,,	मू. अ.
28	,, 50	,,	,,	,,	मू. ट.
29	,, 1025	,,	,,	,,	,,
30	,, 46	,,	,,	,,	मू.
31	के.ना. 3/23	,,	,,	,,	मू. ट.
32	,, 24/2	,,	,,	,,	मू.
33	,, 15/5	,,	,,	,,	मू. ट.
34	कु. ना. 17/9	,,	,,	,,	मू.
35	के ना. 1/3	,,	,,	,,	,,
36	कोलडी 51	,,	,,	,,	मू. ट.
37	,, 49	,,	,,	,,	,,
38	ओसि.1आ.107	,,	,,	,,	,,
39	,, 1आ106	,,	,,	,,	,,
40	महा. 1आ22	,, +चूर्णि,वृत्ति, दीपिका	,, + Cūrṇi, Vṛtti, Dīpika	सयंभव/हरिभद्र/ माणिक शेखर	मू.चू.वृ.दी.
41	कोलडी 45	,,	,,	सयंभव	मू.
42	,, 47	,,	,,	,,	,,
43	,, 48	,,+बालावबोध	,, + Bālāvabodha	,,	मू. बा.
44	कु.ना. 24/8	,,	,,	,,	मू. ट.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-आचा-रादि	प्रा.	16	26×10×14×60	सं 10अध्य.+2चूलिका ग्र. 700	17वीं	अंत में 10श्लोक अतिरिक्त
,,	प्रा. मा.	52	26×11×16×41	,, ,,	17वीं	
,,	प्रा. सं.	26	25×11×13×34	लगभग संपूर्ण	17वीं	प्रथम व अंतिम पन्ना नहीं
,,	प्रा. मा	66	24×10×5×44	संपूर्ण	1754	
,,	,,	41	24×11×6×42	लगभग संपूर्ण	18वीं	10वें अध्या. की 20गा. कम
,,	प्रा.	20	26×11×10×38	संपूर्ण चूलिकासह	18वीं	
,,	प्रा. मा.	31	25×11×7×53	,, ग्र. 1924	18वीं	
,,	प्रा.	31	25×12×11×33	,, चूलिकासह	18वीं	
,,	प्रा. मा.	64	24×10×5×37	,, 10अध्या.	1807	
,,	प्रा.	39	25×12×10×26	,, ,, ग्र. 700	1810	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	34	24×11×11×32	,, ,, चूलिकासह	1812	
,,	प्रा. मा	45	26×10×5×42	,, ,, ,,	1820जोध-पुर गुणविजय	
,,	,,	67	25×11×5×33	,, ,,	1827	
,,	,,	68	25×13×5×32	,, ,,	1876 बीकानेर	
,,	,,	54	26×12×5×35	,, ,,	1889विक्रम-नगर अखंवि-शाल	
,,	प्रा. सं.	112	27×13×16×54	,, वृ.ग्र. 7470	19वीं	
,,	प्रा.	35	28×13×7×46	,,	1846	
,,	,,	20	25×11×13×45	संपूर्ण 10अध्या.	19वीं	
,,	प्रा..मा.	83	25×12×13×45	,, ,,	19वीं	
,,	,,	38	27×13×5×56	अपूर्ण विनयसमाधि 2 उद्दे. तक	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
45	के.ना. 1/21	दशवैकालिक सूत्र	Daśavaikālika Sūtra	शय्यंभव	मू.ट.
46	„ 4/18	„	„	„	„
47	ओसि.1अ104	„	„	„	„
48	„ 1अ108	„	„	„	मू.
49	महा. 1अ21	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	„ /हरिभद्र	मू.वृ.
50	ओसि.1अ103	„ +बाला.	„ +Bālā.	„ /-	मू.बा.
51	महा. 1अ24	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	„ /हरिभद्र	मू.वृ.
52	कु.ना. 43/5	दशवैकालिक सूत्र	„	शय्यंभव	मू.ट.
53	कोलडी 52A	„	„	„	„
54	महा. 1अ23	„	„	„	मू.
55	कु.ना. 25/10	„	„	„	मू.ट.
56	के.ना.15/200	„	„	„	मू.
57	„ 11/102	„	„	„	„
58	„ 6/83	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	„ /-	मू.वृ.
59	„ 24/3	दशवैकालिक सूत्र	„	„	मू.
60	„ 13/23	„	„	„	मू.ट.
61-2	कोलडी 1023, 1026	„ 2 प्रतियां	„ 2 Copies	„	मू.
63	ओसि.3अ31	„	„	„	मू.ट.
64	महा. 1अ54	„	„	„	„
65	ओसि.1अ134	„ की अवचूरि	„ Avacūri		गद्य

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-प्राचारांग	प्रा.मा.	46	25×10×6×40	सपूर्ण चूलिकासह	19वीं	
,,	,,	46	25×11×7×37	,, 10प्रध्य.ग्र.1500	19वीं	
,,	,,	69	25×13×19×38	,, ,,	1943	
,,	प्रा.	7	27×12×28×65	,, ,,	1952मालेर कोटला,लछ-मनदास	
,,	प्रा. सं.	250	26×11×11×47	,, ,, चूलिकासह	1961, ×, अमरदत्त	
,,	प्रा.मा.	54	25×11×6×47	,, ,,	1965नाग	
,,	प्रा. स.	171	26×13×15×44	,, ,, चूलिकासह	20वीं, ×, यशसूरि	
,,	प्रा.मा.	69	26×12×5×32	,, ,,	20वीं	
,,	,,	17	27×11×5×34	अपूर्ण 4 अध्य. तक	1763	
,,	प्रा.	2	25×12×12×34	केवल 2रा अध्य.	18वीं	
,,	प्रा.मा.	22	26×11×7×60	त्रुटक	18वीं	
,,	प्रा.	41	26×11×13×46	अपूर्ण पिण्डेषणा से अंत तक	18वीं	
,,	,	18	26×11×13×40	,, 5वें से 10वें अध्य तक	18वीं	
,,	प्रा.सं.	46	24×10×13×48	,, 3रे से अन्त तक	18वीं	
,,	प्रा.	21	25×11×9×27	,, 5वें अध्य. तक	19वीं	
,,	प्रा.मा.	57	27×12×6×35	,, 5वें से विनय समाधि तक	19वीं	
,,	प्रा.	16,10	27×13a25×12	त्रुटक	15वीं	
,,	प्रा.मा.	5	27×13×8×50	अपूर्ण 4थे अध्य.तक	19वीं	
,,	,,	3	28×13×4×33	,, केवल 2 अध्ययन	20वीं	
जैनागम व्याख्या साहित्य	स.	17	27×11×25×62	सपूर्ण	16वीं	साथ में पंक्ती सूत्रावचूरि

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
66	कु.ना. 55/5	दशवैकालिकसूत्र का बालावबोध	Daśavaikālika Sūtra kā Bālāvabodha	राजसूरि (खरतर)	गद्य
67	के.ना. 13/32	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	सुमतिसूरि	,,
68	,, 18/37	,, ,,	,, ,,		,,
69	मु.सु.2/328	,, की सज्झाय	,, kī Sajjhāya	जयतसी	पद्य
70	,, 2/329	,, ,,	,, ,,	,,	,,
71	महा. 3इ164	,, ,,	,, ,,	,,	,,
72–3	के.ना. 20/26 19/43	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 Copies	,,	,,
74	,, 15/133	,, ,,	,, ,,	कमलहर्ष	,,
75	,, 21/89	,, ,,	,, ,,	वृद्धिविजय	,,
76	कोलडी 1156	,, ,,	,, ,,	,,	,,
77	से मं.1आ109	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू.
78	के. ना. 1/5	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti		मू.वृ.
79	कु.ना 38/1	,, +बाला.	,, +Bālā.		मू.बा.
80	कोलडी 52B	,, + ,,	,, + ,,		,,
81	के. ना.14/27	उत्तराध्ययनसूत्र	,,		मू.
82	कोलडी 54	,, +बाला.	,, +Bālā.		मू.बा.
83	के.ना. 4/2	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/नेमिचन्द्रसूरि	मू.वृ.
84	ओसि. 1आ76	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू.
85	,, 1आ93	,,	,,		,,
86	,, 1आ79	,,	,,		मू.ट.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-व्याख्यान साहित्य	मा.	79	27×11×13×45	किंचित् प्रारंभ मे अपूर्ण 5 पत्रे कम	17वीं	गाथा सहित
,,	सं.	61	26×12×15×48	सं.10अध्य ग्र.2600	1785	
,,	,,	15	27×11×15×38	अपूर्ण 4थे अध्य. तक	19वीं	
पद्य मंथ सारांश	मा.	3	25×11×15×49	संपूर्ण 12 सज्झाय	1763	
,,	,,	5	25×11×10×36	लगभग पूर्ण	18वीं	अंतिम पन्ना कम
,,	,,	5	25×12×13×34	संपूर्ण 11 सज्झाय	19वीं	
,,	,,	8,6	23×11 व 25×13	,, 11 ,,	20वीं	
,,	,,	14	26×11×15×40	,, 12 ,,	1850	
,,	,,	7	28×12×12×39	,, 11 ,,	1904	
,,	,,	8	26×12×13×32	लगभग पूर्ण	1828	प्रथम पन्ना कम
जैनागम-अंतिम उपदेश	प्रा.	54	27×11×15×35	सं.ग्र. 2194अ.36	1484मूली ग्राम,भट्ट शिवाणी	
,,	प्रा.सं.	362	26×11×11×35	,, 8260	18वीं	
,,	प्रा.मा.	159	28×12×6×36	लगभग पूर्ण (36वां कुछ कम)	16वीं	
,,	,	101	26×11×6×40	संपूर्ण 36 अध्ययन	1619	
,,	प्रा.	58	27×11×14×43	,, ,,	1623	
,,	प्रा.मा.	167	26×11×13×50	,, ग्र 6250	1657	
,,	प्रा.स	317	25×11×15×45	,, ग्र. 14000	1666	अपर नाम देवेन्द्र गणि सुखबोधी-नाम्नी वृत्ति
,,	प्रा.	51	26×11×15×50	सं.ग्र. 2000अध्य 36	17वीं	
,,	,	46	33×13×13×61	,,	17वीं	जीर्ण
,,	प्रा.मा.	231	26×11×4×33	सं. 36 अध्य.	1767, × जेठाखीमसी	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
87	के.ना. 5/115	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू.ट.
88	,, 20/2	,,	,,		,,
89	,, 13/1	,,	,,		मू.
90	कोलडी 53	,,	,,		मू. ट.
91	,, 1018	,, +बाला.	,, +Bālā.	-/-	मू. बा.
92	,, 58	उत्तराध्ययनसूत्र	,,		मू. ट.
93	,, 57	,,	,,		मू.ट. कथा
94	,, 56	,,	,,		,,
95	ओसि. 1अ.78	,,	,,		मू.
96	कोलडी 55	,,	,,		मू. ट.
97	ओसि 1अ.136	,,	,,		मू.ट. कथा
98	के.ना. 11/4	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/शांत्याचार्य	मू वृ.
99	महा. 1अ53	,, + ,,	,, + ,,	-/भावविजय	,,
100	के.ना. 5/48	,, +दीपिका	,, +Dīpikā	-/लक्ष्मीवल्लभ	मू.दी.
101	,, 5/1	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/-	मू.वृ
102	,, 13/17	,, +बाला.	,, +Bālā.	-/-	मू बा.
103	,, 10/8	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/-	मू.वृ.
104	ओसि. 1अ77	उत्तराध्ययनसूत्र	,,		मू. ट.
105	के. ना. 9/8	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/भावविजय	मू. वृ.
106	कोलडी 61	,, +दीपिका	,, +Dīpikā	-/लक्ष्मीवल्लभ	मू. दी.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-अंतिम उपदेश	प्रा मा	191	26 × 11 × 7 × 38	संपूर्ण 36 अध्य.	1787	
,,	,,	133	27 × 11 × 13 × 45	,,	17वीं	
,,	प्रा.	121	27 × 12 × 9 × 32	,,	17वीं	
,,	प्रा.मा	178	25 × 11 × 5 × 35	,,	1753/62	
,,	,,	273	26 × 11 × 13 × 45	लगभग पूर्ण 36वें का 265 श्लोक	18वीं	
,,	,,	177	26 × 11 × 5 × 38	पूर्ण36अध्य.ग्र.2205	18वीं	
,,	,,	267	25 × 12 × 16 × 50	संपूर्ण 36 अध्य.	1839	
,,	,,	302	26 × 11 × 5 × 34	,,	1892	टब्बार्थ 18वें अध्य. तक ही
,,	प्रा.	41	26 × 11 × 16 × 54	,, ग्र. 2000	19वीं	
,,	प्रा.मा.	177	25 × 11 × 5 × 36	,, ग्र. 2205	19वीं	
,,	,,	203	26 × 13 × 17 × 53	सं.ग्र.2000+8000 +4000	1900बीकानेर,छोटुलाल	जीर्ण, प्रथम पत्रा कम है
,,	प्रा स.	399	29 × 16 × 17 × 38	सं 36 अध्य.	1941	(टीका पाई नाम्नी)
,,	,,	521	27 × 13 × 13 × 41	सं. ग्र. 16255	1958जामनगर खूबकुशल	प्रशस्ति है। संशोधित
,,	,,	33	26 × 11 × 18 × 48	अपूर्ण32/70से अंत तक	16वीं	
,,	,,	126	26 × 11 × 15 × 49	,, 4थे से 11वें अध्य. तक	16वीं	
,,	प्रा.सं.मा.	144	26 × 12 × 13 × 35	,, 25वें अध्य तक	17वीं	प्रथम पृष्ठ पर चित्र
,,	प्रा.सं.	218	27 × 11 × 15 × 58	,, 23वें ,,	17वीं	
,,	प्रा.मा	101	25 × 11 × 5 × 47	अपूर्ण 26वें अध्य.तक	18वीं	
,,	प्रा सं.	162	26 × 11 × 12 × 43	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	29	25 × 13 × 17 × 50	,, 2 अध्या. तक	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
107	के.ना. 1/25	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू.ट.
108	कु.ना. 17/11	,,	,,		मू.
109	के.ना.26/96	,,	,,		,,
100	महा.1प्रा26	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/भावविजय	मू.वृ.
111	कोलडो 814	उत्तराध्ययनसूत्र	,,		मू.ट.
112	,, 1019	,, +बाला.	,, +Bālā.		मू.बा.
113	के.ना. 16/22	उत्तराध्ययनसूत्र+अव.	,, +Avcūri		मू.अ.
114-5	,, 14/24,26 /72	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies		मू.
116	महा. 1प्रा25	,, की चूर्णि	,, kı Cūrṇi		गद्य
117	,, 1प्रा55	,, की वृत्ति	,, kı Vṛtti	शान्त्याचार्य	,,
118	कोलडो 60	,, की कथायें	,, kı Kathāyen	शीलगणि	,,
119	मु.सु.1प्रा123	,, की बृहद्वृत्ति,की कथायें	,, kı Vṛhad Vṛtti, Kathāyen	पद्मसागर	,,
120	कु.ना. 47/7	,, ,,	,, ,,		,,
121	कोलडो 54	,, ,,	,, ,,	पद्मसागर	,,
122	कु.ना. 25/9	,, की कथायें	, kı Kathāyen		,,
123	के.ना. 23/80	,, की सज्झायें	,, kı Sajjhāyen	वाचक रामविजय	पद्य
124	पोमि. 1प्रा135	,, ,,	,, ,,	,,	,,
125	के. ना.21/84	,, ,,	, ,,	भासकरणजी	,,
126	कोलडी4/7गु.	,, ,,	,, ,,	उदयविजय	,,
127	,, गु. 10/5	,, ,,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-अंतिम उपदेश	प्रा.मा.	17	25×11×17×41	अ केवल 32 अध्य.	19वीं	
,,	प्रा.	6	27×12×17×42	,, ,, 36वां ,,	19वीं	पन्ना सं.4 नहीं है
,,	,,	2	26×11×13×40	,, नमिप्रव्रज्या ,,	19वीं	
,,	प्रा.सं.	139	28×12×15×42	,, 6ठे अध्य. तक	20वीं	
,,	प्रा.मा.	9	30×10×5×36	,, मृगापुत्र अ.99गा.	19वीं	
,,	,,	22	25×10×12×30	,, अध्या. 3/14 तक	20वीं	
,,	प्रा सं	3	26×11×9×40	,, अनाथी मुनि अध्या.	20वीं	
,,	प्रा.	4,7	27×12×9×30	त्रुटक 9और 36अध्य	20वीं	
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा.सं.	130	27×13×15×44	सं.मूल व नियुक्ति पर अ 5990	19वीं	
,,	सं.	417	28×13×14×52	,, 36अध्य. की	1964नागोर जीवराज	
,,	,,	40	27×10×16×48	संपूर्ण	1581	
,,	,	105	27×18×17×48	, 25वें अध्या.तक की	1713 सिणोरापाटक विवेकरुचि	प्राकृत को संस्कृत की गई 1137की रचना
	,,	92	26×11×15×48	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	124	25×11×14×42	सं.25वें अध्याय तक	1826	
,,	,,	86	26×11×15×80	त्रुटक उदयन कथा तक	19वीं	
,,	मा.	46	19×11×11×31	संपूर्ण 36अध्या. की	1811	
,,	,,	23	26×12×11×36	अपूर्ण 5 से 36 तक	1847आतर-मुवागुलाबचद	
,,	,,	4	24×11×17×36	केवल नमिराजर्षि की 7 ढालें	1847	
,,	,,	41	15×9×9×48	सं. 36 अध्य. की	1878	
,,	,,	गुटका	19×13×13×23	,,	1884	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
128	कोलडी गु 4/15	उत्तराध्ययन की सज्झायें	Uttarādhyayana kī Sajjhāyen	सुमतिविजय (लक्ष्मीविजय शिष्य)	पद्य
129	,, 1324	,,	,,	,,	,,
130	के.नाथ 29/29	उत्तराध्ययन-वार्त्तिक	Uttarādhyayan Vārttika	पार्श्वचंद	गद्य
131	,, 1/9	ओघनिर्युक्ति +वृत्ति	Oghaniryukti +Vṛtti	भद्रबाहु/-	मू.वृ.
132	महा.1आ27	ओघनिर्युक्ति	Oghaniyukti	,,	मू.प.
133	के.नाथ 14/36	,,	,,	,,	,,
134	,, 9/26	,, का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha		गद्य
भाग	**विभाग 1 आ**	**(iv) जैन आगम-अंग**	**बाह्य-आवश्यक सूत्र:-**		
1	ओसि. 2/152	आवश्यकसूत्र+गाथायें	Āvaśyaka Sūtra+Gāthāyen		मू.
2	के.नाथ 26/69	,, ,,	,, ,,		मू ट.
3	कु. ना. 15/14	,, ,,	,, ,,		मू.
4	के.ना. 13/41	,, ,,	,, ,,		मू.ट.
5	कु. ना. 4/98	,, ,,	,, ,,		मू.
6	के.ना. 24/23	,, ,,	,, ,,		,,
7	,, 15/196	,, ,,	,, ,,		,,
8	,, 21/60	,, ,,	,, ,,		मू ट.
9	,, 15/157	,, ,,	,, ,,		मू.
10	,, 16/34	,, ,,	,, ,,		,,
11	,, 1/27	,, ,,	,, ,,		,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
आगम व्याख्या साहित्य	मा.	48	12 × 10 × 17 × 10	लगभग पूर्ण	19वीं	साथ में प्रत्येक बुद्ध गीत भी
,,	,,	5	25 × 10 × 13 × 31	संपूर्ण नमि अध्य. तक	19वीं	
,,	,,	215	25 × 11 × 11 × 33	,, 9वे अध्य तक	19वीं	
जेनागम विकल्पसे साधु आचार पर	प्रा. सं.	129	25 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण	16वीं	नौवे पूर्व से निर्यूढ प्राभृत20समाचारी तीसरी
,,	प्रा.	33	26 × 11 × 15 × 48	संपूर्ण 1164 गाथा	17वीं	
,,	,,	30	27 × 13 × 15 × 45	974 गाथा तक	19वीं	
,,	मा.	6	27 × 13 × 14 × 39	अपूर्ण	20वीं	
षडावश्यक आगम-सूत्र	प्रा.	123	26 × 12 × 11 × 40	प्रति पूर्ण	16वीं	
,,	प्रा.मा.	13	26 × 11 × 5 × 36	अपूर्ण	16वीं	
,,	प्रा.	7	27 × 11 × 10 × 33	प्रति पूर्ण	1623	
,,	प्रा.मा.	18	26 × 11 × 7 × 37	,,	1664	
,,	प्रा.	11	26 × 12 × 11 × 38	,,	1656	
,,	,,	6	26 × 11 × 14 × 45	,,	1664	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 40	अपूर्ण	1672	
,,	प्रा.मा.	54	26 × 11 × 5 × 37	प्रति पूर्ण	1659	साथ में सम स्मरणादि भी
,,	प्रा.	10	29 × 11 × 17 × 50	,,	17वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 12 × 43	अपूर्ण	17वीं	
,,	,,	7	26 × 11 × 38 × 11	प्रति पूर्ण	17वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
12	कोलडी 1074	आवश्यक सूत्र+गाथाएँ	Āvaśyaka Sūtra+Gathāyen		मू.ट.
13	,, 441	,, ,,	,, ,,		मू.
14	के.ना. 20/3	,, ,,	,, ,,		मू.ट.
15	कु.ना. 5/107A	,, ,,	,, ,,		मू.
16	कु.ना. 5/108	,, +स्तोत्र सज्झायादि	,, +Stotra Sajjhāyādi		मू.(ग.प.)
17	के.ना. 23/9	,, ,,	,, ,,		,,
18	,, 5/24	,, +वंदनक	,, +Vandanaka		मू.ट.
19	ओसि.1अ84	आवश्यक गाथाएँ	Āvaśyaka Gāthāyen		,,
20	से.म. 3अ56	,, +स्मरणादि	,, +Smaraṇādi		मू (प.ग.)
21	महा. 1अ15	,, + ,,	,, + ,,		,,
22	ओसि. 3अ63	,, + ,,	,, + ,,		मू. अर्थ
23-4	,, 2/167व24	,, गाथाएँ 2 प्रतियां	,, Gāthāyen 2 Copies		मू.(ग.प.)
25	कु.ना. 10/129A	,, गाथाएं	,, Gāthāyen		मू.ट.
26-30	कोलडी384 7, 430-40,1075	,, ,, 5 प्रतियां	,, 5 Copies		मू.(ग.प.)
31	कोलडी 43	,, ,,	,, Gāthāyen		मू ट.
32	महा. 1अ14	,, ,, आदि	,, ,, Ādi		,,
33	ओसि 3अ22	,, गाथाए	,,		मू.(प.ग.)
34	कोलडी बस्ता70	आवश्यक+स्तवनादि	Āvaśyaka+Stavanādi		मू.(ग.प.)
35-51	के ना.5/80.117 6/20 40.15/40, 52,185,16/23, 17/51,18/ 0,1 /100,21/33 71 98,23/2,24/61 85	,, 17 प्रतियां	,, ,, 17 Copies		,, (ग.प.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
षडावश्यक आगमसूत्र	प्रा.मा	11	26 × 11 × 4 × 20	अपूर्ण	17वीं	
,,	,,	14	26 × 9 × 11 × 40	प्रतिपूर्ण	17वीं	साथ में स्तवनादि
,,	,,	10	26 × 11 × 18 × 40	,,	1735	
,,	,,	13	15 × 22 × 8 × 16	,,	1781	
,, + भक्ति	प्रा.सं.मा.	177	'6 × 23 × 11 × 20	,,	1797	
,, ,,	,,	7	25 × 11 × 11 × 36	,,	1799	साथ में चंद्रसूरि की संग्रहणी
,,	प्रा.मा	16	26 × 11 × 7 × 38	,,	18वीं	
,,	,,	18	25 × 11 × 5 × 35	,,	1823	
,, + भक्ति	प्रा सं मा.	74	26 × 11 × 13 × 52	,,	1855	
,, ,,	,,	50	25 × 11 × 13 × 40	,,	1863बीकानेर, लक्ष्मीरंग	
,, ,,	,,	69	27 × 13 × 4 × 22	,,	1888अजमेर जवानकुशल	
षडावश्यक आगमसूत्र	प्रा.मा.	16,16	25 × 12व27 × 12	,,	19वीं	
,,	,,	10	26 × 11 × 6 × 42	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	9,13,21 10 12	24से26 × 10से13	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,,	,,	12	25 × 12 × 15 × 30	,,	19वीं	
,,	,,	56	27 × 12 × 4 × 29	,,	19वीं गजनगर, जेठमल	
,,	,,	10	25 × 12 × 15 × 31	,,	20वीं	
षडावश्यक भक्ति आदि	प्रा.सं.	123	25से30 × 10से14	स्फुट पत्र भिन्न 2	19/20वीं	सामान्य प्रतियाँ
,,	,,	10 10,75 10,12,15 4,4,11, 3,7,49, 52,41,58 4 7	24से28 × 10से13	पूर्ण, अपूर्ण	19/20वीं	,, ,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
52	के. ना. 13/46	आवश्यक-गाथायें	Āvaśyaka Gāthāyen		मू.ट.
53	,, 19/61	,, + चैत्यवंदन	,, +Caityavandana		मू. अर्थ
54	,, 11/40	,,	,,		मू. ट.
55	,, 3/14	षडावश्यक + बालावबोध	Ṣaḍāvaśyaka + Bālāvabodha	-/हेमहंस गणि	मू. बा.
56	कोलडी 42	,, ,,	,, ,,	-/ ,,	,,
57	के ना. 4/7	,, ,,	,, ,,	-/जिनकीर्ति	,,
58	,, 20/1	,, ,,	,, ,,	-/जिनविजय	मू. ट. बा.
59	,, 27/61	,, ,,	,, ,,	-/ ,,	,, ,,
60	कोलडी 1071 73	,, ,,	,, ,,		,, ,,
61	के.ना. 21/48	,, ,,	,, ,,		मू. बा.
62	,, 5/21	,, ,,	,, ,,		,,
63	,, 11/32	,, ,,	,, ,,		,,
64	,, 11/41	,, ,,	,, ,,		,,
65	,, 21/105	,, ,,	,, ,,		,,
66	,, 5/20	,, ,,	,, ,,		,,
67	कोलडी 439	,, ,,	,, ,,		,,
68	कु.ना. 37/10	साधु-प्रतिक्रमणसूत्र	Sādhu Pratikramana Sūtra		मू.
69	कोलडी 438	,,	,,		,,
70	महा. 3a16	,,	,, ,,		मू. ट.
71	के.ना. 19/31	,,	,, ,,		,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8A	9	10	11
षडावश्यक आगम-सूत्र	प्रा. मा.	18	26 × 11 × 6 × 38	प्रतिपूर्ण	20वीं	
+ भक्ति	,,	5	26 × 12 × 11 × 40	अपूर्ण	20वीं	
षडावश्यक	,,	9	25 × 12 × 6 × 45	प्रतिपूर्ण	20वीं	
,,	,,	62	26 × 11 × 14 × 52	संपूर्ण ग्र. 3100	1526	
,,	,,	137	25 × 12 × 11 × 38	,,	18वीं	
,,	,,	86	27 × 11 × 13 × 50	,, ग्र. 2200	1603	
,,	प्रा.सं.मा.	115	25 × 11 × 18 × 46	,,	1751	
,,	,,	80	26 × 12 × 15 × 41	अपूर्ण (67 से 146 पत्र अंश)	19वीं	
,,	प्रा. मा.	107	25 × 12 × 5 × 36	संपूर्ण	1836	
,,	,,	26	25 × 11 × 11 × 42	,,	16वीं	
,,	,,	77	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण बीच के पत्रे	16वीं	
,,	,,	20	26 × 11 × 11 × 49	संपूर्ण लगभग	18वीं	प्रथम पत्रा कम
,,	,,	7	26 × 11 × 8 × 40	अपूर्ण	18वीं.	
,,	,,	22	24 × 12 × 15 × 47	,, (संसारदावा. तक)	19वीं	
,,	,,	16	25 × 11 × 17 × 54	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	79	25 × 13 × 17 × 48	,,	19वीं	
साधु आवश्यक	प्रा.	4	27 × 12 × 13 × 36	संपूर्ण (पगामसज्झाय)	16वीं	
,,	,,	5	20 × 11 × 6 × 40	त्रुटक	16वीं	
,,	प्रा. मा.	7	19 × 11 × 7 × 39	संपूर्ण	1762	
,,	,,	6	25 × 11 × 25 × 55	,,	1764	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3A	4	5
72	मु.सु. 3अ35	साधुप्रतिक्रमण सूत्र	Sādhu Pratikramaṇa Sūtra		मू.
73	कोलडी 436	,,	,,		,,
74	के.ना. 18/36	,,	,,		मू.ट.
75	,, 18/39	,,	,,		,,
76-81	,, 5/54,10/75, 76,11/63,15/128,16/32	,, 6 प्रतियां	,, 6 Copies		मू.
82-85	कोलडी 435-37,1187A,B	,, 4 ,,	,, 4 ,,		,,
86	मु.सु. 3अ36	,,	,,		,,
87	से.मं.3इ345	,,	,,		मू.ट.
88	महा. 1अ17	,,	,,		मू.
89	कु.ना. 2/9	,,	,,		,,
90-92	,, 2/24,10/167 13/43	,, रात्रि संथारा सज्झाय 3प्रतियां	,, Rātri Santhārā Sajjhāya 3 Copies		,,
93	के. ना. 6/17	,, ,,	,, ,,		,,
94	से.मं. 3अ57	,, +बाला.	,, +Bālā.		मू.बा.
95	ओसि. 3अ51	,, अवचूरि	,, +Avacūri		ग.
96	कु.ना गु.36/1	लघुवृत्ति प्रतिक्रमणसूत्र	Laghu Vṛtti Pratikramaṇa Sūtra		ग. प.
97	के. ना.15/95	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र	Śrādha Pratikramaṇa Sūtra		पद्य
98	,, 13/39	,,	,, ,,		मू.ट.
99	ओसि.3अ47	,,	,, ,,		मू. (ग.प.)
100-1	,, 3आ30,46	,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 Copies		,,
102-4	कु.ना. 17/17, 37,37,34/4	,, 3 ,,	,, ,, 3 ,,		,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु आवश्यक	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 16 × 46	प्रतिपूर्ण	18वीं	
,,	प्रा.	4	26 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण	1843	
,,	प्रा.मा.	10	27 × 12 × 4 × 36	,,	20वीं	
,,	,,	5	25 × 12 × 24 × 48	,,	20वीं	
,,	प्रा.	22,2,8, 2,4	23से29 × 10से12	,,	19/20वीं	सामान्य प्रतियां
,,	,,	5 4,3,3	25से26 × 11से13	,,	19/20वीं	,,
,,	,,	6	24 × 12 × 13 × 40	,,	1854	
,,	प्रा.मा.	1	25 × 11 × 4 × 34	,,	19वीं	अप्रचलित पाठ
,,	,,	4	26 × 13 × 15 × 51	,,	19वीं	पाक्षिक अतिचार सहित
,,	प्रा.	7	23 × 12 × 11 × 19	,,	19वीं	
,,	,,	1,1,2	26से27 × 11से12	,, 18 गाथा	19वीं	
,,	,,	2	22 × 10 × 10 × 30	,,	20वीं	
,,	प्रा.मा.	12	23 × 11 × 18 × 60	संपूर्ण	16वीं	
,,	सं.	2	26 × 11 × 16 × 57	,,	19वीं	मूल प्राकृत सूत्रों की संस्कृत
श्रावक आवश्यक	प्रा.सं.	क्रम गुटका 6		,,	1544	दिगम्बर आम्नाय
,,	प्रा.	5*	26 × 11 × 11 × 40	,, वंदित्त सूत्र 50 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.मा.	14	27 × 11 × 5 × 56	,,	1726	
,,	,,	5	26 × 12 × 12 × 36	,,	1870,विक्रमपुर जिनसुंदर	अतिचार सहित
,,	,,	5,10	24 × 11व27 × 12	,,	19वीं	
,,	,,	14,5,18	19से26 × 11से13	,,	19/20वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
105	के. नाथ 11/54	श्राद्ध प्रतिक्रमण सूत्र	Śrādh Pratikramaṇ Sūtra		मू.ट.
106	कोलड़ी 443	,,	,,		मू
107	,, 385	,,	,,		मू ट.
108	,, 1108	,,	,,		मू.+अर्थ
109	,, 386	,,	,,		मू.+ट.
110	ओसियां 3 अ 29	,,	,,		ग.प.
111-7	के नाथ 6/124, 15/39 64,67, 75,16/26.26 /81	,, 7 प्रति	,, 7 Copies		मू. (प)
118	के. नाथ 13/51	,, +बाला.	,, +Bālā		मू बा.
119	,, 1/29	आवश्यक सूत्र निर्युक्ति	Āvasyak Sūtra Niryuktti	भद्र बाहु	मू. (प)
120	महा. 1 अ 16	,, ,,	,, ,,	,,	,,
121	के.नाथ 15/111	,, ,,	,, ,,	,,	,,
122	महा. 1 अ 17	,, ,,	,, ,,	,,	,,
123	के नाथ 5/16	,, ,,	,, ,,	,,	,,
124	,, 3/18	आवश्यक निर्युक्ति सह बाला	,, ,, with Bālā.	,,/संवेगी देवगणि	मू बा.
125	ओसियां 3 अ 37	,, ,,	,, ,, with Bālā	,,/रत्न शेखर शिष्य	,,
126	के नाथ 11/75	आवश्यक प्रतिक्रमण संग्रहणी	Āvasyak Pratikramaṇ Sangrahṇī	—	मू. (प)
127	महा. 1 अ 20	विशेषावश्यक भाष्य वृत्ति सह	Viśeṣāvasyak Bhāṣya with Vṛti	जिन भद्र/म. हेमचंद्र	मू + वृ.
128	के.नाथ 15/112	आवश्यक वृत्ति	Āvasyak Vṛti	हरिभद्र	ग.
129	महा. 1 अ 18	आवश्यक बृहत् वृत्ति	,, Bṛhat Vṛti	—/हरिभद्र	ग.
130	,, 1 अ 19	,, ,, लघु टीका	,, ,, Laghu Tīkā	—/तिलकाचार्य	,,
131	के नाथ 21/96	आवश्यक वृति सह	,, with Vṛti	— ?	मू वृ.
132	,, 10/53	,, ,,	,, ,,	—?	,,
133	कोलड़ी 1072	आवश्यक वृति	,, Vṛti	—?	ग.

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावक आवश्यक	प्रा.मा.	10	25 × 12 × 5 × 38	संपूर्ण	1842	
,,	प्रा.	2	26 × 11 × 12 × 38	,,	19वीं	
,,	प्रा मा	6	25 × 11 × 5 × 32	,,	19वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 10 × 30	अपूर्ण 6 गाथा तक	19वीं	
,,	,,	24	25 × 11 × 5 × 33	संपूर्ण ग्रंथाग्र 995	19वीं	पौष सूत्र सह
,, + भक्ति	प्रा.सं.मा	8	26 × 12 × 14 × 34	प्रतिपूर्ण	1895 विक्रमपुर दौलतसिंह	स्मरण सह
,,	प्रा.	2 3,3, 4,33,4	25,26 × 10,11	पूर्ण/अपूर्ण	19/20वीं	
,,	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण गा.24 से 50 (अंत) तक	1619	पन्ने 15 से 19 (अंत) तक
आवश्यक + व्याख्या साहित्य	प्रा	65	28 × 11 × 15 × 54	संपूर्णगाथा2525ग्रं 3130	1524	
,,	,,	113	26 × 11 × 11 × 40	,, ग्रं. 3375	16वीं	
,,	,,	47	26 × 11 × 17 × 60	,,	1628	
,,	,,	83	26 × 11 × 13 × 49	लगभग पूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	17वीं	
,,	,,	47	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण (पन्ने 32 से अंत 78 तक)	17वीं	
,,	प्रा मा.	40	26 × 11 × 11 × 42	केवल पीठिका व्याख्यान का	1514	गाथा 81 तक का संपूर्ण
,,	,,	29	22 × 11 × 15 × 36	,, ,,	19वीं	गाथा 78 तक का संपूर्ण
आवश्यक क्रिया संबंधी	प्रा.	6	25 × 10 × 13 × 50	संपूर्ण 169 गाथायें	16वीं	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	प्रा.सं.	569	26 × 12 × 17 × 43	अपूर्ण 3622 गाथा + 714	19वीं विक्रमपुर नारायण	पहिले 36 पन्ने कम
,, ,,	सं.	100	26 × 11 × 16 × 64	त्रुटक	15वीं	जीर्ण (पन्नों की संख्या लगभग
,, ,,	सं.	659	26 × 12 × 13 × 40	संपूर्ण ग्रं. 22000	1951	वृति शिष्य हिता नाम्नी
,, ,,	,	140	25 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण (लोगस्स से अंत तक)	1672 जहांगीर राज्ये	पन्ने 220 से 359 अंत
,, ,,	प्रा.सं	20	25 × 11 × 11 × 35	,, (करेमिभंते तक)	1870	
,, ,,	,,	71	26 × 11 × 13 × 32	,,	19वीं	
,, ,,	सं.	15	28 × 13 × 15 × 26	,,	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
134	कुंथुनाथ 42/14	आवश्यक वृति	Āvasyak Vṛti	—	ग.
135	के. नाथ 21/34	आवश्यक बालावबोध	,, Bālāvabodha	तरुण प्रभ सूरि	,,
136	,, 18/19	,, ,,	,, ,,	सहजकीर्ति	,,
137	महावीर 3 अ 12	साधु प्रतिक्रमण वृति सह	Sādhu Pratikramaṇ with Vṛti	/तिलकाचार्य	मू.वृ.
138	,, 3 अ 4	,, ,,	,, ,,	/ ,,	,,
139	,, 3 अ 11	,, ,,	,, ,,	/हेम सोमसूरि	,,
140	कोलडी 859	,, ,,	,, ,,	/ —	,,
141	कुंथुनाथ 3/76	साधु प्रतिक्रमण के बोल	,, ke Bol	—	ग.
142	ओसियां 3 अ 23	श्राद्ध प्रतिक्रमण+अवचूरी	Śrādh Pratikramaṇ+ Avacūri	/कुल मडन सूरि	मू.+अ.
143	के. नाथ 23/85	,, + ,,	Śrādh Pratikramaṇ+ Avacūri	/देवेन्द्रसूरि (वृंदारुवृति)	,,
144	महावीर 3 अ 1	,, +वृति	Śrādh Pratikramaṇ+Vṛti	वृंदारुवृति	मू वृ
145	के नाथ 3/31	,, + ,,	,, + ,,	/ ,,	मू वृ ट.
146	कोलडी 41	,, की वृति	,, kī Vṛti	,,	ग.
147	के नाथ 14/140	,, की वृति	,, ,,	,,	,,
148	महावीर 3 अ 5	श्राद्ध प्रतिक्रमण+वृति	,, +Vṛti	– /रत्नशेखर	मू वृ. (ग प)
149	के नाथ 13/24	,, ,,	,, + ,,	,,	,,
150	कुंथुनाथ 54/8	श्राद्ध प्रतिक्रमण की वृति	,, kī Vṛti	—?	ग.
151	के. नाथ 15/121	श्राद्ध प्रतिक्रमण+अवचूरि	Śrādh Pratikramaṇ+ Avacūri	—?	मू.+अ.
152	ओसियां 3 अ 49	,, + ,,	,, + ,,	—?	,, (प.ग)
153	के. नाथ 23/6	श्राद्ध प्रतिक्रमण+वृति	,, +Vṛti	—?	मू वृ. (ग)
154	,, 18/2	,, +वृति	,, + ,,	—?	मू वृ.+कथा
155	महावीर 3 अ 6	पाक्षिक (पक्खी) सूत्र+वृति	Pākṣik (Pakhī) Sūtra+Vṛti	—/यशोदेवसूरि	मू.वृ. (ग.)
156	,, 3 अ 13	,, +अवचूरि	,, +Avacūri	/यशोभद्र	मू.अ. (ग.)
157	ओसिया 3 अ 52	पाक्षिक सूत्र	Pākṣik Sūtra	—	मू (ग)
158	के नाथ 5/73	,,	,,	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक व्याख्या सहित	सं.	4	26 × 11 × 7 × 64	त्रुटक	19वीं	
,, ,,	मा.	196	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण कथा सह ग्रं.7110	1499	
,, ,,	,,	31	27 × 14 × 33 × 46	संपूर्ण ग्रं. 2700	1928	
,, ,,	प्रा सं.	6	24 × 10 × 21 × 43	संपूर्ण ग्रंथाग्र 396	1645	
,, ,,	,,	14	27 × 12 × 13 × 28	,,	20वीं	पगाम सज्झाय पर
,, ,,	,,	6	26 × 11 × 26 × 57	संपूर्ण	1645	
,, ,,	,,	7	25 × 10 × 7 × 50	,,	17वीं	
,, ,,	मा.	7	26 × 12 × 11 × 37	,,	19वीं	पगाम सज्झाय व राइ संथारे पर
,, ,,	प्रा सं.	4	26 × 11 × 16 × 49	,,	1480	पगाम सज्झाय के थोकड़े
,, ,	,,	3	26 × 11 × 9 × 41	,, वदितु की 50 गाथा	16वीं	
,, ,,	,,	89	26 × 13 × 14 × 37	प्रतिपूर्ण ग्रं 2720	19वीं	
,, ,,	प्रा.सं.मा.	167	28 × 12 × 7 × 39	संपूर्ण ग्रं. 6000	19वीं	
,, ,,	सं.	66	27 × 11 × 15 × 48	,, ग्रं. 2728	19वीं	
,, ,,	,,	35	25 × 11 × 17 × 44	अपूर्ण	19वीं	
,, ,,	प्रा सं.	191	26 × 12 × 16 × 42	संपूर्ण 5 अधिकार ग्रं.6744	19वीं	प्रशस्ति वीगतवार
,, ,,	,,	158	27 × 11 × 15 × 48	,, ,,	19वीं	
,, ,,	सं.	50	26 × 11 × 15 × 60	अपूर्ण (संपूर्ण के ग्रंथाग्र 2700)	16वीं	प्रति त्रुटक है
,, ,,	प्रा.सं.	4	26 × 11 × 17 × 60	संपूर्ण	16वीं	
,, ,,	,,	8	25 × 11 × 19 × 56	,, 43 गाथा	1665 मेड़ता ऋषिवीका	
,, ,,	,,	34	26 × 11 × 17 × 51	त्रुटक अपूर्ण	17वीं	
,, ,,	,,	47	27 × 12 × 12 × 35	अपूर्ण	19वीं	
साधु पाक्षिक आवश्यक	,,	37	28 × 12 × 18 × 55	संपूर्ण ग्रं. 2700	15वीं × अमरसिंह सूरि	जीर्ण/प्रशस्ति है/ 1180 की रचना
,,	,,	10	26 × 11 × 22 × 55	,,	15वीं	
,,	प्रा.	5	25 × 11 × 15 × 53	,,	16वीं × शिवनिधान गणि	
,,	,,	9	25 × 11 × 13 × 45	,, ग्रं. 360	1605	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3		3 A		4	5
159	के. नाथ 5/38	पाक्षिक सूत्र		Pākṣik Sūtra		—	मू. (ग)
160	कोलड़ी 433	,,		,,		—	,,
161	मुनि सुव्रत 3 अ 39	,,		,,		—	,,
162	,, 3 अ 40	,,		,,		—	,,
163	महावीर 3 अ 20	,,	+वृत्ति	,,	+Vṛti	/यशोदेव	मू.वृ. (ग)
164	कुंथुनाथ 42/13	पाक्षिक सूत्र		,,		—	मू.ग.
165	,, 10/188	,,		,,		—	,,
166	सेवामदिर 3 अ 60	,,	+बालावबोध	,,	+Bālāvabodha	—/विमल कीर्त्ति	मू.बा. (ग)
167	महावीर 3 9	पाक्षिक सूत्र		,,		—	मू.ग
168	ओसिया 3 अ 54	,,		,,		—	मू ट.
169	मुनि सुव्रत 3 अ 41	,,		,,		—	मू. (ग)
170	,, 3 अ 38	,,		,,		—	,,
171	के. नाथ 21/73	,,		,,		—	,,
172	ओसिया 3 अ 53	,,		,,		—	,,
173	के. नाथ 6/4	,,		,,		—	मू.ट
174	महावीर 3 अ 2	,,	+वृत्ति	,,	+Vṛti	—/यशोदेव	मू वृ. (ग)
175-81	कोलड़ी 430A-31 32-34-1103-68,1200	पाक्षिक सूत्र	7 प्रतियें	,,	7 Copies	—	मू (ग)
182-6	के. नाथ 5/23, 21/74,24/46 -48-50	,,	5 प्रतियें	,,	5 ,,	—	,,
187	सेव मंदिर 3 अ 61	,,	—	,,	—	—	,,
188-9	कुंथुनाथ 10/180 16/[illegible]	,,	2 प्रतियें	,,	2 Copies	—	,,
190-1	ओसिया 3 अ 25-50	,,	2 प्रतियें	,,	2 ,,	—	,,
192-3	महावीर 3 अ 19 10	,,	2 प्रतियें	,,	2 ,,	—	,,
194	,, 3 अ 14	पाक्षिक क्षमापणा		,,	Kṣamāpanā	—	मू अ. (ग)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु पाक्षिक आवश्यक	प्रा.	10	25 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण	1643	खमासणा सहित
,,	,,	14	27 × 11 × 11 × 38	,,	1690	
,,	,,	9	26 × 11 × 12 × 41	,,	17वीं	अंत में पार्श्व लघु स्तोत्र प्रा. में 7 गाथा
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 33	,,	17वीं	
,,	प्रा.सं.	57	26 × 11 × 15 × 56	,, ग्रं. 2700	17वीं	
,,	प्रा.	6	27 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण	17वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 37	संपूर्ण	1715	
,,	प्रा.मा.	18	26 × 12 × 6 × 53	,,	1727 × हर्षमुनि	जीर्ण
,,	प्रा.	9	25 × 11 × 13 × 50	,,	1776, सत्यपुर पुण्योदय	
,,	प्रा.मा	21	26 × 11 × 6 × 39	,,	1787 × रामकृष्ण	
,,	प्रा.	8	26 × 11 × 15 × 45	,,	1793 अहीपुर	
,,	,,	13	26 × 11 × 9 × 46	,,	1798 उकारपुर दयालसागर	
,,	,,	11	25 × 12 × 13 × 39	,,	1806	
,,	,,	10	25 × 11 × 13 × 33	,,	1840 × सत्यसुंदर	
,,	प्रा.मा.	20	27 × 11 × 5 × 40	,,	19वीं	
,,	प्रा.सं.	68	25 × 11 × 15 × 46	,, ग्रंथाग्र 2700	19वीं	
,,	प्रा.	8,14,12 24,4,6, 9	24से27 × 11से13	,, अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	20,9,14 9,7	20से26 × 9से12	संपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	38	26 × 13 × 7 × 19	,,	1897 देशनोंक बीरदीचंद	
,,	,,	3,16	26 × 13 × भिन्न 2	,,	19वीं	
,,	,,	9,13	26 × 12व25 × 11	,,	19वीं (विक्रमपुर आनंदसुंदर	
,,	,,	12,82	26 × 12व21 × 11	,,	20वीं(1 रतलाम सीताराम 1953	दूसरी प्रति बहुत बड़े अक्षर
,,	प्रा.सं.	2	28 × 12 × 15 × 40	,, ग्रं. 75	1931 राजगृह पुनमचंद	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
195	कुंथुनाथ 10/143	पाक्षिक क्षामरा	Pāksik Kṣamāpanā	—	मू (ग.)
196	महावीर 3 अ 8	पाक्षिक सूत्र की अवचूरि	,, kī Avacūri	/यशो भद्र	ग.
197	,, 3 अ 7	पाक्षिक प्रतिक्रमरा सत्तरी	Pakṣik Pratikramaṇ Sattari	चन्द्र सूरि ?	मू (प)
198	ओसियां 1 आ 134	पाक्षिक सूत्र की अवचूरी	,, Sūtra kī Avacūri	/—?	ग.
199	मुनि सुव्रत 3 अ 34	पाक्षिक (साधु) अतिचार	,, (Sādhu) Aticār	—	,,
200-4	कोलड़ी 389-94-96 922-24	,, ,, ,, 5 प्रतियें	,, ,, 5 copies	—	,,
205-6	के. नाथ 18/75, 21/104	,, ,, ,, 2 प्रतियें	,, ,, 2 ,,	—	,,
207	मुनि सुव्रत 3 अ 33	,, ,, ,, —	,, ,, —	—	,,
208-9	महावीर 3 अ 3,33	,, ,, ,, 2 प्रतियें	,, ,, 2 copies	—	,,
210	के नाथ 15 142	,, ,, ,, —	,, ,, —	—	,,
211	सेवामंदिर गुटका 3 ति	पाक्षिक (श्राद्ध) अतिचार	,, (Śrādh) Aticār	पार्श्वचंद सूरि	प.
212	के नाथ 11/81	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	ग.
213	मुनि सुव्रत 3 अ 42	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	पद्य
214	कोलड़ी 199	,, ,, ,,	,, ,, ,,	(चातुर्मासिक व्याख्याने)	मू.ट.
215	कुंथुनाथ 15/16	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	ग.
216	,, 29/9	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	प.
217	कोलड़ी 390	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	ग.
218-2	कोलड़ी 388-81-82-83,1161	, ,, ,, 5 प्रतियें	,, ,, ,, 5 copies	—	,,
223-8	के. नाथ 6/6, 11/8, 18/9, 19/62, 19/75,24/52	,, ,, ,, 6 प्रतियें	,, ,, ,, 6 ,,	—	,,
229	ओसियां 3 अ 48	,, , अतिचार	,, ,, ,, —	—	,,
230-1	महावीर 2/278-9	ललित विस्तरा (चैत्यनंदनादि सूत्र) दो प्रति	Lalit Vistarā 2 copies	हरिभद्र/मुनिचंद्र	मू.+वृ.+प

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु पाक्षिक आवश्यक	प्रा.	1	24 × 11 × 9 × 31	संपूर्ण	20वीं	
आवश्कक व्याख्या साहित्य	सं.	7	26 × 11 × 25 × 65	,, क्षामणा सहित	16वीं	
,, ,,	प्रा.	3	29 × 12 × 17 × 59	संपूर्ण 72	1594 गुणलाभगणि	
,, ,,	सं.	17*	27 × 11 × 25 × 62	,,	16वीं	
साधु पाक्षिक आवश्यक	प्रा.मा.	4	26 × 12 × 11 × 36	,,	1818 नागपुर	
,, ,,	,,	3,3,5, 3,3	23से25 × 10से13	,,	19वीं	बीच की प्रति में पक्खी विधि
,, ,,	,,	2,2	25 × 12 × 15 × 48	,,	19वीं	
,, ,,	,,	4	24 × 11 × 11 × 31	,,	19वीं	
,, ,,	,,	3,9	28 × 13व22 × 11	,,	20वीं	
,, ,,	,,	8	26 × 12 × 10 × 42	,,	20वीं	सामान्य से भिन्न पाठ
श्राद्ध पाक्षिक आवश्यक	मा.	13	16 × 13 × 13 × 18	संपूर्ण 156 गाथा	1651	प्रचलित से भिन्न पाठ
,, ,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 46	संपूर्ण ग्रंथाग्र 235	1724	
,, ,,	,,	5	26 × 11 × 13 × 35	,, 94 गाथायें	1764	प्रचलित से भिन्न पद्य में
,, ,,	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 4 × 42	,, 25 गाथायें	1856	कुल 124 अतिचार
,, ,,	मा.	5	24 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण	1875	प्रचलित से भिन्न पाठ
,, ,,	,,	5	26 × 11 × 12 × 48	अपूर्ण गाथा 12 से 144	19वीं	,, ,, पद्य में
,, ,,	,,	9	25 × 11 × 13 × 37	संपूर्ण	19वीं	,, ,, पाठ
,, ,,	,,	5,10,7, 8,6	25से28 × 11से13	,,	19/20वीं	
,, ,,	,,	7,11,7, 9,6,7	23से26 × 11से16	,, लगभग सभी	19वीं	
,, ,,	,,	10	28 × 12 × 12 × 28	संपूर्ण	19वीं	
चैत्यवंदनादि वृत्ति	प्रा.सं.	141, 141	27 × 13 × 11 × 37	संपूर्ण ग्रं. 3400-3600	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
232	महावीर 2/280	ललित विस्तरा की पंजिका	Lalitvistarā kī Panjikā	मुनिचंद	ग.
233	,, 3/281	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय+बा.	Caityavandanādi Bhāṣya Traya+Bālā.	देवेन्द्र सूरि/ज्ञान विमल	मू.बा.
234	मुनि सुव्रत 2/257	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	Caityavandanādi Bhāṣya Traya	,,	मू. (प)
235	के. नाथ 15/2	चैत्य गुरु वंदन व प्रत्याख्यान भाष्य + बा.	Caitya, Gurūvandan & Pratyākhyān Bhaṣya+Bālā.	,,	मू.+बा.
236	सेवामंदिर 2/364	,, ,,	Caitya, Gurūvandan & Pratyākhyāṇ Bhaṣya+Bālā.	,,	मू.+ट.
237	के. नाथ 15/48	प्रत्याख्यान भाष्य	Pratyākhyān Bhāṣya	,,	मू. (प)
238	,, 3/12	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय + अवचूरि	Caityavandanādi Bhāṣatrya +Avacūri	,,/सोमसुंदर	मू.अ.
239	कोलड़ी 829	,, ,,	,, ,,	देवेन्द्र सूरि	मू ट.
240	के. नाथ 23/17	,, ,,	,, ,,	,,	,,
241	,, 11/90	,, ,,	,, ,,	,,	मू. (प)
242	,, 11/29	,, ,,	,, ,,	,,	मू.ट.
243	,, 19/29	,, ,,+बा	,, ,,+Bālā	,,	मू.बा.
244	कोलड़ी 108	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	,, ,,	,,	मू.ट.
245	के. नाथ 6/8	चैत्य+गुरुवंदन भाष्य	Caitya Guru Vandan Bhāṣya	,,	मू व्या.
246	,, 20/16	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	Caitya Vandanādi Bhāṣya Traya	,,	मू.ट.
247	,, 22/42	,, ,,	,, ,,	,,	,,
248	,, 21/100	प्रत्याख्यान भाष्य	Pratyākhyān Bhāṣya	देवेन्द्र सूरि/सोमसुंदर	मू.अ.
249	,, 24/5	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	Caitya Vandanādi Bhāṣya Traya	देवेन्द्र सूरि	मू (प)
250	कोलड़ी 1340	,, ,,	,, ,,	,,	,, ,,
251	,, 109	,, ,,+बा.	,, ,,+Bālā	देवेन्द्र सूरि/ज्ञान विमल	मू.बा.
252	के.नाथ 15/136	,, ,,+बा.	,, ,,+Bālā.	देवेन्द्र सूरि/—	,,
253	महावीर 2/282	चैत्यवंदन भाष्य सावचूरी	Caitya Vandan Bhāṣya with Avacūri	,,/ज्ञान सूरि ?	मू अ.
254	,, 2/283-4	गुरु व प्रत्याख्यान भाष्य ,,	Guru & Pratyākhyān Bhāṣya with Avacūri	,,/सोमसुंदर	,,
255	मुनि सुव्रत 3 अ 64	चैत्यवदन भाष्य अवचूरि	Caityavandan Bhāṣya Avacūri	,,/—	अ.
256	के. नाथ 10/78	,,	,, ,,	,,/—	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
चैत्यवंदनादि वृति	सं.	31	27 × 11 × 17 × 65	संपूर्ण ग्रं. 2130	1505 × कमल सयम	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 18 × 55	लगभग संपूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	15वीं	
,,	प्रा.	6	26 × 10 × 14 × 42	संपूर्ण (63+42+48 गा.)	16वीं	
,,	प्रा मा.	10	26 × 11 × 9 × 33	,,	16वीं	
,,	,,	9	28 × 11 × 7 × 54	,, 152 गा.	1697	
,,	प्रा.	4	23 × 10 × 12 × 30	,, 60 गा.	1698	
,,	प्रा.सं.	20	26 × 11 × 18 × 54	, 153 गा.	1711	
,,	प्रा.मा.	15	31 × 11 × 5 × 35	,,	1756	
,,	,,	17	26 × 11 × 5 × 37	अपूर्ण (पहिले के 38 गा कम)	1788	
,,	प्रा	6	25 × 11 × 12 × 40	संपूर्ण 155 गा.	18वीं	
,,	प्रा.मा	9	28 × 12 × 0 × 40	अपूर्ण अंत की 20 गा कम)	18वीं	
,,	,,	42	26 × 13 × 17 × 52	संपूर्ण	1849	
,,	,,	16	26 × 11 × 6 × 45	,, (152 गा.)	1841	
,,	,,	25	26 × 13 × 15 × 39	,, (63+41 गा.का)	1897	
,,	,,	16	25 × 12 × 20 × 52	,,	19वीं	
,,	,,	12	25 × 11 × 9 × 35	,,	19वीं	
,,	प्रा.सं	8	25 × 12 × 16 × 50	,, 48 गाथा	19वीं	
,,	प्रा.	10	24 × 13 × 11 × 39	,, 152 गाथा	19वीं	
,,	,	6	25 × 11 × 14 × 40	लगभग पूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	19वीं	
,,	प्रा.मा.	32	26 × 12 × 16 × 65	संपूर्ण 152 गाथा का	1906	
,,	,,	53	27 × 13 × 13 × 44	,, ,,	1929	
,,	प्रा.सं.	14	30 × 15 × 15 × 50	संपूर्ण 63 गाथा की	20वीं	
,,	,,	19	30 × 15 × 15 × 36	संपूर्ण 42+48 ,,	20वीं	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	सं.	2	27 × 12 × 23 × 80	संपूर्ण 62 गाथा की	16वीं	साथ में अन्य किंचित विवेचन
,, ,,	,,	6	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण	19वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
257	के. नाथ 24/42	गुरु. प्रत्या. भाष्य का बा.	Gurū. Pratyā. Bhāṣya kā Bālā.	—	गद्य
258	,, 20/38	चैत्यादि भाष्यत्रय का बा.	Caityādi Bhāṣya Traya kā Bāla.	—	,,
259	ग्रोसियां 2/152	वन्दनक भाष्य	Vāndanak Bhāṣya	—	मू.प.
260	के. नाथ 26/103	,, ,,	,, ,,	—	,,
261	,, 11/47	भाष्यत्रय + वंदितू + वृति	Bhāṣya Traya + Vanditu + Vṛti	—/तिलकाचार्य	मू.वृ. (प.ग.
262	,, 5/35	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—/ ,,	,,
263	महावीर 3 ग्र 15	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—/ ,,	,,
264	सेवामंदिर 2/376	भाष्यत्रय + वंदितू की वृति मात्र	,, ,,ki Vṛti only	तिलकाचार्य	ग.
265	कुंथुनाथ 42/9	,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
266	कोलड़ी 318	चैत्य वंदन भाष्य गाथायें	Caitya Vandan Bhāsva Gāthāyen	—	मू (प)
267	कुंथुनाथ 4/90	प्रत्याख्यान सूत्र	Pratyākhyān Sūtra	—	मू. (ग)
268	के. नाथ 5/55	,, ,,	,, ,,	—	,,
269	कोलड़ी 917	,, ,,	,, ,,	—	,,
270	ग्रोसिया 3 ग्रा 146	,, ,,	,, ,,	—	,,

भाग/विभाग :—1 ग्रा (v)

1	के. नाथ 10/7	ग्रातुर प्रत्याख्यान	Ātur Pratyākhyān	—	मू. (प)
2	,, 6/39	,,	,,	—	,,
3	कोलड़ी 44	,,	,,	—	,,
4	ग्रोसिया 1 ग्रा 42	,,	,,	—	,,
5	महावीर 1 ग्रा 41	गच्छाचार प्रकीर्णक + वृति	Gachācār Prakīrṇak + Vṛti	—/विजय विमल	मू वृ.
6	,, 1 ग्रा 30	चउशरण (ग्रवचूरी सह)	Cauśaraṇ (with Avacūri)	वीरभद्र	मू ग्र.
7	के. नाथ 15/106	,,	,,	,,	,,
8	,, 6/25	,,	,,	,,	मू. (प)
9	मुनि सुव्रत 1 ग्रा 21	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक व्याख्या साहित्य	मा.	10	27×11×13×49	संपूर्ण	18वीं	
,, ,,	,,	19	24×11×16×42	,,	19वीं	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा.	123*	26×12×11×40	,, 27 गाथा	16वीं	देवेन्द्र सूरि का नहीं है
,,	,,	276*	25×12×20×56	,, 28 ,,	18वीं	,, ,,
,,	प्रा.सं.	16	25×11×18×60	,, ग्रंथाग्र 800 वृत्तिये	1829	,, ,,
,,	,,	22	26×12×17×40	,, ,, 750 ,,	1900	,, ,,
,,	,,	24	30×16×16×43	,, ,, 750 ,,	19वीं	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	सं.	17	26×11×14×46	संपूर्ण ग्रंथाग्र 800	16वीं	
,, ,,	,,	16	26×11×21×86	,, ,, 750	19वीं	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा.	3	20×12×9×22	अपूर्ण	20वीं	
,, पाठ	,,	1	25×11×13×40	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	1	25×11×11×42	,,	19वीं	
,, ,,	,,	3	25×11×10×38	,,	19वीं	
,, ,,	,,	4	26×11×11×38	,,	19वीं	14 नियम के भी पाठ साथ मे

जैन आगम-अंग बाह्य-प्रकीर्णक :—

प्रकीर्णक आगम सूत्र	प्रा.	4	26×12×11×40	संपूर्ण 83 गाथायें	17वीं	
,,	,,	4	25×11×11×36	,,	18वीं	
,,	,,	7*	27×11×13×50	,,	19वीं	साथ में भक्त परिज्ञा गा. 145
,,	,,	6	27×12×10×30	,, 79 गाथा.	20वीं	
संघ व्यवस्था	प्रा.सं.	140	26×11×15×37	,, 137 गाथा की ग्रं 5850	18वीं	3 पत्रों में प्रशस्ति है
भक्ति	,,	6	26×11×18×52	,, 63 गाथा की	1524, श्री पट्टन घन्ना	
	,,	6	26×11×7×32	,, 62 ,, की	17वीं	
	प्रा.	15	26×11×11×50	,, 66 गाथा	17वीं	
	,,	4	26×11×10×33	,, 63 गा.	17वीं महिमावती उत्तम ऋषि	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
10	के. नाथ 5/45	चउशरण (अवचूरी सह)	Cauśaraṇ (with Avacūri)	वीर भद्र	मू.ट.
11	ओसियां 1 आ 137	,,	,,	,,	मू (प)
12	कुंथुनाथ 52/7	,,	,,	,,	,,
13	महावीर 1 अ 57	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
14	मुनि सुव्रत 1 आ 120	,, + बालावबोध	,, + Bālāvabodha	,,	मू + बा.
15	,, 1 आ 130	चउशरण	,,	,,	मू (प.)
16	महावीर 1 आ 31	,,	,,	,,	,,
17	कोलड़ी 815	,,	,,	,,	,,
18	,, 1184 F	,,	,,	,,	मू ट.
19	के नाथ 10/90	,,	,,	,,	मू.अ.
20	,, 5/26	,,	,,	,,	मू.ट.
21	,, 15/44	,,	,,	,,	,,
22	,, 2/5	,,	,,	,,	,,
23-5	,, 14/96, 15/37, 17/5	,, 3 प्रतियें	,, 3 Copies	,,	मू (प.)
26	,, 5/86	,,	,,	,	मू.ट.
27	मुनि सुव्रत 1 आ 122	,,	,,	,,	,,
28	के. नाथ 26/50	चउशरण का बालावबोध	,, kā bālāvabodha	,,	ग.
29	महावीर 1 आ 44	ज्योतिष करंडक की वृत्ति	Jyotish Karandak kī Vṛti	मलयगिरी	,,
30	,, 1 आ 45	,, ,,	,, ,,	—	,,
31	के. नाथ 3/17	तंदुल वैयालीय	Tandul Vaiyatīya	—	मू.ट.
32	,, 5/84	तित्थोग्गालि पइन्ना	Titthoggāli Painnā	—	मू. (प.)
33	महावीर 1 आ 43	दीव सागर प्रज्ञप्ति	Dīv Sāgar Prajnāpti	चंद्र सूरि	,,
34	ओसियां 2/223	पर्यन्त आराधना	Paryant Ārādhanā	सोम सूरि	मू.ट.
35	,, 3 अ 26	,,	,,	,,	मू. (प.)
36	कुंथुनाथ 10/184	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति	प्रा.मा.	5	25 × 11 × 6 × 40	संपूर्ण 60 गा.	17वीं	
,,	प्रा.	4	27 × 11 × 9 × 38	पहिले पत्र के 8 गाथा कम	17वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 12 × 46	संपूर्ण 63 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.मा.	5	26 × 11 × 6 × 44	,, ,, ,, का	1700	
,,	,,	7	25 × 11 × 15 × 57	,, ,,	18वीं	
,,	प्रा.	5	25 × 11 × 9 × 34	,, 63 गा.	18वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 18 × 60	,, ,,	18वीं जयपुर सूर रत्न	साथ में पर्यंत आराधना 70 गा.
,,	,,	9	30 × 11 × 6 × 28	,, ,,	1844 × भाग्यचंद्र	
,,	प्रा.मा.	6	25 × 11 × 6 × 31	,, 63 गाथा का	19वीं	
,,	प्रा सं.	12	26 × 12 × 18 × 55	,, ,, की	19वीं	
,,	प्रा.मा.	8	25 × 11 × 5 × 35	,, ,, का	19वीं	
,,	,,	7	25 × 11 × 4 × 38	,, 62 गाथा का	19वीं	
,,	,,	11	21 × 12 × 5 × 26	,, 63 गाथा का	1893	
,,	प्रा.	2,3,2	25से30 × 11से16	,, 62 से 64 गाथाये	19वीं	
,,	प्रा.मा.	6	25 × 11 × 7 × 33	,, 63 गाथाये	20वीं	
,,	,,	10	26 × 12 × 4 × 33	,, ,,	20वीं जोधपुर उदयसागर	
,,	मा.	2	26 × 12 × 17 × 47	संपूर्ण का	20वीं	
आगम व्याख्या साहित्य	सं.	188	25 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण ग्रं. 5000	1957	
,, ,,	,,	2	26 × 11 × 18 × 65	प्रतिपूर्ण	19वीं	चन्द्र सूर्य मंडल विचर
,,	प्रा.मा.	33	26 × 11 × 6 × 33	संपूर्ण ग्रंथाग्र 1188	1691	
,,	प्रा.	37	26 × 11 × 15 × 44	,, 1260 गाथा	19वीं	
,,	,,	8	26 × 12 × 14 × 43	,, 223 ,,	20वीं	
अंत समय आराधना	प्रा मा.	6	26 × 11 × 6 × 37	,, 70 ,,	1596, सुल्तानपुर, जोगोबल	
,,	प्रा.	3	26 × 11 × 13 × 34	,, ,, ,,	17वीं	
,,	,,	1	26 × 10 × 21 × 68	,, 68 ,,	17वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
37	कोलडी 382	पर्यन्त आराधना	Paryant Ārādhanā	सोम सूरि	मू.अ.ट.
38	के. नाथ 15/125	,,	,,	,,	मू.ट.
39-40	कोलड़ी 379,1112	,, दो प्रतियां	,, 2 copies	,,	मू (प.)
41-3	के. नाथ 6/78,10/ 38,15/105	,, तीन प्रतियां	,, 3 ,,	,,	,,
44	,, 15/223	,,	,,	,,	मू.ट.
45	महावीर 1 आ 49	,,	,,	,,	मू.अ.
46	के. नाथ 10/98	पिंडविशुद्धि + वृत्ति	Pindviśudhi + Vṛti	जिन वल्लभ/उदयसिंह	मू वृ.
47	ओसियां 1 आ 94	पिंडविशुद्धि	,,	,, / —	मू.अ.
48	के. नाथ 3/25	,, + बाला.	,, + Bālāvabodha	,, /सोमसुंदर	मू.बा.
49	ओसियां 2/152	,, —	,, —	,, —	मू.
50	के. नाथ 5/10	पिंडविशुद्धि	,,	जिन वल्लभ	मू ट.
51	,, 15/238	,,	,,	,,	मू अ.
52	महावीर 1 आ 46	,,	,,	,,	मू.प.
53	,, 1 आ 47	,, + वृत्ति	,, + Vṛti	,,/यशोदेव	मू वृ.
54	,, 1 आ 48	पिंडविशुद्धि	,,	जिन वल्लभ	मू अ.
55	के. नाथ 6/22	,,	,,	,,	मू.ट.
56	मुनिसुव्रत 1 आ 115	,,	,,	,,	मू अ.
57	के. नाथ 20/11	,,	,,	,,	मू.ट
58	महावीर 1 आ 50	बंगचूलिया सूत्र	Bangcūliya Sūtra	यशोभद्र	मू. (प.)
59	कुंथुनाथ 4/82	संस्तारक	Sanstārak	—	,,
60	के. नाथ 2/7	,,	,,	—	,,
61	महावीर 3 अ 42	सिद्ध प्राभृत	Sidh Prabhṛt	—	मू.वृ.
62	मुनिसुव्रत 1 आ 110	प्रकीर्णक संग्रह प्रति	Prakirṇak Sangrah Prati	भिन्न 2	मू.

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
अंत समय आराधना	प्रा.सं.मा.	5	26 × 10 × 6 × 36	संपूर्ण 70 गाथा	1713	
,	प्रा.मा.	9	25 × 11 × 5 × 32	,, 70 ,, ग्रं. 300	1716	
,,	प्रा.	6,5	26 × 12व25 × 12	प्रथम पूर्ण द्वितीय में 38 गा	1861/19वीं	
,,	,,	7,5,2	24से25 × 11से13	संपूर्ण 70 गाथा	19/20वीं	
,,	प्रा.मा.	8	19 × 11 × 7 × 24	,,	19वीं	
,,	प्रा.सं.	5	27 × 12 × 17 × 50	संपूर्ण 69 गाथा की ग्रं.325	20वीं	
आहार नियम साधुओं के	,,	22	26 × 11 × 13 × 45	संपूर्ण 103 गा. की	1775	
,,	,,	4	27 × 11 × 9 × 37	अपूर्ण 97 गा. की अंतिम पन्ना कम	15वीं	
,,	प्रा.मा.	53	27 × 11 × 9 × 36	संपूर्ण	1580	
,,	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 103 गाथा	16वीं	
,,	प्रा.मा.	16	26 × 11 × 5 × 28	,, 104 गाथा/ग्रं.925	1684	
,,	प्रा.सं.	6	26 × 11 × 11 × 36	,, 104 गाथा/अवचूरी 40 तक	17वीं	
,,	प्रा.	5	26 × 11 × 12 × 39	,, 103 गाथा/ग्रं.131	17वीं	
,,	प्रा.सं.	50	26 × 11 × 17 × 56	,, ,, की/ग्रं.2800	18वीं	
,,	,,	16	26 × 11 × 14 × 50	,, ,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	17	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण 28 गाथा का	19वीं	
,,	प्रा.सं.	7	30 × 14 × 26 × 52	संपूर्ण 103 गा. की	19वीं	
,,	प्रा.मा.	8	27 × 11 × 14 × 43	संपूर्ण 103 गाथा का	19वीं	
	प्रा.	8	29 × 13 × 10 × 30	,, 109 गाथा	19वीं अजमेर	अपर नाम सुयहील गुप्पाति
	,,	6	26 × 11 × 11 × 34	,, 122 ,,	17वीं	
	,,	4	26 × 11 × 14 × 42	,, 119 ,,	19वीं	
चन्द्र वेध्यक, देवेन्द्र स्तव, चउसरणा, अजीवकल्प, गच्छाचार, तंदुल वैचारिक गणि विद्या महाप्रत्याख्यान वीर स्तव, प्रारंभ के 4 अपठनीय	प्रा.सं.	23	28 × 14 × 16 × 44	,, 120 गाथा की	20वीं	
	प्रा.	66	23 × 12 × 15 × 29	कुल 13 प्रकीर्णक	20वीं × भीमसागर	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1	कोलड़ी 852	अक्षर बत्तीसियें व अक्षर बावनी	Akṣar Battīsiyen & Akṣar Bāvanī	रुप कवि	प.
2	के. नाथ 6/121	अक्षर बत्तीसी	,, Battīsī	—	,,
3	सेवामंदिर 2/420	अठारह पापस्थान	Aṭhārah Pāpsthān	ऋषि लालचंद	,,
4	कुंथुनाथ 23/8	अठारह पापस्थान निवारण	,, ,, Nivaraṇ	ब्रह्म	,,
5	के. नाथ 26/89 गु.	अठारह पापस्थान सज्झाय	,, ,, Sājjhāya	आशकरण	,,
6	कोलड़ी 1335	अट्ठाइस लब्धि व जलविचार	Aṭhāis Labdhi & Jalvicār	—	ग.
7	कुंथुनाथ 52/25	अध्यात्मक कल्पद्रुम	Adhyātm Kalpdrum	मुनि सुन्दर	मू. (प.)
8	कोलड़ी 896	,, ,,	,, ,,	,,	,,
9	के नाथ 11/56	,, ,,	,, ,,	,,	,,
10	कोलड़ी 893	,, ,, +वृति	,, ,, +Vṛti	मुनि सुंदर/रत्नचंद्र गणि	मू.वृ. (प.ग.)
11	,, 851	अध्यात्मक कल्पद्रुम भाषा	,, ,, Bhāṣā	—	ग.
12	महावीर 2/29	,, +वृति	,, ,, Vṛti	मुनि सुंदर/रत्नचंद गणि	मू.वृ. (प.ग.)
13	के नाथ 26/56	अध्यात्म बत्तीसी	,, Battīsī	सुमति	प.
14	कोलड़ी 954	अध्यात्म शैली	,, Śailī	—	ग.
15	के नाथ 15/137	अध्यात्म सार माला	,, Sārmālā	नेमीचंद(रामजी का पुत्र)	प.
16	,, 24/44	अनुकम्पा चौपई	Anukampā Caupaī	ऋषि जयमलजी	,,
17	ओसियां 2/243	अनुकम्पा ढाल	,, Ḍhāl	अज्ञात	,,
18	महावीर 2/18	अन्नाय उच्चगहण कुलक+वृति	Annāy Uchgahaṇkulak+ Vṛti	— /आनंदविजय गणि	मू वृ. (प.ग.)
19	कोलड़ी 894	अन्यमत समन्वय	Anyamat Samanvaya	—	ग.
20	ओसियां 2/416	अभव्य कुलक	Abhavya Kulak	—	मू. (प.)
21	,, 2/151	अर्थ सत्तरी+बाला.	Arth Sattarī+Bala.	चन्द महत्तरा महासती/-	मू बा.
22	,, 2/293	अवधि ज्ञान का विस्तार	Avadhi Jñān kā Vistār	अज्ञात	ग.
23	मुनि सुव्रत 2/332	अवधि ज्ञान गुणस्थान चर्चा	,, Gaṇsthān Carcā	—	,,
24	कोलड़ी 1334	अष्टक सूत्र	Aṣṭak Sūtrā	हरि भद्र	मू.प.
25	के. नाथ 14/43	,, ,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
नैतिक औपदेशिक पद	मा.	18	30 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण (40+50+82 छंद)	1802,सप्तछंदी मतिविजै	2 बत्तीसियां + 1 बावनी
अक्षरानुसारी ,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 35	,, 32 गा.	1781	
औपदेशिक	,,	3	21 × 11 × 10 × 35	त्रुटक	19वीं	
,,	,,	12	27 × 12 × 11 × 42	पहिले की अपूर्ण 17 की पूर्ण सज्झायें	1704	पत्र 13 से 14
,,	,,	16*	22 × 16 × 17 × 25	17 सज्झाये है 18वीं कम	20वीं	
सैद्धान्तिक	सं.	2	26 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण	16वीं	साथ में पुद्गल परिवर्तन चर्चा
आध्यात्मिक विवेचन	,,	8	27 × 12 × 16 × 80	,, श्लोक 278(सं.422)	16वीं	
,,	,,	7	26 × 11 × 17 × 82	,, ,,	17वीं	
,,	,,	9	26 × 11 × 17 × 45	,, ,,	17वीं	
,,	,	58	24 × 10 × 15 × 45	,, 16 अधिकार	18वीं	प्रशस्ति है
,,	मा.	54	22 × 12 × 14 × 36	,,	1882 × प्रेम विमल	
,,	सं.	80	29 × 13 × 14 × 39	,, 16 अधिकार (ग्रं. 2459)	1947 जोधपुर गोपीनाथ	वृति अध्यात्म कल्पलता नाम्नी
,,	मा	3*	25 × 12 × 14 × 44	,, 32 गाथा	20वीं	
,,	,,	2	26 × 12 × 16 × 48	संपूर्ण	1896	
,,	,,	5	26 × 12 × 13 × 60	संपूर्ण 111 पद(ग्रं.235)	19वीं	1765 की कृति
औपदेशिक दया पर	,,	12*	26 × 11 × 21 × 63	संपूर्ण 303 गाथा	19वीं	
,,	,,	46*	25 × 12 × 11 × 34	अपूर्ण	19वीं	
आहार शुद्धि पर	प्रा.सं.	6	26 × 11 × 57 × 58	संपूर्ण 31 गाथा की (ग्रं. 296)	16वीं	
धार्मिक समाधान	मा	2	26 × 13 × 17 × 45	संपूर्ण	1880	
औपदेशिक सिद्धांत	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
कर्म सैद्धान्तिक	प्रा.मा.	61	27 × 11 × 13 × 52	संपूर्ण 93 गाथाका यंत्र सह	16वीं	(मूल 70+19 निर्युक्तिकार+4 क्षेपक = 93 गाथा)
ज्ञान लाक्षणिक वर्णन	मा.	5	25 × 12 × 9 × 39	प्रतिपूर्ण	19वीं	
ज्ञान सैद्धांतिक प्रश्नोत्तरी	,,	2	26 × 11 × 17 × 63	संपूर्ण प्रश्नोत्तर	19वीं	
भक्ति सिद्धान्त	सं.	4	26 × 10 × 19 × 63	संपूर्ण 32 अष्टक+2 श्लोक ग्रं. 266	16वीं	
,,	,,	21	17 × 9 × 9 × 24	,, 33 अष्टक	1818	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
26	महावीर 2/37	अष्टक सूत्र+वृति	Aṣtak Sūtrā+Vṛti	हरिभद्र/जिनेश्वर	मू.वृ. (प.ग.)
27	,, 2/43	अष्टक सूत्र	,,	हरिभद्र	मू.प.
28	ओसिया 2/229	अष्ट गुण सज्झाय	Aṣtaguṇ Sajjhāya	ज्ञान विमल	मू.ट.
29	कोलड़ी 835	अष्ट प्राभृत	Aṣta Prābhṛt	आ. कुंदकुंद	मू.+अर्थ
30	,, 892	अष्टार्थ श्लोक	Aṣtārth Ślok	—	मू.+ट.
31	के. नाथ 6/90	अस्थिर भावना	Asthir Bhāvanā	—	ग.
32	सेवामंदिर 3इ 345	अहिंसा धर्म	Ahinisa Dharm	—	पद्य
33	महावीर 2/22	अहिंसा प्रकरण	,, Prakaraṇ	अज्ञात	,,
34	,, 2/28	,, ,,	,, ,,	,,	,,
35	के. नाथ 15/127	अहिंसा+रात्रि भोजन विरमण	,, +Ratri Bhojan Viramaṇ	(महाभारत शांतिपर्व से)	,,
36	,, 15/198	अग सज्झाय	Aṅg Sajjhāya	उ यशोविजय	,,
37	,, 15/208-9	,,	,,	,,	,,
38	कोलड़ी 283	,,	,,	,,	,,
39	कुंथुनाथ 52/1	आगम आलापक	Āgam Ālāpak	सकलन	मू (प.ग.)
40	,, 44/6	,,	,,	,,	,,
41	महावीर 2/277	,,	,,	,,	,,
42	के. नाथ 15/117	,,	,,	,,	,,
43	ओसियां 2/152	आगम उद्धार गाथा	Āgam Udhār Gāthā	—	प
44	सेवा मंदिर 3 इ 350	आगम चर्चा	,, Carcā	—	प.
45	मुनि सुव्रत 3 इ 302	आगम छत्तीसी	,, Chattisī	श्री सार मुनि	,,
46	कुंथुनाथ 9/127	आगम सार	,, Sār	देवचन्द्रजी	ग.
47-51	के. नाथ 4/28, 10/66, 21/31 21/90, 23/23	,, 5 प्रतियां	,, ,, 5 Copies	,,	,,
52	ओसियां 2/162	,,	,, ,,	,,	,,
53	कोलड़ी 1159	,,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति सिद्धान्त	सं.	76	28 × 13 × 17 × 41	संपूर्ण 32 अष्टक ग्रं.3700	19वीं × छबीलजी	प्रशस्ति है
,,	,,	12	27 × 13 × 10 × 36	,, 32 अष्टक	1950 शत्रुंजय नगरे	
धार्मिक गुणस्वाध्याय	मा.	3	24 × 12 × 4 × 33	संपूर्ण 15 गाथा	17वीं	
तात्विक औपदेशिक	प्रा.सं.	57	30 × 11 × 10 × 37	6 प्राभृत पूर्ण	18वीं	(दर्शन बोध, श्रुत भाव चरित मोक्ष)
तात्विक	मा.	3	24 × 13 × 3 × 23	संपूर्ण	19वीं	1 दोहे के आठ अर्थ है
वैराग्योपदेश	,,	2	23 × 11 × 13 × 32	,,	19वीं	
औपदेशिक	,,	3	26 × 12 × 17 × 54	,, 75 गाथा	20वीं अजमेर	
अहिंसा का विवेचन	सं.	6	26 × 11 × 6 × 28	,, 59 श्लोक	16वीं	
,,	,,	3	28 × 13 × 10 × 38	,, 59 ,,	1961	
औपदेशिक उद्धरण	,,	3	24 × 12 × 9 × 25	,, 26 ,,	19वीं	
अंग सूत्रों पर स्वाध्याय	मा.	2	26 × 12 × 17 × 40	,, पांच ढालें	1859	पांच सूत्रो पर
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 47	,, ,,	19वीं	,,
,,	,,	3	26 × 13 × 19 × 60	,, 11 ढालें	19वीं	संपूर्ण 11 अंगों पर
अहिंसा संबन्धी	प्रा	8	28 × 12 × 11 × 40	प्रतिपूर्ण	17वीं	आगम उद्धरण
भक्ति तत्व ,,	,,	167*	15 × 12 × 17 × 24	अपूर्ण	17वीं	,,
छेद सूत्र ,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 27	प्रतिपूर्ण	17वीं	,,
अनेक वस्तु तात्विक	,,	6	26 × 11 × 15 × 42	,,	19वीं	,,
तात्विक	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण 71 गाथा	16वीं	
,, विचार निर्णय	सं	7	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 25 श्लोक	18वीं	
आगम भक्ति + तात्विक	मा.	2	24 × 11 × 13 × 33	संपूर्ण 36 पद	19वीं	
शास्त्र सारांश	,,	35	28 × 13 × 15 × 64	संपूर्ण ग्रंथाग्र 2100	19वीं	
,,	,,	58,28, 58,38, 40	23से31 × 12से16	,,	19वीं	
,,	,,	22	23 × 12 × 18 × 46	,,	20वीं	
,,	,,	10	24 × 12 × 10 × 37	अपूर्ण	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
54	के. नाथ 22/56	आचार प्रदीप	Ācār Pradīp	रत्न शेखर	ग.
55-6	,, 21/83, 23/72	आठ बोल उपदेश 2 प्रति	Āṭh Bol Updeś 2 Copies	—	,,
57	,, 19/96	,,	,,	—	प.ग.
58	ओसियां 2/410	आत्म गीता+बाला.	Ātm Gītā+Bālāvabodha	देवचंदजी	मू.बा.
59	,, 3 इ 193	आत्म गीता	,, —	,,	मू. (प.)
60	कुंथुनाथ 36/1	आत्मध्यान+आध्यात्माश्रव	Ātmdhyān+Ādhyātmāśrava	—	प.
61	कोलड़ी 886	आत्म निन्दा	Ātmnindā	ज्ञान सार	ग.
62	सेवा मंदिर 3 इ 345	,,	,,	,,	,,
63	महावीर 2/382	,,	,,	,,	,,
64	ओसियां 2/231	,,	,,	,,	,,
65	महावीर 2/7	आत्म बोध	Ātmprabodh	सं. जिनलाभ सूरि	,,
66	के. नाथ 18/34	आत्म प्रबोध छत्तीसी	,, Chattisī	ज्ञान सार	प.
67	महावीर 2/34	,, ,,	,, ,,	,,	,,
68	सेवा मंदिर गुटका 3 ति.	आत्म शिक्षा	Ātmśikṣā	पार्श्वचन्द	,,
69	के. नाथ 10/108	आत्म शिक्षा भावना	,, Bhāvanā	प्रेम विजय	,,
70	कुंथुनाथ 13/233	आत्म शिक्षा सज्झाय	,, Sajjhāya	लावण्य कीर्ति	,,
71	कोलड़ी 884	आत्म स्वरूप श्लोक	Ātmsvarūp Ślok	—	मू व्या.
72	कुंथुनाथ 36/2	आत्म स्वरूप स्तोत्र + अध्यात्म गीत	,, Stotra+Ādhyatm Gīt	अज्ञात	प.
73	कोलड़ी 273	आत्म हित शिक्षा	Ātmhit Sikṣā	शीलविजयादि	,,
74	,, 12/7 गुटका	आत्मा की आत्मता	Ātmā kī Ātmata	—	,,
75	सेवा मंदिर 2/365	आत्मानुशासन	Ātmānuśāsan	पार्श्व नाग	,,
76	के नाथ 11/83	,,	,,	,,	,,
77	,, 22/68	आदिनाथ देशना	Ādināth Deśanā	—	मू.ट.
78	,, 11/42	,, ,,	,,	—	,,
79	कुंथुनाथ 36/1 क्र.33	आदि निधन स्तवन	Ādinidhan Stavan	—	प.

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
जैनाचार	सं.	98	26 × 11 × 13 × 45	चार आचार पूर्ण वीर्याचार अपूर्ण	17वीं	
औपदेशिक सामान्य	मा.	11,10	25 × 11व26 × 12	संपूर्ण प्रथम; द्वितीय अपूर्ण	19वीं	(मर्त्यजन्मफलाष्टकं)
,,	,,	16	27 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण	19वीं	,,
जैन आध्यात्मिक	,,	50	28 × 13 × 13 × 33	संपूर्ण गाथा 49 का	1882 पाली	(अध्यात्म गीता अपरनाम)
,,	,,	4	26 × 11 × 10 × 35	,, 49 गाथा	19वीं	,, ,,
आध्यात्मिक धार्मिक	सं.	गुटका		,, 60+10 श्लोक	1544	
औपदेशिक प्रायश्चित	मा.	3	24 × 11 × 13 × 42	,, ग्रंथाग्र 80	19वीं	
,, ,,	,,	4	25 × 12 × 12 × 36	,, ,,	19वीं × मुकनचंद	
,, ,,	,,	4	26 × 12 × 14 × 28	,, ,,	1930अजीमगंज आ सुंदरजी	
,, ,,	,,	6	22 × 11 × 11 × 22	,, ,,	1967,फलोदी गणेश	
जैन दार्शनिक आध्यात्मिक	सं.	198	26 × 12 × 14 × 38	सपूर्ण 4 प्रकाश कथा सह	19वीं	प्रशस्ति व बीजक है
ज्ञान क्रियाभ्याम् मोक्ष	मा.	5*	27 × 11 × 12 × 36	,, 36 पद	19वीं	
,,	,,	3	25 × 11 × 11 × 33	,, ,,	20वीं, जयपुर	
तात्विक	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	,, 23 गाथा	17वीं	
औपदेशिक	,,	8	27 × 14 × 13 × 42	,, 185 दोहे/ग्रं. 215	19वीं	रत्न हर्ष सानिध्य में 1662 की कृति
,,	,,	1	25 × 11 × 24 × 60	,, 27 गाथा	19वीं	
दार्शनिक	सं.	2	25 × 10 × 14 × 48	,, 1 श्लोक मात्र	19वीं	1 श्लोक की अनेक व्याख्या
आध्यात्मिक	,,	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	,, 8 · 8 श्लोक	1794	
सज्झाय संग्रह	मा.	7	27 × 10 × 15 × 55	अपूर्ण	19वीं	
तात्विक	,,	1	जन्मपत्री रोल लम्बा	सपूर्ण	19वीं	
औपदेशिक आचारादि	सं.	2	26 × 11 × 19 × 62	,, 77 गाथा	16वीं	अंत में शत्रुंजय स्तवन 10 श्लो की
,, ,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 48	,,	19वीं	
औपदेशिक	प्रा.मा.	24	26 × 11 × 6 × 33	संपूर्ण 287 गा.कामं.1812	16वीं	
,,	,,	23	27 × 11 × 6 × 36	,, 288 गा.	17वीं	पहिला पन्ना 7 गा. का कम
तात्विक	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 23 श्लोक	1544	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
80	के. नाथ 10/95	आनन्द तिलक रास	Ānand Tilak Rās	आनन्द तिलक ?	प.
81	,, 3/9	आप्त मीमांसा	Ātm Mimāṁsā	संमतभद्र	मू. (प)
82	महावीर 2/404	,, ,, +वृति	,, +Vṛti	,, /वसुनंदि	मू.वृ.
83	के.नाथ 15/114	आप्त मीमांसा की वृति	Āptmīmaṁsā kī Vṛti	वसुनंदि	ग.
84	महावीर 2/134	आभाण शतक	Ābhaṇ Śatak	वाचक धन विजय	मू. (प)
85	कुंथुनाथ 20/15	आराधना	Ārādhanā	पार्श्वचंद	प.
86	सेवामंदिर गुटका 3 ति	,,	,,	,,	,,
87	कुंथुनाथ 18/35	,,	,,	समरसिंह	,,
88	,, 56/8	आराधना के 84 बोल	,, ke 84 Bol	—	प.ग.
89	के. नाथ 26/23	आराधना प्रकरण बालावबोध	,, Prakaraṇ Bālāvabodha	—	ग.
90	कोलड़ी 1339	आराधना सार	,, Sār	जय शेखर सूरि	प.
91	के. नाथ 15/60	आलोचना छत्तीसी	Ālocanā Chattīsī	समयसुंदर	,,
92	,, 26/55	आलोचना विचार व सामायिक लाभ	,, Vicār & Sāmāyik Lābh	—	ग.
93	ओसियां 3 इ 240	आलोचना विनति	,, Vinati	समयसुंदर	प.
94	कुंथुनाथ 44/6 गु.	इन्द्रिय जय सज्झाय	Indriya Jay Sajjāya	—	,,
95	के. नाथ 15/49	इन्द्रिय पराजय शतक	,, Parājay Śatak	—	मू. (प)
96	,, 5/76	,, ,,	,, ,,	—	मू ट. (प.ग.)
97	,, 6/66	,, ,,	,, ,,	—	,,
98	,, 15/139	,, ,,	,, ,,	—	,,
99	ओसियां 2/416	,, ,,	,, ,,	—	मू (प.)
100	महावीर 2/16	इरिया पथिक कुलक	Iriyāpathik Kulak	विजय विमल	मू.ट. (प.ग.,
101	के. नाथ 26/103 गु	इरियापथिक कुलक	Iriyāpathik Kulak	—	मू.प.
102	,, ,,	इरियावई कुलक	Iriyāvaī Kulak	—	,,
103	कुंथुनाथ 36/1 गु	इष्टोपदेश	Iṣṭopdeś	पूज्य पाद	मू (प.)
104	ओसियां 3 इ 240	उत्पति बहोत्तरी	Utpati Bahottarī	मुनि श्रीसार	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आध्यात्मिक	मा.	10*	26 × 12 × 15 × 42	संपूर्ण 42 गा.	19वीं	
जैन सिद्धांत मंडन व मीमांसा	सं.	22	25 × 12 × 3 × 27	,, 113 श्लोक	19वीं	अपर नाम देवागम स्तोत्र
,, ,,	,,	19	26 × 13 × 11 × 50	,, 115 ,, की	1946 जयपुर देवकृष्ण	
,, ,	,,	32	25 × 12 × 11 × 30	,, ,, ,, ,,	1904	
जैन सैद्धान्तिक उपदेश	,,	4	25 × 10 × 13 × 35	,, 108 श्लोक	18वीं	1699 की कृति
धर्म साधना आचार	मा.	19	24 × 10 × 15 × 40	,, 383 गाथा	16वीं	
,,	,,	38	16 × 13 × 13 × 20	,, 360 ,,	1651	
धर्माचार साधु श्रावक	अ.मा.	2	26 × 11 × 13 × 52	,, 40 गाथा	17वीं	
पाप आलोचना (क्षमापना)	प्रा.मा.	2	25 × 11 × तालिकायें	प्रतिपूर्ण	17वीं	
औपदेशिक	मा.	2	26 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	19वीं	
,,	प्रा.	2	26 × 10 × 13 × 50	अपूर्ण	17वीं	तपस्याओं के यंत्र भी है
प्रायश्चित उपदेश	मा.	2	24 × 10 × 15 × 40	संपूर्ण 36 पद	1744	
औपदेशिक	,,	2	25 × 13 × 13 × 24	,,	19वीं	
गर्हा स्तवन	,,	6*	25 × 12 × 14 × 38	,, 32 पद	19वीं	साथ में आत्मनिंदा
औपदेशिक	,,	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	,, 54 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.	8	20 × 11 × 11 × 25	,, 101 ,,	17वीं	
,,	प्रा मा.	8	26 × 11 × 7 × 40	,, 100 ,,	17वीं	
,,	,,	13	25 × 11 × 5 × 30	,, 100 ,,	18वीं	
,,	,,	14	24 × 11 × 5 × 30	,, 100 ,,	19वीं	
,,	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953 नागौर कर्मचंद	
धार्मिक क्रिया उपदेश	प्रा.मा.	5*	26 × 13 × 5 × 34	,, 10 गाथा	18वीं	
औपदेशिक क्रिया	प्रा.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 10 गाथा	18वीं	
,,	,,	1	25 × 15 × 20 × 56	,, 10 + 8 = 18 गा.	18वीं	
उपदेश	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 51 श्लोक	1544	
विरक्ति उपदेश	मा.	6*	25 × 12 × 14 × 38	,,	18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
105	कोलडी 290	उत्पत्ति बहोत्तरी	Utpati Bahottarī	मुनि श्रीसार	प.
106	कुंथुनाथ 15/13	उत्पत्ति (उपदेश) सत्तरी	Utpatti (Updeś) Sattarī	,,	,,
107	के. नाथ 18/87	,, व दस बोल सज्झाय	,, +Dasbol Sajjhāya	,,	,,
108	कोलड़ी 276	उत्पत्ति बहोत्तरी	,, Bahottarī	,,	,,
109	के. नाथ 13/45	उपदेश कंदली	Updeś Kandalī	आसड	मू.प.
110	महावीर 2/2	,, ,, +वृति	,, ,, +Vṛti	आसड/बालेन्द्र कवि	मू.वृ. (प.ग.)
111	कुंथुनाथ 35/5	उपदेश कुलक	,, Kulak	ब्रह् ऋषि	प.
112	के. नाथ 13/45	उपदेश चिंतामणी	,, Cintāmaṇi	—	मू.प.
113	,, 1/16	,, +वृति	,, ,, +Vṛti	जयशेखर/मेरुतुङ्ग	मू वृ
114	कोलड़ी 830	,, +अवचूरी	,, ,, +Ava-cūri	जयशेखर/—	मू अ.कथा
115	महावीर 2/113	,, +वृति	,, ,, +Vṛti	— स्वोपज्ञ	मू वृ.
116	कोलडी 955	उपदेश छत्तीसी	,, Chattīsī	जिन हर्ष	प.
117	महावीर 2/25	उपदेश तरङ्गिणी	,, Taraṅgiṇī	रत्न मंदिर द्वारा गुंफित	प.ग.
118	,, 2/23	उपदेश पत्र	,, Patra	—	ग.
119	,, 2/3	उपदेश पद	,, Pad	हरिभद्र/मुनि चन्द्र	मू.वृ. (प.ग.)
120	मुनि सुव्रत 2/254	उपदेश माला	,, Mālā	धर्मदास गणि.	मू.प.
121	,, 2/256	,,	,, ,,	,,	मू ट.
122	ओसियां 2/152	,,	,, ,,	,,	मू.प.
123	के नाथ 15/14	,,	,, ,,	,,	,,
124	,, 9/1	,,	,, ,,	,,	मू.ट.
125	कुंथुनाथ 52/24	,,	,, ,,	,,	मू. (प)
126	के नाथ 17/47	,,	,, ,,	,,	,,
127	,, 14/2	,,	,, ,,	,,	,,
128	कुंथुनाथ 3/52	,,	,, ,,	,,	,,
129	के. नाथ 5/40	,,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
विरक्ति उपदेश	मा.	2	25 × 11 × 16 × 34	संपूर्ण 69 गाथा	19वीं	
,,	,,	3	27 × 11 × 11 × 36	,, 70 ,,	19वीं	पूर्वोक्त ग्रंथ ही है
औपदेशिक+चार्चिक	,,	3	24 × 10 × 15 × 45	,, 70+20 गाथायें	19वीं	
औपदेशिक विरक्ति	,,	4	25 × 13 × 13 × 34	,, 72 छंद	1905	
औपदेशिक/शास्त्र सार	प्रा	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, 125 गाथा	16वीं	
प्रवचन सार उपदेश	प्रा.सं.	211	27 × 13 × 15 × 45	,, 125 गाथा की 13 विश्राम	19वीं	बीगतवार प्रशस्ति है
औपदेशिक	मा.	2	26 × 10 × 13 × 40	,, 29 गाथा	1686	
,,	प्रा.	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, चार अधिकार 384 गा.	16वीं	
,,	प्रा.सं.	139	26 × 11 × 19 × 50	अपूर्ण ग्रंथाग्र 12064	1526	पत्रे 75 से 213 (अंत)
,,	,,	66	31 × 11 × 19 × 54	संपूर्ण कथा सह ग्रं 4105	17वीं जीर्ण दुर्ग	
,,	,,	303	28 × 13 × 15 × 44	संपूर्ण चार अधिकार गा 458 की	19वीं	
,,	मा.	3	25 × 11 × 17 × 42	,, 36 सवैये	1828	
धर्म दान पूजा यात्रा उपदेश	प्रा.सं.	82	25 × 12 × 14 × 45	,, 5 तरङ्ग ग्रं. 3539	1960, विक्रमपुर कृष्णकरण	
व्याख्यान परिपाटी	मा.	4	23 × 11 × 10 × 19	प्रतिपूर्ण	1917 × अमृत विजय	
औपदेशिक	प्रा.सं.	312	27 × 12 × 14 × 56	संपूर्ण, मूल गा. 1040 ग्रं 14000	19वीं	
,,	प्रा.	22	26 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण 543 गा.	16वीं	
,,	प्रा.मा.	41	26 × 11 × 8 × 32	,, 544 ,,	16वीं	
,,	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, ,, ,,	16वीं	
,,	,,	25	25 × 10 × 11 × 38	,, 543 ,,	16वीं	
,,	प्रा मा	52	26 × 11 × 6 × 30	,, 540 + प्रक्षिप्त गाथा	16वीं	अंतिम पन्ना कम
,,	प्रा.	36	27 × 12 × 13 × 37	,, 544 गाथा	1600	
,,	,,	19	26 × 10 × 12 × 42	,, 543 ,,	1649	
,,	,,	21	26 × 11 × 13 × 45	,, 544 ,,	1658	
,,	,,	31	28 × 12 × 11 × 40	,, ,, ,,	17वीं	
,,	,,	16	25 × 11 × 15 × 36	अपूर्ण(प.2 पत्रे 50 गा.कम)	1698	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
130	मुनि सुव्रत 2/255	उपदेश माला	Updeśmālā	धर्मदास गरिण	मू.ट.(प.ग)
131	के. नाथ 15/15	,,	,,	,,	मू. (प.)
132	,, 23/26	,,	,,	,,	,,
133	,, 3/26	,, +विवरण	,, +Vivaraṇ	धर्मदास/सिद्ध साधु	मू.+वृ.
134	कोलड़ी 1076	उपदेश माला	,,	धर्मदास गरिण	मू.ट.
135	,, 1144	,,	,,	,,	,,
136	के. नाथ 14/121	,,	,,	,,	मू.प.
137	,, 3/15	,,	,,	,,	मू.ट.
138	ओसियां 2/286	,,	,,	,,	मू.ट.कथा
139	महावीर 2/111	उपदेश माला+वृति	,, +Vṛti	,,/—	मू.वृ. (प.ग.)
140	,, 2/1	,, ,,	,, ,,	,,/—	,,
141	ओसियां 2/409	उपदेश माला कथा सह	,, with kathā	,,/—	मू.ट.कथा
142	कुंथुनाथ 17/6	उपदेश माला	,,	धर्मदास गरिण	मू ट.
143-7	के.नाथ 4/12,6/7, 15/101,23/45 15/159	,, 5 प्रतियां	,, 5 Copies	,,	मू (प)
148	,, 13/3	,,	,,	,,	मू अ.
149	कुंथुनाथ 15/57	,, (सज्झाय भाग)	,, (Sajjhāyabhag)	,,	मू प
150	के. नाथ 21/26	,, (,,)	,, ,,	,,	,,
151	,, 10/24	,,	,,	,,	मू ट.
152	महावीर 2/112	उपदेश माला की वृति	,, ki Vṛti	—?	ग.
153	के. नाथ 6/54	उपदेश माला की कथायें	,, ki Kathāyen	—	,,
154	,, 26/79	उपदेश माला यन्त्र	,, Yantrā	—	गद्य तालिका
155	,, 11/51	उपदेश रत्न कोश	Updeś Ratnakoś	पद्म जिनेश्वर सूरि	मू.अ.
156	ओसियां 2/235	,, +बाला.	,, +Bālā.	,,	मू.बा.
157	,, 2/309	उपदेश रत्न कोष	,,	,,	मू.ट.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा.मा.	45	26 × 11 × 5 × 42	संपूर्ण 544 गा ग्रंथाग्र मूल 700 टब्बा 1400	1716, बिल्हा-बास	
,,	प्रा.	23	26 × 11 × 13 × 36	संपूर्ण 543 गा.	1724	
,,	,,	7	25 × 11 × 11 × 35	103 गा प्रतिपूर्ण	1773	तो भी लिपिक ने "पूर्ण" लिखा है
,,	प्रा.सं.	115	26 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण 538 गा. ग्रं 3852	18वीं	
,,	प्रा.मा.	39	24 × 11 × 7 × 35	लगभग पूर्ण	18वीं	प्रथम व अंतिम पन्ना कम
,,	,,	29	25 × 10 × 8 × 52	,,	18वीं	अंतिम पन्ना कम
,,	प्रा.	20	25 × 11 × 11 × 38	अपूर्ण गा. 404 तक ही है	18वीं	
,,	प्रा.डि.	57	25 × 11 × 18 × 60	संपूर्ण 544 गा	1819	
,,	,,	53	25 × 11 × 7 × 44	,, 544 गा.	1840, बाहडमेर कीर्त्तिगणी	
,,	प्रा.सं.	179	27 × 13 × 14 × 43	,, 544 गा.कथा सह	19वीं	
,,	,,	116	27 × 13 × 16 × 43	अपूर्ण 439 तक ही	19वीं	पूर्वोक्त की नकल
,,	प्रा.मा.	160	26 × 11 × 3 × 36	संपूर्ण 544 की ग्रं 6375	19वीं	
,,	,,	49	26 × 11 × 6 × 38	लगभग पूर्ण 532 गा.तक	19वीं	
,,	प्रा.	31,25 21,23 11	21से26 × 9से12	संपूर्ण-अंतिम प्रति अपूर्ण 200 गा	19वीं	
,,	प्रा.सं.	39	26 × 11 × 17 × 50	अपूर्ण 38 से 544ग्रं.1716	18वीं	
,,	प्रा.	2	26 × 12 × 12 × 42	सज्झाय की 33 गा.	18वीं	
,,	,,	2	26 × 12 × 13 × 42	,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	18	25 × 11 × 7 × 48	अपूर्ण 253 से 544 तक	19वीं	
,,	सं.	6	26 × 13 × 12 ×	बिल्कुल अपूर्ण, प्रारंभिक मात्र	20वीं	
,,	,,	40	25 × 11 × 12 × 34	लगभगपूर्ण-पहिलापन्ना कम	1674	
,,	प्रा.	3	29 × 14 × 17 × 50	अकारादिक्रममेंप्रारंभिकपद	19वीं	
,,	प्रा.सं.	10	26 × 11 × 4 × 40	संपूर्ण 36 गाथा (12 प्रक्षिप्त)	1698	11 गाथायें प्रक्षिप्त है
,,	प्रा.मा.	5	26 × 11 × 11 × 43	,, 25 गाथा का	17वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 7 × 44	,, 26 गाथा	18वीं × दीपा-विजय	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
158	कोलड़ी 828	उपदेश रत्न कोष	Updeś Ratnakoś	पद्मजिनेश्वर सूरि	मू. (प)
159	के. नाथ 15/74	,, +बाला.	,, +Bālā.	,,	मू बा.
160	ओसियां 2/304	उपदेश रत्न कोष	,,	,,	मू.ट.
161	,, 2/416	,,	,,	,,	मू. (प)
162	सेवामंदिर 2/430	,,	,,	,,	,,
163	महावीर 2/5	उपदेश रत्नाकर+वृति	Updeś Ratnakar+Vṛti	मुनि सुंदर (सोम सुंदर का शिष्य)	मू वृ.
164	सेवामंदिर 3इ 349	उपदेश रसाल बत्तीसी	,, Rasāl Battīsī	पाठक रत्पति	पद्य
165	कुंथुनाथ 44/6	उपदेश रहस्य	,, Rahasya	पार्श्वचंद	,,
166	सेवामंदिरगुटका 3ति	उपदेश सार रत्न कोष	,, Sār Ratnakoṣa	समरचंद (पार्श्वचंद का शिष्य)	,,
167	कुंथुनाथ 10/133	उपसर्ग विचार	Upsarg Vicār	—	प.
168	कोलड़ी 428	उस्थानोपदेश	Usthāuopdeś	—	ग.
169	,, 429	,,	,,	—	,,
170	कुंथुनाथ 15/54	उस्थानोपदेश श्लोक	,, Ślok	—	प
171	के. नाथ 15/10	ऋषि मंडल	Ṛṣimandal	धर्म घोष	मू.प.
172	,, 10/4	,,	,,	,,	,,
173	,, 21/38	,,	,,	,,	मू अ.
174	,, 22/66	,,	,,	,,	मू.प.
175	,, 23/25	,,	,,	,,	,,
176	कोलड़ी 858	,,	,,	,,	,,
177	कुंथुनाथ 3/54	,,	,,	,,	,,
178-80	महावीर 2/119-20-21	,, +वृति 3 प्रतियें	,, +Vṛti 3 copies	धर्म घोष/हर्ष नंदन	मू वृ. (प.ग.)
181	के. नाथ 24/47	ऋषि मंडल	,,	धर्म घोष	मू प.
182	महावीर 2/122	ऋषि मंडल की अवचूरी	,, kī Avacūrī	—	ग.
183	,, 4/अ.35	ऋषि मंडल की वृति	,, kī Vṛti	—	,,
184	के. नाथ 7/49	,,	,, ,,	पद्म मंदिर गणि	ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा.	2	31 × 11 × 8 × 40	संपूर्ण 26 गाथा	19वीं	
,,	प्रा.मा.	4	25 × 11 × 11 × 42	,, 44 गाथा	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 7 × 44	,, 26 गाथा	19वीं	
,,	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	संपूर्ण	1953	
,,	,,	2	25 × 11 × 6 × 33	अपूर्ण 11 से 26 अंत तक	17वीं	
,,	प्रा.सं.	186	27 × 12 × 15 × 47	संपूर्ण ग्रंथाग्र 7657	20वीं बालुकड़-पुर	स्वोपज्ञ वृति
,,	सं.	2	27 × 14 × 9 × 30	,,	19वीं	
,,	मा.	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	,, 39 गा.	17वीं	
,,	,,	12 पन्ने	16 × 13 × 8 × 13	,, 61 गा.	1716	
,, + सैद्धान्तिक	प्रा.	27*	27 × 11 × 13 × 38	,, 70 गा.	16वीं	
मृत्यु उठायणा उपदेश	मा.	2	26 × 10 × 13 × 48	संपूर्ण	19वीं	
,,	,	6	23 × 13 × 13 × 26	,,	19वीं	
,,	प्रा.सं.	1	25 × 11 × 11 × 38	,, 10 श्लोक	19वीं	
भक्ति औपदेशिक तत्व प्रसंग	प्रा.	12	26 × 11 × 11 × 38	,, 220 गाथा	1595	
,,	,,	8	27 × 12 × 15 × 62	,, 208 गाथा/ग्रं.450	16वीं	
,,	प्रा.सं.	12	26 × 11 × 11 × 35	संपूर्ण	1608	जीर्ण-प्राय अपठनीय
,,	प्रा.	12	26 × 11 × 11 × 45	,, 229 गा.	17वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 41	,, 208 गा.	18वीं	
,,	,,	16	21 × 11 × 7 × 42	,, 220 गा.	18वीं	
,,	,,	8	27 × 12 × 12 × 54	,, 221 गा.	19वीं	
,,	प्रा.सं.	108,118, 110	25से29 × 12से14	,, कथा सह ग्रं.4750	19वीं	
,,	प्रा.	8	26 × 11 × 11 × 37	अपूर्ण पहिला पन्ना 10 गाथा का कम	19वीं	इसमें 163 गाथा का ही अंत समझा है
,,	सं.	7	27 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 32 से 163 (अंत) तक	16वीं	
,,	,,	233	27 × 11 × 15 × 55	,, आदि अंत रहित	16वीं	
,,	,,	224	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 224 गा. की कथा सह	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
185	ओसियां 2/228	औपदेशिक गाथायें	Aupdeśik Gāthāyen	संकलन	मू.ट.
186	के. नाथ 13/16	कर्पूर प्रकरण (कथा सह)	Karpūr Prakaraṇ with Kathā	हरि/सोमचंद	प.ग.
187	महावीर 2/20	,, (,,)	,, ,,	,, —	,,
188	कोलड़ी 131	कर्पूर प्रकरण	,, —	,, —	प.
189	के. नाथ 21/45	कर्म विपाक (प्राचीन) + वृत्ति	Karmvipāk (Pracīn) + Vṛti	गर्ग/परमानंद	मू.वृ. (प.ग.)
190	कुंथुनाथ 14/7	कर्म ग्रंथ 1-4 (प्राचीन) + सूक्ष्म विचार सार	Karmgranth 1-4 (Pracīn) + Śukṣam Vicār sār	गर्ग × × जिनवल्लभ 2	मू प.
191	के. नाथ 3/20	कर्म ग्रंथ चौथा/(विचार सार आगमिक वस्तु) + वृत्ति	Karmgranth 4th (Vicār sār Āgamik Vastū + Vṛti	जिनवल्लभ/	मू वृ.
192	,, 52/8	कर्म ग्रंथ 1 से 6 नवीन	Karmgrant 1-6 (Navīn)	देवेन्द्र (1 से 5) + चन्द्रर्षि (6)	मू.प.
193	के. नाथ 1/8	,, ,, + वृत्ति	,, ,, ki Vṛti	देवेन्द्र (1-5) चंदर्षि/6 मलयगिरी	मू वृ.
194	महावीर 2/65	,, ,, + ,,	,, ,, ,,	,, ,, / ,,	,,
195	के नाथ 5/100	कर्म ग्रन्थ 1 से 6 नवीन	,, ,, (Navīn)	देवेन्द्र (1-5) चंदर्षि (6)	मू प
196	कोलड़ी 117	,, ,,	,, ,, ,,	,,	मू ट. (प ग.)
197	ओसियां 2/173-76	,, ,,	,, ,, ,,	,,	मू. + अ.
198	के. नाथ 23/37	,, ,,	,, ,, ,,	,,	मू. (प.)
199	,, 3/1	कर्म ग्रन्थ 1 से 6 + बा.	,, ,, + Bālā	देवेन्द्र + चंदर्षि/मतिचंद	मू.बा.
200	कोलड़ी 116	कर्म ग्रन्थ 1 से 6 नवीन	,, ,, (Navīn)	देवेन्द्र (1-5) + चंदर्षि (6)	मू.प.
201-2	के. नाथ 5/99, 21/25	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2 copies	,,	,,
203	,, 3/13	कर्म ग्रन्थ 1 से 6 नवीन	Karmgranth 1-6 (Navīn)	देवेन्द्र (5) चंदर्षि (छठा)	मू.ट.
204	,, 23/36	कर्म ग्रन्थ 1 से 5 ,,	,, 1-5 ,,	देवेन्द्र/—	मू.ट.बा.
205	,, 3/11	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, /—	मू.अ.
206	कोलड़ी 1189	,, ,, ,,	,, ,, ,,	देवेन्द्र	मू.प.
207	के. नाथ 21/9	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	मू ट.
208	,, 21/18	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन धार्मिक श्लोक	प्रा सं मा.	12	26 × 11 × 6 × 34	भिन्न 2 पन्ने	18/19वीं	
औपदेशिक दृष्टांत	सं.	39	27 × 12 × 15 × 55	संपूर्ण 157 कथानक	1569	
,,	,,	16	26 × 11 × 15 × 55	अपूर्ण 69 काव्य-कथायें	18वीं	
औपदेशिक	,,	3	26 × 11 × 17 × 54	संपूर्ण 52 श्लोक	18वीं	
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा.सं.	20	27 × 11 × 15 × 43	,, 168 गाथा की ग्रं 922	1580	प्राचीन कर्म ग्रन्थ 1
,,	प्रा.	9	27 × 11 × 22 × 66	,, (168 + 56 + 24 + 86 + 15 गा)	19वीं	,, ,, 1-4 +
,,	प्रा.सं	18	26 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण 86 गाथा ग्रं 850	17वीं	अंतिम पन्ना कम
,,	प्रा.	18	26 × 12 × 13 × 38	,, (61 + 34 + 24 + 86 + 100 + 93 गाथा)	1592	1 2 3 (विपाक, स्तव, बंध 4 स्वामित्व षड्शीति, 5 6 शतक, सप्तति)
,,	प्रा.सं.	172	26 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	16वीं	
,,	,,	199	26 × 11 × 16 × 66	,, ग्रंथा. 10137 (1 से 5 के) ,, 3880 छठे के	1621	
,,	प्रा	12	26 × 11 × 13 × 44	संपूर्ण 396 गा.	1756	
,,	प्रा.मा.	64	25 × 12 × 4 × 42	,, ,,	1818	
,,	प्रा.सं.	46	25 × 11 × 11 × 37	,, यंत्रतालिका सह	1820 विक्रमपुर बखतसुंदर	अवचूरि देवगुप्त शिष्य की है ?
,,	प्रा	29	26 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	1825	
,,	प्रा.मा	318	25 × 13 × 15 × 37	,, 396 गाथा का	1858	
,,	प्रा.	22	26 × 13 × 12 × 40	,, ,,	1896	
,,	,,	45,17	28 × 11व26 × 11	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	79	29 × 12 × 4 × 36	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	50	11 × 26 × 5 × 41	,,	19वीं	
,,	प्रा सं	20	26 × 11 × 10 × 53	,,	1481	प्रथम पन्ना कम है 20 गाथा
,,	प्रा.	27	29 × 15 × 11 × 27	चार पूरे पांचवां 73 तक	19वीं	
,,	प्रा.मा.	31	24 × 12 × 9 × 31	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	47	28 × 14 × 7 × 21	,,	19वीं	टबार्थ प्र ग्रं. तक ही

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
209	के. नाथ 3/2	कर्मग्रन्थ 1 से 4+बा.	Karmgrantha 1-4+Bālā.	देवेन्द्र/—	मू.बा.
210	ओसियां 2/139-244	,, ,, +बा.	,, ,, + ,,	देवेन्द्र/मतिचंद्र	,,
211-2	के नाथ 29/98 5/14	कर्मग्रन्थ 1 से 4 नवीन दो प्रति	,, ,, (Navīna) 2 Copies	देवेन्द्र	मू.प.
213	,, 15/16	कर्मग्रन्थ 1 से 3 नवीन	,, 1-3 (Navīna)	,,	,,
214	,, 3/10	,, ,, +वृत्ति	,, 1-3 Vṛtti	देवेन्द्र/चन्द्रसूरि	मू.+वृ.
215	कोलडी 114	कर्मग्रन्थ 1 से 3 नवीन	,, 1-3 (Navīna)	देवेन्द्र	मू ट.
216	के नाथ 18/20	,, ,,	,, ,, ,,	,,	मू अ.
217	,, 21/10	कर्मग्रन्थ 1 से 2 नवीन	,, 1-2 ,,	,,	मू.ट.
218	ओसियां 2/242	,, ,,	,, 1-2 ,,	,,	मू प.
219	के. नाथ 23/30	कर्मग्रन्थ 1 नवीन	,, 1 ,,	,,	मू.अ.
220	,, 11/88	,, 1 ,,	,, 1 ,,	,,	मू.प.
221	,, 21/14	,, 1 ,,	,, 1 ,,	,,	मू.ट.
222	कोलड़ी 115	,, 1 +बाला.	,, 1+Bālā.	देवेन्द्र/श्रीसार मुनि	मू बा.
223	के नाथ 21/99	,, 1 नवीन	,, 1 (Navīna)	देवेन्द्र	मू.प.
224	,, 21/63	,, 1 ,,	,, 1 ,,	,,	मू ट.
225	,, 20/33	कर्मग्रन्थ 2 से 6 नवीन	,, 2-6 ,,	देवेन्द्र (5तक) चंदर्षि (छठा)	,,
226	,, 17/49	,, 2 से 5 ,,	,, 2-5 ,,	देवेन्द्र	मू.प.
227	ओसियां 2/149	,, 2 व 3 ,,	,, 2-3 ,,	,,	,,
228	,, 2/174	कर्मग्रन्थ 2 नवीन+बा.	,, 2 ,,+Bālā	,,/—	मू.बा.
229	के. नाथ 23/12	कर्मग्रन्थ 2 नवीन	,, 2 ,,	,,	मू ट
230	ओसियां 2/246	कर्मग्रन्थ 3 व 4 नवीन	,, 3-4 ,,	देवेन्द्र	,,
231	के. नाथ 3/6	कर्मग्रन्थ 3 नवीन	,, 3 ,,	,,	मू अ.
232	,, 15/184	,, 3 ,,	,, 3 ,,	,,	मू प.
233	,, 23/20	कर्मग्रन्थ 4 से 6 नवीन	,, 4-6 ,,	देवेन्द्र (4,5) चंदर्षि (6)	मू.ट.
234	,, 3/8	कर्मग्रन्थ 4 नवीन+बा.	,, 4 ,,+Bālā	देवेन्द्र/मतिचंद	मू बा.

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्मसैद्धांतिकसाहित्य	प्रा.मा.	13	25 × 11 × 17 × 58	अपूर्ण पहिला व चौथा दोनों	17वीं	7 से 19 बीच के पत्र
,	,,	106	25 × 12 × 15 × 38	संपूर्ण	18वीं	
,,	प्रा	28,11	33 × 17व26 × 11	,,	19वीं	
,,	,	9*	25 × 10 × 13 × 3[illegible]	,,	1736	साथ में सम्बोधसत्तरी 91 गा.
,,	प्रा.सं.	89	26 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण प्रथम के 48 से अंत तक	18वीं	ग्रंथाग्र 1882
,,	प्रा.मा.	28	25 × 12 × 3 × 36	संपूर्ण 119 गाथा का	1873	
,,	प्रा.सं.	15	26 × 11 × 20 × 66	संपूर्ण	19वीं	
,,	प्रा.मा.	20	26 × 13 × 3 × 33	संपूर्ण 94 गाथा	1853	
,,	प्रा.	11	25 × 12 × 9 × 34	,, 87 ,,	19वीं	
,,	प्रा.सं.	19	[illegible]6 × 11 × 15 × 44	सपूर्ण 60 गाथा की	1421	
,,	प्रा.	3	26 × 11 × 11 × 37	,, 60 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.मा.	11	25 × 12 × 5 × 32	,, 62 ,,	1825	
,,	,,	36	25 × 11 × 18 × 48	,, 60 ,,	1834	
,,	प्र .	5	25 × 13 × 11 × 35	,, 62 ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	16	25 × 11 × 3 × 35	अपूर्ण 52 गाथा तक	19वीं	
,,	,,	42	25 × 11 × 18 × 47	संपूर्ण	17वीं	
,,	प्रा.	11	26 × 11 × 13 × 42	,, 259 गाथा	19वीं	
,,	,,	5	28 × 13 × 11 × 34	, 60 ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	18	26 × 12 × 17 × 58	,, 35 ,,	19वीं	
,,	,,	5	26 × 11 × 5 × 51	,, 35 ,,	19वीं	
,,	प्रा.सं	11	26 × 13 × 9 × 31	,, 108 ,,	17वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 4 × 27	,, 24 ,,	18वीं	
,,	प्रा.	2	25 × 11 × 11 × 31	,, 24 ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	60	26 × 12 × 3 × 35	,, केवल पांचवे की 7 गा. कम	19वीं	
,,	,,	31	25 × 11 × 16 × 63	,, 86 गाथा	17वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
235	मुनिसुव्रत 2/263	कर्मग्रन्थ 4 नवीन	Karmgrantha 4 (Navina)	देवेन्द्र	मू प
236	के.नाथ 23/34	,, 4 ,,	,, 4 ,,	,,	,,
237	,, 1/33	कर्मग्रन्थ चौथा (नवीन) +बा.	,, VI (N.)	देवेन्द्रसूरि/—	मू.+बा.
238	ओसियां 2/175	कर्मग्रन्थ पांचवां (,,) +बा.	,, V (N.)	,, /—	,,
239	के.नाथ 17/54	,, ,, नवीन	,, V (N.)	देवेन्द्र	मू.+ट.
240	महावीर 2/135	कर्मग्रन्थ छठा सप्तति+वृत्ति	,, VI Saptati	चंदर्षि/मलयगिरि	मू.वृ.
241	कुंथुनाथ 55/17	कर्मग्रन्थ छठा+बाला.	,, VI Bālā	,, /कुंभकर्ण(राजचंद्र का शिष्य)पार्श्वचंद गच्छ	मू बा.
242	,, 21/5	,, ,,	,, VI	,, / ,,	,,
243	मुनिसुव्रत 2/335	कर्मग्रन्थ 1से6 की अवचूरि	,, I & VI Avacūri	ज्ञानसागर(देवसुंदर का शिष्य) तपागच्छ	ग.
244	कोबड़ी 1226	कर्मग्रन्थ 4 का व्याख्यान	,, IV Vyākhyāna	—	,,
245	महावीर 2/82	कर्मग्रन्थ प्रथम (नवीन) का सूचा यंत्र	,, I (N.) Sūca yantra	सुमतिवर्द्धन (विनीतसुन्दर का शिष्य)	गद्य तालिका
246	ओसियां 2/147	,, ,,	,, ,,	,,	,,
247	महावीर 2/81	,, ,,	,, ,,	,,	,,
248	,, 2/83	कर्मग्रन्थ द्वितीय(नवीन) सूचा	,, II(N.) ,,	,,	,
249	,, 2/84	,, ,,	,, ,,	,,	,,
250	ओसियां 2/145	,, ,,	,, ,,	,,	,,
251	,, 2/146	,, तृतीय (नवीन) सूचा	,, III(N.) ,,	,,	,,
252	,, 2/144	,, चतुर्थ ,,	,, IV(N.) ,,	,,	,,
253	महावीर 2/85	,, 4व5 (नवीन) सूचा	,, IV&V(N.) ,,	,,	,,
254	ओसियां 2/148	,, 5 (नवीन) ,,	,, V (N.)	,,	,,
255	महावीर 2/86	,, ,,	,, ,,	,,	,,
256	ओसियां 2/412	कर्म उदय प्रकृति	Karma Udaya Prakṛti	—	ग.
257	महावीर 2/103	,, स्वामी यंत्र	,, Svāmi Yantra	सुमतिवर्द्धन	ग. तालिका
258	,, 2/87	कर्म ओघबंध प्रकृति आदि यंत्र	Karma Oghādi Yantra	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा.	7	25 × 11 × 12 × 33	सपूर्ण 86 गाथा	18वीं	
,,	,,	5	26 × 11 × 13 × 41	,, ,,	18वीं	
,,	प्रा मा.	25	25 × 11 × 17 × 48	अपूर्ण गाथा 70 तक ही	19वीं	
,,	,,	29	26 × 11 × 18 × 56	संपूर्ण 100 गाथा का	1727	
,,	,,	18	25 × 12 × 4 × 34	संपूर्ण 100 गाथा का ग्रंथाग्र 350	19वीं	
,,	प्रा सं	47	27 × 11 × 15 × 60	अपूर्ण, पूरी 89 गाथा की ग्रं. 3880	1624	त्रुटक
,,	प्रा मा	21	26 × 11 × 19 × 64	संपूर्ण 93 गा. ग्रं. 1500	17वीं × ऋषि शाखा	
,,	,	39	30 × 14 × 13 × 36	लगभग पूर्ण अंतिम पन्ना कम	19वीं	गत प्रति की ही नकल
,,	सं.	3	26 × 11 × 23 × 76	त्रुटक सिर्फ 3 पन्ने हैं 24,29 व अंतम	18वीं	
,,	,,	16	26 × 11 × 18 × 56	संपूर्ण 86 गाथा का	18वीं	
,, बोलनुमा	मा.	23	25 × 12 × ———	संपूर्ण	1890, इच्छावर, सेवाराम	(1875 की कृतियां हैं)
,, ,,	,,	21	25 × 13 × ———	,,	1907, अजमेर, रिखलाल	
,, ,,	,,	21	26 × 12 × ———	,,	20वीं	
,, ,,	,,	6	26 × 13 × ———	,,	19वीं × पोखरदत्त	
,, ,,	,,	9	22 × 13 × ———	,,	1932	
,, ,,	,,	8	27 × 12 × ———	अपूर्ण आदि अंत रहित	20वीं	
,, ,	,,	9	26 × 12 × ———	संपूर्ण	20वीं	
,, ,	,,	13	25 × 12 × ———	अपूर्ण प्रारंभ के 2 पन्ने कम	20वीं	
,,	,,	73	2[illegible] × 13 × ———	सपूर्ण	1890, अजमेर, रिखलाल	
,,	,	45	28 × 14 × ———	,,	1902	
,,	,,	39	27 × 13 × 10 × 28	,, ग्रंथाग्र 1005	1932	
,,	,,	14	26 × 13 × 15 × 43	त्रुटक	19वीं	
,,	,,	11	25 × 12 × ———	प्रतिपूर्ण	20वीं	
,,	,,	9	26 × 12 × ———	,,	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
259	सेवा मंदिर 2/353	कर्मा कर्मादि प्रकरण+बा.	Karmā karmādi Prakaraṇa	गजसार	मू+बा
260	कोलडी 1238	कर्मबंध हेतु रचना	Karma bandha Hetu racanā	—	मू. (प)
261	के नाथ 3/22	कर्म प्रकृति	Karma Prakṛti	—	मू.ट.
262	,, 29/31	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—	मू व. (प.ग)
263	,, 29/32	,, की टीका	,, Tīkā	मयलगिरि	ग.
264	सेवा मंदिर 2/353	कर्म का बंध व जीव भेद विचार+बा.	Karma bandha & Jiva bheda vicāra	अज्ञात	मू.बा. (प.ग.
265	के.नाथ 16/12	कर्मों की आठ मूल प्रकृति	Karmon kī Āṭha Mūla Prakṛti	—	ग.
266	मुनिसुव्रत 2/204	,, 158 उत्तर प्रकृति	,, 158 Uttara Prakṛti	—	,,
267	कोलडी 113	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
268-9	ओमियां 2/177-78	,, ,, ,, 2 प्रति	,, ,, ,,	—	,,
270	के नाथ 19/92	,, ,, प्रकृति विचार	,, ,, Prakṛti Vicāra	—	,,
271	,, 14/111	कर्मछत्तीसी	Karma Chattīsī	समयसुन्दर	प
272	,, 14/107	,,	,,	,,	,,
273	,, 26/103 गु	कर्मबत्तीसी	Karma Battīsī	—	,,
274	,, 29/45	कवित्तबावनी	Kavitta Bāvanī	लक्ष्मीवल्लभ गणि	,,
275	महावीर 2/130	कस्तूरी प्रकरण	Kastūri Prakaraṇa	हेमविजय	मू. (प)
276	कुंथुनाथ 36/1 क्र 47	कामाक्षापंचाशिका	Kāmākṣā Pañcāśikā	—	प.
277	ओसियां 2/189	कायस्थितिविचार+बा.	Kāyasthiti Vicāra+Bā ā	—	मू बा.
278	महावीर 2/52	,, स्तोत्र	,, Stotra	कुलमंडन	मू अ (प ग.)
279	ओसियां 2 214	कालसत्तरी	Kāla Sattarī	धर्मघोष/देवेन्द्र सूरि का शिष्य	मू पद्य
280	महावीर 2/60	,,	,,	,, ,,	,,
281	के नाथ 18/35	,,	,,	,, ,,	मू.+ट. (प.ग.)
282	महावीर 2/405	केवलसत्तावनी	Kevala Sattāvanī	ब्रह्मरूप संवेगी	प.
283	सेवा मंदिर गुटका 3 ति	केशीद्विपंचाशिका	Keśī Dvi Pañcāśikā	पार्श्वचंद	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा मा.	7*	26 × 11 × 17 × 60	संपूर्ण 29 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.	13*	26 × 11 × 15 × 42	,, 34 ,,	19वीं	
,,	प्रा मा.	71	25 × 11 × 4 × 30	,, 476 ,,	1838	
,	प्रा सं.	3	26 × 13 × 16 × 62	अपूर्ण केवल छठी गाथा तक	19वीं	
,,	सं.	122	27 × 11 × 17 × 66	संपूर्ण ग्रं. 14000	16वीं	
,,	प्रा.मा.	7*	26 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 29 गाथा	17वीं	
,,	मा.	1	35 × 11 × 18 × 65	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	11	25 × 11 × 11 × 33	,,	17वीं × साध्वी लाला	
,,	,,	8	23 × 11 × 12 × 24	,,	19वीं	
,,	,,	6,5	25 × 12व22 × 11	,,	19वीं	
,,	,,	11*	26 × 11 × 13 × 44	,,	19वीं	
औपदेशिक	,,	3*	26 × 11 × 23 × 66	संपूर्ण 36 गाथा	19वीं सदी	
,,	,,	3	26 × 12 × 14 × 29	,, ,,	19वीं	
सैद्धान्तिक	,,	1	25 × 11 × 20 × 56	,, 32 गाथा	18वीं	
औपदेशिक साहित्य	,,	5	25 × 11 × 14 × 50	,, 61 कवित्त + 1 देवीगीत	19वीं	
,,	सं.	23	26 × 14 × 12 × 24	,, 182 श्लोक	20वीं	
,,	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 86 गाथा	1544	
लोक स्वरूप व प्रकृति	प्रा मा.	7	27 × 11 × 9 × 35	,, 24 ,,	16वीं सदी	
तात्विक व स्वरूप	प्रा सं.	5	26 × 11 × 18 × 54	,, 24 ,,	17वीं पाटण रविवर्द्धन	
काल स्वरूप	प्रा.	7	26 × 11 × 9 × 31	,, 73 ,,	16वीं	
समय स्वरूप	,,	3	26 × 11 × 13 × 48	,, 74 ,,	17वीं	
,,	प्रा मा.	4	26 × 11 × 8 × 47	,, 74 ,,	19वीं	
औपदेशिक अध्यात्म	मा.	21*	25 × 13 × 13 × 35	,, 58 सवैया	1876	
दार्शनिक तात्विक	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	,, 75 गाथा	17वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
284	के.नाथ 23/35	केशी प्रदेशी प्रश्नोत्तर सार	Keśī Pradeśī Praśnottara-sāra	—	ग.
285	सेवामंदिर 3इ 345	क्षमाछत्तीसी	Kṣamā Chattīsī	समयसुन्दर	प.
286	कोलड़ी 898	,,	,, ,,	,,	,,
287-8	के नाथ 15/83, 23/95	,, 2 प्रति	,, ,, 2 copies	,,	,,
289	महावीर 2/53	क्षुल्लक भव विचार स्तवन	Kṣullaka Bhava Vicāra Stavana	—	मू अ. (प.ग.)
290	कुंथुनाथ 52/27	गणधरावद	Gaṇadhara Vāda	गुणरत्न सूरि	ग.
291	,, 10/133	गणहरावली	Gaṇaharāvalī	—	प.
292	के.नाथ 29/25	गायत्रीमंत्र (जैन परक) व्याख्या	Gāyantrī Mantra Vyākhya (Jain)	अज्ञात	ग.
293	कोलड़ी 1173	गुणपरिवाड़ी+बा.	Guṇa Parivāḍi+Bālā.	—	मू बा.
294	महावीर 2/128	गुणमाला	Guṇa Mālā	रामविजय(जिनवल्लभ का शिष्य)	ग.
295	,, 2/97	गुणस्थान अल्पबहुत्व बोल	Guṇasthāna Alpabahuttva Bola	—	,,
296	के.नाथ 18/3	,, क्रमारोह+वृत्ति	,, Karmāroha+Vṛtti	रत्नशेखर (हेमतिलक का शिष्य)	मू वृ. (प.ग.
297	महावीर 2/78	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, स्वोपज्ञ	,, ,,
298	,, 2/40	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, ,,	,, ,,
299	के नाथ 6/98	,, ,,	,, Karmāroha	,,	मू. (प.)
300	,, 26/103 गु	,, चौपई	,, Caupaī	साधु कीर्त्ति	प.
301	,, 19 44	,, जीवभेदवर्णन	,, Jīvabheda Varṇana	—	ग.
302	कोलड़ी 1333	,, भंग	,, Bhṅaga	—	,,
303	महावीर 2/66	,, +लेश्याद्वार	,, +Leśyādvāra	—	,,
304	कोलड़ी 112	,, वर्णन	,, Varṇana	—	,,
305	कुंथुनाथ 29/5	,, विचार	,, Vicāra	—	,,
306	महावीर 2/79	,, ,,	,, ,,	—	,,
307	कोलड़ी 1343	, ,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
दार्शनिक तात्विक	मा.	27*	30 × 14 × 13 × 39	संपूर्ण	19वीं	
औपदेशिक	मा.	3	20 × 11 × 12 × 30	संपूर्ण 36 गाथा	1847बालजी	
,,	,,	2	26 × 11 × 15 × 42	,, ,,	19वीं	
,,	,,	2,2	25 × 11व26 × 10	,, ,,	19वीं	
आयुकर्म सम्बन्धी	प्रा.सं.	3	26 × 11 × 13 × 46	संपूर्ण 25 गाथा	16वीं	
कल्पसूत्रेग्रन्तर्वाच्य	सं.	3	26 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण	19वीं	
तात्विक/जीवन	प्रा.	27*	27 × 11 × 13 × 38	,, 25 गाथा	16वीं	
मातृकापद समन्वय	सं.	8	27 × 15 × 15 × 34	,,	20वीं	साथ में सामायिक व्याख्यान भी है
संथारा संबन्धी	प्रा.मा.	4	25 × 11 × 13 × 52	अपूर्ण 42 गाथा	17वीं	(गुण की जगह पुण भी पढ़ा जा सकता है)
पंचपरमेष्ठी गुणादि	सं.	54	26 × 12 × 17 × 44	संपूर्ण	1851 व्यारानगर + सुवर्णगढ़	प्रशस्ति है। 1817 जैसलमेर की रच ।
सैद्धान्तिक-संख्या विचार	मा.	6	26 × 11 × 16 × 45	,,	19वीं	
आत्मस्तर विचार	सं.	16	26 × 12 × 12 × 66	,, 136 श्लोक की	1703	वृत्तिस्वोपज्ञ
,	,,	32	26 × 12 × 15 × 40	,, 137 ,, ,,	1799	
,,	,,	37	27 × 13 × 14 × 41	,, 136 ,, ,,	19वीं	
,,	,,	3	27 × 11 × 19 × 43	,, 126 ,, ,,	19वीं	
,,	मा.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 46 गाथा	18वीं	
,,	,,	25*	24 × 12 × 17 × 32	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 28 × 60	,,	19वीं	
,,	,,	25	25 × 11 × 9 × 37	,,	20वीं	
,,	,,	6	27 × 11 × 18 × 60	संपूर्ण 14 गुणस्थानों का	20वीं	
,,	सं.	7	27 × 12 × 23 × 78	अपूर्ण	17वीं	
,,	मा.	2	26 × 12 × 12 × 29	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 14 × 45	,,	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
308	के.नाथ 6/5	गुणस्थान विचार	Guṇasthāna Vicāra	समुन्द्रगणि	ग.
309	सेवामंदिर 2/433	,, ,,	,, ,,	—	,,
310	,, गुटका 3 ति.	गुणस्थान स्तवन	Guṇasthāna Stavana	समरचंद (पार्श्वचंद का शिष्य)	प.
311	कुंथुनाथ 54/7	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
312	सेवामंदिर 2/362	,, ,,	,, ,,	वाचक पदमराज	मू.ट.
313	के.नाथ 15/193	,, ,,	,, ,,	धरमसी	प.
314	महावीर 3 ई. 10	,, ,,	,, ,,	,,	,,
315	,, 2/46	गुरुगुणषट्त्रिंशिका+वृत्ति	Guru Guṇaṣaṭ Trimśikā	रत्नशेखर	मू वृ. (प.ग.
316	,, 2/47	गुरुतत्वनिश्चय+वृत्ति	Gurutatva Niścaya	उ. यशोविजय	मू.वृ.
317	,, 2/126	गौतमकुलक+वृत्ति	Gautama Kulaka	गौतमऋषि/ज्ञानतिलक	मू.वृ. (प.ग
318	के नाथ 26/103	गौतमकुलक	Gautama Kulaka	गौतमऋषि	मू (प)
319	गु. ,, 5/25	,,	,,	,,	मू ट. (प ग
320	मुनिसुव्रत 2/325	,,	,,	,,	,, ,,
321	कोलड़ी 824	,,	,,	,,	,, ,,
322	कुँथुनाथ 20/22	,,	,,	,,	,, ,,
323	कोलड़ी 825	,,	,,	,,	,, ,,
324	के नाथ 10/67	,,	,,	,,	,, ,,
325	मुनिसुव्रत 2/326	,,	,,	,,	,, ,,
326	कोलड़ी 1086	,,	,,	,,	,, ,,
327	ओसियां 2 416	,,	,,	,,	मू.(प,)
328	के नाथ 10/87	गौतमपृच्छा	Gautama Pṛcchā	—	मू. (प.)
329	कोलड़ी 1329	,,	,,	—	मू.ट. (प ग.)
330	के नाथ 21/61	,, +बा.	,,	—/ (नंदिरत्न-का शिष्य)	मू.बा.
331	,, 3/27	,, +वृत्ति	,,	—/मतिवर्द्धन	मू.वृ
332	,, 3/29	,, +बा.	,,	—/—	मू.बा.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आंतमस्तर विचार	मा.	21	26 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण ग्रंथाग्र 800	19वीं	
,,	,,	3	24 × 11 × 12 × 50	,,	19वीं	
14 गुणस्थाय गर्भित	मा.	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	संपूर्ण 53 गाथा	1650	
,,	,,	18	26 × 11 × 5 × 40	,,	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 6 × 48	संपूर्ण 21 पद	19वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 14 × 44	,, 34 गाथा	19वीं	1729 की कृति
,,	,,	3	25 × 12 × 13 × 31	,, ,,	20वीं	
गुरु की योग्यतादि	प्रा.सं.	35	27 × 12 × 14 × 39	,, 40 श्लोक की	20वीं	
,,	,,	146	26 × 11 × 17 × 50	,, 903 श्लोक (चार उल्लास)	1949	वृत्ति स्वोपज्ञ
औपदेशिक	प्रा.सं.	30	26 × 11 × 16 × 47	संपूर्ण 69 गाथायें	18वीं × रामचन्द्र	
,,	प्रा.	2	25 × 11 × 15 × 38	,, 20 गाथा	18वीं	दो नकलें
,,	प्रा.मा.	4	26 × 12 × 4 × 40	,, ,,	1831	
,,	,,	3	25 × 12 × 5 × 34	,, ,,	1842 मेड़ता ईश्वरसागर	
,,	,,	2	30 × 11 × 7 × 42	,, ,,	1846 × भक्तिसागर	
,,	,,	2	26 × 11 × 10 × 42	,, ,,	19वीं	
,,	,,	2	30 × 10 × 5 × 45	,, ,,	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 7 × 40	,, ,,	19वीं	
,,	,,	3	23 × 11 × 5 × 29	,, ,,	19वीं	
,,	,,	7	25 × 11 × 1 × 36	अपूर्ण 11 गाथा तक	19वीं	
,,	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
तात्विक 48 प्रश्नोत्तरी	प्रा.	9	26 × 12 × 11 × 32	संपूर्ण 64 गाथायें	16वीं	भगवान महावीर के उत्तर
,,	प्रा.मा.	7	25 × 10 × 5 × 35	,, ,,	17वीं	
,,	प्रा.मा.	3	25 × 11 × 9 × 30	,, ,,	17वीं	
,,	प्रा.सं.	62	24 × 10 × 13 × 28	,, 64 गाथा की ग्रं 1682	1824	
,,	प्रा मा.	25	26 × 11 × 16 × 52	,, 64 गाथा की	18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
333	कोलड़ी 146	गौतमपृच्छा+वृत्ति	Gautma Pṛccha+Vṛtti	/मतिवर्द्धन	मू वृ.
334	महावीर 2/127	,, + ,,	,, + ,,	/मतिवर्द्धन	,,
335	कोलड़ी 831	,, कथासह	,, with kathā	—	मू.+कथा
336	महावीर 2/14	,, वृत्तिसह	,, with Vṛtti	/मतिवर्द्धन	मू.वृ.
337	के.नाथ 14/139	,, +बा.	,, +Bālā	—	मू.बा.
338	,, 13/12	,,	,,	—	मू ट.
339	,, 5/68	,,	,,	—	मू.
340	कुंथुनाथ 25/2	,, +बा	,, +Bālā	—	मू बा.
341	ओसियां 2/165	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—	मू.वृ.
342	कोलड़ी 823	,, +कथा	,, +Kathā	—	मू.+व्या.+कथ
343	के.नाथ 15/172	,,	,,	—	मू.ट.
344	कोलड़ी 1085	,, +कथा	,, +Kathā	—	मू.×कथा
345	,, 1087	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	—	ग.
346	के.नाथ 15/168	,, का पद्यानुवाद	,, Padyānuvāda	—	प
347	कोलड़ी 239	,, चौपई	,, Caupaī	लावण्यसमय	,,
348	के.नाथ 19/73	,, पद्यानुवाद	,, Padyānuvāda	—	,,
349	मुनिसुव्रत 2/251	,, का बालावबोध	,, Bālāvabodha	—	ग.
350	ओसियां 2/164	,, ,,	,, ,,	जिनसूर तपागच्छ	,,
351	महावीर 2/406	गौतमीय महाकाव्य+वृत्ति	Gautamīya Mahākāvya +Vṛtti	रूपचंद/क्षमाकल्याण	मू वृ.
352	कोलड़ी 953	ज्ञानक्रियावाद	Jñānakriyāvāda	—	गद्य
353	के.नाथ 21/58	ज्ञानदेव धर्मगुरु श्रुतबोध	Jñāna Deva Dharma Guru Śruta Bodha	सिहात्मज	पद्य
354	मुनिसुव्रत 2/321	ज्ञानद्वार से जीवप्ररूपणा	Jñānadvāra Jīvaprarupaṇā	—	ग.तालिका
355	के नाथ 26/56	ज्ञानपच्चीसी	Jñāna Paccīsī	बनारसीदास	प.
356	महावीर 2/407	ज्ञानसार अष्टक+वृत्ति	Jñānasāra Aṣṭaka+Vṛtti	यशोविजय/देवचंद	मू वृ (प.ग.)
357	,, 2/12	,, अष्टक	,,	,, /जीतविजय	मू ट.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक 48 प्रश्नोत्तरी	प्रा.सं.	33	26 × 13 × 17 × 46	संपूर्ण 64 गाथा की	1834	
,,	,,	51	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1868 नागपुर	
,,	प्रा मा.	110	31 × 12 × 15 × 42	,, 72 कथायें	1876 कालइना वृद्धिसागर	कथायें उपदेशमाला परकी
,,	प्रा.सं.	24	26 × 13 × 19 × 57	,, 65 कथायें	1880 भागनर चैनजीत	
,,	प्रा मा	38	26 × 12 × 14 × 50	,, 62 पद	1880	
,,	,,	5	26 × 11 × 6 × 42	,, 64 पद	19वीं	
,,	प्रा.	2	26 × 11 × 17 × 40	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा मा.	12	26 × 11 × 17 × 70	त्रुटक	19वीं	
,,	प्रा.सं	34	26 × 12 × 19 × 49	संपूर्ण 64 गाथा की	1902	
,,	,,	39	32 × 12 × 13 × 50	, ,, ,	1902 आसोप प्रतापविजे	
,,	प्रा.मा.	9	26 × 11 × 18 × 56	अपूर्ण 29 से 57 प्रश्न तक	18वीं	
,,	,,	25	25 × 12 × 11 × 32	,, 37 गाथा तक	19वीं	
,,	सं.	3	25 × 11 × 12 × 38	केवल 48वां प्रश्न	19वीं	
,,	मा.	2	26 × 11 × 20 × 54	संपूर्ण 104 गाथा चौपई छन्द	19वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 9 × 40	,, 115 गाथा	1763	
,,	,,	11*	25 × 11 × 13 × 40	,, 46 गाथा	19वीं	
,,	,,	72	25 × 11 × 11 × 37	,, ग्रंथाग्र 2500	1676 खींमाड़ा तेजकुशल	कथासह
,,	,,	49	27 × 13 × 13 × 35	,, 64 गाथा का ग्रं. 1500	1784 राजनगर	
महावीर गणधरवाद	संस्कृत	92	27 × 13 × 14 × 52	,, 11 सर्ग	19वीं	
ज्ञान व क्रिया का समन्वय	,,	2	26 × 12 × 16 × 48	,,	19वीं	
सर्व धर्म समन्वय	,,	8	26 × 12 × 16 × 48	,, 6 अध्याय = 231 श्लोक	19वीं	
सैद्धान्तिक बोल	मा.	2	26 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
औपदेशिक	,,	3*	25 × 12 × 14 × 44	संपूर्ण 25 गाथा	19वीं	साथ में व मंछत्तीसी
तात्त्विक आध्यात्मिक	सं	12	26 × 12 × 18 × 51	त्रुटक ग्रंथाग्र 289 (68 में से केवल 12 पत्र हैं)	19वीं	वृति ज्ञानमंजरी नाम्नी
,, ,,	सं.मा.	60	26 × 13 × 3 × 23	संपूर्ण 32 अष्टक ग्रं. 1500	1927	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
358	ओसियां	ज्ञानसार बहोत्तरी	Jñānasāra Bohottarī	ज्ञानसार	प.
359	के.नाथ 4/24	ज्ञानार्णव	Jñānārṇava	शुभचन्द्र	मू प.
360	कुंथुनाथ36/1गुरु क्रम 40	ज्ञानांकुश	Jñānāṅkūśa	—	पद्य
361	के.नाथ 18/34	चरित्र-छत्तीसी	Caritra-chattīsī	—	,,
362	कोलड़ी गुटका 4/12	चरित्र मनोरथमाला	Caritra Manorathamālā	—	मू. पद्य
363	महावीर 2/388	,, ,,	,, ,,	धनेश्वरमुनि	,,
364	कोलड़ी 853	चेतनकर्म-चरित्र	Cetanakarma Caritra	भगोतीदास	पद्य
365	सेवामंदिर 2/353	चौवीस दण्डक (विचारषट्-त्रिंशिका)	Cauvīsa Daṇḍaka	गजसार/—	मू.बा.
366	ओसियां 2/192	,,	,,	,,	मू.ट.
367	महावीर 2/110	,,	,,	,,	,,
368	के.नाथ 5/82	,, +बा.	,, +Bālā	,, /—	मू.बा.
369	ओसियां 2/179	,,	,,	गजसार	मू.ट.
370	सेवामंदिर 2/419	चौवीस दण्डक+वृत्ति	,, + Vṛtti	,, /—	मू वृ (प.ग
371-3	,, 2/345-47-48	,, 3 प्रतियां	,, 3 Copies	,,	मू ट. ,,
374	कोलड़ी 822	,,	,,	,,	,,
375	सेवामंदिर 2/349	,,	,,	,,	,,
376	के.नाथ 21/7	,,	,,	,,	,,
377-8	कोलड़ी 83,82	2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	मू पद्य
379-80	के.नाथ 19/63, 20/48	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	,,
381-3	कुंथुनाथ 15/8, 13/58,15/17	,, 3 प्रतियां	,, 3 Copies	,,	,,
384	मुनिसुव्रत 2/333	,, —	,, —	,,	,,
385	सेवामंदिर 2/351	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	मू.ट. (प ग.)
386	महावीर 2/73	,,	,,	,,	,,
387	ओसियां 2/193	,,	,,	,,	,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आध्यात्मिक काव्य	मा.	3	24 × 12 × 24 × 42	(28 पद मात्र) अपूर्ण	19वीं	
जैनयोग विषयक	सं.	108	27 × 11 × 9 × 37	अपूर्ण योगीप्रशंसा सूत्र 5 से मोक्ष तक	17वीं	प्रथम 23पन्ने कम है
औपदेशिक	,,	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 41 श्लोक	1544	
,,	मा.	5*	27 × 11 × 16 × 36	,, 36 गाथा	20वीं	
तात्विक-औपदेशिक	प्रा.	गुटका	15 × 7 × 10 × 23	,, 30 गाथा	1499	
,, ,,	,,	5	23 × 10 × 8 × 26	,, 30 गाथा	19वीं	
तात्विक रूपक	हिन्दी	12	33 × 14 × 15 × 36	,, 298 छन्द	19वीं	1736 की कृति
जैन तात्त्विक	प्रा.मा.	7*	26 × 11 × 17 × 60	38 गाथायें	17वीं	
,,	,,	6	26 × 10 × 5 × 34	संपूर्ण 39 गाथा	1780 × रंजित सागर	जीर्ण
,,	,,	7	24 × 11 × 5 × 29	,, 46 गाथा का	1887सूरत	
,,	,,	20	25 × 11 × 16 × 33	,, ,, ,,	1791	
,,	प्रा.मा.	11	24 × 11 × 3 × 36	संपूर्ण 43 गाथा	1800जालोर	
,,	प्रा.सं.	6	25 × 11 × 15 × 50	,, 38 गाथा	18वीं	
,,	प्रा.मा.	9,5,7	26 × 11 × भिन्न 2	,, 44,38,41 गाथा	18वीं	
,,	,,	9	30 × 11 × 3 × 36	,, 40 गाथा	1821 × पद्म विजय	
,,	,,	7	26 × 12 × 4 × 38	,, 46 गाथा	1823 × आनंद विजय	
,,	,,	5	27 × 12 × 5 × 42	,, 39 गाथा	1832 —	
,,	प्रा.	4,5	25 × 11 × 7/9 30	,, 38,41 गाथा	1862,19वीं	
,,	,,	9,3	26 × 12व24 × 13	,, 38,40 गाथा	19/20वीं	
,,	,,	2,2 4	23से26 × 10से13	,, 38,39,39 गा	19/20वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 32	,, 43 गा.	19वीं ग्रहला-दनपुर, कुंजरविजै	
,,	प्रा.मा.	13	28 × 14 × 4 × 24	,, 46 गा.	1898	
,,	,,	18	26 × 11 × 5 × 37	,, 43 गा.	19वीं	
,,	,,	9	25 × 11 × 3 × 34	,, 40 गा.	19वीं विक्रमपुर [illegible]	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
388-91	के.नाथ 19/99, 20/15,15/123 6/95	चौबीस दण्डक 4 प्रति	Cauvīsa Daṇḍaka 4 copies	गजसार	मू ट. (प.ग.
392	कोलड़ी 86	,,	,,	,,	,,
393	महावीर 2/74	,,	,,	,,	मू अ. (प.ग.)
394	कोलड़ी 87	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /स्वोपज्ञ	मू.वृ. (प.ग.)
395	के.नाथ 14/119	,, +व्याख्या	,, +Vyākhyā	,, /—	,, ,,
396	,, 5/39	,, +बा.	,, +Bālā	,, /—	मू बा.
397	सेवामंदिर 2/352	,, +बा.	,, +Bālā	,, /—	,,
398	कोलड़ी 84	,, +बा.	,, +Bālā	,,	,,
399	के.नाथ 11/85	,, +बा.	,, +Bālā	,,	,,
400	कोलड़ी 85	चौबीस दण्डक का बालावबोध	,, Bālāvabodha	—	ग.
401	कुंथुनाथ 3/51	,,	,, ,,	—	,,
402	के.नाथ 21/6	,,	,, ,,	—	,,
403	सेवामंदिर 2/350	,,	,, ,,	—	,,
404	ओसियां 2/191	,,	,, ,,	—	,,
405	कोलड़ी 89	चौबीस दण्डक टब्बा	,, Tabbā	—	ग. तालिका
406-8	महावीर 2/70-95-96	,, बोल 3प्रति	,, Bola 3 copies	—	,,
409-10	ओसियां 2/190, 415-17	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	—	गद्य
411-3	के.नाथ 18/27 5/11 ,15/179	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	—	,,
414	ओसियां 2/195	,, यंत्र	,, Yantra	(हेम)	ग. तालिका
415	कोलड़ी 88	,, विचार	,, Vicara	—	ग.
416	कुंथुनाथ 57/7	,, वीर स्तवन	,, Vira Stavana	पार्श्वचन्द/राजसूरि	मू.ट. (प.ग.)
417	कोलड़ी 309	,, स्तवन	,, Stavana	पायचन्द	पद्य

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्विक	सं.मा.	6,11, 5,4	25से26 × 10से13	पहिली 3 पूर्ण, चौथी अपूर्ण 24 गाथा	19/20वीं	
,,	,,	11	25 × 11 × 4 × 32	संपूर्ण 40 गाथा	19वीं	
,,	प्रा.सं.	5	25 × 11 × 18 × 42	,, 38 गाथा	1874 बीकानेर	अंत में 9 श्लोक छाया पुरुष-लक्षण
,,	,,	7	25 × 10 × 15 × 58	,, 39 ,,	1879	
,,	,,	10	26 × 11 × 11 × 37	,, 38 ,,	19वीं	संग्रहणी-व्याख्यान जैसा
,,	प्रा मा	15	25 × 12 × 14 × 50	,, 46 ,,	1880	
,,	,,	13	27 × 13 × 17 × 39	संपूर्ण	1895 × पुण्य-विलास	अंत में सम्यक्त्व 67 बोल + अल्पबहुत्व स्तवन
,,	,,	13	24 × 11 × 11 × 40	,, 41 गाथा का	1890	
,,	,,	13	26 × 10 × 20 × 54	अपूर्ण (किंचित्)	20वीं	
,,	मा.	13	24 × 10 × 17 × 52	संपूर्ण	1792	
,,	,,	16	27 × 12 × 12 × 32	,,	1796	
,,	,,	79	26 × 11 × 11 × 36	,,	18वीं	
,,	,,	17	26 × 11 × 13 × 46	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	8	25 × 12 × 12 × 31	संपूर्ण	20वीं	
,,	,,	13	26 × 11 × —	,,	17वीं	
,,	,,	30,6,6	25से27 × 12 + —	,,	19वीं × (1 का लक्ष्मीविजै)	भिन्न भिन्न द्वारों से
,,	,,	15,20, 20	21से26 × 11से12	,,	19/20वीं भिन्न भिन्न जगह	,,
,,	,,	16,84, 12,	24से29 × 10से15	,,	19वीं	,,
,,	,,	7	27 × 12 × —	,,	19वीं	
26 द्वारों से विविक्षा	,,	13	26 × 11 × 17 × 38	,,	1882	
26 द्वार गर्भित	,,	17	25 × 11 × 4 × 41	संपूर्ण 91 गा. ग्रंथाग्र 595 (मूल 165 ट. 430)	1692, वसुमतिनगर, वीरमजी	
तात्विक भक्ति रूप में	,,	2	27 × 11 × 15 × 42	संपूर्ण 23 गाथा	1765	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
419	के.नाथ 11/114	चौवीस दण्डक स्तवन	Cauvisa Daṇḍaka Stavana	धर्मसी वाचक विजय-हर्ष शिष्य	पद्य
420	महावीर 2/72	,, ,,	,,	धर्मसिंह	,,
421	के.नाथ 15/125	,, ,,	,,	,,	,,
422-3	कोलड़ी गुटका 2/7,7/7	,, ,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
424	ओसियां 2/194	,, ,,	,,	ज्ञानसार (रत्नराज का शिष्य	,,
425	कोलड़ी गुटका 2/6	,, ,,	,,	,, ,,	,,
426	मुनिसुव्रत 3इ311	,, ,,	,,	मुनिखेम	,,
427	महावीर 3इ30	,, ,,	,,	जयदेवसूरि का शिष्य तापगच्छ	,,
428	कुंथुनाथ 19/10	,, ,,	,,	—	मू.ट. (प.ग.)
429	के.नाथ 18/74	छः महाव्रत सज्भाय व अतिचार विचार	Chaḥ Mahāvrata Sajjhāya Aticāra & Vicāra	कांतिविजय	प.ग.
430	कुंथुनाथ 5/108	जंबूस्वामी पृच्छारास	Jambūsvāmī Pṛchā Rāsa	वीरमुनि	प.
431	के नाथ 26/47	जिनबारष (गाफिलगीत)	Jinabāraṣa (Gāfilagīna)	विनयचंद	,,
432	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 12	जिनवरदर्शन-स्तव	Jinavara-darśana Stava	पद्मनंदि	पद्य
433	के नाथ 1/15	जीवाजीव-विचार+वृति	Jīvājiva Vicāra	शांतिसूरि/मेघनंदन	मू वृ. (प.ग.)
434	,, 6/105	,,	,,	शांतिसूरि	मू.प.
435	,, 14/10	,,	,,	,,	,,
436	मुनिसुव्रत 2/330	,,	,,	,,	,,
437	ओसियां 2/209	,,	,,	,,	मू ट.
438	के.नाथ 6/38	,,	,,	,,	मू.प.
439	सेवामंदिर 2/357	,,	,,	,,	मू.ट.
440	मुनिसुव्रत 2/336	,,	,,	,,	मू.प.
441	कोलड़ी 66	,, -वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /ईश्वराचार्य	मू.वृ. (प.ग.)
442-3	,, 68,69	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	मू.प.
444	ओसियां 2/207	,, —	,, —	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक भक्ति रूप में	मा.	1	26 × 11 × 17 × 58	संपूर्ण 34 गाथा	1792	
,,	,,	4	24 × 11 × 9 × 32	,, 34 ,,	1880,मुंबई, अमरसिंदूर	
,,	,,	3	23 × 13 × 11 × 37	,, 34 ,,	1897	
,,	,,	गुटका	15 × 12व22 × 16	,, 34 ,,	1903	
,,	,,	7	24 × 10 × 11 × 32	,, 2 गीत (26+ 33 गाथा	19वीं	
,,	,,	गुटका	15 × 12 × 11 × 20	,, 27 गाथा	1903	
,,	,,	3	22 × 7 × 9 × 38	,,	19वीं	
,,	सं.	3	27 × 13 × 12 × 50	,, 91 श्लोक	1961	
,,	अ.मा.	7	26 × 12 × 4 × 42	अपूर्ण 37 गाथा तक	19वीं	
आचार व दण्ड-विधान	मा.	4	26 × 13 × 15 × 32	संपूर्ण 6 सज्झायें+गद्य	1909	
तात्विक	,,	गुटका	16 × 23 × 11 × 20	,, 13 ढालें	1797	1728 की कृति
औपदेशिक	,,	2	25 × 12 × 17 × 48	,, 43 गाथा	19वीं	
दार्शनिक	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 33 स्तव	1544	
जैन तात्विक	प्रा.सं.	12	27 × 12 × 21 × 64	,, 51 गाथा की	1613	
,,	प्रा.	3	25 × 11 × 11 × 38	,, 51 गाथा	1666	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × 42	,, ,,	17वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 41	,, ,,	1752 × नरेन्द्र	
,,	प्रा.मा.	8	26 × 11 × 4 × 32	,, ,,	1758	
,,	प्रा.	5	25 × 11 × 9 × 28	,, ,,	1764	
,,	प्रा.मा.	5	25 × 11 × 6 × 36	,, 52 गाथा	18वीं	
,,	प्रा.	2	26 × 11 × 13 × 45	,, 51 गाथा	18वीं अकबराबाद	
,,	प्रा.सं.	4	28 × 11 × 6 × 50	,, 52 गाथा की	1800	
,,	प्रा.	4,53*	27 × 11 × 10 × 30	,, 51 गाथा	19वीं	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 42	,, 58 ,,	1870.विक्रमपुर, जिनसुंदर	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
445-8	के.नाथ 14/124 21/20,23/27, 24/67	जीवाजीव-विचार 4 प्रतियां	JivāJiva Vicāra 4 copies	शांतिसूरि	मू प.
449-51	कुंथुनाथ 37/15, 15/18,15/20	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
452	ओसियां 2/210	,, —	,, —	,,	मू.ट. (प.ग.)
453-5	कोलड़ी 71,72, 820	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
456-7	सेवामंदिर 2/354, 356	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
458	महावीर 2/106	,, —	,, —	,,	,,
459-62	के नाथ 13/9, 23/28-69, 26/22	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
463	ओसियां 2/208	,, +बा.	,, +Bālā.	,, /अज्ञात	मू.बा. (प.ग.)
464	के.नाथ 18/30	,, +बा.	,, +Bālā.	,, / ,,	,,
465	कुंथुनाथ 18/11	जीवविचार	Jiva Vicāra	—	ग.
466	के.नाथ 9/17	,, का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha	—	,,
467	महावीर 2/94	,, बोल	,, Bola	—	ग.तालिका
468	ओसियां 2/314	,, सूचा यंत्र	,, Sucā Yantra	सुमतिवर्द्धन	,,
469	के.नाथ 21/103	,, ,,	,, ,,	,,	,,
470	कोलड़ी गुटका 2/6	,, -स्तवन	,, Stavana	ज्ञानसार	प.
471	मुनिसुव्रत 2/318	,, ,,	,, ,,	वृद्धिविजय	,,
472	कोलड़ी 882	जीवस्वरूपबोल	Jiva Svarūpa Bola	महेश्वरसूरि	,,
473	के नाथ 19/95	जोगीरास	Jogi Rāsa	अज्ञात	,,
474	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 7	ढाढसी गाथा	Ḍhāḍhasi Gāthā	ढाढसीमुनि	,,
475	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 37	तत्वसार	Tattvasāra	देवसेन	,,
476	कोलड़ी 836	तत्वार्थ सूत्र+वृत्ति (रत्नप्रभा)	Tattvārtha Sūtra+Vṛtti	उमास्वाति/प्रभाचंद्र (धर्मचंद्र शिष्य)	मू वृ. (ग.)
477	देवेन्द्र 2/360	,,	,,	उमास्वाति	मू.ट. (ग.)
478	के.नाथ 5/85	,,	,,	,,	मू.कंडिका+ व्याख्या

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्विक	प्रा.	3,4,3,3	25 से 26 × 11 से 12	संपूर्ण 50/51 गाथा	19वीं	
,,	,,	5,4,5	22 से 25 × 10 से 12	,, 51 गाथा	19वीं20वीं	
,,	प्रा.मा.	9	24 × 10 × 4 × 32	,, 51 ,,	1873 विक्रमपुर	
,,	,,	5,5,5	25/29 × 11व26 × 13	,, 51/53 गाथा	19वीं	
,,	,,	8,8	26 × 13व11 × भिन्न	, 52/51 ,,	19वीं	
,,	,,	9	28 × 13 × 4 × 28	,, 51 गाथा	19वीं	
,,	,,	9,5,2,4	26से28 × 11से13	,, 50/51गाथा	19वीं	
,,	,,	11	26 × 12 × 14 × 32	,, 52 गाथा का	1899 विक्रमपुर, आनंदसुंदर	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण 24 गाथा तक	20वीं	
,,	सं.	13	25 × 11 × 10 × 30	संपूर्ण	19वीं	
,,	मा.	17	27 × 11 × 13 × 60	,, ग्रं. 750	19वीं	
,, बोल	,,	19	16 × 9 × —	,,	1874,श्रीकृष्णगढ़, हीरनंद मथेन	भिन्न 2 द्वारों से
,, ,,	,,	10	25 × 13 × —	,, (पहिला पन्ना कम)	1877 × केशरीचद	,,
,, ,,	,,	12	26 × 12 × 10 × 33	,,	19वीं	,,
,, भक्तिमय	,,	गुटका	15 × 15 × 11 × 20	,, 29 पद	1903	
,, ,,	,,	7	21 × 12 × 13 × 25	,, 9 ढालें	1902	
तात्विक विवेचन	प्रा.	2*	21 × 11 × 18 × 58	,, 85 गाथा	1573 (?)	,,
योग विषयक	मा.	10*	26 × 12 × 15 × 42	,, 42 ,,	19वीं	
औपदेशिक ?	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 39 ,,	1544	
तात्विक	,	,,	22 × 20 × 21 × 38	,, 75 ,,	1544	
,,	सं.	94	25 × 11 × 9/13 × 40	,, 10 अध्ययन	1770 उदयपुर पितांबर	संग्रामसिंह राज्ये श्रीचंद द्वारा
,,	सं.मा.	19	26 × 12 × 5 × 39	,, ,,	1774, हुगली	
,,	सं.	32	26 × 11 × 4 × 33	,, ,,	1888	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
479-80	के.नाथ 13/8, 21/94	तत्वार्थत्रसू 2 प्रतियां	Tattvārtha Sūtra 2 copies	उमास्वाति	मूल
481	,, 9/18	,, +वृत्ति	,, ,, +Vṛtti	,, /—	मू.वृ.
482	ओसियां 2/241	,, + ,,	,, ,, +Vṛtti	,, /सिद्धसेन	,,
483	,, 2/416	तपकुलक	Tapa-kulaka	—	मू प.
484	,, 2/161	तेरहकाठिया	Teraha kāṭhiyā	रामचंद	ग.
485	महावीर 2/383	तेवींसपदवी-यंत्र	Tevīsapadavī Yantra	—	ग.तालिका
486	,, 2/384	,, -वर्णन	,, Varṇana	—	गद्य
487	के.नाथ 5/8	,, -विचार	,, Vicāra	—	,,
488	कुंथुनाथ 10/149	,, -सज्झाय	,, Sajjhāya	केशव	पद्य
499	,, 10/192	दया-स्वाध्याय	Dayā Svādhyāya	लावण्यसमय	,,
490	के नाथ 5/11	दर्प्पदलन	Darppadalana	सदासायर क्षेमेन्द्र कृति	प.
491	कुँथुनाथ 29/4	दर्शनमार्ग+वृत्ति	Darśana Mārga+Vṛtti	कुंदकुंदचार्य/—	मू.वृ.
492	के नाथ 11/68	दर्श (सम्यक्त्व) शुद्धि	Darśana Śuddhi	चन्द्रप्रभ	मू.प.
493	महावीर 2/26	,, ,,+वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /विमलगणि देवभद्र	मू.वृ. (प.ग.)
494	के नाथ 13/14	,, ,,+ ,,	,, +Vṛtti	,, / ,,	,, ,,
495	महावीर 2/390	,, ,,+ ,,	,, +Vṛtti	,, / ,,	,, ,,
496	के.नाथ 22/46	दर्शन (सम्यक्त्व) सत्तरी	Darśana Sattarī	हरिभद्र	मू.प.
497	,, 15/76	,, ,,	,,	,,	,,
498	कुंथुनाथ 9/15	दर्शनसत्तरी+वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /संघतिलक	मू.वृ. (प.ग.)
499	के.नाथ 8/7	,, +बा.	,, +Bā'ā.	— /रत्नचंद्र(शांतिचंद्र तपागच्छका शिष्य	मू.बा. (,,)
500	कुंथुनाथ 2/34	दश-श्रावक व बंध-वर्णन	Daśa Śrāvaka+Bandha Varṇana	—	ग.
501	ओसियां 2/413	दस-पांत्रिस	Dasa Pāntrisa	—	,,
502	महावीर 2/13	दानप्रदीप	Dānapradīpa	चरित्ररत्न (सोमसुन्दर का शिष्य	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	सं.	21,6	26×12×4/13×41	संपूर्ण 10 अध्ययन	19वीं	दूसरी प्रति में उमास्वाति पट्टावली
,,	,,	396	24×12×15×30	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	471	27×13×14×50	त्रुटक	1969	बीच में कई पन्नें कम हैं
औपदेशिक	प्रा.	13*	26×13×16×30	संपूर्ण	1953	
अध्यात्म शत्रुवर्णन	मा.	2	25×12×11×35	,,	1910	
चक्रवर्ती रत्न व महापदवी	,,	2	27×13×—	,, दो नकलें	20वीं	
,,	,,	3	27×12×14×43	,,	20वीं	
,,	,,	16	25×12×12×33	,,	1872	
,,	,,	1	25×11×14×42	,, 21 गाथा	19वीं	
औपदेशिक	,,	1	26×11×10×40	,, 14 ,,	19वीं	
,,	सं.	8	16×11×22×63	,, 7 विचार ग्रं. 65	18वीं	
दार्शनिक	प्रा.सं.	34	27×11×17×38	5 समय पूरे छठा अधूरा 74 तक	16वीं	
,,	प्रा.	6	27×11×15×65	संपूर्ण 4 तत्व (265 गाथा)	16वीं	
,,	प्रा सं.	70	26×12×16×61	1 2 3 4 संपूर्ण(देव,मार्ग,साधु,जीव) ग्रं. 4250	18वीं	
,,	,,	63	27×13×19×54	,, (,,) ग्रं.4000	1907	
,,	,,	103	27×12×14×41	,, (,,) ग्रं.3800	1958	विगतवार प्रशस्ति है
,,	प्रा.	4	26×12×11×37	संपूर्ण 70 गाथाएं	16वीं	
,,	,,	4	26×11×11×47	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.सं.	56	27×5×13×48	,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	66	26×12×14×37	अपूर्ण 29 गाथा तक	19वीं	कथासह प्रशस्ति में रत्नचंद के 10 अन्य ग्रन्थ नाम
सैद्धान्तिक ऐतिहासिक	मा.	2	25×11×35×24	संपूर्ण	18वीं	चेटक की 7 पुत्रियों का वर्णन भी
10–10 के 35 बोल तात्विक	,,	6	22×12×14×24	प्रतिपूर्ण	1970,फलोदी, गणेशलाल	
औपदेशिक	सं.	268	27×12×12×37	संपूर्ण 12 प्रकाश ग्रं.6675	1958 जोधपुर छैलाराम	विगतवार प्रशस्ति

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
503	महावीर 2/4	दानप्रदीप	Dānapradīpa	चरित्ररत्न(सोमसुन्दर का शिष्य)	प.
504	के.नाथ 26/103 गुटका	दानमाहात्म्य	Dāna Māhātmya	—	,,
505	ओसियां 2/152	दानविधि	Dānavidhi	—	,,
506	के.नाथ 15/130	दानशील गीत	Dānaśīla Gīta	गुणविनय	,,
507	ओसियां 2/234	दानशील-तप-भाव कुलक	Dānaśīla Tapa Bhāva Kulaka	अशोकमुनि	मू.ट. (प.ग
508	,, 2/226	,, ,,	,, ,,	,,	,, ,,
509	कुंथुनाथ 37/1	,, ,,	,, ,,	,,	,, ,,
510	महावीर 2/124	दानशील-तप-भाव कुल+वृत्ति	Dānaśīla Tapa Bhāva Kula+Vṛtti	देवेन्द्र/देवविजय	मू.वृ. (प.ग
511	,, 2/123-25	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,, ,,
512	ओसियां 2/211	दानशील-तप-भावकुल	Dānaśīla Tapa Bhāva Kula	देवेन्द्र	मू.ट. (प.ग.
513	कोलड़ी 826	,, ,,	,, ,,	,,	मू.प.
514	ओसियां 2/137	,, ,,	,, ,,	,,	मू.ट. (प.ग
515	मुनिसुव्रत 3ई 244	दानशील-तप-भावनाकुलक	Dānaśīla Tapa Bhāvanā Kulaka	आनंदसार (बुधकीर्त्ति का शिष्य)	प.
516	,, 3ई 304	,, संवाद	Dānaśīla Tapa Bhāvanā Saṁvāda	समयसुन्दर	,,
517	के.नाथ 14/61	,, ,,	,, ,,	,,	,,
518	,, 19/60	,, ,,	,, ,,	,,	,,
519	,, 5/94	,, ,,	,, ,,	,,	,,
520	मुनिसुव्रत 2/270	,, ,,	,, ,,	,,	,,
521-3	के.नाथ 15/42, 18/18,24/72	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	,,	,,
524	सेवामदिर 3 ई 344	,, ,,	,, ,,	,,	,,
525	कुंथुनाथ 4/104	,, ,,	,, ,,	,,	,,
526	ओसियां 3ई 211	,, ,,	,, ,,	,,	,,
527	मुनिसुव्रत 3ई 308	,, ,,	,, ,,	,,	,,
528	के.नाथ 18/78	दिशाणवाईना बोल	Diśāṇavāīnā Bola	—	ग.

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	स.	206	27 × 12 × 14 × 41	संपूर्ण 12 प्रकाश	1962 नागौर	
,, उद्धरण	प्रा.सं.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 18 गाथा/श्लोक	18वीं	
औपदेशिक	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 25 गाथा	16वीं	
,,	मा.	3	26 × 10 × 12 × 42	,, 50 गाथा लगभग	19वीं	
,,	प्रा.मा	4	26 × 11 × 7 × 47	,, 49 गाथा	17वीं	
,,	,,	4	26 × 12 × 7 × 47	,, ,,	18वीं	
,,	,,	5	25 × 12 × 4 × 30	,, 50 गाथा	1813	(अपर नाम पंचाशिका भी)
,,	प्रा.सं.	241	26 × 11 × 13 × 31	,, 40 गा.(20/20) कथासह	17वीं	द्वितीय व तृतीय वक्षकार की
,,	,,	90+47	26 × 11 × 15 × 39	, 40 गाथा की ,,	19वीं × हर्षचंद	प्रथम व चतुर्थ वक्षकारकी/प्रशस्ति है
,,	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 7 × 52	,, 81 ,, (20 × 4 + 1)	18वीं	
,,	प्रा.	2	31 × 11 × 15 × 52	,, ,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	3	43 × 11 × 9 × 76	,, ,, ,,	1927 बीकनेर देवगुप्त	
,,	मा.	6	26 × 11 × 15 × 50	,, 4 कुलक(22 + 4)	19वीं × रत्नहर्ष	
,,	,,	6	24 × 11 × 15 × 50	,, 135 ग्रंथाग्र	1668	
,,	,,	7	24 × 11 × 11 × 32	,,	1671	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 42	,, 107 गाथा	1712	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 38	,, 135 ग्रंथाग्र	1834	
,,	,,	4	23 × 11 × 13 × 40	,,	1843	
,,	,,	9,3,4	20 से 25 × 10 से 12	,, 4 ढालें	19वीं	
,,	,,	7	14 × 11 × 13 × 26	,, ,,	1854 × गणेश कीर्ति	
,,	,,	4	25 × 12 × 14 × 45	,,	19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 39	,, 104 गाथा	19वीं	
,,	,,	3	24 × 11 × 11 × 45	,, 135 ग्रंथाग्र	20वीं	
दिशानुसार जीव दंडकअल्प बहुत्व	,,	2	26 × 12 × 17 × 35	,,	19वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
529	कोलड़ी 885	देव गुरु धर्म	Deva Guru Dharma	—	ग.
530	के नाथ गुटका 6	दोहा बहोत्तरी	Dohā Bahottarī	जिनरंग	प.
531	महावीर 2/39	द्रव्य सप्ततिका (सत्तरी)+ वृत्ति	Dravya Saptatikā (Sattarī)+Vṛtti	लावण्यविजय स्वोपज्ञ	मू वृ
532	के.नाथ 16/8	द्रव्य संग्रह वृत्तिसह	Dravya Saṅgraha With Vṛtti	नेमिचंद्रसूरि/–	,, (प.ग.)
533	कोलड़ी 1229	,, +बा.	,, +Bālā.	,,	मू.बा. (प.ग
534	महावीर 2/49	,,	,,	,,	मू.ट (प.ग.
535	ओसियां 2/222	,,	,,	,,	,,
536	के.नाथ 3/30	,, +बाला.	,, +Bā ā	नेमिचंद्र/रामचंद्र	मू.बा.
537	कोलड़ी 833	,, ,,	,, ,,	,, —	,,
538	,, 832	,, +भाषान्तर	,, +Bhāṣāntara	नेमिचंदसूरि	मू अ.
539	,, 1095	(लघु) द्रव्य-संग्रह	(Laghu) Dravya-saṅgraha	,	मू ट. (प.ग.)
540	कुंथुनाथ 36/1क्रम 4	द्वात्रिंशभावना	Dvātriṁśa Bhāvanā	—	पद्य
541	ओसियां 2/227	धर्म ध्यान बोल+बा.	Dharma-dhyāna-bola +Bālā.	(आगमोक्त)	मू बा.
542	के.नाथ 23/58	धर्म ध्यान बोल	,, ,,	—	ग.
543	कोलड़ी 977	धर्म-परीक्षा	Dharma Parīkṣā	अमितगति	प.
544	महावीर 2/15	,,	,,	जिनमंडन (सोमसुंदर का शिष्य)	,,
545	कोलड़ी 967	धर्मफल+बाला.	Dharma-phala+Bā ā	—	मू.बा.
546	ओसियां 4 अ 88	धर्म-बावनी	Dharma Bāvanī	धर्मसी मुनि	प.
547	के नाथ 29/51	,,	,,	,,	,,
548	,, 3/7	धर्मरत्न करंडक	Dharma Ratna Karaṇdaka	वर्द्धमानसूरि	मू वृ. (प.ग.)
549	महावीर 2/114	,, ,,	,, ,,	,,	,,
550	,, 2/115	धर्मरत्न-प्रकरण	,, Prakaraṇa	शांतिसूरि	,,
551	,, 2/6	,,	,, ,,	शांतिसूरि/देवेन्द्रसूरि	,,
552	कुंथुनाथ 23/4	धर्मरत्न-प्रकरण की वृत्ति	,, Kī Vṛtti	—	ग.
253	के.नाथ 15/237	धर्मामृते उक्तः सागार धर्म टीका	Dharmāmṛte Uktaḥ Sāgāra Dharma Tīka	पं. आशाधर	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
3 तत्वों का विवेचन	मा.	3	23 × 12 × 15 × 48	अपूर्ण	20वीं	
तात्विक औपदेशिक	,,	4	22 × 15 × 14 × 26	संपूर्ण 67 दोहे	1738	
जैन तात्विक	प्रा.सं.	23	27 × 13 × 16 × 49	,, 71 गाथाएं	1954	विद्याविजय द्वारा संशोधित
,,	,,	61	25 × 13 × 13 × 54	,, ग्रं. 2700	1672	
,,	प्रा.मा.	16	26 × 11 × 10 × 42	,, 62 गाथा का	1726	
,,	,,	7	26 × 11 × 5 × 35	,, 61 गाथा का तीन अधिकार	18वीं	
,,	,,	9	26 × 11 × 4 × 41	,, 59 ,, ,,	18वीं × क्षेममूर्ति	
,,	,,	34	23 × 10 × 13 × 43	,, 3 अधिकार	1877	
,,	,,	15	28 × 10 × 13 × 32	,, ,,	19वीं जैसलमेर उम्मेदविजै	
,,	प्रा.स.	7	31 × 11 × 5 × 36	,, 59 गाथा	19वीं	
,,	प्रा मा.	12*	26 × 11 × 6 × 44	,, 25 ,,	19वीं	
औपदेशिक	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 33 श्लोक	1544	
जैन ध्यान योग	प्रा.मा.	5	26 × 12 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण	18वीं	
,,	मा.	6	27 × 12 × 13 × 38	संपूर्ण	19वीं	
जैन सैद्धांतिक	सं.	40	30 × 13 × 15 × 56	,, 20 परिच्छेद	16वीं	
औपदेशिक कथासह	प्रा.सं.	63	25 × 12 × 12 × 36	,, 8 ,,	1899उदयपुर उदयचद	
सामान्य श्लोक	सं मा	3	26 × 11 × 13 × 44	प्रतिपूर्ण	20वीं	
औपदेशिक पद	मा.	30*	15 × 10 × 12 × 20	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	3	25 × 10 × 20 × 50	अपूर्ण 11 से 57 (अंत) तक	19वीं	
औपदेशिक	सं.	158	26 × 11 × 17 × 52	,, ग्र 8700	18वीं	
,,	,,	237	27 × 13 × 15 × 44	संपूर्ण ग्रंथाग्र 10000 लगभग	19वीं	मूल ग्रंथाग्र 335 की स्वोपज्ञ ? लघु वृत्ति है।
,, कथासह	प्रा.सं.	34	26 × 12 × 15 × 51	अपूर्ण(17वें ग्र.तक)78 गाथा 68काव्य कथा तक	1643 × ज्ञानसुंदर	
,, ,,	प्रा.सं.	183	28 × 13 × 15 × 60	संपूर्ण 145 गाथा की, ग्रं. 9682	1954,नागौर देवकृष्ण	बृहत् वृति है।प्रशस्ति हेमकलश वाचक द्वारा सशोधित
,, ,,	सं.	8	27 × 11 × 17 × 75	त्रुटक स्फुट पन्ने (12 व्रतवाले)	17वीं	
श्रावकाचार	,,	189	27 × 12 × 11 × 31	अपूर्ण चौथे अध्याय से	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
554	ओसियां 2/133	धर्मोपदेश-बिन्दु	Dharmopadeśa Bindu	संकलन	पद्य
555	महावीर 2/30	ध्यानपत्र	Dhyānapatra	—	गद्य
556	मुनिसुव्रत 2/275	ध्यान बत्तीसी	Dhyāna Battīsī	बनारसीदास	पद्य
557	कोलड़ी गु. 10/5	,,	,,	,,	,,
558	कुंथुनाथ 36/2	ध्यानसार	Dhyāna Sāra	यशकीर्ति	प.
559	महावीर 2/389	ध्यानस्वरूप	Dhyāna Svarūpa	भावविजय (विमलका शिष्य)	,,
560	के.नाथ 29/14	ध्यानावली	Dhyānāvaī	—	,,
561	,, 20/31	नमि विदेह सज्झाय	Nami Videha Sajjhāya	आसकर्ण	,,
562	,, 26/89गु.	,, ,,	,,	,,	,,
563	मुनिसुव्रत 3 इ323	नरक-चउढालिया	Naraka Caudhāliyā	गुणसागर	,,
564	महावीर 2/33	नरक चित्र व दोहे	Narka Citra va dohe	—	,,
565	के. नाथ 15/228	·रकविचार	Naraka vicāra	—	ग.
566	ओसियां 2/206	नवतत्व बाला.	Navatattva +Bālā.	—/जयशेखर	मू.बा.
567	के. नाथ 21/93	,,+ ,,	,, ,,	हर्षवर्द्धनगणि	,,
568	कुंथनाथ 3/60	नवतत्व	,,	—	मू.प.
569	सेवामदिर 2/340	,,	,,	—	मू ट. (प.ग.)
570	,, 2/337	,,	,,	—	,,
571	,, 2/338	,, +वृति+बाला.	,, +Vṛtti+Bālā.	—	मू वृ.बा
572	के नाथ 1/1	,, +बालावबोध	,, +Bālāvabodha	—	मू बा.
5 3	,, 15/30	नवतत्व	,,	—	मू प.
574	महावीर 2/76	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—	मू.वृ. (प.ग.)
575	ओसियां 2/203	,, + ,,	" +"	—/रत्नसूरि	,,
576	मुनिसुव्रत 2/258	नवतत्व	,,	—	मू ट. (प.ग.)
577	के. नाथ 15/86	,,	,,	—	मू. (पद्य)
578	मुनिसुव्रत 2/253	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—/देवेन्द्रसूरि	मू.वृ. (प.ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
धार्मिक सुभाषित संग्रह	सं.मा.	55	27 × 14 × 11 × 34	अपूर्ण	20वीं	जीर्ण
जैन ध्यान योग	मा.	12	28 × 14 × 7 × 17	संपूर्ण	1924 × विनयचंद्र	
,,	हिन्दी	2	25 × 11 × 12 × 31	,, 34 छंद	17वीं	
,,	,,	गुटका	19 × 13 × 13 × 23	,,	1884	
,,	सं	,,	25 × 20 × 15 × 28	संपूर्ण 162 श्लोक	1794	
,,	मा.	13	26 × 12 × 10 × 38	सं. 163 गा. (10 ढालें) ग्रं. 265	1912 × रविसागर	1696 की कृति
,,	,,	1	26 × 13 × 11 × 36	अंतिम पत्रा मात्र(गा.64 से 72)	20वीं	
तात्विक दार्शनिक चर्चा	,,	4	25 × 12 × 15 × 39	संपूर्ण 7 ढालें	19वीं	
,,	,,	16*	22 × 16 × 17 × 25	,, ,,	19वीं	
औपदेशिक	,,	1	26 × 11 × 14 × 44	,, 4 ,,	19वीं	
,,	,,	21	26 × 12 × 5 × 30	,, 80 दोहे	19वीं	21 चित्र हैं।
तात्विक धार्मिक	,,	3	25 × 10 × 14 × 37	संपूर्ण	19वीं	
तात्विक	प्रा मा.	63	25 × 11 × 16 × 47	,, 30 गाथा	1469 ?	
,,	,,	29	25 × 11 × 17 × 55	,, 27 ,,	1480	
,,	प्रा.	4	27 × 11 × 48 × 30	, 46 ,,	16वीं	
,,	प्रा.मा.	5	25 × 11 × 18 × 47	,, 43 ,,	16वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 6 × 38	,, 46 ,,	16वीं	
,,	प्रा.स.मा	14	26 × 11 × 15 × 40	,, 31 ,,	1641	
,,	प्रा.मा.	23	28 × 12 × 11 × 40	,, 29 ,,	1648	
,,	प्रा.	2	25 × 10 × 13 × 48	,, 54 ,,	1692	
,,	प्रा स.	10	26 × 11 × 16 × 52	संपूर्ण 31 गा. ग्रंथाग्र 600	1699 × ज्ञानविजय	
,,	,,	6	26 × 11 × 23 × 52	संपूर्ण 26 गाथा	1706	
,,	प्रा.मा	7	26 × 11 × 4 × 33	,, 41 गाथा	1710 जोधपुर रत्नसुन्दर	
,,	प्रा.	2	25 × 11 × 11 × 41	,, 47 ,,	1713	
,,	प्रा.स.	8	26 × 11 × 17 × 44	,, 27गा./ग्रंथा 477	1721 पीपाड़, भोजराज	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
579	के.नाथ 14/105	नवतत्व	Navatattva	—	मू. (प.)
580	कुंथुनाथ 15/9	,,	,,	—	,,
581	के.नाथ 11/16	,,	,,	/जयशेखर	मू.ट. (प.ग.)
582	,, 11/58	,,	,,	—	,,
583	मुनिसुव्रत 2/259	,,	,,	—	मू. (प)
584	सेवामंदिर 2/339	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—	मू.वृ. (प.ग.)
585	ग्रोसियां 2/199	,, + ,,	,, + ,,	/रत्नसूरि	,,
586	सेवामंदिर 2/373	नवतत्व	,,	—	मू ट. (प.ग.)
587	कोलड़ी 67	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—	मू.वृ. (प.ग.)
588	सेवामंदिर 2/423	नवतत्व	,,	—	मू ट. (प.ग.)
589	कोलडी 77	,, +बाला.	,, +Bālā.	—	मू बा. (प.ग
590	के नाथ 20/18	नवतत्व	,,	—	मू.ट. (प.ग.)
591	ग्रोसियां 2/202	,,	,,	—	,,
592	कोलड़ी 79	,,	,,	—	,,
593-7	के.नाथ 6/87,14/40,15/34,15/235,14/54	नवतत्व 5 प्रतियां	,, 5 copies	—	मू. (प)
598-600	ग्रोसियां 2/200 196-97	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
601-3	कोलड़ी 75, 76, 915	,, 3 ,,	,, 3 copies	—	,,
604	महावीर 2/107	,,	,,	—	,,
605	कुन्थुनाथ 15/19	,,	,,	—	,,
606	देवेन्द्र 2/344	नवतत्व	Navatattva	—	,,
607	,, 2/341	,,	,,	—	मू ट. (प.ग.)
608-10	कोलड़ी 821, 1118,11849	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
611-12	के.नाथ 21/35, 10/89	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्विक	प्रा.	3	23 × 12 × 11 × 37	संपूर्ण 44 गाथा	1748	
,,	,,	2	26 × 10 × 14 × 40	, 52 ,,	1753	
,,	प्रा.मा.	13	25 × 11 × 3 × 37	,, 49 ,	1756	
,,	,,	6	25 × 11 × 5 × 34	,, 47 ,,	1760	
,,	प्रा.	5	24 × 11 × 12 × 33	,, 48 ,,	1785	
,,	प्रा सं.	11	25 × 12 × 17 × 50	,, 32 ,,	18वीं	
,,	,,	8	26 × 12 × 17 × 43	,, 28 ,,	18वीं	
,,	प्रा.मा.	11	26 × 12 × 5 × 26	,, 55 ,,	18वीं	
,,	प्रा सं	5	29 × 11 × 5 × 50	,, 27 ,,	1800	
,,	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 6 × 36	,, लगभग	1811	
,,	,,	10	25 × 12 × 4 × 40	,, 50 गाथा	1817	
,,	,,	10	24 × 12 × 13 × 36	,, 55 ,,	1819	
,,		12	25 × 10 × 3 × 30	,, 48 ,,	1823,रावना नगर,विनयसुंदर	
,,	,,	11	25 × 11 × 3 × 34	; 48 ,,	1832	
,,	प्रा.	2 3,2 3,4	21से27 × 10से13	प्रथम चार पूर्ण, अंतिम अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	2,10,9	22से26 × 11से12	संपूर्ण 48,48,50 गाथा	19वीं	
,,	,,	3,7,3	25 × 10से11 × भिन्न2	,, 53,52,48, ,,	19/20वीं	
,,	,	6	23 × 12 × 9 × 19	,, 50 गाथा	1901	
,,	,,	5	24 × 10 × 8 × 34	,, ,,	1955	
जैन तात्विक	,,	3	25 × 12 × 12 × 40	,, 51 ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	3	25 × 11 × 3 × 32	,, 57 ,,	1856 × हंस-कुशलगणि	अंतिम पन्ना कम
,,	,,	10,5,6	21से25 × 11 × भिन्न2	,, 49,49,41 गाथा	19वीं	
,,	,,	7,19	26 × 11 व 27 × 12	,, 49,78 गाथा	19वीं	दूसरी प्रति का अंतिम पन्ना कम

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
613-14	ग्रोसियां 2/201, 198	नवतत्त्व 2 प्रतियें	Navatattva 2 copise	—	मू.ट. (प.ग.)
615	महावीर 2/108	,,	,,	मणिरत्नसूरि ?	,,
616	के.नाथ 23/10	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—	मू वृ. (प.ग.)
617	,, 11/25	,, +,,	,, + ,,		,,
618	,, 11/21	,, +,,	,, + ,,		,,
619	,, 5/43	,, +,,	,, + ,,		,,
620	कुंथुनाथ 32/3	,, +,,	,, + ,,		,,
621	के.नाथ 20/17	,, +बाला.	,, +Bālā.		मू ब. (प.ग.)
622	कोलड़ी 78	,, +,,	,, + ,,		,,
623	कुंथुनाथ 2/18	,, +,,	,, + ,,		,,
624	ग्रोसियां 2/204	नवतत्त्व की वृत्ति	,, +Vṛtti	ग्रज्ञात	ग.
625	के नाथ 18/92	,, ,,	,,	—	,,
626	कोलड़ी 73	नवतत्त्व का बालावबोध	Navatattva Bālāvabodha	पदमचंद	,,
627	महावीर 2/71	,, ,,	,, ,,	सौभाग्यचंद	,,
628	सेवामंदिर 2/343	,, ,,	,, ,,	—	,,
629	कोलड़ी 1110	,, ,,	,, ,,	—	,,
630	के नाथ 13/13	,, ,,	,, ,,	—	,,
631-32	कोलड़ी 80-81	नवतत्त्व का टब्बा 2 प्रतियां	Navatattva kā Tabbā 2 copies	—	,,
633	के.नाथ 5/133	नवतत्त्व के बोल	Navatattva ke Bola	—	,,
634	कोलड़ी 1131	,, ,,	,,	—	,,
635	महावीर 2/98	,, ,,	,,	—	ग. तालिका
636-37	कोलड़ी गु 10/4, 2/6	नवतत्त्व स्तवन 2 प्रतियां	Navatattva Stavana 2 copies	ज्ञानसार (रत्नराज का शिष्य	प.
638	ग्रोसियां 2/300	,, ,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्त्विक	प्रा.मा.	9,4	25 × 11/12 × भिन्न2	पहिली पूर्ण 48 द्वितीय अपूर्ण 42	19वीं(विक्रमपुर आनंदसुंदर)	
,,	,,	10	27 × 12 × 4 × 32	संपूर्ण 53 गाथा	1902खेरनगर	अंतिम गाथा भी मणिरत्न ने बनाई है
,,	प्रा.सं.	20	27 × 12 × 14 × 39	,,	1877	
,,	,,	7	25 × 12 × 4 × 35	,, 44गा. ग्रंथाग्र 959	1855	
,,	,,	6	25 × 11 × 17 × 52	,, 22 गा. ,, 386	19वीं	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	25	26 × 12 × 11 × 33	,, 40 गाथा	19वीं	
,,	,,	15	26 × 12 × 13 × 50	,, 31 ,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	33	26 × 12 × 16 × 44	,, 95 ,,	1862	
,,	,,	10	25 × 10 × 4 × 25	,, 50 ,,	19वीं	
,,	,,	4	27 × 12 × 17 × 48	,, 44 ,,	19वीं	
,,	सं.	13	26 × 12 × 14 × 54	,, 45 ,,	19वीं	
,,	,,	4	23 × 20 × 21 × 38	अपूर्ण	19वीं	
,,	मा	65	26 × 13 × 17 × 55	संपूर्ण	1881	
,,	,,	62	29 × 12 × 12 × 58	,, 2900+250ग्रंथाग्र	1961जयनेर, देवकृष्ण	
,,	,,	26	21 × 12 × 12 × 29	,,	1937नागपुर	
,,	,,	2	25 × 10 × 21 × 80	त्रुटक	19वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 47	संपूर्ण 44, गाथा	20वीं	
,,	,,	6,8	20 × 13व18 × 10	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	14	26 × 11 × 15 × 40	,,	1850	भिन्न2 तेरह द्वार से
,,	,,	6	25 × 11 × 16 × 36	अपूर्ण	19वीं	उत्तर प्रकृति 276 भेद से
,,	,	13	21 × 11 × —	संपूर्ण	20वीं	
,,	,,	गुटका	15 × 12 × 9/11 × 14/20	,, 33 गाथा	19वीं,1907	
,,	,,	3	24 × 10 × 11 × 29	,, 29 ,,	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
639	कोलड़ी 90	नवतत्त्व+चौवीस दंडक +बाला	Navatattva – Cauvīsadaṇḍaka+Bālā	× /गजसार	मू बा.
640	„ 65	नवतत्त्व+चौवीस दंडक	„	× / „	मू ट. (प.ग.)
641	के.नाथ 6/51	„ „	„	× / „	मू प.
642	कुंथुनाथ 20/16	„ „	„	× / „	„
643	के.नाथ 18/22	„ + „ स्तवन	„ +Stavana	/ज्ञानसार	प.
644	मुनिसुव्रत 2/262	नवतत्त्व, चौवीसदंडक जीवविचार	Na ttva+Cauvisa Daṇḍaka – Jīvavicāra	गजसार × शांतिसूरि	मू. (प)
645	„ 2/322	„	„	„	„
646	कोलड़ी 63	„	„	„	„
647	सेवामंदिर 2/342	„	„	„	मू ट (प ग.)
648	कोलड़ी 70	„	„	„	„
649	सेवामंदिर 2/346	„	„	„	„
650	कोलड़ी 64	„	„	„	मू. (प.)
651	के.नाथ 21/43	„	„	„	„
652	कोलड़ी 62	„ का बाला.	„ Bālāvabodha	—	ग.
653	के.नाथ 11/33	नवतत्त्व+जीवविचार	Navatattva+Jīvavicrāa	× /शांतिसूरि	मू ट. (प.ग.)
654	ग्रोसियां 2/205	„ „+बा.	„+Bālā.	× „/ मतिचंद	मू.बा. (प ग)
655	„ 2/248	नवतत्त्व+जीव विचार	„	× शांतिसूरि	मू ट (प.ग.)
656	मुनिसुव्रत 2/327	„ „	„	„	„
657	सेवामंदिर 2/355	„ „	„	„	„
658-60	कुंथुनाथ 20/14, 14/15,29/8	„ „ 3 प्रतियां	„ 3 copies	„	मू (प.)
661	कोलड़ी 1119	„ „	„	„	„
662	सेवामदिर 2/422	„ „	„	„	मू.ट. (प.ग)
663	के नाथ 10/20+16/15	नवपदप्रकरण + वृत्ति	Navapada Prakaraṇa	देवगुप्तसूरि	मू.वृ. (प.ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्त्विक	प्रा.मा.	46	23 × 11 × 11 × 45	संपूर्ण 52,39 गाथा	1883	
,,	,,	7	27 × 12 × 7 × 52	,, 48,46 ,,	19वीं	
,,	प्रा.	17	26 × 12 × 4 × 35	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 16 × 54	,, 49,38	19वीं	
,,	मा.	3	26 × 12 × 17 × 51	,, दो (29+25 गा.)	1880	
,,	प्रा.	14*	23 × 11 × 11 × 32	संपूर्ण 277 गाथा	18वीं	साथ में अन्य सूत्र भी हैं
,,	,	11	26 × 11 × 13 × 37	,,	1845 सोजत	
,,	,,	7	26 × 12 × 12 × 37	,, (49,40,51 गा.)	1867	
,,	प्रा.मा.	14	25 × 11 × 8 × 26	,, 141 गाथा	1876 जैसलमेर भीखा	
,,	,,	16	26 × 11 × 6 × 40	,,	1884	
,,	,,	16	26 × 12 × 5 × 39	,, 140 गाथा	1994,राजिया पुण्यविलास	
,,	प्रा.	7	23 × 11 × 13 × 35	,,	19वीं	
,,	,,	42	21 × 11 × 7 × 15	,,	19वीं	
,,	मा.	7	27 × 11 × 13 × 40	,,	1880	
,,	प्रा.मा.	11	25 × 10 × 5 × 34	,, 102 गाथा	17वीं	
,,	,,	21	25 × 10 × 17 × 52	,, 100 ,,	1763 जैसलमेर माणक्यमूर्त्ति	
,,	,,	17	15 × 22 × 6 × 16	,, 96 ,,	1766	
,,	,,	6	26 × 11 × 8 × 47	,, 97 ,,	18वीं	
,,	,,	9	26 × 12 × 4 × 32	,, 98 ,,	1825,गुढा, ग्रनोपकीर्ति	
,,	प्रा.	4,11,4	25से26 × 10से11	दो पूर्ण 100 गा. तीसरी त्रुटक	19वीं	बीच वाली के साथ गौतम पृच्छा है
,,	,,	6	25 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण 96 गाथा	19वीं	
,,	प्रा.मा.	11	25 × 11 × 5 × 38	लगभग पूर्ण	19वीं	
,,	प्रा.सं.	94	26 × 11 × 15 × 54	अपूर्ण पन्ने 6-69,77 से 106	17वीं	आदि अंत रहित बीच के पन्ने

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
664	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 35	निर्वाण काण्ड	Nirvāṇa Kāṇḍa	—	मू. (प.)
665	महावीर 2/93	पच्चीस क्रिया	Paccīsa Kriyā	—	ग. तालिका
666	के.नाथ 18/73	पद्मावती आराधना	Padmāvatī Ārādhanā	समयसुंदर	प.
667	,, 15/43	(पद्मावती) आलोचना सज्भाय	(,,) Ālocanā Sajjhāya	,,	,,
668	कोलड़ी 289	पद्मावती आलोचना	,, ,,	,,	,,
669	कुंथुनाथ 13/38	,, आलोचना जीव राशि सज्भाय	,, ,, Jīvarāśi ,,	,,	,,
670	के.नाथ 23/51	परमात्माप्रकाश + वृत्ति	Parmātmā prakāśa	योगी इन्द्रदेव/ ?	मू.वृ.
671	,, 29/28	परमात्मप्रकाश ढाल भाषा बंध	,, Dhāla Bhāṣā	धर्ममदिर	प.
672	ओसियां 3ई 263	परमानंद स्तोत्र	Parmānanda Stotra	—	मू ट. (प.ग.)
673	कोलड़ी गुटका 9/9	पचइंद्रिय-संधि	Pañca Indriya Sandhi	धर्मरत्न(कल्याण-धीर का शिष्य	प.
674	कुंथुनाथ 36/2	पंचभावना	pañca Bhāvanā	देवचदजी	,,
675	के.नाथ 6/119	पंचमहाव्रत-सज्भाय	Pañca Mahāvrata Sajjhāya	सुमतिहंस	,,
576	ओसियां 2/152	पंचलिंगी-प्रकरण	Pañcaliṅgī Prakaraṇa	जिनेश्वसूरि	मू. (प.)
677	महावीर 2/104	पंचवस्तुक + वृत्ति	Pañca vastuka+Vṛtti	हरिभद्र (स्वोपज्ञ)	मू.वृ. (प.ग.)
678	कुंथुनाथ 8/112	पंचविंशति	Pañca Vṁśati	पद्मनंदि	मू. (प)
679	महावीर 2/64	पचसंग्रह + वृत्ति	Pañca Saṅgraha+Vṛtti	चंदर्षि/मलयगिरी	मू.वृ (प ग.)
680	के.नाथ 22/45	पंचसूत्र	Pañca Sūtra	हरिभद्र ? (स्वोपज्ञ)	मू (प)
681-82	महावीर 2/41-48	,, + वृत्ति 2 प्रतियां	,, ,,+Vṛtti 2 copies	,, ?	मू.वृ.
683	,, 3 आ 32	पंचाचार विचार ढाल	Pañcācāra vicāra Dhāla	ज्ञानविमल	प.
684	के नाथ 9/6	पंचाशक + वृत्ति	Pañcāśaka—Vṛtti	हरिभद्र/अभयदेव	मू वृ. (प.ग.)
685	,, ,, 15/6	पंचाशक	,,	हरिभद्र	मू. (प)
686	महावीर 2/38-105	पंचाशक + वृत्ति	,,—Vṛtti	हरिभद्र/अभयदेव	मू.वृ. (प ग.)
687	के नाथ 13/35	पंचास्तिकाय-भाषा	Pañcāstikāya Bhāṣā	टो.पं. हीरानंद	पद्य
688	सेवामंदिर 2/424	पांचइकार श्रावककर्त्तव्य	Pāñcadakāra Śrāvaka Karttavya	—	ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 27 गाथा	1544	
तात्त्विकतालिका	मा.	2	25 × 12 × —	प्रतिपूर्ण 25 क्रिया	20वीं	
मारणांतिक अतिसार आलोचना	,,	4	27 × 13 × 8 × 24	संपूर्ण 41 गाथा	18वीं	
,,	,,	2	25 × 13 × 13 × 35	,, 32 ,,	19वीं	
,,	,,	2	17 × 21 × 15 × 44	,, 42 ,,	19वीं	
,,	,,	6	26 × 12 × 5 × 32	,, 33 ,,	1949	
तात्त्विक	प्रा स.	291	27 × 12 × 9 × 27	संपूर्ण 2 अधिकार,345 श्लोक	1767	
मूल का पद्य सारांश	मा.	32	25 × 11 × 13 × 46	संपूर्ण 2 खंड-32 ढाल ग्र. 1125	1819	
आत्मविषयक	सं.मा.	3	25 × 11 × 5 × 37	संपूर्ण 25 श्लोक	19वीं	
औपदेशिक	मा	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 108 गाथा	17वीं	
,,	,,	,,	25 × 20 × 15 × 28	,, 67 ढालें	1794	
आचार विषयक	,,	2	26 × 11 × 15 × 36	,, 5 सज्झायें	1788	
जैन साधु प्रकार	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 102 गाथा	16वीं	
जैनदार्शनिक	प्रा.स.	191	28 × 13 × 15 × 40	संपूर्ण 1714 गा वृत्ति ग्रं 7275	19वीं	वृत्ति शिष्य-हितानाम्नी
भक्ति, तत्त्व, उपदेश	सं	47	29 × 14 × 13 × 48	,, 25+1 ग्रंथाग्र 1743	17वीं	
,, ,, ,,	प्रा.सं	323	31 × 12 × 14 × 54	,, ग्रंथाग्र-18 850	16वीं + 1956 पाटण,परसादीराम	232 पन्ने 1956 में लिखे गये हैं।
आचार ,,	प्रा.	6	27 × 14 × 12 × 51	,, पां सूत्र	19वीं	
,, ,,	प्रा.सं.	39,39	27 × 11 × 10 × 42	,, ग्रंथाग्र 880	20वीं	
साधु आचार	मा.	5	27 × 21 × 12 × 38	संपूर्ण 46 पद	19वीं	
जैन सैद्धांतिक विधियां	प्रा.स.	136	26 × 11 × 19 × 43	अपूर्ण तीसरे से 19 अंत तक	17वीं	
,,	प्रा.	24	26 × 11 × 15 × 50	तपोविधि प्रकरण तक ग्रथाग्र 1100	19वीं	
,,	प्रा.सं.	249	27 × 13 × 14 × 48	संपूर्ण 19 पंचाशक की ग्रंथाग्र 9750	19वीं	
सैद्धांतिक तात्त्विक	हिन्दी	60	26 × 12 × 16 × 42	संपूर्ण 1093 छंद	1769	(मूल कृति कुंदकुंदाचार्य की)
औपदेशिक	मा.	6	20 × 10 × 15 × 39	त्रुटक	18वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
689	के.नाथ 14/126	पांच सौ त्रेषठ जीवभेद	500 Treṣaṣṭha Jīva Bheda	—	ग.
690	कोलड़ी 827	पुण्यकुलक	Puṇya kulaka	—	मू ट. (प.ग.)
691	ओसियां 2/416	,,	,,	—	मू. (प.)
692-3	के.नाथ 14/111, 26/103गु.	पुण्यछत्तीसी 2 प्रतियां	Puṇya Chattīsī 2 copies	समयसुन्दर	प.
694	,, 26/103गु.	पुण्य-पाप कुलक	Puṇya Pāpa Kulaka	—	मू. (प)
695	ओसियां 2/416	,,	,,	—	,,
696	,, 2/159	पुण्यप्रकरण	Paṇya Prakaraṇa	अज्ञात	ग.
697	के.नाथ 10/40	पुण्यप्रकाश-स्तवन	Puṇya Prakāśa Stavana	विनयविजय	प.
698	,, 29/13	पुण्यफल-कुलक	Puṇyaphala Kulaka	जिनकीर्त्ति	मू. (प)
699	कुंथुनाथ 44/०	पुद्गल परावर्त्ती विचार	Pudgalaparāvarttī vicāra	हेमशीश	पद्य
700	के.नाथ 19/49	पुद्गल षट्त्रिंशिका निगोद विचार +वृत्ति	,, Ṣaṭtriṁśika+Nigoda Vicāra+Vṛtti	अभयदेव/रत्नसूरि	मू वृ.
701	कुंथुनाथ 52/23	पुष्पमाला	Puṣpamālā	म. हेमचन्द्र (अभयदेव शिष्य)	मू. (प.)
702	के.नाथ 13/40	,,	,,	,,	,,
703	,, 14/4	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	म. हेमचंद/—	मू.वृ. (प.ग.)
704	,, 6/72	पुष्पमाला	,,	,,	मू (प.)
705	,, 4/25	,,	,,	,,	,,
706	,, 3/19	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, साधु सोमगणि (जिनभद्र का शिष्य)	मू.वृ. (प ग)
707	,, 11/48	पुष्पमाला	,,	म. हेमचंद्र	मू (प.)
708	,, 9/7	,, +बाला.	,, +Bālā.	,, /—	मू बा. (प.ग.)
709	,, 15/9	पुष्पमाला	,,	म. हेमचंद्र	मू (प.)
710	मुनिसुव्रत 2/294	पुष्पमाला की अवचूरि	Puṣpamāla Kī Avacuri	अज्ञात	ग.
711	,, 2/295	पुष्पमाला की वृत्ति	,, +Vṛtti	साधु सोमगणि	,,
712	कुंथनाथ 10/133	पेढिया	Peḍhiyā	—	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
सैद्धांतिक तात्त्विक	मा.	3	26 × 11 × 17 × 51	संपूर्ण	1836	
औपदेशिक	प्रा.मा.	2	31 × 12 × 6 × 45	,, 19 गाथा	19वीं	
,,	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
,,	मा.	3,1	26 × 11व25 × 12	,, 36 गाथा	18वीं	
,,	प्रा.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 16 गाथा	18वीं	
,,	,,	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
दार्शनिक, उपदेश	मा.	2	25 × 11 × 14 × 42	,,	20वीं	
,, ,,	,,	6	26 × 13 × 13 × 30	,, 95 गाथा	19वीं	
उपदेश	प्रा.	1	25 × 11 × 11 × 36	,, 16 ,,	17वीं	
तात्त्विक	अ.	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	,, 62 ,,	17वीं	
,,	प्रा.सं.	7	26 × 11 × 25 × 55	संपूर्ण 36 + 36 गाथा ग्रंथाग्र 600	18वीं	भगवतीसूत्रे 11/10
औपदेशिक	प्रा.	18	26 × 11 × 12 × 40	,, 496 गाथा	1993	
,,	,,	23	26 × 12 × 19 × 64	,, 505 ,,	16वीं	
,,	प्रा.सं.	34	26 × 11 × 18 × 64	,, 500 गा. (बीस अधिकार)	17वीं	
,	प्रा.	9	26 × 11 × 19 × 60	,, 505 गाथा	17वीं	
,,	,,	15	25 × 11 × 11 × 39	अपूर्ण 314 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.सं	147	26 × 11 × 13 × 48	संपूर्ण 503 गा. 20 अधिकार	18वीं	
,,	प्रा.	13	26 × 11 × 15 × 48	,, 505 पहिला पन्ना 35 गा कम	18वीं	
,,	प्रामा.	141	29 × 11 × 13 × 43	अपूर्ण 364 गाथा तक	19वीं	
,,	प्रा.	18	25 × 11 × 15 × 35	संपूर्ण 505 गाथा	19वीं	
,,	सं.	6	27 × 11 × 17 × 68	,, 503 गाथा की	16वीं	
,,	,,	108	26 × 11 × 14 × 54	किंचित् अपूर्ण प्रथम 5 पन्ने कम	1684आगरा, जहांगीर राज्ये	प्रशस्ति है।
सैद्धांतिक	प्रा.	27*	27 × 11 × 13 × 38	अपूर्ण 19 से 82(अंत) गाथा	16वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
713	के.नाथ 18/21	पैंतीस बोल का थोकड़ा	Paintisa Bolakā Thokaḍā	—	गद्य तालिका
714	महावीर 2/32	पोषधकुलकादि	Pauṣadha Kulakādi	—	मू.ट.
715	कुंथुनाथ 37/2	पोषध-प्रत्याख्यानफल	Pauṣadha Pratyākhyāna Phala	—	मू.ट. (प.ग.)
716	,, 42/18	प्रतिबोध-गाथा	Pratibodha Gāthā	—	मू. (प)
717	कोलड़ी 882	प्रत्याख्यान-कुलक	Pratyākhyāna Kulaka	देवेन्द्रसूरि	,,
718	कुंथुनाथ 10/181	प्रत्याख्यान चतुस्सप्ततिका	Pratyākhyāna Catu-ssaptatikā	चैनजी (पार्श्वचंद का शिष्य)	प.
719	के.नाथ 6/109	प्रवचनसार + वृत्ति	Pravacana Sāra+Vṛtti	कुन्दकुन्दाचार्य	मू.वृ.
720	,, 23/50	प्रवचनसार की वृत्ति	,,	—	ग.
721	,, 9/4	प्रवचन-सारोद्धार	Pravacana Sāroddhāra	नेमिचंद्रसूरि	मू. (प.)
722	,, 23/44	,,	,,	,,	,,
723	मुनिसुव्रत 2/250	,,	,,	,,	,,
724	के नाथ 14/136	,,	,,	,,	मू ट (प.ग.)
725	कुन्थुनाथ 53/2	,,	,,	,,	,,
726	ओसियां 2/296	,,	,,	,,	,,
727	के.नाथ 15/18	,,	,,	,,	मू. (प.)
728	,, 10/5	, + वृत्ति	,,	नेमिचंद्र/—	मू.वृ. (प.ग)
729	,, 13/42	प्रवचन सारोद्धार विषम पदार्थ अवबोध	,, Viṣama Padārtha Avabodha	उदयप्रभसूरि	ग.
730	,, 15/157	प्रव्रज्याकुलक	Pravrajyā Kulaka	—	मू. (प.)
731	कोलड़ी 387	,,	,,	—	,,
732	महावीर 2/17	प्रव्रज्याविधानकुलक	,, Vidhāna Kulaka	—	,,
733	के नाथ 6/122	,, ,,	,,	—	,,
734	कोलड़ी गु. 10/5	प्रास्ताविक श्लोक संग्रह	Prāstāvika Śloka Saṅgraha	संकलन	प.
735	कुंथुनाथ 10/158	,,	,,	,,	प.
736	महावीर 2/392-3	,, दो प्रतियां	,, 2 Copies	,,	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
सैद्धान्तिक संख्या परक सार	मा.	6	25 × 12 × 9 × 27	संपूर्ण	19वीं	
औपदेशिकादि	प्रा.मा.	36	25 × 11 × 9 × 43	त्रुटक	18वीं	सामान्य प्रकरण
,,	,,	4	25 × 12 × 4 × 30	संपूर्ण 12+7=19 गा.	19वीं	
सम्यक्त्वादि	प्रा.	1	27 × 10 × 13 × 40	अपूर्ण 26 गा. ही	19वीं	
,,	,,	2*	26 × 11 × 18 × 50	7+15=22 गाथा	1573 ?	(चत्तारि अट्ठ दसदो स्तवन साथ में)
प्रत्याख्यान स्वरूपादि	मा.	5	25 × 11 × 14 × 45	संपूर्ण 74 गाथा	17वीं	
औपदेशिक सिद्धांत	प्रा.मा.	12	25 × 11 × 15 × 44	अपूर्ण; 27वीं गाथा तक ही	19वीं	
,,	सं.	165	26 × 12 × 11 × 37	संपूर्ण 311 गाथा की	1546	
शास्त्र-सारांश	प्रा.	82	26 × 11 × 11 × 45	,,1616 गा.(ग्रं.2050)	1555	
,,	,,	69	26 × 11 × 13 × 44	,, 1542 गा.	16वीं	
,,	,,	78	26 × 11 × 12 × 41	,, 1614 गा.	1640	
,,	प्रा.मा.	124	26 × 11 × 7 × 38	,,1580 गा.(ग्रं.5000)	1693	
,,	,,	128	27 × 11 × 6 × 44	,,1613 गा.(ग्रं.8000)	1710	
,,	,,	133	26 × 12 × 6 × 36	,,1631 गा (ग्रं 6800)	18वीं	
,,	प्रा.	84	25 × 10 × 11 × 35	,,1618 गा.(ग्रं.2100)	19वीं	
,,	प्रा.सं.	466	27 × 12 × 16 × 30	अपूर्ण, 271 गा. तक	19वीं	13 से 47 बीच के पत्र
कठिन शब्दार्थ	सं.	43	26 × 11 × 19 × 68	संपूर्ण ग्रं. 3203	1515	
औपदेशिक	प्रा	10*	29 × 11 × 17 × 50	,,	17वीं	
,,	,,	13*	24 × 12 × 12 × 42	,,	19वीं	
दीक्षा सिद्धान्त	,,	2	24 × 10 × 13 × 42	,, 34 गाथा	1758 बिलाड़ा	
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	19वीं	साथ में आवश्यक गाथायें
औपदेशिक सुभाषित	मा.	गुटका	19 × 13 × 13 × 23	प्रतिपूर्ण	1884	
,,	सं.	1	18 × 11 × 14 × 32	,, 13 श्लोक	19वीं	
,,	प्रा.सं.मा	2,3	26 × 13 × 13 × 40	अपूर्ण कुल 116 श्लोक	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
738-9	के नाथ 14/51, 6/59	प्रस्ताविक श्लोक संग्रह दो प्रति	Prastāvika Śloka Saṅgraha	संकलन	प.
740	,, 11/35	,, ,, अर्थ सह	,,	,,	प.ग.
741	कोलड़ी गु. 4/12	प्रश्नोत्तर-रत्नमाला	Praśnottara Ratnamālā	विमलसूरि	प.
742	सेवामंदिर 2/365	,,	,,	,,	पद्य
743	कुंथुनाथ 18/8	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
744	के.नाथ 6/68	,, वृत्ति	,,	विमलसूरि/देवेन्द्र	मू + वृ.(प.ग
745	,, 20/4	प्रश्नोत्तर-रत्नमाला	,,	विमलसूरि	मू.+ट.(प.ग.
746	कुंथुनाथ 10/130	,,	,,	,,	मू. (प)
747	के.नाथ 15/155	,,	,,	,,	मू ट (प.ग.)
748	कोलड़ी 802	प्रश्नोत्तर रत्नमाला का विवरण	,, kā Vivaraṇa	,,/देवेन्द्रसूरि	ग. कथासह
749	के.नाथ 19/47	बनारसी-विलास	Banārasī Vilāsa	बनारसीदास	प.ग.
750	,, 23/64	,,	,,	,,	,,
751	,, 18/52	बारहभावना	Bāraha Bhāvanā	अज्ञात	मू. (प)
752	सेवामंदिर गुटका 8दे	,,	,,	जयसोम गणि	प.
753	के नाथ 14/100	,,	,,	,,	,,
754	महावीर 2/288	,,	,,	,,	,,
755	मुनिसुव्रत 2/273	,,	,,	,,	,,
756-7	के नाथ 15/61 19/73	,, दो प्रतियां	,,	,,	,,
758	कोलड़ी 1235	,,	,,	—	,,
759	के नाथ 15/28	बारहभावना-गीत	,, Gīta	पदमराज	,,
760	औसियां 2/243	बारहव्रत-चोपई	Bāraha Vrata Caupaī	अज्ञात	,,
761	के नाथ 23/55	बारहव्रत-सज्झाय	Bāraha Vrata Sajjhāya	लक्ष्मीरुचिसार	,,
762	,, 17/3	,,	,,	उद्योतसागर गणि	,,
763	,, 9/33	,,	,,	वाचक दयासागर	,,
764	कोलड़ी गुटका 2/6	बालचंद-बत्तीसी	Bālacanda Battīsī	बालचंद	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक सुभाषित	सं.	19,8	18 × 8व26 × 11	संपूर्ण(द्वितीय में 196श्लोक)	18/19वीं	
,,	,,	10	25 × 10 × 20 × 46	प्रतिपूर्ण	19वीं	पद्य का अर्थ संस्कृत गद्य में
तात्त्विक	,,	गुटका 4	15 × 7 × 10 × 23	अपूर्ण	1499	
औपदेशिकादि प्रश्नोत्तर	,	2	26 × 11 × 19 × 62	संपूर्ण 29 श्लोक	16वीं	अंत में शत्रुंजय स्तवन संस्कृत 10 श्लोक
,,	सं.मा.	3	27 × 11 × 6 × 42	,, ,,	16वीं	
,,	सं.	31	25 × 11 × 18 × 56	,,	1702	जीर्ण
,,	सं.मा.	3	26 × 11 × 15 × 40	,, 29 श्लोक	19वीं	
,,	सं.	1	25 × 12 × 15 × 40	,, 27 ,,	19वीं	
,,	सं.मा.	2	26 × 11 × 7 × 40	,, 29 ,,	19वीं	
,,	सं.	121	28 × 11 × 17 × 68	,, 64 प्रश्न 83 उत्तर ग्रं. 7560	1492	वृत्ति कल्पलतिका नाम्नी/प्रशस्ति है
विविध	हि.	63	25 × 12 × 15 × 53	संपूर्ण	1826	कवि की 31 अन्य लघु रचनायें
,,	,,	11	25 × 11 × 16 × 41	अपूर्ण	19वीं	,,
वैराग्य-चिंतन	प्रा.	3	27 × 12 × 17 × 59	,,	19वीं	
,,	मा.	10	11 × 9 × 11 × 16	संपूर्ण 72 गा.	1676	
,,	,,	3	26 × 11 × 14 × 44	,, 74 गा.	1698	
,,	,,	8*	23 × 11 × 12 × 31	,, 72 गा.	18वीं	साथ में दानशीलत तप भाव संवाद
,,	,,	4	26 × 11 × 12 × 26	,, 67 गा.	18वीं	
,,	,,	4,11*	25 × 11 × 12/13 × 38	,, 72/73 गा.	19/20वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 50	अपूर्ण 11वीं भावना तक	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 12 गाथा	19वीं	
श्रावकाचार	,,	46*	25 × 12 × 11 × 34	,, 12 ढालें	19वीं	1834 की कृति गुंदोज में
,,	,,	8*	26 × 10 × 13 × 41	,, 32 गा.	19वीं	
,,	,,	37	31 × 16 × 11 × 37	अपूर्ण पांचवें व्रत तक	19वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 15 × 45	संपूर्ण 153 गा.	19वीं	
औपदेशिक	,,	गुटका	15 × 12 × 11 × 20	,, 29 सवैये	1903	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
765	कोलड़ी 1116	बालाविबोध-वार्ता	Bālāvibodha-Vārtā	—	ग.
766	कुंथुनाथ 39/4	बावनी	Bāvanī	दयासागर	प.
767	के.नाथ 20/23	बावीस-परिषह-ढाल	Bāvīsa Pariṣaha Ḍhāla	रायचंद	,,
768	कोलड़ी 911	,, +बारह भावना	,, +Bārahabhāvanā	—	,,
769	,, 110	बासठमार्गणा यंत्र	Bāsaṭha-Mārgaṇā-Yantra	—	गद्य तालिका
770-73	महावीर 2/88, 90 से 92	,, 4 प्रतियां	,,	भिन्न भिन्न	,,
774	,, 2/432	,,	,,	—	,,
775	,, 2/403	,, आदि पत्र	,,	—	,,
776	,, 2/89	बासठमार्गणा यंत्र रचना स्तवन	Bāsaṭha-Mārgaṇā-Yantra Racanā Stavana	ज्ञानसार (राजगणि का शिष्य)	पद्य
777	के.नाथ 18/84	बुढापे की सज्झाय	Buḍhape kī Sajjhāya	—	,,
778	कुँथुनाथ 52/10	,,	,,	—	,,
779	ओसियां 2/306	बुद्धरास	Buddha Rāsa	अज्ञात	,,
780	कोलड़ी 247	बुद्धिरास	Buddhi Rāsa	—	,,
781-2	ओसियां 2/215-85	बोलविचार दो प्रतियां	Bola Vicāra	भिन्न-भिन्न	ग.
783-4	के.नाथ 26/78, 15/120	,, दो प्रतियां	,,	,,	,,
785-8	कोलड़ी 449,111 1239,946	,, चार प्रतियां	,,	,,	,,
789	सेवामंदिर 2/378	बोल-संग्रह	Bola Saṅgraha	संकलन	ग. तालिका
790	मुनिसुव्रत 2/336	,,	,,	,,	,,
791	कोलड़ी 451	,,	,,	,,	,,
792	सेवामंदिर गुटका 3-ति	ब्रह्मचर्यकुलक व शीलदीपक	Brahmacarya-Kulaka+Śīla-dīpaka	पार्श्वचंद	प.
793	,, 3 इ 345	ब्रह्मचर्य नव-वाड़	Brahmacarya Navavāḍa	उदयरत्न	,,
494	के.नाथ 6/42	,,	,,	पुण्यसागर	,,
795-6	,, 29/47, 14 128	,, 2 प्रतियां	,,	धर्महंस कवि	,,
797	कोलड़ी 288	,,	,,	जिनहर्ष	,,
798-800	के.नाथ 18/95, 9/21, 14/87	,, 3 प्रतियां	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
सिद्धान्तिक विवेचन	मा.	18	26 × 12 × 13 × 52	संपूर्ण(पहिला पन्ना कम है)	17वीं	
औपदेशिक	,,	गुटका	20 × 16 × 14 × 26	,, 58 पद	19वीं	
,, साधु आचार	,,	7	25 × 13 × 15 × 45	,, 22 ढालें	1927	
औपदेशिक ,,	,,	3	25 × 12 × 13 × 50	,, 22+15 छंद	19वीं	
तात्त्विक	,,	4	27 × 11 × —	,,	19वीं	62 द्वारों से जीव विभक्तिय
,,	,,	4,9,2,4	26से28 × 11से13	,,	19/20वीं	,,
,,	,,	1	लंबा रॉल 31 से. चौड़ा	,,	1958	,,
,,	,,	15	28 × 13 × —	,, भिन्न 2	16/20वीं	
,,	,,	7	26 × 12 × 14 × 42	,, 112 गाथा	19वीं	
औपदेशिक	,,	2	25 × 11 × 14 × 33	,, 17 गाथा	19वीं	
,,	,,	1	43 × 15 × 24 × 40	,,	1931	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 33	,, 64 गाथा	1759 राजनगर, मेरुचंद	
गुरुउपदेश	,,	3	25 × 11 × 15 × 38	,, 60 ,,	19वीं	
तात्त्विक संख्या परक सार	,,	6,15	26+13×17/51 × 43	प्रतिपूर्ण	19/20वीं	विषय वस्तु भिन्न 2 प्रकार की
,,	,,	17,11	25×12×12 × 26/40	पहिली पूर्ण, द्वितीय अपूर्ण	19/20वीं	,,
,,	,,	6,5,19 23	22से26 × 11से17	प्रतिपूर्ण	19/20वीं	,,
,,	,,	68	28 × 13 × —	,,	16 से 19वीं	
,,	,,	6	25 × 11 × —	,,	18वीं	
,,	,,	3	27 × 13 × —	,,	19वीं	
औपदेशिक	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	संपूर्ण 39+29 गा.	17वीं	
,,	,,	3	23 × 13 × 15 × 32	संपूर्ण 10 ढालें	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × 52	,, 19 गा.	19वीं	
,,	,,	3,4	24 × 11व26 × 11	,, 10 अनुच्छेद, 5ढालें	19वीं	
,,	,,	4	26 × 11 × 15 × 45	, 97 गा.	1823	
,,	,,	38*,4,3	23से25 × 11से14	,, ,, 11 ढालें	19वीं	पहिली प्रति के साथ अन्य चौपई

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
801	कुंथुनाथ 36/1 क्र. 22	ब्रह्मचर्य-रक्षावृत्ति	Brahmacarya Rakṣā Vṛtti	पद्मनंदि	प.
802	महावीर 2/405	ब्रह्मबावनी	Brahma Bāvanī	मुनि हर्षचंद (ब्रह्म)	,,
803	सेवामंदिर 2/421	,,	,,	,,	,,
804-5	कोलड़ी 965,1223	भले का अर्थ 2 प्रतियां	Bhale kā Artha	—	ग.
806	के.नाथ 5/89	भवभावना	Bhavabhāvanā	म. हेमचंद्र	मू (प.)
807	,, 17/48	,,	,,	,,	,,
808-9	,, 141, 6/24	,, 2 प्रतियां	,,	,,	,,
810	कुंथनाथ 52/20	,,	,,	,,	,,
811	के.नाथ 1/9B	भवभावना की कथायें	,, kī Kathāyen	,,	मू.अ.कथा
812	मुनिसुव्रत 2/315	भववैराग्य-शतक	Bhavavairāgya Śataka	अज्ञात	मू. (प.)
813	,, 2/316	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
814	कुंथुनाथ 52/5	,,	,,	,,	मू. (प)
815	के.नाथ 5/101	,,	,,	,,	मू ट. (प.ग.)
816	,, 10/14	,,	,,	,,	,,
817	कोलड़ी 816	,,	,,	,,	,,
818	ओसियां 2/217	,,	,,	,,	,,
819-20	के.नाथ 521, 16/27	,, 2 प्रतियां	,,	,,	,,
821	कुंथुनाथ 47/5	,,	,,	,,	,,
822-23	कोलड़ी 686 817	,, 2 प्रतियां	,,	,,	,,
824	महावीर 2/381	,, +वृत्ति	,,	अज्ञात/गुणविनय	मू.वृ. (प ग.)
825	ओसियां 2/416	भाव्याभव्य-कुलक	Bhavyābhavya-kulaka	—	मू. (प.)
826	,, 2/416	भावकुलक	Bhāva-kulaka	—	,,
827	के.नाथ 11/70	भावत्रिभंगी	Bhāva-tribhaṅgī	अज्ञात = /	मू.ट. (प ग.)
828	मुनिसुव्रत 3 इ 323	भावनाकुलक	Bhāvanā-kulaka	—	,,
829	ओसियां 3 इ 204	भावना बासठियो	Bhāvanā-Bāsaṭhiyo	—	यंत्र तालिका

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 22 श्लोक	1544	
,,+अध्यात्म	मा.	21*	25 × 13 × 13 × 35	,, 52 सवैये	1876	
,, ,,	,,	4	26 × 13 × 12 × 32	त्रुटक	19वीं	
,, सामान्य	,,	6,4	25 × 12व24 × 11	संपूर्ण	19वीं	
बारहभावना (वैराग्य)	प्रा.	14	26 × 11 × 15 × 52	,, 53 गा; ग्रं. 664	17वीं	अंत में जिनवल्लभक प्राकृत स्तवन 12 गा
,, ,,	,,	24	27 × 11 × 11 × 40	,, 528 गा.	17वीं	
,, ,,	,,	28,23	26 × 11व27 × 11	,, 531/32 गा.	19वीं	
,, ,,	,,	16	27 × 11 × 15 × 45	,, 531 गा.	19वीं	
जीवन चरित्र व कथानक	प्रा.सं.	28	26 × 11 × 15 × 58	,, 65 कथायें	13/14वीं	
औपदेशिक (वैराग्य)	प्रा.	5	25 × 11 × 11 × 39	संपूर्ण 104 गाथा	16वीं	
,,	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 9 × 43	,, ,, ,,	17वीं	
,,	प्रा.	4	26 × 12 × 13 × 40	,, 101 (लगभग)	17वीं	
,,	प्रा.मा.	17	25 × 11 × 4 × 31	,, 104 ,,	1705	
,,	,,	14	27 × 12 × 5 × 30	,, 105 ,,	1840	
,,	,,	12	31 × 12 × 6 × 32	,, 104	1848	
,,	,,	8	24 × 11 × 7 × 52	,, 104	19वीं	
,,	,,	13,6	26 × 11 × 5/4 × 30	प्रथम संपूर्ण 104, द्वितीय 33 ही	19वीं	
,,	,,	9	26 × 11 × 6 × 34	अपूर्ण बीच में 2 पन्ने कम	19वीं	
,,	,,	8,29	26 × 10व27 × 11	संपूर्ण 104 गाथा	20वीं	
,,	प्रा.सं.	19	26 × 13 × 19 × 48	,, 104 की ग्रं. 995	1944	
सैद्धान्तिक तात्त्विक	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	संपूर्ण	1953	
औपदेशिक ,,	,,	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
तात्त्विक भाव विचार	प्रा.मा.	13	27 × 13 × 7 × 25	अपूर्ण 14 से 105(अंत)गा.	17वीं	
औपदेशिक	,,	1	25 × 11 × 11 × 46	संपूर्ण 22 गाथा	19वीं	
62द्वारोंसे भावस्वरूप	मा.	4	26 × 12—	संपूर्ण	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
830-32	कोलड़ी 843-44 1344	भावनाविलास 3 प्रतियां	Bhāvanā-Vilāsa	राजकवि	प.
833	कुंथुनाथ 43/13	भावनासंधि	Bhāvanā-Sandhi	जयदेव मुणि	मू.प.
834	महावीर 2/54	भावप्रकरण	Bhāva-Prakaraṇa	विजयविमल (आनंद-विमल का शिष्य)	मू.अ. (प ग.
835	ओसियां 2/212	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
836	,, 2/237	,,	,,	,,	,,
837	कोलड़ी 1080	भावसंग्रह	Bhāva-Saṅgraha	अज्ञात	मू. (प.)
838	कुंथुनाथ 45/4	भ्रमरबत्तीसी	Bhramara-battīsī	केशवदास मुनि	प.
839	ओसियां 3 इ 171	मणिचन्द्र-स्वाध्याय	Maṇicandra-Svādhyāya	मणिचंद्र	,
840	के.नाथ 15/132	महादण्डक	Mahādaṇḍaka	--	ग.
841	महावीर 2/75	महादण्डक अल्प बहुत्व स्तवन	Mahādaṇḍaka Alpabahutva Stavana	अभयदेव	मू.अ (प.ग.)
842	मुनिसुव्रत 2/276	,,	,, ,,	,,	,, ,, (प.)
843	ओसियां 2/243	,,	,, ,,	—	प.
844	,, 2/307	माईशास्त्र	Māī Śastra	संकलन	,,
845	के.नाथ 26/103 गु	मानपच्चीसी	Māna Paccīsī	—	,,
846	कोलड़ी 450	मार्गणाद्वार	Mārgaṇādvāra	—	ग. तालिका
847	के.नाथ 29/46	मोती-कपासिया-संवाद	Motī Kapāsiyā Samvāda	मुनि श्रीसार	प.
848	सेवामंदिर 2/366	यति-आराधना	Yati-Ārādhanā	समयसुंदर	ग.
849	महावीर 2/31	,,	,,	,,	,,
850	कुंथुनाथ 36/1 क्र 227	यति भावना + सम्यक्त्व अष्टक	Yati Bhāvanā+Samyaktva Aṣṭaka	—	पद्य
851	के.नाथ 29/52	युगल उत्पत्ति विचार स्तवन	Yugala Utpatti Vicāra Stavana	देवेन्द्रसागर	,,
852	,, 26/103 गु	योग आठ दृष्टि सज्झाय	Yoga Ātha Dṛṣṭi Sajjhāya	उ यशोविजय	,,
853	ओसियां 2/153	,,	,,	,,	,,
854	महावीर 2/45	योगदृष्टि समुच्चय	Yoga Dṛṣṭi Samuccaya	हरिभद्र/यशोविजय ?	मू वृ.(प.ग.)
855	,, 2/9	योगशास्त्र + वृत्ति	Yoga Śāstra+Vṛtti	हेमचंद्राचार्य (स्वोपज्ञ)	,, ,,
856	,, 2/116	,,	,,	,, ,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
बारहभावना (वैराग्य)	मा.	4,4,3*	26से29 × 11 × भिन्न	संपूर्ण 52 छंद	20वीं	
भावना औपदेशिक	प्रा.	1	26 × 11 × 15 × 75	अपूर्ण 34 से 62 (अंत) गा.	19वीं	
आत्म भाव विश्लेषण	प्रा.सं.	4	25 × 11 × 18 × 50	संपूर्ण 30 गा.	1742 कटारिया, रामदास	
,,	प्रा.मा	5	23 × 12 × 5 × 37	,, ,,	1826 × शुभ-मुनि	
,,	,,	6	24 × 11 × 4 × 33	,, ,,	19वीं	
,,	सं.	20	25 × 10 × 11 × 40	अपूर्ण 507 श्लोक तक	19वीं	
औपदेशिक	मा.	गुटका	17 × 14 × 11 × 18	संपूर्ण 47 गा.	1828	
भक्ति स्वाध्याय	,,	7	27 × 11 × 14 × 36	,, 21 ढालें	1861	
तात्त्विक	,,	34	26 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण	19वीं	भिन्न भिन्न 30 द्वारों से जीव-विभक्ति
,,	प्रा.सं.	7*	25 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण 20 गाथा	18वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 19 × 43	,, 20 गा अवचूरि 98 गा	19वीं, पाटण,	
,,	मा	19*	25 × 12 × 12 × 35	,,	19वीं	
धार्मिक श्लोक संग्रह	सं.मा.	6	25 × 11 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण 148 श्लोक	17वीं	
अहंकार पर	मा.	1	25 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण 25 गा.	18वीं	
तात्त्विक बोल	,,	5	30 × 12 × —	संपूर्ण	18वीं	भिन्न भिन्न 161 द्वारों से जीव-विभक्ति
औपदेशिक	,,	4	23 × 11 × 14 × 44	,,	18वीं	
प्रायश्चित्त साधु आचार	,,	15	24 × 11 × 11 × 35	,, ग्रं. 360	19वीं	
,,	,,	17	25 × 14 × 12 × 32	,, ग्रं. 351	1933	
औपदेशिक दार्शनिक	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, (8+9 श्लोक) 2 अष्टक	1544	
लोकस्वरूप	मा.	5	26 × 11 × 11 × 33	,, 4 ढालें	19वीं	
जैनयोग-ग्रंथ	,,	3	25 × 12 × 20 × 56	अपूर्ण आठ ढालें	19वीं	
,,	,,	19*	25 × 12 × 12 × 35	84 गा. पूरी	20वीं	
,,	सं.	35	28 × 12 × 14 × 46	संपूर्ण 225 श्लोक की ग्र 1175	19वीं	
जैन योग (गृहस्थ भी)	,,	402	27 × 11 × 15 × 43	संपूर्ण 12 प्रकाश	1465 × पुण्य-प्रभसूरि	
,,	,,	282	26 × 12 × 14 × 55	,,	1960 × रायचंद	प्रारंभके 44 पन्ने जीर्ण

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
857	के.नाथ 29/100	योगशास्त्र	Yoga Śāstra	हेमचंद्राचार्य	मू. (प.)
858	,, 10/56	,,	,,	,,	,,
859	,, 22/63	,,	,,	,,	,,
860	कोलड़ी 1184C	,,	,,	,,	,,
861	के.नाथ 4/23	,,+बाला.	,,+Bālā.	हेमचंद्राचार्य/सोमसुंदर	मू.बा. (प.ग
862	,, 14/44	योगशास्त्र	,,	हेमचंद्राचार्य	मू. (प.)
863	,, 14/5	,,	,,	,,	,,
864	सेवामंदिर 2/369	,,+बाला.	,,+Bālā.	,,/मेरुसुंदर	मू.बा. (प ग
865	मुनिसुव्रत 2/334	योगशास्त्र	,,	हेमचंद्राचार्य	मू. (प.)
866-7	के.नाथ 15/33-62	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
868-69	कुंथुनाथ 15/12, 43/3	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
870	महावीर 2/8	योगशास्त्र की अवचूरि	Yogaśāstra kī Avacūri	—	ग.
871	के.नाथ 14/6	योगशास्त्र की वृत्ति	,, ,, Vṛtti	हेमचंद्राचार्य स्वोपज्ञ	,,
872	,, 5/44	योगसार	Yogasāra	अज्ञात	मू. (प.)
873	,, 2/23	रत्नकोश ?	Ratnakośa	—	ग. तालिका
874	,, 26/85 गुटका	रत्नत्रय-विधि	Ratnatraya-vidhi	—	प.
875	महावीर 2/80	रत्न-संचय	Ratna Sañcaya	संकलन	मू ट. (प.ग.)
876	कुंथुनाथ 20/12	रत्नाकर-पच्चीसी	Ratnākara Paccisi	रत्नाकर	प.
877	के नाथ गु. 26/91	रात्रि भोजन चौपई (अंतिम	Ratri Bhojana Caupai (Antim)	—	,
878	,, 26/43	रात्रि भोजन सज्झाय	Ratri Bhojana Sajjhāya	हंसमुनि	,,
879	सेवामंदिर 2/431	रुचितरुचिदंडक स्तुति + वृत्ति	Rucitarucidaṇḍaka Stuti + Vṛtti	जिनेश्वरसूरि/पद्मराज	मू.वृ. (प.ग.)
880	महावीर 6 अ 34	लघु अर्हन्नीतिशास्त्र	Laghu Arhannīti-śāstra	हेमचंद्राचार्य	मू (प.)
881-2	के नाथ 21/69, 21/36	लघुदण्डक 2 प्रतियां	Laghudaṇḍaka 2 Copies	--	ग.
883	ओसियां 2/142	लघुदण्डक	,,	—	,,
884	महावीर 2/405	लघु ब्रह्मबावनी	Laghu Brahma Bāvani	ब्रह्मरूप संवेगी	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन योग (गृहस्थ भी)	सं.	54	34 × 16 × 8 × 70	संपूर्ण 12 प्रकाश	19वीं	
,, ,,	,,	10	27 × 10 × 16 × 50	अपूर्ण 4 प्रकाश तक	1459	
,, ,,	,,	23	26 × 10 × 8 × 46	,,	16वीं	
,, ,,	,,	3	25 × 12 × 11 × 32	अपूर्ण प्रथम प्रकाश 56 श्लो.	1694	
,, ,,	सं.मा.	91	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण दूसरे 41 से अंत तक	17वीं	
,, ,,	सं.	13	27 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण चार प्रकाश	17वीं	
,, ,,	,,	36	24 × 11 × 9 × 32	,, पांच से 12 (अंत) प्रकाश	1845	
,, ,,	सं.मा.	5	27 × 13 × 19 × 66	केवल पांचवां प्रकाश	19वीं	
,, ,,	सं.	2	24 × 11 × 11 × 39	,, पहिले 55 श्लोक मात्र	19वीं	
,, ,,	,,	4,3	24 × 11 × 11/12 × 30	,, पहिला प्रकाश मात्र	19वीं	
,, ,,	,,	5,4	27 × 11व26 × 11	बिल्कुल अपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	15	27 × 11 × 22 × 73	चार प्रकाश तक 462 श्लोक	1499	
,, ,,	,,	196	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण द्वितीय प्रकाश तक	19वीं	
,, ,,	प्रा.	10	23 × 11 × 10 × 23	संपूर्ण 108 गाथा.	19वीं	
तात्त्विक बोल	सं.	11	25 × 11 × 13 × 32	संपूर्ण	1652	भिन्न भिन्न 100 द्वारों से जीवविभक्ति
तात्त्विक भक्ति	,,	32	12 × 11 × 9 × 13	अपूर्ण	19वीं	10 पत्रे खंडित हैं
धार्मिक श्लोक संग्रह	प्रा.मा.	49	26 × 12 × 6 × 36	प्रतिपूर्ण 545 गा.	1825, माणवंद, धनरूप	
औपदेशिक	सं.	3	25 × 11 × 9 × 30	संपूर्ण 25 श्लोक	19वीं	
,,	मा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	2	25 × 12 × 12 × 41	संपूर्ण 29 गाथा	19वीं	
तात्त्विक, भक्ति	सं.	2	25 × 10 × 21 × 53	,, चार स्तुति	1644	
जैनसिद्धान्त	,,	81	26 × 12 × 9 × 30	,,	18वीं	
24दंडक विचारवृत्ति	मा.	11,13	26 × 12व21 × 12	संपूर्ण	19/20वीं	
जीवगति पर्यायादि	,,	12	26 × 12 × 16 × 33	संज्ञी मनुष्य द्वार तक 21 बोल	20वीं	
औपदेशिक	,,	21*	25 × 13 × 13 × 35	संपूर्ण 54 सवैये	1876	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
885	महावीर 2/61	लोकतत्त्वनिर्णय	Lokatattva Nirṇaya	हरिभद्र	प.
886	,, 2/36	लोकप्रकाश	Lokaprakāśa	विनयविजय	,,
887	के.नाथ 23/31	वनस्पति-सप्ततिका	Vanaspati Saptatikā	मुनिचंद्रसूरि	मू. (प.)
888	,, 1/19	,,	,,	,,/—	मू.अ. (प.ग.
889	कुंथुनाथ 33/10	वन्दन पूजा बोल	Vandana Pujā Bolā	—	ग. तालिका
890	,, 10/133	वरचरिया	Varacariyā	—	मू. (प.)
891	महावीर 2/10	वर्द्धमान-देशना	Vardhamāna Deśanā	शुभवर्द्धन	पद्य
892	ओसियां 2/150	,,	,,	राजकीर्त्ति (रत्नलाभ का शिष्य	गद्य
893-4	कोलड़ी 1109, 1158	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
895	कुंथुनाथ 33/3	विचार-चौसठी	Vicāra Causaṭhī	नन्दसूरि	प.
896	सेवामंदिर 3 इ 345	,,	,,	,,	,,
897	मुनिसुव्रत 2/260	विचार-ठाणावली	Vicāra Thāṇāvalī	—	ग. तालिका
898	महावीर 2/55	विचार-पंचाशिका	Vicāra Pañcāśikā	विजयविमल (स्वोपज्ञ)	मू.अ. (प ग.)
899	कोलड़ी 1238	,,		,, ,,	,,
900	के.नाथ 10/36	,,		,,	मू ट. (प.ग.)
901	14/103	विचार-पंचाशिका-अवचरी	,, Avacūri	,,	ग.
902	कोलड़ी 1238	विचार-प्रकरण	Vicāra Prakaraṇa	महेश्वरसूरि	प.
903	,, 805	विचार-रत्नसार	Vicāra Ratnasāra	—	ग.
904	ओसियां 2/160	विचार-वार्त्ता	Vicāra Vārttā	—	,,
905	के.नाथ 13/45	विचार-सत्तरी	Vicāra Sattarī	देवेन्द्रमुनि	मूल (प.)
906	,, 5/71	,, +अवचूरी	,, +Avacūri	/महेन्द्रप्रभसूरि	मू अ. (प.ग.)
907	कोलड़ी 1095	विचार-सत्तरी	,,	—	मू ट. (प.ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
लोकस्वरुप मान्यतायें	सं.	8	26 × 12 × 10 × 43	अपूर्ण 141 श्लोक	20वीं	
तात्त्विक व भूगोल	,,	423	30 × 15 × 17 × 44	संपूर्ण ग्रं. 17621	1953 मुंबई	नक्शों सहित
वनस्पति जीवविज्ञान	प्रा.	4	26 × 11 × 11 × 35	संपूर्ण 76 गा.	15वीं	
,,	प्रा.सं	5	26 × 11 × 9 × 35	,, 77 गा.	15वीं	
चैत्यवंदनादि संबंधी	मा.	4	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
जैन सैद्धान्तिक	प्रा.	27*	27 × 11 × 13 × 38	संपूर्ण 537 गा.	16वीं	
औपदेशिक	,,	157	26 × 11 × 13 × 46	,, 10 उल्लास ग्रं 5535	17वीं	प्रशस्ति है
,, कथा सह	सं.	74	27 × 11 × 18 × 55	,, ,, ग्रं 5000	19वीं	
,,	,,	35,40	26 × 11व25 × 11	अपूर्ण	19वीं	
श्रावकाचार	मा.	3	26 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण 63 गा. (ग्रंथाग्र 93)	19वीं	
,,	,,	4	26 × 12 × 11 × 40	,, 64 गा.	1947	
तात्त्विक 4 से 8 संख्या के बोल	,,	20	22 × 16 × —	,, ग्रं. 900	1611	
,, औपदेशिक	प्रा.सं.	6	26 × 12 × 18 × 52	,, 51 गाथा	18वीं	
,, ,,	,,	13*	26 × 11 × 15 × 42	,, ,,	19वीं	
,, ,,	प्रा.मा	6	28 × 13 × 5 × 41	,, ,,	19वीं	
,, ,,	सं.	6	25 × 13 × 14 × 50	,, ,,	19वीं	
,, ,,	प्रा.	13*	26 × 11 × 15 × 42	संपूर्ण 87 गा	19वीं	
,, आदि विविध	मा.	45	31 × 12 × 17 × 45	संपूर्ण	1883 पौहकर्ण विनयचंद्र	
,, बोल-संग्रह	,,	12	29 × 11 × 15 × 71	,,	16वीं	
,, विवेचन	प्रा	24*	30 × 12 × 19 × 86	संपूर्ण 70 गाथा	16वीं	
,, ,,	प्रा.सं.	12	26 × 11 × 11 × 39	,, ,, की	1683	
,, ,,	प्रा.मा.	12*	26 × 11 × 6 × 44	,, 76 गाथा	19वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
908	मुनिसुव्रत 2/274	विचार-संग्रह	Vicāra Saṅgraha	संकलन	प.ग.
909	कोलड़ी 74	,,	,,	,,	ग.
910	,, 1330	,,	,,	,,	प.ग.
911	,, 808	,,	,,	,,	,,
912	,, 946	,,	,,	,,	मू ट.
913	,, 810	,,	,,	,,	गद्य
914	,, 1238	,,	,,	,,	प.ग.
915	कुंथुनाथ 10/163	,,	,,	,,	,,
916	महावीर 2/63	विचार-सार	Vicāra Sāra	देवचंद	मू ट.
917	ओसियां 2/171	,,	,,	,,	,,
918	महावीर 2/50	विचारसार रत्नाकर	Vicārasāra Ratnākara	संकलन	प.ग.
919	के.नाथ 5/4	विचार-सारोद्धार (सिद्धांत)	Vicāra+Sāroddhāra (Siddhānta)	गजकुशल द्वारा उद्धरित	ग. तालिका
920	,, गुटका 1	विचार-स्तवन	Vicāra Stavana	आनंदनिधान	प.
921	,, 22/55	विचारामृतसार-संग्रह	Vicārāmṛta Sāra Saṅgraha	कुलमण्डनसूरि	ग.
922	,, 29/20	विनय-पच्चीसी	Vinaya Paccīsī	—	प.
923	,, 13/45	विवेक-मंजरी	Vivekamañjarī	आसड	मू. (प)
924	कुंथुनाथ 55/4	विवेक-विलास+बाला.	Viveka Vilāsa (Bālā.)	जिनदत्तसूरि/—	मू बा. (प ग.)
925	के नाथ 22/58	विवेक-विलास	,,	जिनदत्तसूरि	मू. (प)
926	,, 14/137	,,	,,	,,	,,
927	,, 1/12	,, +बाला.	,, +Bālā	/सोमचंद	मू.बा. (प.ग.)
928	कोलड़ी 1094	विवेक-विलास	,,	कुशलाजी	प.
929	महावीर 2/11	विंशति स्थानक विचारामृत संग्रह	Viṁśati Sthānakavicā ā-mṛta Saṅgraha	जिनहर्षगणि	ग प.
930	,, 2/42	विशेष-संग्रह	Viśeṣa Saṅgraha	समयसुंदर	ग.
931	कुंथुनाथ 36/1 क्र. 1	वृद्ध आराधनासार	Vṛddha Ārādhanāsāra	देवसेन	मू (प)
932	कोलड़ी 1344	वेदपंचाशिका	Veda Pañcaśikā	बनारसीदास	प.

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
विविध धार्मिक विषय	प्रा.सं.	23	26 × 11 × 21 × 60	प्रतिपूर्ण	16वीं	
,,	मा.	111	26 × 11 × 10 × 25	,,	1766	
,,	प्रा.सं.मा	4	26 × 10 × 20 × 54	,,	19वीं	
,,	,	9	31 × 11 × 20 × 60	,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	15	26 × 11 × 6 × 48	,,	19वीं	अंतिम 2 पन्ने शास्त्र उद्धरण
,,	,,	6	31 × 11 × 19 × 44	,,	19वीं	शास्त्रों के उद्धरण
,,	प्रा.सं.मा	56*	26 × 11 × 15 × 42	त्रुटक	19वीं	
,,	मा.	13	27 × 12 × 16 × 50	संपूर्ण	19वीं	
जैन दर्शन सारांश व कर्मसिद्धान्त	प्रा.मा.	78	25 × 12 × 3 × 28	संपूर्ण 304 गा.	18वीं	
,, ,,	,,	56	28 × 13 × 4 × 32	,, 207 गा.	1892 राधनपुर वल्लभविजय	
विविध धार्मिक विषय	प्रा.सं.	150	26 × 11 × 15 × 50	प्रतिपूर्ण	17वीं	
,, बोल	मा.	83	27 × 12 × 14 × 42	संपूर्ण	1733	
जीव आयु विचार	,,	8*	22 × 19 × 22 × 32	,, 46 गा.	1814	
औपदेशिकादि	सं.	59	26 × 11 × 17 × 51	,, 25 अध्याय	1671	
औपदेशिक	मा.	1	24 × 10 × 16 × 48	,, 25 गा.	19वीं	
,, सिद्धान्त	प्रा.	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, 144 गा.	16वीं	
लौकिक धर्म	सं.मा.	117	25 × 11 × 14 × 34	,, 12 उल्लास ग्रं.4321	1698 सोनगिरि, विमल	
,,	सं.	40	30 × 11 × 16 × 44	संपूर्ण 12 उल्लास	17वीं	
,,	,,	42	26 × 11 × 15 × 33	,, ,,	1745	
,,	सं.मा.	13	26 × 11 × 15 × 51	अपूर्ण पांच उल्लास तक	19वीं	
औपदेशिक जैन	मा.	4	25 × 12 × 16 × 32	अपूर्ण 52 छंद	19वीं	
विधि विचार कथा संग्रह	सं.	117	28 × 13 × 13 × 31	संपूर्ण ग्रं. 2800	1933 मुंबई नानचंद्र	1502 की कृति, प्रशस्ति है
तात्त्विक पारिभाषिक उद्धरण	प्रा.सं.	30	26 × 13 × 13 × 31	,, 140 विचार	1873 बीकानेर कुशलमुनि	बीजक सह
औपदेशिक यति आराधना	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	लगभग पूर्ण (7 से 115 गा (अंत)	1544	
चार अनुयोग	हि.	3*	26 × 11 × 23 × 55	अपूर्ण 22 गा.	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
933	कोलड़ी 956	वैराग्य-बावनी	Vairāgya-bāvanī	लालचंद	प.
934	कुंथुनाथ 36/2	वैराग्य-मणिमाला	Vairāgya Maṇimālā	विद्यानंद	,,
935	के.नाथ गु 28	व्यवहार निश्चय क्रियाकवित्त संग्रह	Vyavahāra Niścaya Kriyā kavitta Saṅgraha	—	,,
936	कोलड़ी 806	व्याख्यान-चर्चा	Vyākhānya Carcā	—	ग.
937	कुंथुनाथ 36/1 क्र.16	व्रतसार-संग्रह	Vratasāra Saṅgraha	प्रभाचन्द्र	प.
938	महावीर 2/291	शास्त्रवार्त्ता समुच्चय	Śāstravārttā Samuccaya	हरिभद्र/यशोविजय	मू वृ.
939	के.नाथ 26/92	शिष्यबत्तीसी	Śiṣya Battīsī	जयचंद	प.
940	ओसियां 2/416	शीलकुलक	Śīla Kulaka	—	मू (प)
941	के.नाथ 24/44	शीलकेकड़े	Śīla Kekaḍe	ऋषि जयमल	प.
942	सेवामंदिर 2/429	,	,,	,,	,,
943	कुंथुनाथ 54/1	शीलगीत	Śīla Gīta	—	,,
944	सेवामदिर गु. 3 ति	शीलबत्तीसी	Śīla-battīsī	—	,,
945	के नाथ गुटका 1	,,	,,	राजसमुद्र	,,
946	,, 14/90	शीलरास (नेम-राजुल)	Śīla Rāsa (Nema-Rājula)	विजयदेवसूरि	,,
947	,, 14/42	,,	,,	,,	,,
948-49	कोलड़ी 244,270	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
950-2	के.नाथ 6/77,14 89 16/14	,, 3 प्रतियां	,, 3 ,,	,,	,,
953	सेवामंदिर 4 ग्र 192	,,	,,	,,	,,
954	कोलड़ी गु 2/5	शीलरास	Śīla Rāsa	धर्मसिंह मुनि	,,
955-57	महावीर 385 से 87	शीलांगरथ	Śīlāṅga Ratha	संकलित	ग तालिका
958	कुंथुनाथ 12/216	शीलोपदेशमाला बाला.	Śīlopadeśamālā + Bālā.	जयकीर्त्ति/मेरुसुंदर	मू बा. (प.अ
959	,, 18/6	शीलोपदेशमाला	,,	जयकीर्त्ति (जयसिंहसूरि शिष्य)	मू. (प)
960	के नाथ 3/28	,, +वृत्ति	,, + Vṛtti	,,/—	मू.वृ.
961	,, 13/28	शीलोपदेशमाला	,,	जयकीर्त्ति	मू ट (प.अ
962	,, 4/17	,, +बाला.	,, + Bālā.	,,/—	मू.बा. (प.अ

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	मा.	2	25 × 11 × 15 × 42	संपूर्ण 52 पद	19वीं	
,,	सं.	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	,, 33 श्लोक	1794	
,,	मा.	14	17 × 13 × 13 × 13	प्रतिपूर्ण	19वीं	
धार्मिक उपदेश	,,	34	31 × 11 × 15 × 56	संपूर्ण	1876 × वनेचंद	
औपदेशिक (तप)	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 33 श्लोक	1544	
जैनन्याय व ग्रन्थ	,,	347	27 × 13 × 15 × 46	,, 700 श्लोक की	20वीं	
विद्यार्थी-गुण	मा.	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	,, 33 गाथा	1767	
औपदेशिक (ब्रह्मचर्य)	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
ब्रह्मचर्य-उपदेश	मा.	12*	26 × 11 × 21 × 63	,, 16 पद	19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 30	,, ,,	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 7 × 30	,, 31 गा.	19वीं	
,,	,,	9	16 × 13 × 14 × 17	,, 34 गा.	17वीं	
,,	,,	2	22 × 19 × 22 × 32	,, 32 गा.	1814	
,,	,,	9	26 × 11 × 11 × 42	,, 70 गा.	1611	
,,	,,	4	26 × 11 × 17 × 55	,,	1795	
,,	,,	9,11	27 × 11व24 × 21	संपूर्ण 76/69 गा.	19वीं	
,,	,,	7,6,5	26 × 10से12 × भिन्न	,, 76,77,68 गा	19वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 13 × 48	अपूर्ण गा. 24 से 80	19वीं	
,, सह दृष्टांत	,,	गुटका	15 × 11 × 11 × 22	संपूर्ण 64 गा.	1823 × राम-सागर	
ब्रह्मचर्य व संयम के बोल	प्रा.	2,2,11	26 × 11व12—	प्रतिपूर्ण (अंतिम में अधिक नकल)	19वीं	यंत्र चित्रनुमा
औपदेशिक कथा सह	प्रा.मा	147	26 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण 115 गा.की कथासह	16वीं	
औपदेशिक	प्रा.	5	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 115 गा.	1608	
,,	प्रा.सं.	199	26 × 11 × 13 × 45	संपूर्ण ग्रं 6655 कथासह	1659	वृत्ति शीलतरङ्गिणी नाम्नी
,,	प्रा.मा	18	26 × 11 × 5 × 25	,, 114 गा	18वीं	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 47	,, 117 गा.	18वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
963	के.नाथ 4/16	शीलोपदेशमाला	Śilopadeśa Mālā	जयकीर्त्ति	मू. (प)
964 965a/b	,, 6/18,19/ 125-29	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
966	कुंथुनाथ 53/5	,,	,,	,,	,,
967	,, 29/1	,, +बाला.	,, +Bālā.	,,	मू बा. (प.ग.
968	मुनिसुव्रत 2/269	श्राद्धदिनकृत्य	Śrāddha Dinakṛtya	देवेन्द्रसूरि	मू. (प)
969	के नाथ 17/43	,,	,,	,,	,,
970	कोलड़ी 803A	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,–/देवेन्द्रसूरि स्वोपज्ञ	मू वृ (प.ग.
971-3	के.नाथ 6/9-71, 15/23	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,/—	मू. (प.)
974	,, 5/112	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/—	मू वृ. (प.ग.)
975	,, 14/57	श्राद्धदिनकृत्य का बालावबोध	,, kā Bālāva-bodha	,/—?	ग
976	कुंथुनाथ 33/7	श्राद्ध वि ···(धि ?)	Śrāddha Vi........	—	प.
977	महावीर 3 अ 123	श्राद्धविधिप्रकरण+वृत्ति	Śrāddhavidhi Prakaraṇa +Vṛtti	रत्नशेखर/रत्नशेखर/ स्वोपज्ञ	मू.वृ.
978	,, 3 अ 36	,, + ,,	,, + ,,	,,—/ ,, ,,	मू.वृ ट.
979	,, 3 अ 122	,, + ,,	,, + ,,	,,—/ ,, ,,	मू वृ.
980	के नाथ गु 26/91	श्रावकआराधना	Śrāvaka Ārādhanā	अज्ञात	मू. (प)
981	ओसियां 3 अ 43	,,	,,	,,	ग.
982	के.नाथ 14/3	,,	,,	महिमासुंदर	प.
983	ओसियां 3 अ 44	,,	,,	अज्ञात	ग.
984	के.नाथ 21/1	,,	,,	समयसुंदर	,,
985	कुंथुनाथ 25/3	,,	,,	,,	,,
986-7	कोलड़ी 378,380	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
988	,, 375	,,	,,	—	,,
989	,, 381	,,	,,	देवेन्द्रगणि	ग.
990	, 377	,,	,,	पाठक राजसोम	,,
991	ओसियां 3 अ 45	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा.	6	26 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण 116 गा.	18वीं	(कहीं जयवल्लभ भी नाम है)
,,	,,	6,3,9	23से25 × 11 × भिन्न	,, 116/125/116 गा.	19वीं	
,,	,,	5	26 × 11 × 12 × 40	,, 116	19वीं	
,,	प्रा.मा.	14	26 × 11 × 11 × 44	अपूर्ण गाथा 10 से 116 अंत तक	19वीं	
श्रावकाचार	प्रा.	15	26 × 12 × 11 × 38	संपूर्ण 325 गा. (ग्रं.360)	15वीं	13वां पन्ना कम
,,	,,	24	25 × 10 × 9 × 31	,, 342 गा.	16वीं	
,,	सं.	269	28 × 11 × 15 × 54	,, 8 प्रस्ताव ग्रं.12820	1676 को वहराई गई	17वीं शताब्दी की ही लगती है
,,	प्रा.	16,12 14	26 × 11 × 13 × 35	,, 344 गा.	19वीं	
,,	प्रा.सं.	39	28 × 17 × 17 × 36	अपूर्ण 247 गा तक ही	20वीं	
,,	मा	8	30 × 12 × 17 × 55	संपूर्ण	19वीं	
,,	सं.	25	26 × 12 × 15 × 56	त्रुटक	16वीं	
,,	प्रा.सं.	198	25 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण 6 प्रकाश ग्रं.6761	1658, वासा, लक्ष्मण	प्रशस्ति है/वृत्ति विधि कौमुदी
,,	प्रा.सं.मा	382	26 × 11 × 7 × 43	,, ,, ,,	1802, सिवाणा, विद्याविजय	टब्बाकार ऋषिविजय
,,	प्रा सं.	149	27 × 13 × 13 × 53	,, ,, ग्रं.6760	1964 जोधपुर गोपीकिशन	
,,	प्रा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	,, 50 गाथा	18वीं	
,,	सं.	5	26 × 11 × 17 × 53	,,	16वीं	मूल प्राकृतानुसार
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 44	,, ग्रं. 166	17वीं	
,,	,,	5	27 × 12 × 14 × 49	संपूर्ण	1846 उजैंपुर बखतसुंदर	की नकल
,,	,,	8	25 × 11 × 11 × 35	,,	19वीं	
,,	,,	9	23 × 11 × 9 × 34	अपूर्ण (पन्ने 3 से 11 अंत)	19वीं	
,,	,,	5,11	27 × 12 × भिन्न 2	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	5	26 × 13 × 13 × 42	,,	1903	
,,	मा.	4	27 × 12 × 16 × 42	,,	1859	
,,	,,	9	24 × 10 × 12 × 35	,,	1888 जैसलमेर	मूल प्राकृतानुसार
,,	,,	7	24 × 11 × 15 × 36	,,	1906, सुभटपुर, उपकेशगच्छे	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
992	कोलड़ी 376	श्रावकआराधना	Śrāvaka Ārādhanā	—	ग.
993	के.नाथ 15/31	श्रावकगुण-चौपई	Śrāvaka Guṇa Caupaī	समयराज उपाध्याय	पद्य
994	कोलड़ी 1347	श्रावक-नित्यकर्त्तव्यानि	Śrāvaka Nitya Karttvyāni	—	,,
995	कुंथुनाथ 55/20	श्रावक-मनोरथमाला	Śrāvaka Manorathamālā	—	प.
996	ओसियां 2/152	श्रावक-वक्तव्यता	Śrāvaka Vaktavyatā	—	मू. (प)
997	के.नाथ 22/70	श्रावकव्रत	Śrāvaka Vrata	दासानंद (सेनसूरि का शिष्य)	,,
998	ओसियां 3 इ 226	श्रावकव्रतभंग-प्रकरण	Śrāvaka Vrata Bhaṅga	देवेन्द्रसूरि	,,
999	महावीर 3 आ 38	,, की अवचूरि	,, kī Avacūri	—	ग.
1000	के.नाथ 9/28	श्रावकव्रतभंग+22 अभक्ष्य	,, +22 Abhakṣya	—	मू.अ.
1001	कोलड़ी 855	श्रावकाचार	Śrāvakācāra	जोगेन्द्राचार्य	पद्य
1002	कुंथुनाथ 54/6	शृंगारवैराग्यमुक्तावली	Śṛṅgāra Vairāgya Muktāvalī	सोमप्रभाचार्य	,,
1003	के.नाथ 19/22	षडावश्यक-चौपई	Ṣaḍāvaśyaka Caupaī	दानविजय	मू (प) ट.(
1004	कोलड़ी 982	षड्दर्शन-समुच्चय	Ṣaḍdarśana Samuccaya	हरिभद्रसूरि	मू.अ.+(प.
1005	कुंथुनाथ 36/1 क्र. 28	,,	,,	,,	मू प.
1006	महावीर 2/289	,,	,,	,,	,,
1007	कोलड़ी 1221	,, +टीका	,, +Tīkā	हरिभद्र गुणरत्नसूरि	मू वृ. (प ग
1008	महावीर 2/290	,, + ,,	,, + ,,	हरिभद्र/—	,,
1009	,, 2/44	षड्द्रव्य का प्रश्न	Ṣaḍdravya kā Praśna	—	ग.
1010	,, 2/35	षोडशक+वृत्ति	Ṣoḍaśaka+Vṛtti	हरिभद्र/अभयदेव	मू.वृ. (प.ग
1011	सेवामंदिर 3 इ 345	सचित्ताचित्तस्वादिमादि	Sacittācitta Svādimādi	श्रीपति मुनि	प.
1012	कुंथुनाथ 36/1 क्र. 38	सज्जनचित्तवल्लभ	Sajjanacitta-vallabha	मल्लिषेण	,,
1013-4	महावीर 2/394-5	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
1015	ओसियां 2/308	,, +बाला.	,, +Bālā.	मल्लिषेण/	मू.बा. (प.ग
1016	के.नाथ 9/5	सट्ठिसय (षष्टीशतक)	Saṭṭharisaya	भंडारी अनेमीचंद	मू. (प)
1017	,, 11/73	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावकाचार	अ.मा.	4	26 × 10 × 15 × 50	संपूर्ण	19वीं	
,,	मा.	3	26 × 11 × 13 × 36	,, 46 गाथा	19वीं	
,,	सं.	5	25 × 11 × 12 × 35	अपूर्ण 78 श्लोक	19वीं	
,,	मा.	3*	26 × 11 × 15 × 52	संपूर्ण 28 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 103 गा.	16वीं	
,,	,,	3*	26 × 12 × 11 × 35	,, 12 गा.	18वीं	
,,	,,	2*	26 × 11 × 19 × 56	,, 40 गा.	1505, पाटक-नगर, जयवीर	
,,	सं	2	26 × 11 × 25 × 66	,, 40 गाथा की	18वीं	
,,	प्रा.सं.	10	26 × 11 × 16 × 60	,, 41+7 गा.	16वीं × शिव-निधान	अंत में 25 गा. वाला सम्यक्त्व स्तवन
गृहस्थ धार्मिक कर्त्तव्य	अ.	35	29 × 11 × 10 × 34	संपूर्ण	19वीं	
औपदेशिक	सं.	3	27 × 11 × 15 × 70	,, 47 श्लोक	18वीं	
आवश्यक का महत्व आदि	मा.	12	26 × 12 × 20 × 40	,, 92 गाथा.	18वीं	1730 की कृति
दार्शनिक	सं.	4	34 × 13 × 10 × 43	,, 87 श्लोक	1537	
,,	,,	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 87 ,,	1544	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 46	,, 87 ,,	18वीं	
,,	,,	230	26 × 12 × 12 × 32	,, 87 श्लोक की	19वीं	वृत्ति-तर्क रहस्य दीपिका नाम्नी
,,	,,	90	29 × 14 × 17 × 46	,, ,,	20वीं	
तात्त्विक प्रश्नोत्तर	मा.	3	27 × 13 × 10 × 28	प्रतिपूर्ण	20वीं	
दार्शनिक	सं.	36	30 × 14 × 18 × 48	संपूर्ण 297 श्लोक की	1915 महिमद-पुरे अभयविजै	
सैद्धान्तिक औपदेशिक	मा.	2	26 × 12 × 14 × 34	संपूर्ण 18 गा.	18वीं	
सुभाषित औपदेशिक	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 25 श्लोक	1544	
,,	,,	3,2	25 × 13/12 × भिन्न 2	,, ,,	20वीं	
,,	सं.मा.	7	27 × 14 × 13 × 38	,, 25 श्लोक का	20वीं	
औपदेशिक तात्त्विक	प्रा.	8	26 × 11 × 9 × 36	,, 161 गाथा	16वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 11 × 34	,, , (पहिलापत्राकम)	16वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1018	सेवामंदिर 2/425	सट्ठरिसय	Satṭharisaya	भंडारी अनेमीचंद	मू. (प.)
1019	ओसियां 2/152	,,	,,	,	,,
1020	के.नाथ 20/41	,, +बाला.	,, +Bālā.	भंडारी अनेमीचंद/	मू.बा. (प ग.
1021-5	,, 4/13,6/37, 10/59,15/25,19/123	सट्ठरिसय (पांच प्रतियां)	,, 5 copies	,,	मू. (प.)
1026	,, 6/2	सट्ठरिसय+वृत्ति	,, +Vṛtti	,,	मू.वृ (प.ग.)
1027	,, 23/32	,, का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha	,,	ग.
1028	,, 5/77	सद्भाषितावली	Sadbhāṣitāvali	सकलकीर्त्ति	प.
1029	ओसियां 2/240	,,	,,	संकलित	,
1030	कोलड़ी 1101	,,	,,	—	,,
1031	के.नाथ 17/24	समयसार आत्मख्यातिसह	Samayasāra+Ātmakhyāti	कुंदकुंद/अमृतचंद्राचार्य	मू.वृ. (प.)
1032	महावीर 2/56	,,	,,	कुंदकुंद/ ,,	,,
1033	कोलड़ी 1228	,, तात्पर्यवृत्तिसह	Samayasāra+Tātparyavṛtti	,, /जिनसेन	,, (प.ग.)
1034	के.नाथ 15/99	समयसार की आत्मख्याति टीका	,, kī Ātmakhyāti Tīkā	अमृतचंद्राचार्य	प.
1035	कोलड़ी 834	समयसार-कलश	Samayasāra-Kalaśa	,,	,,
1036	ओसियां 2/166	समयसार-नाटक	Samayasāra Nātaka	बनारसीदास	,,
1037	कुंथुनाथ 3/50	,,	,,	,,	,,
1038	कोलड़ी गु.11/12	,,	,,	,,	,,
1039	,, 846	,,	,,	,,	,,
1040	,, गु. 10/5	,,	,,	,,	,,
1041	,, 845	,,	,,	,,	,,
1042	के नाथ 14/72	,,	,,	,,	,,
1043	कुंथुनाथ 11/201	,,	,,	,,	,,
1044	सेवामंदिर 2/358	,,	,,	,,	,,
1045	,, 2/359	समयसार की समालोचना	Samayasāra kī Samālocanā	—	ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक तात्त्विक	प्रा.	6	24 × 11 × 11 × 42	अपूर्ण 53 से 160 गाथा ही	16वीं	
,,	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण 161 गा.	16वीं	
,,	प्रा.मा.	29	25 × 11 × 11 × 38	,, ,, गा. का	19वीं	
,,	प्रा.	27,5, 16,5, 18	25से28 × 10से12	,, 161 गा./157 गा.	19/20वीं	
,,	प्रा.सं.	45	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण 45 गा तक	19वीं	
,,	मा.	20	27 × 11 × 17 × 51	संपूर्ण 160 गा.	17वीं	
औपदेशिक सुभाषित	सं.	22	26 × 11 × 11 × 30	संपूर्ण 388 श्लोक	17वीं	
जैन धार्मिक ,,	,	28	30 × 15 × 12 × 32	,, 495 ,,	18वीं	
,, ,,	,,	5	26 × 11 × 16 × 49	अपूर्ण 123 श्लोक	19वीं	
आध्यात्मिक तात्त्विक	प्रा.सं.	77	20 × 11 × 16 × 49	संपूर्ण	1703	
,,	,,	40	26 × 12 × 13 × 35	,, 417 श्लोक	1714	
,,	,,	168	26 × 11 × 13 × 36	,, 443 गाथा	1761 जैसलमेर कान्	संशोधित
,,	सं.	19	25 × 10 × 11 × 34	,, 280 श्लोक	19वीं	
,,	,,	24	32 × 11 × 10 × 33	,, 260 पद	19वीं	
,,	हिन्दी	33	26 × 11 × 19 × 44	संपूर्ण	1713	
,,	,,	22	26 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण त्रुटक	1758	
,,	,,	गुटका	16 × 15 × 17 × 25	संपूर्ण	1773	अंत में 33 सवैये आध्यात्मिक
,,	,,	65	31 × 11 × 11 × 36	,,	1815, सलूंबा प्रसिद्धविजय	
,,	,,	गुटका	19 × 13 × 13 × 23	,	1884	
,,	,,	68	32 × 12 × 13 × 36	,,	19वीं	
,,	,,	18	26 × 11 × 9 × 31	अपूर्ण (अजीव द्वार + 28 पद)	19वीं	
,,	,,	72	22 × 17 × भिन्न 2	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	19	26 × 12 × 26 × 68	,, 727	1919	
,,	मा.	38	31 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1046	महावीर 2/402	समाधितन्त्र	Samādhi-tantra	उ. यशोविजय	प.
1047-8	ओसियां 2/292, 153	,, दो प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
1049	कुंथुनाथ 14/14	समाधितन्त्र (आत्मबोध आत्म-रक्षिता)	,, (Ātmabodha)	—	,,
1050	कोलड़ी 1197	,, +बाला.	,, +Bālāvabodha	—	मू.बा. (प.ग.
1051	के नाथ 11/94	समाधिशतक+वृत्ति	Samādhi-śataka+vṛtti	पूज्यपाद/पं. प्रभाचंद	मू वृ. (प.ग)
1052	सेवामंदिर 3 इ 345	सम्यक्त्व-अधिकार	Samyaktva-adhikāra	—	ग.
1053	महावीर 2/117	सम्यक्त्वरत्न महोदधि+वृत्ति	Samyaktva Ratna Mahodadhi+Vṛtti	चन्द्रप्रभ/चन्द्रेश्वर, तिलकाचार्य	मू.वृ. (प.ग.)
1054	ओसियां 2/305	सम्यक्त्वविचार+वृत्ति	Samyaktva-Vicāra+Vṛtti	—	मू.वृ.
1055	के.नाथ 11/14	सम्यक्त्वविचार का बाला.	,, kā Bālāvabodha	—	ग.
1056	ओसियां 3 अ 50	सम्यक्त्व सडसठ बोली सज्झाय	Samyaktva 67 Bolī Sajjhāya	उ. यशोविजय	प.
1057	महावीर 3 इ 60	,,	,,	,,	,,
1058	के.नाथ 19/7	,,	,,	,,	,,
1059-62	कोलड़ी 284 से 6.305	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
1063	कुंथुनाथ 3/47	सम्यक्त्वस्तव+बा.	Samyaktva-stava+Bālā.	—	मू.बा. (प.ग.
1064	कोलड़ी 118	सम्यक्त्वस्तव+अ.	,, +Avacūri	—	मू.अ. (प ग.)
1065	महावीर 2/75	सम्यक्त्वस्तव+अ.	,, + ,,	—	,,
1066	के.नाथ गु.26/103	सम्यक्त्वस्तव	Samyaktva-stava	—	मू. (प.)
1067-8	,, 11/74,6/75	,, +बा. 2 प्रतियां	,, +Bālā 2copies	—	मू.ब. (प.ग.)
1069	सेवामंदिर 2/427	सम्यक्त्व-स्वरूप	Samyaktva-svarūpa	—	ग.
1070	कोलड़ी 448	,,	,,	—	,,
1071	के.नाथ 10/28	सर्वज्ञशतक	Sarvajña-śataka	धर्मसागर	मू. (प.)
1072	मुनिसुव्रत 3 इ 306	सवैयाबावनी	Savaiyā-bāvanī	जसराज	प.
1073	कोलड़ी 98	संग्रहणी+बाला.	Saṅgrahaṇī+Bālā.	म.हेमचंद्र शिष्य/श्रीचंद	मू.बा. (प ग.
1074	के.नाथ 22/62	संग्रहणी	,,	श्रीचंद	मू. (प.)
1075	,, 10/58	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्मभेद दशानादि	मा.	6	25 × 13 × 12 × 34	संपूर्ण 105 दोहे	1,875, सोजत, भनीदास	
,,	,,	9*,19*	25 × 11 व 12 × भिन्न	,, 105 दोहे	19/20वीं	
योगतात्त्विक	सं.	5	26 × 12 × 13 × 42	,, 104 श्लोक	19वीं	
,,	सं.मा.	50	27 × 13 × 17 × 38	अपूर्ण 49 श्लोक	19वीं	
आध्यात्मिक	सं.	29	29 × 13 × 10 × 31	संपूर्ण	19वीं	
दार्शनिक	मा	2	25 × 11 × 14 × 50	,,	1904	
,,	प्रा.सं	248	27 × 13 × 14 × 36	,, पांच अधिकार ग्रं.8000	19वीं, राणपुर, जयसिंह	प्रशस्ति/वृत्तिकार के गुरु शिवप्रभ शास्त्रउद्धरण
,,	,	5	26 × 11 × 10 × 34	,,	18वीं	
,,	मा.	4	27 × 13 × 16 × 48	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 11 × 50	संपूर्ण 68 गाथा	1753, पाटण अंबादत्त	
,,	,,	6	28 × 12 × 11 × 34	,,	19वीं × तलजाराम	
,,	,,	7	25 × 10 × 10 × 34	संपूर्ण 68 गा./ग्रं 125	19वीं	
,,	,,	3,3,5, 26*	26 से 29 × 10 से 12	, 68/70 गा.	19वीं	
,,	प्रा.मा.	11	22 × 12 × 15 × 48	,, 25 गा.	1730	
,,	प्रा.सं.	6	26 × 10 × 16 × 42	,, ,,	18वीं	अंत में पुद्गलपरावर्त्त सावचूरिप्रा स 11 गा
,,	,,	7*	25 × 11 × 17 × 46	,, 24 गा.	18वीं	
,,	प्रा.	1 + 1	25 × 12 × 20 × 56	,, 25 गा	18वीं	दो बार लिखा है
,,	प्रा.मा	4,5	26 × 12 व 25 × 11	,, 25 गा. का	19वीं	
,,	मा.	3	25 × 10 × 16 × 60	अपूर्ण	17वीं	
,,	,,	4	24 × 12 × 12 × 28	संपूर्ण	1882	
,,	प्रा.	8	26 × 11 × 10 × 33	,, 124 गा.	19वीं	
ज्ञानविषयक पद	मा.	3	25 × 10 × 18 × 50	,, 56 सवैये	1783	
लोकस्वरूप	प्रा मा.	70	27 × 12 × 13 × 40	संपूर्ण	1580	त्रैलोक्यदीपिका नाम्नी
,,	प्रा	16	26 × 11 × 11 × 37	,, 310 गा.	16वीं	
,,	,,	14	26 × 11 × 11 × 47	,, 312 गा.	16वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1076	के.नाथ 13/45	संग्रहणी	Saṅgrahanī	श्रीचद्र	मू. (प.)
1077	मुनिसुव्रत 2/260	,,	,,	,,	मू ट. (प.ग.)
1078	ओसियां 2/182	,,	,,	,,	मू. (प.)
1079	कुंथुनाथ 15/4	,,	,,	,,	,,
1080	के.नाथ 1/7	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti	श्रीचंद्र/देवभद्रसूरि	मू.वृ. (प.ग.)
1081	,, 23/40	संग्रहणी	,,	श्रीचंद्र	मू ट. (प.ग.)
1082	,, 5/53	,,	,,	,,	मू (प.)
1083	,, 14/7	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti	श्रीचंद्र/देवभद्रसूरि	मू.वृ. (प.ग.)
1084	,, 11/55	,, + बाला.	,, + Bālā.	,, / ×	मू.बा. (प ग.)
1085	,, 10/18	,, + बाला.	,, + ,,	,, / —?	,,
1086	कोलड़ी 1121	,, + बाला.	,, + ,,	,, / —?	,,
1087	महावीर 2/109	,,	,,	श्रीचंद्र	मू. (प)
1088	के.नाथ 6/27	,,	,,	,,	,,
1089	,, 23/33	,,	,,	,,	,,
1090	,, 20/13	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
1091	ओसियां 2/143	,,	,,	,,	,,
1092	कोलड़ी 100	,, + बाला.	,, + Bālā.	,,	मू बा. (प.ग.)
1093	ओसियां 2/183	,,	,,	,,	मू. (प.)
1094	कोलड़ी 97	,,	,,	,,	,,
1095	ओसियां 2/185	,,	,,	,,	,,
1096	कोलड़ी 383	,,	,,	,,	,,
1097	के.नाथ 20/14	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
1098	ओसियां 2/180	,,	,,	,,	,,
1099	कोलड़ी 94	,,	,,	,,	मू. (प.)
1100	कोलड़ी 96	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
लोकस्वरूप	प्रा.	24*	30 × 12 × 19 × 86	संपूर्ण 273 गा.	16वीं	
,,	प्रा.मा.	15	26 × 11 × 8 × 48	,, 277 गा.	16वीं	
,,	प्रा.	11	26 × 11 × 13 × 42	,, 286 गा.	16वीं	
,,	,,	17	25 × 12 × 11 × 37	,, 311 गा.	16वीं	
,,	प्रा सं.	73	26 × 11 × 15 × 48	,, ग्रं. 3500	1642	
,,	प्रा.मा.	30	26 × 11 × 8 × 37	,, ग्रं. 1757	1651	
,,	प्रा.	23	26 × 11 × 11 × 38	,, 289 गा.	1678	
,,	प्रा.सं.	76	26 × 11 × 15 × 54	,, 273गा./ग्रं.3500	17वीं	
,,	प्रा.मा.	34	25 × 10 × 15 × 50	,, ग्रंथाग्र 1700	17वीं	
,,	,,	38	26 × 11 × 15 × 53	,, 280 गा (अंतिम पन्ना कम)	17वीं	
,,	,,	39	26 × 10 × 16 × 50	संपूर्ण केवल अंतिम पन्ना कम	17वीं	
,,	प्रा	21	26 × 11 × 11 × 36	,, 279 गा प्रथम ,,	17वीं	
,,	,,	25	25 × 11 × 11 × 28	,, 3255 गा. (299)	17वीं	
,,	,,	12	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 298 गा.	1700	
,,	प्रा.मा.	51	27 × 12 × 14 × 39	,, 321 गा.	1702	
,,	,,	50	27 × 12 × 6 × 33	,, 344 गा.	1792,चौबारी जसविजय	
,,	,,	23	25 × 11 × 26 × 52	,, 279 गा.	1795	
,,	प्रा.	17	26 × 11 × 11 × 34	,, 283 गा.	18वीं	
,,	,,	13	23 × 10 × 13 × 36	,, 323 गा.	18वीं	
,,	,,	19	26 × 11 × 11 × 34	,, 378 गा.	1800,विक्रमपुर नरसुंदर	
,,	,,	12	25 × 10 × 12 × 48	,, 313 गा.	1807	
,,	प्रा.मा.	45	26 × 12 × 17 × 35	,, 345 गा.	1816	
,,	,,	66	26 × 12 × 5 × 38	,, 357 गा.	1817,भटपद्र, लीलाधर	
,,	प्रा.	13	25 × 11 × 14 × 42	,, 313 गा.	1825	
,,	,,	10	25 × 10 × 16 × 50	,, 323 गा.	1833	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1101	ओसियां 2/184	संग्रहणी+बाला.	Saṅgrahaṇī+Bālā.	श्रीचन्द्र/प्रतापविजय (जिनविजय का)	मू.बा. (प.ग.)
1102	सेवामंदिर 2/426	,,	,,	श्रीचन्द्र	मू. (प)
1103	कोलड़ी 69/5	,,	,,	,,	,,
1104	के.नाथ 14/60	,,	,,	,,	,,
1105	,, 20/10	,,	,,	,,	,,
1106	,, 14/141	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/ – ?	मू वृ. (प ग.)
1107	कुंथुनाथ 42/2	,,	,,	श्रीचन्द्र	मू प.
1108-13	के.नाथ 17/66, 23/24, 6/16, 21/82, 6-23, 15-202	,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,
1114	कुंथुनाथ 4/88	,,	,,	,,	,,
1115-17	ओसियां 2/181-87 -86	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
1118-22	कोलड़ी 95-1-3-2, 1120	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,,	,,
1123	मुनिसुव्रत 2/319	,,	,,	,,	मू ट. (प ग.)
1124-26	के.नाथ 6-30,20-8, 13-52	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
1127	कुंथुनाथ 4/87	,,	,,	,,	,,
1128	के.नाथ 15/21	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,/?	मू.वृ. (प.ग.)
1129-30	कोलड़ी 101,99	,, +बा. 2 प्रतियां	,, +Bālā 2copies	,,/?	मू.बा. (प.ग.)
1131-2	के.नाथ 10/1-10/70	,, +बा. 2 प्रतियां	,, +Bālā.2copies	,,/?	,,
1133	,, 1/32	,, +बा.	,, +Bālā.	,,/शिवनिधान	,,
1134	महावीर 2/77	संग्रहणी की अवचूरि	,, kī Avacūri	—	ग.
1135	कोलड़ी 102	संग्रहणी के टब्बे (नोट्स)	,, ke ṭabbe	—	ग. तालिका
1136	के.नाथ 14/111	संतोषछत्तीसी	Santoṣa-chattīsī	समयसुंदर	प.
1137	कुंथुनाथ 36/1 क्र. 6 A	संबोध-पंचाशिका	Sambodha Pañcāśikā	—	मू. (प.)
1138	के.नाथ 16/20	संबोधसत्तरी	Sambodha-sattarī	जयशेखर	मू ट. (प.ग.)
1139	,, 10/54	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	जयशेखर/अमरकीर्त्ति	मू.वृ. (प ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
लोकस्वरूप	प्रा.मा.	80	28 × 13 × 15 × 52	संपूर्ण 367 गा./ग्रंथाग्र 3520 + यंत्रों के 2700	1847, ग्राद्रि-यारणा, जिनविजय	प्रशस्ति है
,,	प्रा.	11	25 × 11 × 12 × 44	त्रुटक	16वीं	
,,	,,	16	24 × 10 × 11 × 40	अपूर्ण	16वीं	
,,	,,	6	26 × 11 × 11 × 40	त्रुटक	1670	
,,	,,	22	26 × 11 × 7 × 24	अपूर्ण (131 से 286 गा.)	17वीं	
,,	प्रा.सं.	35	25 × 11 × 4 × 48	,, (176 गाथा तक)	17वीं	
,,	प्रा.	8	26 × 12 × 13 × 35	,, (204 से 358 गा.)	1794	
,,	,,	23,13, 16,17, 13,11	25 से 27 × 11 से 12	पांच पूर्ण छठी अपूर्ण 97 गा	19/20वीं	पूर्ण प्रतियों की गा. 278/323
,,	,,	22	26 × 13 × 13 × 36	संपूर्ण 393 गा.	1938	
,,	,,	12,11	23 से 27 × 11 से 12	,, 283/378 गा.	19वीं	
,,	,,	15 16,20,16, 16,16	25 से 27 × 11 से 13	चार पूर्ण, पांचवी अपूर्ण 222 गा.	19/20वीं भिन्न 2 जगह	पूर्ण प्रतियों की गा. 317/326
,,	प्रा.मा.	51	25 × 11 × 5 × 33	संपूर्ण 313 गा.	20वीं	
,,	,,	46,47,8	25 से 28 × 10 से 13	प्रथम पूर्ण अंतिम दो अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	29	26 × 13 × 11 × 40	संपूर्ण 317 गा.	1887	
,,	प्रा.सं.	22	26 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण गा. 206 से 273 तक	19वीं	
,,	प्रा.मा.	57,30	25 × 12 × 5/18 × 45	संपूर्ण 393, 370 गा. का	19/20वीं	
,,	,,	97,33	26 × 11 × 9/13 × 40	प्रथम संपूर्ण 277, द्वितीय अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	11	25 × 11 × 18 × 50	अपूर्ण 49 गा. तक ही	19वीं	
,,	सं.	22	26 × 11 × 19 × 64	संपूर्ण 276 गाथा की	16वीं	देवभद्र की वृत्ति के अनुसार
,,	मा.	8	29 × 11 × —	संपूर्ण प्रति	17वीं	
औपदेशिक	,,	3*	26 × 11 × 23 × 66	संपूर्ण 36 गाथा	18वीं	
,,	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 50 गाथा	1544	
,,	प्रा.मा.	2	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण 25 से 73 (अंत) गा	1552	
,,	प्रा.सं.	16	27 × 11 × 15 × 47	संपूर्ण 76 गा./ग्रं. 800	16वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1140	मुनिसुव्रत 2/323	संबोधसत्तरी	Sambodha-sattarī	जयशेखर	मू. (प.)
1141	कोलड़ी 1184E	,,	,,	,,	,,
1142	मुनिसुव्रत 2/252	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग
1143	ओसियां 2/232	,,	,,	,,	,,
1144	के.नाथ 6/36	,,	,,	,,	मू. (प.)
1145	कोलड़ी 818	,,	,,	,,	,,
1146	ओसियां 2/169	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
1147	के.नाथ 21/16	,,	,,	,,	,,
1148	कोलड़ी 130	,,	,,	,,	,,
1149	,, 8/19	,,	,,	,,	,,
1150	ओसियां 2/168	,,	,,	,,	,,
1151	,, 2/233	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	जयशेखर/अमरकीर्त्ति	मू वृ. (प.ग.)
1152	कुंथुनाथ 14/9	,, +बाला.	,, +Bālā.	,, / —	मू.बा. (प ग.)
1153	कोलड़ी 129	,,	,,	जयशेखर	मू.ट. (,,)
1154-56	,, 128,1234, 1331	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	मू. (प.)
1157	के नाथ 5/83	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	जयशेखर/अमरकीर्त्ति	मू वृ. (प.ग)
1158	,, 15/55	,,	,,	जयशेखर	मू. (प.)
1159	,, 18/47	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
1160	सेवामंदिर 2/379	,,	,,	,,	मू. (प.)
1161	कोलड़ी 278	संवेगी-कसौटी	Saṁvegī Kasauṭī	उ. यशोविजय	प.
1162	सेवामंदिर 3 इ 345	,,	,,	,,	,,
1163	के.नाथ 5/32	सप्तव्यसन-परिहार	Saptavyasana Parihāra	—	ग.
1164	कुंथुनाथ 2/5	साधु-आचार-दोष	Sādhu Ācāra-doṣa	—	ग. तालिका
1165	सेवामदिर 3 इ 345	साधु श्रावक बोलपर व्याजेई	Sadhu Śrāvaka Bola Vyājeī	—	ग.
1166	के.नाथ 15/241	सामायिक (दोष) विचार	Sāmāyika Doṣa Vicāra	आनन्दनिधान	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा.	9	25 × 11 × 10 × 32	संपूर्ण 78 गा.	16वीं	अंत में 83 गा. 'उपदेशमाला' की
,,	,,	3	25 × 11 × 6 × 31	,, 73 गा.	16वीं	
,,	प्रा.मा	8	26 × 11 × 10 × 37	,, 71 गा.	1667	
,,	,,	8	25 × 11 × 9 × 32	,, 116 गा.	17वीं, चाडा, केशरविजय	
,,	प्रा.	13	26 × 11 × 13 × 39	,, 72 गा	17वीं	
,,	,,	3	31 × 11 × 13 × 43	,, 75 गा	1753 × सुविधिसागर	
,,	प्रा मा	32	26 × 12 × 2 × 43	,, 124 गा.	1775	
,,	प्रा.सं.	3	25 × 11 × 9 × 56	,, 72 गा.	1779	
,,	प्रा.मा.	24	26 × 10 × 4 × 26	,, 126 गा.	1822	
,,	,,	6	30 × 11 × 7 × 40	,, 72 गा.	1837 कोसाणा मनोहरविजे	
,,	,,	7	26 × 12 × 7 × 43	,, 75 गा.	1894 लघु पौषधशाला	
,,	प्रा.सं.	14	26 × 11 × 16 × 41	,, 76 गा. की	19वीं	वृत्तिकार रत्नशेखर को कर्त्ता मानते हैं
,,	प्रा.मा.	9	26 × 11 × 15 × 65	,, 72 गा. की	19वीं	
,,	,,	9	25 × 10 × 5 × 38	,, 76 गा.	19वीं	
,,	प्रा.	6,6,5	23 से 27 व 10 से 12	,, 72,89,85 गा.	19वीं	
,,	प्रा.सं.	17	26 × 11 × 4 × 38	,, 76 गा. की	19वीं	
,,	प्रा	4	24 × 11 × 13 × 25	,, 74 गा.	19वीं	
,,	प्रा मा.	7	26 × 12 × 5 × 40	,, 72 गा.	19वीं	
,,	प्रा.	6	23 × 12 × 14 × 38	,, 124 गा.	1956	
शिथिलाचारी-साधु जीवन पर व्यंग	मा.	4	25 × 11 × 11 × 36	,, 40 गा.	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 17 × 54	अपूर्ण ढाल 3	20वीं	(अंत में 16 स्वप्न चंद्रगुप्त)
औपदेशिक	,,	27	26 × 11 × 12 × 32	अपूर्ण	19वीं	
साधु के 47 दोष	,,	1	25 × 11 × —	संपूर्ण	19वीं	
6 बोलों पर टिप्पणी	,,	1	26 × 11 × 15 × 44	,,	18वीं	(विधिवाद, चरितानुवाद आदि पर)
आचार	,,	1	27 × 12 × 16 × 27	,, 23 गा.	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1167	कोलड़ी 101	सारबावनी	Sāra Bāvanī	श्रीसार	प.
1168	के.नाथ 22/59	सार्द्धशतक+वृत्ति	Sārddha Śataka	जिनवल्लभ/	मू वृ.
1169	कोलड़ी 856	सिद्धचतुर्दशी	Siddha Caturdaśī	—	प.
1170	ओसियां 3 इ 226	सिद्धपंचाशिका	Siddha Pañcāśikā	देवेन्द्रसूरि	मू. (प.)
1171	महावीर 2/58	,, सावचूरि	,, Sārcūri	देवेन्द्रसूरि (स्वोपज्ञ)	मू अ. (प.ग.
1172	के.नाथ 10/2	,,	,,	देवेन्द्रसूरि	मू.ट. (प ग.
1173	महावीर 2/62	,,	,,	,,	मू. (प)
1174	,, 59	,, +बाला.	,, +Bālā.	देवेन्द्रसूरि/—	मू बा. (ग.प
1175	के नाथ 19/20	सिद्धान्त-प्रतिबोध	Siddhānta Pratibodha	भैरूदास	ग.
1176	कोलड़ी 809	,, बोल	,, Bola	—	,,
1177	ओसियां 2/313	,, सार	,, Sāra	संकलन	मू.ट. (प.ग.
1178	,, 2/213	,, ,,	,, ,,	,,	प.ग.
1179	कोलड़ी 807	,, सारोद्धार	,, Sāroddhāra	संग्रगृही	ग.
1180	ओसियां 2/218	,, ,,	,, ,,	,,	,,
1181	महावीर 2/51	सिद्धान्तोद्धार हुंडि	Siddhāntoddhāra Huṇḍī	संकलन	,,
1182	के.नाथ 11/43	सिंदूरप्रकर (सूक्तमुक्तावली) +वृत्ति	Sindūra Prakara+Vṛtti	सोमप्रभ/—	मू वृ. (प.ग.)
1183	कुंथुनाथ 14/13	सिंदूरप्रकर	,,	सोमप्रभ	मू (प)
1184	के.नाथ 23/1	,,	,,	,,	,,
1185	,, 6/91	,,	,,	,,	,,
1186	,, 21/15	,, वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /हर्षकीर्ति	मू वृ (प.ग.
1187	,, 15/118	,,	,,	,,	मू. (प)
1188	कुंथुनाथ 43/6	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /हर्षकीर्ति	मू वृ. (प.ग.
1189	के नाथ 5/70	,, +बा.	,, +Bālā.	,,	मू बा. प.ग
1190	,, 6/26	,, +बा.	,, +Bālā.	,, /राजशील	,,
1191	ओसियां 2/219	,,	,,	,,	मू. (प)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	मा.	6	28×11×13×50	संपूर्ण 56 पद	1839	
कठिन प्रश्नों का शास्त्रीय निराकरण	प्रा.सं.	112	25×11×15×45	,, 152 गाथायें	1467	
तात्त्विक	मा.	2	32×12×15×40	,, 13 छंद	19वीं	
दार्शनिक	प्रा.	2*	26×11×19×56	,, 50 गा.	1505	
,,	प्रा.सं.	6	26×11×17×55	,, ,, की	16वीं	
,,	प्रा.मा.	17	27×12×3×32	,, 50 गा.	19वीं	
,,	प्रा.	4	26×11×13×40	,, 50 ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा	12	27×12×15×39	,, ,,	19वीं	
तात्त्विक बोल संग्रह	मा.	43	22×10×13×29	प्रतिपूर्ण	1877	
आगम उद्धरण (मंडनार्थ)	,,	17	30×11×21×46	,,	19वीं	
,, (,,)	प्रा मा.	48	27×12×3×25	,,	18वीं	
,, (,,)	प्रा	13	26×12×16×42	,,	1803	
शास्त्र सारांश	मा.	43	30×11×17×48	,,	1803, जूणपुर मनरूप	
,,	,,	34	28×13×15×42	,,	1911	
आगम उद्धरण	प्रा.मा.	49	26×12×15×40	अपूर्ण	17वीं	
औपदेशिक सुभाषित	सं.	13	26×11×5×56	संपूर्ण 99 श्लोक की ग्रं.215	1665	
,,	,,	5	26×11×16×54	संपूर्ण 99 श्लोक	1692	
,,	,,	18	24×11×10×29	,, 104 ,,	1691	
,,	,,	9	25×11×11×42	,, 98 ,,	17वीं	
,,	,,	27	26×11×15×45	,, 100 श्लोक	1701	
,,	,,	10	26×11×9×40	,, 97 श्लोक	1706	16 श्लोक तक टब्बार्थ
,,	,,	19	26×12×13×40	त्रुटक	1731	
,,	सं.मा.	27	25×11×13×36	संपूर्ण 97 श्लोक	1747	
,,	,,	59	26×11×17×56	,, 99 ,,	1759	
,,	सं.	7	25×10×13×40	,, 100 ,,	1776	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1192	कोलड़ी 1236	सिदूरप्रकर	Sindūra Prakara	सोमप्रभ	मू ट. (प.ग.)
1193	के.नाथ 22/64	,,	,,	,,	,,
1194	मुनिसुव्रत 2/265	,,	,,	,,	मू. (प.)
1195	के.नाथ 21/53	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/हर्षकीर्त्ति	मू.वृ.(प.ग.)
1196	,, 21/54	,,	,,	,,	मू. (प)
1197	महावीर 2/21	,, +बा.	,, +Bālā.	,,	मू.बा. (प.ग.
1198	कोलड़ी 125	,, +बा.	,, +Bālā.	,,/राजशील	,,
1199	के.नाथ 23/5	,,	,,	,,	मू. (प.)
1200	कोलड़ी 127	,,	,,	,,	मू ट. (प.ग.)
1201-8	के.नाथ 10/30, 21/22,21/46, 22/58,23/18, 24.22,27,51, 6/120	,, 8 प्रतियां	,, 8 copies	,,	मू. (प.)
1209-10	महावीर 2-133, 131	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
1211-14	ओसियां 2/154-5-6,220	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
1215-17	कुंथुनाथ 4/93, 37/4,41/4	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
1218-23	कोलड़ी 119 से 23,1186	,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,
1224	सेवामंदिर 2/375	,,	,,	,,	मू ट.
1225	ओसियां 2 अ 411	,,	,,	,,	,,
1226	कुंथुनाथ 33/2	,,	,,	,,	,,
1227-29	के.नाथ 14-18, 21-2,20-10	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
1230	के.नाथ 13/44	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/हर्षकीर्त्ति	मू.वृ. (प.ग.)
1231-32	कोलड़ी 124, 1349	,, +वृत्ति 2 प्रतियां	,, +Vṛtti 2 copies	,, ,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक सुभाषित	सं.मा.	18	24 × 11 × 6 × 46	संपूर्ण 98 श्लोक	1778	
,,	,,	11	27 × 12 × 8 × 42	,, 99 ,,	18वीं	
,,	सं.	7	27 × 11 × 13 × 40	,, 97 ,,	18वीं	
,,	,,	21	26 × 11 × 14 × 42	,, 100 श्लोक	1811	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1813	
,,	सं.मा.	125	26 × 12 × 10 × 39	,, 102 श्लोक कथासह	1840 राजनगर	
,,	,,	53	27 × 11 × 16 × 44	,, 100 ,,	1847	
,,	सं.	7	26 × 11 × 13 × 47	,, 100 ,,	1847	
,,	सं.मा.	22	26 × 11 × 5 × 32	,, 100 ,,	1850	
,,	सं.	16 16, 9,9,10 20,8 13	22 से 28 × 9 से 13	सात पूर्ण आठवीं, अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	9,7	27 × 11 व 14 × भिन्न	संपूर्ण 99, 100	19वीं	
,,	,,	6,8,9, 6	25 × 12 व 26 × 11	,, 100 से 103	19वीं	
,,	,,	26,9,10	25 से 27 × 11 से 14	,, 100 श्लोक	19/20वीं	
,,	,,	17,11, 11,12 8,2	23 से 27 × 10 से 13	पांच संपूर्ण, अंतिम अपूर्ण	19वीं	
,,	सं.मा.	15	24 × 13 × 6 × 42	संपूर्ण 99 श्लोक	1877, वल्लभी दर्शनविनय	
,,	,,	22	26 × 13 × 4 × 40	,, 101 ,,	1956, जोधपुर फतेकरण	
,,	,,	12	25 × 13 × 10 × 45	,, 100 ,,	1941	
,,	,,	11,19, 21	25 × 11 × भिन्न 2	प्रथम 2 संपूर्ण अंतिम अपूर्ण	19वीं	
,,	सं.	7	27 × 12 × 15 × 48	अपूर्ण, गुरु भक्ति द्वार तक	19वीं	
,,	,,	30,4	26 × 11 × 15/11 × 35	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण 6 श्लोक	19वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
1233	कोलड़ी 126	सिंदूरप्रकर+अवचूरि	Sindūra Prakara+Avacūri	सोमप्रभ —	मू.अ. (प ग
1234	,, 135	,, +पद्यानुवाद	,, +	,,/बनारसीदास	मू.पद्यअनुवाद
1235	ओसियां 2/221	सिंदूरप्रकर-भाषान्तर	Sindūra Prakara Bhāṣā	बनारसीदास	पद्य
1236	कुंथुनाथ 11/201	,,	,,	,,	,,
1237	सेवामंदिर 2/428	,,	,,	,,	,,
1238	के.नाथ 19/95	सिंधुचतुर्दशी आदि	Sindhuchaturdaśī etc.	अज्ञात	,,
1239	मुनिसुव्रत 2/272	सुकृतमुक्तावली	Sukṛtamuktāvalī	संकलन	मू.ट. (प.ग.
1240-42	महावीर 2/397-8,401	सूक्तावली 3 प्रतियां	Sūktāvalī 3 copies	,,	पद्य
1243	के.नाथ 17/22	सुख-दुःख पद्यसंग्रह	Sukha Duhka Padyasaṅgraha	,,	प.
1244	ओसियां 2/302	सुपद्धतिलता	Supaddhati Latā	वादिहर्षनंदि (समयसुंदर का शिष्य)	ग.
1245	महावीर 2/400	सुभाषितकोश	Subhāṣita Kośa	संकलन	प.
1246	कुंथुनाथ 20/23	सुभाषित-रत्नसार	Subhāṣita Ratnasāra	संकलनकर्ता मेघचंद मुनि	,,
1247	मुनिसुव्रत 3 इ 303	सुभाषित-श्लोकसग्रह	Subhāṣita Śloka Saṅgraha	संकलन	मू.ट.
1248-49	के.नाथ 6/12, 19/72	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	पद्य
1250-51	कोलड़ी 134,1148	सुभाषित-संग्रह 2 प्रतियां	Subhāṣita Saṅgraha	,,	पद्य-गद्य
1252	सेवामदिर गुटका 6दे.	सुमति-बत्तीसी	Sumati Battīsī	लाभगणि	प.
1253	मुनिसुव्रत 2/317	सूक्तमाला	Sūktamālā	केशरविमल	,,
1254	कोलड़ी 136	,,	,,	,,	,,
1255	के नाथ 5/33	,,	,,	,,	,,
1256	महावीर 2/399	,,	,,	,,	,,
1257	सेवामंदिर 2/367	,,	,,	,,	,,
1258	ओसियां 2/239	,,	,,	,,	,,
1259	के.नाथ 11/93	,,	,,	,,	,,
1260	कोलड़ी 137-8, 1190A	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक सुभाषित	सं.	13	30 × 11 × 14 × 45	लगभग पूर्ण अंतिम पन्ना कम	19वीं	
,,	सं.हि	17	24 × 9 × 14 × 60	संपूर्ण 100 श्लोक का	19वीं	
,,	हि	8	24 × 11 × 15 × 48	,, 101 छंद	1861	
,,	,,	गुटका	22 × 17—	,, 100	19वीं	
,,	,,	6	23 × 13 × 11 × 39	त्रुटक	19वीं	
ध्यान योग विषयक	मा.	10*	26 × 12 × 15 × 42	संपूर्ण 14 गा.	19वीं	साथ में अन्य स्तवनादि भी हैं
धार्मिक सुभाषित	प्रा.सं.मा	9	23 × 12 × 5 × 38	संपूर्ण 63 श्लोक	19वीं नागौर	
,,	प्रा.सं.	13,3, 15	26 × 12 × 13 × 36	प्रतिपूर्ण 161,53,243 श्लोक	20वीं	
औपदेशिक सुभाषित	मा.	9	31 × 15 × 12 × 40	संपूर्ण 187 दोहे	19वीं	
सिद्धान्त उपदेश कथासह	सं.	181	25 × 11 × 12 × 41	,, ग्रं 6001	20वीं	प्रशस्ति है
जैन सुभाषित	प्रा.सं.	65	26 × 11 × 17 × 58	,, 2806 श्लोक	16वीं	
औपदेशिक	,,	73	25 × 11 × 18 × 66	,, 2170 श्लोक	1767	81 श्लोक ज्योतिष के है
,, (जैन)	सं मा.	6	24 × 10 × 7 × 34	,, 68 श्लोक	19वीं	
,,	प्रा.सं.मा	13,9	26 × 11व25 × 12	प्रथम अपूर्ण, द्वितीय पूर्ण	19वीं	
,,	,,	4,6	27 × 10व25 × 11	,, ,,	19वीं	
12 व्रतों पर उपदेश	मा.	4	14 × 11 × 12 × 20	संपूर्ण 36 पद	1841	
चार पुरुषार्थ उपदेश	,,	8	25 × 11 × 16 × 40	,, 187 गा. चारों पुरुषार्थ	1805	1754 की कृति
,,	,,	9	23 × 10 × 15 × 48	संपूर्ण	1812	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 38	,,	1832	
,,	,,	8	25 × 12 × 15 × 46	,, 177 गा.	19वीं	
,,	,,	9	25 × 12 × 16 × 40	,, 198 गा.	1866	
,,	,,	13	27 × 14 × 15 × 43	,,	20वीं	
,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 30	,,	19वीं	
,,	,,	8,13,10	25 से 27 × 11 से 13	प्रथम दो पूर्ण, तीसरी अपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1261	कोलड़ी 139, 1100	सूक्त.माला +बाला. 2 प्रतियां	Sūktamālā+Bālā. 2 copies	,,/—	मू.बा. (प.ग.)
1262	कुंथुनाथ 10/146	सूत्रप्राभृत	Sūtra-prābhṛta	—	मू. (प.)
1263	के.नाथ गुटका 14	स्याद्वादसूचक महावीर स्तवन	Syādvāda Sūcaka Mahāvīra, Stavana	वा. विनयविजय	प.
1264	ओसियां 2/292	स्याम्यशतक	Syāmya Śataka	सिंहसूरि	,,
1265	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 26	स्वरूप संबोधन पंचविंशति + वृत्ति	Svarūpa Sambodhana Pañcaviṁśati+Vṛtti	—	मू.वृ. (प.ग.)
1266	के.नाथ 18/15	स्वाध्याय-संग्रह	Svādhyāya Saṅgraha	मेघविजय	प.
1267	सेवामंदिर गुटका 6 दे.	हियाली 3	Hiyālī 3	—	,,
1268-69	महावीर 2/132, 19	हिंगुलप्रकरण 2 प्रतियां	Hiṅgula Prakaraṇa 2 copies	विनयसागरोपाध्याय	मू. (प.)
1270-78	कुंथुनाथ 14/34-38, 18/32-34, 10/187	स्फुट अपूर्ण व लघ ग्रंथ व त्रुटक पत्र 9 प्रतियां	Stray Pages of Incomplete works etc. (9 copies)	विभिन्न	ग प.
1279	महावीर 1098, 1102,1812-14-16-17	,,	,,	,,	,,
1280	ओसियां बस्ता 20 दुबारा	,,	,,	,,	,,
1281	मुनिसुव्रत बस्ता 76	,,	,,	,,	,,
1282	सेवामंदिर बस्ता 79 (125 + 212)	,,	,,	,,	,,
1283-87	कोलड़ी बस्ता 69/70	,, (5 प्रतियां +2 बस्ते)	,, (5 copies+2 Baste)	,,	,,
1288-89	के.नाथ 881-3, 900, 1028-58 28/27,30	,, (2 प्रतियां)	,, (2 copies)	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
र पुरुषार्थ उपदेश	मा.	19,9	25 × 11 × 11/14 × 30/45	दोनों प्रतियें अपूर्ण	19वीं	
तात्त्विक	प्रा.	1	27 × 11 × 13 × 48	संपूर्ण 26 गा.	17वीं	
दार्शनिक	मा.	5	16 × 14 × 11 × 18	,, 3 ढालें	19वीं	
औपदेशिक	,,	9*	25 × 11 × 15 × 31	,, 105 दोहे	19वीं	यशोविजयजी द्वारा संपादित
तात्त्विक	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 26 श्लोक	1544	
औपदेशिक सज्झायें	मा.	5	26 × 11 × 15 × 47	,, 8 सज्झायें + कलश	18वीं	
ज्ञानोपकरणों पर	,,	2	14 × 11 × 13 × 20	,, 3 गीत	1841	
औपदेशिक	सं.	15,9	29 × 14 व 27 × 12	,, 35 उपक्रम	19वीं	
तात्त्विक औपदेशिकादि	प्रा.सं.मा.	कुल 11 पत्र	24 से 30 × 10 से 15	पूर्ण/अपूर्ण	17/20वीं	1-1 पत्र के 8 ग्रंथ व 1 ग्रंथ 3 पत्रों का
,,	,,	,,241,,	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	बस्ता. 80
,,	,,	,,135	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	
,,	,,	,,200	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	
,,	,,	,,337	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	
,,	,,	,,683	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	
,,	,,	,,2328	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1	के.नाथ 22/21	अपशब्द-खण्डन	Apa Śabda Khaṇḍana	मानसर्वज्ञ	ग.
2	,, 16/46	आध्यात्मिक मतपरीक्षा	Ādhyātmika Mata Parīkṣā	उ. यशोविजय	,,
3	,, 16/46	जिनस्तोत्राणि	Jina Stotrāṇi	,,	प.
4	महावीर 6 आ 8	देवधर्म-परीक्षा	Deva Dharma Parīkṣā	,,	ग.
5	के.नाथ 15/116	द्रव्यपदार्थ (किरणावल्यां)	Dravya Padārtha (Kiraṇāvalyām)	उदयन आचार्य	,,
6	महावीर 6 आ 10	द्रव्यानुयोग तर्कणा	Dravyānuyoga Tarkaṇā	भोजसागर	,,
7	,, 6 आ 21	नयचक्र	Nayacakra	देवसेन	,,
8	के.नाथ 4/27	,,	,,	—	,,
9	सेवामंदिर 3 इ 345	नयनिक्षेप वीरस्तवन	Nayanikṣepa Vīra Stavana	रामविजय	प.
10	महावीर 6 आ 13	नयप्रदीप	Nayapradīpa	विजयसिंह शिष्य	ग.प.
11	के.नाथ 11/110	,,	,,	—	ग.
12	,, 16/46	नयरहस्य	Naya Rahasya	उ. यशोविजय	,,
13	सेवामंदिर 6 आ 32	नयस्वरूप	Naya Svarūpa	—	,,
14	के.नाथ 16/46	नयोपदेश	Nayopadeśa	उ. यशोविजय	,,
15	,, 26/104	निमित्त उपादान कारण	Nimitta Upādāna Kāraṇa	—	,,
16	,, 26/68	न्याय ग्रन्थ (?)	Nyāya Grantha (?)	—	,,
17	,, 29/27	,, की वृत्ति (?)	,, kī Vṛtti (?)	—	,,
18	महावीर 6 आ 6	न्यायप्रवेश	Nyāya Praveśa	हरिभद्र	वृ. गद्य में
19	के.नाथ 10/95	न्यायसार-सटीक	Nyāyasāra+Tīkā	जिनसमुद्र/श्रीमद्	मू.+टी. (ग
20	महावीर 6 आ 15	न्यायसार की टीका	,, kī Tīkā	रत्नपुरि भट्टारक ? /जयसिंहसूरि	ग.
21	के.नाथ 29/8	,,	,, ,,	/ ,,	,,
22	महावीर 6 आ 12	न्यायार्थ-मंजूषा	Nyāyārtha Mañjūṣā	हेमहंसगणि स्वोपज्ञ	वृ. ग.
23	,, 6 आ 19	,,	,,	,,	,,
24	के.नाथ 5/56	परसमय-विचार	Parasamaya Vicāra	—	ग.
25	,, 14/93	पंचनयविचार-स्तवन	Pañca Naya Vicāra	कीर्त्तिविजयवाचकशिष्य	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
न्याय ग्रंथ	सं.	2	26 × 11 × 17 × 57	संपूर्ण	19वीं	
खंडनवृत्ति	,,	46*	26 × 13 × 16 × 44	,,	19वीं	
न्याय शैली भक्तिगीत	,,	46*	26 × 13 × 16 × 44	,, 4 स्तोत्र	19वीं	
खंडन मंडन स्वपर समय	,,	9	27 × 13 × 15 × 53	संपूर्ण	19वीं	
न्याय ग्रन्थ	,,	48	26 × 11 × 13 × 43	,, ग्रंथाग्र 2000	19वीं	किरणावली में से; पन्ने 10 व 11 कम
,,	,,	72	26 × 12 × 14 × 42	,, 15 अध्याय	18वीं	मूल ग्रंथ की टीका/ प्रशस्ति है
,,	,,	20	21 × 11 × 7 × 20	,,	19वीं	
,,	,,	22	29 × 14 × 11 × 28	,,	19वीं	
जैन-न्यायानुसार	मा.	2	27 × 12 × 16 × 56	,, 33 गाथा	19वीं	
,,	सं.	12	25 × 12 × 14 × 42	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	34	30 × 15 × 7 × 23	,,	19वीं	
,,	,,	46*	26 × 13 × 16 × 44	,,	19वीं	
,,	मा.	4	25 × 11 × 18 × 57	,,	18वीं	
,,	सं.	46*	26 × 13 × 16 × 44	,,	19वीं	
,,	मा.	4	26 × 11 × 13 × 37	,,	19वीं	
न्याय ग्रन्थ	सं.	6	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण (पन्ने 4 से 9) बीच के	19वीं	नामादि का पता नहीं पड़ा
मूलग्रंथ की वृत्ति है	,,	6	26 × 11 × 15 × 64	, (पन्ने 10 से 15) बीच के	17वीं	
न्याय ग्रन्थ	,,	26	29 × 13 × 10 × 39	संपूर्ण	18वीं	
गौतमसूत्र पर टीका	,,	7	27 × 11 × 17 × 60	,,	19वीं	
,,	,,	50	28 × 12 × 16 × 63	,,	15वीं	न्याय तात्पर्य दीपिका नाम्नी
,,	,,	1	24 × 10 × 17 × 72	अंतिम पन्ना मात्र आगम परिच्छेद का	16वीं	पूरेके ग्रंथाग्र 3035 तीन परिच्छेद
न्याय ग्रन्थ	,,	43	26 × 12 × 13 × 47	संपूर्ण ग्रं. 1400	17वीं	मूल ग्रंथ की टीका
,,	,,	15	26 × 11 × 17 × 61	अपूर्ण	17वीं	
स्वपर सिद्धांत न्याय	,,	4	26 × 11 × 17 × 55	संपूर्ण ग्रं. 200	19वीं	
भक्ति/नयविचार	मा.	2	37 × 13 × 17 × 35	संपूर्ण 6 ढालें + कलश + दोहे	19वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
26	के.नाथ 16/46	पातञ्जलयोग दर्शन टीका	Pātañjala-yoga Tīkā	उ. यशोविजय	ग.
27	,, 2/18	प्रमाणनयतत्वालोकालंकार	Pramāṇanaya Tatvālokālaṅkāra	देवाचार्य	मू.प.
28	,, 14/39	प्रमाणनयतत्वलोकालंकार सटीक	Pramāṇanaya Tatvālokālaṅkāra	वादिदेवसूरि/रत्नप्रभाचार्य	मू.+वृ.
29	,, 11/3	,,	,,	,, ,,	,,
30	महावीर 6 आ 23	,,	,,	,, ,,	,,
31	ओसियां 6 आ 31	,,	,,	,, ,,	,,
32	महावीर 6 आ 16	,,	,,	,, ,,	,,
33	के.नाथ 26/99	प्रमाणशास्त्र (?)	Pramāṇa Śastra	—	ग.
34	,, 21/27	प्रमाणसुन्दर	,, Sundara	पद्मसुंदर (मद्यमेरु का शिष्य)	,,
35	,, 7/48	वर्द्धमान इन्दु	Vardhamāna Indu	बलभद्र	,,
36	महावीर 6 आ 5	विप्रवक्त्रमुद्गर	Vipravaktra Mudgara	—	ग.प.
37	,, 6 आ 1,2	सन्मति तर्क सवृत्ति	Sanmati Tarka+Tikā	सिद्धसेन/अभयदेव (प्रद्युम्नसूरि शिष्य)	मू.+वृ.(प.ग.)
38	,, 6 आ 12	सप्तनय विवरण रास बाला.सह	Saptanaya Vivaraṇa Rāsa +Bāā	मानविजय	मू.+बा.(प ग.)
39	,, 16/46	सप्तभंगी नयप्रदीप	Saptabhaṅgī Naya Pradīpa	उ. यशोविजय	ग.
40	के.नाथ 16/45	स्याद्वादमंजरी	Syādvāda-mañjarī	हेमचन्द्राचार्य	मू. प.
41	महावीर 6 आ 9	,, सटीक	,, +Tika	,,	मू.+वृ.
42	,, 6 आ 3	स्याद्वाद पुष्पकलिका	,, Puṣpakalikā	वाचक संयम	पद्य

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
स्याद्वादमतानुसार	सं.	46*	26 × 13 × 16 × 44	संपूर्ण	19वीं	
न्याय ग्रन्थ	,,	7	30 × 14 × 16 × 53	,, 8 परिच्छेद	19वीं	
जैन न्याय	,,	72	26 × 11 × 19 × 59	लगभग संपूर्ण (किञ्चित् कम) आठवां परिच्छेद	16वीं	रत्नाकरावतारिका नाम्नी लघु टीका
,,	,,	167	28 × 17 × 16 × 41	संपूर्ण 8 परिच्छेद ग्रं.5000	19वीं	,,
,,	,,	88	30 × 14 × 15 × 61	,, ,,	1943 × अमरदत्त	,,
,,	,,	152	27 × 11 × 13 × 42	,, ,,	1967 जोधपुर वीरचंद	,,
,,	,,	34	24 × 12 × 24 × 72	अपूर्ण 6ठे परिच्छेद तक	17वीं	,,
न्याय शास्त्र	,,	10	26 × 11 × 13 × 44	त्रुटक	17वीं	सही नाम का पता नहीं
,,	,,	18	25 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण ग्रं. 825	1725 × शांतिविजय	पहिला पन्ना कम
,,	,,	65	26 × 11 × 15 × 60	,, ग्रंथाग्र 3436	1666	
ब्राह्मण निर्णय	,,	4	30 × 14 × 15 × 46	संपूर्ण	18वीं	
जैन न्याय ग्रन्थ	,,	578	28 × 13 × 16 × 48	,, ग्रं. 25000	1964	
,,	मा.	15	27 × 12 × 11 × 42	,, 90 पद	18वीं × कवीन्द्र सागर	
,,	सं.	46*	26 × 13 × 16 × 64	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	5	21 × 11 × 11 × 32	,, 24 श्लोक	19वीं	
,,	,,	101	27 × 13 × 12 × 41	,, 32 श्लोकों की	17वीं	
,,	,,	16	30 × 14 × 9 × 40	,, 272 श्लोक	1946	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
1	महावीर 3 आ 126	अक्षयतृतीया-कथादि	Akṣaya Tṛtiya Kathā etc.	—	ग.
2	,, 3 आ 2	अक्षयतृतीया-व्याख्यान	Akṣaya Tṛtiyā Vyākhyāna	—/क्षमाकल्याण	मू.वृ.
3	सेवामंदिर 3 आ 173	,,	,,	—	ग.
4	ग्रोसियां 3 आ 168	,,	,,	—	,,
5	के.नाथ 18/59	,,	,,	—/क्षमाकल्याण	,,
6-7	कोलड़ी 180,945	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
8	,, 945	,,	,,	—	,,
9	ग्रोसियां 3 आ 137	,,	,,	—	,,
10	कुंथुनाथ 32/4	,,	,,	—	,,
11-2	महावीर 3 आ 114 3 इ 29	अक्षयनिधितपविधि 2 प्रतियां	Akṣaya Nidhi Tapa Vidhi 2 copies	पदमविजय	प.ग.
13	,, 3 इ 167	अधिवासना-विधि	Adhivāsanā Vidhi	वल्लभसूरि	प.
14	कुंथुनाथ 45/6	अष्टोत्तरीस्नात्र व प्रतिष्ठा विधि	Aṣṭottari Snātra & Pratiṣtha Vidhi	—	ग.
15-7	कोलड़ी 403-4-6	,, ,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	प.
18	के.नाथ 6/89	असज्झायविचार	Asajjhāya Vicāra	--	ग.
19	,, 11/108	आचारदिनकर	Ācāradinkara	वर्द्धमानसूरि	प.
20	कोलड़ी 766	,,	,,	,,	,,
21	महावीर 3 आ 23	,,	,,	,,	,,
22-3	,, 3 आ 100 102	आलोचना 2 प्रतियां	Ālocanā 2 copies	—	ग.
24	, 3 आ 103	आलोचना-तप	,, Tapa	—	,,
25	के नाथ 19/127	आलोचना-दान	,, Dāna	भुवनरत्नाचार्य	प.ग.
26	महावीर 3 आ 101	आलोचना-विचार	,, Vicāra	—	ग.
27	कोलड़ी 373	,,	,,	—	,,
28-9	,, 374,372	,, 2 प्रतियां	,, 2 copips	—	,,
30-1	महावीर 3 आ 97-98	,, 2 प्रतियां	,, ,,	—	,,
32	कुंथुनाथ 24/4	आलोचना-विधि	,, Vidhi	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्वव्रतकथा	सं.	25*	25 × 12 × 14 × 35	संपूर्ण चार गाथा	1875	
धार्मिकपर्व-व्याख्यान	प्रा.सं.	2	25 × 12 × 17 × 48	,,	19वीं	
,,	सं.	30*	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859	
,,	,,	4	25 × 11 × 20 × 41	,,	19वीं	साथ में चैत्री पूनम व्याख्यान जीवराजका
पर्वव्याख्यान	,,	2	27 × 11 × 16 × 36	,,	19वीं	
,,	,,	3,3	25 × 10/12 × 11 × 44	,,	19वीं	
,,	मा.	3	26 × 11 × 17 × 35	,,	19वीं	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 38	,,	1940 बीकानेर कंवलागच्छे	
,,	सं.	4	24 × 12 × 12 × 28	,,	1944	
अक्षयतृतीया कथा विधि	मा.	5,6	28 × 13 × 16/13 × 41	,, ग्रं 188 (पांच ढालें व स्तव)	20वीं	
स्थापनाविधि-विधान	सं.	3	20 × 10 × 11 × 35	संपूर्ण 38 श्लोक	18वीं	
प्रतिष्ठा संलग्न विधियां	मा.	1	लंबा रॉल 19 से. चौड़ा	संपूर्ण लंबा रॉल	1946	
प्रतिष्ठा बिम्बस्नात्र	,,	2,2 3	25 से 29 × 12 से 13	संपूर्ण	19वीं	
स्वाध्याय समय नियम	,	3	26 × 11 × 11 × 39	,,	19वीं	
जैनाचार विधि-शास्त्र	सं.	281	30 × 12 × 15 × 47	,, 14000 ग्रं.	1894	
,,	,,	123	26 × 13 × 11 × 37	अपूर्ण-प्रतिष्ठा विधि अधिकार	19वीं	
,,	,,	359	28 × 13 × 15 × 38	संपूर्ण 41 अध्याय ग्रं. 14065	20वीं	बीजक व प्रशस्तिसह
व्रत भंग दंड विधान	मा.	2,3	21 × 11 व 27 × 12	संपूर्ण	20वीं (1 गोपीचंद द्वारा)	
श्रावक प्रायश्चित्त विधान	,,	5	24 × 12 × 12 × 38	प्रतिपूर्ण तालिकासह	20वीं × सुमति मण्डन	
प्रायश्चित्त विधि टिपण्णकं	प्रा.सं.	8	26 × 10 × 15 × 44	संपूर्ण 40 श्लोक + गद्य	19वीं	
प्रायश्चित्त विवेचन विधि	मा	6	25 × 10 × 16 × 48	,, यंत्रसह	16वीं	
,,	सं.मा.	5	28 × 12 × 14 × 44	संपूर्ण	1786	
,,	मा.	3,3	25 × 11 व 26 × 12	,,	19वीं	
श्रावक ,, ,,	,,	8,8	27 × 13 × 12/15 × 48/36	,,	20वीं	
अतिचार दंड विधान	सं.	6	25 × 13 × 16 × 42	,,	19वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
33	के.नाथ 23/16	आलोचना-विधि	Ālocanā Vidhi	क्षमाकल्याण	ग.
34	,, 23/7	,,	,,	—	,,
35	कोलड़ी 371	,,	,,	—	,,
36-8	महावीर 3 आ 96-99,166	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
39	कुंथुनाथ 16/13	,,	,,	—	,,
40	,, 55/20	आवश्यक-पंचाशिका	Āvaśyaka Pañcāśikā	—	प.
41	ओसियां 2/152	आवश्यक विधि	Āvaśyaka Vidhi	जिनवल्लभ	मू. (प.)
42	महावीर 3 आ 117	इन्द्रियजय आदि तप	Indriyajaya Ādi Tapa	—	ग.
43	,, 7 अ 79	उत्कालिककालिकदीप	Utkālikakālika Tīpa	—	,,
44	के.नाथ 23/70	उपकरणानि	Upakarṇānī	—	मू.ट.
45	सेवामंदिर 3 आ 172	उपधान आदि विधियां	Upadhāna Ādi Vidhiyān	—	प.ग.
46	महावीर 3 आ 82	,,	,,	—	ग.
47	कोलड़ी 399	,,	,,	—	,,
48-9	महावीर 3 आ 59/91	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
50	,, 3 आ 94	उपधान आलोचनाविधि	Upadhāna Ālocanā Vidhi	—	,,
51	,, 3 आ 86	उपधान-क्रिया	,, Kriyā	—	,,
52	,, 3 आ 85	उपधान नित्य कर्त्तव्य व तपोविधि आदि	,, Nitya Kartavya etc.	समयसुंदर	गद्य
53	कोलड़ी 400	उपधान-विधि	,, Vidhi	—	ग.
54-6	महावीर 3 आ 89, 84,83	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
57	,, 3 आ 92	उपधान सम्बन्धी प्रावधान	,, Sambandhī Prāvadhāna	—	,,
58-9	के.नाथ 11/115 23/94	उपधान स्तवन 2 प्रतियां	Upadhāna Stavana 2 copies	समयसुंदर	प.
60	,, 26/40	,,	,,	कीर्तिविजय	,,
61	ओसियां 3 इ 190	,,	,,	,,	,,
62	महावीर 3 ई 27	,,	,,	विनयविजय	,,
63	कोलड़ी 204	कार्तिक पूर्णिमा व्याख्यान	KārtikapūrṇimāVyākhyāna	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रतिचार दंड विधान	मा.	11	25 × 13 × 13 × 37	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	3	27 × 13 × 15 × 41	,, ग्रंथाग्र 94	19वीं	
,,	,,	5	26 × 13 × 10 × 38	संपूर्ण सूतकविचारसह	19वीं	
श्रावक प्रतिचारदंड विधि	,,	4,4,2	25 से 27 × 12 से 13	तीनों प्रतियां पूर्ण	20वीं अजमेर, अजीमगंज मे	
,, ,,	,,	2	24 × 13 × 17 × 44	संपूर्ण	1945	
नित्यकर्मविधिविधान	,,	3*	26 × 11 × 15 × 52	,, 50 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	, 40 गाथा	16वीं	
तप विधियां	मा.	4	27 × 12 × 13 × 48	संपूर्ण	19वीं	
स्वाध्याय कालनियम	,	2	26 × 10 × —	,,	18वीं	
साधु परिग्रह मर्यादादि	प्रा.मा	2	26 × 12 × 5 × 29	,,	19वीं	
धार्मिक क्रिया विधियां	प्रा.सं.मा	34	27 × 13 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण	18वीं	
,,	मा.	12	24 × 13 × 21 × 38	,,	1829, वासा भीमसागर	
,,	,,	8	27 × 11 × 15 × 62	,,	1872	
,,	,,	23,22	27 × 12 × 12 × 39	,,	20वीं	
उपधान तप-भंग दंड दान	,,	4	25 × 11 × 18 × 49	लगभग पूर्ण (पहिला पन्ना कम)	1802 राजदुर्ग	
,, नित्य कर्त्तव्य	,,	8	25 × 12 × 14 × 36	,,	20वीं × नरेन्द्र-सागर	
,, ,,	सं + मा	3	26 × 11 × 20 × 48	संपूर्ण	18वीं	
,, क्रिया विधि	मा.	3	27 × 10 × 19 × 65	,,	19वीं	
,, ,,	,,	2,6,7	23 से 28 × 11 से 13	,, विस्तार सहित	19/20वीं	
उपधान तप के नियमादि	,,	2	26 × 12 × 12 × 44	प्रतिपूर्ण	20वीं	
भक्ति विधि काव्य	,,	1,2	24 × 11 × 17/13 × 38	पूर्ण 17/18 गा.	19वीं	
,,	,,	2	25 × 12 × 13 × 47	,, 26 गा.	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 12 × 38	संपूर्ण 27 गा.	19वीं	
,,	,,	2	25 × 14 × 12 × 30	,, 26 गा.	20वीं	
पर्व व्याख्यान शत्रुंजय परक	,,	5	25 × 13 × 12 × 30	,,	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
64-8	महावीर 3 अ 55 से 57, 74, 61	कालग्रहणादि योग विधि 5 प्रतियां	Kālagrahaṇādi Yogavidhi 5 copies	—	प.
69	महावीर 3 अ 25	खरतर समाचारी व तिथिपइन्नो	Kharatara Samācārī & Tithi Painno	अभयदेवसूरि	गद्य
70	सेवामंदिर 3 अ 142	गच्छ-समाचारी	Gaccha-samācārī	—	पद्य
71	के.नाथ 23/82	गणेशचतुर्थीकथा	Gaṇeśa Caturthī Kathā	कल्याणवर्द्धन	ग.
72	महावीर 3 अ 17	गुणने की टीप	Guṇane-ki-Tīpa	—	यंत्र तालि
73	के.नाथ 21/24	चतुपर्वी-कथानकम्	Catuparvī Kathānakam	—	ग.
74	सेवामंदिर 3 अ 174	चातुर्मासिक-व्याख्यान	Caturmāsika Vyākhyāna	—	मू. व्याख्य
75	ओसियां 3 अ 152	,,	,,	समयसुंदर	ग.
76	,, 3 अ 151	,,	,,	,,	,,
77	कोलड़ी 185	,,	,,	—	,,
78	,, 367	,,	,,	—	,,
79	,, 181	,,	,,	पाठक धर्ममंदिर	,,
80	सेवामंदिर 3 अ 173	,,	,,	—	,,
81-2	के.नाथ 5/36, 24/53	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies		,,
83-6	कुंथुनाथ 10/170 32/1, 29/15, 42/42	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies		,,
87	कोलड़ी 187	,,	,,		,,
88	महावीर 3 अ 3	,,	,,		मू +व्याख
89-92	ओसियां 3 अ 27, 3 अ 150, 149 148	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies		ग.
93-4	के.नाथ 21/4-76	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies		,,
95-101	कोलड़ी 182-3-4-6, 1090-1 1126	,, 7 प्रतियां	,, 7 copies		,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु धार्मिक व अंतिम क्रिया	मा.	2,2,4, 7,6	25 से 28 × 12 से 13	संपूर्ण	20वीं	
दैनिकचर्या के विधि विधान	प्रा.सं.	36	28 × 13 × 15 × 47	,, ग्रं. 1500	1967, नागौर, नरोत्तम	
साधु जीवनचर्या नियम	ग्र.	2	31 × 10 × 30 × 17	,, 70 गाथा	17वीं	
पर्व कथा	मा.	5	25 × 11 × 15 × 47	संपूर्ण	1912	
धार्मिक क्रिया पाठपद	प्रा सं.मा	18	27 × 12 × —	,, ग्रं. 785	19वीं	
पर्व कथा	सं.	10	26 × 11 × 17 × 51	संपूर्ण	19वीं	(मास में 4 या 6 पर्व चर्चा भी है)
पर्व व्याख्यान पद्धति	प्रा.सं + मा.	19	25 × 12 × 14 × 42	,,	18वीं	
,,	सं.	7	25 × 10 × 13 × 37	,, ग्रंथाग्र 210	1748, बीकानेर, महिमासुंदर	
,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1848, सिंहाम-सर, लक्ष्मीसुंदर	
,,	मा.	11	26 × 10 × 15 × 44	संपूर्ण	1797	
,,	,,	17	25 × 11 × 13 × 32	,,	1804	
,,	,,	8	25 × 11 × 19 × 60	,, ग्रं. 528	1825	
,,	प्रा.सं.	30*	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859 × मति-कुशल	कुछ प्राकृत गाथा साथ में 5 अन्य पर्व व्याख्यान
,,	सं.	11,10	25 × 11 × 11/14 × 32	,, दृष्टांत सहित	19वीं	
,,	,,	12,9, 7,4	25 से 26 × 11 से 13	प्रथम 2 पूर्ण अंतिम 2 अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	5	26 × 10 × 16 × 52	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	7	25 × 12 × 15 × 40	,,	20वीं	
,,	मा.	9,22, 13,9	25 से 26 × 10 से 12	,,	19/20वीं	प्राकृत मूल के अनुसार
,,	,,	18,16	26 × 14 व 26 × 12	प्रथम पूर्ण दूसरी अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	10,14 10,11, 5,10, 16	24 से 27 × 10 से 13	प्रथम 4 पूर्ण अंतिम 3 अपूर्ण	19/20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
102	ओसियां 3 अ 28	चातुर्मासिक संवत्सरी प्रतिक्रमण विधि	Cāturmāsika Samvatsarī Pratikramaṇa Vidhi	—	गद्य
103	के.नाथ 26/75	चैत्यवन्दन-विधि	Caityavandana Vidhi	—	,,
104	कोलड़ी 416	चैत्र पूर्णिमा देववंदन विधि	Caitrapūrṇimā Devavandana Vidhi	—	ग.
105	,, 9 इ 5	चैत्र पूर्णिमा व्याख्यान	Caitrapūrṇima Vyākhyāna	संघाचार (वृत्ती)	,,
106-7	महावीर 3 आ 1, 126	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies		,,
108	कोलड़ी 179	,,	,,		,,
109	ओसियां 3 आ 147	,,	,,		,,
110	के.नाथ 19/27	चौदहनियम स्वरूप	Caudaha-niyama Svarūpa		,,
111	मुनिसुव्रत 3 आ 162	छप्पन दिशाकुमारी जन्म महोत्सव	Chappana Diśākumarī Janma Mahotsava	—	मू (ग.)
112	,, 3 अ 134	छप्पन दिशाकुमारी जन्म महोत्सव	Chappana Diśākumarī Janma Mahotsava	—	मू ट. (ग.)
113	कोलड़ी 1351	जलगालण विधि रास	Jalagālaṇa Vidhi Rāsa	ज्ञानभूषण	प.
114	के नाथ 16/37	जिनबिंब प्रवेशादि विधि	Jinabimba-praveśādivdhi	—	ग.
115-8	कोलड़ी 424 से 27	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	—	,,
119-20	,, 422-3	तप विधियां 2 प्रतियां	Tapa Vidhiyān 2 copies	—	,,
121	महावीर 3 आ 107	तिलक तपस्या स्तवन	Tilaka Tapasyā Stavana	—	प.
122	,, 3 आ 105	तेहत्तर तप विधियाँ	Tehattara Tapa Vidhiyān	—	ग.
123	सेवामंदिर 2/371	दसकल्पार्थ	Dasakalpārthā	—	,,
124	कुंथुनाथ 13	दिक्पाल ग्रह पूजा	Dikpāla Grahapūja	—	ग. (मंत्र)
125	के नाथ 19/91	दीक्षादि विधान	Dīkṣadi Vidhāna	—	ग.
126-7	कोलड़ी 958-9	दीक्षा विधि 2 प्रतियां	Dīkṣā Vidhi 2 copies	विधिप्रपानुसार	,,
128	कुंथुनाथ 35/9	,,	,,	,,	,,
129-30	कोलड़ी 401,888	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
131	कुंथुनाथ 12/202	,,	,,	—	,,
132-4	महावीर 3 आ 51-2,128	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
135	,, 3 आ 54	(बड़ी) दीक्षा विधि	(Baiḍ) Dikṣā Vidhi	शिवनिधानगणि	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक क्रिया विधि	प्रा.मा.	5	26 × 12 × 10 × 32	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	2	26 × 13 × 10 × 23	,,	19वीं	
पर्व क्रिया	मा.	3	25 × 11 × 14 × 40	,,	19वीं	
पर्व व्याख्यान व्रत कथा	सं.	2	24 × 12 × 14 × 48	,,	19वीं	
,,	,,	25* × 11*	25 × 12 × 14 × 45/34	,,	19/20वीं	साथ में अन्य पर्वों के व्याख्यान
,,	मा.	4	25 × 10 × 13 × 50	,,	19वीं	
,,	,,	7	25 × 11 × 15 × 40	,,	19वीं	
श्रावक दिनचर्या व्रत	,,	5	26 × 13 × 13 × 39	,,	1877	
जिन जन्माभिषेक परंपरा	प्रा.	8	27 × 12 × 14 × 48	,,	1771 मेड़ता वीरमजी	
,, ,,	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 7 × 36	,,	16वीं × चतुरजी	
पानी छानने बाबत	मा.	1	26 × 11 × 17 × 46	,, 33 गाथा	19वीं	
प्रतिष्ठा पूर्व क्रिया विधि	,,	4	26 × 11 × 14 × 59	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	3,4,8, 11	25 से 27 × 11 से 12	,,	19वीं	
विभिन्न तपस्याओं की	,,	11,7	25 × 12 × 10/12 × 40	,,	20वीं	
विधिपरक पद्य	,,	2	25 × 11 × 11 × 33	प्रतिपूर्ण	19वीं	
विभिन्न तपस्याओं की	,,	5	27 × 12 × 15 × 42	,,	18वीं	
साधु आचार समाचारी	,,	7	25 × 12 × 14 × 38	,,	20वीं × दानविजय	
प्रतिष्ठा पूर्व विधि	सं.	3	26 × 13 × 13 × 28	संपूर्ण	19वीं	
दीक्षा विवेचन	प्रा.मा.	9	26 × 11 × 13 × 40	,,	19वीं	
दीक्षा देने की क्रिया	सं.	2,2	27 × 13 × भिन्न 2	,,	19वीं	
,,	,,	4	23 × 11 × 10 × 28	,,	1951	
,,	मा	4,2	22 × 12 व 24 × 11	,,	19वीं	
,,	,,	1	115 × 17 × 122 × 76	,,	1948	
,,	,,	3,3,4	26 से 27 × 12 से 13	,,	20वीं	
उपस्थापन विधि	,,	5	26 × 11 × 23 × 69	,,	17वी	साथ में अन्य स्फुट विधि भी

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
136	महावीर 3 अ 167	(बड़ी) दीक्षा विधि	(Baḍī) Dīkṣā Vidhi	—	ग.
137	,, 3 अ 67	,,	,,	—	,,
138	सेवामंदिर 3अ 179	दीक्षा विधि व योग विधि	Dīkṣā Vidhi+Yogavidhi	शिवनिधानगणि	,,
139-40	महावीर 3 अ 50 53	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
141	ओसियां 3 अ 144	दीपावलीकल्प	Dīpāvalī Kalpa	जिनसुंदर (सोमसुंदर का शिष्य)	प.
142	के.नाथ 22/69	,,	,,	,,	,,
143	कोलड़ी 200	,,	,,	हेमाचार्य	,,
144	महावीर 3 अ 11	,,	,,	जिनसुंदर	मू ट. (प.ग.
145-6	कोलड़ी 192,201	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	--	,, ,,
147-50	के.नाथ 11/23-92.21-52,18-38	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	विनयचन्द्रसूरि	प.
151	ओसियां 3 अ 143	,,	,,	विनयचंद्र (रत्नसिंह का शिष्य)	,,
152	कोलड़ी 194	दीपावली व्याख्यान	Dīpāvali Vyākhyān	—	ग.
153	सेवामंदिर 3अ 173	,,	,,	—	,,
154	महावीर 3 अ 126	,,	,,	—	,,
155	ओसियां 3 अ 145	,,	,,	—	,,
156	कोलड़ी 195	,,	,,	—	,,
157	के.नाथ 18/41	,,	,,	—	,,
158-60	,, 6/13.21/67-8	,, 3 प्रतियां	,, 3 copics	(जिनसुंदर)	,,
161	कोलड़ी 193	,,	,,	—	,,
162	ओसियां 3 अ 32	देववन्दन गाथायें	Devavandana Gāthāyen	—	,,
163	कोलड़ी 957	,, बोल	,, Bola	—	ग. तालिका
164	ओसियां 3 अ 157	देववंदन विधि	,, Vidhi	—/सागरचन्द्र	प.ग.
165	के.नाथ 5/62	,,	,, ,,	—	ग.
166	ओसियां 3 अ 160	नवपद खमासणा विधिसह	Navapada Khamāsaṇā	—	गद्य मंत्र

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
उपस्थापन विधि	मा.	5	26 × 11 × 16 × 33	अपूर्ण (अंतिम 5 पन्ने)	18वीं	
,,	,,	4	27 × 13 × 14 × 45	संपूर्ण	20वीं	
उपस्थापन व स्वाध्याय	,,	20	24 × 11 × 13 × 30	,,	1954,अहिपुर. वंशीलाल	
,, ,,	,,	11,11	25 × 14 × 9 × 22	,,	1961 जयपुर ऋद्धिकुमारी	
पर्वकथा(महा. जीवन पर)चन्द्रगुप्तस्वप्नभी	सं.	14	26 × 11 × 13 × 43	,, 435 श्लोक	1672	
,	,,	13	26 × 11 × 15 × 43	,, 437 ,,	1700	
,,	,,	16	19 × 11 × 14 × 32	,, 347 ,,	1828	
,,	सं.मा.	42	26 × 11 × 5 × 33	,, 434 ,,	1845	
,,	,	13,गुटका	27 × 11 व 25 × 12	,, 180श्लोक दूसरी में	19वीं	
,,	सं.	12,7, 13,5	25 से 27 × 11 × भिन्न2	तीन संपूर्ण चौथी अपूर्ण	19वीं	पूर्ण प्रति के श्लोक 262/78
,,	,,	6	25 × 10 × 14 × 46	संपूर्ण 128 श्लोक	19वीं	1345 की कृति
पर्व व्याख्यान कथा	,,	6	27 × 12 × 15 × 48	संपूर्ण	1845	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859	
,,	,,	25*	25 × 12 × 14 × 35	,,	1875	
,,	,,	6	24 × 11 × 16 × 42	,,	1888	
,,	,,	6	25 × 12 × 17 × 45	,,	1897	
,,	,,	10	22 × 13 × 13 × 32	,,	1899	
,,	मा.	14,19, 11	24 से 25 × 10 से 13	,,	19वीं	मूल का बालावबोध जैसा
,,	,,	10	27 × 11 × 15 × 40	,,	1902	
जिननमस्कार क्रिया पाठ	प्रा.मा	6	25 × 11 × 13 × 37	,,	20वीं	
,, पाठ पद	मा.	5	24 × 11 ×	,,	20वीं	
,, विधि स्तोत्र	सं.मा.	3	24 × 11 × 17 × 60	,,	19वीं	अंत में 'जिन स्तोत्र' 25 श्लोक
,, ,,	मा.	5	26 × 12 × 13 × 28	,,	19वीं	
भक्ति क्रिया पाठ पद	सं.	3	24 × 11 × 19 × 46	प्रतिपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
167-9	महावीर 3 अा 116-8-9	नवपद खमासणा 3 प्रतियां	Navapada Khamāsaṇā 3 copies	—	गद्य मंत्र
170	कोलड़ी 413	नवपद जाप	Navapada Jāpa	—	ग.
171	के.नाथ 21/57	नवपद सिद्धचक्र प्रतिष्ठा पूजा विधि	Navapada Siddhacakra Pratiṣthā etc.	—	,,
172	महावीर 3 अा 93	नंदी उपधान विधि	Nandī Upadhāna Vidhi	—	,,
173	,, 3 अा 81	,,	,,	—	,,
174	,, 3 अा 49	नंदी दीक्षा विधि	Nandī Dikṣā Vidhi	—	,,
175	,, 3 अा 176	नित्य पूजन विधि	Nityapūjana Vidhi	—	,,
176	,, 3 अा 48	निर्वाणकलिका (प्रतिष्ठापद्धति)	Nirvāṇa Kalikā	सिंहतिलकसूरि	,,
177	के.नाथ 18/88	निवितां बालबोध	Nivitān Bālabodha	—	,,
178	कोलड़ी 196	पडिलेहणा कुलक	Paḍilehaṇā Kulaka	विजयविमल (आनंद-विमल शिष्य)	मू.ट. (प.ग.)
179	सेवामंदिर 3 इ 345	,,	,,	,,	,,
180	महावीर 2/16	,,	,,	,,	,,
181	ओसियां 2/170	,,	,,	,,	,,
182	कोलड़ी 188	पर्युषण अष्टाह्निका व्याख्यान	Paryuṣaṇa Aṣṭāhnikā Vyākhyāna	—	ग.
183	के.नाथ 20/42	,,	,,	क्षमाकल्याण	,,
184-6	,, 8/27-23; 18/54	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
187	कोलड़ी 191	,,	,,	—	मू ट (प.ग.)
188-90	,, 189,1036 157	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	ग.
191-2	,, 190-98	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
193	कुंथुनाथ 33/7	,,	,,	धनेश्वरसूरि	मू ट. (प.ग.)
194	,, 13/47	,,	,,	क्षमाकल्याण	ग.
195-6	महावीर 3 अा 125,8	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
197	,, 3 अा 6	,,	,,	—	मू.ट (प.ग.)
198	,, 3 अा 5	,,	,,	—	मू.ट. (ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति क्रिया पाठ पद	सं.	4,13,7	20 से 26 × 11 से 12	प्रतिपूर्ण	19/20वीं	
सिद्धचक्र ग्रोली ग्राराधना विधि	मा.	4	28 × 10 × 14 × 50	संपूर्ण	19वीं	
धार्मिक क्रिया की विधियां	,,	28	25 × 11 × 11 × 35	,,	1875	
,, ,,	,,	5	24 × 11 × 18 × 44	,,	18वीं	
,, ,,	,,	10	27 × 11 × 15 × 52	,,	1940, पाली, ग्रमरदत्त	
श्रुत ग्रध्ययन विधि पाठ	प्रा.	2	27 × 13 × 15 × 37	ग्रपूर्ण (त्रुटक पाठ मात्र)	20वीं	
प्रभु पूजादि दैनिक कर्त्तव्य	मा.	18	27 × 14 × 7 × 23	संपूर्ण	20वीं	
प्रतिष्ठा पद्धति	सं.	41*	25 × 11 × 14 × 50	,, ग्रं. 200	1962	जिन वर्ण राशि ग्रादि
विकृति भक्ष्याभक्ष्य विचार	मा.	6	24 × 11 × 10 × 34	संपूर्ण	19वीं	
प्रतिलेखन विधि	प्रा.मा.	8	26 × 10 × 5 × 44	,, 34 गा.	1808	
,,	,,	4	25 × 15 × 5 × 30	,, 28 गा.	1862, लुणावा, ग्रर्जुन	
,,	,,	5	26 × 13 × 5 × 34	,, 28 गा.	19वीं	
,,	,,	4	26 × 11 × 5 × 37	,, 27 गा.	19वीं राधिकानगर	
पर्युषण पर्व प्रथम 2 दिन का	सं.	10	25 × 12 × 16 × 48	संपूर्ण	18वीं	
,, ,,	,,	21	25 × 13 × 12 × 39	,,	1900	
,, ,,	,,	14,33,9	24 से 28 × 12 से 13	प्रथम दो पूर्ण तीसरी ग्रपूर्ण	19वीं	
,, ,,	सं.मा.	41	25 × 11 × 6 × 38	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	सं.	6,2,6	25 से 26 × 11 से 13	प्रथम पूर्ण, द्वितीय व तीसरी ग्रपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	12,8	25 × 12 × 13/20 × 49	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	सं.मा	30	29 × 14 × 8 × 52	,,	1911	
,, ,,	सं.	18	25 × 13 × 12 × 34	,,	1944	
,, ,,	,,	24,10	27 × 13 × 24 × 22	,,	19/20वीं	
,, ,,	सं.मा.	38	26 × 12 × 6 × 40	,, 189 श्लोक	1943 X ज्ञानविजय	
,, ,,	,,	35	28 × 12 × 5 × 38	,, 149 प्रबन्ध	1957	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
199-200	ओसियां 3 अ 134, 133	पर्युषण अष्टाह्निका व्याख्यान 2 प्रतियां	Paryuṣaṇa Aṣṭāhnikā Vyākhyāna 2 copies	मतिमंदिर	ग.
201-2	,, 3 अ 135, 158	,, 2 प्रतियां	,, ,, ,,	,,	,,
203-4	कुंथुनाथ 16/6,10/169	,, 2 प्रतियां	,, ,, ,,	—	,,
205-6	कोलड़ी 1150-78	,, 2 प्रतियां	,, ,, ,,	—	,,
207-8	के.नाथ 21/75, 15/206	,, 2 प्रतियां	,, ,, ,,	—	,,
209	ओसियां 3 अ 169	पर्युषणाकल्पादि सूचना	Paryuṣaṇākalpādi Sūcanā	—	,,
210-2	महावीर 3 अ 124 4,7	पर्युषणाचिंतामणि 3 प्रतियां	Paryuṣaṇā Cintāmaṇi 3 copies	अमृतकुशल	,,
213	के.नाथ 11/61	पंचमी उद्यापन विधि	Pañcamī Udyāpana Vidhi	ज्ञानविमल	ग.प.
214	कुंथुनाथ 15/2	,, कथा	,, Kathā	दीपमुनि	प.
215	के.नाथ 6/88	,, तप स्तवन	,, Tapastavana	जिनविजय	,,
216	कुंथुनाथ 37/12	,, देववंदन विधि व स्तव	,, Devavandana Vidhi	—	ग.प.
217	के.नाथ 10/12	,, स्तवन	,, Stavana	गुणविजय	प.
218	कोलड़ी 417	पुंडरीक आराधन विधि	Puṇḍarīka Ārādhana Vidhi	—	ग.
219	मुनिसुव्रत 3 अ 165	पूजा विधि	Pūjā Vidhi	—	,,
220	सेवामंदिर 3 अ 345	,, स्तवन	,, Stavana	गुणविमल	,,
221-2	महावीर 3 अ 111-2	पैंतालीस आगम का गुणना 2 प्रतियां	45 Āgama Guṇanā	—	ग. तालिका
223	कोलड़ी 945	पौष दशमी कथा	Pauṣa Daśamī Kathā	जैनेन्द्रसागर	प.
224	के.नाथ 21/87	,,	,,	—	,,
225	महावीर 3 अ 19	,,	,,	—	,,
226	सेवामंदिर 3 अ 173	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna	—	ग.
227-9	महावीर 3 अ 126, 20,1	,, 3 प्रतियां	,, ,, 3copies		,,
230-1	कोलड़ी 173,172	,, 2 प्रतियां	,, ,,2copies		,,
232	सेवामंदिर 3 अ 178	,,	,, ,,	(हेमचन्द्रानुसारे)	,,
233	मुनिसुव्रत 3 अ 171	पौषध प्रतिक्रमणादि विधि	Pauṣadha Pratikramaṇādi Vidhi	—	प.ग.
234	कोलड़ी 395	,,	,, ,,	—	ग.

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्युषणप्रथम2दिनका	भा.	26,15	26 × 12 × 9/15 × 34	संपूर्ण	1907-16	
,,	,,	95	26 × 12 × 14 × 44	अपूर्ण	20वीं	
,,	,,	12,42	26 × 12 व 28 × 12	संपूर्ण	20वीं	
,,	,,	3,19	25 × 11 व 26 × 12	अपूर्ण	20वीं	
,,	,,	17,17	26 × 14 व 25 × 11	पहिली पूर्ण, दूसरी अपूर्ण	20वीं	
साधुपर्वआचार विधि	,,	7	25 × 11 × 16 × 34	अपूर्ण	20वीं	
पर्व विधि विधान	सं.	16,17 18	27 से 29 × 12 से 13	संपूर्ण	19/20वीं	
तिथि पर्व भक्ति विधि	सं.भा.	3	25 × 12 × 16 × 47	,,	1875	
,, कथा	भा.	8	26 × 11 × 15 × 45	,, 11 ढालें	1907	
,,	,,	6	25 × 11 × 10 × 29	,, 6 ,,	19वीं	
,, विधि	,,	14	25 × 12 × 9 × 36	संपूर्ण	1943	
,, काव्य	,,	4	26 × 13 × 11 × 29	,, 5 ढालें +	19वीं	
भक्ति(गणधर) विधि	,,	3	27 × 13 × 12 × 34	,,	19वीं	
प्रभु पूजाविधिविधान	,,	5	23 × 11 × 10 × 28	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,, काव्य	,,	1	26 × 12 × 17 × 46	संपूर्ण 27 गा.	19वीं	
शस्त्र भक्ति पाठ पद	संस्कृत	9,9	28 × 12 × —	,, 310 मंत्र पद	19वीं	
पर्व व्याख्यान कथा	सं.	2	25 × 10 × विभिन्न	संपूर्ण 75 श्लोक	19वीं	
,,	,,	14*	25 × 12 × 11 × 35	,, 73 ,,	19वीं	
,,	,,	4	28 × 13 × 11 × 36	,, 75 ,,	20वीं	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण	1859	
,,	,,	25,10 11	25 से 29 × 12 से 14	,,	19/20वीं	
,,	,,	2,5	28 × 12 व 25 × 12	,,	19/20वीं	
,,	,,	6	25 × 11 × 8 × 45	,,	1934	
आवश्यक क्रिया विधि	प्रा.सं.भा	29	26 × 12 × 15 × 35	प्रतिपूर्ण भिन्न 2 पन्ने	1846	
,,	भा.	3	23 × 12 × 14 × 40	प्रतिपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
235	के.नाथ 14/46	पौषध प्रतिक्रमणादि विधि	Pauṣadha Pratikramaṇādi Vidhi	—	ग.
236-7	कोलड़ी 397-8	पौषध विधि 2 प्रतियां	Pauṣadha Vidhi 2 copies	—	,,
238	महावीर 3 अ 39	,,	,,	—	,,
239-40	के.नाथ 14/47-41	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
241	,, 11/106	पौषध विधि स्तवन	Pauṣadha Vidhi Stavana	समयसुंदर	प.
242	,, 19/93	प्रति आलोचना विधि	Prati Ālocanā Vidhi	—	ग.
243-5	कुंथुनाथ 3/13, 10-174, 15-53	प्रतिक्रमण विधि 3 प्रतियां	Pratikramaṇa Vidhi 3 copies	—	,,
246-7	के.नाथ 5/69, 21/55	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
248	कोलड़ी 961	(पंच) प्रतिक्रमण विधि	(Pañca) ,,	—	,,
249-50	कुंथुनाथ 10-159. 3-79A	,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	—	,,
251	महावीर 3 अ 18	प्रतिक्रमण हेतु गर्भ	Pratikramaṇa Hetu Garbha	जयचन्द्रसूरि	,,
252	के.नाथ 10/83	,,	,,	,,	,,
253	,, 26/58	,,	,,	क्षमाकल्याण	,,
254	,, 10/68	प्रतिक्रमाक्रम विधि सार्थावगम	Pratikramākrama Vidhi Sārthāvagama	जयचन्द्रगणि	प.
255	महावीर 3 अ 43	प्रतिष्ठाकल्प	Pratiṣṭhā Kalpa	अज्ञात(संगृहीतसंपादित)	प.ग.
256	,, 3 अ 46	,,	,,	—	ग.
257	,, 3 अ 42	,,	,,	अज्ञात(संगृहीतसंपादित)	प ग.
258	,, 3 अ 45	प्रतिष्ठा कुंडली आदि	Pratiṣṭhā Kuṇḍali etc	—	ग. यंत्र
259	के.नाथ 17/37	प्रतिष्ठा के टब्बे	Pratiṣṭhā ke Tabbe	—	ग.
260	,, 23/22	प्रतिष्ठाधिकार	Pratiṣṭhādhikāra	—	,,
261	कोलड़ी 1240	प्रतिष्ठा विधि	Pratiṣṭhā Vidhi	—	,,
262-3	के.नाथ 21/42-72	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
264-5	महावीर 3 अ 40-41	,, 2 प्रतियां	,, ,,	—	,,
266	के.नाथ 23/91	प्रतिष्ठा सामग्री	,, Sāmagrī	—	,,
267	कुंथुनाथ 4/81	प्रत्याख्यान कोष्ठक	Pratyākhyāna Koṣṭhaka	—	तालिका

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक क्रिया विधि	मा.	4	24 × 12 × 13 × 30	प्रतिपूर्ण	20वीं	
,,	,,	3,4	25 × 10 व 26 × 13	,,	19वीं	
,,	,,	4	25 × 12 × 12 × 35	,,	20वीं	
,,	,,	6,2	25 × 12 व 26 × 11	,,	19/20वीं	
,, काव्य	,,	4	25 × 11 × 11 × 31	संपूर्ण 37 गाथायें	19वीं	
प्रायश्चित्त विधि	,,	4	26 × 12 × 15 × 41	संपूर्ण	19वीं	
आवश्यक क्रिया विधि	,	3,3,1	26 से 27 × 11 से 12	,,	20वीं	
,,	,,	2,14	25 × 11 व 26 × 12	,,	20वीं	
,,	,,	2	26 × 12 × 15 × 35	,,	1873	
,,	,,	6,1	26 × 11 व 12 × भिन्न2	,,	20वीं	
आवश्यक विधि विवेचन	सं.	15	26 × 12 × 22 × 46	संपूर्ण ग्रंथाग्र 1506	1842,सूरत क्षमाप्रभ	
,,	,,	20	27 × 12 × 15 × 55	,,	19वीं	
,,	मा.	3	25 × 13 × 13 × 48	,,	20वीं	
,,	सं.	23	25 × 12 × 11 × 40	,, 150 श्लोक	1934	
मूर्त्ति प्रतिष्ठा विधि	,,	18	28 × 12 × 20 × 43	,,	18वीं	
,,	,,	130	25 × 12 × 11 × 33	,,	1828	
,,	,,	37	27 × 13 × 14 × 32	,,	20वीं	अंत में प्रतिष्ठासामग्री सूची
तीर्थंकरों की राशि आदि ज्योतिष पक्ष	,,	6	27 × 12—	प्रतिपूर्ण	20वीं	
मुद्देवार टिप्पणियें	मा.	24	31 × 15—	,,	19वीं	
प्रतिष्ठा विधियां	सं.	92	27 × 13 × 13 × 47	संपूर्ण	1893	
नवीनप्रासाद से ध्वजातक	,,	23	25 × 12 × 15 × 48	,,	1906	
प्रतिष्ठा विधियां	प्रा.सं.मा.	16,24	27 × 12 व 24 × 12	,,	19/20वीं	
,,	मा	42,34	27 × 13 व 25 × 13	,,	19वीं(1पालीमें)	
किरियाणा की सूची	,,	4	20 × 10 × 10 × 33	,,	19वीं	
आगार छायादि विधान	प्रा.	1	24 × 10 × —	,,	17वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2.	3	3 A	4	5
268	कुंथुनाथ 9/125	प्रत्याख्यान कोष्ठक	Pratyākhyāna Koṣṭhaka	—	तालिका
269	कोलड़ी 938	प्रत्याख्यान स्तवन	,, Stavana	रामचन्द्र	प.
270-1	के.नाथ 19/107; 26/33	,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
272	कुंथुनाथ 42/17	प्रारम्भना	Prārambhanā	—	मु. व्याख्या
273	,, 37/14	बारह व्रत अतिचार	Bāraha Vrata Aticāra	—	गद्य
274	के.नाथ 26/82गु	,,	,,	—	,,
275	,, 19/50	बारह व्रत आलोचना	,, Ālocanā	प्रेमराज	पद्य
276-7	के.नाथ 3-24,5-30	बारह व्रत टीप 2 प्रतियां	,, Tīpa 2copies	—	ग.
278	कोलड़ी 1198	,,	,, ,,	—	,,
279	के.नाथ 26/53	बारह व्रत लेने की विधि	,, Lenekī Vidhi	—	,,
280	कोलड़ी 370	बारह व्रत विचार पद्धति	,, Vicāra Paddhati	—	,,
281	,, 369	बारह व्रत विवरण	,, Vivaraṇa	उदयसागर	,,
282	महावीर 3 आ 18	बीसस्थानक गुणना	Bīsa Sthānaka Guṇanā	—	ग. मंत्र पद
283-4	,, 3 आ 106-9	,, तप विधि 2 प्रतियां	,, Tapavidhi 2 copies	—	ग.
285	,, 3 इ 19	,, तप स्तवन	,, Tapastavana	नयविजय	प.
286	,, 3 आ 87	ब्रह्मचर्यादि व्रत विधि	Brahmacaryādi Vrata Vidhi	—	ग.
287-9	,, 3 आ 126. 20,1	मेरुत्रयोदशी कथा 3 प्रतियां	Merutrayodaśā Kathā 3 copies	—	,,
290-1	कोलड़ी 175,174	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
292	ओसियां 3 आ 138	,,	,,	,,	,,
293	के.नाथ 19/56	,,	,,	,,	,,
294	कुंथुनाथ 4/85	,,	,,	,,	,,
295	के.नाथ 15/144	,, व्याख्यान	,, Vyākhyānā	—	,,
296-7	कोलड़ी 176,1125	,, 2 प्रतियां	,, ,,	—	,,
298	महावीर 3 आ 175	मोक्ष टिप्पणिका	Mokṣa Tippaṇikā	—	,,
299	के.नाथ 22/38	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādaśī Kathā	—	मु. (प.)

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आगार, छायादि विधान	मा.	1	23 × 14 × —	संपूर्ण	19वीं	
तपफल वर्णन विधि काव्य	,,	3	27 × 10 × 10 × 27	,, 33 गा.	1890	
,, ,,	,,	7,2	25 × 11 व 26 × 12	,, ,, (तीन ढालें)	19/20वीं	
कल्पसूत्र की पीठिका वाचन	प्रा.सं.	2	26 × 11 × 12 × 52	अपूर्ण (बीच का 1 पन्ना कम)	17वीं	
व्रत भंग विचार	प्रा मा	4	25 × 11 × 13 × 34	संपूर्ण	19वीं	
,,	मा.	16	16 × 9 × 9 × 20	अपूर्ण	19वीं	
अतिचार विचितन	,,	13	26 × 13 × 16 × 32	संपूर्ण 151 गाथा	1940	अंत में 3-4 स्फुट स्तवन
व्रत विधान विवरण	,,	35,5	23 × 12 व 25 × 12	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	8	29 × 12 × 14 × 47	अपूर्ण (पहिला व्रत भी अधूरा)	19वीं	
प्रतिज्ञापाठादि	प्रा.मा.	2	26 × 12 × 18 × 50	संपूर्ण	1829	
श्रावकाचार व्रत विवरण	मा.	100	27 × 13 × 12 × 32	,,	1826	मकसुदाबाद के सुगालचंदजी की टीप
,, ,,	,,	78	25 × 13 × 14 × 48	,,	1903	
तप पूजा क्रिया पाठ पद	सं.	10	27 × 12 × 17 × 39	,,	19वीं	
तप सूत्र व क्रिया	मा.	85,11	26 × 12 व 27 × 12	,,	19वीं	
,, काव्य	,,	2	26 × 11 × 15 × 40	,, 25 गा.	20वीं	
श्रावकाचार क्रिया विधान	,,	9	26 × 13 × 13 × 36	,,	20वीं	
पर्व व्रत कथा	सं.	25*10*11*	25 से 29 × 12 से 14	,,	19/20वीं	
,,	,,	6,5	26 × 12 व 29 × 13	,,	19वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 14 × 34	,,	1900	
,,	,,	7	25 × 11 × 11 × 40	,, ग्रं. 165	19वीं	
,,	,,	7	24 × 13 × 12 × 35	,,	1945	
,,	मा.	8	25 × 12 × 13 × 42	,,	19वीं	अंत में जयवर्मा जयमाल की 1 अनु मात्र
,,	,,	19,6	25 × 13 व 21 × 13	प्रथम संपूर्ण द्वितीय अपूर्ण	20वीं	पिंगलराय का कथानक भी है
विभिन्न तप विधियां	,,	11	26 × 12 × 14 × 40	संपूर्ण	17वीं	
पर्व व्रत कथा	प्रा.	7	26 × 12 × 13 × 47	,, 155 गा.	1802	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
300	कोलड़ी 164	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādaśī Kathā	—	मू.ट. (प.ग.)
301	,, 167	,,	,,	—	,,
302-3	,, 166,165	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
304	के.नाथ 5/37	,,	,,	—	,,
305	महावीर 3 अा 13	,,	,,	—	मू (प.)
306	कुंथुनाथ 9/124	मौन एकादशी व्याख्यान	Mauna Ekādaśī Vyākhyāna	सौभाग्यनंदसूरि	पद्य
307	मुनिसुव्रत 4 अ 166	,,	,,	,,	,,
308	के.नाथ 10/110	,,	,,	रविसागर	,,
309	,, 22/41	,,	,,	सौभाग्यनंदि	,,
310	कुंथुनाथ 52/6	,,	,,	,,	,,
311	ओसियां 3 अा 139	,,	,,	,,	,,
312	,, 3 अा 154	,,	,,	रविसागर	,,
313	के.नाथ 10/33	,,	,,	दानचंद्रगणि	मू.ट (प.ग.)
314	महावीर 3 अा 12	,,	,,	वीरविजय	,,
315	कोलड़ी 168	,,	,,	—	प.
316	ओसियां 3 अा 153	मौन एकादशी व्रत कथा	Mauna Ekādaśī Vrata Kathā	रूपचंदगणि शिष्य	ग.
317	महावीर 3 अा 14	,,	,,	वीरसागर	,,
318	सेवामंदिर 3 अा 173	,,	,,	—	,,
319	महावीर 3 अा 126	,,	,,	—	,,
320	कुंथुनाथ 16/11	,,	,,	—	,,
321	कोलड़ी 169	,,	,,	(प्राकृतानुसार)	,,
322	कुंथुनाथ 10/153	,,	,,		,,
323	कोलड़ी 171	,,	,,		,,
324	,, 170	मौन एकादशी कथानक	Mauna Ekādaśī Kathānaka	(प्राकृतानुसार)	,,
325	के.नाथ 23/46	,,	,,	(मू. सौभाग्यनंदि) अमृत वल्लभ	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	प्रा.मा.	11	27 × 11 × 14 × 44	सपूर्ण 156 गा.	1828	
,,	,,	11	26 × 11 × 6 × 50	,, ,, ,,	1845	
,,	,,	12,8	25 से 27 × 13 × भिन्न 2	,, ,, ,,	19वीं	
,,	,,	17	26 × 12 × 6 × 30	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.	6	24 × 12 × 15 × 44	,, ,,	1944	
,,	सं.	5	25 × 14 × 14 × 33	,, 118 श्लोक	1576	1576 की कृति
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 49	,, ,,	1733, लूणकरणसर, दयासागर	
,,	,,	20	26 × 12 × 5 × 37	,, 200 श्लोक	1829	
,,	,,	5	25 × 14 × 14 × 27	,, 116 ,,	19वीं	
,,	,,	6	26 × 11 × 12 × 38	,, 118 ,,	19वीं	
,,	,,	3	24 × 10 × 14 × 57	,, 113 ,,	19वीं	
,,	,,	7	26 × 12 × 19 × 35	,, 201 ,,	19वीं	
,,	सं.मा.	31	27 × 13 × 5 × 27	,, 221 ,,	1858	
,,	,,	18	26 × 11 × 4 × 24	,, 109 ,,	19वीं रांने, गौतमसागर	1774 की कृति
,,	सं.	3	26 × 11 × 14 × 52	अपूर्ण 109 श्लोक (अंतिम पन्ना नहीं)	19वीं	
,,	,,	8	26 × 12 × 19 × 45	संपूर्ण	1896, जैसलद्विपुर, शिवचद्र	1884 की कृति
,,	,,	20	27 × 13 × 6 × 30	,, ग्रं. 202	20वीं	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859	
,,	,,	25*	25 × 12 × 14 × 35	,,	1875	
,,	,,	4	24 × 13 × 12 × 48	,,	1945	
,,	,,	3	26 × 11 × 11 × 50	,,	19वीं	
,,	,,	1	26 × 11 × 13 × 40	,,	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 15 × 45	,,	19वीं	
,,	मा	5	26 × 11 × 12 × 42	,,	1682	
,,	,,	9	28 × 13 × 15 × 47	संपूर्ण (बीचमें नौवां पन्नाकम)	1762	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
326	के.नाथ 23/84	मौन एकादशी कथानक	Mauna Ekādaśī Kathānaka	—	ग.
327	,, 19/108	,,	,,	—	,,
328-9	ओसियां 3 आ 140-1	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
330-1	के.नाथ 15/180; 24/19	,, ,,	,, ,,	—	,,
332-3	कुंथुनाथ 35/1, 24/9	,, ,,	,, ,,	—	,,
334	के नाथ 23/87	मौन एकादशी क्रिया विधि	,, Kriyāvidhi	रूपविजय	,,
335	कोलड़ी 948	मौन एकादशी का गुणना	,, kā Guṇanā	—	ग. मंत्र
336	महावीर 3 आ 15	,,	,, ,,	—	,,
337	,, 3 आ 120	,,	,, ,,	—	,,
338-9	कुंथुनाथ 4/102, 13/54	,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	—	,,
340	के.नाथ 24/65	,	,, ,,	—	,,
341-4	कोलड़ी 418,949 889 419	,, 4 प्रतियाँ	,, ,, 4 copies	—	,,
345	महावीर 3 आ 16	,	,, ,,	—	,,
346-7	के.नाथ 18/11, 20/30	मौन एकादशी स्तवन 2 प्रतियां	,, Stavana	कांतिविजय	प.
348	कोलड़ी 307	,,	,, ,,	,,	,,
349	ओसियां 3 इ 190	,,	,, ,,	,,	,,
350	कोलड़ी 1225	यतिदिनचर्या + वृत्ति	Yatidinacaryā + Vṛtti	भावदेवसूरि/मतिसागर	मू वृ (प.ग)
351	,, 891	,, —	,, —	भावदेवसूरि	मू ट. (प.ग.)
352	महावीर 3 आ 30	,, अवचूरि	,, + Avacūri	,,	मू.अ. (प.ग)
353	के.नाथ 13/15	,,	,,	—	प.
354	,, 14/52	,,	,,	देवसूरि	ग.
355	कोलड़ी 890	यति (दसविध) धर्म सज्झाय	Yatidharma Sajjhāya	ज्ञानविमल	प.
356	,, गु. 1/8	यति सज्झाय	Yati Sajjhāya	—	,,
357-8	महावीर 3 आ 70 71	योग खमासणा आदेश 2 प्रतियां	Yoga Khamāsaṇā Ādeśā 2 copies	—	ग.
359	,, 3 आ 80	योगदिन आदि	Yogadina etc.	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	मा.	4	25 × 11 × 15 × 27	संपूर्ण	1811	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 42	,,	1844	अंत में 'स्तवन' समयसुंदर का
,,	,,	5,7	26 × 11 × 15/11 × 38	,,	1869,19वीं	
,,	,,	6,7	26 × 11 × 12 × 42	,,	19वीं	
,,	,,	13,6	26 × 13 व 26 × 12	प्रथम संपूर्ण ग्रं 200 द्वितीय अपूर्ण	20वीं	
,,	,,	8	23 × 14 × 16 × 36	संपूर्ण	1936	
पर्व व्रत पाठ स्मरण	सं.	2	26 × 11 × —	संपूर्ण 150	1749	
,,	,,	2	25 × 11 × 13 × 39	,,	1779, शाहजहांबाद, मगलसागर	
,,	,,	3	26 × 11 × —	,,	18वीं	
,,	,,	2 3	25 × 12 व 24 × 13	,,	19वीं	
,,	,,	3	25 × 12 × 15 × 51	,,	19वीं	
,,	,,	3,2,2,2	25 से 27 × 10 से 12	,,	19/20वीं	
,,	,,	2	26 × 12 × 12 × 32	,,	1902, अजमेर रिखीलाल	
पर्वव्रतक्रियाकाकाव्य	मा.	5,4	29 × 13 व 25 × 11	संपूर्ण 3 ढालें	19वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 10 × 30	,, ,,	1879	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 44	,, ,, (27 गा.)	19वीं	
साधु समाचारी विधि	प्रा.सं.	40	26 × 11 × 15 × 56	संपूर्ण 154 गा.	16वीं	कालिकसूरि-वंश ज.
,,	प्रा.मा	13	26 × 13 × 7 × 39	,, 151 गा.	1901	
,,	प्रा.सं.	68	27 × 12 × 8 × 41	,, 154 गा. की	1957, राजनगरे	
,,	सं.	14	28 × 13 × 15 × 41	,, 420 श्लोक ग्रं 500	19वीं	
,,	अ.	7	26 × 11 × 20 × 40	,, 389 पद	19वीं	
,,	मा.	9	24 × 13 × 13 × 32	,, 10ढालें=154गा.	19वीं	
,,	,,	9	14 × 11 × 10 × 15	अपूर्ण	19वीं	
आवश्यक क्रिया विधि	,,	2,2	28 × 13 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	20वीं	
स्वाध्यायमुहूर्तवविधि	,,	2	26 × 11 × 20 × 48	,,	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
360	महावीर 3 अ 66	योगदूहन विधि	Yogadūhana Vidhi	—	ग
361	,, 3 अ 60	योगप्रवेशादि विधि	Yogapraveśādi Vidhi	—	,,
362	,, 3 अ 69	योग मोटी (बड़ी) विधि	Yoga Moṭi Vidhi	—	,,
363	,, 3 अ 76	योग यंत्र विधि	Yogayantra Vidhi	—	ग. यंत्र
364	,, 3 अ 62	,,	,,	—	,,
365	,, 3 अ 77	,,	,,	—	,,
366	,, 3 अ 75	योग विधि	Yoga Vidhi	—	,,
367	,, 3 अ 72	,,	,,	—	,,
368	,, 3 अ 73	,,	,,	—	ग.
369	,, 3 अ 58	,,	,,	—	,,
370	,, 3 अ 68	,,	,,	—	ग. यंत्र
371	,, 3 अ 79	,,	,,	—	ग.
372	,, 3 अ 64	,,	,,	—	,,
373	,, 3 अ 65	योगानुष्ठान विधि	Yogānuṣṭhāna Vidhi	—	,,
374	,, 3 अ 63	,,	,,	—	,,
375	,, 3 अ 34	राइ संथारा भाषादि	Rāisanthā ā Bhāṣādi	—	,,
376	,, 3 अ 127	रोहिणी (तप) कथा	Rohiṇī (Tapa) Kathā	—	मू.ट.
377	के नाथ 21/32	,, ,,	,, (,,) ,,	कनककुशल	प.
378	,, 5/95	,, महात्म्य	,, (Māhātmya) Kathā	--	ग.प.
379-81	कुंथुनाथ 15-61, 20-11, 4-83	रोहिणी(चौढालियो)तप स्तवन 3 प्रतियां	Rohiṇī Tapa Stavana 3 copies	मुनि श्रीसार	प.
382-6	कोलड़ी 314-5-7, 928-32	,, तप स्तवन 5 प्रतियां	,, ,, ,, 5 copies	,,	,,
387-8	के.नाथ 15/218, 19/112	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, ,, 2 copies	,,	,,
389	,, 15/191	रोहिणि (वासुपूज्य) स्तवन	Rohiṇī (Vāsupūjya) Stavana	लक्ष्मीसूरि	,,
390	,, 15/38	,,	,,	भक्तिलाभ का शिष्य	,,
391	कोलड़ी 1352	,,	,,	दीपविजय	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
स्वाध्याय विधि	मा.	15	26 × 11 × 13 × 34	प्रतिपूर्ण	1635 × ठाकरसी	
धार्मिकक्रियाविधियां	,,	16	28 × 12 × 15 × 31	,,	1916,पालिप्त नगरे,	
,,	,,	48	25 × 11 × 12 × 50	,,	19वीं	
अंगोपाङ्ग अध्ययन विधान	प्रा.मा.	5	26 × 11 × 14 × 43	,,	16वीं	
,, ,, +तप	मा.	7	25 × 12 × 10 × 37	,,	1890, पाटण, भक्ति विलास	
अध्ययन विधि तालिकायें	,,	3	26 × 11—	,,	19वीं	
धार्मिक स्वाध्याय विधि विधान	,,	5	26 × 11—	,,	16वीं × कुल-तिलक	
,, ,,	,,	9	26 × 11 × 14 × 55	,,	1658	
,, ,,	,,	7	26 × 11 × 19 × 56	,,	1705 सिद्धपुर कल्याणसागर	
,, ,,	,,	16	26 × 12 × 14 × 37	,,	18वीं	
,, ,,	प्रा.	12	25 × 11 × 15 × 47	,,	18वीं	
तपआदिविधिविधान	मा.	3	26 × 11 × 16 × 58	,,	18वीं	
स्वाध्याय धार्मिक क्रिया विधि	,,	44	27 × 13 × 12 × 42	,,	20वीं	
,, ,,	,,	12	26 × 11 × 13 × 49	,,	16वीं × इन्द्र-विजय	
,, ,,	,,	29	25 × 11 × 12 × 47	,,	18वीं	
पोषध शमन विधि	,,	5	24 × 12 × 12 × 33	,,	1858	
तप व्रत कथा	प्रा +मा	9	25 × 12 × 6 × 28	संपूर्ण	1901, रगोज-नगर, रंग सक्त	
,,	सं.	6	26 × 11 × 14 × 45	,, 202 श्लोक	1657	(अशोकचंद्रनृपकथा)
,,	मा.	5	26 × 12 × 16 × 35	संपूर्ण	1826	
तप व्रत विधि काव्य	,,	2,4,3	25 से 26 × 8 से 12	,, 4 ढाल+कलश =26गाथा,23गा.	1862, 19वीं	
,, ,,	,,	2,4,4,3, 2	22 से 26 × 11 से 12	,, 26 गा.	19वीं	
,, ,,	,,	2,5	24 × 12 व 18 × 12	,, ,,	19वीं	
,, ,,	,,	2	25 × 12 × 11 × 32	,,	1883	
,, ,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 35	,, 24 गा.	19वीं	
,, ,,	,,	4	25 × 12 × 11 × 28	,, छः ढाल	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
392	महावीर 3 अ 108	रोहिण्यादि तप विचार	Rohiṇyādi Tapa Vicāra	—	ग.
393	,, 3 अ 31	विधिपक्ष समाचारी	Vidhipakṣa Samācārī	—	,,
394	,, 3 अ 35	विधिप्रभा	Vidhiprapā	जिनप्रभ	,,
395	कोलड़ी 1177	विधि संग्रह	Vidhi Saṅgraha	—	,,
396-7	कुंथुनाथ 14/41-42	विधि स्फुट लघु ग्रंथ दो प्रतियां	Vidhisphuṭa Lagu Grantha 2 copies	—	,,
398	के.नाथ 6/34	वृद्ध स्नात्र विधि	Vṛdha Snātra Vidhi	—	,,
399	ओसियां 3 इ 229	शांति और अष्टोत्तरी स्नात्र	Śānti & Aṣṭottarī Snātra	—	,,
400	कुंथुनाथ 13/217	शांति स्नात्र पूजा विधान	Śānti Snātra Pūjā Vidhāna	—	ग. मंत्र
401	महावीर 3 अ 44	शांति स्नात्र विधि	,, ,, Vidhi	—	ग.
402	ओसियां 3 अ 156	शुक्ल पंचमी माहात्म्य स्तवन	Śuklapañcamī Māhātmya Stavana	गुणविजय (कुंवरविजै शिष्य)	प.
403	,, 3 अ 37	श्रमणोपासक विश्रामस्थान	Śramaṇopāsaka Viśrāma-sthāna		ग.
404	कुंथुनाथ 3/61	श्रावक आलोचना	Śrāvaka Ālocanā		प.ग.
405	के.नाथ 20/51	श्रावक आवश्यक विधि	Śrāvaka Āvaśyaka Vidhi		ग.
406-10	,, 6/46, 11/60, 17/1, 23/14, 20/47	श्रावक विधि प्रकाश 5 प्रतियां	Śrāvaka Vidhi Prakāśa 5 copies	क्षमाकल्याण	,,
411	ओसियां 2/247	,,	,, ,,	—	,,
412	सेवामदिर 3 अ 62	षडावश्यक विधि	Ṣaḍāvaśyaka Vidhi	—	,,
413	महावीर 3 अ 78	सज्झाय पढावणादि विधि	Sajjhāya Paḍhāvaṇādi Vidhi	—	,,
414	कुंथुनाथ 37/18	सनाथ विधि	Sanātha Vidhi	—	,,
415	महावीर 3 अ 88	सम्यक्त्व उच्चारणादि विधि	Samyaktva Uccāraṇādi Vidhi	—	,,
416	सेवामंदिर 3 अ 177	सर्व तप विधि	Sarva Tapa Vidhi	—	,,
417-8	महावीर 3 अ 90 95	संघपति मालारोपण 2 प्रतियां	Saṅghapati Mālāropaṇa 2 copies	—	,,
419	,, 3 अ 26	साधु विधि प्रकाशादि	Sādhu Vidhi Prakāśādi	—	,,
420	,, 3 अ 27	,,	,,	(मूल क्षमाकल्याण) -	,,
421	ओसियां 3 अ 130	साधु श्राद्ध आलोचना	Sādhu Śrāddha Ālocanā	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तप व धार्मिक क्रिया विधि	सं.	13	27 × 11 × 21 × 70	संपूर्ण	16वीं	
साधु दिनचर्या नियम	,,	5	27 × 11 × 22 × 75	,, ग्रं. 395	1525, श्रीपत्तनगर, जयरत्न	
जैन धार्मिक विधि शास्त्र	प्रा.	162	25 × 11 × 11 × 47	,, ग्रं. 3574	1962, जोधपुर शेरमल	लिपिक ने ग्रं 4672 लिखे है
धार्मिक विधियां	मा.	66	26 × 12 × 14 × 52	प्रतिपूर्ण	19वीं	
अष्टोत्तरी स्नात्र, मांडला	,,	1,1	26 × 11 व 24 × 11	,,	19वीं	
पूजा धार्मिक क्रिया विधि	,,	9	26 × 11 × 15 × 55	,,	19वीं	
,, ,,	,,	16	26 × 13 × 12 × 28	,,	1969, जोधपुर फाउलाल	
,, ,,	मा सं.	17	26 × 11 × 10 × 40	,,	19वीं	
,, ,,	मा.	16	27 × 12 × 10 × 29	,,	20वीं	
पर्व विधि माहात्म्य काव्य	,,	5	26 × 11 × 10 × 31	संपूर्ण 5 ढालें	19वीं	
श्रावकाचार विधि	,,	2	26 × 11 × 18 × 55	प्रतिपूर्ण	18वीं	
अतिचार प्रायश्चित परिमाण	प्रा.सं.मा.	4	27 × 11 × 16 × 33	संपूर्ण	17वीं	
प्रतिक्रमणकी विधियां	मा.	4	23 × 11 × 17 × 43	,,	1825	
श्रावकावश्यक की ,,	,,	13,7,9 19,11	24 से 30 × 12 से 15	4 = संपूर्ण, अंतिम अपूर्ण	19/20वीं	
,, ,,	,,	17	26 × 12 × 13 × 35	संपूर्ण	1927	
आवश्यक क्रिया विधि	,,	4	26 × 12 × 8 × 34	प्रतिपूर्ण	20वीं बीकानेर दीपविजय	
धार्मिक ,, ,,	,,	2	26 × 11 × 10 × 39	,,	20वीं	
जिन जन्मोत्सव विधि वर्णन	अ.	2	26 × 11 × 14 × 60	,,	19वीं	
धार्मिक क्रिया विधि	मा.	4	26 × 11 × 16 × 49	संपूर्ण	19वीं	
62 प्रकार के तपों की	,,	3	26 × 11 × 15 × 72	,,	18वीं × सांवलदास	
धार्मिकक्रियाउपधान	,,	4,2	26 × 12 व 25 × 11	,,	20वीं	
साधु आवश्यकादि	सं.	16	28 × 12 × 14 × 46	,,	20वीं	
,,	मा.	39	26 × 12 × 10 × 30	,,	1896 नागौर चरित्रसागर	
प्रायश्चित परिमाण विचार	,,	1	42 × 11 × 23 × 68	,,	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
422-3	महावीर 3 अ 28/29	साधु श्रावक विधि प्रकाश 2 प्रतियां	Sādhu Śrāvaka Vidhi Prakāśa 2 copies		ग.
424	,, 3 अ 24	साधु समाचारी	Sādhu Samācāri	हरिप्रभसूरि	,,
425	के.नाथ 21/47	सामायिक के बोल व अतिचार	Sāmāyika ke Bola & Aticāra	—	,,
426	,, 6/50	सामायिक ग्रहण विधान	Sāmāyika Grahaṇa Vidhāna	शिवनिधान	,,
427	,, 26/29	सामायिक प्रतिक्रमणादि विधि	Sāmāyika Pratikramaṇādi Vidhi	—	,,
428	,, 5/51	,, (पंचाङ्गी) विचार	,, Pañcāṅgī Vicāra	—	,,
429	,, 16/38	सामायिक विधि	,, Vidhi	—	,,
430	,, गुटका 1	सामायिकादि दोष स्तवन	,, Doṣa Stavana etc	आनंदनिधान	प.
431-2	कोलड़ी 411-12	सिद्धचक्र गुणना दो प्रतियां	Siddhacakra Guṇanā 2 copies	—	ग. मंत्र
433	कुंथुनाथ 17/8	सिद्धान्त विधि	Siddhanta Vidhi	—	ग.
434	के.नाथ 22/16	सौभाग्य (ज्ञान) पंचमी कथा	Saubhāgya Pañcamī Kathā	कनककुशल	प.
435	,, 11/39	,,	,,	,,	,,
436	महावीर 3 अ 9	,,	,,	,,	,,
437	कोलड़ी 202	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
438	के.नाथ 15/161	,,	,,	,,	पद्य
439	,, 10/34	,,	,,	,,	मू ट (प.ग.)
440	कुंथुनाथ 4/86	,,	,,	,,	पद्य
441	कोलड़ी 201	,,	,,	,,	मू ट. (प.ग)
442	महावीर 3 अ 10	,,	,,	,,	पद्य
443	देवामंदिर 3 अ 173	सौभाग्य पंचमी व्याख्यान	Saubhāgya Pañcamī Vyākhyāna	—	ग.
444	ओसियां 3 अ 136	,, ,,	,, ,,	—	,,
445-6	कोलड़ी 197-203	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	—	,,
447	के.नाथ 23/74	,, कथानक	,, Kathānaka	—	,,
448	,, 15/17	,, देववंदन विधि	,, Devavandana Vidhi	—	,,
449-50	कोलड़ी 407-8	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	विजयलक्ष्मी मुनि	प.ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक धार्मिक विधि	सं.मा.	65,31	26 × 13 व 25 × 12	संपूर्ण	20वीं	
साधु दैनिकचर्या नियम	सं.	10	29 × 14 × 15 ×	422 पद संपूर्ण	20वीं	
विश्लेषण व दृष्टांत	मा.	18	27 × 11 × 14 × 39	संपूर्ण	20वीं	
श्रावकावश्यक विधि	,,	11	26 × 11 × 17 × 52	,, 16 विधियां	20वीं	
धार्मिक ,, ,,	,,	4	26 × 13 × 14 × 40	अपूर्ण	20वीं	
आवश्यक विधि	,,	3	25 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	1891	
,,	,	2	26 × 13 × 12 × 41	,,	20वीं	
आवश्यक विधि विधान	,,	5*	22 × 19 × 22 × 32	संपूर्ण 5 स्तवन कुल 120 गा.	1814	
पूजा पाठ जप नाम स्मरण	सं.	6,6	27 × 12 × 12/13 × 38	संपूर्ण	19वीं	
आगम उद्धरणों से निर्णय	प्रा.मा.	21	26 × 10 × 13 × 48	अपूर्ण	16वीं	
पर्व व्रत कथा	सं.	7	26 × 12 × 12 × 37	संपूर्ण 152 श्लोक	1655	वरदत्त गुणमंजरी कथा
,,	,,	5	25 × 10 × 13 × 32	अपूर्ण 45 से 152 श्लोक	1709	प्रथम द पन्ने कम
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 38	संपूर्ण 148 श्लोक	18वीं	
,,	सं मा.	11	26 × 12 × 7 × 38	,, 144 ,,	1829	
,,	सं.	5	25 × 12 × 15 × 40	,, 152 ,,	1838	
,,	सं.मा.	17	27 × 12 × 10 × 35	,, 146 ,,	1858	
,,	सं.	14	25 × 13 × 7 × 30	,, 152 ,,	19वीं	
,,	सं.मा.	18	25 × 12 × 8 × 44	,, 145 ,,	19वीं	
,,	सं.	6	26 × 12 × 14 × 44	,, 152 ,,	1944 जोधपुर देवकृष्ण	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण	1859	
,,	,,	2	26 × 12 × 19 × 46	,,	1893	
,,	,,	4,4	24 × 11 व 25 × 10	,,	19वीं	
,,	मा.	6	23 × 10 × 11 × 31	,,	19वीं	
पर्व क्रिया चैत्यवंदन	,,	8	27 × 12 × 13 × 45	,,	19वीं	
,, सज्झाय ,, आदि	,,	7,16	26 × 11 व 25 × 12	प्रथम संपूर्ण, दूसरी अपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2 •	3	3 A	4	5
451	मुनिसुव्रत 3 इ 280	सौभाग्य पंचमी स्तवन	Saubhāgya Pañcamī Stavana	समयसुंदर	प.
452	के.नाथ 20/46	,,	,,	,,	,,
453	कोलड़ी 360	,,	,,	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	,,
454	ओसियां 2/152	स्नात्र आदि विधियाँ	Snātrādi Vidhiyān	—	प.ग.
455	के.नाथ 6/115	स्नात्र महोत्सव विधि	Snātra Mahotsava Vidhi	नयविमल	प.
456	कोलड़ी 962	स्नात्र विधि	Snātra Vidhi	—	मू. व्याख्या
457	,, 405	,,	,,	नगविजय	ग.प.
458-9	के नाथ 15/217. 17/53	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	ग.
460	,, 23/54	,	,,	—	ग.प.
461	कोलड़ी 354	स्नात्र विधि व कलश पूजा	,, +Kalaśa Pūjā	—	,,
462	के.नाथ 20/21	होली कथा	Holī Kathā	फतेन्द्रसूरि	प.
463-4	कोलड़ी 178,453	,, 2 प्रतियाँ	,, 2 copies	,,	,,
465	के नाथ 6/60	होली पर्व कथा	Holī Parva Kathā	पुण्यराज	,,
466	कोलड़ी 945	,,	,,	,,	,,
467	कुंथुनाथ 20/13	होली रज पर्व कथा	Holī Rajaparva Kathā	जिनसुंदर	,,
468	,, 9/18	,,	,,	,,	मू ट. (प.ग.)
469	मुनिसुव्रत 3 आ 164	,,	,,	,,	,,
470-1	कोलड़ी 201,196	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
472	मुनिसुव्रत 3 आ 163	होली रज पर्व कल्प	,, Kalpa	अज्ञात	मू ट (प.ग)
473	ओसियां 3 आ 159	,,	,, ,,	,,	प.
474	महावीर 3 आ 22	,,	,, ,,	,,	,,
475	कुंथुनाथ 52/26	,,	,, ,,	,,	,,
476	के.नाथ 21/37	,,	,, ,,	,,	मू.ट. (प.ग)
477	कोलड़ी 177	होली रज पर्व व्याख्यान	,, Vyākhyāna	क्षमाकल्याण	ग.
478	महावीर 3 आ 21	,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व विधि काव्य	मा.	2	20 × 10 × 10 × 28	संपूर्ण 20 गा.	18वीं	
,,	,,	3	26 × 13 × 12 × 26	,, ,,	19वीं	
,,	,,	3	25 × 10 × 9 × 28	,, 3 ढालें	19वीं	
विविध क्रियायें	प्रा.सं.मा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण चौथा पर्व (10 पन्ने +23 गा.)	16वीं	
भक्ति क्रिया	मा.	5	24 × 10 × 15 × 45	संपूर्ण	1266	
मेरु जन्माभिषेक	सं.	2	27 × 11 × 13 × 55	,, 4 श्लोक	19वीं	
जिनभक्तिक्रियाविधि	मा.	5	24 × 12 × 13 × 44	संपूर्ण	1833	
,,	,,	3,4	26 × 11 × 13 × 38	,,	19वीं	
,,	,,	11	26 × 12 × 13 × 24	,, पूजा	1933	(देवचंदजी से अन्य)
,,	,,	9	26 × 13 × 15 × 40	,, ,,	19वीं	
पर्व व्रत कथा	सं.	7	26 × 11 × 16 × 42	संपूर्ण 139 श्लोक	1824	
,,	,,	11,5	25 × 11 व 24 × 13	,, 138-9 श्लोक	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 44	,, 34 श्लोक	19वीं	
,,	,,	10*	26 × 11 × 14 × 40	,, 33 ,,	19वीं	
,,	,,	2	22 × 11 × 14 × 50	,, 51 ,,	19वीं	
,,	सं.मा	5	27 × 13 × 6 × 37	,, 50 ,,	19वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 6 × 33	,, 51 ,,	19वीं	
,,	,,	18*8*	25 × 12 व 26 × 10	,, 51/49 श्लोक	19वीं	
,,	,,	4	24 × 11 × 7 × 42	संपूर्ण 69 श्लोक	1828 × ईश्वर	
,,	सं.	2	25 × 11 × 14 × 47	,, ,,	1832	
,,	,,	3	28 × 13 × 12 × 44	,, ,,	19वीं	
,,	,,	2	25 × 10 × 14 × 36	,, 64 ,,	19वीं	
,,	सं.मा.	9	26 × 14 × 5 × 28	,, 64 ,,	19वीं	
,,	सं.	2	24 × 13 × 13 × 44	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	2	26 × 13 × 17 × 45	,,	19वीं अहमदाबाद	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
479	सेवामंदिर 3 अ 173	होली रज पर्व व्याख्यान	Holī Rajaparva Vyākhyāna	—	ग.
480	महावीर 3 अ 126	,,	,,	—	,,
481	महावीर 3 अ 1	,,	,,	—	,,
482	के.नाथ 24/58	होली व्रत कथा	Holī Vrata Kathā	विनयचंद	प.

भाग/विभाग : 3 (आ)-जैन भक्ति व क्रिया-

1	मुनिसुव्रत 3 इ 257	अजित शांति स्तव + वृत्ति	Ajita Śānti Stava + Vṛtti	नंदीषेण/कर्मसागर	मू वृ. (प.ग.)
2	कुंथुनाथ 10/173	अजित शांति स्तव	,,	नंदीषेण	मू. (प)
3	के.नाथ 6/123	,,	,,	,,	,,
4	कुंथुनाथ 15/6	,,	,,	,,	मू ट. (प.ग)
5	कोलड़ी 461	,,	,,	,,	,,
6	सेवामंदिर 3 इ 337	,, + बा.	,, + Bālā.	,,/—	मू.बा. (प.ग)
7-10	कुंथुनाथ 14-4, 1. 8-10, 37-5. 14-12	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	नंदीषेण	मू. (प.)
11-2	के.नाथ 6/127 11/87	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
13	कोलड़ी 1338	,,	,,	,,	,,
14	सेवामंदिर 3 इ 365	,,	,,	,,	,,
15	के नाथ 15/68	अजित शांति स्तवन (मंगल कमला)	Ajita Śānti Stavana	मेरुनंदन	प.
16	कोलड़ी 530	अर्हन् सहस्र नाम समुच्चय	Arhan Sahasra Nāma Samuccaya	समंतभद्र के शिष्य	,,
17	के.नाथ 14/116	,,	,, ,,	,,	,,
18	,, 14/134	अल्प-बहुत्वादि स्तवन संग्रह	Alpa-Bahutvādi Stavana Saṅgraha	साधुकीर्ति	,,
19	26/85 गु	अष्टक संग्रह	Aṣṭaka Saṅgraha	संकलन	,,
20	कोलड़ी 1222	अष्टप्रकारी पूजा	Aṣṭaprakārī Pūjā	—	,,
21-4	के.नाथ 24/69, 14/114, 19/128, 9/22	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	देवचंद	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	सं.	30*	26 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण	1859	
,,	,,	25*	25 × 12 × 14 × 35	,,	1875	
,,	,,	11*	25 × 12 × 14 × 45	,,	1944	
,,	मा.	2	25 × 11 × 18 × 45	,,	19वीं	

स्तुति स्तोत्र स्तवनादि भक्ति साहित्य :—

भक्ति स्तोत्र	प्रा.सं.	25	27 × 12 × 11 × 27	संपूर्ण 40 गा.	16वीं	उपकेशगच्छ देव-कुमार का शिष्य
,,	प्रा.	3	26 × 11 × 12 × 40	,, 45 ,,	16वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 7 × 35	,, 44 ,,	1696	
,,	प्रा.मा.	5	25 × 11 × 8 × 46	,, 42 ,,	1770	
,,	,,	7	26 × 11 × 5 × 40	,, 40 ,,	1851	
,,	,,	17	25 × 11 × 5 × 35	,, 42 ,,	1884, जैसलमेर ज्ञानधर्म	अंत में 5 गाथा उप-संहार और
,,	प्रा.	4,4,7,3	23 से 26 × 10 से 11	तीन संपूर्ण 43/44 गा. अंतिम अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	4,3	24 × 11 × 13 × 30/38	संपूर्ण 39 गा.	19वीं	
,,	,,	5	26 × 11 × 10 × 33	,, 40 गा.	19वीं	
,,	,,	9	25 × 11 × 11 × 32	संपूर्ण	19वीं × सिद्धि-सागर	साथमेंसामान्यस्तोत्र 4
,,	अ.	2*	26 × 11 × 14 × 43	,, 31 गा.	18वीं	
जिन स्तुति	सं.	4	31 × 13 × 15 × 48	संपूर्ण 10 प्रकाश	19वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 19 × 64	,, ,,	19वीं	
भक्ति काव्य	मा.	5	26 × 11 × 13 × 48	,, 3 स्तवन	19वीं	
,, (दिगंबर)	सं.	111*	12 × 11 × 9 × 13	,, 7 अष्टक (56 श्लोक)	19वीं	मगलाष्ट(1,सिद्ध(1\ नंदीश्वर(4)दसल.(1\
जिन भक्ति (द्रव्य + भाव) काव्य	मा.	4	22 × 11 × 15 × 44	,,	1775	
,, ,,	,,	4,2,12,4	21 से 26 × 9 से 12	,,	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
25	के.नाथ 21/39	ग्रष्टप्रकारी पूजा	Aṣṭaprakārī Pūjā	वीरविजय	प.
26	,, 19/98	,,	,,	देव. (विनीतविजय शिष्य)	,,
27	कोलड़ी 355	,,	,,	देवचंद	,,
28	,, 919	,,	,,	ग्रज्ञात	,,
29	कुंथुनाथ 43/1	ग्रष्टप्रकारी पूजा कथानक व विवेचन	,, Kathānaka	—	,,
30	मुनिसुव्रत 3 इ 256	ग्रष्टप्रकारी पूजा रास	,, Pūjā Rāsa	उदयरत्न	,,
31	के.नाथ 15/148	,,	,, ,,	,,	,,
32	कोलड़ी 340	ग्रष्टमी मौन एकादशी स्तवन	Aṣṭamī Mauna-ekādaśi Stavana	कांतिविजय	,,
33	ग्रोसियां 3 इ 188	ग्रष्टोत्तरी जिन पूजा स्तवन	Aṣṭottarī Jina Pūjā Stavana	नयविमल	,,
34	महावीर 3 इ 163	ग्रात्मनिन्दा ग्रष्टक	Ātmanindā Aṣṭaka	—	पद्य
35	के.नाथ 15/32	ग्रात्मानुशासनादि स्तवन	Ātmānuśāsanādi Stavana	उदयकीर्ति/लावण्यकीर्ति	,,
36	कोलड़ी 327	ग्राध्यात्मिक पद बहोत्तरी	Ādhyātmika Pada Bahottarī	ग्रानंदघन	प.
37	,, गु. 7/7	ग्राध्यात्मिक पद संग्रह	,, ,, Saṅgraha	ग्रानंदघन,ज्ञान,राजमुनि ग्रा.	,,
38	,, 326	ग्राध्यात्मिक स्तवन	,, ,, Stavana	हरखचंद	,,
39	के.नाथ 14/85	ग्रानन्दघन पद	Ānandaghana Pada	ग्रानंदघन	,,
40	,, 15/135	इक्कीसप्रकारी पूजा	Ikkīsaprakārī Pūjā	उ. सकलचंद	,,
41	कोलड़ी गु. 9/9	(साधु वन्दना) इसामुनिवंदउ प्रार्थना	(Sādhu Vandanā) Isāmuni Vandau	धर्मरत्न (कल्याणधीर का शिष्य)	,,
42	,, 1332	उज्जैन मंडन पार्श्व स्तवन	Ujjaina Maṇḍana Pārśva Stavana	हेमविमल शिष्य	,,
43	महावीर 3 इ 105	उवसग्गहरस्तोत्र + वृत्ति	Uvasaggahara St.tra	भद्रबाहु/पार्श्वदेव	मू.वृ. (प.ग.
44	,, 3 इ 104	,, + ,	,,	,, / —	,,
45	,, 3 इ 355	,, विधि सह	,,	भद्रबाहु	प.ग.
46	ग्रोसियां 2/152	उसरणे जिणपुर स्तोत्र ?	Usarṇe Jiṇapura Stotra	जिनदत्तसूरि	प.
47	के नाथ 26/103	ऋषभ + जिनेन्द्र स्तोत्र	Ṛṣabha+Jinendra Stotra	—	,,
48	महावीर 3 इ 355	ऋषभ + वीर स्तुति	Ṛṣabha+Vīra Stuti	ग्रज्ञात	,,
49	के.नाथ 10/71	ऋषभ(पहिलउंपणमिय)स्तवन	Ṛṣabha Stavana	विजयतिलक	मू. (प.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जिन भक्ति(द्रव्य + भाव) काव्य	मा	7	27 × 12 × 13 × 41	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	6	27 × 13 × 13 × 28	,,	19वीं	
,, ,,	,,	3	29 × 12 × 12 × 40	,,	19वीं	
,, ,,	,,	3	23 × 11 × 12 × 42	,,	1914	
पूजा मीमांसा व दृष्टांत	प्रा.	15	29 × 12 × 17 × 60	अपूर्ण (चौथी से अंत तक)	19वीं	पन्ने संख्या 9 से 23 अंत
दृष्टान्त कथानक	मा.	50	25 × 11 × 18 × 40	संपूर्ण 78 ढालें	18वीं जोधपुर	1755 की कृति
,,	,,	90	27 × 11 × 13 × 53	,,	1821	
भक्ति पर्व तिथि	,,	5	26 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण	19वीं	
भक्ति काव्य	,,	3	25 × 11 × 15 × 50	,, 81 गा.	1849 पाटण कुशालचंद	
,, स्वाध्याय	सं.	4*	28 × 14 × 17 × 47	संपूर्ण 10 श्लोक	19वीं	
भक्ति गीत	मा.	3	25 × 11 × 11 × 31	,, 3 स्तवन	19वीं	
भक्तिमय पद	,,	10	27 × 12 × 16 × 48	,, 78 पद	19वीं	
,,	,,	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	प्रतिपूर्ण	19वीं	अंत में 34 छंदों की रागमाला
,,	,,	7	24 × 10 × 11 × 34	संपूर्ण 22 स्तवन छंद	1869	
,,	,,	4	28 × 13 × 15 × 45	अपूर्ण 4 पद मात्र	19वीं	
जिन भक्ति काव्य	,,	8	28 × 13 × 11 × 30	संपूर्ण	1926	
साधु भक्ति काव्य	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 69 छंद	17वीं	
जिन भक्ति गीत	,,	6*	26 × 11 × 17 × 42	,, 84 गा.	19वीं	
भक्ति स्तोत्र	प्रा सं.	7	27 × 13 × 14 × 41	संपूर्ण ग्रं 230	19वीं	
,,	,,	4	26 × 13 × 13 × 42	अपूर्ण पांचवीं गाथा तक ही	19वीं	
स्तोत्र जाप विधि सह	प्रा.मा.	1	25 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण 11 गा.	20वीं	
भक्ति स्तोत्र	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 13 गा.	16वीं	
भक्ति काव्य	सं.	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 2 स्तवन 28 श्लोक	18वीं	
,,	सं.प्रा.	1	21 × 12 × 8 × 24	,, 4-4 श्लोक की दो	20वीं	
शत्रुंजय ऋषभ भक्ति	प्रा.	2	28 × 12 × 16 × 58	संपूर्ण 29 गा.	15वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
50	के.नाथ 24/22	ऋषभस्तवन	Ṛṣabha Stavana	विजयतिलक	मू. (प.)
51	महावीर 3 इ 17	,, +बा.	,, +Bālā.	,,	मू.बा. (प.ग.)
52	के.नाथ 11/77	,, +अवचूरि	,, +Avacūri	,,	मू.अ. (,,)
53	,, 23/11	,, + ,,	,, + ,,	,,	मू.अ. (,,)
54	,, 6/33	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,	मू.वृ. (प.ग.)
55	,, 15/108	,, +अवचूरि	,, +Avacūri	,,	मू.अ. (,,)
56	कोलड़ी 333	,, ,, —	,, —	,,	मू. (प.)
57	के.नाथ 11/62	ऋषभस्तव सावचूरि	Ṛṣabha Stava + ,,	धनपाल	मू.अ. (प.ग.)
58	,, गु. 1	ऋषभस्तवन	Ṛṣabha Stavana	कमलहर्ष	प.
59	,, 19/59	ऋषभ (आलोयणा) स्तवन	Ṛṣabha Āloyaṇā Stavana	समयसुंदर; राजसमुद्र	,,
60	मुनिसुव्रत 3 इ 289	ऋषभस्तवन	Ṛṣabha Stavana	वाचककमल	,,
61	सेवामंदिर 3 इ 345	,,	,,	यशोविजय	मू.ट. (प.ग.)
62-3	के नाथ 15/29, 14/58	ऋषभ (बृहद्) स्तवन 2 प्रतियां	Ṛṣabha Stavana 2 copies	समयसुंदर	प.
64	मुनिसुव्रत 3 इ 305	ऋषभ (विनती) स्तवन	Ṛṣabha Stavana	—	,,
65	सेवामंदिर 3 इ 350	ऋषभ (शत्रुंजय मंडन) स्तोत्र	Ṛṣabha Stotra	—	,,
66	के.नाथ 11/44	ऋषभादि जिन स्तवनानि	Ṛṣabhādi Jina Stavanāni	सोमसुन्दर	मू.अ. (प.ग.)
67	,, गुटका 1	ऋषि-बत्तीसी	Ṛṣi Battisī	जिनहर्ष	प.
68	,, 26/100	,,	,,	,,	,,
69	कोलड़ी 477	ऋषि मंडल स्तोत्र	Ṛṣi Maṇḍala Stotra	—	,,
70-1	सेवामंदिर 3 इ 367-8	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
72-3	कोलड़ी 1107, 934	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
74-77	के.नाथ 22/40, 6/111, 21/8, 6/110	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	—	,,
78-80	कुंथुनाथ 13/40, 20/21, 26/8	ऋषि मण्डल स्तोत्र 3 प्रतियां	Ṛṣi Maṇḍala Stotra 3copies	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
शत्रुंजय ऋषभ भक्ति	प्रा.	3	25 × 11 × 8 × 33	संपूर्ण 21 गा.	15वीं	
,,	प्रा.मा.	14	25 × 11 × 13 × 48	,, ,,	16वीं	
,,	प्रा.सं.	2	25 × 11 × 10 × 44	,, ,,	16वीं	
,,	,,	3	26 × 12 × 5 × 51	,, 29 गा.	1687	
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 36	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 17 × 55	,, 29 गा.	19वीं	
,,	प्रा.	3	22 × 12 × 11 × 34	,, 21 गा.	19वीं	
ऋषभ भक्ति काव्य	प्रा.सं.	3	26 × 11 × 7 × 40	,, 50 गा.	1554	
भक्ति काव्य	मा.	2	22 × 19 × 22 × 32	,, 53 गा.	1814	
,,	,,	3	26 × 13 × 17 × 36	संपूर्णदोस्तवन 30+27 गा	18वीं	
,,	,,	2	24 × 10 × 14 × 51	संपूर्ण 2 ढालें (32 गा.)	18वीं	अंत में 2 लघु पद पार्श्व ऋषभ के
,,	सं.मा.	1	26 × 15 × 5 × 36	,, 6 श्लोक	1904	
,,	मा.	2,4	25 × 11 × 11/9 × 35	,, 31 गा.	19वीं	
भक्ति जन्मोत्सव का	,,	4	24 × 11 × 11 × 24	,, 53 गा.	19वीं	
भक्ति काव्य	सं.	3	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण 13 श्लोक	18वीं	
,,	प्रा.सं.	8	26 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण 19 स्तवन	16वीं	अंत के 9 स्तवन बहुव्रीही सामासिक
जिनमुनि भक्ति गीत	मा.	2	22 × 19 × 22 × 32	संपूर्ण 32 गा.	1814	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 32	,, ,,	20वीं	
भक्तिमय प्रार्थना	सं.	3	27 × 11 × 11 × 30	संपूर्ण 65 श्लोक	18वीं	गौतम रचित ऐसी आम्नाय
,,	,,	2,2	24 × 11 व 25 × 12	,, 82 ,,	19वीं	दूसरा फटा हुआ है
,,	,,	2,3	27/24 × 13/11 × 13 × 44	,, 63 ,,	1897	
,,	,,	4,9*, 7,2	24 से 26 × 10 से 13	,, 64/से 103 श्लोक	19वीं	
,,	,,	3,3,3	25 से 26 × 11 से 12	संपूर्ण 91,107,67 श्लोक	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
81-6	महावीर 3 इ 53, 84-8, 162, 82, 81	ऋषि मण्डल स्तोत्र 6 प्रतियां	Ṛṣi Maṇḍala Stotra 6 copies	—	प.
87	,, 3 इ 89	,,	,,	—	मू ट. (प.ग.)
88	कोलड़ी 1328	,,	,,	—	,,
89	सेवामंदिर 3 इ 340	,,	,,	—	,,
90	कुंथुनाथ गु 36/1 क्र 9	एकीभाव-स्तवन	Ekībhāva Stavana	वादिराज	प.
91	के.नाथ 19/120	कल्याणक-चौवीसी	Kalyāṇaka Cauvīsī	महानंद (सोमचंद शिष्य)	,,
92	कोलड़ी 1337	कल्याणमंदिर-स्तोत्र	Kalyāṇa Mandira Stotra	कुमुदचंद्र	,,
93	कुंथुनाथ 23/3	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
94	के.नाथ 22/65	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/गुणरत्न	मू.वृ. (प.ग.)
95	,, 14/20	,,	,,	कुमुदचंद्र	प.
96	कोलड़ी 478	,,	,,	,,	मू.ट (प ग)
97	,, 481	,,	,,	,,	,,
98	के नाथ 21/17	,,	,,	,,	प.
99	कुंथुनाथ 15/21	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	कुमुदचंद्र/—	मू.वृ. (प ग.)
100	के.नाथ 5/15	,,	,,	कुमुदचंद्र	मू.ट. (प.ग.)
101	सेवामंदिर 3 इ 336	,,	,,	,,	,,
102	के नाथ 21/77	,, +बा.	,, +Bālā.	,,	मू.बा. (प.ग.)
103	सेवामंदिर 3 इ 334	,, +बा.	,, +Bālā.	,,/महिमासुंदर	,,
104	,, 3 इ 33[illegible]	,,	,,	कुमुदचंद्र	मू.ट. (प.ग.)
105	,, 3 इ 373	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/हर्षकीर्ति	मू.वृ (प.ग.)
106	कोलड़ी 479	,,	,,	,, —	मू.ट. (प.ग.)
107-8	कुंथुनाथ 15/7, 19/6	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	प.
109-15	के.नाथ 5/28 10/88 11/91 15/197, 21/66 21/80, 26-32	,, 7 प्रतियां	,, 7 copies	,,	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्तिमय प्रार्थना	सं.	6,3,2,4 6,17	24 से 28 × 11 से 13	संपूर्ण श्लोक संख्या भिन्न 93	19/20वीं	अंतिम 2 में पाठ व साधना विधि भी है
,,	सं.मा.	7	25 × 13 × 5 × 33	,, 84 श्लोक	19वीं	
,,	,,	14	30 × 13 × 3 × 27	,, 81 ,,	1904	
,,	,,	9	26 × 12 × 4 × 26	,, ,, ,,	1964	
,,	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 26 श्लोक	1544	
तीर्थंकर भक्ति	मा.	9	26 × 11 × 14 × 39	,, 24स्तवन + कलश	19वीं	
भक्ति स्तोत्र (पार्श्व)	सं.	3	25 × 10 × 11 × 44	संपूर्ण 44 श्लोक	16वीं	
,,	सं.मा.	7	26 × 11 × 5 × 54	,, ,,	16वीं	
,,	सं.	7	26 × 11 × 5 × 37	,, ,,	1663	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 35	,, ,,	1697	
,,	सं.मा.	9	24 × 12 × 6 × 33	,, ,,	1702	
,,	,,	8	25 × 12 × 5 × 34	,, ,,	1718	
,,	सं.	9	24 × 11 × 7 × 21	,, ,,	1727	
,,	,,	10	26 × 10 × 4 × 60	,, ,,	1756	
,,	सं.मा.	6	26 × 11 × 5 × 46	,, ,,	1766	
,,	,,	8	25 × 11 × 6 × 31	,, ,,	1802	
,,	,,	18	24 × 11 × 12 × 36	,, 44 श्लोक का	1809	
,,	,,	42	26 × 11 × 12 × 25	,, ,,	1816, उदेपुर राजसुंदर	
,,	,,	8	26 × 11 × 4 × 36	41 श्लोक तक अंतिम पन्ना कम	1818	कथा सह
,,	सं	12	26 × 12 × 18 × 64	संपूर्ण	1829, विक्रमपुर	
,,	सं.मा.	9	26 × 11 × 4 × 38	,, 44 श्लोक	1846	
,,	सं.	5,7	26 × 11/12 × भिन्न 2	पहिली पूर्ण, दूसरी 20 श्लोक	19वीं	
,,	,,	5,5,3, 2 4 4	21 से 26 × 11 से 12	संपूर्ण 44 श्लोक	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
116	के.नाथ 23-18	कल्याणमंदिर स्तोत्र	Kalyāṇa Mandira Stotra	कुमुदचंद्र	मू.ट. (प ग.
117	कोलड़ी 1227	,,	,,	,,	प.
118-9	सेवामंदिर 3इ335-32	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
120	कोलड़ी 1152	,, +वृ.	,, +Vṛtti	,,	मू वृ. (प.ग.)
121	ओसियां 3 इ 175	,, +वृ.	,, +Vṛtti	,, /हर्षकीर्ति	,,
122	के.नाथ 6/43	,, +वृ.	,, +Vṛtti	,, —	,,
123	ओसियां 3 इ 183	,, +बा.	,, +Bālā.	,,	मू बा. (प ग.)
124	महावीर 3 इ 80	,, कल्प	,, Kalpa	,, /बनारसीदास	मू. अनुवाद(पद्य में) ट. मंत्र सह
125	,, 3 इ 78	,, ,,	,, ,,	,, ,,	केवल मंत्र
126	के.नाथ 18/61	कल्याणमंदिर-भाषा	,, Bhāṣā	बनारसीदास	प.
127	ओसियां 3 इ 196	,,	,, ,,	,,	,,
128	कोलड़ी 538	,,	,, ,,	,,	,,
129	के.नाथ 6/58	,,	,, ,,	,,	,,
130	महावीर 3 इ 355	कुशलसूरि-अष्टक	Kuśalaśūri Aṣṭaka	रत्नसोम	,,
131	के.नाथ 18/97	,, अष्टप्रकारी पूजा	,, Aṣṭaprakārī Pūjā	—	,,
132	,, 6/126	,, आरती व स्तवन	,, Āratī & Stavana	—	,,
133	,, 18/66	,, गीत	,, Gīta	साधुकीर्त्ति	,,
134	,, 26/103	,, छंद व अष्टक	,, Chanda & Aṣṭaka	विजयसिंह	,,
135	,, 23/83	,, निशाणी	,, Niśāṇī	उदयरत्न आदि	,,
136	,, 3 इ 345	,, मंत्र	,, Mantra	—	मंत्र
137	कोलड़ी 904	,, सज्झाय स्तवन	,, Sajjhāya & Stavana	—	प.
138	के.नाथ 14/102	क्षेत्रपाल छंद	Kṣetrapāla Chanda	—	,,
139	कोलड़ी 930	क्षेत्रपाल पूजा विधिसह	,, Pūjā Vidhisaha	—	ग. मंत्र
140	के.नाथ 26/85 गु.	क्षेत्रपाल अचलमणि विजय-भद्र, भैरव पूजा	,, +4 others Pūjā	—	पद्य
141	कोलड़ी 295	गणधर स्तव	Gaṇadhara Stava	ज्ञानविमल	प.

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र (पार्श्व)	सं.मा.	6	25 × 11 × 6 × 44	संपूर्ण 44 श्लोक	19वीं	
,,	सं.	7	15 × 10 × 11 × 20	,, ,,	19वीं	
,,	,,	4,6	22 × 11 व 24 × 11	,, ,,	19/20वीं	
,,	,,	6	26 × 11 × 21 × 66	अपूर्ण 26वें श्लोक तक	18वीं	
,,	,,	11	26 × 12 × 18 × 54	संपूर्ण 44 श्लोक	19वीं	
,,	,,	20	25 × 11 × 13 × 50	,, 44श्लोककी.ग्रं.727	19वीं	
,,	सं मा.	11	25 × 11 × 22 × 52	,, 44 श्लोकोंका	1887	प्रारंभमेंसिद्धसेनकथा
,,	,,	22	28 × 14 × 6 × 36	संपूर्ण 44 श्लोक	19वीं	
,,	,,	34	26 × 13 × 7 × 32	अपूर्ण बाकी जगह खाली है	1928 मेडता हुकमविजय	
पार्श्व जिन भक्ति	मा.	2	26 × 11 × 13 × 61	संपूर्ण 44 श्लोकों का पद्यानुवाद	1748	
,,	,,	2	24 × 11 × 14 × 45	,, ,,	1826 विक्रमपुर बखतसुंदर	
,,	,,	3	30 × 11 × 11 × 37	,, 40 ,,	19वीं	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 31	,, 46 ,,	19वीं	
दादा गुरु की भक्ति	सं.	1	28 × 12 × 12 × 50	संपूर्ण 9 श्लोक	1964 × दुर्लभसुंदर	
,,	मा.	6	16 × 12 × 13 × 21	संपूर्ण	1897	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 35	,,	19वीं	
,,	,,	5	26 × 13 × 11 × 35	,, दो गीत गा.15+42	19वीं	
,,	मा.सं.	2	25 × 11 × 15 × 38	,, 30 गा.+8 श्लोक	1784	
,,	मा.	6	22 × 13 × 13 × 26	,, साथ में अन्य दादा स्तवन	19वीं	
,,	सं.	1	28 × 12 × 14 × 40	,, साथ में जाप विधि	19वीं	
,,	मा.	3	26 × 11 × 11 × 48	,, ,, अन्य स्तवनादि भी	19वीं	
सम्यग्दृष्टि देवस्तुति	,,	3	22 × 12 × 11 × 23	,, 18 पद	19वीं	
,, भक्ति	,,	2	26 × 12 × 13 × 36	,,	19वीं	
,, ,,	स.	13	12 × 11 × 12 × 15	,, पांचों की 5 पूजा अर्घ्य जयमाला सम्मेत	19वीं	दिगम्बर आम्नायकी
गणधरों की भक्ति	मा.	4	26 × 13 × 15 × 45	,, 11 गणधरों की स्तुति व चैत्यवंदन व स्तवन	19वीं •	पहिला पन्ना कम

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
142	कोलड़ी गु. 9/9	गुरु गीत	Guru Gīta	—	प.
143	सेवामंदिर गु.20दे.	,, (उम्मेद पच्चीसिका)	,,	किस्तूर सेवग	,,
144	,, 3 इ 353	गुरुनाथ दिव्याष्टकम्+वृत्ति	Gurunātha Divyāṣṭaka	जिनपद्मसूरि	मू वृ. (प.ग.)
145	के.नाथ 15/5	गुरु पारतन्त्र्य स्मरण व सिग्धर्मावर स्तोत्रादि+वृत्ति	Gurupāratantrya & 2 other Stotra	जिनदत्तसूरि/जयसागर (प्रथम की)	,, (,,)
146	ओसियां 3 इ 222	गुरु सज्झाय	Guru Sajjhāya	यशोविजय	प.
147	मुनिसुव्रत 3 इ 323	गौतम अष्टक	Gautama Aṣṭaka	—	,,
148	कुंथुनाथ 2/31	,,	,,	—	,,
149	सेवामंदिर 3 इ 350	गौतम स्वामी स्तोत्र	Gautama Svāmī Stotra	—	,,
150	,, 3 इ 345	गौतम स्तोत्र (महामंत्र)	Gautama Stotra	वज्रस्वामी	,,
151	,, 3 इ 347	,, ,,+वृति	,,	वज्रस्वामी/--	मू वृ (प.ग)
152	कुंथुनाथ 44/5	ग्रह गर्भित 24 जिन स्तुति	Grahagarbhita 24 Jina Stuti	—	प.
153	महावीर 3 इ 48	ग्रह शांति+बृहत् शांति	Graha Śānti+B Śānti	भद्रबाहु + —	,,
154	ओसियां 2/152	घूमावली व ज्ञानवृत	Ghūmāvalī & Jñānavṛta	—	,,
155	महावीर 3 इ 134	चक्रेश्वरी स्तोत्र	Cakreśvarī Stotra	—	,,
156	के.नाथ 19/40	,, ,, शांति आदि	,, ,, etc.	—	,,
157	महावीर 3 इ 133	,, यंत्रबद्ध स्तोत्र विधिसह	,, Yantrabaddha Stotra etc,	—	,,
158	कुंथुनाथ 36/1 क्र 10,11,23	चतुर्विंशति जिनस्तवन	Caturviṁśati Jina Stavana	भूपाल	,,
159	कोलड़ी 515	,,	,,	जिनप्रभ	,,
160	महावीर 3 आ 48	,, स्तोत्र	,, Stotra	सागरचन्द्र	,,
161	कोलड़ी 510	,, ,	,, ,,	—	,,
162	,, 920	,, स्तवन	,, Stavana	आनन्दविजय	,,
163	,, 343	, ,,(दो)	,, ,,	जयचंद्र व आनंद	,,
164	कुंथुनाथ 4/99	,, ,,	,, ,,	आनंदविमल	,,
165	ओसियां 3 इ 262	,, छंदबावनी	,, Chanda Bāvanī	नयविमल	,,
166	के.नाथ 14/15	,, स्तवन	,, Stavana	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा.	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	संपूर्ण चार गीत	17वीं	
,,	,,	3	26 × 20 × 29 × 28	,, 25 कवित्त + 4 गीत	1926	1926 की कृति/ जीर्ण
दादाकुशल भक्ति काव्य	सं.	5	25 × 15 × 18 × 50	,, 9 छंद	1955 सुभटपुर	
भक्ति स्तोत्र	प्रा.सं.	14*	25 × 10 × 15 × 54	,, तीन स्तोत्र गा. 26,21,14	16वीं	
गुरु गुण स्वाध्याय	मा.	5	27 × 12 × 11 × 34	संपूर्ण दो सज्झाय = 80 गाथा	1836	
भक्ति श्लोक	सं.	1	23 × 10 × 12 × 35	,, 9 श्लोक	18वीं	
,,	,,	1	27 × 12 × 11 × 25	संपूर्ण	1973	
,,	,,	5+1	10 × 6 × 7 × 16	,, 2 स्तोत्र 11+8 श्लोक	18वीं	
,,	,,	1	25 × 12 × 12 × 60	,, 11 श्लोक	19वीं	जीर्ण
,, व्याख्या	,,	5	26 × 13 × 12 × 37	,, 12 श्लोक की	1829 जोधपुर चमनमल	
भक्ति	,,	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	,, 12 श्लोक	18वीं	
,,	,,	7	21 × 9 × 7 × 32	,, 9 श्लोक + शांति-पुरी	19वीं	
भक्ति व ज्ञान संबन्धी	प्र	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 14 + 13 गा.	16वीं	
सम्यग्दृष्टि देवीस्तुति	सं.	4	20 × 10 × 7 × 14	,, 9 पद	20वीं × विनयचंद्र	
,,	,,	13	21 × 10 × 9 × 30	संपूर्ण	19वीं	
,, + मंत्र	प्रा.सं.	12*	27 × 11 × 6 × 26	,, 9+8 श्लोक	1961	
सर्व तीर्थंकर सामान्य भक्ति	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 3 स्तवन (25,24 25 श्लोक)	1544	
,, ,,	,,	6	25 × 10 × 8 × 20	संपूर्ण 8 श्लोक + 22 श्लोक	1762	ग्रंत में लघु स्तोत्र है
,, ,,	,,	3*	24 × 11 × 17 × 60	,, 25 ,,	18वीं	
,, ,,	,,	3	26 × 13 × 12 × 24	,, 24+7 श्लोक	1913	ग्रंत में लघु जिन-पंजर स्तोत्र
,, ,,	मा.	3	23 × 10 × 10 × 24	,, 29 श्लोक गाथा	19वीं	
,, ,,	,,	2	27 × 10 × 18 × 58	,, 2 स्तवन 27 व 30 गा.	19वीं	
,, ,,	,,	5	13 × 11 × 12 × 12	,, 29 गाथा	1956	
,, ,,	,,	3	26 × 11 × 14 × 38	,, ग्रंथाग्र 90	20वीं जोधपुर छबील	
,, ,,	,,	5	25 × 11 × 11 × 43	संपूर्ण	16वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
167	के.नाथ 14/97	चतुर्विंशतिजिन-स्तुति	Caturviṁśati Jina Stuti	जिनप्रभसूरि	प.
168	कोलड़ी 484	,,	,,	—	,,
169	,, 504	,,	,,	—	,,
170	के नाथ 6/85	चन्द्राउला	Candrāulā	वाचक देव	,,
171	मुनिसुव्रत 3 इ 323	चरित्र मनोरथमाला	Caritra Manorathamālā	खेमराज	,,
172-3	के.नाथ 24/44-39	चार मंगल दो प्रतियां	Cāra Maṅgala 2 copies	ऋषिजयमल	,,
174	,, 15/126	चार मंगल आदि स्तवन	Cāra Maṅgala & other Stavans	गुणविनय	,,
175	मुनिसुव्रत 3 इ 323	चैत्यपरिपाटी स्तव	Caityaparipāṭī Stava	धर्मसूरि	,,
176	कुंथुनाथ 16/16	चैत्यवंदन	Caityavandana	—	,,
177	महावीर 3 इ 7	,, संग्रह	,, Saṅgraha	विनयविजय	,,
178	के.नाथ 10/73	चैत्यवंदन+स्तवनादि	,, +Stavanādi	ज्ञानविमल	,,
179	,, 15/141	चौमासी देववन्दन	Caumāsī Devavandana	पद्मविजय	,,
180	कोलड़ी 322	चौवीस चैत्यवंदन	Cauvīsa Caityavandana	मानविजय	,,
181	कुंथुनाथ 43/12	,, ,,	,, ,,	—	,,
182	,, 4/95	,, नमस्कार	,, Namaskāra	—	,,
183	सेवामंदिर 3 इ 345	,, ,,	,, ,,	—	,,
184-5	के नाथ 17/71, गु. 14	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
186	ओसियां 3 इ 225	,, ,,	,, ,,	,,	,,
187-8	के.नाथ 19/83, 23/57	,, पूजा 2 प्रतियां	,, Pūjā 2 copies	जिनचंद्रसूरि	,,
189	कुंथुनाथ 17/20	,, सवैये	,, Savaiye	खेम	,,
190	ओसियां 3 इ 359	,, स्तुति मंत्र	,, Stuti Mantra	—	,,
191	महावीर 3 इ 52	,, स्तुतियें + अवचूरि	,, Stutiyen+Avacūri	मुनिसुंदर (सोमसुंदर का शिष्य)	मू अ. (प.ग.)
192	,, 3 इ 54	,, ,, + ,,	,, ,, + ,,	बप्पभट्टसूरि	मू अ. (प.ग.)
193	कोलड़ी 503	,, ,, + वृत्ति	,, ,, +Vṛtti	—	मू.वृ (प.ग.)
194	,, 1129	,, स्तुतियें+अवचूरि	,, Stutiyen+Avacūri	शोभनमुनि	मू.अ. (प.ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
सर्व तीर्थंकर सामान्य भक्ति	सं.	1	26 × 12 × 11 × 35	संपूर्ण 9 श्लोक	19वीं	
,, ,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 34	,, 34+9+7श्लोक	19वीं	अंत में 2 ग्रह छंद हैं
,, ,,	,,	2	30 × 12 × 13 × 36	संपूर्ण	19वीं	साथ में ग्रह राशि नक्षत्र जिनों के
भक्ति गीत	मा.	5	25 × 11 × 12 × 37	,,	19वीं	
,,	,,	1	24 × 11 × 14 × 42	अपूर्ण 27 से 52 अंत तक	1694 आसारा	
,,	,,	12*11	26 × 11 × 26 × 13	संपूर्ण 4 ढालें = 147 गा.	19/20वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 46	,,	19वीं	
,,	सं.	1	25 × 12 × 14 × 35	,, 16 श्लोक	19वीं × श्रीविजय	
,,	,,	2	20 × 13 × 10 × 24	,, 8 श्लोक	19वीं	
,,	मा.	3	27 × 13 × 8 × 18	,, 3 चैत्यवंदन	1910 अजमेर नरेन्द्रसागर	
,,	,,	7	27 × 13 × 14 × 55	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	17	27 × 12 × 11 × 38	,, तीर्थ तीर्थंकरों के	19वीं	स्तवन स्तुति नमस्कार
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	,,	5	26 × 11 × 11 × 36	संपूर्ण 24 चैत्यवंदन	19वीं	
,,	सं.	1	26 × 11 × 12 × 38	अपूर्ण 11वें तीर्थंकर तक ही	19वीं	
,,	,,	1	25 × 11 × 11 × 45	संपूर्ण 24 नमस्कार 11 श्लोक	1827	
,,	मा.	2	26 × 11 × 10 × 32	अपूर्ण 12वें तीर्थंकर तक ही	20वीं सदी	
,,	,,	6,16	26 × 11 व 14 × 16	संपूर्ण 24+1 नमस्कार × 6 गा	1859/89	
,,	,,	4	26 × 11 × 14 × 47	,, ,, ,,	1869 × अमृत-सुंदर	
,,	,,	11,12	26 × 13 × भिन्न 2	,, 24 पूजायें	19वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 14 × 42	अपूर्ण 21 तीर्थंकरों तक 21	19वीं	
,,	प्रा.	5	24 × 12 × 11 × 36	संपूर्ण 24 तीर्थंकरों की कुल 27	20वीं	
,,	सं.	4	26 × 12 × 15 × 52	,, ,, ,, +28 अन्य	15वीं	प्रत्येक तीर्थंकर के 2-2 पद हैं
,,	,,	3	26 × 11 × 28 × 65	संपूर्ण 24 × 4=96 पद	15वीं	
,,	,,	2	31 × 11 × 20 × 50	संपूर्ण 24 तीर्थंकरों की 28 श्लो	16वीं	
,,	,,	4	26 × 12 × 14 × 60	अपूर्ण 22वें तीर्थंकर तक 89,	17वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
195	कोलड़ी 1188	चौवीस जिन स्तुतियें	Cauvisa Jina Stutiyen	शोभनमुनि	प.
196	सेवामंदिर 3 इ 342	,,	,,	,,	,,
197	कोलड़ी 487	,,	,,	,,	,,
198	,, 1113	,,	,,	,,	,,
199-201	,,485-86-88	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
202	महावीर 3 इ 51	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	शोभनमुनि/जयविजय	,,
203	सेवामंदिर 3 इ 345	,,	,,	शोभनमुनि	मू.ट. (प.ग.)
204	के.नाथ 29/22	,, स्तुति पंचाशिका	,, (Pañcāśikā)	रामविजय (जिनलाभ का शिष्य)	प.
205-6	महावीर 3 इ 4, 158	,, स्तुतियें 2 प्रतियां	,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
207	,, 3 इ 5	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, (स्वोपज्ञ ?)	,,
208	,, 3 इ 49	,, —	,, —	—	,,
209	ओसियां 3 इ 363	,,	,,	क्षमाकल्याण	,,
210	के.नाथ 18/86	,,	,,	पद्मविजय	,,
211	,, 19/99	,,	,,	जिनराजसूरि	,,
212	कोलड़ी 329	,,	,,	यशोविजय	,,
213-4	,, गुटका 2/8, 10/4	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	ज्ञानसार	,,
215	के.नाथ 23/56	चौवीस स्तुतियें चैत्यवंदन	,,Caityavandana	लावण्यसमय	,,
216	,, 23/89	,, चैत्य.नमस्कार	,, Namaskāra	पद्मविजय	,,
217	,, 26/103	चौवीस जिनस्तवन	Cauvisa Jina Stavana	जिनप्रभसूरि	,,
218	कोलड़ी 1/9 गु.	,,	,,	जिनराजसूरि (जिनसिंह सूरि शिष्य)	,,
219	मुनिसुव्रत 3 इ 254	,,	,,	,,	,,
220	के.नाथ 26/92	,,	,,	,,	,,
221	ओसियां 3 इ 189	,,	,,	,,	,,
222	मुनिसुव्रत 3 इ 253	,,	,,	,,	,,
223	महावीर 3 इ 20	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	सं.	7	24 × 11 × 13 × 32	संपूर्ण 24 स्तुतियें 96 पद	18वीं	
,,	,,	6	25 × 11 × 15 × 38	,, ,,	18वीं	
,,	,,	10	25 × 11 × 11 × 34	,, ,,	1840	
,,	,,	15	24 × 11 × 9 × 25	,, ,,	1842	
,,	,,	5,4,5	25 से 27 × 10 से 11	,, ,,	19वीं	
,,	,,	59	27 × 12 × 14 × 43	संपूर्ण 96 पद की ग्रं. 2350	1925	वृत्तिकार देवविजय का शिष्य
,,	सं.मा.	7	25 × 12 × 3 × 34	अपूर्ण अंतिम 3 स्तुतियें मात्र	1814	
,,	सं.	4	25 × 11 × 13 × 38	संपूर्ण 50 + 9 = श्लोक कुल	1885	
,,	,,	8,4	27 से 28 × 13 से 14	,, 24 × 3 = 77 श्लोक ग्रं. 148	(1) 1950 पालीताना, (2) 20वीं	
,,	,,	25	27 × 11 × 12 × 37	,, 77 श्लोक	1957, अमदाबाद, नरोत्तम	
,,	,,	2	28 × 13 × 15 × 48	अपूर्ण 12 की ही कुल 48 पद्य	20वीं	(तीर्थंकर 1 से 11, 13 की है)
,,	,,	7	24 × 13 × 11 × 38	संपूर्ण 24 की 77 श्लोक	20वीं	
,,	मा.	3	26 × 11 × 12 × 34	,, 24 की	19वीं	
,,	,,	4	26 × 11 × 18 × 45	,, 25 स्तुतियें + 2 गीत	19वीं	
,,	,,	4	26 × 13 × 13 × 52	अपूर्ण 16वें तीर्थंकर तक	19वीं	
,,	,,	गुटका	13 × 11 व 15 × 11	संपूर्ण 24 स्तुतियें	19वीं	
,,	,,	6	30 × 14 × 14 × 38	संपूर्ण 24 स्तुतियें, 24 चैत्यवंदन	19वीं	
,,	,,	11	20 × 11 × 15 × 41	संपूर्ण 24 स्तुतियें, 24 चैत्य., 24 नमस्कार	19वीं	
,,	सं.	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 24 पद	18वीं	
,,	मा.	35*	12 × 11 × 18 × 22	अपूर्ण	1721	
,,	,,	5	25 × 11 × 17 × 42	संपूर्ण 24 स्तवन + 2	1728, पाली, यशोलाल	
,,	,,	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	संपूर्ण (24 × 5) = 120 पद्य गाथा कुल	1767	
,,	,,	5	26 × 11 × 15 × 44	संपूर्ण 24 स्तवन	18वीं सूर्यपुर, मेरुलाभ	
,,	,,	6	24 × 10 × 13 × 36	,, ,,	18वीं	
,,	,,	9	22 × 11 × 11 × 32	,, ,,	1897	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
224-5	के. नाथ 10/31, 26/84	चौबीस जिनस्तवन 2 प्रतियां	Cauvīsa Jina Stavana 2 copies	जिनराजसूरि	प.
226	,, 19/122	,,	,,	आनन्दघन	प.
227	,, 19/1	,, +बा.	,, +Bālā.	आनंदघन (ज्ञानसार व ज्ञानविमल	मू.बा.
228	,, 6/41	,,	,,	उदयरत्न	प.
229	महावीर 3 इ 33	,, +बा.	,, +Bālā	देवचंद/—	मू.बा.
230	कुंथुनाथ 36/2	,,	,,	देवचंद	प.
231	के. नाथ 19/8	,, (अतीत)	,, (Atīta)	,,	,,
232	,, 19/16	,,	,,	कविऋषभ	,,
233	,, 10/72	,,	,,	यशोविजय	,,
234	,, गु. 1	,,	,,	लक्ष्मीवल्लभ (राजकवि)	,,
235	,, 10/62	,, (बावनी)	,, (Bāvanī)	नयविमल	,,
236	कोलड़ी 421	,, +स्तुति+चैत्य.	,,	पद्मविजय	,,
237	, गु. 7/7	,,	,,	पूंजराजमुनि	,,
238	के नाथ 19/11	,,	,,	भावविजय	,,
239	,, 24/73	,,	,,	जिनमहेन्द्रसूरि	,,
240-1	कोलड़ी 302,गु 2/6	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	मोहनविजय (रूप-विजय का शिष्य)	,,
242	,, गु. 7/7	,,	,,	रतन मुनि	,,
243	मुनिसुव्रत 3 इ 252	,,	,,	पद्मसागर (मंगल सागर का शिष्य)	,,
244	कोलड़ी 1350	,,	,,	सुमतिविजय	,,
245	,, 330	,,	,,	रामविजय (सुमति-विजय का)	,,
246	,, गु. 2/8	,,	,,	रामविजय +गुण-विलास	,,
247	कुंथुनाथ 54/11	,,	,,	विनयचंद	,,
248	कोलड़ी गु 7/7	,,	,,	समयसुंदर	,,
249	कोलड़ी 330	,,	,,	हरखचंद	,,
250-1	,, 349-48	चौसठ पूजायें 2 प्रतियां	Causaṭha Pūjāyen 2 copies	वीरविजय	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	मा.	8,26	26 × 12 व 13 × 12	प्रथम में पहिला और द्वितीय में पहिले चार स्तवन कम हैं	19वीं	
,,	,,	14	25 × 11 × 11 × 28	संपूर्ण 24 स्तवन	1874	
,,	,,	142	26 × 13 × 11 × 43	,, ,,	1866	
,,	,,	4	24 × 13 × 14 × 31	,, ,,	19वीं	
,,	,,	86	26 × 12 × 14 × 54	,, ,, ग्रं. 4224	1892 मेड़ता, पुण्यसुंदर	
,,	,,	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	,, 24 स्तवन	1794	
,,	,,	13	26 × 11 × 11 × 33	अपूर्ण 21 तीर्थंकर तक ही है	1888	
,,	,,	3	26 × 12 × 14 × 34	संपूर्ण 24 स्तवन तीन 2 छंद के	19वीं	
,,	,,	11	24 × 12 × 11 × 25	,, ,,	1877	
,,	,,	3	22 × 19 × 22 × 32	,, ,,	1814	
,,	,,	4	30 × 14 × 11 × 42	,, 26 पद (2-2 गा)	19वीं	
,,	,,	16	25 × 12 × 10 × 40	,, 24-24 स्तवन स्तुति, चैत्य.	,,	
,,	,,	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	,, 24 स्तवन	,,	
,,	,,	5	25 × 11 × 16 × 44	,, ,,	,,	
,,	,,	4	25 × 12 × 14 × 38	,, ,, +1 छंद	,,	
,,	,,	12,गुटका	27 × 11 व 15 × 12	,, ,,	19/20वीं	
,,	,,	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	,, ,'	19वीं	
,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 37	,, ,,	,,	
,,	,,	3	25 × 10 × 17 × 35	अपूर्ण (17 वें तीर्थंकर तक ही है)	,,	
,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 36	संपूर्ण 24 स्तवन	1867	
,,	,,	गुटका	13 × 11 × 16 × 27	,, ,,	19वीं	
,,	,,	,,	6 × 6 × 8 × 12	,, ,,	,,	
,,	,,	,,	22 × 16 × 20 × 30	,, ,,	,,	
,,	,,	11	23 × 11 × 7 × 26	अपूर्ण 21 स्तवन	1861	
तीर्थंकर पूजा भक्ति	,,	14,33	28 × 13 × 27 × 11	संपूर्ण 64 पूजायें विधिसह	1894,1887	1874 की कृति

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
252	महावीर 3 इ 355	चौसठ प्रकारी पूजा विधि मंत्रादि	Causaṭha Prakārī Pūjā Vidhi etc.	—	प.
253	के.नाथ 15/124	छिन्नू जिनस्तवन	Chinnū Jina Stavana	जिनचन्द्रसूरि	,,
254	,, 26/103	जगजीवनचन्द्रसूरि-अष्टक	Jagajīvanacandra Aṣṭaka	पन्नालाल	,,
255	,, 5/75	जयतिहुअण-स्तोत्र	Jayti Huaṇa Stotra	अभयदेव	मू.अ. (प.ग)
256	,, 22/47	,, +वृत्ति+बा.	,, +Vṛtti+Bālā.	,, /—	मू.वृ.बा.
257	सेवा मंदिर 3 इ 374	,, + वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /—	मू वृ (प.ग.)
258	मुनिसुव्रत 3 इ 268	,,	,,	अभयदेव	मू.
259-63	के.नाथ 14-75, 15-162 22-71, 15-51, 14-64	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,,	,,
264	कुंथु. 2/27	,,	,,	,,	,,
265	के नाथ 24/74	,, वृत्तिसह	,, +with Vṛtti	,,	मू.वृ. (प.ग.)
266	महावीर 3 इ 1	,,	,,	,,	मू.अ.
267-8	,, 3 इ 2,159	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	मू.
269	सेवामंदिर 3 इ 345	जयतिहुअण-भाषा	,, Bhāṣā	क्षमाकल्याण	प
270	,, 3 इ 341	जिनगुणरस	Jina Guṇa Rasa	वेणीराम	,,
271	के.नाथ 15/204	,,	,,	,,	,,
272	कोलड़ी 341	,,	,,	,,	,,
273	सेवामंदिर 3 इ 346	,,	,,	,,	,,
274	महावीर 3 इ 135	जिनदत्त+कुशलसूरि-स्तोत्र	Jinadatta+Kuśalasūri Stotra	—	पद्य
275	के.नाथ 26/83	जिनपिंजर-स्तोत्र	Jina Piñjara Stotra	कमलप्रभाचार्य	पद्य
276	,, 18/94	जिनपूजाप्रसंग	Jina Pūjā Prasaṅga	—	ग.
277	कोलड़ी 529	जिन सहस्रनाम	Jina Sahasra Nāma	—	मू.प.
278	,, 910	,,	,,	—	,,
279	,, 528	जिनसहस्रनाम-स्तोत्र	,, Stotra	सिद्धसेन दिवाकर	प.
280	महावीर 3 इ 21	जिनस्तवन	Jina Stavana	जयानंद	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर पूजा भक्ति	सं.मा.	1	26 × 12 × 15 × 52	संपूर्ण 8 दिनों की	19वीं	
,,	मा.	4	26 × 12 × 16 × 29	अपूर्ण 23 गाथा	19वीं	पहिला पन्ना कम
गुरु भक्ति मंत्र	सं.	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 11 + 12 श्लोक	18वीं	अंत में ऋषि मंडल का आमूल मंत्र
पार्श्व जिन भक्ति	प्रा.स.	2	26 × 11 × 12 × 57	,, 30 गा.	16वीं	
,,	प्रा.सं मा	4	26 × 11 × 5 × 59	,, ,,	17वीं	
,,	प्रा.स.	5	26 × 11 × 17 × 63	,, 30 गा. की ग्रं 300	19वीं	
,,	प्रा.	2	25 × 10 × 14 × 51	,, 30 गा. + 16 श्लोक स्तुति के सस्कृत में	18वीं	
,,	,,	3,4,2,3, 6	24 से 28 × 11 से 15	प्रथम चार पूर्ण अंतिम अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 9 × 36	संपूर्ण 30 गा	19वीं	
,,	प्रा.सं.	4	26 × 10 × 21 × 65	,, ,,	19वीं	
,,	,,	8	27 × 13 × 13 × 47	,, ,,	1942 पालनपुर नरेन्द्रसागर	
,,	प्रा.	6,3	21 × 12 व 26 × 14	,, ,,	20वीं	
,,	मा.	3	25 × 11 × 16 × 32	,, 40 गा.	1876 उदयपुर	
तीर्थंकर भक्ति	,,	7	25 × 11 × 15 × 47	,, 186 गा.	1847 थोभ, माणकउदय	1769 की कृति
,,	,,	6	21 × 15 × 19 × 50	,, ,,	1851	
,,	,,	4	27 × 11 × 21 × 50	,, 191 गा.	19वीं	
,,	,,	39	17 × 13 × 11 × 13	,, 193 गा.	1930	
दादा गुरु भक्ति	अ.मा.	2	23 × 11 × 13 × 34	,, 2 पद 9 + 19 गाथा + 4 सवैया	1944 खाचरोद भगवानचंद	
तीर्थंकर भक्ति	सं.	8	17 × 12 × 13 × 16	संपूर्ण 24 श्लोक	19वीं	
भक्ति विधान अर्चना	मा.	16	21 × 13 × 14 × 25	,,	19वीं	
भक्ति स्मरण पद	सं.	2	31 × 11 × 16 × 44	,,	1805	
,,	,,	3	26 × 12 × 11 × 36	,, 41 श्लोक	19वीं	
,,	,,	1	31 × 13 × 20 × 62	,,	19वीं	
तीर्थंकर भक्ति	,,	4*	17 × 8 × 8 × 22	,, 9 श्लोक	1733	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
281	सेवामंदिर 3 इ 350	जिनस्तवन (चन्द्र प्रभु व अन्य)	Jina Stavana	—	पद्य
282	मुनिसुव्रत 3 इ 323	,,	,,	जिनप्रभ आदि	,,
283	सेवामंदिर 3 इ 345	,,	,,	—	,,
284	कुंथुनाथ 26/9	जिनस्तुतियाँ	Jina Stutiyān	—	,,
285	,, 17/18	,,	,,	समरमुनि	,,
286	ओसियां 3 इ 194	,,	,,	वाचक चरित्रनंद	,,
287	कुंथुनाथ 36/1 क्र. 25,24,18,17	जिनस्तोत्र	Jina Stotra	पद्मनंदि	,,
288	कोलड़ी 1224	,, सावचूरि	,, Sāvcūri	जयानंद/मेघमुनि	मू.अ. (प.ग.)
289	महावीर 3 इ 41, 355	,, व मंत्र	,,	—	प.
290	कुंथुनाथ 2/43	,,	,,	साधुराजगणि	,,
291	के.नाथ 11/23	जुहार भट्टारक	Juhāra Bhaṭṭāraka	—	ग.
292	कुंथुनाथ 44/5	जैनमहिम्नस्तोत्र	Jaina Mahimna Stotra	—	प.
293	महावीर 3 इ 355	जैनरक्षास्तोत्र	Jaina Rakṣā Stotra	भद्रबाहु	,,
294	कोलड़ी 336	जैनरक्षा+जिनपिंजरस्तोत्र	,, Jina Piñjara	,, +कमलप्रभ	,,
295	मुनिसुव्रत 3 इ 313	जौजासमणी	Jaujā Samaṇī	हेमविजय	,,
296	के.नाथ 15/201	तिजयपहुत्त-स्तोत्र	Tijayapahutta Stotra	देवसूरि	मू.ट. (प.ग.)
297	महावीर 3 इ 47	,, +वृत्ति	,,	,, +हर्षकीर्त्ति	मू.वृ. (प.ग.)
298	सेवामंदिर 3 इ 345	,,	,,	—	मू (प)
299	ओसियां 3 इ 213	,, +कल्पविधि	,,	—	मू.ट. (प.ग.)
300	,, 2/152	तीर्थंकरों की बोली	Tīrthaṅkaron kī Bolī	—	मू. (पद्य)
301	,, ,,	तीर्थंकरों के कलश	,, ke kalaśa	—	,, ,,
302	महावीर 2/24	तीर्थमाला-प्रकरण	Tīrthamālā Prakaraṇa	चन्द्रमुनि	प.
303	के.नाथ 6/12	त्रिजगत् शास्वत बिंब स्तवन	Trijagat Śāsvata Bimba Stavana	रत्नसूरि	,,
304	महावीर 3 इ 355	त्रिषष्ठीशलाकापुरुष-स्तवन	Triṣaṣṭhī Śalākā Puruṣa Stavana	—	,,
305	के.नाथ 10/43	दस लक्षणी पूजा	Dasa Lakṣaṇī Pūjā	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति	सं.	गुटका	10 × 6 × 7 × 16	कुल 4 स्तवन (पूर्ण अपूर्ण) 1 2	18वीं	
,,	,,	1	25 × 10 × 15 × 44	कुल 3 स्तवन + 1 स्तुति/ 26 श्लोक	,,	
,,	सं.मा.	1	25 × 10 × 11 × 48	कुल 2 स्तवन संपूर्ण 20 श्लोक	19वीं	
,,	,,	5	27 × 13 × 8 × 30	प्रतिपूर्ण कुल 7 स्तुतियें	,,	
,,	मा.	1	25 × 11 × 15 × 44	कुल 12 स्तुतियें	,,	
,,	,,	4	27 × 11 × 12 × 53	,, 10 ,,	,,	
,,	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 4 स्तोत्र (कुल 66 श्लोक)	1544	
,,	,,	7	26 × 10 × 1 × 33	संपूर्ण 9 श्लोक	1766	
,,	प्रा.सं.	3	25 से 27 × 12 × भिन्न2	,, 4 पद कुल 16 गाथा	18/20वीं	
,,	सं.	1	26 × 11 × 13 × 45	,, 12 श्लोक	19वीं	
भक्ति	प्रा.	12*	25 × 11 × 13 × 36	संपूर्ण	18वीं	
,,	सं.	1	12 × 9 × 9 × 18	अपूर्ण (संपूर्ण के 41 श्लोक)	,,	केवल चार श्लोक हैं
,,	,,	1	25 × 11 × 13 × 42	पूर्ण 21 श्लोक	19वीं त्रिभुवन कुशल	-
,,	,,	11*	30 × 12 × 12 × भिन्न2	संपूर्ण 2 स्तोत्र (18 + 24 श्लोक	19वीं	
महावीर भक्ति गीत	प्राकृत	3	21 × 11 × 7 × 21	संपूर्ण 23 गाथा	1812 मेड़ता आर्यारामुजी	
भक्ति तीर्थंकर की	प्रा.मा.	1	25 × 11 × 18 × 36	,, 14 गाथा	1658	
,,	प्रा.सं.	14*	25 × 12 × 13 × 35	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.	1	22 × 10 × 10 × 30	,, ,,	,,	
,,	प्रा.सं.मा.	8	25 × 11 × 4 × 29	,, ,, + अन्य गद्य	,, सूरत	
तीर्थंकर भक्ति स्तव	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 4 + 7 गा. (2 तीर्थंकरों की	16वीं	
,,	,,	,,	26 × 12 × 11 × 40	,, 72 गा. (5 तीर्थंकरों के)	,,	
तीर्थंकर नमस्कार काव्य	अपभ्रंश	7	25 × 11 × 11 × 31	,, 109 गा.	1722	तीर्थों का भी उल्लेख है
,, भक्ति व वृत्तांत	मा.	3	25 × 11 × 13 × 40	,, 45 गाथायें	1759	
भक्ति	,,	1	23 × 11 × 13 × 34	,, 18 ,,	18वीं	
भक्ति व औपदेशिक	,,	6	29 × 13 × 8 × 27	संपूर्ण	1903	दिगम्बर आम्नाय

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
306	महावीर 3 इ 23	दादा गुरु की पूजा व स्तवन	Dādāguru kī Pūjā & Stavana	लाभसूरि + ज्ञानसार	प.
307	कुंथुनाथ गुटका 36/क्र. 52	धरणोरगेन्द्र-स्तवन	Dharaṇogendra Stavana	—	,,
308	के.नाथ 23/75	,, + अवचूरि	,, + Avacūri	—	मू.अ. (प ग
309	के.नाथ 14/127	धर्मजिणन्दस्तवन + सज्झाय	Dharma Jiṇanda Stavana + Sajjhāya	विजयभद्र	प.
310	के.नाथ 26/64	धुलेवा केशरियानाथ आदि सवैया	Dhuleva Keśariyānātha Ādi Savaiyā	—	,,
311	महावीर 3 इ 160	नमस्कार फल-दृष्टान्त	Namaskāra Phala Dṛṣṭānta	—	,,
312	महावीर 3 इ 161	, माहात्म्य	,, Māhātmya	सिद्धसेन	,,
313	कुंथुनाथ 37/19	,, ,,	,, ,,	—	ग
314	के नाथ 22/70	नमस्कारस्तव	, Stava	कीर्तिसूरि	मू. (प.)
315	सेवामंदिर 3 इ 34[illegible]	,, + वृत्ति	,, ,,	,, /—	मू वृ. (प.ग
316	के.नाथ 11/89	नवकार अर्थ (बा.)	,, Artha (Bālā)	—	मू.बा.
317	मुनिसुव्रत 3 इ 279	,,	,, ,,	अज्ञात	ग.
318	कोलड़ी 905	,,	,, ,,	—	,,
319	के.नाथ 24/38	नवकारअर्थ व कथा	Navakāra Artha & Kathā	—	,,
320	कोलड़ी 1231	नवकार-कथायें	,, Kathāyen	—	,,
321	मूनिसुव्रत 3 इ 323	नवकार-जाप	,, Jāpa	—	,,
322	के.नाथ 4/21	नवकार-प्रबन्ध	,, Prabandha	विद्यावर्द्धन	प.
323	मुनिसुव्रत 3 इ 223	नवकार फल व स्तोत्र	,, Phala + Stotra	—	,,
324-5	के.नाथ 15/156, 24/55	नवकार बालावबोध 2 प्रतियां	,, Bālāvabodha 2 copies	—	ग.
326	मुनिसुव्रत 3/271	नवकार-महिमा	,, Mahimā	—	,,
327	कुंथुनाथ 24/7	नवकार-माहात्म्य	,, Māhātmya	—	,,
328	,, 26/6	,, ,,	,, ,,	—	,,
329	मुनिसुव्रत 3 इ 297	नवकार-रास	,, Rāsa	अज्ञात	प.
330	ओसियां 3 इ 170	नवकार (पांचपद) सज्झाय	,, Sajjhāya	ज्ञानविमल	,,
331	ओसियां 3 इ 351	नवकार-स्तवन (रास)	,, Stavana (Rāsa)	वाचक कुशललाभ	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
(जिन कुशलसूरि-पूजा)	मा.	16	25 × 12 × 11 × 27	संपूर्ण	19वीं	
भक्ति स्तव	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 39 श्लोक	1544	
,,	,,	6*	16 × 11 × 12 × 41	,,	1626	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	3	27 × 13 × 14 × 40	संपूर्ण 3 स्तवन 1 हितोपदेश सज्झाय	19वीं	
भक्ति न्यायचर्चा व उपदेश	,,	8	31 × 16 × 14 × 42	संपूर्ण 91 सवैये	19वीं	क्रमशः 34 229 26 सवैये,
भक्तिमाहात्म्य	सं.	11	26 × 13 × 15 × 40	,, 325 श्लोक	1960	
,,	,,	6	28 × 14 × 17 × 41	,, 217 श्लोक 8 प्रकाश	19वीं	
नवकार माहात्म्य	मा.	20	25 × 12 × 15 × 56	अपूर्ण	19वीं	
भक्ति ,,	प्रा.	3*	26 × 12 × 11 × 35	संपूर्ण 32 गा.	18वीं	
,,	प्रा.स.	2	27 × 12 × 22 × 78	अपूर्ण (18 से अंत तक)	19वीं	
,,	प्रा.मा.	4	25 × 10 × 13 × 36	संपूर्ण	1785	
,,	मा.	2	25 × 10 × 19 × 46	,,	18वीं	
,,	,,	4	26 × 10 × 13 × 55	,,	19वीं	
,,	,,	18	22 × 13 × 11 × 23	,,	19वीं	
माहात्म्य दृष्टान्त	,,	5	25 × 10 × 17 × 50	,,	1756	
भक्ति स्मरण	,,	1	25 × 11 × 15 × 58	,, 13 अनुच्छेद	1765 जट्टमल्ल	
माहात्म्य वृत्तांत	,,	41	26 × 11 × 13 × 38	,,	1683	(पंचपरमेष्ठी रास)
भक्ति ,,	प्रा.	2	24 × 10 व 26 × 11	,, दो 23 व 12 गाथा	17/19वीं	
भक्ति मंत्र विवेचन	मा.	4,3	25 × 10 व 17 × 47	संपूर्ण	19वीं	
भक्ति महात्म्य	,,	7	25 × 12 × 17 × 47	,, 6 कथासह	19वीं × शिवचंदजी	
,, ,,	सं	8	27 × 12 × 12 × 36	अपूर्ण-जिनदास कथा तक	19वीं	
,, ,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 44	अपूर्ण-हुडिक चोर कथा-तक	19वीं	
,, काव्य	मा.	2	24 × 10 × 13 × 31	संपूर्ण 21 छंद	18वीं	अंत में पार्श्वस्तव (लघु)
भक्ति स्वाध्याय	,,	6	25 × 11 × 11 × 26	,, 8 सज्झायें	20वीं	
भक्ति माहात्म्य	,,	93*	25 × 11 × 18 × 43	,, 17 गाथा	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
332	सेवामंदिर 3 इ 345	नवग्रह शांति विधिसह	Navagraha Śānti with Vidhi	—	प.ग. मंत्र
333	के.नाथ 23/75	नवग्रह स्तुति पार्श्वस्तव +अवचूरि	Navagraha Stuti +Avacūri	जिनप्रभ	मू.अ (प.ग.)
334	कोलड़ी 1353	,,	,,	,,	प.
335	के.नाथ 26/103	नवग्रह स्तोत्र + ग्रहशांति (2)	,, Stotra	भद्रबाहु	,,
336	महावीर 3 इ 47	नवग्रह स्तोत्र वृत्तिसह	,, with Vṛtti	जिनप्रभ	मू.वृ. (प.ग.)
337	कुंथुनाथ 45/4	,, (15 दिन) स्तोत्र	Navagraha Stotra	खेतलस (राजसूरि-शिष्य)	ग.प.
338	कोलड़ी 534	नवग्रह स्तोत्र	,,	—	प.
339	ओसियां 3आ 131	नवपद अनानुपूर्वी	Navapada Anānūpūrvī	—	ग. मंत्र
340	के.नाथ 16/47	नवपद चैत्यवंदन स्तुति	,, Cetyavandana	चारित्रनंदि	प.
341	के.नाथ 9/24	नवपद पूजा	,, Pūjā	यशोविजय, देवचंद-ज्ञानविमल	,,
342	ओसियां 3 इ 218	,,	,, ,,	,,	,,
343	कुंथुनाथ 20/17	,,	,, ,,	देवचंद ,,	,,
344	,, 21/6	,,	,, ,,	यशोविजय ,,	,,
345	कोलड़ी 319	,,	,, ,,	,, ,,	,,
346	,, 410	,,	,, ,,	देवचंद ,,	,,
347	महावीर 3 इ 8	,,	,, ,,	—	,,
348	कुंथुनाथ 21/7	नवपद वासक्षेप पूजा व आरती	,, Vāsakṣepa Pūjā	—	प.ग. मंत्र
349	के.नाथ 26/37	नवपद शरण स्तव	Navapada Śaraṇa Stava	—	प.
350	कुंथुनाथ 24/10	नवपद स्नात्र वृद्ध स्तवन	,, Snātra Vṛddha-Stavana	यशोविजय	,,
351	के.नाथ 14/122	नवस्मरण+2 स्तोत्र	Nava Smaraṇa+2 Stotra	संकलन	पद्य
352	कोलड़ी 535	,, +2 स्तोत्र	,, + ,,	,,	,,
353-8	कोलड़ी 455 से 59,1123	,, + ,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,
359-60	कुंथुनाथ 26/7, 21/2	,, + ,, 2 प्रतियां	,, +2 copies	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ग्रहभक्ति	सं.मा.	3	24 × 11 × 11 × 35	संपूर्ण	20वीं उम्मेद-हंस	
भक्ति ग्रहों की भी	सं.	6*	26 × 11 × 12 × 41	संपूर्ण 10 श्लोक	1626	
,,	,,	5	26 × 12 × 11 × 28	,, ,,	19वीं	साथ में कल्याण मंदिर स्तोत्र
,,	,,	1	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 3 स्तोत्र (कुल 39 श्लोक	18वीं	
,,	प्रा.सं.	14*	25 × 12 × 13 × 35	संपूर्ण 11 गाथा की	19वीं	
,, ज्योतिष	मा.	गुटका	17 × 14 × 11 × 18	,,	1828	
,, जैन	सं.	2	28 × 13 × 12 × 33	,, 9 स्तोत्र	19वीं	
स्मरण अंक मंत्र	मा.	1	42 × 11 × 13 × 47	,, अंक तालिकायें	20वीं	
भक्ति	,,	3	27 × 12 × 17 × 51	संपूर्ण 9-9 चैत्य. स्त. स्तु कुल 27	19वीं	
,, काव्य	,,	7	25 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण नौ पूजा (12 ढाल)	,,	
,, ,,	,,	13	24 × 11 × 10 × 20	,, (12 ढाल) चार खंड	,,	जीर्ण
,, ,,	,,	21	25 × 11 × 10 × 34	संपूर्ण	1872	
,, ,,	,,	3	25 × 13 × 13 × 40	अपूर्ण चौथे खंड की 11 वीं ढाल	19वीं	
,, ,,	,,	3	28 × 12 × 12 × 38	अपूर्ण 46 गा. चौथे खंड की 11वीं ढाल	1870	
,, ,,	,,	8	24 × 12 × 13 × 30	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	9	23 × 13 × 6 × 17	,, अंतिम पन्ना कम	20वीं	
,, ,,	सं.मा.	2	25 × 13 × 13 × 30	,,	19वीं	
,, ,,	मा.	2	16 × 12 × 10 × 19	,,	,,	
,, ,,	,,	गुटका	10 × 8 × 7 × 8	,,	20वीं	
,, ,,	प्रा.सं.	18	25 × 11 × 11 × 44	संपूर्ण सप्त स्मरण 2 शांति भक्तामर + कल्याण	18वीं	यहाँ शांति की जगह जयति व वीरस्तवन है।
,, ,,	,,	10	30 × 12 × भिन्न 2	अपूर्ण 4 स्मरण 2 शांति भक्तामर + कल्याण	1836	
,, ,,	,,	16,11 19,12, 12,24	23 से 26 × 11 से 22	संपूर्ण-7 स्मरण शांति = 9 + 2 स्तोत्र भक्तामर व कल्याण	19वीं	
,, ,,	,,	17,14	26 × 12 व 26 × 14	,,	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
361	के. नाथ 14/120	नवस्मरण+2 स्तोत्र	Nava Smaraṇa+2 Stotra	संकलन	पद्य
362	ओसियां 3 इ 238	,, + ,,	,,	,,	,,
363	के. नाथ 21/41	नवाणुप्रकारी पूजा	Navaṇu Prakāri Pūjā	वीरविजय	प.
364 5	कोलड़ी 351,350	,, ,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
366	के.नाथ 26/85गु.	नंदीश्वरद्वीप पूजा मंत्र	Nandīśvara Dvīpa Pūjā Mantra	—	,,
367	कोलड़ी 356	, ,, व पोषणा	,, & Poṣaṇa	धर्मचंद	,,
368	महावीर 4 अ 27	नंदीश्वर स्तव+वृत्ति	Nadīśvara Stava+Vṛtti	पूर्वाचार्य	मू वृ.
369	के.नाथ 15/56	, स्तवन	,, Stavana	मेरुसुमन्त	प.
370	,, 15/211	नाटक पूजा स्वाध्याय	Nāṭaka Pūjā Svādhyāya	—	,,
371	सेवामंदिर 3 इ 352	नित्यनियम पूजा वचनिका	Nityaniyama Pūjā Vacanikā	संकलन	प.ग.
372	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 21,39	निरंजन-स्तोत्र+जिन मंगलाष्टक	Nirañjana Stotra etc	—	प.
373	के.नाथ 14/62	नेमीनाथ-स्तवन	Nemīnātha Stavana	शुभविजय	,,
374	कुंथुनाथ 33/34	,,	,,	पासचंद	,,
375	के.नाथ 15/207	,,	,,	शुभविजय	,,
376	,, 18/85	,,	,,	आणंदसूरि (हेमविमल का)	,,
377	,, 15/92	,,	,,	आनन्दकीर्ति	,,
378	सेवामंदिर 3 इ 348	,,	,,	श्रावक ऋषभ	,,
379	मुनिसुव्रत 3 इ 244	,,	,,	आनन्दसार (बुद्धकीर्ति का)	,,
380	महावीर 3 इ 50	,, स्तुति+अवचूरि	,,	चतुर्भुज	मू.अ. (प.ग.)
381	मुनिसुव्रत 3 इ 300	नेमी-राजुल बारह मासा	Nemī Rājula Bārahamāsā	—	प.
382	के.नाथ 24/70	,,	,,	—	,,
383	,, 26/41	,,	,,	विनयचंद	,,
384	कोलड़ी 1265	,,	,,	वृन्दकवि	,,
385	,, 939	,,	,,	उदयरत्न	,,
386	के.नाथ 26/71	नेमी-राजुल-संवाद	,, Samvāda	—	प.ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	प्रा.सं.	19	25 × 11 × 12 × 32	भक्तामर व कल्याण	20वीं	
,,	,,	15	24 × 10 × 12 × 37	अपूर्ण स्मरण 4 ही हैं	20वीं	
,,	मा.	7	29 × 13 × 12 × 37	संपूर्ण 11 अभिषेक + अंतिम ढाल	19वीं	
,,	,,	7,25	27 × 13 व 27 × 12	संपूर्ण 11 अभिषेक 200 गा.	19वीं	
,,	सं.	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	संपूर्ण 52 श्लोक	19वीं	
भक्ति व विवाह वर्णन	मा.	16	26 × 12 × 12 × 35	,,	19वीं	
भक्ति व द्वीप वर्णन	प्रा.सं.	35	27 × 11 × 15 × 45	,, 25 गाथा	1531 अहमदाबाद, धर्मसेन	अंत में श्री सिद्धांत 1 पृष्ठ में
,, ,,	मा.	3	23 × 11 × 12 × 34	,, ,,	19वीं	
भक्ति स्वाध्याय	,,	1	26 × 12 × 13 × 50	,,	20वीं	
दैनिक पूजा पाठ भक्ति	प्रा.सं.मा.	7	33 × 14 × 10 × 36	अपूर्ण	19वीं	
भक्ति	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 2 स्तोत्र 9+9 श्लोक के	1544	
तीर्थंकर भक्ति	मा.	2	25 × 11 × 17 × 37	संपूर्ण 81 गाथा	1699	
,,	,,	2+2	26 × 12 × 9 × 42	,, 20 गाथा	17वीं	दो बार लिखा है
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 50	,, 77 गाथा	1749	अंत में जंबू सज्झाय'
,,	,,	2	25 × 11 × 15 × 41	,, 80 गाथा	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 46	,, 23 गा.	19वीं	
,,	,,	7	24 × 13 × 9 × 27	,, 68 गाथा	19वीं	अंत में 5 गाथा का शांति स्तवन
,,	,,	6*	26 × 11 × 15 × 50	,, 62 गाथा	19वीं रत्नहर्ष गणि	
,,	सं.	4	26 × 12 × 13 × 45	,, 9 पद	1927 बालूचर सदासुख	
भक्ति विरह गीत	मा.	2	24 × 10 × 13 × 42	संपूर्ण 28 गा.	1825	
,,	,,	3	24 × 10 × 11 × 27	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	2	24 × 12 × 16 × 49	,, 13 गा.	19वीं	
,,	,,	16*	21 × 11 × 10 × 30	,, 13 सवैया	19वीं	
,,	,,	3	25 × 11 × 19 × 70	,, ग्रं. 125	19वीं	
,,	,,	1	26 × 11 × 13 × 32	अपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
387	महावीर 3 इ 38	परमज्योति पच्चीसी	Paramajyoti Paccisī	यशोविजय	प.
388	मुनिसुव्रत 3 इ 323	परमेष्ठी रक्षा स्तोत्र	Parameṣṭhī Rakṣā Stotra	—	,,
389	महावीर 3अ148	परमेष्ठी विद्याकल्प	,, Vidyā Kalpa	सं. सिंहतिलकसूरि	,,
390	कोलड़ी 352	पंचकल्याणक पूजा	Pañca Kalyāṇaka Pūjā	वीरविजय	,,
391	कुंथुनाथ 31/8	,, मंगलस्तव	Pañca Kalyāṇaka Maṅgala Stava	रूपचंद मुनि	,,
392	कोलड़ी 1183	पंचज्ञानपूजा	Pañca Jñana Pūjā	रूपविजय	,,
393	ओसियां 3 इ 202	,, संग्रह	,, Saṅgraha	सुमति (क्षमाकल्याण शिष्य)	,,
394	ओसियां 3 इ 198	पंचदस तिथि स्तुतियें	Pañcadasa Tithi Stutiyen	ज्ञानविमल नयविमल	,,
395	कोलड़ी 321	,,	,,	,, ,,	,,
396	के.नाथ 6/94	,,	,,	,, ,,	,,
397	कुंथुनाथ 20/17	पंचपरमेष्ठी गुण	Pañcaparameṣṭhī Guṇa	देवचंद	ग
398	मुनिसुव्रत 3 इ 281	,, नमस्कार	,, Namaskāra	वल्लभसूरि	प.
399	ओसियां 3 इ 261	,, पूजा	,, Pūjā	सुमति (क्षमाकल्याण शिष्य	,,
400	के.नाथ 20/44	पंचपरमेष्ठी महानमस्कार स्तव	Pañcaparameṣṭhī Mahānamaskāra Stava	—	,,
401	महावीर 3 इ 40	,, महास्तव + वृत्ति	,, Mahāstva	जिनकीर्तिसूरि (स्वोपज्ञ)	मू.वृ. (प.ग.)
402	सेवामंदिर 3 इ 350	,, स्तवन	,, Stavana	—	मू (प.)
403	,, ,,	,, स्तवन	,, ,,	—	प.
404	,, ,,	,, स्तव व स्तोत्र	,, Stava & Stotra	जिनप्रभसूरि	,,
405	कुंथुनाथ 55/11	,, स्तोत्र-सावचूरि	,, Stotra with Avacūri	मानतुङ्गसूरि	मू.अ. (प ग.)
406	कोलड़ी 925	पंचमीमहिमा-स्तवन	Pañca Mahimā Stavana	विजयलक्ष्मीसूरि	प.
407	कोलड़ी 442	पाक्षिक चैत्यवन्दन	Pakṣika Catyaivandana	—	,,
408	महावीर 3 इ 43	पाक्षिक नमस्कार नेमी शांति स्तोत्र	,, Namaskāra etc.	—	,,
409	कोलड़ी 502	पाक्षिकादि जिन चैत्यवंदन	Pakṣikādi Jin Chaityavandana	—	,,
410	,, 803/3	पाठपूजन-चोपड़ी	pāṭhapūiana Copadī	—	पद्य

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्म स्वरूप भक्ति	सं.	2	28 × 12 × 15 × 48	संपूर्ण 50 श्लोक (2 पच्चीसियां)	20वीं	
भक्ति	,,	1	25 × 11 × 8 × 32	,, 8 श्लोक	18वीं	
भक्ति (मंत्रमय)	,,	40*	25 × 11 × 14 × 50	,, 77 श्लोक	1962	
जिन भक्ति काव्य	मा.	7	27 × 11 × 12 × 36	संपूर्ण	1902	
भक्ति तीर्थंकर	,,	गुटका	24 × 22 × 15 × 12	,, 25 गा.	20वीं	
श्रुत भक्ति काव्य	,,	9	26 × 13 × 9 × 30	,,	19वीं	
,,	,,	5	24 × 11 × 10 × 37	,, 5 पूजायें	1958	
तिथि भक्ति काव्य	,,	5	25 × 11 × 15 × 36	,, कुल 17 स्तुतियें	19वीं	
,,	,,	6	25 × 11 × 14 × 38	,, कुल 16 स्तुतियें	,,	
,,	,,	4	25 × 12 × 13 × 44	,, कुल 16 स्तुतियें	,,	
भक्ति आधार	,,	21*	25 × 11 × 10 × 34	संपूर्ण 67,51,70,50भेद	1872	
भक्ति	प्रा.	2	25 × 10 × 13 × 44	,, 25 गाथा	18वीं	
,,	मा.	7	24 × 11 × 10 × 32	संपूर्ण	1958	
,,	,,	6	27 × 13 × 11 × 33	,, 2 स्तवन (दूसरा अपूर्ण)	19वीं	साथ में वृ.त शांति
,,	प्रा.सं.	4	27 × 12 × 22 × 69	संपूर्ण 32 पद	,,	
,,	प्रा,	6	10 × 6 × 7 × 16	,, 34 गा	18वीं	
विधान व विवरण	सं.	7	10 × 6 × 7 × 16	,, 2 पद (8 श्लोक 5 अनु.)	,,	
भक्ति नमस्कार	,,	7	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण 2 स्तोत्र (33 × 5 श्लोक)	,,	
भक्ति	प्रा.सं.	1	25 × 10 × 15 × 53	संपूर्ण 34 गाथा	15वीं	
तिथि माहात्म्य भक्ति	मा.	3	25 × 12 × 7 × 30	,, 5 ढालें	19वीं	
भक्ति	सं.	26*	27 × 13 × 11 × 32	,, 49 श्लोक	,,	
,,	,,	4	27 × 12 × 11 × 40	,, तीन स्तोत्र 49, 11,13 श्लोक	1841	
,,	,,	4	31 × 12 × 13 × 44	संपूर्ण 5 चैत्यवंदन कुल 94 श्लोक	1862	
भक्ति क्रिया काण्ड	सं.मा.	10	5 × 8 × 5 × 10	संपूर्ण	1937	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
411	के.नाथ 14/17	पारणक वृद्ध लघु आदि सज्भाय संग्रह	Pāraṇaka Sajjhāya	—	पद्य
412	कुंथुनाथ 2/44	पार्श्वस्तव	Pārśva Stava	जिनप्रभसूरि	,,
413	के.नाथ 29/54	,,	,,	—	,,
414	के.नाथ 18/44	(सहस्रफरणा) पार्श्वस्तोत्र	Pārśva Stotra	भक्तिलाभ (रतनचंद्र-शिष्य)	,,
415	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 13,15,29, 30,32,48,	पार्श्वस्तोत्राणि	,, Stotrāṇi	विद्यापति, राजसेन, पद्म-नंदि, जिनपति	,,
416	के.नाथ 19/46	,,	,, ,,	जिनचंद्र	,,
417	महावीर 3 इ 21	पार्श्वस्तोत्र	,, ,,	जिनचंद्र सूरि	,,
418	सेवामंदिर 3 इ 345	पार्श्व लघु व बृहत् स्तोत्राणि वृत्तिसह	,, ,, with Vṛtti	परशिक्षित सुन्दर	मू.वृ. (प.ग.
419	के.नाथ 26/103	पार्श्वस्तवनानि	,, Stavanāni	जिनवल्लभ, शिवशंकर अज्ञात	प.
420	सेवामंदिर 3 इ 350	,, स्तवनानि स्तोत्राणि	,, ,,	धर्मसूरि मेरुनंदन व अन्य	,,
421	महावीर 3 इ 355	,, स्तोत्र ध्यान व मंत्र	,, Stotra etc,	—	,,
422	कुंथुनाथ 44/5	,, स्तोत्राणि	,, Stotrāṇi	—	,,
423	मुनिसुव्रत 3 इ 307	,, व मणिभद्र स्तोत्र	,, Stotra etc.	—	,,
424	कोलड़ी 1325	,, स्तोत्राणि	,, Stotrāṇi	—	,,
425	मुनिसुव्रत 3 इ 323	,, स्तवनानि	,, Stavanāni	—	,,
426	कुंथुनाथ 10/138	पार्श्व+पंचषष्ठी स्तोत्र	,, Stotra etc.	मेरुतुङ्ग+जयतिलक शिष्य ?	,,
427	के.नाथ 11/64	पार्श्वस्तव	,, Stava	मेरुतुङ्ग	,,
428	के.नाथ 11/100	,,	,, ,,	—	,,
429	महावीर 3 इ 150	पार्श्व व अन्य स्तोत्राणि	,, Stotrāṇi etc.	जिनप्रभ आदि	,,
430	सेवामंदिर 3 इ 379	,, स्तव	,, Stava	—	,,
431-2	ओसियां 3 इ 237, 265	,, स्तवनानि 2 प्रतियां	,, Stavanāni 2 copies	—	,,
433-5	कुंथुनाथ 10/144-139,2/23	,, स्तवनानि 3 प्रतियां	,, ,, 3 copies	—	,,
436	के.नाथ 18/64	,, ,,	,, Stavanāni	—	,,
437-8	महावीर 3 इ 260, 25	,, स्तोत्राणि 2 प्रतियां	,, Stotrāṇi 2 copies	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति क्रिया	प्रा.	5	25 × 11 × 12 × 40	संपूर्ण 6 सज्झायें = कुल 99 गाथा	19वीं	
तीर्थंकर भक्ति	,,	1	25 × 11 × 12 × 36	संपूर्ण 10 गा.	16वीं	
,,	,,	1	25 × 11 × 17 × 50	,, 36 गा. कलशसह	16वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 8 × 32	,, 15 गा.	17वीं	
,,	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 6 स्तोत्र कुल 101 श्लोक	1544	
,,	,,	4*	25 × 11 × 13 × 35	संपूर्ण 2 स्तोत्र 7+5 श्लोक	1806	
,,	,,	4*	16 × 8 × 8 × 24	संपूर्ण 10 श्लोक + पंचा गुलीमंत्र	1773 × हित-चन्द्र	
,,	,,	6	24 × 11 × 18 × 72	संपूर्ण	18वीं	शब्द 'सकला' पर 1 पूरा स्तोत्र
,,	,,	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 4 स्तवन कुल 39 श्लोक	18वीं	तीसरा फलवर्द्धी व चौथा वरकाणा का
,,	,,	35	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण 8 स्तवन कुल 116 श्लोक	18वीं	अंतिम स्तोत्र 3 गा. का प्राकृत में
मंत्रमय भक्ति	,,	1	25 × 11 × 11 × 30	संपूर्ण	18वीं	
तीर्थंकर भक्ति	,,	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	,, 3 स्तोत्र कुल 63 श्लोक	18वीं	
,,	,,	3	21 × 10 × 9 × 42	,, दो, सं. 7 श्लोक	1808/10	मणिभद्रचंद 21 गा. मारु में
,,	प्रा.सं.	8	14 × 10 × 10 × 17	संपूर्ण 7 स्तोत्र कुल श्लोक 69	1814	अंतिम 2 स्तोत्र प्राकृत में
,,	सं.	2	24 × 10 व 17 × 9	संपूर्ण 11 श्लोक + 7 श्लोक	(प्रथम) 1818 अहिपुर कर्मठ	
,,	,,	1	24 × 11 × 15 × 44	,, 2 स्तोत्र 11+8 श्लोक	1877	
,,	,,	2*	26 × 11 × 13 × 49	,, 14 श्लोक	16वीं	
,,	,,	3	25 × 12 × 11 × 20	,, 33 श्लोक	19वीं	
,,	,,	2	26 × 12 × 17 × 50	संपूर्ण 4 स्तोत्र कुल 51 श्लोक	19वीं	सूर्य सरस्वती के भी श्लोक हैं
,,	,,	2	23 × 10 × 14 × 45	अपूर्ण 33 श्लोक तक	18वीं	
,,	,,	2,1	24 × 11 × 14/13 × 35	संपूर्ण 6 स्तवन कुल	19वीं	अंत में नंदीश्वरस्तवन
,,	,,	1,1,1	21 से 26	,, 10 स्तोत्र	18/19वीं	अंत में शारदा स्तोत्र भी है
,,	सं.प्रा.	2	25 × 12 × 11 × 30	,, 2 स्तव 13+3 श्लोक	19वीं	
,,	,,	2,2	20 × 11 व 28 × 15	,, 4 स्तोत्र कुल 94 श्लोक	20वीं	अंत में अट्टे मट्टे मंत्र

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
439	मुनिसुव्रत 3 इ 323	पार्श्व अष्टोत्तर पद्मावती स्तोत्र	Pārśva Aṣṭottara Padmāvatī Stotra	हर्षसागर	प.
440	सेवामंदिर 3 इ 350	पार्श्व अष्टोत्तर पद्मावती स्तोत्र	,, ,,	—	,,
441	महावीर 3 इ 354	पार्श्व मंत्र पद्मावती स्तोत्र	Parśva Mantra Padmāvatī Stotra	—	,,
442	सेवामंदिर 3 इ 350	,, (करहेटक) स्तवन	,, Stavana	मेरुनंदन	,,
443	के.नाथ 6/57	,, (,,) स्तोत्राणि	,, Stotrāṇī	—	,,
444	सेवामंदिर 3 इ 350	,, (कलिकुंड) स्तोत्र	,, Stotra	—	,,
445-6	महावीर 3 इ 152. 355	पार्श्व (कलिकुंड) मंत्र स्तोत्र-कल्प 2 प्रतियां	,, Mantra etc. 2 copies	—	ग.प. मंत्र
447	के. नाथ 19/46	पार्श्व (गोडी) स्तुति	,, (Gauḍī) Stuti	विद्याविलास	प.
448	सेवामंदिर 3 इ 350	पार्श्व (चिंतामणि) स्तोत्राणि	Pārśva (Cintāmaṇi) Stotrāṇi	---	,,
449	महावीर 3 इ 355	, (,,) ,,	,, (,,) ,,	—	,,
450	कोलडी 516	,, (,,) मंत्रकल्प	Pārśva (Cintāmaṇi) Mantrakalpa	धर्मघोष	प.ग.
451	महावीर 3 इ 138	,, (,,) स्तोत्र	,, (,,) Stotra	—	मू.अ. (प.ग.)
452	मुनिसुव्रत 3 इ 285	,, (,,) ,,	,, (,,) ,,	—	प.
453	सेवामंदिर 3 इ 345	,, (,,) स्तोत्राणि	,, ,,) Stotrāṇi	—	,,
454	कोलड़ी 1233	,, (,,) ,,	,, ,,) ,,	रत्नाकरसूरि	,,
455	महावीर 3 इ 53	पार्श्व (चिंतामणि) पद्मावती स्तोत्र	,, (,,) Padmāvatī Stotra	—	,,
456	के.नाथ 23/59	पार्श्व (जीरापल्ली) स्तोत्र सावचूरि	Pārśva Jīrāpallī Stotra with Avacūri	धर्मनंदन उपाध्याय	मू.अ. (प.ग.)
457	,, 29/53	पार्श्व (जीरापल्ली) स्तोत्र सावचूरि	,, (,,) ,, ,,	मेरुतुङ्ग/अमरकीर्ति	,,
458	के नाथ 26/103गु	पार्श्व (जीरापल्ली) चक्रबंधमंत्र स्तव	,, (,,) Stotra Cakra etc.	—	प.
459	महावीर 3 इ 355	पार्श्व (,) स्तवन	,, (,,) Stavana	मेरुतुङ्ग	,,
460	के.नाथ 29/48	,, (,,) स्तोत्र	,, (,,) Stotra	मेरुनंदन (मुनिमेरु)	,,
461	कोलड़ी 542	पार्श्व (,, शंखेश्वर) स्तोत्राणि	,, (,,) Stotrāṇi	—	,,
462	सेवामदिर 3 इ 350	पार्श्व (फलवर्द्धी) स्तोत्राणि	Pārśva (Phalavarddhī) Sotrāṇi	जिनप्रभ	,,
463	के.नाथ 6/125	,, (,,) स्तोत्र	,, (,,) Stotra	—	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति + शासनदेवी भक्ति	सं.	1	26 × 11 × 14 × 64	संपूर्ण 3 स्तोत्र (16,9, 9)	18वीं हर्ष-सागर	अंतिम छंद मा. में
,,	,,	11	10 × 6 × 7 × 16	प्रथम संपूर्ण (12) द्वितीय अपूर्ण (15)	18वीं	
,,	,,	1	27 × 12 × 8 × 28	संपूर्ण	20वीं	
तीर्थंकर तीर्थ भक्ति	,,	2	10 × 6 × 7 × 16	,, 9 श्लोक	18वीं	
,,	,,	2	26 × 13 × 12 × 25	,, 3 स्तोत्र	19वीं	
,,	,,	7	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण	18वीं	
,,	सं.मा.	2,1	28 × 12 × 8/11 × 35	संपूर्ण मंत्र, विधिसह	20वीं	दादागुरु पूजा मंत्र विधि साथ में
,,	सं.	4	25 × 11 × 13 × 35	संपूर्ण 24 श्लोक	1806	
,,	,,	9	10 × 6 × 7 × 16	,, 3 स्तोत्र 11-11 श्लोक के	18वीं	
,,	,,	1	25 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण 2 स्तोत्र 1 मंगलाष्टक	1810/10 × रूपचंद	प्रशस्ति है।
,,	,,	4	29 × 12 × 14 × 30	,,	1880	
,,	,,	2	25 × 12 × 7 × 35	,, 11 श्लोक	19वीं	
,,	,,	2	25 × 10 × 9 × 37	,, 32 श्लोक	,,	
,,	,,	2*	27 × 10 × 21 × 72	,, 6 स्तोत्र	,,	
,,	,,	5	22 × 13 × 9 × 24	,, 2 ,, (11+25 श्लोक)	20वीं	
,,	,,	6*	24 × 12 × 14 × 35	संपूर्ण 2 स्तोत्र 27+11 श्लोक	,,	
,,	सं.मा.	5	27 × 12 × 18 × 51	संपूर्ण 45 श्लोक	16वीं	
,,	सं.	2*	22 × 10 × 15 × 52	,, 3 श्लोक	1886	
,,	सं.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 24 श्लोक	18वीं	
,,	,,	1	22 × 11 × 12 × 34	,, 14 श्लोक	19वीं	
तीर्थंकर तीर्थ भक्ति	,	1	25 × 11 × 14 × 44	,,	,,	
,,	,,	2	29 × 13 × 11 × 45	,, 4 स्तोत्र	,,	
,,	,,	11	10 × 6 × 7 × 16	,, 3 स्तोत्र (21+12+9 श्लोक	18वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 31	संपूर्ण 21 श्लोक	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
464	महावीर 3 इ 355	पार्श्व (शंखेश्वर) यंत्रबंध स्तव	Pārśva (Śaṅkheśvara) Yantra etc.	—	प.
465	मुनिसुव्रत 3 इ 323	,, (,,) स्तोत्र	,, ,, Stotra	—	,,
466	कुंथुनाथ 55/15	,, (स्तंभन) स्तवन	Pārśva (Stambhana) Stavana	सोमसुंदर (देवसुंदर का शिष्य)	,,
467	सेवामंदिर 3 इ 350	,, ,, स्तोत्र	,, ,, Stotra	—	,,
468	महावीर 3 इ 133	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
469	के.नाथ 10/92	,, स्तवन	Pārśva Stavana	मानविजय	,,
470	कुंथुनाथ 35/6	,, ,,	,, ,,	समरचंद्र	,,
471	,, 35/7	,, ,,	,, ,,	ब्रह्मर्षि	,,
472	के.नाथ 19/15	,, ,,	,, ,,	यशोविजय	,,
473	कोलड़ी 899	,, ,,	,, ,,	मतिहंस	,,
474	ओसियां 3इ 239	,, (व अन्य) ,,	,, ,, etc.	वल्लभसुंदर खुशालसुंदर	,,
475	कोलड़ी गुटका 11 6	,, ,,	,, ,,	—	,,
476	,, 907	,, (अंतरीक्ष) ,,	,, (Antarīkṣa) Stavana	भावविजय	,,
477	,, 324	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
478	के.नाथ 14/98	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
479	ओसियां 3 इ 214	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
480	सेवामंदिर गु 6 दे.	,, (गौड़ी) ,,	,, (Gauḍī) ,,	रंगविजय	,,
481	के.नाथ 26/86	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
482	के.नाथ 29/18	,, ,, ,,	,, ,, ,,	नेमविजय	,,
483	कोलड़ी 342	,, ,, ,,	,, ,, ,,	गंभीरविजय	,,
484	के.नाथ 26/70	,, ,, स्तवनादि	,, ,, Stavanādi	—	,,
485	कोलड़ी 297	,, ,, स्तवन	,, ,, Stavana	प्रीतविमल	,,
486	महावीर 3 इ 14	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
487-8	के.नाथ 5,118, 26/62	,, ,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, ,, 2 copies	,,	,,
489	ओसियां 3 इ 230	,, ,, ,,	,, ,, ,,	अनोपचंद (क्षमाप्रमोद)	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर तीर्थ भक्ति	सं.	1	25 × 11 × 11 × 30	संपूर्ण 2 स्तोत्र	18वीं	
,,	,,	1	23 × 11 × 8 × 27	,, 5 श्लोक	1863	
,,	,,	1	26 × 11 × 13 × 48	,, 25 श्लोक	17वीं	
,,	,,	3	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	12*	27 × 11 × 6 × 26	,,	1961	
तीर्थंकर भक्ति	मा.	3	26 × 11 × 14 × 46	संपूर्ण 51 गा.	19वीं	
,,	,,	3	26 × 10 × 10 × 36	,, 49 गा.	19वीं	
,,	,,	2	25 × 10 × 15 × 54	,, 32 गा.	19वीं	
,,	,,	2	26 × 12 × 12 × 44	,, 25 गा.	19वीं	
,,	,,	3	13 × 10 × 13 × 24	,,	19वीं	
,,	,,	6	25 × 10 × 10 × 36	अपूर्ण 14 स्तवन/पहले 6 पत्रे कम	1901 सुभट्टपुर सहजसुंदर	पत्रे 7 से 12 ही हैं।
,,	,,	गुटका	15 × 9 × 7 × 14	संपूर्ण 46 गाथा + कलश	19वीं	
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	,,	3	26 × 11 × 14 × 48	संपूर्ण	1812	
,,	,,	4	29 × 12 × 12 × 30	,,	1888	
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 54	,,	19वीं	
,,	,,	6	24 × 11 × 10 × 25	,, 51 गा.	18वीं	विजयदेव व प्रभसूरि दो गुरुभ्राता
,,	,,	13	14 × 11 × 12 × 18	संपूर्ण ग्रंथाग्र 129,16 ढालें	1841	
,,	,,	74*	13 × 12 × 10 × 10	अपूर्ण	1845	
,,	,,	2	21 × 34 × 23 × 35	संपूर्ण 16 डालें	1940	
,,	,,	3	26 × 11 × 20 × 54	,,	19वीं	
,,	,,	9	21 × 10 × 9 × 26	अपूर्ण	1840	
,,	,,	7	25 × 12 × 10 × 21	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	3	25 × 11 × 14 × 40	,, 56 छंद	19वीं	
,,	,,	3,4	25 × 11 × 11 × 48/36	,, 54 गा.	19वीं	
,,	,,	4	27 × 14 × 16 × 35	,, ग्रथाग्रं 140	1967 फलोदी लाभद	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2*	3	3 A	4	5
490	कुंथुनाथ 55/19	पार्श्व (तिंवरी) स्तवन	Pārśva (Tinvarī) Stavana	रत्नमुनि	प.
491-2	के.नाथ 23/77, 26/93	,, (देशंतरी) छंद 2 प्रतियां	,, (Deśantarī) Chanda 2 copies	लक्ष्मीवल्लभ	,,
493	कोलड़ी 941	पार्श्व (शंखेश्वर) स्तवन	,, (Śaṅkheśvara) Stavana	लब्धिरुचि	,,
494	ओसियां 3 इ 207	,, ,, ,,	,, ,, ,,	सिद्धसूरि	,,
495	कुंथुनाथ 39/3	,, ,, श्लोक	,, ,, Śloka	देवविजय	,,
496	महावीर 3 इ 24	,, ,, स्तवन	,, ,, Stavana	रत्नविजय	मू.बा. (प.ग.)
497	ओसियां 3 इ 220	,, ,, ,,	,, ,, ,,	उदयविजय	,,
498	के.नाथ 15/63	,, (स्तंभन) फाग	,, (Stambhana) Phāga	मेरुमनोहर मुनि	प.
499-500	के.नाथ 15/94, 18/16	,, ,, स्तवन 2 प्रतियां	,, ,, Stavana 2 copies	कुशललाभ	,,
501	ओसियां 3 इ 219	,, ,, स्तवन	,, ,, Stavana	,,	,,
502	के.नाथ 6/100	,, (स्वयंभू) ,,	,, (Svayambhū) Stavana	हर्षकुशल	,,
503	के.नाथ 26/92	,, (व अन्य) निशाणियां	Pārśva & other Niśāṇiyān	जिनहर्ष	,,
504	कुंथुनाथ 15/60	, निशाणी	,, Niśāṇī	,,	,,
505	ओसियां 3 इ 361	,, ,,	,, ,,	,,	,,
506	सेवामंदिर 3 इ 371	,, सिलोका (श्लोका)	,, Silokā	पंचोली जोरावरमल	,,
507	के.नाथ 29/5	,, ,, ,,	,, ,,	,,	,,
508	कोलड़ी गुटका 9/12	,, ,, ,,	,, ,,	—	,,
509	,, 11/13	पार्श्वनाथ फारसी छंद	Pārśvanātha Phārasī Chanda	—	पद्य
510	महावीर 3 इ 165	पुण्यप्रकाश-स्तवन	Puṇya Prakāśa Stavana	विनयविजय	प.
511	के.नाथ 26/85	पुष्पाञ्जली पंचमी व अन्य जयमालायें	Puṣpāñjalī Pañcamī etc.	माघनंदि	,,
512	के.नाथ 29/2	पूजा-संग्रह	Pūjā Saṅgraha	संकलन	,,
513	महावीर 3 आ 121	पैंतालीस आगम दोहे	45 Āgama Dohe	—	,,
514	ओसियां 3 इ 227	,, ,, पूजा	,, Pūjā	वीरविजय (शत्रुविजय शिष्य)	,,
515	के.नाथ 16/187	पैंतालीस आगमादि स्तवन	45 Āgamādi Stavana	धर्मसी पाठक	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	मा.	1	26 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण	17वीं	1686 की कृति
,,	,,	5,3	21 × 12 व 20 × 15	,, 39 गाथा	19/20वीं	
,,	,,	3	25 × 12 × 10 × 36	,, 32 गाथा	1865	
,,	,,	2	26 × 12 × 16 × 37	,, 2 पद 26 + 13 गाथा	1880 मेड़ता दौलतसुंदर	दूसरा छंद सरस्वती का है
,,	,,	गुटका	22 × 16 × 12 × 32	,, 40 गाथा	1913	
,, + तालिका	,,	44	32 × 16 × 25 × 44	संपूर्ण 4 ढालों का ग्रं. 3100	1919 महीदपुर धर्मसी	
,,	,,	4	24 × 11 × 16 × 47	संपूर्ण 135 छंद	20वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 10 × 35	,, 17 गाथा	17वीं	
,,	,,	4,3	25 × 10 व 25 × 12	,, 18 पद	19वीं	
,,	,,	4	25 × 12 × 10 × 32	सपूर्ण 35 गा.	1964	
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 40	संपूर्ण 2 स्तवन 38 + 33 गा.	1737	दूसरा स्तवन पंचतीर्थी का है।
तीर्थंकर गुरु भक्ति	,,	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	संपूर्ण 3 (पार्श्व की 112 छंद	1767	ग्रन्थ निशानी कुशलसूरि व एकादश का भाषा में पंजाबी का पुट
तीर्थंकर भक्ति	,,	3	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण 45 गाथा	19वीं	
,,	,,	6	20 × 10 × 9 × 28	,, 56 गाथा	20वीं	
,,	,,	3	24 × 11 × 13 × 52	,, 53 गाथा	1918	
,,	,,	2	13 × 10 × 19 × 42	,, 57 गागा	20वीं	
,,	,,	गुटका	15 × 10 × 9 × 17	अपूर्ण 48 गाथा	1885	
,,	फारसी	गुटका	20 × 13 × 14 × 27	संपूर्ण 6 छद	19वीं	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	5	25 × 12 × 14 × 34	,, 7 ढालें	1857 × लब्धि रुचि	
,,	सं.	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	संपूर्ण 3 जयमालायें 17 + 8 + 6 श्लो	19वीं	दिगम्बर आम्नाय
भक्ति काव्य	मा.	39	25 × 12 × 9 × 39	संपूर्ण 5 पूजायें (स्नात्र, 17 भेदी, 20 स्थान, अष्टप्रकारी पांचज्ञान	20वीं	क्रमशः देवचंद, साधुकीर्ति, विजयलक्ष्मी, ज्ञानसागर, रूपविजय
श्रुतशास्त्र कीर्तन	,,	3	27 × 12 —	संपूर्ण 45 दोहे	,,	
,, काव्य	,,	8	25 × 12 × 12 × 29	,, आठ पूजायें	1922 फलोदी विनयसुन्दर	
,, काव्य	,,	3	25 × 11 × 11 × 44	,, 5 पद	19वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
516	के.नाथ 18/57	प्रत्यंगिरा अंबिका स्तोत्र	Pratyangirā Ambikā Stotra	--	प.
517	मुनिसुव्रत 3 इ 247	प्रत्येक बुद्ध संलग्न गीत	Partyeka Buddha Saṁlagna Gīta	समयसुन्दर	,,
518	के नाथ 29/24	बत्तीस राग गीत	Battīsa Rāga Gīta	आनन्द	,,
519	कोलड़ी 906	बंभणवाड महावीर स्तवन	Bambhaṇavāḍa Mahāvīra Stavana	कमलकलश शिष्य	,,
520	सेवामंदिर 3 इ 377	,,	,,	,,	,,
521	के.नाथ 18/80	,,	,,	,,	,,
522	कोलड़ी 358	बारह व्रत की पूजा	Bāraha Vrata kī Pūjā	वीरविजय	,,
523	के.नाथ 15/158	बीस विहरमान स्तवन	Bīsa Viharamāna Stavana	जिनराजसूरि	,,
524-6	के.नाथ 5-90, 13-30,19-73	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
527	ओसियां 3 इ 200	,,	,,	,,	,,
528	महावीर 3 इ 16	,,	,,	जिनहर्ष	,,
529	ओसियां 3 इ 201	,,	,,	विनयचंद (ज्ञानतिलक शिष्य)	,,
530	कोलड़ी 298	,,	,,	3 यशोविजय	,,
531-2	के.नाथ 23/63गु. 13	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
533	कुंथुनाथ 43/11	,,	,,	जिनसागर	,,
534-5	महावीर 3 इ 32, 18	,, 2 प्रतियां	2 copies	देवचंद	,,
536	ओसियां 2/153	,, स्तवन	,,	,,	,,
537	के.नाथ 24/66	,,	,,	,,	प.
538-9	कोलड़ी 346-47	बीस स्थानक पूजा 2 प्रतियां	Bīsa Sthānaka Pūjā 2 copies	विजयलक्ष्मीसूरि	प.
540-1	के.नाथ 9/23, 15/140	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	प.
542	ओसियां 3 इ 184	बीस स्थानक व सतरभेदी पूजा	,, Sattarabhedī Pūjā	जिनहर्ष · साधुकीर्त्ति	प.
543	कोलड़ी 980	भक्तामर +वृत्ति	Bhaktāmara +Vṛtti	मानतुंग/अमरप्रभ	मू.वृ. (प.ग.)
544	कुंथुनाथ 55/18	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, विजयप्रभ	मू.वृ. (प.ग.)
545	सेवामंदिर 3 इ 329	,, +बा.	,, +Bālā.	,, —	मू.बा (प.ग.)
546	के.नाथ 22/72	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, गुणचंद्र शिष्य अभयदेव	मू.वृ. (प.ग.)

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
शासनदेवी भक्ति	सं.	2*	26 × 11 × 18 × 55	संपूर्ण	19वीं	
गुणकीर्त्तन वृत्तांत	मा	2	25 × 11 × 12 × 32	,, 29 गाथायें	1783 किसनाजी	
जिनभक्ति गीत 32 रागों पर	,,	1	25 × 11 × 23 × 72	,, 32 गीत	19वीं	
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	,,	3	24 × 11 × 10 × 34	,, 21 गा.	1770	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 44	,, ,	18वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 14 × 42	,, ,,	19वीं	
श्रावकव्रत भक्ति काव्य	,,	10	26 × 11 × 11 × 38	संपूर्ण	1902	
महाविदेह तीर्थंकर भक्ति	,,	6	26 × 11 × 13 × 34	,, 20+2 स्तवन	1688	
,,	,,	8,7,11*	25 × 11 × भिन्न 2	,, 20 स्तवन	19/20वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 13 × 47	,, 21 स्तवन	19वीं मुनि-लालचंद	
,,	,,	5	24 × 11 × 15 × 54	,, 20+1 स्तवन	1753 पाटन, जिनहर्ष	
,,	,,	7	25 × 12 × 15 × 45	,, 20 स्तवन	1754 कार्तिक शुक्ल 8	1754 की असल प्रति/प्रशस्ति है
,,	,,	5	27 × 12 × 14 × 45	,, 20 स्तवन ग्रं 200	19वीं	
,,	,,	5,11	27 × 14 व 14 × 11	,, 20 स्तवन	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 12 से 20 = अंतिम 9 तीर्थंकर	19वीं	
,,	,,	14,17	26 × 12 × 11/9 × 31	संपूर्ण 21/20 स्तवन	1833 पाली, 1887	
,,	,,	19*	25 × 12 × 12 × 35	,, 20 स्तवन	20वीं	
,,	,,	3	24 × 11 × 10 × 41	कपूर्ण 3 स्तवन मात्र	20वीं	
भक्ति काव्य	,,	10,18	27 × 12 व 24 × 12	संपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	6,12	25 × 11 व 27 × 13	,,	,,	
,,	,,	20*	27 × 11 × 15 × 38	,, 2 पूजायें	1940 बीकानेर वासुदेव	
ऋषभदेव भक्तिकाव्य	सं.	3	31 × 12 × 9 × 35	संपूर्ण 44 श्लोक की	1251	प्रति इतनी पुरानी लगती नहीं हैं
,,	,,	20	25 × 11 × 18 × 52	संपूर्ण केवल अंतिम पन्ना नहीं	16वीं	
,,	स.मा.	14	26 × 11 × 15 × 58	संपूर्ण 44 श्लोक का	16वीं	
,,	सं.	42	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 44 कथासह	16वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3		3 A		4		5
547	के.नाथ 21/78	भक्तामर	+अ.	Bhaktāmara	+Avacūri	मानतुंग		मू.अ. (प.ग.)
548	मुनिसुव्रत 3 इ 249	,,	+बा.	,,	+Bālā	,,		मू (प.)
549	कुंथुनाथ 55/22	,,	+बाला.	,,	—	,,	मेरुसुंदर	मू.बा.
550	मुनिसुव्रत 3 इ 348	,,	—	,,	—	,,		मू. (प.)
551	कोलड़ी 798	,,	+बा.	,,	+Bālā	,,	मेरुसुंदर	मू.बा.
552	कोलड़ी 466	,,	+वृ.	,,	+Vṛtti	,,	अमरप्रभ	मू.वृ.
553	के.नाथ 24/75	,,		,,		,,		मू. (प.)
554	,, 22/60	,,	+वृ.	,,	+Vṛtti	,,	क्षमाविजय	मू.वृ.
555	,, 26/93	,,	+बा.	,,	+Bālā	,,		मू.बा.
556	कोलड़ी 480	,,	+वृ.	,,	+Vṛtti	,,	अमरप्रभ	मू.वृ.
557	सेवामंदिर 3 इ 327	,,		,,		,,		मू.ट. (प.ग.)
558	ओसियां 3 इ 236	,,	+वृ.	,,	+Vṛtti	,,	—	मू.वृ.
559	के.नाथ 6/47	,,		,,		,,		मू (प.)
560	के.नाथ 13/47	,,	+अ.	,,	+Avacūri	,,	—	मू.अ
561	कोलड़ी 468	,,	+वृ.	,,	+Vṛtti	,,	अमरप्रभ	मू.वृ.
562	,, 465	,,		,,		,,		मू.ट. (प.ग.)
563	सेवामंदिर 3 इ 328	,,		,,		,,		,,
564	,, 3 इ 331	,,	+बा	,,	+Bālā	,,	—	मू.बा.
565	कोलड़ी 475	,,		,,		,,		मू.ट. (प.ग.)
566	महावीर 3 इ 71	,,	+वृ.	,,	+Vṛtti	,,	समयसुंदर	मू.वृ.
567	कोलड़ी 471	,,		,,		,,		मू.ट. (प.ग.)
568	के.नाथ 17/42	,,	+बा.	,,	+Bālā	,,	—	मू.बा.
569	मुनिसुव्रत 3 इ 250	,,	,,	,,	+ ,,	,,	—	,,
570	कोलड़ी 474	,,		,,		,,		मू.ट. (प.ग.)
571	,, 473	,,	+बा.	,,	+Bālā	,,	मेरुसुंदर	मू.बा.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभदेव भक्ति काव्य	सं.	8	26 × 12 × 6 × 30	संपूर्ण 44 श्लोक की	1655	
,,	,,	4	23 × 11 × 11 × 32	,, 44 श्लोक की	1670 राजधर	
,,	सं.मा.	19	25 × 11 × 12 × 42	,, 44 श्लोक+28 कथा	17वीं काल्या-द्रह, कनकमेरु	
,,	सं.	9	25 × 12 × 10 × 30	संपूर्ण 44 श्लोक	1718	साथ में 'कल्याण मंदिर मूल'
,,	सं.मा.	8	26 × 11 × 21 × 58	,, ,, +28 कथा	1720	
,,	सं.	10	26 × 11 × 15 × 42	,, 44 श्लोक	1744 सिरोही	
,,	,,	3	26 × 11 × 15 × 45	,, ,,	1747	साथ में 2 स्तवन
,,	,,	18	27 × 12 × 3 × 39	,, ,,	1763	
,,	सं.मा.	24	20 × 15 × 26 × 19	,,	1793	
,,	सं.	10	25 × 11 × 23 × 60	,,	1799	साथ में 'कल्याण मंदिर' सटीक
,,	सं.मा	11	25 × 11 × 3 × 37	,, 43 श्लोक अंतिम पन्ना कम	18वीं	
,,	सं.	9	25 × 11 × 13 × 47	अपूर्ण 14 से 44 तक	18वीं	
,,	,,	4	25 × 10 × 11 × 37	संपूर्ण 44 श्लोक	18वीं	
,,	,,	5	23 × 11 × 14 × 46	,, ,,	18वीं	
,,	,,	7	26 × 11 × 4 × 50	,, ,, की	18वीं	
,,	सं.मा.	8	26 × 10 × 5 × 40	,, ,, का	18वीं	
,,	,,	14	21 × 12 × 3 × 33	अपूर्ण 21 से 24	1806	
,,	,,	40	25 × 12 × 12 × 28	संपूर्ण 44 श्लोक	1816 जोगनी-पुर राजसुंदर	
,,	,,	8	26 × 11 × 4 × 46	,, ,,	1822	
,,	सं.	17	21 × 11 × 13 × 33	,, ,,	1823 अजीमगंज	वृत्तिसुबोधिका-नाम्नी
,,	सं मा.	8	25 × 11 × 5 × 36	,, ,,	1833	
,,	,,	29	26 × 11 × 13 × 38	,, 46 श्लोक कथा सह	1835	
,,	,	10	25 × 12 × 18 × 43	,, 44 श्लोक	1836	
,,	,,	8	25 × 11 × 5 × 40	संपूर्ण	1842	
,,	,	15	25 × 11 × 15 × 45	,, 44 श्लोक कथा सह	1867	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2*	3	3 A	4	5
572	ओसियां 3 इ 168	भक्तामर +वृत्ति	Bhaktāmara +Vṛtti	मानतुङ्ग —	मू.वृ.
573	ओसियां 3 इ 182	,, +बा.	,, +Bāiā	,, —	मू.बा.
574	ओसियां 3 इ 180	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, हर्षकीर्त्ति	मू.वृ.
575	के.नाथ 21/30	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, शांतिसूरि	,,
576	,, 24/71	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, —	,,
577	के.नाथ 5/17	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, —	,,
578	के.नाथ 18/33	,, +अ.	,, +Avacūri	,, —	मू.अ.
579	कोलड़ी 467	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, अमरप्रभ	मू.वृ.
580	के.नाथ 14/8	,,	,,	,, —	मू.ट.
581	के.नाथ 5/29	,,	,,	,,	,,
582	ओसियां 3 इ 235	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,	मू.वृ.
583	महावीर 3 इ 76	,, ,,	,, +Vṛtti	,, —	,,
584	ओसियां 3 इ 169	,,	,,	,, —	मू.ट.
585-90	के.नाथ 5/78 10/84, 17/17 17/27, 21/65 23/21-1	,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,, —	मू.प.
591-93	कोलड़ी 470-6, 1124	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
594-99	कुंथुनाथ 3-78, 4-89, 9-116, 13-35, 32,5, 27-2	,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,
600-2	महावीर 3 इ 70, 73,75	भक्तामर भण्डारित काव्य 3 प्रतियां	Bhaktāmara Bhaṇḍārita Kāya 3 copies	,,	,,
603	के.नाथ 6/10	भक्तामर की वृत्ति	Bhaktāmara kī Vṛtti	—	ग.
604	सेवामंदिर 3 इ 330	,, ,,	,, ,,	कनककुशल	,,
605	कोलड़ी 464	भक्तामर की कथायें	Bhaktāmara kī Kathāyen	—	,,
606	कुंथुनाथ 11/201	भक्तामर-भाषा	,, Bhāṣā	हेमराज	प.
607	के.नाथ 26/86गु	भक्ति-पद	Bhakti Pada	विनोदीलाल	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभदेवभक्ति काव्य	सं.	17	25 × 12 × 12 × 26	संपूर्ण 44 श्लोक	1884कुचामण दौलतसुंदर	
,,	सं.मा.	23	26 × 12 × 23 × 55	,, 44 श्लोक कथासह	1887	
,,	सं.	15	24 × 11 × 13 × 49	,, 44 श्लोक	19वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 17 × 54	,, 44 श्लोक	19वीं	
,,	,,	9	25 × 12 × 13 × 31	अपूर्ण (24 श्लोक तक)	19वीं	
,,	,,	30	25 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण (41 श्लोक तक) कथासह	19वीं	पहिले दो पत्रे भी कम हैं
,,	,,	8	27 × 12 × 15 × 60	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	10	25 × 12 × 17 × 35	संपूर्ण	19वीं	
,,	सं.मा.	15	26 × 13 × 5 × 26	संपूर्ण 48 श्लोक	19वीं	
,,	,,	10	23 × 11 × 4 × 40	,, 44 श्लोक	19वीं	
,,	सं.	6	26 × 12 × 18 × 53	अपूर्ण (10वें श्लो. तक ही)	19वीं	
,,	,,	43	26 × 12 × 13 × 48	संपूर्ण 44 श्लोक 28 कथासह	20वीं	
,,	सं मा.	22	27 × 12 × 5 × 43	संपूर्ण 44 श्लोक	20वीं	
,,	सं	5,4,3, 9,66	24 से 31 × 11 से 15	प्रथम अपूर्ण शेष पूर्ण	19/20वीं	प्रथम में आवश्यक गाथा व द्वितीय में कल्याण मंदिर है।
,,	,,	9,5,2	24 से 27 × 12 से 13	अंतिम प्रति अपूर्ण शेष-पूर्ण	19वीं	
,,	,,	4,5,6, 8,3,9	15 से 29 × 11 से 14	सभी संपूर्ण	19/20वीं	अंतिमप्रतिमें कल्याण मंदिर नवतत्व व 24 दंडक हैं
,,	,,	4,4,2	14 × 9 व 27 × 12(2)	4 काव्य, अंतिम में अन्य भी	19/20वीं	अंतिम चन्द्रसूरि की सही प्रतिलिपि
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण ग्रं. 400	19वीं	
,,	,,	10	26 × 11 × 19 × 47	संपूर्ण ग्रं. 758	1714	1652 की कृति
औपदेशिक भक्ति कथायें	मा.	13	24 × 12 × 12 × 34	संपूर्ण 28 कथायें	1910	
भक्ति काव्य	हि.	गुटका	22 × 17 × विभिन्न	,, 49 छंद	19वीं	
,,	मा.	गुटका	13 × 12 × 10 × 10	,, 27 सवैये	1845	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
608	के.नाथ 11/64	भयहर-स्तोत्र	Bhayahara Stotra	मानतुङ्ग	प.
609	कुंथुनाथ 21/9	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
610	महावीर 3 इ 144	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	पार्श्वदेव	मू.वृ, (प.ग.)
611-2	मुनिसुव्रत 3 इ 246 323	मणिभद्रआदि स्तोत्र व छंद 2 प्रतियां	Maṇibhadrādi Stotra etc. 2 copies	—	पद्य
613-5	कोलड़ी 536A, 517,908	मणिभद्राष्टक वृत्ति व छंद 3 प्रतियां	Maṇibhadrādi Aṣṭaka etc 3 copies	(1 छंद शांतिसूरि 1 लालकुशल)	प.ग.
616	महावीर 3 इ 142	मणिभद्र भैरुपद	Maṇibhadra Bherupada	—	प.
617	के.नाथ 15/59	मनकमुनि सज्झाय व पार्श्व-स्तव	Manaka Muni Sajjhāya etc.	केशरधीर	,,
618	के. नाथ 26/84	महार्थ जयमाला	Mahārtha Jayamālā	—	,,
619	के.नाथ 5/41	महावीरचरियंस्तोत्र + वृत्ति	Mahāvīra Cariyam—Vṛtti	जिनवल्लभ/साधु-सोमगणि	मू.वृ. (प.ग.)
620	कोलड़ी 541	,, +वृत्ति	Mahāvīra Cariyam—Vṛtti	,, ,,	,,
621	मुनिसुव्रत 4 अ 125	,, —	,, —	,,	मू.ट. (प.ग.)
622	महावीर 4 अ 27	,, +वृत्ति	,, —Vṛtti	,, /—	मू—वृ(प.ग.
623	,, ?	,, +वृत्ति	,, —Vṛtti	जिनवल्लभ साधु-सोमगणि	,,
624	के.नाथ 15/33	महावीरचरियंस्तोत्र	Mahāvīra Cariyam Stotra	जिनवल्लभ	मू.प.
625	कुंथुनाथ 23/10	महावीर चरिय स्तोत्र+बा.	,, —Bālā	,, /—	मू.बा.
626-7	के नाथ 15/93-230	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	मू प.
628	,, 29/21	महावीरद्वात्रिंशिका	Mahāvīra Dvātriṁśikā	सिद्धसेन	प.
629	सेवामंदिर 3 इ 350	महावीरनाम-संग्रह	,, Nāma Saṅgraha	—	,,
630	के.नाथ 10/97	महावीरसम संस्कृतस्तव +बा.	Mahāvīra Sama Saṁskṛta Stava	जिनवल्लभ	मू.बा.
631	मुनिसुव्रत 3 इ 284	,,	,,	,,	मू.प.
632	के.नाथ 29/50	,,	,,	,,	,,
633	,, 11/57	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
634	,, 23/75	,,	,,	,,	मू.प.
635	,, 22/44	,, +वृत्ति	,, —Vṛtti	जिनवल्लभ/जयसागर	मू.वृ.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	प्रा.	2*	26 × 11 × 13 × 49	संपूर्ण 25 गाथा	16वीं	
,,	प्रा.मा.	2	23 × 10 × 6 × 40	,, 23 गाथा	1656	
,,	प्रा.सं.	15	25 × 13 × 18 × 40	,, 21 गाथा	20वीं	
देवी-देवताओं की स्तुति	सं.मा.	6,1	23 × 10 व 25 × 11	संपूर्ण 5 स्तोत्र + 21 गाथा का छंद	19वीं जोधपुर धनसागर व ईश्वर	
मणिभद्रदेव स्तुति	,,	4,2,3,	27 से 31 × 11 से 12	संपूर्ण 3 छंद व 1 अष्टक वृत्ति	19/20वीं	
,,	मा.	2	20 × 12 × 8 × 16	संपूर्ण 2 पद 11 + 8 गा	20वीं	
भक्तिस्वाध्याय	,,	3*	21 × 10 × 11 × 31	संपूर्ण 2 पद	19वीं	
भक्ति	सं.	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	,, 53 श्लोक	19वीं	दिगम्बर आम्नाय
भक्तिमय चरित्र कीर्त्तन	प्रा.सं.	9	26 × 11 × 16 × 57	,, 44 गाथा	16वीं	सोमगणि के गुरु जिनभद्र
,,	,,	11	32 × 11 × 17 × 54	,, 44 गाथा	1700	
,,	प्रा.मा.	5	26 × 11 × 5 × 41	,, 44 गाथा	1762 मेदनीपुर हरीदास	
,,	प्रा.सं,	35*	27 × 11 × 15 × 45	,, 44 गाथा	1531 अमदाबाद धर्मसेन	चरित्रपंचके
,,	,,	40*	25 × 11 × 14 × 50	,, 44 गाथा	1662	पन्ने 12 (19 से 30 तक)
,,	प्रा.	2	22 × 11 × 14 × 31	,, 44 गाथा	1806	
,,	प्रा.मा.	7	27 × 12 × 15 × 70	संपूर्ण अंतिम पन्ना कम 3 लकीरों का	19वीं	
,,	प्रा.	2,2	26 × 12 व 24 × 10	संपूर्ण 44 गाथा	19वीं	
तीर्थंकर भक्ति	सं.	1	25 × 11 × 16 × 43	संपूर्ण 32 श्लोक	19वीं	
,,	,,	6	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 29 श्लोक	18वीं	
,,	सं.मा.	14	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 30 श्लोक	15वीं	
,,	सं.	2	25 × 10 × 11 × 45	,, 30 श्लोक	16वीं	
,,	,,	2	25 × 10 × 11 × 48	,, 30 श्लोक	16वीं	
,,	सं.मा.	5	25 × 11 × 5 × 43	,, 30 श्लोक	16वीं	
,,	सं.	6*	26 × 11 × 12 × 41	अपूर्ण 10 से 30 श्लोक	1626	
,,	,,	9	26 × 11 × 15 × 49	संपूर्ण 30 श्लोक	1697	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
636	के.नाथ 23/47	महावीरसमसंस्कृत स्तव+अव.	Mahāvīra Sama Saṁskṛta Avacūri	जिनवल्लभ/ —	मू.अ.
637	सेवामंदिर 3 इ 378	,,	,,	जिनवल्लभ	मू.प.
638	के नाथ 15/234	,,	,,	,,	,,
639	के.नाथ 15/66	,,	,,	,,	,,
640	के.नाथ 29/53	महावीरस्तवन +वृत्ति	Mahāvīra Stavana+Vṛtti	पादलिप्त/अमरकीर्त्ति (मानकीर्त्ति का शिष्य)	मू वृ. (प.ग.
641	के.नाथ 26/103गु.	महावीरस्तवन (2)	,, (2)	अभयदेव+जिनवल्लभ	मू.प.
642	के.नाथ 19/46	,,	,,	अभयदेव	,,
643	महावीर 3 इ 44	,,	,,	,,	,,
644	कुंथुनाथ 9/119	,,	,,	विजयदेव	,,
645	के.नाथ 15/212	,,	,,	अज्ञात	,,
646	सेवामदिर गुटका 3 ति	महावीर (26 द्वार 34 अतिशय) स्तवन	Mahāvīra (26 Dvāra 34 Atiśaya) Stavana	पार्श्वचन्द	प.
647	कोलड़ी 296	,, (5 कल्याणक) स्तवन	Mahāvīra (5 Kalyāṇaka)	सकलचंद (हीरविजय शिष्य)	,,
648	कुंथुनाथ 44/6	महावीरस्तवन	Mahāvīra Stavana	जिनदास	,,
649	के.नाथ 5/12	,,	,,	लक्ष्मण	,,
650	,, 14/118	,,	,,	प्रमोदसूरि	,,
651	,, 19/85	,,	,,	विजयदेवसूरि	,,
652	ओसियां 3 इ 192	,,	,,	लक्ष्मीसूरि	,,
653	महावीर 3 इ 31	,,	,,	रामविजय (विमलविजय शिष्य)	,,
654	के नाथ गु. 14	,,	,,	वा. विनयविजय	,,
655	,, 10/63	,,	,,	वा यशोविजय	,,
656	मुनिसुव्रत 3 इ 323	महासंत सती कुल सज्झाय	Mahāsanta Satī Kula Sajjhāya	—	,,
657	,, 3 इ 323	मुख-वंदनदर्पण +वृत्ति	Mukhavandana Darpaṇa +Vṛtti	--	मू.वृ. (प.ग.)
658	के.नाथ 26/21	मुनिमालिका	Munimālikā	चारित्रसिंह	प.
659	कोलड़ी 275	,,	,,	,,	प.
660	के नाथ गुटका 1	यादवों की धमाल	Yādavon kī Dhamāla	राजहर्ष	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति	सं.	6	26 × 11 × 4 × 43	संपूर्ण 30 श्लोक	1714	
,,	,,	9	24 × 10 × 10 × 44	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	2	22 × 11 × 15 × 36	संपूर्ण 30 श्लोक	1806	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 37	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.सं.	2*	22 × 10 × 15 × 52	,, 6 गाथा	1686	
,,	,,	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण (22 गाथा व 39 श्लोक	18वीं	(जिनवल्लभ का समसंस्कृत)
,,	प्रा.	4*	25 × 11 × 13 × 35	संपूर्ण 22 गाथा	1806	
,,	,,	2	26 × 12 × 13 × 35	,, ,,	19वीं	साथ में लघु शांति
,,	सं.	1	27 × 13 × 14 × 42	,, 23 श्लोक	19वीं	
,,	प्रा.	1	26 × 12 × 13 × 50	संपूर्ण 21 गा.	20वीं	
,,	मा.	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	,, 94+24 गाथा	1650	
,,	,,	4	27 × 11 × 11 × 37	,, 3 ढालें = 66 गा.	17वीं	
,,	,,	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	,, 38 गा.	17वीं	
,,	,,	5	26 × 10 × 13 × 34	,, 98 गा.	1744	
,,	,,	3	27 × 12 × 12 × 42	,, 48 गा.	19वीं	
,,	,,	8	28 × 14 × 18 × 42	,, 121 गा.	19वीं	
रत्नत्रयमयी भक्ति	,,	3	27 × 12 × 18 × 52	,, 8 ढालें	19वीं, पादलिप्त तीर्थ, रत्नचंद्र	
तीर्थंकर भक्ति	,,	5	26 × 13 × 12 × 26	,, 52 छंद	19वीं	
,,	,,	10	16 × 14 × 11 × 18	,, 8 ढालें	19वीं	
,,	,,	4	27 × 13 × 17 × 28	,, 6 ढालें	1917	
साधुभक्ति स्मरण	प्रा.	1	26 × 11 × 14 × 33	संपूर्ण 13 गा.	19वीं	
भक्ति	सं.	1	25 × 11 × 14 × 48	संपूर्ण	19वीं	
साधुवंदना भक्ति	मा.	5	26 × 13 × 10 × 30	,, 37 गा	19वीं	
,,	,,	3	26 × 12 × 13 × 40	,, 34 ,,	19वीं	
कृष्णरानीहोलीभक्ति	,,	2	22 × 19 × 22 × 32	संपूर्ण 60 गा.	1814	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
661	ओसियां 3 इ 351	रत्नप्रभसूरि-स्तोत्र	Ratnaprabhasūri Stotra	—	प.
662	महावीर 3 इ 157	रत्नसागर ग्रन्थ	Ratnasāgara Grantha	संकलन	प ग.
663	कोलड़ी 540	रत्नाकर पंचविंशतिका	Ratnākara Pañcaviṁśatikā	रत्नाकरसूरि	मू.ट. (प.ग)
664	के.नाथ 26/61	राजुल-पच्चीसी	Rājula Paccīsī	लालचंद	प.
665	कुंथुनाथ 55/26	राणपुर मंडन ऋषभ-स्तवन	Rāṇapura Maṇḍana Ṛṣabha Stavana	नयमुद (भावसुंदर शिष्य)	,,
666	ओसियां 3 इ 215	रोहिणी स्तुति आदि	Rohiṇī Stuti etc.	चन्द्रसूरि	,,
667	के.नाथ 11/50	लघु अजितशांति वृत्तिसह	Laghu Ajita Śānti with Vṛtti	जिनवल्लभ/धर्मतिलक	मू.+वृ.
668	महावीर 3 आ 48	लघु नमस्कार चक्रम्	Laghu Namaskāra Cakram	—	पद्य
669	ओसियां 2/152	लघु नवकार फल	Laghu Navakāra Phala	—	,,
670	कुंथुनाथ 4/105	लघु शांति	Laghu Śānti	मानदेव	,,
671	महावीर 3 इ 47	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	मानदेव धर्म प्रमोदगणि	मू.वृ. (प.ग.)
672	के.नाथ 15/190	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, —	,,
673	कुंथुनाथ 15/1	,, +बा	,, +Bālā.	,, लाभविजय	मू.बा. (प.ग.)
674-78	कुंथुनाथ 2/8, 15/62, 21/10 26 10, 26/11	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,, —	मू.प.
679-80	के.नाथ 6-93 15/205	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
681	महावीर 3 इ 155	लघु शांति की वृत्ति	,, kī Vṛtti	हर्षकीर्त्ति	ग.
682	कुंथुनाथ 44/5	लघु सहस्रनाम-स्तोत्र	Laghu Sahasra Nāma Stotra	भद्रबाहु	प.
683	सेवामंदिर 3 इ 345	,,	,, ,,	—	,,
684	कुंथुनाथ 36/1	लघु स्वयंभू स्तोत्र	Laghu Svayambhū Stotra	देवनंदी	,,
685	कोलड़ी 420	वर्षीतप-स्तवन	Varṣi Tapa Stavana	रूपऋषि	,,
686	के.नाथ 6/128	विज्ञप्ति द्वात्रिंशिका	Vijñapti Dvātriṁśikā	रूपचंद	,,
687	कुंथुनाथ 36/1क्रम 14	विषापहार स्तव समग्र	Viṣāpahāra Stava Samagra	सुमुखोनसुरि	,,
688	के.नाथ 26/25	,, स्तवन	,, Stavana	अचलकीर्त्ति	,,
689	महावीर 3 इ 39	,, ,,	,, ,,	—	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
गुरुभक्ति	सं.	93*	25 × 11 × 13 × 36	संपूर्ण	1755	
जैन भक्ति काव्य-संग्रह	प्रा.सं.मा.	484	26 × 15 × 20 × 12	,,	1945	
सर्वजिनभक्ति	सं.मा.	5	38 × 12 × 10 × 32	,, 25 श्लोक	19वीं	
भक्तिमय गीत	मा.	6	22 × 12 × 10 × 29	,,	19वीं	
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	,,	1	26 × 11 × 14 × 35	,, 17 गाथा	17वीं	
जैन भक्ति काव्य	,,	4	24 × 11 × 11 × 32	,, 9 स्तुतियें	1902 फलोदी. पं हुसा	
भक्ति काव्य	प्रा.सं.	14	25 × 10 × 15 × 54	संपूर्ण 17 गाथा की ग्रं. 320	16वीं	
जैन भक्ति मंत्र	सं.	40*	25 × 11 × 14 × 50	संपूर्ण 117 श्लोक	1962	
भक्तिफल	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 23 गाथा	16वीं	
भक्ति स्तोत्र	सं.	1	24 × 11 × 11 × 40	,, 19 श्लोक	16वीं	
,,	,,	14*	25 × 12 × 13 × 35	,, 19 श्लोक	19वीं	
,,	,,	4	26 × 11 × 13 × 35	अपूर्ण 13 श्लोक तक	19वीं	
,,	सं.मा.	4	25 × 10 × 4 × 32	संपूर्ण 17 श्लोक	17वीं	
,,	सं.	2,2,2, 1,1	22 से 26 × 9 से 12	,, 17/18/21 श्लोक	20वीं	
,,	,,	2,1	25 × 12 व 25 × 11	,, 19/19 श्लोक	20वीं	
,,	,,	3	27 × 14 × 15 × 48	संपूर्ण	1928	
भक्ति नाम स्मरण	,,	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	संपूर्ण 41 श्लोक	18वीं	
,,	,,	1	23 × 10 × 21 × 72	,, 39 श्लोक	1667 × मालचंद	
भक्ति स्तोत्र	,,	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 25 श्लोक	1544	
भक्ति गीत	मा.	3	29 × 11 × 10 × 40	संपूर्ण 4 ढालें	19वीं	
,,	सं.	2	26 × 10 × 13 × 44	संपूर्ण 32 श्लो. + 3तीर्थंकर ऋ.शा.नेमी,स्तवन 5-5 श्लोक के	19वीं	
,,	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 40 श्लोक	1544	
भक्ति काव्य	मा.	2	25 × 13 × 17 × 29	,, 41 गाथा	19/वीं	
,,	मा.सा.	4	26 × 13 × 14 × 43	संपूर्ण 40 गाथा + 4स्तवन	20वीं	दो स्तवन संस्कृत में

For Private and Personal Use Only

1	2*	3	3 A	4	5
690	के.नाथ 18/17	वीतराग-वंदना	Vītarāga Vandanā	—	प.
691	,, 11/84	वीतराग-स्तोत्र सावचूरी	Vītarāga Stotra with Avacūri	हेमचन्द्राचार्य/प्रभानंद	मू.अ. (प.ग.)
692	मुनिसुव्रत 3 इ 309	,, —	,,	हेमचन्द्राचार्य	मू. (प.)
693	ओसियां 2/154	,,	,,	,,	मू (प.)
694	के.नाथ 21/12	,,	,,	,,	मू. (प)
695	,, 10/23	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /—	मू वृ. (प.ग.)
696	,, 29/42	वीतराग स्तोत्र की अवचूरी	Vītarāga Stotra kī Avacūri	—	ग.
697	ओसियां 3 इ 232	वृहत्नवकार नमस्कार	Vṛhat Navakāra	जिनवल्लभ	प.
698	के नाथ 11/101	,,	,,	,,	,,
699	के.नाथ 26/103गु	वृहत्नवकार+नमस्कार माहात्म्य	Vṛhat Navakāra etc.	—	,,
700	मुनिसुव्रत 3 इ 273	वृहत्शान्ति	Vṛhat Śānti	—	प.ग.
701	के.नाथ 15/24	,,	,,	—	,,
702-3	,, 14/125, 23/78	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
704	महावीर 3 इ 45	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—/हर्षकीति (चंद्रकीत्ति का शिष्य)	मू.वृ.
705-6	कुंथुनाथ 2/3,21/8	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	प.ग.
707-8	कोलड़ी 463,462	वृहत्शांति की टीका 2 प्रतियां	,, kī Tikā 2 copies	हर्षकीर्त्ति	ग.
709-10	महावीर 3 इ 139-40	शक्रस्तव 2 प्रतियां	Śakrastava 2 copice	सिद्धसेन	,,
711	कोलड़ी 414	शत्रुञ्जय खमासरणा व दोहे	Śatruñjaya Khamāsaṇā +Dohe	—	प.ग.
712	के नाथ 23/92	,, खमासरणा	,,	—	,,
713	,, 18/90	,, खमासरणा+दोहे	,, ,,	पुण्यमहोदय (कल्याण सागर शिष्य	,,
714	सेवामंदिर 3 इ 345	शत्रुञ्जयनामकहा	Śatruñjaya Nāmakahā	—	,,
715	के.नाथ 23/79	शत्रुञ्जय-स्तवन	,, Stavana	प्रेमविजय+शुभवीर	प.
716	,, गुटका-1	,,	,,	आनंदनिधान	,,
717	,, 23/86	,,	,,	प्रेमविजय	,,
718	महावीर 3 इ 22	,,	,,	देवचंद	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा.	3	23 × 11 × 7 × 36	संपूर्ण 11 पद	1900	
,,	सं.	6	26 × 11 × 16 × 40	,, 20 प्रकाश	1505	
,,	,,	3	25 × 10 × 22 × 57	,, ,,	16वीं	
,,	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, ,, 187 श्लोक	16वीं	
,,	,,	5	26 × 11 × 15 × 43	,, ,,	17वीं	
,,	,,	11	25 × 12 × 16 × 42	अपूर्ण 12वें प्रकाश तक	19वीं	
,,	,,	9	26 × 11 × 15 × 60	,, ,,	16वीं	
भक्ति मंत्र	अपभ्रंश	2	25 × 11 × 11 × 31	संपूर्ण 27 पद	1898	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × 34	,, 13 पद	19वीं	
भक्ति मंत्र व फल	सं.	3	25 × 12 × 20 × 56	दोनों अपूर्ण (2 प्रकाश 18 श्लोक)	18वीं	
भक्ति स्तोत्र	,,	2	25 × 10 × 13 × 46	संपूर्ण	16वीं	(संक्षिप्त पाठ)
,,	,,	3	25 × 10 × 11 × 34	,,	1681	
,,	,,	3,6	25 × 12 व 31 × 11	,,	19वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 18 × 50	,,	1950	
,,	,	2,3	25 × 11 व 25 × 12	,,	19/20वीं	
,, व्याख्या	,,	7,6	22 × 11 व 24 × 13	,,	,,	
भक्ति मंत्र स्तोत्र	,,	5,8	27 × 14 व 28 × 14	,,	19वीं अजमेर नरेन्द्र	(नमुत्थुण से भिन्न)
भक्ति पद पाठ	मा.	11	25 × 12 × 10 × 30	,, 97 नाम + 114 दोहे	19वीं	
,,	,,	3	26 × 13 × 15 × 43	संपूर्ण	,,	
,,	,,	9	22 × 12 × 14 × 33	,, 96 नमस्कार + 113 दोहे	,,	
तीर्थ भक्ति नाम	प्रा.सं.मा.	6	27 × 13 × 12 × 35	संपूर्ण ग्रंथाग्र. 160	1950 अमरदत्त मेवाड़ा	
भक्ति गीत सामान्य	मा.	11	23 × 12 × 10 × 23	,, दो स्तवन 41 गा + 12 ढाल	1953	
तीर्थ माहात्म्य गीत	,,	3	22 × 11 × 22 × 32	संपूर्ण 45 छंद	1814	
,,	,,	4	24 × 14 × 13 × 24	संपूर्ण + ढंढणऋषि सज्झाय	19वीं	
तीर्थ गीत व वर्णन	,,	12	25 × 12 × 10 × 31	,, 34 + 64 गाथायें	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
719	मुनिसुव्रत 4 इ 323	शत्रुञ्जय-स्तुति	Śatruñjaya Stuti	—	प.
720	के.नाथ 26/85	शांतिनाथ अष्टक व जय-मालायें	Śāntinātha Aṣṭaka etc.	—	,,
721	,, 15/95	शांतिनाथ-नेमिपार्श्व-स्तोत्र	,, & other Stotras	जिनवल्लभ	,,
722	महावीर 3 इ 355	शांतिनाथ-महावीर-स्तुति	,, & Mahāvīra Stuti	—	,,
723	सेवामंदिर 3 इ 350	शांतिनाथ-स्तवनानि	,, Stavanāni	राजसूरि व अन्य	,,
724	कुंथुनाथ 36/1 क्र. 41,5	,,	,, ,,	पद्मनंदि व अन्य	,,
725	,, 18/1	शांतिनाथ स्तवन	Śāntinātha Stavana	रूडऋषि	,,
726	मुनिसुव्रत 3 इ 272	,,	,,	—	,,
727	ओसियां 3 इ 212	,,	,,	यशोविजय	,,
728	के.नाथ 15/35	,,	,,	कनकसोम	,,
729	,, 15/68	शीतलनाथ-स्तवन	Śītalanātha Stavana	सहजकीर्त्ति	,,
730	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 54	श्रुत-देवतास्तुति	Śrutadevatā Stuti	पद्मनंदि	,,
731-2	,, 10/165, 13/218	श्लोक संग्रह प्रार्थना के 2 प्रतियां	Śloka Saṅgraha 2 copies	संकलन	,,
733	महावीर 3 इ 26	षडावश्यक-स्तवन	Ṣaḍāvaśyaka Stavana	नयविजय	,,
734	मुनिसुव्रत 3 इ 269	सकलकुशलवल्ली चैत्यवंदन	Sakalakuśalavallī Caitya-vandana	—	मू.ट. (प.ग.)
735	ओसियां 3 इ 228	,, +बा.	,, +Bālā.	—	मू.बा. (प.ग.)
736	,, 3 इ 187	सकलार्हत्	Sakalārhat	हेमचंद्र/नयविमल	मू.ट. (प.ग.)
737	मुनिसुव्रत 3 इ 319	,, व शांति स्तोत्र आदि	,,	संकलन	पद्य
738-40	कोलड़ी 539, 482-3	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	हेमचन्द्राचार्य	प.
741	कोलड़ी 444	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /कनककुशल	मू.वृ. (प.ग.)
742	महावीर 3 इ 3	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, / ,,	,,
743	सेवामंदिर 3 इ 345	,, —	,, —	वीरभद्र/हेमचन्द्र	प.
744	ओसियां 3 इ 176	,,	,,	,, —	,,
745	महावीर 3 इ 57	सज्झाय-संग्रह	Sajjhāya Saṅgraha	क्षमाकल्याण	,,
746	सेवामंदिर 3 इ 370	सती-सज्झाय	Satī Sajjhāya	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ भक्ति	सं.	1	25 × 11 × 17 × 52	संपूर्ण 9 श्लोक + 2 पद	19वीं × तखत सागर	
तीर्थंकर भक्ति	,,	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	संपूर्ण 8,9,9, श्लोक	19वीं	
,,	प्रा.	5*	26 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण 3 स्तोत्र (33 + 15 + 15) गा.	17वीं	
,,	सं.	1	27 × 13 × 20 × 29	संपूर्ण 4-4 श्लोक की	19वीं	
,,	,,	6	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 27 श्लो. द्वितीय-पूर्ण 5 श्लोक	18वीं	
,,	,,	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 2 (11 + 9 श्लोक)	1544	
,,	मा.	4	25 × 11 × 11 × 33	संपूर्ण 69 छंद	16वीं	
,,	,,	2	24 × 10 × 13 × 41	,, 30 गा.	1696 बीकनयर	
,,	,,	3	24 × 11 × 12 × 39	,, 6 ढालें	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 31	,, 29 गाथा	19वीं	
,,	प्रा.	2*	26 × 11 × 14 × 43	,, 15 गाथा	18वीं	
ज्ञानदेवी की भक्ति	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 31 श्लोक	1544	
प्रार्थना के श्लोक	प्रा.स.मा	2,3	22 × 12 व 23 × 11	प्रतिपूर्ण	19वीं	
आवश्यक भक्तिकाव्य	मा.	3	27 × 13 × 12 × 37	संपूर्ण 6 ढालें	1914	
भक्ति स्तोत्र	स.मा.	2	22 × 9 × 4 × 40	,, 7 श्लोक	19वीं	
,,	,,	2	25 × 12 × 12 × 28	,,	,,	
,,	,,	5	26 × 12 × 4 × 32	,, 28 श्लोक	1763	मूल हेमचन्द्राचार्य का है।
,,	सं.	4	24 × 10 × 12 × 37	कुल 5 स्तोत्र (सामान्य)	1840 नागौर, ईश्वरसागर	
,,	,,	2,3,3	26 से 30 × 11 से 13	संपूर्ण 36 श्लो. 27 27	19वीं	
,,	,,	10	27 × 13 × 11 × 49	,, 26 श्लोक की	1903	
,,	,,	7	28 × 12 × 12 × 54	,, 28 श्लोक ग्रं. 282	1942 जयपुर देवकृष्ण	व्याख्या 26 श्लोक तक ही
,,	,,	2	21 × 10 × 11 × 21	,, 30 श्लोक	20वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 32	,, 31 श्लोक	,,	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	14	25 × 13 × 10 × 24	,, 16 गीत	,,	
सती गुण कीर्तन	,,	2	24 × 11 × 11 × 44	,, 29 गा.	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2*	3	3 A	4	5
748-9	के.नाथ 14/115, 21/79, 6/102	सत्तरभेदी पूजा 3 प्रतियां	Sattarabhedī Pūjā 3 copies	साधुकीर्त्ति	प.
750-1	कोलड़ी 357,952	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
752-3	,, 345,344	,, 2 प्रतियां	, 2 copies	सकलचन्द्र	,,
754	ओसियां 3 इ 184	,,	,,	—	,,
755	कुंथुनाथ 15/10	सत्तरभेद पूजा प्रबन्ध	Sattarabheda Pūjā Prabandha	समरचंद	,,
756	,, 15/59	सत्तरभेदी पूजा विचार स्तवन	Sattarabhedī Pūjā Vicāra Stavana	पासचंद	,,
757	के.नाथ 10/52	सप्तदश प्रकार पूजा	Saptadaśa Prakāra Pūjā	—	ग.प.
758	महावीर 3 इ 37	सप्तस्मरण वृत्तिसह	Saptasmaraṇa with Vṛtti	भिन्न 2 आचार्य	मू.वृ.
759	के.नाथ 5/9	,, +बा.	,, +Bālā	,,	मू बा. (प.ग.)
760	ओसियां 2/152	,, व स्तवन	,, & S a an ı	,,	मू.प.
761	के नाथ 15/124	,,	,,	,,	मू.
762	कुंथुनाथ 29/13	,,	,,	,,	,,
763	के.नाथ 15/91	,,	,,	,,	,,
764	के.नाथ 5/34	,,	,,	,,	,,
765	सेवामंदिर 3 इ 338	,, वृत्तिसह	,, with Vṛtti	,,	मू.वृ.
766	मुनिसुव्रत 3 इ 251	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
767	कोलड़ी 1111	,,	,,	,,	मू.
768	,, 454	,, वृत्तिसह	,, with Vṛtti	,,	मू.वृ.
769	सेवामंदिर 3 इ 339	,, +बा.	,, +Bālā.	,,	मू ट बा.
770	ओसियां 3 इ 362	,,	,,	,,	मू.ट.
771-3	महावीर 3 इ 34, 36,35	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	मू.
774-8	के.नाथ 11/65, 20/40, 24/57, 26/101, 16/11	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,,	,,
779	कोलड़ी 460	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा	10,10,3	21 से 26 × 9 से 13	दो में 17 पूजायें, तीसरी में 6 ही	19वीं	
,,	,,	10,2	25 से 11 व 27 से 12	दोनों पूर्ण	,,	
,,	,,	13,21	26 × 12 व 26 × 13	,,	,,	
,,	,,	20*	27 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण	1940	
पूजाकार व 17 प्रकार का विवेचन	,,	5	26 × 11 × 13 × 49	,, 24 पद्यानुच्छेद	19वीं	
भक्ति (पूजा विधान)	,,	2	25 × 11 × 13 × 42	,, 29 गाथा	,,	
भक्ति काव्य व विधि	सं.	2	26 × 12 × 13 × 42	संपूर्ण	,,	दिगम्बर आम्नाय
भक्ति स्तोत्र	प्रा.सं.	34	25 × 9 × 13 × 49	छठे स्मरण की नहीं बाकी छः है।	16वीं	
,,	प्रा.मा.	26	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण	16वीं	
,, आदि	प्रा.सं.	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण	16वीं	
,,	प्रा.	7	25 × 10 × 12 × 48	,,	16वीं	
,,	,,	7	26 × 10 × 13 × 40	त्रुटक	16वीं	
,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण	1868	
,,	,,	10	25 × 11 × 11 × 34	,,	17वीं	
,,	प्रा.सं.	32	27 × 12 × 13 × 45	अपूर्ण-1 व 6 नहीं 2 व 7 अधूरे	17वीं	
,,	प्रा.मा.	9	23 × 11 × 6 × 38	4 व 5 नहीं बाकी 5 स्मरण	1753, काणाणा विद्याविशाल	
,,	प्रा.	7	26 × 10 × 13 × 42	छठा अधूरा व सातवां नहीं	18वीं	
,,	प्रा सं.	51	26 × 11 × 11 × 44	पांच स्मरण व तीन अन्य	*18वीं	(2 शांति 1 भक्तामर साथ में)
,,	प्रा मा	26	21 × 12 × 5 × 31	,,	1851 जोधपुर भीमराज	
,,	,,	23	24 × 12 × 5 × 30	संपूर्ण	1880	
,,	प्रा.	17,28, 12	24 से 26 × 12 से 13	,,	19/20वीं	
,,	,,	9,10 14,11, 17	25 से 26 × 11 से 13	चार पूरी और अन्तिम अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	13	27 × 13 × 12 × 44	संपूर्ण	1889	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
780	ओसियां 3 इ 216	सप्तस्मरण-स्तुति आदि	Saptasmaraṇa Stuti etc.	भिन्न 2 आचार्य	मू प.
781	के.नाथ 6/65	सप्तस्मरण आवश्यक व अन्य ग्रंथ	,,	,,	मू.
782	,, 21/51	सप्तस्मरण की वृत्तियें	,, ki Vṛttiyen	भिन्न 2 वृत्तिकार	ग.

(सप्तस्मरणादि

अजितशांति	मूलनंदीषेण प्राकृत गाथा 40	वृत्तिः—(1) गोविन्दाचार्य संस्कृत गद्य ग्रंथाग्र 350	
लघुशांति (उल्लासिका)	मूल जिनवल्लभ प्राकृत गाथा 15-18	,, (1) धर्मतिलक ,,	320
भयहर-स्तोत्र	मूल मानतुङ्ग ,, 21	,, (1) जिनप्रभ ,,	300 अभिप्राय चंद्रिका
तंजयउ (सर्वाधिष्ठायक)	मूल जिनदत्तसूरि ,, 26	,, (1) जयसागर (वर्धमान शिष्य) गद्य संस्कृत	
गुरुपारतन्त्र्य	,, ,, 21	,, (1) सागरचन्द्र संस्कृत गद्य	
विघ्नापहर	,, ,, 14	,, (1) अज्ञात ,, ,,	
उवसग्गहरं	मूल भद्रबाहु ,, 5	,, (1) जिनप्रभ ,, , ,ग्रंथाग्र 271	
लघुशांति	मूल मानदेव संस्कृत 19	,, (1) धर्मप्रमोदगणि संस्कृत गद्य	
बृहत्शांति	मूल अज्ञात संस्कृत	,, (1) हर्षकीर्त्ति ,, ,,	

783	के.नाथ 26/103गु	सप्तोपधानादि-स्तवन	Saptopadhānādi Stavana	समयसुन्दर	प.
784	सेवामंदिर गुटका 30 ति	सरदहणा-स्तवन	Saradahaṇā Stavana	पार्श्वचंद	,,
785	महावीर 3 इ 77	सरस्वती भक्तामर+वृत्ति	Sarasvatī Bhaktāmara +Vṛtti	मानतुङ्ग (स्वोपज्ञ)	मू वृ. (प.ग.)
786-91	महावीर 3 इ 131, 86,130,132, 55,79	सरस्वती-स्तोत्राणि 6 प्रतियां	Sarasvatī Stotrāṇi 6 copies	प्रभाचार्य सुमति व अन्य	प.
792-4	मुनिसुव्रत 3 इ 286 246 323	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
795	सेवामंदिर 3 इ 350	,,	,,	जिनप्रभ व अन्य	,,
796-7	के.नाथ 26/103, 19/38	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	बप्पभट्टसूरि व अन्य	,,
798-804	कुंथुनाथ 35/39, 16/17, 36/1 20/8-9, 44/5, 14/60	,, 7 प्रतियां	,, 7 copies	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	प्रा.मा.	7	25 × 11 × 11 × 25	अपूर्ण	20वीं	
,, आदि	प्रा.मा सं.	96	25 × 11 × 11 × 34	,,	20वीं	(सामान्य संकलन)
, व्याख्या	सं.	31	26 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण	1637	

वृत्तियों की विगत)

(2) जिनप्रभाचार्य संस्कृत गद्य ग्रंथाग्र 740 बोधिदीपिकानाम्नी (3) कर्मसागर संस्कृत गद्य

(2) पार्श्वदेवगणि संस्कृत गद्य

(2) हर्षकीर्ति (चन्द्रकीर्ति का शिष्य) संस्कृत गद्य

भक्ति क्रिया सह	मा.	5	25 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण 5 स्तवन	18वीं	
भक्ति श्रद्धा (दर्शन)	,,	8	16 × 13 × 13 × 20	,, 49 गा.	1651	
सरस्वती जैन भक्ति	सं.	25	26 × 12 × 12 × 40	,, 44 श्लोक	20वीं	
सरस्वती भक्ति	,,	2 2,2,2, 1,1	20 से 27 × 11 से 13	,, 9 स्तोत्र कुल (80 श्लोक)	19/20वीं	
,,	सं.मा.	2,6* 18*	23 से 24 × 10 से 11	,, 4 स्तोत्र (संस्कृत में 3)	,,	
,,	सं.	40	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण 11 स्तोत्र (150 श्लोक)	18वीं	
,,	,,	6'4	25 × 11 व 26 × 13	संपूर्ण 9 स्तोत्र (70श्लो.)	18/19वीं	
,,	,,	1,2,1,2 1 (गुटका 2)	भिन्न-भिन्न	,, 16 स्तोत्र (195 श्लोक)	16/19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
805-6	कोलड़ी 522-532	सरस्वती स्तोत्राणि 2 प्रतियां	Sarasvatī Stotarāṇi 2 copies	कुशल पंडित व अन्य	प.
807	सेवामंदिर 3 इ 345	,, स्तोत्र	,, Stotra	—	,,
808	,, 3 इ 345	संतिकरनाम-स्तोत्र	Santikaranāma Stotra	—	,,
809	कुंथुनाथ 3/68	संवेग व दान गीत	Saṁvega & Dāna Gīta	—	,,
810	सेवामंदिर 3 इ 376	संसार दावानल-स्तुति	Saṁsāra Dāvānala Stuti	—	,,
811	के.नाथ 15/80	,, सावचूरी	,, with Avacūri	—	मू.अ. (प.ग.)
812	मुनिसुव्रत 3 इ 283	,, वृत्तिसह	,, with Vṛtti	हरिभद्र	मू वृ. (प.ग.)
813	के.नाथ 13/45	साधुवन्दना	Sādhuvandanā	—	प.
814	,, 19/9	,,	,,	भावहर्षसूरि	,,
815	सेवामंदिर गु. 3 ति	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	पार्श्वचन्द्र	,,
816	के.नाथ 20/50	,,	,,	,,	,,
817-8	मुनिसुव्रत 3 इ 255 364	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
819	के नाथ 15/22	,,	,,	कुंअरजी	,,
820-1	,, गु 1,14-104	,,	,,	पार्श्वचंद	,,
822	मुनिसुव्रत 3 इ 259	,,	,,	,,	,,
823	कुंथुनाथ 39/4	,,	,,	,,	,,
824	कोलड़ी 274	,,	,,	समयसुंदर	,,
825-6	के.नाथ 6/12, 26/80	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
827	कोलड़ी गु. 9/12	,,	,,	ऋषिजयमलजी	,,
828-9	के.नाथ 23/71, 24/44	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
830-31	,, 14/129, 24/41	(आगमोक्त) साधुवंदना 2 प्रतियां	,, 2 copies	मुनिदेव (ज्ञानचंद का शिष्य)	,,
832	कुंथुनाथ 54/11	,,	,,	,, ,,	,,
833	के नाथ 26/46	साधुवंदना	,,	कुशल (नागौरी गच्छ)	,,
834	,, 15/27	,,	,,	जयसोम	,,
835	,, 14/91	,,	,,	अज्ञात	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
सरस्वती भक्ति	सं.मा.	3,2	30 × 10 × भिन्न 2	संपूर्ण 2 स्तोत्र (संस्कृत में 1)	19वीं	साथ 2 स्तोत्र 64 योगिनी
"	सं.	2*	27 × 10 × 21 × 72	संपूर्ण	19वीं	साथ में 64 योगिनी बीज मंत्र
जिनभक्ति	प्रा.	1	24 × 11 × 12 × 33	" 13 गाथा	1881 × हर्षचन्द्र	अंत में आनंदघन का 1 पद
श्रद्धा भक्ति उपदेश	मा.	1	25 × 11 × 17 × 38	" 25 गा.(16+9)	19वीं	—
भक्ति	सं.	2	25 × 11 × 10 × 40	संपूर्ण 17 + 2 श्लोक	18वीं	
"	"	2	26 × 11 × 11 × 40	" 4 श्लोक	19वीं	
"	"	3	21 × 10 × 11 × 32	"	19वीं	
साधु भक्ति व नाम-स्मरण	प्रा.	24*	30 × 12 × 19 × 86	अपूर्ण 150 गा.	16वीं	भक्तिभर नमिसुखर
"	मा.	8	26 × 11 × 12 × 36	संपूर्ण 110+50 गाथा	1622	
"	"	गुटका	26 × 13 × 13 × 20	" 83 गाथा	1651	
"	"	4	25 × 11 × 13 × 44	" 87 गाथा	1660	
"	"	6,5	25 × 11 व 26 × 12	" "	17वीं	
"	"	12	26 × 11 × 14 × 43	संपूर्ण 14 ढालें	1706	
"	"	3,5	22 × 19 व 28 × 12	" 7 ढालें = 87 गा.	1814, 1849	
"	"	5	26 × 12 × 13 × 50	" 87	1821 गढवाडा सांवलदास	
"	"	गुटका	20 × 16 × 14 × 26	" 87	19वीं	
"	"	14	27 × 11 × 15 × 65	" 18 ढाल = 516 गाथा	19वीं	ग्रंथाग्र 750
"	"	23,15	22 × 11 व 26 × 11	प्रथम संपूर्ण 18 ढाल दूसरी 14	19वीं	
"	"	गुटका	15 × 10 × 9 × 17	संपूर्ण 35 गाथा	1885	
"	"	6,12*	26 × 12 व 26 × 11	(1) (2) संपूर्ण 111 गा. 55 गा.	19वीं	
"	"	7,8	25 × 12 × 15 × 50	" 161 गा. = 13 ढाल	19वीं	
"	"	गुटका	6 × 6 × 8 × 12	" "	19वीं	
"	"	2	26 × 12 × 17 × 48	" 35 गा.	19वीं	
"	"	2	25 × 11 × 11 × 38	" 27 गा.	19वीं	
"	"	3	25 × 11 × 11 × 33	" 32 गा.	19वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
836	कुंथुनाथ 36/1	सारंगकाष्ठ संघ जयमाला	Sāraṅgakāṣṭha Saṅgha Jayamālā	माथुरनंदि	प.
837	महावीर 3 इ 355	सिद्धचक्र नमस्कार	Siddhacakra Namaskāra	—	,,
838	ओसियां 3 इ 235	,, नवपद पूजा	,, Navapada Pūjā	देवचंद	,,
839	के.नाथ 15/195	,, नवपद वर्णन	,, ,, Varṇana	,,	,,
840-1	कोलड़ी 409, 1346	,, पूजा 2 प्रतियां	,, Pūjā 2 copies	—	ग मंत्र
842	कुंथुनाथ 2/19	,, यंत्रोद्धार गाथा +वृत्ति	Siddhacakra Yantroddhāra Gāthā++Vṛtti	(श्रीपालचरित्रे) विवरण चंद्रकीर्त्ति	मू.वृ, (प.ग.)
843	मुनिसुव्रत 3 इ 323	,, स्तवन+यंत्र	,, Stavana+Yantra	—	प.
844	ओसियां 3 इ 190	सिद्धदण्डिकका स्तवन	Siddha Daṇḍikā Stavana	देवेन्द्रसूरि	,,
845	महावीर 3 इ 355	,,	,,	,,	,,
846	ओसियां 3 इ 186	,,	,,	,,	मू ट. (प ग.)
847	के नाथ 15/82	,,	,,	पद्मविजय	प.
848	कोलड़ी 1147	सिद्धमुक्तिमाला	Siddha Mukti Mālā	—	,,
849	कुंथुनाथ 36/1	सिद्धस्तुति व सिद्धचक्रस्तव	Siddha Stuti & Siddhacakra Stava	पद्मनंदि	,,
850	सेवामंदिर 3 इ 345	सिद्धपार्थिवसूत्र व यत्र +वृत्ति	Siddha Pārthiva Sūtra etc +Vṛtti	—	मू.वृ.(प.ग.)
851	कोलड़ी 509	सिद्धिलक्ष्मी-स्तोत्र	Siddhi Lakṣmī Stotra	—	प.
852	के.नाथ 29/49	सीमन्धर-स्तवन	Sīmandhara Stavana	उ. भक्तिलाभ	,,
853	ओसियां 3 इ 323	,, स्वाध्याय	,, Svādhyāya	लावण्यसमय	,,
854	मुनिसुव्रत 3 इ 323	सुगुरु-छत्रीसी	Suguru Chattīsi	हर्षकुशल	,,
855	महावीर 3 इ 355	सूरिमंत्र-स्तवन	Sūrimantra Stavana	भावसूरि	,,
856	कोलड़ी 204	सोमवार-स्तवन	Somavāra Stavana	वा. विनयविजय	,,
857	सेवामंदिर 3 गु ति.	स्तवन (सामान्य)	Stavana (general)	पार्श्वचन्द	,,
758-60	कुंथुनाथ 56/1-3-5	स्तवन-सज्झाय 3 प्रतियां	,, Sajjhāya 3 copies	,,	,,
861	ओसियां 3 इ 208	स्तवन-संग्रह	,, Saṅgraha	शोभमुनि	,,
862	के.नाथ 18/70	,,	,,	पा. हर्षसुंदर (कनकविजय शिष्य)	,,
863	ओसियां 3 इ 231	,,	,,	गयवरमुनि	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 2 स्तोत्र (9-9 गाथा	1544	
"	सं.	1	27 × 12 × 14 × 38	संपूर्ण 3 स्तोत्र (5,9,6 श्लोक)	18वीं लालचंद	
भक्ति काव्य	मा.	16	20 × 9 × 9 × 22	संपूर्ण नवमी पूजा तक (अंतिम पन्ना कम)	19वीं	
"	"	2	26 × 12 × 14 × 35	संपूर्ण 11 गा.	"	अंत में श्रीहर्ष की श्रावककरणी
"	सं.	11,6	26 × 12 × 17/15 × 40	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	"	सज्झाय 22 गा. की
भक्ति यंत्र-मंत्र	प्रा.सं.	4	26 × 11 × 10 × 36	संपूर्ण	20वीं	
"	प्रा.	2	25 × 10 × 18 × 32	" 6 गाथा + 4 स्तुतियां	18वीं	
सिद्ध भक्ति व विभक्ति	"	2	26 × 11 × 14 × 40	" 13 गा.	17वीं	
" "	"	1	"	" 13 गाथा	"	साथ में यन्त्र
" "	प्रा.मा.	3	25 × 11 × 4 × 31	" 13 गाथा	1846लालचंद	
" "	मा.	2	24 × 12 × 17 × 42	" 7 ढालें	19वीं	
"	"	4	24 × 12 × 10 × 36	अपूर्ण 21 से 98 गाथा	19वीं	प्रथम पन्ना कम
"	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 30+11 श्लोक	1544	
"	प्रा.स.	2	27 × 12 × 13 × 40	अपूर्ण साथ में यंत्र	19वीं	जीर्ण
"	सं.	12*	28 × 11 × 11 × 39	संपूर्ण स्तोत्र	19वीं	
तीर्थंकर की भक्ति	मा.	2	24 × 11 × 11 × 33	" 18 गा.	19वीं	
तीर्थंकरभक्ति स्वाध्याय	"	3	26 × 11 × 13 × 34	" 49 गा.	17वीं	
गुरुभक्ति	"	1	25 × 11 × 14 × 44	" 36 गा.	18वीं	
भक्ति मंत्र	प्रा.	1	24 × 11 × 13 × 52	" 20 गा.	19वीं	
मुक्ति आराधना भक्ति	मा.	5	27 × 13 × 14 × 35	" 9 ढालें	19वीं	
तीर्थंकर भक्ति	"	9	16 × 13 × 13 × 20	" 11 ढाल = 68गा	1650	
जिन व गुरु भक्ति व 8 मद सज्झाय	"	2,1,1	22 से 25 × 11 से 13	" 3 पद (21,25, 19 गा.)	18/19वीं	
तीर्थंकर भक्ति गीत	"	6	25 × 12 × 12 × 31	" 13 स्तवन	19वीं बीकानेर बिरदीचंद	
"	"	4	23 × 13 × 16 × 32	" 7 स्तवन	1940	(इसी वर्ष निर्मित संघ में)
"	"	25	17 × 12 × 11 × 21	" 24 स्तवन	1972	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
864	नेवामंदिर 3 इ 345	स्तवन स्तुति पत्र	Stavana Stuti Patra	संकलन	प.
865	कुंथुनाथ 4/97	स्तुतियें	Stutiyen	—	,,
866	कोलड़ी 918	,,	,,	—	मू.ट. (प.ग)
867	के.नाथ 6/109	स्तोत्र-संग्रह	Stotra Saṅgraha	संकलन	मू प.
868	के.नाथ 19/26	स्त्रोत-स्तुति आदि संग्रह	Stotra Stuti etc.	—	प ग.
869-71	कोलड़ी 1327 353 359	स्नात्र पूजा अष्टप्रकारी 3 प्रतियां	Snātra Pūjā Aṣṭaprakārī 3 copies	देवचंद	प.
872-75	के.नाथ 16-31, 18-24, 23-73 26/88	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
876	कुंथुनाथ 28/5	स्नात्र व नवपद पूजा	Snātra & Navapada Pūjā	,,	,,
877	कुंथुनाथ 28/6	स्नात्र सत्तरभेदी नवपद व अष्टप्रकारी	Snātra Sattarabhedī etc.	देवचंद, राजसूरि, यशोविजय	,,
878	ओसियां 3 इ 234	,, अष्टप्रकारी	,,	,, कीर्त्तिविजय	,,
879	देवेन्द्र 3 इ 344	स्नात्र व अष्टप्रकारी पूजा	Snātra+ Aṣṭaprakārī Pūjā	देवचंद	,,
880	ओसियां 3 आ 132	,,	,,	,,	,,
881	के.नाथ 15/143	स्नात्र पूजा	Snātra Pūjā	अज्ञात	,,
882	कोलड़ी 402	,, विधिसह	,, with Vidhi	—	ग.प.
883	मुनिसुव्रत 3 इ 310	स्नात्र पूजा आदि विधिसह	,, ,, etc.	अज्ञात	ग.प.
884	कोलड़ी 936	स्नात्र पूजा विधिसह	,, with Vidhi	—	प.ग.
885	,, 783	स्वयंभू-स्तोत्र (वृत्तिसह)	Svayaṁbhū Stotra (with Vṛtti)	समंतभद्र/प्रभाचंद्र	मू.वृ. (प.ग.)
886	के.नाथ 26/105	हरिशष्टार्थ + नेमीस्तोत्र	Hariśaṣṭārtha+Nemī-Stotra	—	पद्य
887	के नाथ 19/66	हनुमान स्तोत्र + मंगलाष्टक	Hanumāna Stotra+Maṅ-galāṣṭaka Storta	—	,,
888-947	के नाथ 5/96 6/32 81-101, 11/59, 14-42-92-108-112-142, 15/77-82-87 18/13, 13 43,68-69 71, 89,92,93,86, 23/3, 19/14 66-69, 71,81	स्फुट स्तवन स्तुति स्तोत्र सज्झाय के पन्ने (60 प्रतियां)	Stray Pages of Stavana Stuti Stotra etc 60 copies	भिन्न-भिन्न	,,

Cont. on Page 274

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति गीत	प्रा.सं.	4	25 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण पत्र 4 से 7 अंत	18वीं	
,,	सं.	1	24 × 9 × 13 × 40	संपूर्ण 8 श्लोक	16वीं	संगीतमय
व्यंगात्मक भक्ति पर	मा.	3	25 × 11 × 3 × 28	संपूर्ण	19वीं	—
जैन भक्ति काव्य	प्रा.सं.	6	25 × 12 × 12 × 35	अपूर्ण	19वीं	—
,,	,,	47	26 × 12 × 13 × 42	अपूर्ण त्रुटक सामान्य	20वीं	अतिसामान्य
पूजा भक्ति काव्य	मा.	32,9,11	12 से 25 व 8 से 13	संपूर्ण + स्तवन भी	19/20वीं	
,,	,,	5,4,6, 23	26 से 24 व 10 से 14	,,	19वीं	अंतिम में नवपद-पूजा यशोविजय की
,,	,,	57	10 × 8 × 6 × 10	,,	20वीं	
,,	,,	110	9 × 8 × 7 × 11	,,	1945	
,,	,,	17	24 × 11 × 12 × 35	,, तीन पूजायें	19वीं	
,,	,,	10	24 × 11 × 9 × 37	,, 2 पूजायें	19वीं	
,,	,,	11	26 × 12 × 12 × 47	,, ,,	19वीं	
भक्ति क्रिया विधिसह	प्रा.अ.मा.	10	26 × 12 × 7 × 35	,,	1836	
,,	मा.	9	26 × 11 × 9 × 32	,,	1842	
,,	प्रा.मा.	3	26 × 10 × 16 × 48	,,	1844	
,,	मा.	3	26 × 12 × 16 × 40	,,	19वीं	(देवचंदजी से अन्य)
तीर्थंकर भक्ति	सं.	27	27 × 13 × 15 × 54	अपूर्ण (द्वितीय परिच्छेद) ग्रं. 150	1869	
भक्ति स्तोत्र	सं.	1	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण ग्रंथाग्र 50	18वीं	
,,	सं.	111*	22 × 12 × 14 × 26	,,	,,	
भक्ति गीतादि	प्रा.सं.मा	1395	24 से 30 × 10 से 15	पूर्ण अपूर्ण	17/20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
	104,126,21/85, 23/90, 93, 24/63, 76-78, 81, 26/26-28, 26/30, 31,36, 39,42,45,48, 51,52,83,86, 87,90,93,97, 28/5,10,19,78				
948-72	कोलड़ी 25प्रतियें+ बस्ता 70 कार्ड में	स्फुट स्तवन स्तुति स्तोत्र सज्भाय के पन्ने 25 प्रतियां	Stray Pages of Stavana Stuti Stotra etc 25 copies	भिन्न-भिन्न	पद्य
973-1166	कुंथुनाथ ,,	,, 194 प्रतियां	,, 194 copies	,,	,,
1167-79	ओसियां 3 इ 172-3-8-97-9-205-6-17-21-41, 2/301,36-60, 351	,, 13 प्रतियां	,, 13 copies	,,	,,
1180-91	महावीर 3 इ 6,11-13,28,46,55, 58,59,115, 355,357	,, 12 प्रतियां	,, 12 copies	,,	,,
1192-1209	मुनिसुव्रत 3 इ 276-87-88-90 से 96, 98,99 301,12, 17,20,23,26	,, 18 प्रतियां	,, 18 copies	,,	,,
1210-15	सेवामंदिर 3 इ 343-45-49-50-69, 80	,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति गीतादि	प्रा.सं.मा.	822		पूर्ण अपूर्ण	17/20वीं	
,,	,,	898		,,	,,	
,,	,,	145		,,	,,	
,,	,,	55		,,	,,	
,,	,,	179		,,	,,	
,,	,,	178		,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
1	कुंथुनाथ 56/6	अमरसत्तरी	Amara Sattarī	पार्श्वचंद (रतनचंद्र का शिष्य)	प.
2	कोलड़ी 811	ईर्यापथिक-चर्चा	Iryāpathika Carcā	—	ग.
3	के.नाथ 23/38	ईर्यापथिक-विचार	,, Vicāra	—	,,
4	महावीर 3 ई 18	उत्सूत्र खण्डन	Utsūtra Khaṇḍana	गुणविनय (जयसोम का शिष्य)	,,
5	सेवामंदिर 3 ई 41	उदरवेगानाछिद्र	Udaravegānā Chidra	आलमचन्द	प.
6	के.नाथ 18/28	औष्ट्रिकमत उघाटन कुलं	Austrika Mata Udyātana Kulam	धर्मसागर (दानसूरि का शिष्य)	मू.अ. (प ग.)
7	महावीर 3 ई 25	कुटमुद्गर ग्रन्थ	Kuṭamudgara Grantha	माधव	मू.वृ. (प.ग.)
8	महावीर 3 ई 6	कुमत्ताहि विष जांगुली मंत्र	Kumattāhi Viṣa Jāṅgulī Mantra	रत्नचंद्रगणि	ग.
9	महावीर 3 ई 22	कुमतिकंद कुद्दाल	Kumati Kanda Kuddāla	सौभाग्यविजय	,,
10	कोलड़ी 963	कुमतिचर्चा	Kumatī Carcā	—	,,
11	महावीर 3 ई 30	कुमुदचन्द्र	Kumudacandra	—	,,
12	के.नाथ 23/42	केवलीस्वरूप	Kevalī Svarūpa	मुक्तिसागर (लब्धिसागर शिष्य)	प.
13	के.नाथ 5/119	केशीगौतम-संधि	Keśī Gautama Sandhi	उत्तराध्ययन वाली कथा	,,
14	के.नाथ 6/45	केशीसंधि	Keśī Sandhi	,,	,,
15	महावीर 3 ई 8	खरतरतपा मान्यामान्या विचार	Kharatara Tapā Mānyāmānya Vicāra	—	ग.
16	के.नाथ 11/88	गणधर सार्द्धशतक (वृत्ति-सह	Gaṇadhara Sārddha Śataka (with Vṛtti)	जिनदत्तसूरि/सर्वराजगणि	मू.वृ.
17	ओसियां 2/152	,,	,,	जिनदत्तसूरि	प.
18	महावीर 3 ई 39	,, वृत्ति	,, Vṛtti	जिनदत्त/सुमतिगणि	मू.वृ.
19	के.नाथ 17/60	,,	,,	जिनदत्तसूरि	प.
20	के.नाथ 15/84	,,	,,	,,	,,
21	महावीर 3 ई 3	गुरुतत्त्व प्रदीप दीपिका	Gurutattvā Pradīpa Dīpikā	धर्मसागर (स्वोपज्ञ)	मू+दी.
22	के.नाथ 14/130	(गुरुतत्त्वप्रदीपे) उत्सूत्रकंद कुद्दाल	Gurutattava Utsūtrakanda Kuddāla	धर्मसागर	ग.
23	महावीर 3 ई 10	चार्चिक ग्रन्थ	Cārcika Grantha	—	,,
24	महावीर 3 ई 9	चौथ संवत्सरी चर्चा	Cautha Saṁvatsarī Carcā	इन्दौर से	गद्य
25	महावीर 3 ई 22	जिन पूजा चर्चा	Jina Pūjā Carcā	—	ग.

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मूर्ति पूजा मण्डन	मा.	4	27 × 11 × 14 × 35	संपूर्ण 74 गा.	19वीं	
सामायिक लेने की विधि	,,	7	33 × 13 × 12 × 38	,,	1897 जोधपुर गुलाबविजय	
,,	,,	6	27 × 13 × 14 × 36	,,	20वीं	
धर्मसागरीय उत्सूत्रो-द्घटनकुलक का खंडन	सं.	37	28 × 12 × 14 × 45	,, ग्रं. 1250	1968	1661 की कृत्ति
स्वाध्याय पर	मा	2	26 × 11 × 19 × 82	,, 63 गाथा	1882	अंत में चंदनबाला सज्झाय
खरतरतपागच्छाक्षेप	प्रा.सं.	3	26 × 11 × 11 × 40	,, 18	17वीं	
शरीर इंद्रिय विषयक चर्चा	सं.	6	26 × 11 × 14 × 38	,, 620 श्लोक	19वीं विषधरपुर गगाविष्णु	
सांप्रदायिक खंडन मंडन	,,	12	27 × 13 × 15 × 47	,, ग्रंथाग्र 518	1967 नागौर नरोत्तम	
,,	मा.	41	27 × 12 × 11 × 30	संपूर्ण	20वीं	
प्रतिमा पूजनादि पर	,,	2	25 × 11 × 15 × 78	,,	19वीं	
सांप्रदायिक खंडन मंडन	सं.	16	30 × 16 × 14 × 37	,,	1906	
सांप्रदायिक चर्चा निराकरण	मा.	9	25 × 12 × 6 × 35	,, 68 गा.	17वीं	
पार्श्व महावीर समन्वय	प्रा.	3	25 × 11 × 13 × 32	संपूर्ण	19वीं	उत्तराध्ययन से भिन्न श्लोक
,,	,,	4	26 × 11 × 11 × 34	संपूर्ण 73 गा.	19वीं	,, ,,
सांप्रदायिक मान्यतायें	मा.	8	27 × 12 × 14 × 52	,, 30 प्रश्न +	20वीं सदाशंकर जोशी	
कठिन प्रश्नों का शास्त्रीय समाधान	प्रा सं.	25	27 × 11 × 17 × 55	,, ग्रं. 2000 पहिला पन्ना कम	1518	सुमतिगणिकृत विवरणानुसारे
,, ,,	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण 150 गा.	16वीं	
,, ,,	प्रा.सं.	238	26 × 11 × 15 × 53	,, ग्रं 12105	1661 जैसलमेर मणिकसूरि	1295 की कृति/ प्रशस्ति है
,, ,,	प्रा.	6	26 × 11 × 13 × 39	,, 150 गा.	17वीं	
,, ,,	,,	7	26 × 10 × 13 × 36	,, ,,	,,	
खंडन मंडन दार्शनिक	सं.	13	26 × 11 × 21 × 59	अपूर्ण 16 श्लोक	18वीं	प्रथम दो पन्ने कम है
,,	,,	(?)	26 × 12 × 13 × 46	संपूर्ण 8 विश्राम ग्रं. 345	1651	
,,	,,	12	27 × 12 × 15 × 44	संपूर्ण	1967 नागौर नरोत्तम	
,,	हि.	2	26 × 12 × 18 × 49	,,	20वीं	
मूर्तिपूजा-चर्चा	मा.	19	25 × 11 × 13 × 48	,, 36 अधिकार	1666 दीव	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
26	के.नाथ 26/54	जिनपूजा-चर्चा	Jina Pūjā Carcā	—	ग.
27	के.नाथ 14/22	जिनपूजाश्रित प्रश्नोत्तर	Jina Pūjāśrita Praśnottara	—	,,
28	महावीर 3 ई 24	जिनप्रतिमा अधिकार रास	Jina Pratimā Adhikāra Rāsa	—	प.
29	महावीर 3 ई 19	जिनप्रतिमा आश्रित विचार	Jina Pratimā Āśrita Vicāra	—	ग.
30	के.नाथ 26/35	जिनप्रतिमा रास	,, Rāsa	जिनहर्ष	प.
31	के.नाथ 19/44	,,	,, ,,	,,	,,
32	कोलड़ी 287	जिनप्रतिमा हुंडी स्तवन (रास)	Jina Pratimā Huṇḍī Stavana	,,	,,
33	कोलड़ी 366	ढुंढक-रास	Ḍhuṇḍhaka Rāsa	उत्तमविजय	,,
34-35	महावीर 3 ई 11-12	तपोटमत कुट्टनशतक 2 प्रतियां	Tapoṭa Mata Kuṭṭana Śataka 2 copies	जिनप्रभसूरि	पद्य
36	महावीर 3 ई 13	तपोट लघु विचार-सार	Tapoṭa Laghuvicāra Sāra	—	ग.
37	के.नाथ 23/39	तिथि उपधान विधि आदि चर्चा	Tithi Upadhāna Vidhi Carcā	—	,,
38	के.नाथ 18/81	दानस्वामी वात्सल्य-चर्चा	Dāna Svāmīvātsalya Carcā	रायचंद	,,
39	कोलड़ी 999	द्विजवचन-चपेटा	Dvija Vacana Capeṭā	हेमचन्द्रसूरि	,,
40	के.नाथ 21/62	धर्ममंजूषा	Dharma Mañjūṣā	मेघविजय (तप.)	,,
41	महावीर 3 ई 7	पर्युषणा दश शतक+वृत्ति	Paryuṣaṇā Daśa Śatāka +Vṛtti	धर्मसागर (स्वो.)	मू वृ. (प.ग.)
42	महावीर 3 ई 40	,, निर्णय	,, Nirṇaya	मणिसागर	ग.
43	महावीर 3 ई 2	,, विचार ग्रंथ	,, Vicāra Grantha	हर्षभूषण	,,
44	के.नाथ 14/23	पूजाधिकारे सूत्र उद्धरण	Pūjādhikāre Sūtra Uddharaṇa	संकलन	प.ग.
45	ओसियां 3 अ 161	प्रतिमादि स्थापना	Pratimādi Sthāpanā	संकलन	,,
46	कोलड़ी 1354	प्रतिमापूजा-पत्र	Pratimā Pūjā Patra	—	ग.
47	महावीर 3 ई 5	प्रतिमा शतक+वृत्ति	,, Śataka +Vṛtti	उ. यशोविजय (स्वो.)	मू.वृ (प.ग.)
48-9	के.नाथ 13/43, 5/59	प्रतिमा सिद्धि स्तवन+बा. 2 प्रतियां	,, Siddhi Stavana +Bālā. 2 copies	मानमुनि (शांतिविजय शिष्य)	मू बा. (प.ग.)
50	के.नाथ 19/84	प्रतिमा स्थापना-स्तवन	,, Sthāpanā Stavana	उ. यशोविजय	प.
51	के.नाथ 23/65	प्रश्न ग्रंथ	Praśna Grantha	पार्श्वचन्दसूरि	ग.
52	महावीर 3 ई 32	प्रश्नचिंतामणि	,, Cintāmaṇi	वीरविजय (शुभ विजय शिष्य)	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मूर्ति पूजा चर्चा	मा.	2	23 × 11 × 18 × 52	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	7	25 × 11 × 13 × 37	,,	1856	
,,	,,	6	28 × 12 × 8 × 25	अपूर्ण 60 गा. तक	19वीं	
,,	,,	15	28 × 12 × 15 × 48	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 19 × 57	,, 67 गा. + 2 सज्झाय	1828	
,,	,,	25*	24 × 12 × 17 × 32	,, ,,	20वीं	
,,	,,	4	26 × 11 × 12 × 36	,, 66 गा.	1834	
सांप्रदायिक खंडन मंडन	,,	5	25 × 11 × 15 × 45	,,	19वीं	
,,	सं.	3,3	28 × 13 × 12 × 50	संपूर्ण 120 श्लोक	20वीं	
सांप्रदायिक चर्चा	,,	12	27 × 12 × 13 × 42	,,	1968 × रामचन्द्र	
,,	मा.	38	25 × 11 × 17 × 51	,,	17वीं	
,,	,,	5	26 × 11 × 14 × 42	,, 49 बोल	1848	
,,	सं.	6	28 × 14 × 14 × 40	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	41	26 × 12 × 15 × 42	,, प्रश्नोत्तरी	1770	
,,	,,	46	27 × 12 × 12 × 46	,, 110 श्लोक	20वीं	
,,	हि.	276	29 × 14 × 15 × 46	अपूर्ण	20वीं	
,,	सं.	7	27 × 13 × 15 × 49	संपूर्ण 258 ग्रं.	1967 नागौर नरोत्तम	1486 की कृति
मूर्ति पूजा संबंधी	प्रा.सं.मा.	19	24 × 10 × 14 × 39	,, 36 अधिकार	1711	
,, उद्धरण	मा.	16	24 × 11 × 14 × 40	अपूर्ण (प्रथम 3 पत्रे कम)	20वीं	
,, संबंधी	,,	6	25 × 12 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	20वीं	
,, खंडन मंडन	सं.	166	27 × 13 × 14 × 38	संपूर्ण 101 श्लोक की	20वीं	
,, ,,	मा.	11,14	26 × 13 × 18/22 × 43	,, 21 गा.	19वीं	
,, ,,	,,	8	28 × 12 × 12 × 40	,, 7 ढालें	1904	
सांप्रदायिक चर्चा	,,	6	26 × 11 × 15 × 42	,, 91 प्रश्न	17वीं	
विवादास्पद निर्णय	सं.	63	28 × 13 × 14 × 38	,, 202 प्रश्नोत्तर	1869 राजनगर नित्यविजै	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
53	के.नाथ 23/15	प्रश्नोत्तर	Praśnottara	पार्श्वचंदसूरि	ग.
54	के.नाथ 5/58	,,	,,	—	,,
55	के.नाथ 19/39	,,	,,	—	,,
56	ओसियां 3 ई 27	,,	,,	—	,,
57	के.नाथ 10/56	,, बोल-विचार	,, Bola Vicāra	—	,,
58	कोलड़ी 804	,, रत्नाकर	,, Ratnākara	शुभविजय (हीरविजय शिष्य)	,,
59	महावीर 3 ई 35	,, सार्द्ध शतक	,, Sārddha Śataka	क्षमाकल्याण	,,
60	के.नाथ 21/97	,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
61	महावीर 3 ई 36	प्रश्नोत्तर शार्द्ध शतक भाषा (उत्तरार्द्ध)	,, ,, Bhāṣa	,, (स्वोपज्ञ)	,,
62	के.नाथ 23/49	,, ,, भाषा	,, ,, ,,	,, ,,	,,
63	कोलड़ी 1157	,, शार्द्ध शतक	,, ,, Śataka	,,	,,
64	कोलड़ी 1115	,, ,, भाषा	,, ,, Bhāṣa	,, (स्वोपज्ञ)	,,
65	के.नाथ 21/56	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
66	के.नाथ 19/28	,, ,, बीजक	,, ,, Bījaka	—	,,
67	के.नाथ 10/106	प्रश्नोत्तरावली	Praśnottarāvalī	—	,,
68	ओसियां 3 ई 28	बौटिक बोटन प्रकरण	Bauṭika Boṭana Prakaraṇa	—	मू.ट. (प.ग.)
69	कोलड़ी 304	महावीर जिन विचार-स्तवन	Mahāvīra Jina Vicāra Stavana	उ. यशोविजय	प.ग.
70	के.नाथ 26/24	महावीर जिन-स्तवन	,, Stavana	,,	प.
71	कोलड़ी 338	महावीर नय विचार-स्तवन	Mahāvīra Naya Vicāra Stavana	,,	प.ग.
72	कोलड़ी 305	महावीर मूर्ति मंडन-स्तवन	Mahāvīra Mūrti Maṇḍana Stavana	,,	मू.ट.+प.ग.
73	सेवामंदिर 3 इ 345	मुखवस्त्रिका बोल सज्झाय	Mukhavastrikā Bola Sajjhāya	रामविजय	प.
74	के.नाथ 15/222	,, विचार-स्तवन	Mukhavastrika Vicāra Stavana	आनंदनिधान	,,
75	कुंथुनाथ 2/14	मुहपत्ति-छत्तीसी	Muhapatti Chattīsī	पार्श्वचंद	,,
76	के.नाथ 26/103गु	मूर्त्ति चर्चा (उद्धरण)	Mūrtti Carcā	—	,,
77	के.नाथ 6/107	मूर्त्ति पूजा चर्चा	Mūrtti Pūjā Carcā	—	ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
सांप्रदायिक प्रश्नोत्तरी	मा.	15	25 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण 13 प्रश्नों के उत्तर	1707	
,,	,,	43	26 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	79	26 × 12 × 15 × 40	,,	,,	
मूर्त्ति पूजा संबंधी प्रश्नोत्तर	हि.	13	25 × 12 × 12 × 41	,,	1955बीकानेर कंवलागच्छे	
सांप्रदायिक चर्चा	सं.	4	27 × 12 × 9 × 30	अपूर्ण	19वीं	
विवाद प्रश्न निराकरण	,,	106	30 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण	1725	
,,	,,	80	26 × 13 × 14 × 40	,, 150 प्रश्नोत्तर	1923	बीजकसह
,,	,,	55	26 × 13 × 16 × 52	,, ,,	19वीं	
,,	मा.	27	25 × 12 × 11 × 32	प्रश्न 76 से 151 तक	20वीं	मूलग्रंथ का स्वोपज्ञ संक्षिप्त अनुवाद
,,	,,	41	22 × 11 × 12 × 29	संपूर्ण 151 प्रश्नोत्तर	,,	
,,	सं.	43	25 × 13 × 13 × 31	अपूर्ण 111 प्रश्नोत्तर	,,	
,,	मा.	14	25 × 12 × 13 × 30	,, 75+7 प्रश्न	,,	
,,	,,	48	23 × 11 × 9 × 27	संपूर्ण 151 प्रश्नोत्तर	1853	
ग्रंथ की विषय सूची	,,	5	25 × 12 × 21 × 50	अपूर्ण 72 प्रश्नोत्तर तक	1869	
सांप्रदायिक खंडन मंडन	,,	30	24 × 14 × 12 × 29	,, (प्रथम 4 पत्रे कम)	19वीं	
दिगम्बर श्वेताम्बर चर्चा	सं.मा.	3	42 × 11 × 7 × 62	संपूर्ण 50 गा.	1924बीकानेर देवगुप्तसूरि	
मूर्त्ति व अन्य चर्चा	मा.	19	25 × 12 × 16 × 42	,, (किंचित् अर्थ उद्धरण सह	19वीं	
प्रभू पूजा की चर्चा	,,	13	26 × 11 × 10 × 30	अपूर्ण	19वीं	
जिनपूजा स्थापना	,,	11	27 × 13 × 20 × 60	संपूर्ण 7 ढालें (कुछ व्याख्या सह.)	19वीं	न्याय शैली से
जिनपूजा मंडन	,,	26*	27 × 12 × 5 × 48	,, 5 ढालें	1884	
खंडन मंडन	,,	2	22 × 12 × 9 × 24	,, 11 गा.	1894	
प्रतिलेखनादि निर्णय	,,	1	23 × 10 × 16 × 34	,, 21 गा.	1756	
खंडन मंडन	अ.	2	27 × 12 × 12 × 42	,, 35 गा.	17वीं	
,,	प्रा.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 18 गाथा	18वीं	
,,	मा.	13	25 × 11 × 11 × 34	संपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
78	महावीर 3 ई 21	लोंकाशाह मत-चर्चा	Loṅkāśāha Mata Carcā	—	ग.
79	महावीर 3 ई 20	,,	,,	—	,,
80	ओसियां 2-311	विचारविधि चौपई	Vicāra Vidhi Caupaī	—	प.
81	के.नाथ 24/84	विचारसार	Vicāra Sāra	पार्श्वचन्द	ग.
82	,, 23/55	वीर-स्तवन	Vicāra Stavana	जिनविजय	प.
83	महावीर 3 ई 31	शास्त्र सम्बन्धी बोल	Śāstra Sambandhī Bola	—	ग.
84	,, 3 ई 4	श्रावक विधिविनिश्चय	Śrāvaka Vidhi Viniścaya	हर्षभूषण	,,
85	,, 3 ई 1	,,	,,	,,	,,
86	सेवामंदिर 2/418	श्रुतविचार	Śruta Vicāra	—	,,
87	कोलड़ी 1238	,,	,,	—	,,
88	ओसियां 3 आ 170	श्लोक पत्र (स्फुट)	Śloka Patra (Sphuṭa)	—	,,
89	कोलड़ी पुट्ठा/69/8	षट्दर्शन के भेद-प्रभेद	Ṣaṭdarśana ke Bheda Prabheda	—	गद्यतालिका
90	के.नाथ 10/79	षट्पर्वीणां घटाघट-विचार	Ṣaṭ Parvīṇām Ghaṭāghaṭa Vicāra	—	ग.
91	कोलड़ी 1096	ईर्यापथिकी षड्त्रिंशिका + वृत्ति	Īryāpathikī Ṣaḍtriṁśtkā +Vṛtti	स्वोपज्ञ	मू वृ. (प.ग.)
92	ओसियां 2/157	सम्यक्त्व-सार	Samyaktva Sāra	—	ग.
93	,, 3 ई 26	सम्यक्त्वसार-प्रद्योत	,, ,, pradyota	जेठमल	पद्य
94	महावीर 2/129	संघपट्टक सावचूरि	Saṅghapaṭṭaka with Avacūri	जिनवल्लभसूरि/कीर्त्ति-गणि	मू.अ.+(प.ग.)
95	ओसियां 2/224	,, —	,, —	जिनवल्लभसूरि	मू.ट. (प.ग.)
96	महावीर 3 ई 34	,, —	,, —	,,	,,
97	,, 3 ई 33	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /जिनपति	मू.वृ. (प.ग.)
98	सेवामंदिर 2/368	,, —	,, —	,,	मू.प.
99	के.नाथ 10/80	संदेह-दोलावली	Sandeha Dolāvalī	जिनदत्तसूरि	,,
100	ओसियां 2-136	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /—	मू वृ. (प.ग.)
101	के.नाथ 13/4	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	जिनदत्तसूरि/प्रबोधचंद्र	,,
102	,, 18/31	साधुमार्गी-चर्चा	Sādhu Mārgī Carcā	—	ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
खंडन मंडन	हि	11	25 × 13 × 11 × 35	संपूर्ण	19वीं	
"	"	7	25 × 12 × 10 × 26	अपूर्ण	19वीं	
जैनधार्मिक विधि विवाद	मा.	2	25 × 11 × 16 × 59	संपूर्ण 65 गाथा	18वीं × ऋषभ-विजै	
विवादास्पद प्रश्न समाधान	"	2	26 × 11 × 19 × 77	"	17वीं	
मूर्त्ति चर्चा	"	8*	26 × 10 × 13 × 41	" 98 गा.	19वीं	
विवादों पर शास्त्र सन्दर्भ	"	3	27 × 13 × 15 × 47	" 36 प्रश्न	19वीं	
श्रावक क्रिया संबंधी	सं.	27	27 × 11 × 17 × 60	" चार अधिकार ग्रं. 128	17वीं	प्रशस्ति तपागच्छ की
"	"	22	31 × 14 × 15 × 52	" "	20वीं	बीजक प्रशस्ति तपगच्छ
तात्त्विक चर्चा	मा.	17	25 × 10 × 14 × 44	त्रुटक	1635	
"	"	43	26 × 11 × 15 × 42	अपूर्ण (पत्रे 39 से 81)	19वीं	
धार्मिक प्रश्न निराकरण	"	4	24 × 10 × 14 × 37	प्रतिपूर्ण (पद्य का अनुवाद)	1843	
जैनमतानुसार षड्दर्शन	सं.मा.	2	23 × 11 × —	त्रुटक	19वीं	उपभेदों सहित
सांप्रदायिक चर्चा	मा.	4	30 × 13 × 17 × 45	संपूर्ण	19वीं	
"	प्रा.सं.	9	26 × 13 × 14 × 42	अपूर्ण 15 गाथा तक	19वीं	
मूर्तिपूजादि पर चर्चा	मा	21	25 × 12 × 18 × 43	संपूर्ण	1955बीकानेर व.तुदेव	
सांप्रदायिक खंडन मंडन	"	6	25 × 12 × 18 × 48	" 186 गा.	1808	
साधुयति क्रियोद्धार चर्चा	सं.	13	26 × 12 × 13 × 44	" 40 श्लोक	1618	
" "	सं.मा.	5	26 × 11 × 7 × 52	" "	1733राधनपुर	
" "	"	10	27 × 12 × 5 × 31	" "	1874जैसलमेर	
" "	सं.	110	28 × 13 × 12 × 45	" "	1954अमदाबाद छबील	
" "	"	4	25 × 22 × 11 × 27	" "	20वीं उदयपुर रामलाल	
प्रश्न समाधान	प्रा.	5	26 × 11 × 13 × 47	संपूर्ण 151 गा. (प्रथम पन्ना कम	16वीं	(अपरनाम प्रश्नोत्तर.संशयपद)
"	प्रा.सं.	21	43 × 11 × 18 × 73	" 150 गा.	1923	अंत में मूल पाठ पूरा
"	"	23	26 × 12 × 19 × 60	संपूर्ण 150 गा. की (ग्रं. 1550)	19वीं	लघुवृत्ति "विधिरत्न करंडिका" नाम्नी
सांप्रदायिक प्रश्न समाधान	मा.	9	27 × 13 × 18 × 55	संपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2*	3	3 A	4	5
103	महावीर 3 ई 17	सामायिक ग्रहण-विचार	Sāmāyika Grahaṇavicāra	—	ग.
104	महावीर 3 ई 16	,, चर्चा	,, Carcā	—	,,
105	महावीर 3 ई 14	,, ,,	,, ,,	—	,,
106	महावीर 3 ई 15	,, ,,	,, ,,	—	,,
107	के.नाथ 9/35	सांप्रदायिक ,,	Sāmpradāyika Carcā	—	प.ग.
108	के.नाथ 10/25	,, ,,	,, ,,	—	ग.
109	सेवामंदिर 3 ई 29	,, खंडन मंडन	Sāmpradāyika Khaṇḍana Maṇḍana	—	,,
110	महावीर 3 ई 9	सीमन्धरस्वामी विनति	Sīmandhara Svāmī Vinati	उ. यशोविजय	मू ट. (प.ग)
111	कोलड़ी 305	,,	,,	,,	,,
112-3	कोलड़ी 316-39	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	प.
114-6	के.नाथ 10/39-49, 19/86	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
117-8	महावीर 3 ई 38, 2-118	सेन प्रश्नोत्तर 2 प्रतियां	Sena Praśnottra	सेनसूरि (संग्राहक शुभ विजे	ग.
119	के.नाथ 9/38	स्त्रीरजस्वला सूतक-विचार	Strī Rajasvalā Sūtaka Vicāra	—	,,
120	कुंथुनाथ 18/9	स्थापना-बावनी	Sthāpanā Bāvanī	पार्श्वचंद	प.
121	महावीर 3 ई 37	हीर-प्रश्नोत्तर	Hīra Praśnottara	हीरविजय (संग्राहक कीर्तिविजे)	ग.

भाग/विभाग : 4 (अ)-इतिहास व वृत्तान्त-

1	मुनिसुव्रत 3 इ 323	अइमन्तो अणगार-गीत	Aimanto Aṇagāra Gīta	समयसुन्दर	प.
2	कोलड़ी 1345	अगड़दत्त-चौपई	Agaḍadatta Caupaī	जिनदास	,,
3	के.नाथ 11/105	,, रास	,, Rāsa	हर्षशीश	,,
4	के.नाथ 6/48	अजापुत्र-चौपई	Ajāputra Caupaī	रूपभद्र	,,
5	सेवामंदिर 4 अ 199	,,	,,	सुमतिप्रभ	,,
6	,, 3 इ 345	अठारह कथा श्लोक	Aṭhāraha Kathā Śloka	लब्धिसूरि	,,
7	कोलड़ी 277	अठारह नातों की सज्झाय	,, Nāton kī Sajjhāya	—	,,
8	मुनिसुव्रत 3 इ 271	,,	,, ,,	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
सामायिक लेने की विधि चर्चा	मा.	5	22 × 13 × 10 × 28	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 35	,,	19वीं	
,,	,,	2	28 × 13 × 22 × 59	,,	1921 ग्रंजार. कीर्त्तिविजै	
,,	,,	2	28 × 12 × 13 × 38	,,	20वीं	
विवादों के बारे में शास्त्र उद्धरण	प्रा.मा.	7	27 × 11 × 4 × 46	अपूर्ण-59 प्रश्नोत्तर	19वीं	
विवादास्पद प्रश्न समाधान	मा.	9	26 × 11 × 17 × 40	अपूर्ण 32 ,,	19वीं	
विवादास्पद चर्चा	,,	125	26 × 12 × भिन्न 2	भिन्न 2 पत्रे (9,74,33 9)	19वीं	
खंडन मंडन शैली/ भक्ति	,,	19	23 × 12 × 5 × 30	संपूर्ण 125 गा कुल ग्रं. 420	19वीं	
,,	,,	26*	27 × 12 × 5 × 48	,, 126 गा.	1884	
,,	,,	6,13	26 × 11 व 25 × 12	,, 125 गा.	19वीं	
,,	,,	8,6,8,	26 से 29 × 12 से 14	संपूर्ण 125 गा. (ढाल 14-12)	19वीं	
विवादास्पद प्रश्न निराकरण	सं.	92,145	26 × 12 व 24 × 12	संपूर्ण चार उल्लास	19/20वीं	
विवादास्पद विवेचन	मा.	7	28 × 12 × 15 × 44	,,	1897	
सांप्रदायिक मंडन	,,	2	26 × 11 × 13 × 56	,, 52 पद	19वीं	
विवाद निराकरण	सं.	52	27 × 13 × 14 × 42	,, चार अधिकार 306 प्रश्न	,, वाराही-नगर	बीजकसह, 1653 की कृत्ति

जीवन चरित्र व कथानक :—

गौतमस्वामी जीवन प्रसंग	मा.	1	26 × 11 × 16 × 33	संपूर्ण 21 गा.	1875 मथुरा	
(रात्रि भोजन पर) जीवनी	,,	7	27 × 12 × 15 × 43	अपूर्ण 9 ढाल + 3 गा.	19वीं	
जीवन चरित्र	,,	4	25 × 11 × 17 × 44	संपूर्ण 136 गा.	,,	
(सत्य पर) जीवनी	,,	25	26 × 11 × 17 × 40	,, 4 खंड	1873	
,, ,,	,,	77	23 × 11 × 11 × 25	,, 487 ढाल ग्रं 1500	1895 भागचंद यति	
श्लोकों में सारांश	,,	2	26 × 12 × 16 × 34	,, 19 गा. (18 कथायें	19वीं	
औपदेशिक कथा	,,	3	28 × 12 × 13 × 28	संपूर्ण 30 गा.	,,	
,,	,,	2	25 × 10 × 12 × 42	,, 35 गा.	,,	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
9	मुनिसुव्रत 4 अ 126	अनाथीमुनि संधि	Anāthī Muni Sandhi	खेममुनि (चूहड़ शिष्य)	प.
10	के.नाथ 26/91	,, (कुलं) संधि	,, (Kulam) ,,	—	,,
11	के.नाथ 15/54	,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
12	के.नाथ 19/12	अनाथी साधु संधि	,, Sādhu ,,	विमलविनय	,,
13	के.नाथ 14/98	,, ऋषि सज्झाय	,, Ṛṣi Sajjhāya	मधुकर मुनिराम	,,
14	कुंथुनाथ 13/37	,, मुनि ,,	,, Muni ,,	—	,,
15	महावीर 4 अ 18	अभयकुमार-चरित्र	Abhayakumāra Caritra	चंद्रतिलक (जिनेश्वर शिष्य)	,,
16	महावीर 4 अ 59	,,	,, ,,	,,	,,
17	के.नाथ 14/109	अभयकुमारादि 5 साधु चौपई	Abhayakumārādi 5 Sādhu Caupaī	साधुकीर्त्ति+साधुसुंदर	,,
18	कुंथुनाथ 15/5	अमरकुमार-चरित्र	Amarakumāra Caritra	लक्ष्मीवल्लभ	,,
19	मुनिसुव्रत 4 अ 133	अमरदत्त मित्रानंद कथा	Amaradatta Mitrānanda Kathā	—	ग.
20	के.नाथ 10/6	अमरसेन जयसेन चौपई	Amarasena Jayasena Caupaī	सुमतिहंस	प.
21-2	के.नाथ 14/49, 5/111	,, रास 2 प्रतियां	,, Rāsa 2 copies	,,	,,
23	मुनिसुव्रत 4 अ 114	अमरसेन वयरसेन चौपई	,,Vayarasena Caupai	पुण्यकीर्त्ति	,,
24	के.नाथ 19/88	,,	,, ,,	पा. पुण्य (कलश) कीर्त्ति	,,
25	कुंथुनाथ 13/219	अरणिक-सज्झाय	Araṇika Sajjhāya	रूपविजय	,,
26	के.नाथ 19/67	अर्जुनमाली-चौढालिया	Arjuna Māli Cauḍhāliyā	अज्ञात	,,
27	के.नाथ 19/90	,,	,,	,,	,,
28	के नाथ 24/40	अर्हन्नकमुनि-चौपई	Arhannaka Muni Caupaī	वा. राजहर्ष	,,
29	के.नाथ 19/77	अर्हन्ना-चौपई	Arhanna Caupaī	उ. ललितकीर्त्ति	,,
30	मुनिसुव्रत 4 अ 173	अवंति सुकमाल चौपई	Avanti Sukamāla Caupaī	जिनहर्ष	,,
31	के.नाथ 5/79	,,	,,	,,	,,
32	कुंथुनाथ 15/22	,,	,,	,,	,,
33	कोलड़ी 1154	,,	,,	,,	,,
34-5	कोलड़ी 951,266	,,	,, 2 copies	,,	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन प्रसंग	मा	5	25 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण	18वीं	उत्तराध्ययने/1745 कीं कृति
,,	अ.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	,, 63 गाथा	18वीं	,,
,,	,,	3	26 × 10 × 15 × 38	,, ,,	19वीं	,,
,,	मा	5	26 × 11 × 11 × 37	,, 70 गा.	,,	,,
,,	मा.	3*	25 × 11 × 15 × 54	,, 29 गा.	,,	,,
,,	मा.	1	25 × 12 × 5 × 40	अपूर्ण 4 गा. मात्र	20वीं	,,
जीवनी	सं.	250	26 × 13 × 15 × 41	संपूर्ण 12 सर्ग ग्रं. 8964	1954 × गोपीनाथ	
,,	,,	19	27 × 13 × 12 × 36	अपूर्ण (417 श्लोक तक)	20वीं	
(अभय,सुव्रत,शिव धन जोनककी जीवनी	मा.	8	27 × 13 × 18 × 54	संपूर्ण 12 ढालें	19वीं	अंत में समवसरण व 28 लब्धिस्तवन
औपदेशिक जीवन प्रसंग	मा.	7	26 × 11 × 19 × 54	,, 18 ढालें	,,	
(कषायपर)|जीवनी	सं.	8	26 × 12 × 14 × 38	,,	17वीं	
औपदेशिक जीवनी	मा.	22	26 × 12 × 12 × 34	अपूर्ण 24वीं ढाल अधूरी तक	19वीं	
,,	,,	19,10	24 × 10 व 21 × 10	संपूर्ण 24 ढाल	1824/19वीं	
(दानपूजा पर) जीवनी	,,	10	26 × 12 × 17 × 44	,, 271 गा.	1862सुभटपुर हरिचंद्र	प्रशस्ति है/1666 की कृति
,,	,,	10	26 × 11 × 15 × 44	,, 285 गा.	19वीं	
औपदेशिक जीवन प्रसंग	,,	1	26 × 11 × 12 × 36	,, 8 गा.	,,	
,,	,,	32*	22 × 11 × 10 × 28	,, 6 ढालें	,,	सेठ सुदर्शन संबंध
,,	,,	5	23 × 11 × 11 × 25	,, ,,	,,	,, (पिछली की नकल)
,,	,,	11	25 × 11 × 13 × 41	,,	1781	
,,	,,	7	25 × 11 × 15 × 41	,,	19वीं	
,,	,,	4	23 × 12 × 15 × 43	,, 105 छंद = 13ढालें	1817 नागपुर	
,,	,,	7	26 × 11 × 11 × 37	,, — ,,	1821	
,,	,,	6	25 × 11 × 12 × 44	,, 102 छंद	1823	
,,	,,	3	26 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण (पहिला पन्ना कम)	1833	
,,	,,	4,5	27 × 12 व 23 × 12	संपूर्ण 104 गा.	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
36	मुनिसुव्रत 4 अ 112	अंजनासुंदरी-रास	Añjanā Sundarī Rāsa	अज्ञात	प.
37	के.नाथ 5/110	„ चौपई	„ Caupai	पुण्यसागर	„
38	कोलड़ी 249	„ „	„ „	„	„
39	के.नाथ 5/58	„ „	„ „	„	„
40	मुनिसुव्रत 4 अ 113	„ „	„ „	„	„
41-2	के.नाथ 24/31, 10/107	„ „ 2 प्रतियां	„ „ 2 copies	„	„
43	के.नाथ 11/104	„ „	„ „	विनयचंद	„
44	के.नाथ 5/104	„ „	„ „	मालमुनि	„
45	कुंथुनाथ 43/3	„ „	„ „	अज्ञात	„
46	के.नाथ 10/29	„ „	„ „	„	„
47	के.नाथ 11/96	„ रास	„ Rāsa	अज्ञात	„
48	के.नाथ 26/20	„ „	„ „	अज्ञात	„
49	महावीर 4 अ 8	अंबड-चरित्र	Ambaḍa Caritra	अमरसुन्दर	„
50	कोलड़ी 1081	„	„	„	„
51	महावीर 4 अ 15	„	„	„	„
52	कुंथुनाथ 55/16	„	„	विनयसमुद्र (पार्श्वचंद शिष्य)	„
53	ओसियां 4 अ 188	„	„	क्षमाकल्याण	„
54	कोलड़ी 148	आठ धर्मकृत्य कथानक	Aṭha Dharma Kṛtya Kathānaka	—	ग.
55	के.नाथ 22/48	आठ साधुदान कथानक	„ Sādhudāna „	—	„
56	के.नाथ 11/67	„ „ व आठ प्रवचन माता कथानक	„ „ +8Pravacana Mātā Kathānaka	—	„
57-8	के.नाथ 21/22, 15/170	„ „ 2 प्रतियां	„ Sādhudāna Kathānaka 2 copies	—	„
59	मुनिसुव्रत 4 अ 146	आनन्द श्रावक संधि	Ananda Śrāvaka Sandhi	मुनि श्रीसार (हेमकीर्त्ति शिष्य)	प.
60	के.नाथ 26/92	„	„	„	„
61	कोलड़ी 268	„	„	„	„
62	कोलड़ी 269	„	„	„	„

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा.	14	25×11×12×45	संपूर्ण 160 गा.	1728	कुंथु 34 के सदृश पाठ
औपदेशिक-जीवन	,,	17	25×11×17×43	,, 3 खण्ड	1735	1689 की कृत्ति
,,	,,	24	26×11×13×40	,, ,,	1763	
,,	,,	23	27×12×15×36	,, ,,	1823	
,,	,,	35	23×10×12×35	,, ,,	1842 मेड़ता शोभासागर	
,,	,,	17,31	25×11 व 27×13	,, ,,	19/20वीं	
,,	,,	9	25×11×14×40	,, 11 ढालें	19वीं	
,,	,,	7	27×12×15×42	,, ग्रं. 200	,,	
,,	,,	18	20×13×15×30	,, 156 गा.	1957 गणेश-चंद्र	इसका व अनंतर का पाठ एक
,,	,,	6	27×12×19×56	अपूर्ण	20वीं	पिछली के सदृश
,,	,,	13	25×11×13×39	संपूर्ण 142 गा. (ग्रं.500)	19वीं	भिन्न पाठ
,,	,,	8	25×15×14×30	अपूर्ण	,,	भिन्न पाठ
धार्मिक जीवन चरित्र	सं.	20	26×12×19×40	संपूर्ण 7 आदेश ग्रं. 1300	1806× विनयकीर्त्ति	
,,	,,	43	25×11×13×38	अपूर्ण (6 आदेश+186 श्लोक)	19वीं	
,,	,,	33	27×13×13×36	संपूर्ण 7 आदेश ग्रं. 1300	1961	
,,	मा.	14	26×11×17×44	,, 493 गा (पन्ना 5 व 6 कम है)	16वीं तिवरी	असल प्रति है संभवत: 1592 की कृत्ति है
,,	,,	49	28×12×13×35	संपूर्ण	20वीं	
पूजा, दया, दान, यात्रा जय, तप, ज्ञान व परो.	,,	28	26×11×16×42	,, 8 दृष्टांत कथानक	19वीं	
बस्ती, शयन, आसन, आहार, पान, भैषज वस्त्र, पात्र दान पर	सं.	11	26×11×16×51	,, 8 दृष्टांत कथानक	16वीं	
8दान, 5सामित, 3 गुप्तिपरप्रसिद्धदृष्टांत	,,	25	26×11×12×31	,, ,,	1598	
साधु को 8 प्रकार के दानों पर दृष्टान्त	,,	11,7	26×11 व 25×10	,, 8 दृष्टांत कथायें ग्रं. 511	19वीं	(दूसरी प्रति में 7 कथायें ही हैं)
जीवन चरित्र	मा.	12	26×11×14×36	संपूर्ण 250 गा. 15 ढालें	1744 फलोदी	
,,	,,	गुटका	20×16×18×20	,, 240 गा. ,,	1767	
,,	,,	19	26×11×11×34	,, 250 गा. ,,	1764	
,,	,,	12	25×9×15×32	,, 261 गा. ,,	1770	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
63	के.नाथ 14/86	आनन्द श्रावक-सन्धि	Ānanda Śravaka Sandhi	मुनि श्रीसार (हेमकीर्ति का शिष्य)	प.
64	,, 6/73	,,	,,	,, ,,	,,
65	कोलड़ी 364	,,	,,	,, ,,	,,
66	ओसियां 3 अ 186	,,	,,	,, ,,	,,
67	के नाथ 26/103गु.	आमत्य की क्रीड़ा	Āmala kī Krīḍā	—	,,
68	मुनिसुव्रत 4 अ 160	आरामनंदन-कथानक	Ārāma Nandana Kathā-naka	अज्ञात	,,
69	कुंथुनाथ 21/4	आरामशोभा-कथा	Ārāma Śobhā Kathā	अज्ञात	,,
70	कोलड़ी 265	आर्द्रकुमार धम्माल	Ārdrakumāra Dhammāla	कनकसोम	,,
71	कुंथुनाथ 55/12	,,	,,	,,	,,
72-4	के.नाथ 15/69, 70 88	,, 3 प्रयियां	,, 3 copies	,,	,,
75	कुंथुनाथ 55/14	आषाढ़भूति-रास	Āṣāḍhabhūti Rāsa	धर्मसूरि का शिष्य	,,
76	कोलड़ी 9/9	,,	,,	,,	,,
77	,, 267	,, चौपई	,, Caupaī	मानसागर (जीवसागर शिष्य)	,,
78	ओसियां 4 अ 87	,, ,,	,, ,,	,,	,,
79-80	के.नाथ 14/88,99	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
81	,, 5/103	,, प्रबन्ध	,, Prabandha	ज्ञानसागर	,,
82	,, 16/30	,, कथा	,, Kathā	ऋषिरूप	,,
83	मुनिसुव्रत 4/165	,, धम्माल	,, Dhammāla	कनकसोम (शुभवर्द्धन शिष्य)	,,
84	कोलड़ी 937	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
85-6	के.नाथ 23/55, 15/225	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,, ,,	,,
87-8	कुंथुनाथ 14/5, 20/20	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,, ,,	,,
89-90	,, 17/10, 47/4	,, भास 2 प्रतियां	,, Bhāsa ,,	—	,,
91	मुनिसुव्रत 3 ई 243	इक्षुकार-संधि	Ikṣukāra Sandhi	मुनिखेम	,,
92	,, 3 ई 266	,,	,,	,,	,,
93	,, 3 इ 278	,,	,,	ऋषिराज	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा.	8	26 × 11 × 13 × 44	संपूर्ण 261 गा. 15 ढाले	1812	
,,	,,	17	25 × 11 × 11 × 31	,, — ,,	19वीं	
,,	,,	19	24 × 13 × 9 × 32	,, 240 गा. ,,	19वीं	
,,	,,	22	19 × 11 × 11 × 23	,, 15 ढालें	1937 × महात्मा विद्यालाल	
,,	प्रा.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 21 गाथायें	18वीं	
(सम्यक्त्व शुद्धि पर) जीवन	सं.	13*	26 × 11 × 18 × 52	,, 404 श्लोक	17वीं	
(जिनभक्ति पर) जीवनी	,,	9	26 × 11 × 15 × 48	,, 280 श्लोक (ग्रथाग्र भी)	1632	
जीवन-चरित्र	मा.	3	27 × 11 × 12 × 40	संपूर्ण चार ढालें	1644 अमरसर	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 39	,, ,, 47 गा	17वीं	
,,	,,	3,2,2	25 × 11 × भिन्न 2	,, ,, 48 से 51 गा.	19वीं	
(भावनापर) जीवनी	,,	3	25 × 11 × 13 × 32	संपूर्ण 56 गा.	17वीं	
,,	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 58 गा.	,,	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 46	,, 7 ढालें	1834	1730 की कृति
,,	,,	12	15 × 10 × 13 × 20	,, ,,	19वीं	
,,	,,	6,3	26 × 11 व 25 × 11	,, ,,	,,	
,,	,,	6	26 × 12 × 15 × 42	,, 16 ढालें	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण गाथा 165 तक	,,	
,,	,,	3	26 × 11 × 15 × 39	संपूर्ण 57 गा.	17वीं	
,,	,,	3	25 × 11 × 14 × 46	,, 63 गा.	19वीं	
,,	,,	8*,5	26 × 10 व 25 × 11	,, 56/59 गा.	,,	
,,	,,	3,3	27 × 11 व 26 × 11	,, 55/59 गा.	,,	
,,	,,	3,4	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण गा. 61 व 65	,,	
औपदेशिक जीवनी	,,	5	25 × 11 × 15 × 43	संपूर्ण 8 ढालें = 145 गा.	1750 अहिपुर रामसिंह	1747 की कृति, उत्तराध्ययने
,,	,,	4	26 × 11 × 16 × 59	,, ,, = 143 गा	1769 आनंदपुर गंगाराम	
,,	,,	2	24 × 10 × 17 × 54	,, 64 गाथा	19वीं	अंत में 8 गा. की 'शील सज्झाय'

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
94	ओसियां 4 अ 190	इक्षुकार-कथा	Ikṣukāra Kathā	—	ग.
95	कोलड़ी 227	इलाकुमार-चौपई	Ilākumāra Caupaī	ज्ञानसागर	प.
96	के नाथ 29/43	इलायचीकुमार चौपई	Ilāyacīkumāra Caupaī	,,	,,
97	कुंथुनाथ 13/49	,, -सज्झाय	,, Sajjhāya	लब्धिविजय	,,
98	के.नाथ 29/16	,, ,,	,, ,,	भालमुनि	,,
99	के.नाथ 14/95	,, -चौढालिय	,, Cauḍhāliyā	अज्ञात	,,
100	के.नाथ 21/29	उत्तमकुमार-चरित्र	Uttamakumāra Caritra	चारुचंद्र	,,
101	मुनिसुव्रत 4 अ 139	,,	,, ,,	,,	,,
102-3	महावीर 4 अ 6/61	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
104	कोलड़ी 225	,, चौपई	,, Caupaī	तत्वहंस	,,
105	,, 1326	उद्दयन चंडप्रद्योत-दृष्टांत	Uddayana Candapradyota Dṛṣṭānta	—	ग.
106	कुंथुनाथ 33/6	,,	,, ,,	—	,,
107	महावीर 4 अ 27	ऋषभदेव-चरित्र	Ṛṣabhadeva Caritra	जिनवल्लभ	मू वृ.
108	के.नाथ 6/29	,, +बा.	,, +Bālā.	(कल्पसूत्र-आधारे)	मू.बा.
109	के.नाथ 6/17	,,	,,	(,,)	ग.
110	महावीर 3 अ 67	,,	,,	—	,,
111	के नाथ 22/30	ऋषभ शतक-चरित्र	Ṛṣabha Śataka Caritra	हेमविजय	प.
112	के.नाथ 10/10	ऋषभदेव-चरित्र	Ṛṣabhadeva Caritra	अज्ञात	,,
113	कोलड़ी 334	,, फागु	,, Fhāgu	ज्ञानभूषण	,,
114	मुनिसुव्रत 4 अ 118	,, धवल प्रबन्ध	,, Dhavala Prabandha	अज्ञात	,,
115	के.नाथ 29/1	,, ,,	,, ,,	—	,,
116	के.नाथ गुटका 6	ऋषभ-विवाहलौ	Ṛṣabha Vivāhalau	अज्ञात	,,
117	के.नाथ 19/41	,,	,,	ऋषभदास	,,
118	के.नाथ 14/68	,,	,,	अज्ञात	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवनी	मा.	5	26 × 12 × 9 × 35	संपूर्ण	1951 सिद्धक्षेत्र हहीसिंह	
(भावविषये) जीवनी	,,	6	27 × 10 × 14 × 44	,, 267 ग्रं.	1755	
,,	,,	6	25 × 11 × 17 × 51	,, गा. 187	19वीं	
,,	,,	1	17 × 14 × 13 × 18	संपूर्ण	,,	
,,	,,	1	31 × 34 × 75 × 35	,,	20वीं	
,,	,,	3	26 × 13 × 16 × 32	,, 4 ढालें	19वीं	साथ में 28 लब्धि चौढलिया
सुपात्रदाने जीवनी	सं.	16	26 × 11 × 13 × 41	,, 574 श्लोक, ग्रं. 596	1644	
,,	,,	20	25 × 11 × 13 × 44	,, ,, ,,	18वीं × मतिसोम	
,,	,,	20,17	27 × 12 × 12/14 × 45	,, ,, ,,	20वीं	
,,	मा.	36	25 × 11 × 17 × 48	संपूर्ण 51 ढाल	1767	
क्षमापना पर प्रसंग	सं.	3	26 × 11 × 17 × 48	संपूर्ण	16वीं	
,,	मा.	5	26 × 12 × 13 × 40	,,	19वीं	
तीर्थंकर जीवन चरित्र	प्रा.सं.	35*	27 × 11 × 15 × 45	,, 25 गा.	1951 अमदाबाद धर्मसेन	(लिपिक ने जिनभद्र कृत कहा है) चरित्र-पंचके
,,	प्रा.मा.	23	26 × 11 × 13 × 45	,,	1668	
,,	प्रा.सं.मा.	13	26 × 11 × 15 × 43	,,	19वीं	
,,	सं.	8	26 × 11 × 15 × 50	,,	17वीं	
,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 41	,, 100 श्लोक	19वीं	
,,	,,	20	31 × 12 × 20 × 68	,, 1428 श्लोक	18वीं	अंत में धन्नासार्थवाह का दृष्टान्त
,,	मा.	13	27 × 11 × 13 × 39	,, 250 गाथा	1636	
ऋषभ विवाह जीवन-चरित्र	,,	7	25 × 11 × 13 × 44	,, 44 ढालें	17वीं	
,,	,,	7	27 × 10 × 11 × 56	अपूर्ण 22 ढालें	,,	
,,	,,	8	22 × 15 × 19 × 38	संपूर्ण 233 गा.	1738	
,,	,,	4	26 × 12 × 12 × 41	,, 67 गा.	1758	
,,	,,	16	26 × 11 × 11 × 32	संपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2.	3	3 A	4	5
119-20	के.नाथ 6/129, 15/72	ऋषभदेव 13 पूर्वभव 2 प्रतियां	Ṛṣabhadeva 13 Pūrvabhava 2 copies	—	ग.
121	के.नाथ 19/6	ऋषदत्ता-चरित्र	Ṛṣidattā Caritra	विजयशेखर	प.
122	के.नाथ 5/6	कथा-कोश	Kathā Kośa	—	ग.
123	ओसियां 4 अ 104	,,	,,	अज्ञात	,,
124	कोलड़ी 264	कनकावती-चौपई	Kanakāvatī Caupaī	,,	प.
125	कोलड़ी 223	कयवन्ना-चौपई	Kayavannā Caupaī	गुणसागर	,,
126	कोलड़ी 221	कयवन्नाशाह-चौपई	Kayavannā Śhāha Caupaī	जयरंग (जयतसी)	,,
127	कोलड़ी 222	,,	,,	,,	,,
128-30	के.नाथ 19/117, 15/50, 29/15	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
131	कोलड़ी 211	करकण्डु-चौपई	Karakaṇḍu Caupaī	समयसुन्दर	प.
132	के.नाथ 21/95	कलावती-कथा	Kalāvatī Kathā	—	ग.
133	के.नाथ 14/101	,, चौपई	,, Caupaī	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	प.
134	के.नाथ 18/26	,, चरित्र	,, Caritra	कक्कसूरि शिष्य ?	,,
135	कोलड़ी 240	कान्हड कठियारा का रास	Kānhaḍa Kaṭhiyārā kā Rāsa	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	,,
136	तिंवरी 4 अ 184	,,	,,	,,	,,
137	के.नाथ 15/26	,,	,,	,,	,,
138	के.नाथ 5-106	,,	,,	,,	,,
139	ओसियां 4 अ 187	,,	,,	,,	,,
140	कोलड़ी 241	,, की चौपई	,, kī Caupaī	अज्ञात	,,
141	कोलड़ी 969	कालिकाचार्य-कथा	Kālikācārya Kathā	(कल्पसूत्रान्तर्गत)	ग.
142	के.नाथ 15/152	,,	,,	,,	,,
143	के.नाथ 11/7(2	,,	,,	भावदेवसूरि	प.
144	कोलड़ी 10A	,,	,,	—	,,
145	कोलड़ी 10B	,,	,,	—	,,
146	कोलड़ी 1219	,,	,,	—	,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभजिन के पूर्वभव	मा.	2,3	25 × 11 × 15 × 42	संपूर्ण 13 भव	19वीं	
औपदेशिक जीवन चरित्र	,,	16	27 × 11 × 15 × 44	,, 3 अधिकार 492 गा.	,,	
दृष्टांत कथानक	सं.	124	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण (72 कथानक तक)	16वीं	
,,	,,	94	25 × 13 × 17 × 37	संपूर्ण	1892 साधासर पन्नालाल	
औपदेशिक-जीवन	मा.	6	25 × 12 × 16 × 40	,, 164 गा.	1762	
दानविषये-जीवनी	,,	11	26 × 11 × 13 × 45	,, 25 ढाल ग्रं. (गा.) 281	1786	
,,	,,	23	25 × 12 × 15 × 40	संपूर्ण 31 ढाल	1820	अंतिम पत्रे पर प्र ग्रि आयुष्मान
,,	,,	17	25 × 11 × 17 × 45	,, ,,	1834	
,,	,,	20,27,5	24 से 34 व 10 से 21	,, ,,	19/20वीं	
औपदेशिक-जीवन	,,	4	28 × 10 × 17 × 70	,, 10 ढाल	19वीं	(प्रत्येक बुद्ध चौपई का प्रथम खंड)
,,	सं.	5*	26 × 11 × 18 × 51	,,	,,	
,,	मा.	7	21 × 11 × 15 × 40	,, 9 ढालें	,,	
,,	,,	5	26 × 11 × 11 × 43	,, 92 गा.	,,	
शीलविषये-जीवनी	,,	7	21 × 12 × 16 × 35	,, 9 ढालें	1833	
,,	,,	9	26 × 11 × 13 × 42	,, ,,	1841 बडलु, उम्मेदचंद	
,,	,,	6	26 × 12 × 16 × 33	,, ,, 162 गा.	1841	
,,	,,	8	24 × 11 × 14 × 31	,, ,,	19वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 14 × 46	अपूर्ण (7वीं ढाल तक)	20वीं	
,,	,,	5	25 × 10 × 15 × 40	संपूर्ण 8 ढाल	19वीं	
साधुजीवन का एक ऐतिहासिक प्रसंग	प्रा.	10	29 × 10 × 7 × 39	त्रुटक (सचित्र)	13/14वीं	कुल 4 चित्र/सुनहरी स्याही
,,	,,	9	26 × 11 × 9 × 30	संपूर्ण (सचित्र) + 1 कल्पसूत्र-पन्ना	15वीं	कुल 6 चित्र सुनहरें
,,	,,	11	26 × 14 × 6 × 29	संपूर्ण 99 गा.	,,	
,,	स.	5	27 × 12 × 10 × 35	संपूर्ण 65 श्लोक	16वीं	प्रथम पत्रे पर चित्र
,,	,,	9	26 × 11 × 7 × 28	,, ,,	,,	कुल 5 चित्र
,,	,,	8	28 × 11 × 7 × 30	,, ,,	1684	—

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
147	के.नाथ 11/34	कालिकाचार्य-कथा	Kālikācārya Kathā	—	ग.
148	ओसियां 4 अ 99	,,	,,	—	,,
149-51	के नाथ 17/58, 15/100-167	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
152	ओसियां 4 अ 101	,,	,,	—	,,
153	,, 4 अ 100	,,	,,	—	,,
154	कोल्हड़ी 11	,,	,,	जयकीर्त्ति	,,
155	के नाथ 21/59	,,	,,	—	,,
156	ओसियां 4 अ 120	,,	,,	—	,,
157	के नाथ 16/9	कीर्त्तिधर सुकोशल-चरित्र	Kīrttidhara Sukośala Caritra	—	पद्य
158	,, 15/229	,, चौढालिया	,, Caudhāliyā	आनंदनिधान	,,
159	,, 11/22	कुमारपाल-चरित्र	Kumārapāla Caritra	सोमतिलक	,,
160-1	महावीर 4 अ 16 56	कूर्मापुत्र केवली-चरित्र 2 प्रतियां	Kūrmāputra Kevalī Caritra 2 copies	विद्यारत्न (मुनिचंद्र-सूरि शिष्य)	,,
162	के.नाथ 19/101	कुण्डरीक पुण्डरीक-ढाल	Cuṇḍarika Puṇḍarīkaḍhāla	—	प.
163	सेवामंदिर 4 अ 179	कूलबालक-कथा	Kūlabālaka Kathā	—	प.ग.
164	के नाथ 29/65	कृष्णजी की ढाल	Kṛṣṇajī kī Ḍhāla	—	प.
165	मुनिसुव्रत 4 अ 123	कृष्ण-विवाह	Kṛṣṇa Vivāha	—	,,
166	,, 4 अ 124	,,	,,	—	,,
167	कोलड़ी 279	कौणिक-चौढालिया	Kauṇika Caudhāliyā	—	,,
168	के.नाथ 18/82	कौणिक नृप-ढाल	Kauṇika Nṛpa Ḍhāla	—	,,
169	के.नाथ 19/4	क्षुल्लकुमार ऋषि-प्रबंध	Kṣullakumāra Ṛṣi Prabandha	पद्मराज उपाध्याय	,,
170	कुंथुनाथ 56/2	खंधकऋषि-सज्झाय	Khandhaka Ṛṣi Sajjhāya	पार्श्वचंद	,,
171	के.नाथ 6/56	,,	,,	,,	,,
172	,, 14/110	खंधककुमार-चौढालिया	Khandhaka Kumāra Caudhāliyā	अज्ञात	,,
173	सेवामंदिर 4 अ 195	,,	,, ,,	,,	,,
174	के नाथ 10/64-1	गजसुकमाल-रास	Gajasukamāla Rāsa	जिनराजसूरि	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
साधुजीवन का एक ऐतिहासिक प्रसंग	सं.	12	25 × 11 × 14 × 45	संपूर्ण	1764	
,,	,,	13	26 × 11 × 14 × 45	,,	1777	
,,	,,	13,10,4	25 × 11 × 13/15 × 35	,,	19वीं	
,,	,,	17	25 × 12 × 13 × 37	,,	1908 हमीरपुर ऋषिसुंदर	
,,	मा.	13	16 × 11 × 14 × 42	,,	17वीं	
,,	,,	10	28 × 12 × 16 × 47	,,	1812	
,,	,,	16	27 × 12 × 15 × 41	,,	19वीं	
,,	,,	19	26 × 12 × 13 × 35	,,	1952	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा.	4	26 × 8 × 10 × 51	,, 107 गा.	1496	
,,	मा.	2	21 × 10 × 17 × 38	,, 55 गा.	19वीं	
जीवन चरित्र	सं.	19	26 × 11 × 15 × 45	,, 730 श्लो ग्रं. 750	16वीं	
,,	,,	70,91	27 × 13 व 28 × 14	संपूर्ण चार उल्लास ग्रं. 3105	19वीं	प्रशस्ति है
,,	मा.	68*	26 × 12 × 20 × 50	संपूर्ण	,,	
ऐतिहासिक जीवन प्रसंग	सं.	4	27 × 12 × 14 × 42	,, 125 गाथा टब्बा-सह	1962 बालोत्रा जुहारमल	
जीवन-प्रसंग	मा.	19	21 × 11 × 16 × 22	,, 18 पत्रों में	19वीं	अंत में छोटी सी मेघकुमार सज्झाय
जैन ऐतिहासिक प्रसंग	,,	5	26 × 11 × 15 × 50	,, 170 गा.	1735	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 40	संपूर्ण 147 गा.+2 तीर्थंकर स्तवन	1764 मेड़ता. भागुजी	
जीवन-प्रसंग इतिहास	,,	4	15 × 14 × 28 × 23	,, 4 ढालें	19वीं	
,,	,,	6	25 × 11 × 18 × 44	,, 13 ढालें	,,	
औपदेशिक-जीवनी	,,	5	26 × 11 × 15 × 48	,, 141 गा.	,,	1660 की कृति
,,	,,	6	25 × 11 × 13 × 37	,, 102 गा.	18वीं	1600 ,,
,,	,,	9	26 × 10 × 12 × 39	,, ,, ग्रं. 225	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 12 × 33	,, 4 ढालें	,,	
,,	,,	3	26 × 10 × 14 × 32	,, ,,	1931 × कृष्णलाल	
औपदेशिक-जीवन चरित्र	,,	21	23 × 12 × 16 × 34	अपूर्ण	18वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
175	कुंथुनाथ 55/25	गजसुकमाल-गीत	Gajasukamāla Gīta	परमानंद	प.
176	,, 53/4	,,	,,	,,	,,
177	,, 29/16	,,	,,	,,	,,
178	के.नाथ 19/92	,, -सज्झाय	,, Sajjhāya	शुभवर्द्धन का शिष्य	,,
179	कुंथुनाथ 18/3	,,	,,	ऋषि वच्छराज	,,
180	,, 2/36	,,	,,	मुनिराज	,,
181	,, 42/7	,, -चौपई	,, Caupaī	—	,,
182	के.नाथ 14/45	गंडकथा-पंचक	Gaṇḍakathā Pañcaka	—	,,
183	मुनिसुव्रत 4 अ 168	गुणकरंड गुणावली-चौपई	Guṇakaraṇḍa Guṇāvalī Caupaī	ज्ञानमेरु	,,
184	के.नाथ गुटका 1	,,	,,	ऋषिदीप (वर्द्धमान शिष्य)	,,
185	मुनिसुव्रत 4 अ 129	,,	,,	,,	,,
186	कुंथुनाथ 15/3	गौतम-रास	Gautama Rāsa	विनयप्रभ	,,
187	ओसियां 4 अ 80	,,	,,	,,	,,
188	मुनिसुव्रत 3 इ 325	,,	,,	,,	,,
189-90	कुंथुनाथ 9/121, 10/154	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
191	के नाथ 14/113	,,	,,	,,	,,
192	मुनिसुव्रत 3 इ 324	,,	,,	,,	,,
193-8	कोलड़ी 254 से 58, 1128	,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,
199-200	महावीर 4 अ 37 36	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
201	ओसियां 3 इ 181	,,	,,	,,	,,
202	के नाथ 26/49	गौतमस्वामी-सज्झाय	Gautama Svāmī Sajjhāya	हरखचंद	,,
203	मुनिसुव्रत 4 अ 138	चतुर्विंशति-प्रबन्धकोश	Caturviṁśati Prabandha Kośa	राजशेखरसूरि	ग.
204	,, 4 अ 43	,,	,,	,,	,,
205	,, 3 इ 282	चंदनबाला-गीत	Candanabālā Gīta	अजितदेवसूरि	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन चरित्र	मा.	5	25×11×13×33	संपूर्ण 17 ढालें	16वीं चतरान	
,,	,,	6	24×11×12×40	,, 16 ढालें	17वीं	
,,	,,	13	25×11×11×36	,, केवल पहिला पन्ना कम	19वीं	
,,	,,	11	26×11×13×44	,, 92 गा.	,,	
,,	,,	3	26×11×13×39	,, 31 गा.	,,	
,,	,,	1	26×12×15×40	,, 36 गा.	20वीं	
,,	,,	11	26×11×18×51	अपूर्ण 19वीं ढाल तक	,,	बीच के 2 से 12 पन्ने
औपदेशिक दृष्टान्त	प्रा.	14	27×11×17×56	संपूर्ण 5 कथायें	16वीं	
(पुण्य पर) जीवन कथा	मा.	4	25×11×18×52	,, 180 गा. (पहिला पन्ना कम)	1171 कंदडा दुदाजी	पांच व्रतों पर
,,	,,	13	22×19×27×32	,, 27 ढालें गा. 603	1814	1757 की कृति
,,	,,	27	25×11×14×41	,, ,,	1849 मेड़ता राजेन्द्रसागर	
जीवन-कीर्त्तन	अ.मा.	7	27×12×9×34	संपूर्ण 45 गा.	17वीं	वीरजिणेसर चरण कमल वाला
,,	,,	3	26×12×16×36	,, 73 गा.	1805× उद्योतरत्न	,,
,,	,,	4	26×12×13×34	,, 60 गा.	1840 सादड़ी चतुरविजय	,
,,	,,	3,5	27×13×25×12	,, 45/58 गा.	19वीं	,,
,,	,,	4	25×11×13×39	,,	,,	,,
,,	,,	8	24×13×12×23	,,	,,	,,
,,	,,	3,5,5, 10,52	22 से 26×11×भिन्न2	,, (गाथायें भिन्न 2/ 47 से 77 तक)	,,	अंतिम प्रति अपूर्ण 23 गा.
,,	,,	7,4	25×11×9/13× 29/42	,, 74/48 गा.	18/20वीं जोधपुर,सीताराम	
,,	,,	6	25×11×11×26	,, 47 गाथा	1920	
,,	मा.	2	26×12×18×49	,, 16 गा.	19वीं	
आचार्यों व राजाओं के चरित्र	सं.	51	25×11×17×67	लगभग पूर्ण (अंतिम पन्ने वस्तुपाल चरित्र के कम हैं)	16वीं	(प्रसिद्ध)
,,	,,	90	27×11×15×51	संपूर्ण	18वीं	,, /प्रशस्ति है
औपदेशिक-जीवन गाथा	मा.	2	25×10×16×45	संपूर्ण 25 गा.	1721	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
206	के.नाथ 10/42	चंदनबाला-चरित्र	Candanabālā Caritra	रतनचंद	प.
207	के.नाथ 19/68	,, चौढालिया	,, Cauḍhāliyā	विनयचंद	,,
208	के.नाथ 15/194	,, चौपई	,, Caupaī	कवि देपाल	,,
209	के.नाथ 15/160	,, रास	,, Rāsa	—	,,
210	कुंथुनाथ 35/8	,, गाथा	,, Gāthā	हापराज	,,
211-2	महावीर 3 ई 62, 61	,, सज्झाय 2 प्रतियां	,, Sajjhāya 2 copies	अज्ञात	,,
213	मुनिसुव्रत 4 अ 127	चंदनमलयगिरि-चौपई	Candana Malayagiri Caupaī	सुमतिहंत	,,
214	कोलड़ी गुटका 3/2	,, वार्त्ता	,, Vārtā	भद्रसेन	,,
215	कुंथुनाथ 45/4	,, ,,	,, ,,	,,	,,
216	के नाथ 14/48	,, चौपई	,, Caupaī	आनन्दविजय (कल्याण कलश शिष्य ?)	,,
217	मुनिसुव्रत 4 अ 128	,, वार्त्ता	,, Vārtā	भद्रसेन	,,
218	कुंथुनाथ 14/6	,, ,,	,, ,,	—	,,
219	ओसियां 2-249	,, चौपई	,, Caupaī	—	,,
220	के.नाथ 20/36	चंदराजा-चरित्र	Canda Rājā Caritra	दर्शनविजय	,,
221	ओसियां 4 अ 185	,, -प्रबन्ध	,, Prabandha	ज्ञानविमल	,,
222	कुंथुनाथ 45/5	चंदराजा का रास	,, kā Rāsa	विद्यारुचि	,,
223	कोलड़ी 218	,,	,,	मोहनविजय (रूपविजय-शिष्य)	,,
224	मुनिसुव्रत 4 अ 148	,,	,,	,,	,,
225	कोलड़ी 230	,,	,,	,,	,,
226	ओसियां 4 अ 91	,,	,,	,,	,,
227	मुनिसुव्रत 4 अ 147	,,	,,	,,	,,
228-9	के नाथ 19/118, 20/35	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
230-1	कोलड़ी 229, 1139	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
232	कुंथुनाथ 33/4	चंदराजा का सिलोका (श्लोक)	Canda Rājā kā Śloka	—	,,
233	कोलड़ी 1336	चंदराजा गुणावली पत्राचार	,, Guṇāvali Patrācāra	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन गाथा	मा.	6	24 × 12 × 14 × 38	संपूर्ण 14 ढालें	19वीं	
,,	,,	18*	24 × 10 × 15 × 32	,, 4 ढालें	1906	
,,	,,	7	25 × 11 × 13 × 36	,, 137 गा.	19वीं	
,,	,,	4	24 × 11 × 21 × 45	,, 143 गा.	,,	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 35	,, 21 गा.	20वीं	
,,	,,	3,5	26 × 13 व 20 × 11	प्रथम पूर्ण 42 गा., द्वितीय 10 से 42	,,	
(शील पर) जीवनी	,,	9	26 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण 267 गा.	18वीं	
,,	,,	गुटका	15 × 14 × 16 × 22	,, 5वीं कली तक	1784	जैनेत्तर-संस्करण
,,	,,	,,	17 × 14 × 11 × 18	,, 194 गा. छः कलियें	1828	
,,	,,	4	24 × 11 × 20 × 45	,, 148 गा.	19वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 16 × 50	,, 185 गा. 6 कलियें	,,	जैनेत्तर-संस्करण
,,	,,	1	51 × 11 × 34 × 25	अपूर्ण 68 गा.	,,	
,,	,,	12*	25 × 11 × 12 × 35	संपूर्ण 6 ढालें	20वीं	
(शील पर) जीवन चरित्र	,,	60	24 × 11 × 14 × 35	,, 1332 गा.	1815	
,,	,,	281	25 × 13 × 11 × 34	,, 8600 ग्रं.	1913	
,,	,,	119	19 × 13 × 13 × 27	,, 2700 ग्रं.	1818	
,,	,,	117	27 × 11 × 12 × 40	संपूर्ण 4 उल्लास 108ढा 2665 गा. ग्रं. 4000	1828	प्रशस्ति है।
,,	,,	169	26 × 12 × 12 × 34	,,	1829	
,,	,,	92	25 × 11 × 15 × 42	,,	1830	
,,	,,	58	27 × 11 × 19 × 67	,,	1836 × कनकसुंदर	
,,	,,	90	25 × 12 × 16 × 40	,,	1846, शुद्धदंति, ऋद्धिसागर	
,,	,,	138, 140	25 × 12 व 26 × 11	,,	19वीं	
,,	,,	67,11	27 × 13 व 25 × 14	प्रथम पूर्ण, द्वितीय अपूर्ण 1/11 तक	,,	
,,	,,	4	25 × 10 × 13 × 42	संपूर्ण 52 गाथा	,,	अंत में पार्श्व-स्तवन
,,	,,	5	25 × 12 × 12 × 27	संपूर्ण प्रति	,,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
234	महावीर 3 अ 27	चंद्रप्रभु-चरित्र	Candra Prabhu Caritra	जिनेश्वरसूरि	मू.वृ.
235	के नाथ 13/21	,,	,,	देवेन्द्रसूरि	पद्य
236	,, 5/92	चंद्रलेखा-चौपई	Candralekhā Caupai	मतिकुशल	प.
237	ओसियां 4 अ 85	,,	,,	,,	,,
238	मुनिसुव्रत 4 अ 144	,,	,,	,,	,,
239	के.नाथ 5/109	,,	,,	,,	,,
240	कोलड़ी 69/4	चंपकसेठ-चौपई	Campaka Seṭha Caupaī	समयसुन्दर	,,
241	कुंथुनाथ 24/5	चार प्रत्येक बुद्ध-चौपई	Cāra Pratyeka Buddha Caupaī	,,	,,
242	के.नाथ 6/44	,,	,,	,,	,,
243-4	के.नाथ 9-30,10-11	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
245	कुंथुनाथ 14/8	,, चौपई	,, Caupaī	,,	,,
246	सेवामंदिर 4 अ 193	चित्तसंभूत-चौपई	Citta Sambhūta Caupaī	ज्ञानसुन्दर	,,
247	मुनिसुव्रत 3 ई 277	,, सज्झाय	,, Sajjhāya	—	,,
248	,, 4 अ 130	चित्रसेन पद्मावती-चरित्र	Citrasena Padmāvatī Caritra	पाठक राजवल्लभ	मू.(प.)
249	के.नाथ 9/40	,,	,,	,,	,,
250	,, 19/19	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग)
251	,, 10/35	,,	,,	,,	मू (प.)
252	महावीर 4 अ 60	,,	,,	,,	,,
253	सेवामंदिर 4 अ 191	,,	,,	,,	,,
254	कोलड़ी 162	,,	,,	रत्नहर्ष	मू.ट. (प.ग.)
255	के.नाथ 24/78	चेलणा-चौढालिया	Celaṇā Cauḍhāliyā	ऋषिरायचंद	प.
256	ओसियां 4 अ 84	चौबोलीसती-चौपई	Cauboli Sati Caupai	अभयसोम (जिनचंद शिष्य)	,,
257	मुनिसुव्रत 4 अ 172	,,	,,	जिनहर्ष	,,
258	,, 4 अ 108	जरासिन्ध की बात	Jarā Sindha kī Bāta	—	,,
259	कोलड़ी 143	जंबू-चरित्र	Jamboo Caritra	—	मू.ट. (ग.)

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर-चरित्र	प्रा.स.	35*	27 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण 41 गाथा	1531 अमदाबाद	
,,	सं.	119	26 × 11 × 18 × 48	,, ग्रंथाग्र 5325	1731	
(सामायिक पर) जीवनी	मा.	16	25 × 11 × 17 × 54	,, ग्रं. 624, 29ढालें	1776	
,,	,,	15	25 × 11 × 18 × 56	,, ,,	1802 कर्णपुर, रूपसुंदर	
,,	,,	25	25 × 11 × 12 × 36	,, ,,	1843 जोधपुर ऋद्धिसागर	
,,	,,	21	26 × 11 × 14 × 28	,, ,,	1849	
औपदेशिक-चरित्र	,,	6	25 × 11 × 13 × 32	अपूर्ण (त्रुटक)	19वीं	
स्वयं बुद्धों की जीवनियां	,,	36	27 × 11 × 15 × 52	लगभग पूर्ण (बीच में 3 पन्ने कम)	1692	
,,	,,	24	26 × 11 × 16 × 40	संपूर्ण चार खण्ड	1775	
,,	,,	21,30	25 × 11 × 17/15 × 42	लगभग पूर्ण 1110 गा.	19वीं	
,,	,,	20	26 × 10 × 18 × 65	संपूर्ण चार खण्ड	,,	
औपदेशिक-जीवन चरित्र	,,	71	25 × 10 × 12 × 38	,, 1765 गा.	18वीं	1778 की कृति
,,	,,	2	24 × 10 × 14 × 36	,, 25+4 गा.	1783	
(शील उपर) जीवनी	सं.	21	26 × 11 × 13 × 25	,, 506 श्लोक	1642 लाडाउल	
,,	,,	12	24 × 10 × 14 × 44	,, 508 श्लोक	1811	
,,	स.मा.	54	22 × 10 × 12 × 33	,, 508 श्लोक	1867	
,,	सं.	22	26 × 11 × 12 × 35	,, 508 श्लोक	19वीं	
,,	,,	21	26 × 11 × 12 × 32	,, 509 श्लोक	,,	
,,	,,	21	23 × 10 × 10 × 38	अपूर्ण 418 श्लोक	,,	
,,	सं.मा.	64	27 × 12 × 6 × 40	संपूर्ण 800 श्लोक	1880	
जीवन चरित्र औपदेशिक	मा.	7*	25 × 12 × 17 × 39	,, 4 ढालें	19वीं	
ऐतिह्रासिक जीवन प्रसंग	,,	8	26 × 11 × 15 × 56	,, 16 ढाले	18वीं	(विक्रम प्रबन्धे) 1724 की कृति
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 48	,, 21 गाथा	19वीं	
,,	,,	3	24 × 10 × 13 × 38	संपूर्ण	19वीं × देवचंद	
जीवन-चरित्र	प्रा.मा.	28	25 × 11 × 7 × 45	,, 21 उद्देशक ग्रं.750	1833	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
260	के.नाथ 9/16	जंबू-चरित्र	Jamboo Caritra	पद्मप्रभ	मू.ट. (ग.)
261	कोलड़ी 144	,,	,,	—	मू. (ग.)
262	के नाथ 6/69	,,	,,	सकलहर्ष	,,
263	,, 5/19	,,	,,	—	,,
264	,, 11/79	जंबू-चौपई	,, Caupai	बुद्धिसार	पद्य
265	कुंथुनाथ 35/41	जबू पांच भव-चरित्र	Jamboo 5 Bhava Caritra	—	,,
266	के.नाथ 19/2	जंबूस्वामी-चौपई	Jamboo Svāmi Caupai	कमलविजय	,,
267	,, 26/91	,,	,,	बुद्धिसार	,,
268	कुंथुनाथ 17/19	,, प्रबंध	,, Prabandha	पद्मचंदसूरि	,,
269	सेवामंदिर 4 ग्र 194	,, चौढालिया	,, Caudhāliyā	अज्ञात	,,
270	कोलड़ी 145	जंबूस्वामी-कथा	,, Kathā	—	ग.
271	के नाथ 29/44	,,	,,	—	,,
272	कोलड़ी 1092	,,	,,	—	,,
273	के.नाथ 5/72	,,	,,	—	,,
274	के.नाथ 24/53	,,	,,	—	,,
275	के.नाथ 15/58	,,	,,	—	,,
276	के नाथ 6/130	,,	,,	—	,,
277	के.नाथ 10/41	जांबवती-चौपई	Jāmbavatī Caupai	सूरीसागर	प.
278	सेवामंदिर 4 ग्र 183	,,	,,	,,	,,
279-82	के.नाथ 24/45, गु/6, 5/13,19/78	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
283	मुनिसुव्रत 4 ग्र 109	जिनपाल जिनराखी की चौपई	Jinapāla Jinarākhi kī Caupai	वरजाग (भावसुंदर शिष्य)	,,
284	ओसियां 4 ग्र 88	,, -चौढालिया	,,Caudhāliyā	—	,,
285	के.नाथ 18/91	जिनमुक्ति-सूरि बृहत्-भास	Jinamuktisūri Bṛhata Bhāṣa	सुमतिसुख	,,
286	कुंथुनाथ 10/136	जीरणसेठ (वीरपारणा) गीत	Jīraṇa Seṭha Gīta	मालमुनि	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	प्रा.मा.	80	25 × 11 × 6 × 26	संपूर्ण 20 उद्देशक ग्रं. 300	1836	
,,	प्रा.	27	27 × 10 × 13 × 32	,, ,,	19वीं	
,	सं.	14	25 × 11 × 15 × 45	,,	1785	
,,	मा.	27	25 × 11 × 11 × 42	,, 21 उद्देशक ग्रं. 801	1824	(5 पन्ने तक टब्बार्थ भी है)
,,	,,	7	26 × 11 × 15 × 43	,, 178 गा.	1616 मुंदरड़ा जीवा	
,,	,,	4	26 × 11 × 19 × 60	,, ,,	1642	1522 की कृति
,,	,,	42	27 × 12 × 14 × 34	,, 1180 गा.	1729	
,,	,,	14	16 × 13 × 15 × 24	,, 180 गा.	18वीं	
(शील विषये) जीवन चरित्र	,,	19	27 × 12 × 17 × 54	अपूर्ण 1385 गा.	19वीं	
,,	,,	11*	26 × 12 × 13 × 34	,, (41 गा. तक)	20वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण 19 कथासह	1793	
,,	,,	50	14 × 10 × 9 × 16	प्रथम चार पन्ने नहीं है	1830	अंत में 3 पन्ने गुरु गीत के हैं
,,	,,	6	24 × 11 × 12 × 32	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	5	26 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण 19 कथासह	,,	
,,	,,	15	26 × 11 × 16 × 37	,,	,,	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 44	,,	,, × हरिनाथ	
,,	,,	15	25 × 12 × 17 × 45	,,	20वीं	
श्रीकृष्ण जीवन प्रसंग	,,	14	25 × 11 × 10 × 32	,, पहिला पन्ना कम	1695	
,,	,,	16	22 × 11 × 12 × 27	,,	1826	
,,	,,	10,17 8,8	22 से 26 × 11 से 15	,,	19वीं	
औपदेशिक-कथा	,,	5	26 × 11 × 14 × 51	,, 162 छंद	18वीं ऋषि-रूपजी	
,,	,,	30*	15 × 10 × 12 × 20	,,	18वी	
गुरु जीवन-गाथा	,,	4	21 × 11 × 9 × 25	,,	,,	
भ. महावीर जीवन प्रसंग	,,	2	28 × 12 × 11 × 48	,, 31 गा.	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
287	देवामंदिर 3 इ 345	जीरण सेट (जीरपारणा) गीत	Jirana Setha Gita	मालमुनि	प.
288-9	कोलड़ी 323, 926	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
290	महावीर 6 इ 51	जैन कुमारसंभवमहाकाव्य	Jainkumāra Sambhava Mahākāvya	जयशेखरसूरि	,,
291	के.नाथ 20/49	झांझरिया मुनि-सज्झाय	Jhāñjhariyā Muni Sajjhāya	भावरत्न	,,
292	के.नाथ 5/5	ढालसागर	Ḍhāla Sāgara	गुणसूरि	,,
293	कुंथुनाथ 43/3	,,	,,	,,	,,
294	कोलड़ी 1140	,,	,,	,,	,,
295	के.नाथ 15-213	तपोधनमुनि-स्वाध्याय	Tapodhana Muni Svādhyāya	—	,,
296	के.नाथ 19-101	तांबलीतापस ढाल	Tāmbali Tāpasa Ḍhāla	—	,,
297	के.नाथ 2 /4	त्रिभुवनकुमार-चरित्र	Tribhuvana Kumāra Caritra	यतिसुन्दर	ग.प.
298	के नाथ 6/74	त्रिषष्ठी लक्षण महापुराण	Triṣaṣṭhī Lakṣaṇa Mahā Purāṇa	जिनसेन	पद्य
299	ओसिया 4 अ 90	त्रिषष्ठी शलाका पुरुष चरित्र प्रथम पर्व	Triṣaṣṭhī Śalākā Puruṣa Caritra 1st Parva	हेमचन्द्राचार्य	,,
300	कोलड़ी 159	,, प्रथम पर्व	,, 1st Parva	,,	,,
301	के नाथ 11/18	,, 7 से 9 पर्व	,, 7th to 9th Parv	,,	,,
302	महावीर 4 अ 70	,, आठवां पर्व	,, 8th Parva	,,	,,
303	के.नाथ 21/44	,, ,,	,, ,,	,,	,,
304	के.नाथ 1/13	,, ,,	,, ,,	,,	,,
305	महावीर 4 अ 28	,, दसवां पर्व	,, 10th Parva	,,	,,
306	महावीर 4 अ 31	,, ,,	,, ,,	,,	,,
307	के.नाथ 29/40	,, परिशिष्ट पर्व	,, Pariśiṣta Parva	,,	,,
308	महावीर 4 अ 75	,, ,,	,, ,,	,,	,,
309	ओसिया 4 अ 10	,, ,,	,, ,,	,,	,,
310	महावीर 4 अ 12	,, ,,	,, ,,	,,	,,
311	महावीर 4 अ 11	,, ,,	,, ,,	,,	,,
312	महावीर 4 अ 15.	,, ,,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
भ. महावीर जीवन प्रसंग	मा.	3	20 × 12 × 9 × 22	संपूर्ण 30 गाथा	19वीं पं. मुकनचदजी	
,,	,,	2,3	26 × 10 व 26 × 12	,, 31 गाथा	,,	
जीवन चरित्र महाकाव्य	सं.	33	26 × 12 × 14 × 49	,, 11 सर्ग ग्रं. 1500	18वीं	ऋषभदेव-चरित्र
जीवन-प्रसंग	मा.	4	21 × 12 × 11 × 26	,,	1935	
कृष्णपाण्डव इतिहास	,,	213	26 × 11 × 11 × 36	,, ग्रंथाग्र 5812	1739	
,,	,,	67	16 × 23 × 25 × 26	अपूर्ण (58 ढाल तक)	19वीं	
,,	,,	24	25 × 12 × 17 × 45	,, (27 ढाल तक)	,,	
जीवनो	,,	1	26 × 12 × 13 × 50	संपूर्ण	20वीं	
औपदेशिक-जीवन	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	,,	19वीं	
,,	सं.	17	26 × 13 × 16 × 42	,, ग्रं. 800	,,	
औपदेशिक ऐतिहासिक	,,	54	29 × 13 × 12 × 33	अपूर्ण 21 से 25 पर्व	,,	
ऋषभभरतादिचरित्र	,,	132	31 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण 6 सर्ग ग्रं. 5000	15वीं (या उससे पुरानी)	प्रति में विक्रम 1145 संवत् लिखा है
,,	,,	163	26 × 11 × 13 × 46	,, ,, 5017	17वीं	
रावणजन्म से पार्श्वप्रभु	,,	119	26 × 11 × 15 × 48	सातवें के सर्ग 1 से नौवें सर्ग 4 तक	16वीं	
नेमि-चरित्र	,,	147	25 × 11 × 14 × 42	संपूर्ण 12 सर्ग	17वीं	
,,	,,	44	26 × 11 × 17 × 47	अपूर्ण प्रथम से तृतीय सर्ग	,,	
,,	,,	92	25 × 12 × 13 × 28	तीसरा सर्ग	19वीं	
भ. महावीर चरित्र	,,	85	27 × 11 × 15 × 48	संपूर्ण 11 सर्ग	1672 जैसलमेर	
श्रेणिक चरित्र भाग	,,	46	27 × 12 × 14 × 38	ग्रं. 1350	1887 अजीमगंज कल्याणचंद	
स्थविर-चरित्र	,,	77	26 × 11 × 17 × 60	संपूर्ण 13 सर्ग ग्रं. 3460	1619	
,,	,,	107	25 × 11 × 14 × 42	,, ,, ,,	1753 पद्मविजय	
,,	,,	72	26 × 12 × 18 × 45	,, ,, 3664	19वीं विक्रमपुर बखतसागर	
,,	,,	126	28 × 13 × 13 × 35	,, ,, 3895	1913 बालोचर इंद्रचंद्र	
,,	,,	129	26 × 13 × 13 × 36	,, ,, 3560	1959	
,,	,,	124	27 × 13 × 13 × 37	,, ,, ,,	20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
313	के.नाथ 19/24	थावच्चासुत-चौपई	Thāvaccā Suta Caupaī	समयसुंदर	पद्य
314	,, 14/74	दमयंती-नलचम्पू-विवरण	Damayantī (Nalacampū) Vivaraṇa	चंडपाल	ग.चपू
315	कोलड़ी 149	दया आदि पर कथानक	Dayādi para Kathānaka	—	ग.
316	,, 150	,,	,,	—	,,
317	के नाथ 15/134	दश आश्चर्य	Daśa Āścarya	(कल्पसूत्रान्तर्गत)	,,
318	,, 15/53	,,	,,	,,	,,
319	कोलड़ी 153	दस-दृष्टान्त	Daśa Dṛṣṭānta	—	,,
320	मुनिसुव्रत 4 अ 157	,,	,, ,,	—	,,
321	के नाथ 15/145	,,	,, ,,	—	,,
322	,, 14/11	दशार्णभद्र-सम्बन्ध	Daśārṇabhadra Sambandha	—	,,
323	कुंथुनाथ 15/56	,, चौढालिया	,, Cauḍhāliyā	—	प.
324	कोलड़ी 1089	दान आदि चतुर्कुलक-कथा का बालावबोध	Dānādi Caturkulaka Bālāvabodha	—	ग.
325	मुनिसुव्रत 4 अ 111	दामनसेठ की-चौपई	Dāmana Seṭha kī Caupaī	प्रतापविजय (वीर-विजय शिष्य)	प.
326	ओसियां 2-298	दृष्टांत-शतक	Dṛṣṭānta Śataka	—	मू ट.
327	,, 2/303	,,	,,	—	,,
328	सेवामंदिर 2/374	,,	,,	तेजसिंह गणि	प.ग.
329	कुंथुनाथ 54/2	,, -संग्रह	,, Saṅgraha	—	ग.
330	सेवामंदिर 4 अ 181	,,	,,	—	,,
331	मुनिसुव्रत 4 अ 161	,,	,,	—	प.
332	कुंथुनाथ 38/4	,,	,,	—	ग.
333	सेवामंदिर 4 अ 177	,,	,,	—	,,
334	के नाथ 29/17	देवकी-रास	Devakī Rāsa	अज्ञात	प.
335	,, 19/79	,,	,,	,,	,,
336	,, 19/101	देवदत्त-ढाल	Devadatta Ḍhāla	—	,,
337	ओसियां 4 अ 92	द्रौपदी-रास	Draupadī Rāsa	शोभमुनि (मान्यसुंदर शिष्य)	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-जीवनी	मा.	16	26 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण 447 गा.	1711	
,,	सं.	64	28 × 9 × 13 × 40	,, 7 उल्लास ग्रं. 1900	1660	
धर्मफल पर दृष्टांत	मा.	8	26 × 13 × 14 × 34	,,	19वीं	
,,	,,	13	24 × 12 × 12 × 32	,,	,,	
अभूतपूर्व घटनायें	सं.	10	26 × 11 × 15 × 32	,,	,,	
,,	मा.	10	24 × 12 × 10 × 18	,,	1858	
औपदेशिक-कथानक	सं.	22	27 × 10 × 14 × 45	,,	1598	
,,	,,	23	27 × 11 × 15 × 44	,,	17वीं	
,,	,,	15	25 × 11 × 19 × 50	अपूर्ण 8 कथायें	19वीं	
,, जीवन-प्रसंग	अ.	2	26 × 10 × 12 × 51	संपूर्ण	16वीं	
,, ,,	मा.	3	22 × 10 × 9 × 25	,, 4 ढालें	19वीं	
शीलविषयक	,,	32	25 × 10 × 20 × 60	प्रतिपूर्ण दूसरे कुलक की कथायें	1762	
औपदेशिक-चरित्र	,,	15	25 × 11 × 12 × 39	संपूर्ण 17 ढालें	1849	
,, कथानक	प्रा.सं. + मा.	13	25 × 12 × 6 × 39	,, 140 गा. 100 कथा	19वीं अंजार-नगर	
,, ,,	सं. + मा.	10	43 × 11 × 5 × 51	अपूर्ण 51 कथायें	20वीं	
,, ,,	सं.	40	21 × 11 × 4 × 24	संपूर्ण 102 श्लोक की कथायें	1935	
औपदेशिक लघु कथानक	,,	20	26 × 11 × 16 × 72	संपूर्ण 100 से उपर कथानक	16वीं	
शीलप्रमाद व क्रोध पर	,,	8	24 × 10 × 16 × 41	,, 3 कथायें	17वीं	
औपदेशिक-कथानस	,,	16	26 × 11 × 18 × 61	अपूर्ण	,,	
,,	,,	20	26 × 11 × 18 × 56	,, 49 से 121 कथानक	19वीं	
,,	मा.	72	20 × 11 × 13 × 34	,, (बीच के पत्रे)	,,	
जीवन चरित्र-गज सुकमाल-प्रसंग	,,	3	34 × 21 × 65 × 34	संपूर्ण 19 ढाल	,,	
,,	,,	17	24 × 14 × 15 × 28	,, ,,	1941 शांतिग्राम लक्ष्मीसागर	पूर्वोक्त का ही पाठ
औ. जीवन प्रसंग	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	,,	19वीं	
जीवन-प्रसंग	,,	66	26 × 11 × 12 × 30	संपूर्ण 48 ढाल/गा. 1185	1940 बीकानेर विनयसुंदर	ग्रंथकार का अपरनाम सौजन्यसुंदर

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
338	के.नाथ 6/3	धनंजय-चौपई	Dhanañjaya Caupaī	भुवनसोम	प.
339	ओसियां 3 इ 177	धन्नाऋषि-सज्झाय	Dhannā Ṛṣi Sajjhāya	अम्मामुनि	,,
340	के नाथ 26/91	,, चौपई	,, Caupaī	मतिशेखर (कक्क सूरि शिष्य	,,
341	,, 6/35	,, ,,	,, ,,	,	,,
342	,, 19/5	धन्ना-प्रबंध	,, Prabandha	यक्षसूरि शिष्य	,,
343	मुनिसुव्रत 3 इ 323	धन्नामुनि-सज्झाय	Dhannā Muni Sajjhāya	—	,,
344	के.नाथ 26/91 गु	,, संधि	,, Sandhi	कल्याणतिलक	,,
345	,, 19/115	धन्नाशालिभद्र-रास	Dhannā Śālibhadra Rāsa	रत्नसूरि शिष्य	,,
346	,, ,,	,,	,,	जिनराज-सूरि	,,
347	,, 19/109	,,	,,	,,	,,
348	कोलड़ी 365	,,	,,	,,	,,
349	के नाथ 5 93	,,	,,	,,	,,
350	सेवामन्दिर 4 अ 201	,,	,,	,,	,,
351	मुनिसुव्रत 4 अ 150	,,	,,	,,	,,
352-54	कोलड़ी 214-36, गु. 9/12	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
355	के.नाथ 24/80	,,	,,	,,	,,
356	कोलड़ी 1088	,,	,,	जिनविजय	,,
357	कुंथुनाथ 10/183	,, –सज्झाय	,, Sajjhāya	उदयरत्न	,,
358	के.नाथ 14/13	,, –रास	,, Rāsa	जिनराजसूरि	,,
359	,, 13/34	,, –संबन्ध	,, Sambandha	अज्ञात	,,
360	,, 10/21	,, ,	,, ,,	—	,,
361	,, 11/19	,, ,,	,, ,,	—	,,
362	,, 15/232	,, ,,	,, ,,	—	,,
363	,, 21/92	धम्मिल-चरित्र	Dhammila Caritra	—	,,
364	मुनिसुव्रत 4 अ 160	,,	,,	—	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-जीवनी	मा.	5	26 × 11 × 21 × 53	संपूर्ण	1773	
,, जीवन-प्रसंग	,,	2	25 × 11 × 9 × 31	,, 22 पद	19वीं	
,, जीवन चरित्र	,,	21	16 × 13 × 15 × 24	,, 333 गा.	18वीं	
,, ,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 50	,, 328 गा.	19वीं	
,, ,,	,,	15	26 × 11 × 13 × 42	,, 332 गा.	18वीं	
औपदेशिक-प्रसंग	प्रा.	1	25 × 11 × 15 × 52	अपूर्ण 10 गा.	,,	साथ में गौतम कुलक'
,,	मा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	संपूर्ण 63 गा.	,,	
,, जीवनी	,,	37*	26 × 11 × 13 × 43	,, 218 गा.	1723	(दान ऊपर)
,, ,,	,,	37*	26 × 11 × 13 × 43	,, 29 ढालें	,,	1668 की कृति
,, ,,	,,	15	25 × 11 × 15 × 42	,, ,,	1778	
,, ,,	,,	24	26 × 11 × 14 × 39	,, ,,	1817	
,, ,,	,,	39	23 × 12 × 10 × 25	,, ,, गा. 501	1832	
,, ,,	,,	29	23 × 11 × 13 × 33	,, ,, सचित्र	1834	कुल 31 चित्र
,, ,,	,,	31	22 × 11 × 12 × 26	,,	1841 नागपुर	
,, ,,	,,	15,16गु.	15 से 27 × 10 से 11	,, ग्रंथाग्र 600	19वीं	
,, ,,	,,	19	25 × 11 × 15 × 41	,,	,,	
,, ,,	,,	24	27 × 11 × 14 × 60	अपूर्ण (द्वितीय उल्लास की 337 गाथा तक)	,,	
,, ,,	,,	1	25 × 12 × 14 × 40	संपूर्ण 7 गाथा	,,	
,, ,,	,,	25	25 × 11 × 13 × 31	,, 29 ढाल (पहिला पन्ना कम)	1720	
,, ,,	,,	19	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण ढाल 36वीं तक गा. 682	19वीं	
,, ,,	,,	17	27 × 12 × 13 × 44	अपूर्ण	,,	
,, ,,	,,	11	27 × 13 × 15 × 40	,, 98 से 327 गा. तक	,,	
,, ,,	,,	4	27 × 13 × 15 × 33	,, ढाल 6 तक	,,	
,, ,,	सं.	19	26 × 11 × 17 × 53	संपूर्ण 478 श्लोक	1690	
,, ,,	,,	13	26 × 11 × 18 × 52	अपूर्ण 300 श्लोक	18वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
365	महावीर 4 अ 78	धम्मिल-चरित्र	Dhammila Caritra	—	प.
366	के.नाथ 6/53	,,	,,	—	,,
367	महावीर 4 अ 4	,,	,,	जयशेखर (मानसूरि-शिष्य)	,,
368	के.नाथ 19/64	धम्मिल-विलास	,, Vilāsa	ज्ञानसागर	,,
369	कुंथुनाथ 52/12	धर्मदत्त-कथा	Dharmadatta Kathā	गुणसूरि	ग.
370	मुनिसुव्रत 4 अ 163	,, प्रबन्ध	,, Prabandha	—	ग. (प)
371	कोवड़ी 224	,, धनवती-चौपई	,, Dhanavati Caupaī	कुशलऋषि	प.
372	कोलड़ी 1262	धर्मपरीक्षा	Dharma Parīkṣā	मानविजय (जयविजय शिष्य)	मू.ट. (प.ग.)
373	कुंथुनाथ 16/9	धर्मबुद्धि मंत्री पापबुद्धि राजा कथा	Dharmabuddhi Mantrī Pāpabuddhi Rajā Kathā	—	ग.
374-5	महावीर 4अ 77,42	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
376	के.नाथ 19/54	,, चौपई	,,	चन्द्रकीर्त्ति	पद्य
377	के नाथ 19/116	,, कथा	,, Kathā	लाभवर्द्धन	,,
378	के नाथ 13/53	नरदेव-चौपई	Naradeva Caupaī	सहजकीर्त्ति	,,
379	कोवड़ी 1146	नर्मदासुंदरी-चरित्र	Narmadā Sundarī Caritra	मोहनविजय	,,
380	कोलड़ी 1079	नल-चरित्र	Nala Caritra	नयसुंदर	,,
381	के नाथ 19/48	नलदमयंती-चरित्र	Nala Damayantī Caritra	—	ग.
382	के.नाथ 14/65	,, चौपई	,, Caupaī	समयसुंदर	प.
383	कोलड़ी 217	,, ,,	,, ,,	,,	,,
384-5	के.नाथ 13/6 5/46	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
386	के.नाथ 14/135	,, ,,	,, ,,	ऋषिवर्द्धनसूरि	,,
387	के नाथ 29/13	नंद-बहोत्तरी	Nanda Bahottarī	जसराज	,,
388	के.नाथ 15/59	नंदमणियार-सज्झाय	Nanda Maṇiyāra Sajjhāya	रामविजय	,,
389	के नाथ 19/89	नंदीषेण-चौपई	Nandīṣeṇa Caupaī	ज्ञानसागर	,,
390	के.नाथ 26/57	(मुनि) नाथूराम-चौढालिया	Nāthūrāma Cauḍhāliyā	—	,,
391	के.नाथ 19/101	निर्मोही-ढाल	Nirmohī Ḍhāla	—	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवनी	सं.	7	27 × 13 × 13 × 48	संपूर्ण 207 श्लोक	19वीं	संक्षिप्त संस्करण
,,	,,	9	25 × 12 × 15 × 33	,, 240 श्लोक	,,	
,,	,,	77	30 × 14 × 15 × 51	,, ग्रंथाग्र 3504	20वीं	
,,	मा.	69	26 × 11 × 15 × 34	,, 1006 गा.	19वीं	
(अतिथि संविभाग पर) चरित्र	सं.	5	27 × 11 × 21 × 60	,,	1644	
,,	,,	11	27 × 11 × 17 × 44	अपूर्ण 88 अनुच्छेद	18वीं	उद्धरण पद्य में
,,	मा.	20	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 32 ढाल	1821	
औपदेशिक-कथानक	सं.मा.	31	26 × 11 × 6 × 44	,, 367 श्लोक	1855	
,,	सं.	14	27 × 12 × 13 × 38	,,	19वीं	
,,	,,	7,19	28 × 13 व 26 × 12	,,	20वीं/1960 नागौर मुरलीधर	एक दूसरे की नकल
,,	मा.	21	26 × 11 × 15 × 52	,, गा. 430 (अंतिम पन्ना कम)	17वीं	
,,	,,	18	25 × 11 × 14 × 45	,, 39 ढालें	1750	
,, चरित्र	,,	6	25 × 12 × 16 × 60	,, 321 गा.	19वीं	
,,	,,	16	25 × 12 × 12 × 40	अपूर्ण (12 ढाल तक)	,,	
जीवन चरित्र	,,	74	25 × 11 × 15 × 50	प्र. 16 प्रस्ताव, 2358गा. 3500 ग्रं.	18वीं	प्रथम 5 व अंतिम 1 पन्ना नहीं
,,	सं.	22	25 × 11 × 13 × 44	संपूर्ण	19वीं	
,,	मा.	41	26 × 11 × 13 × 43	,, 6 खंड, 38 ढाल, 913 गा., 1350ग्रं	1696	
,,	,,	30	27 × 11 × 15 × 45	,, 6 खंड, 38 ढाल, 913 गा., ग्रं 1620	1709 जंतारण	
,,	,,	54,24	25 × 11 व 26 × 11	संपूर्ण ग्रंथाग्र 1357/95	19वीं	
,,	,,	18	27 × 12 × 11 × 39	,, 331 गा.	19वीं	
औपदेशिक-कथानक	,,	2	25 × 11 × 15 × 48	,, 73 गा.	19वीं	
,, जीवन-प्रसंग	,,	3	20 × 10 × 11 × 31	,, 37 गा.	,,	साथ में अन्य स्तवन स्वाध्याय
,, ,,	,,	7	26 × 12 × 19 × 45	,, 16 ढाल	,,	
,, ,,	,,	3	25 × 12 × 14 × 49	,,	,,	
,, ,,	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	,,	,,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
392	के.नाथ 6/116	नेउर पंडित-कथा	Neura Paṇḍita Kathā	—	प.
393	,, 5/60	नेमिचंदसूरि-रास	Nemicandasūrī Rāsa	गुणचंद	,,
394	महावीर 4 अ 27	नेमिनाथ-चरित्र +वृत्ति	Neminātha Caritra	जिनवल्लभ	मू.वृ. (प.ग.)
395	,, 4 अ 26	,,	,,	कमलप्रभ (रत्नप्रभ-शिष्य)	प.
396	,, 6 इ 52	,, (काव्य)	,,	—	,,
397	के नाथ 6/49	,, जिन-स्तोत्र	,, Jina Stotra	कीर्तिराज उपाध्याय	,,
398	कुंथुनाथ 2/39	,, राजुल-धमाल	,, Rājula Dhamāla	—	,,
399	,, ,,	,, रास	,. Rāsa	—	,,
400	कोलड़ी 237	,, ,,	,, ,,	कनककीर्ति	,,
401	,, 335	,, फाग	,, Phāga	विनयविजय	,,
402	के.नाथ 15/65	,, ,,	,, ,,	महिमामेरु मुनि	,,
403	कोलड़ी 336	,, ,,	,, ,,	,,	,,
404	के.नाथ 14/94	,, व्याह (खंडोरवली)	,, Vyāha	ऋ. जयमलजी	,,
405	,, 19/111	,, राजमती-चरित्र	,, Rajamatī Caritra	—	,,
406	,, 20/22	,, चौढालिया	,, Cauḍhāliyā	रायचंद	,,
407	,, 20/29	,, नवरसा	,, Navarasā	रूपचंद	,
408	कोलड़ी 328	नेमिनाथ-रास	Neminātha Rāsa	पुण्यरत्न	,,
409-10	के.नाथ 19/18, 16/24	,, ,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
411	सेवामंदिर गुटका। ति	,, ,,	,, ,,	—	,,
412	कोलड़ी 310	,, चौक	,, Couka	अमृतविजय	,,
413	के नाथ गु. 14	,, ,,	,, ,,	,,	,,
414	,, 19/76	,, विवाहलो	,, Vivāhalau	—	,,
415	, 26/98	,, ,,	,, ,,	—	,,
416	,, 20 42	,, चरित्र	,, Caritra	ऋ. जयमलजी	,,
417	,, 8/14	,, पंचकल्याण	,, Pañcakalyāṇa	पू. नाथूरामजी	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-जीवन प्रसंग	सं.	8	26×11×13×42	संपूर्ण 183 श्लोक	19वीं	
गच्छपति जीवन-गाथा	मा.	3	26×11×16×44	„ 7 ढालें+दोहे आदि	„	
तीर्थंकर-चरित्र	प्रा.सं.	35*	27×11×15×45	„ 15 गा.	1531 अमदाबाद धर्मसेन	चरित्र पंच के
„	सं.	116	26×11×15×48	अपूर्ण आठ सर्ग तक	16वीं	
„ भक्ति	„	4	26×11×19×62	संपूर्ण 125 श्लोक ग्रं. 252	17वीं	मेघदूतपाद समस्या पूर्तिरूप
„ „	„	19	27×11×17×50	„ 12 सर्ग (पहिला पन्ना कम)	16वीं	
„ प्रसंग	मा.	4*	23×12×28×90	संपूर्ण 63 गा.	„	
„ „	„	4*	23×12×28×90	„ 149 गा.	„	
„ „	„	7	27×12×19×58	संपूर्ण 13 ढालें	1732	
„ „	„	3	25×11×10×28	„ 27 गाथा	1818	
„ „	„	3	25×11×12×30	„ 65 गाथा	19वीं	
„ „	„	3	25×10×12×35	„ „	„	
„ „	„	2	26×11×16×64	„ 43 गाथा	1834	
„ „	„	18*	27×12×14×35	„	19वीं	
„ „	„	12	25×11×14×32	„	„	
„ „	„	2	25×11×16×44	„ 9 ढाल+2 स्तवन	„	
„ „	„	3	27×10×14×50	„ 66 गा.	„	
„ „	„	4-4	26×10 व 26×11	„ 61/64 गा.	„	दूसरी में 1 पन्ना कम है
„ „	„	6	16×11×13×20	अपूर्ण 59 गा.	„	
„ „	„	3	26×12×17×50	संपूर्ण 96 गा.	1848 बगड़ी	होली खेल वर्णन
„ „	„	15	16×14×12×12	„ „	1889	होली खेल वर्णन 1839 की कृति
„ „	„	10	26×13×15×28	„ 24 ढाल	1938	
„ „	„	5	26×11×10×38	अपूर्ण (बीच के पन्ने)	19वीं	
„	„	10	20×11×13×29	संपूर्ण 33 ढाल	1926	
„ प्रसंग	„	6	26×12×17×57	„ ग्रं. 400	19वीं	मुख्यतः यादव कथा

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
418	के.नाथ 19/74	नेमिनाथ-अधिकार	Neminātha Adhikāra	—	ग.
419	महावीर 4 अ 29	पउमचरियं	Paumacariyam	विमलसूरि	प.
420	के नाथ 12/50	,,	,,	,	,,
421	,, 5/108	पद्म-चरित्र	Padma Caritra	विनयसमुद्र (हर्षसमुद्र उपकेशगच्छीय शिष्य)	,,
422	कोलड़ी 1133	पद्मरथ-चोपई	Padmaratha Caupaī	रूपचंद	,,
423	के नाथ 21/92	पद्मावती-कथा	Padmavatī Kathā	—	पद्य
424	,, 11/97	परमहंस संबोध-चरित्र	Paramhaṁsa Sambodha Caritra	नयरंग	,,
425	,, 6/19	पंचकुमार-चरित्र	Pañcakumāra Caritra	लक्ष्मीवल्लभ	ग.
426	कोलड़ी 234	पंचदण्ड-चरित्र	Pañcadaṇḍa Caritra	,,	प.
427	,, 233	,,	,,	,,	,,
428	कुंथुनाथ 17/7	पार्श्वचन्दसूरि-भास	Pārśvacandasūri Bhāsa	—	,,
429	महावीर 4 अ 27	पार्श्वनाथ-चरित्र	Pārśvanātha Caritra	जिनवल्लभ/-	मू वृ.
430	के.नाथ 29/36	,,	,,	भावदेव	प.
431	महावीर 4 अ 20	,,	,,	,,	,,
432	,, 4 अ 72	,,	,,	उदयवीर (संघवीर शिष्य)	ग.
433	,, 4 अ 54	,,	,,	,,	,,
434	के.नाथ 13/5	,, व गणधर-संबंध	,, & Gaṇadhara-Sambandha	—	,,
435	ओसियां 4 अ 89	,, ,,	,, ,,	(देवभद्राचार्य प्रसन्नचंद शिष्य रचिते पार्श्वचरित्रे	,,
436	सेवामंदिर 4 अ 194	पांचप्रमाद-चोढालिया	Pāñcapramāda Cauḍhāliyā	—	प.
437	के.नाथ 26/34	पांचाजी ,,	Pāñcājī Cauḍhāliyā	गुमानविजय	,,
438	महावीर 4 अ 71	पांडव-चरित्र	Pāṇḍava Caritra	देवविजय (राजविजय शिष्य)	ग.
439	के नाथ 10/81	,, रास	,, Rāsa	लालचंद	प.
440	,, 21/1	पांडु-चरित्र	Pāṇḍu Caritra	देवप्रभ	,,
441	मुनिसुव्रत 4 अ 155	पुण्यसार-चोपई	Puṇyasāra Caupaī	अज्ञात	,,
442	के.नाथ गुटका-1	,,	,,	पुण्यकीर्त्ति	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर-चरित्र	मा.	6	26 × 12 × 16 × 42	संपूर्ण	19वीं	
सीताराम-चरित्र महाकाव्य	प्रा.	140	26 × 11 × 23 × 63	,, ग्रं. 10550 (पहिला पन्ना कम)	1502, मंडपदुर्ग गुणधीरग.णी	
,,	,,	263	26 × 11 × 12 × 60	,, ग्रं. 8655 ,,	1649	
,,	मा.	38	25 × 11 × 17 × 43	,, 1494 गा., 1700ग्रं	1654	(हेमचन्द्रानुसार)
शील पर जीवनी	,,	15	25 × 11 × 18 × 60	,, 443 गा, ढाल 23	1766	
औपदेशिक-जीवनी	सं.	19*	26 × 11 × 17 × 53	,, 501 श्लोक	1690	
,, रूपक	प्रा.सं.	21	26 × 11 × 16 × 46	अपूर्ण 7 प्रस्ताव + 56 श्लोक	19वीं	
,, जीवनी	सं.	17	26 × 12 × 15 × 53	संपूर्ण	1876	
,, जीवन-प्रसंग	मा.	63	26 × 10 × 17 × 52	,, 75 ढाल 6 खंड, ग्रं 3784	1842	(विक्रमादित्य चरित्रे)
,, ,,	,,	136	22 × 12 × 15 × 24	,, ,, ग्रं. 3971	1855	
जीवन गाथा	,,	5	26 × 11 × 12 × 40	,,	19वीं	
तीर्थंकर-चरित्र	प्रा.सं.	35*	27 × 11 × 15 × 45	,, 15 गा.	1531 अमदाबाद धर्मसेन	चरित्र पंच के
,, ,,	सं.	86	27 × 11 × 11 × 42	अ. अंतिम 3 सर्ग छठे से आठवां	1558	
,, ,,	,,	258	27 × 12 × 12 × 40	संपूर्ण आठ सर्ग ग्रं. 6400	1950 मंगलपुर जयानंद	
,, ,,	,,	180	26 × 11 × 13 × 41	,, ,, ग्रं. 5500	(1454 ?)	
,, ,,	,,	138	28 × 13 × 15 × 49	,, ,, ,,	19वीं	
,, गणधर संबंधी	मा.	106	26 × 11 × 11 × 36	अपूर्ण (सात गणधर तक)	16वीं	जीर्ण
,, ,,	प्रा.	88	42 × 11 × 12 × 61	संपूर्ण ग्रं. 4556(5167)	1923 बीकानेर देवगुप्तसूरि	प्रशस्ति है खरतर-गच्छीय
औपदेशिक-संबंध	मा.	11*	26 × 12 × 13 × 34	,, 4 ढालें	20वीं	
गुरु-जीवनी	,,	2	26 × 12 × 20 × 52	,, ,,	19वीं	
पांडव-इतिहास	सं.	279	25 × 11 × 13 × 40	,, 18 सर्ग	17वीं	रत्नचंद द्वारा संशोधित
,,	मा.	10	27 × 12 × 17 × 65	अपूर्ण 409 गाथा तक	19वीं	दूसरे खंड के प्रारंभ तक हैं
,,	सं.	206	37 × 6 × 9 × 85	संपूर्ण 18 सर्ग	1468	प्रारंभ में चित्र
धर्म पर औपदेशिक जीवनी	मा.	6	26 × 11 × 16 × 53	,, 213 छंद	1770 मेड़ता	1662 की कृति सांगानेरे
,, ,,	,,	5	22 × 19 × 27 × 32	,, 202 गा.	1814	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
443	कोलड़ी गु. 12/8	पुरंदर-चौपई	Purandara Caupaī	मालदेव आनंद	प.
444-46	के.नाथ 6/80, 10/61, 19/21	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
447	कुंथुनाथ 23/9	,,	,,	,,	,,
448	मुनिसुव्रत 4 अ 171	पूजा-रास	Pūja Rāsa	फतेहसागर	,,
449	कोलड़ी 1132	पृथ्वीचंद्र-चरित्र	Pṛthvīcandra Caritra	जयसागर	,,
450	के.नाथ 6/67	,,	,,	लब्धिसागर	,,
451	महावीर 4 अ 64	,,	,,	रूपविजय (पद्मविजय शिष्य)	ग.
452	के.नाथ 19/10	,, (गुणसागर) चौपई	,, Guṇasāgara Caupaī	—	प.
453	कुंथुनाथ 25/7	,, ,, बेलि	,, Beli	—	,,
454	सेवामंदिर 4 अ 180	,, ,, कथा	,, Kathā	—	ग.
455	महावीर 4 अ 17	प्रदेशी राजा का-चरित्र	Pradeśī Rājā kā Caritra	वाचक चरित्र (भंगसेन शिष्य)	प.
456	के.नाथ 5/67	,, केशीकुमार-रास	,, Keśikumāra Rāsa	अज्ञात	,,
457	के नाथ 16/18	,, चौपई	,, Caupai	वाचक सहजसुंदर	,,
458	के.नाथ 26/73	,, ,,	,, ,,	—	,,
459	महावीर 4 अ 31	प्रद्युम्न-चरित्र	Pradyumna Caritra	रत्नचंद्र (शांतिचंद्र शिष्य)	,,
460-1	महावीर 4 अ 19-65	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
462	के.नाथ 9/25	प्रबन्ध-संग्रह	Prabandha Saṅgraha	—	ग.
463	के.नाथ 15-174	प्रश्नोत्तरद्वार-कथानक	Praśnottara Dvāra Kathānaka	—	मू+व्या(प.ग.)
464	के.नाथ 9/20	प्रियमेलक-चौपई	Priyamelaka Caupaī	समयसुंदर	प.
465	मुनिसुव्रत 4 अ 164	,,	,,	,,	,
466	के.नाथ 19/113	,,	,,	,,	,,
467	कुंथुनाथ 18/5	,,	,,	,,	,,
468	के.नाथ 19/32	,,	,,	,,	,,
469	के.नाथ 15/186	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-चरित्र	मा.	गुटका	19 × 12 भिन्न	संपूर्ण 366 गा.	19वीं	
,,	,,	12,12, 20	26 से 27 × 11 × भिन्न	,, गा. 354/384 ग्र. 500	,,	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 49	अपूर्ण गा. 223 तक	,,	
,,	,,	3	25 × 12 × 14 × 38	अपूर्ण (तीसरी ढाल अधूरी तक)	,,	
केवली जीवन-चरित्र	सं.	49	26 × 12 × 19 × 40	संपूर्ण 11 प्रस्ताव ग्रं. 2654	1564	
,	,,	25	29 × 11 × 15 × 50	,, ग्रंथाग्र 1000 से अधिक	1568	
,,	,,	143	27 × 13 × 15 × 46	,, 11 सर्ग ग्रं 6883	1850	
,,	मा.	5	25 × 11 × 11 × 36	,, 45 गा.	19वीं	
,,	,,	4	24 × 12 × 11 × 36	प्रथम पन्ना कम है	,,	
,,	,,	27	26 × 12 × 27 × 55	संपूर्ण	1949 नागपुरे जुहारमल	रूपरेखा सारसूचक
जीवनी, तात्त्विक प्रसंग	सं.	96	25 × 12 × 13 × 44	संपूर्ण 9 सर्ग	19वीं	प्रशस्ति है
,,	मा.	10	22 × 11 × 20 × 50	,, 16 ढालें ग्रं. 600	1829	
,,	,,	6	26 × 11 × 14 × 39	अपूर्ण 138 गाथा तक	19वीं	
,,	,,	12	26 × 11 × 13 × 42	,,	20वीं	
जीवन चरित्र महाकाव्य	सं.	86	26 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण 17 सर्ग ग्रं. 3569	1679 गांधार	प्रशस्ति अकबर प्रसंग सह
,,	,,	88,117	27 × 12 व 26 × 12	,, ,,	19वीं	उपरोक्त की नकलें
औपदेशिक-चरित्र	मा.	10	25 × 11 × 14 × 42	,, 8 कथायें	,,	नागार्जुन,नंद नागमोर भोज आदिप्रसंग
औपदेशिक कथानक	प्रा.सं.	8	29 × 11 × 17 × 57	अपूर्ण श्लोक 32 से 63 कथासह	,,	(बीचे के पत्रे 55 से 82)
(साधु दान विषये) जीवनी	मा.	10	26 × 11 × 14 × 39	संपूर्ण 11 ढाल ग्रं. 400	1627	
,,	,,	8	26 × 12 × 15 × 50	,, ,, गा. 230	17वीं	
,,	,,	9	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 11 ढाल ग्रं. 305 गा. 230	,,	
,,	,,	8	26 × 11 × 17 × 44	,, ,, ,, ,,	1725	
,,	,,	9	26 × 11 × 16 × 47	,, ,, ,, ,,	1754	
,,	,,	8	25 × 11 × 13 × 40	,, पहिला पन्ना कम	1780	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
470-1	के नाथ 19/30. 6/96	प्रियमेलक-चौपई 2 प्रतियां	Priyamelaka Caupaī 2 copies	समयसुंदर	प.
472-3	मुनिसुव्रत 4 अ 115-6	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
474	कोलड़ी 212	,, चरित्र	,, Caritra	,,	,,
475-6	के नाथ 29/6, 14/117	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
477	के.नाथ 9/19	प्रियंकर नृप-कथा	Priyaṅkara Nṛpakathā	जिनसूरि	ग.
478	कुंथुनाथ 40/79	प्रीतिकर महामुनि-चरित्र	Fritikara Mahāmuni Caritra	नेमीदत्त	प.
479	ग्रोमियां 4 अ 81	बंकचूल-चौपई	Baṅkacula Caupaī	अज्ञात	,,
480	के.नाथ 18/77	,, चौढालिया	,, Caudhāliā	फतेचंद	,,
481	कोलड़ी 152	बारहव्रतों पर-कथायें	Bāraha Vraton Para-Kathāyen	—	ग.
482	कुंथुनाथ 17/13	,,	,, ,,	—	,,
483	के.नाथ 15-81	बाहुबली-सज्भाय	Bāhubalī Sajjhā a	—	प.
484	कुंथुनाथ 39/3	,,	,,	रामविजय	,,
485	महावीर 4 अ 39	बीसस्थान (पुण्य विलास) रास	Bisasthāna Rāsa	जिनहर्ष	,,
486	के नाथ 6/118	भरत-चरित्र	Bharata Caritra	—	ग.
487	सेवामंदिर 4 अ 194	भरत-चौढालिया	,, Caudhāliā	—	,,
488	कोलड़ी 155	भरतआदि-कथायें	,, Ādi Kathāyen	—	,,
489	महावीर 4 अ 74	भरहेसर बाहुबली टीका मात्र	Bharahesara Bāhubalī Tikā	शुभशील (मुनिसुंदर शिष्य)	,,
490	के नाथ 19/101	भवदत्त भवदेव ढाल	Bhavadatta Bhavadeva Dhāla	—	प.
491-2	के.नाथ 15/219 20	भानुमति-कथा 2 प्रतियां	Bhānumatī Kathā 2copies	—	ग.
493	मुनिसुव्रत 4 अ 131	भुवनभानु (बलिमहानरेन्द्र) चरित्र	Bhuvanabhānu Caritra	क्षमाकीर्त्ति	,,
494	महावीर 4 अ 13	,,	,,	,,	,,
495	कोलड़ी 1078	,,	,,	—	,,
496	के.नाथ 23/43	भोज-चरित्र	Bhoja Caritra	पाठक राजवल्लभ	प.
497	कोलड़ी 228	,,	,,	व्यास भवानीदास	ग. (प)
498	के.नाथ 15/183	मच्छोदर-चौपई	Macchodara Caupaī	ललितसागर	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
साधुदानविषये जीवनी	मा.	7,6	26 × 11 × 13/15 × 50	संपूर्ण पहली 11 ढाल दूसरी ग्र	19वीं	
,,	,,	8,8	23 से 26 × 11 × 15	,, 230 गाथा, ढाल 11	,,	
,,	,,	13	25 × 11 × 11 × 30	,,	,,	
,,	,,	7,12	25 से 28 × 11 से 11	,, 11 ढाल	19/20वीं	
उवसग्गहरंप्रभावे श्लो.	सं.	26	25 × 11 × 15 × 46	,, ग्रं. 1000	19वीं	
श्लो. जीवनी	,,	24	28 × 13 × 14 × 34	,, 3 अधिकार 450 श्लो. ग्रं. 467	16वीं	
साधुसंगति श्लो.	मा.	5	26 × 11 × 12 × 37	,, 95 छंद	19वीं × ऋषि-शंकर	
,,	,,	3	25 × 12 × 15 × 40	,,	1906	
श्रावकाचार-दृष्टांत	,,	30	28 × 12 × 15 × 50	,,	1861	पर प्रतिज्ञा 18 पाप स्थान कहने की
,,	सं.	23	26 × 12 × 20 × 80	त्रुटक ग्रं. 450	19वीं	जीर्ण
भक्ति स्वाध्याय	मा ग्र.	2	24 × 11 × 15 × 36	,, 21 गाथा	,,	
जीवन-प्रसंग	मा.	गुटका	22 × 16 × 12 × 32	,, 3 ढालें	1913	
20 स्थानक पर दृष्टांत	,,	90	26 × 11 × 17 × 44	,, 20 कथानक	1799	
जीवन-प्रसंग	प्रा.	3	25 × 11 × 11 × 35	,,	19वीं	
,,	मा.	11*	26 × 12 × 13 × 34	,, 4 ढालें	20वीं	
,,	,,	12	26 × 11 × 14 × 34	,,	1894	
श्लो. कथा जीवनी	सं.	266	27 × 13 × 15 × 40	,, दो अधिकार	1952 × जेठमल	
जीवन-प्रसंग	मा	68*	26 × 12 × 20 × 50	,,	19वीं	
,,	,,	2,2	26 × 11 × 14 × 40	,,	,,	
अनित्य भावना पर जीवनी	सं.	27	26 × 11 × 19 × 53	,, 2707 ग्रंथाग्र	17वीं × धर्म-मित्र-सूरि	
,,	,,	65	25 × 13 × 13 × 37	,, ,,	1914	
,,	मा.	90	25 × 13 × 14 × 38	अपूर्ण पहिले 4 पत्रे कम	19वीं	
जीवन-चरित्र	सं.	31	26 × 11 × 18 × 51	संपूर्ण 5 प्रस्ताव 996श्लो	17वीं	
स्त्री-चरित्रे जीवन प्रसंग	मा.	29	23 × 11 × 14 × 40	,,	19वीं	पन्द्रहवीं विद्या
जीवन-कथा	,,	6	26 × 11 × 15 × 58	अपूर्ण 7 वीं ढाल से 17 वीं (अंत) तक	1769	पहिले 5 पत्रे कम हैं शांतिनाथचरित्र से)

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
499	के.नाथ 19/82	मच्छोदर-रास	Machhodara Rāsa	रुचिरविमल-सुपरांग	प.
500	के.नाथ 18/79	मतिसार-प्रधान कथा	Matisāra Pradhāna Kathā	—	ग.
501	सेठ.मंदिर 4 अ 197	मदनरेखा-चौपई	Madana Rekhā Caupaī	वा. मतिशेखर	प.
502	मुनिसुव्रत 4 अ 158	,,	,,	अज्ञात	,,
503	कोलड़ी 271	,,	,,	—	,,
504-6	के नाथ 18/67, 19/111, 24/59	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
507	महावीर 4 अ 34	(महाबल) मलयसुंदरी-चरित्र	(Mahābala) Malava Sundarī Caritra	जयतिलकसूरि	,,
508	महावीर 4 अ 69	,, ,,	,, ,,	माणिक्यसुंदर	ग.
509	महावीर 4 अ 68	मल्लिजिन-चरित्र	Mallijina Caritra	आ. विनयचंद्रसूरि	प.
510	के.नाथ 4/20	महावीर उपसर्गाधिकार	Mahavira Upasargādhikāra	—	ग.
511	के.नाथ 15/203	महावीर-चरित्र	,, Caritra	—	,,
512	के.नाथ 24/56	,, चौढालिया	,, Cauḍhāliyā	ऋ. रायचंदजी	प.
513	सेठ.मंदिर 3 इ 366	,, ,,	,, ,,	,,	,,
514-5	कुंथुनाथ 17/15 17/3	,, -पूर्वभव 2 प्रतियां	,, Purvabhava 2 copies	—	ग.
516	औसियां 3 इ 179	,, 27 भव-स्तवन	,, 27 Bhava Stavana	—	प.
517	मुनिसुव्रत 3 इ 270	,, ,,	,, ,,	—	,,
518	कोलड़ी 1232	,, व अन्य स्तवन	,, & Stavana	संकलन	,,
519	महावीर 4 अ 22	महिपाल-चरित्र	Mahipāla Caritra	वीरदेवगणि	,,
520	मुनिसुव्रत 4 अ 151	,,	,, ,,	,,	मू+ट (प.ग)
521	के.नाथ 17/57	,,	,, ,,	,,	प.
522	कोलड़ी 253	मंगलकलश-रास	Maṅgala Kalaśa Rāsa	जिनहर्ष	,,
523-4	के.नाथ 15/89, 5/105	,, चौपई 2 प्रतियां	,, Caupaī 2 copies	वा. कनकसोम	,,
525	कुंथुनाथ 18/4	,, ,,	,, ,,	,,	,,
526	मुनिसुव्रत 4 अ 107	,, ,,	,, ,,	लक्ष्मीहर्ष	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-जीवन	मा.	32	25 × 11 × 14 × 36	संपूर्ण 33 ढालें	1971	
धर्म ऊपर दृष्टांत	,,	2	25 × 12 × 15 × 40	,,	19वीं	
शीलविषये	,,	9	24 × 11 × 17 × 44	अपूर्ण पहिले दो पन्ने कम	1678 द्रुनाटक मोहनजी	
,,	,,	6	26 × 11 × 15 × 35	संपूर्ण 160 छंद	18वीं	
,,	,,	7	27 × 13 × 15 × 42	,, 178 गा.	1874	
,,	,,	6,18,6	25 से 28 × 12 से 13	,, 175/203 गा.	1890/19वीं	
ज्ञानरत्नोपरव्याने श्रो.	सं.	70	25 × 11 × 12 × 50	,, चार प्रकाश श्लोक 2430	16वीं	
,,	,,	37	26 × 11 × 12 × 30	,, ,,	1868 विक्रमपुरे धर्मविलास	
तीर्थंकर-जीवनी	,,	51	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण छठे सर्ग से अंत तक	19वीं	
,, जीवन-प्रसंग	,,	6	26 × 11 × 13 × 45	संपूर्ण	17वीं	
,, जीवनी	,,	8	26 × 10 × 14 × 46	अपूर्ण गणधर वाद तक	19वीं	कल्पसूत्रानुसार
,, जी + भक्ति	मा.	2	25 × 12 × 18 × 45	संपूर्ण चार ढालें	,,	1839 की कृति नागौर में
,, ,,	,,	3	26 × 12 × 14 × 40	,, ,,	,,	,,
,, चरित्र	प्रा.मा.	6,3	26/27 × 11	,, दूसरी अपूर्ण 18 भव तक	,,	पहिली प्रति जीर्ण
,, भक्ति + जीवन	मा.	7	26 × 11 × 10 × 35	,, 85 छंद	1939 मार्तण्डपुरे दीपचंद	
,, ,,	,,	2	25 × 11 × 15 × 51	,, 29 छंद	19वीं	
,, ,,	,,	5	25 × 10 × 7 × 28	,, 19 पद	,,	नाप में भिन्नता है
जीवन चरित्र महाकाव्य	प्रा.	48	27 × 11 × 13 × 47	,, 1816 श्लोक	17वीं	
,,	प्रा.मा.	127	26 × 11 × 7 × 40	,, 1840 श्लोक ग्रं. 5059	1793	ग्रं टब्बा सहित है
,,	प्रा.	45	25 × 11 × 7 × 40	अपूर्ण 669 श्लोक तक	19वीं	
दानपर-जीवनी	मा.	22	24 × 10 × 13 × 33	संपूर्ण 21 ढालें	1761	
,,	,,	7,8	25 × 11 × 12 × 32	,, 142-3 गाथा	1768, 19वीं	
,,	,,	10	26 × 11 × 11 × 40	,, 138 गाथा	19वीं	
,,	,,	17	26 × 11 × 16 × 42	,, 22 ढालें	1849 सातसेण राजेन्द्रसागर	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
527	के.नाथ 16/42	मंगलकलश-चरित्र	Maṅgala Kalaśa Caritra	विद्याकुशल	प.
528	,, 13/25	माधवानल-चौपई	Mādhavānala Caupaī	पुरुषोत्तम	,,
529	,, 24/37	,,	,,	कुशललाभ	,,
530	मुनिसुव्रत 6 इ 42	,,	,,	,,	,,
531	के नाथ गु. 6	,,	,,	,,	,,
532	,, 5/97	,,	,,	,,	,,
533	कोलड़ी 12/8 गु.	,, (कामकंदला) चौपई	,,	,,	,,
534-5	कुंथुनाथ 14/10 41-2	,, ,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
536	के.नाथ 4/26	मानतुङ्ग-मानवती-रास	Mānatuṅga Mānavatī Rāsa	मोहनविजय	,,
537	सेवामंदिर 4 अ 200	,,	,,	,,	,,
538	मुनिसुव्रत 4 अ 159	,,	,,	,,	,,
539	के नाथ 24/35	,,	,,	,,	,,
540	ओसियां 4 अ 93	,,	,,	,,	,,
541	कोलड़ी 252	,,	,,	,,	,,
542-4	,, 219, 1102 1218	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
545-6	के.नाथ 19/103, 20/27	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	अनोपचन्द	,,
547	कोलड़ी 220	,,	,,	अज्ञात (तपगच्छ)	,,
548	के.नाथ 19/17	मालवीऋषि-सज्झाय	Mālavī Ṛṣi Sajjhāya	मतिसागर	,,
549	कुंथुनाथ 42/4	मुनिपति-चरित्र	Munipati Caritra	—	मू प.
550	कोलड़ी 159	,,	,,	हरिभद्रद्वारा-उद्धरित	मू.ट. (प.ग.
551	के.नाथ 21/11	,,	,,	—	ग.
552	कुंथुनाथ 18/12	,,	,,	—	,,
553	मुनिसुव्रत 3 इ 242	मृगापुत्र-सज्झाय	Mṛgāputra Sajjhāya	उदयसिंह	प.
554	,, 3 इ 323	,, चौढालिया	,, Cauḍhāliā	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
दान पर-जीवनी	मा.	13	26 × 11 × 16 × 49	संपूर्ण 29 ढालें	19वीं	
औपदेशिक सहित्यिक काव्य	,,	52*	27 × 10 × 13 × 52	,, 321 गा.	1637 रत्नसागर	जैनेत्तर कृति
,,	,,	19	27 × 11 × 15 × 45	,, 550 गा.	1728 श्रीरिणी विद्यालय	कुंवरहरिराज विरचिए सिणगाररस सातास कतूहल काज
शीलविषये औपदेशिक	,,	19	25 × 11 × 15 × 45	,, 557 गा.	1757	
,,	,,	22	22 × 15 × 16 × 30	,, 544 गा.	1790	
,,	,,	16	26 × 11 × 15 × 44	,, 550 गा.	1809	
,,	,,	गुटका	19 × 12 × भिन्न 2	,, ,,	19वीं	
,,	,,	12,38	27 × 11 व 22 × 16	प्रथम संपूर्ण द्वितीय अपूर्ण	18/18वीं	
(सत्योपदेश) जीवनी	,,	45	25 × 11 × 11 × 33	संपूर्ण 47 ढाल	1783	प्रशस्ति है।
,,	,,	36	24 × 11 × 16 × 40	,, ,,	18वीं	
,,	,,	20	25 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण 23वीं ढाल तक	,,	
,,	,,	57	22 × 11 × 13 × 25	संपूर्ण	1802	
,,	,,	43	25 × 11 × 14 × 41	,, 47 ढाल ग्रं.1410	1836 राहसर खुशालसुंदर	
,,	,,	39	25 × 11 × 14 × 42	,, ,,	1842	
,,	,,	40,4,22	24 से 27 × 11 × 15	प्रथम पूर्ण, बाकी की अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	12*,6	26 × 12 व 24 × 11	संपूर्ण 8 ढालें	20वीं	
,,	,,	13	25 × 10 × 11 × 34	,, 14 ढालें	,,	
गुरुजीवन-गाथा	,,	3	26 × 11 × 14 × 40	,, 50 गाथा	19वीं	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा.	7	26 × 11 × 16 × 40	त्रुटक	16वीं	
,,	प्रा.मा.	55	26 × 11 × 6 × 40	संपूर्ण 648 गा. 16 कथासह	1856	
,,	सं.	15	26 × 12 × 15 × 44	,, 16 कथानक सह.	19वीं	
,,	,,	19	27 × 13 × 12 × 48	,, ,,	,,	
,,	मा.	5	28 × 11 × 13 × 31	संपूर्ण 97 गा.	1767 मेड़ता, आर्याकिशनाजी	
,,	,,	1	23 × 10 × 16 × 44	,, 4 ढालें 25 गा.	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
555	मुनिसुव्रत 4 अ 110	मृगावती-चरित्र	Mṛgāvatī Caritra	समयसुंदर	प.
556	के.नाथ 19/23	,,	,,	,,	,,
557	मुनिसुव्रत 4 अ 109	,,	,,	,,	,,
558	के.नाथ 14/63	,,	,,	,,	,,
559	कुंथुनाथ 29/11	,,	,,	,,	,,
560	,, 52/14	,, -आख्यान	,, Ākhyāna	(हीरविजयेराज्ये तप-गच्छीय)	,,
561	,, 15/11	मृगांक-कथा	Mṛgāṅka Kathā	—	ग.
562	,, 10/155	मेघकुमार-गीत	Meghakumāra Gīta	कनक	प.
563	मुनिसुव्रत 3 इ 267	,, -सज्झाय	,, Sajjhāya	—	,,
564	ओसियां 3 इ 209	,, ,,	,, ,,	जयसागर (जिनसागर शिष्य)	,,
565	कोलड़ी 154	मेघनाद-कथा	Meghanāda Kathā	—	ग.
566	कोलड़ी गु. 11/13	मोतीशाह सेठ का 7 ढालिया	Motīśāhe Seṭha kā 7 ḍhālia	वीरविजय	प.
567	के नाथ 29/19	,,	,,	,,	,,
568	के.नाथ 14/53	यशोधर-कथानक	Yaśodhara Kathānaka	—	मू. (पद्य)
569	महावीर 4 अ 61	,, -चरित्र	,, Caritra	क्षमाकल्याण (अमृत धर्म शिष्य)	गद्य
570	ओसियां 4 अ 98	यादव-रास	Yādava Rāsa	पुण्यरत्न	प.
571	महावीर 4 अ 41	रणसिंहकुमार राजा-कथा	Raṇasiṁha Kumāra Rājā Kathā	—	ग.
572	के.नाथ 20/28	(मुनि) रत्नकुमार-सज्झाय	Ratnakumāra Sajjhāya	—	प.
573	मुनिसुव्रत 4 अ 140	रत्नचूड़-चौपई	Ratnacuḍa Caupaī	कनकनिधान	,,
574	ओसियां 4 अ 82	,,	,,	,,	,,
375-6	कोलड़ी 242-50	रत्नपाल-रास 2 प्रतियां	Ratnapāla Rāsa 2 copies	मोहनविजय	,,
577	,, 1082	,,	,,	,,	,,
578	ओसियां 3 इ 174	रत्नप्रभुसूरि-स्तवन	Ratnaprabhu Suri Stavana	ज्ञानसुंदर	,,
579	सेवामंदिर 4 अ 182	रत्नशेखर रत्नवती-कथा	Ratnaśekhara Ratnavatī Kathā	चंपूकर्त्ता जिनहर्ष	चंपू

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	भा.	28	25 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण 3 खंड 37 ढाल 743 गा. ग्रं. 1101	1682 मेदनीपुर. धर्मसी	
,,	,,	26	25 × 12 × 17 × 41	,, ,,	1705	
,,	,,	16	26 × 11 × 17 × 58	,, ,, ग्रं. 1168	1716 देवीकर पदमसी	
,,	,,	19	26 × 10 × 13 × 40	अपूर्ण द्वितीय खंड की 5वीं ढाल	19वीं	
,,	,,	16	26 × 11 × 16 × 60	,, तीसरे खंड की 10वीं ढाल	,,	
,,	,,	26	27 × 10 × 11 × 32	संपूर्ण गाथा 416	18वीं	
औपदेशिक-जीवनी	सं.	5	26 × 11 × 18 × 48	,,	1646	
,,	भा.	2	26 × 11 × 13 × 48	,, 43 छंद	1713	
,,	,,	2	24 × 10 × 11 × 35	,, 24 गाथा	1786	
,,	,,	5	26 × 12 × 11 × 36	,, 6 ढालें	20वीं	
,,	सं.	9	27 × 11 × 13 × 42	,,	1574	(रावण पुत्र की नहीं है)
जीवन चरित्र	भा.	गुटका	20 × 13 × 14 × 27	,, 7 ढालें	20वीं	
,,	,,	1	34 × 21 × 23 × 32	,, ,,	,,	
औपदेशिक-जीवनी	सं.	7	30 × 12 × 20 × 76	,, 416 श्लोक	16वीं	
,,	,,	39	28 × 12 × 13 × 49	,, दसमें भव तक	19वीं दीपविजय	
ऐतिहासिक-कथा	भा.	5	26 × 11 × 12 × 33	,, 65 गा.	1865 × राम-सुंदर	
जीवन-चरित्र	,,	17	29 × 12 × 13 × 34	,,	1838 स्तंभन गौतमविज	उपदेशमाला के उद्भव व माहात्म्य की कथा
जीवन-प्रसंग	,,	2	25 × 11 × 16 × 48	,, 10 ढालें	19वीं	
औपदेशिक-जीवनी	,,	26	22 × 11 × 14 × 37	,, 24 ढालें, ग्रं. 971	1945 सोजत ऋद्धिसागर	
,,	,,	15	22 × 11 × 14 × 45	,, 23 ढालें	19वीं कर्णपुर अजबसुन्दर	
(दान पर)औपदेशिक	,,	56,40	25 × 12 × 14/15 × 40	,, 4 खंड गा. 1330 ढाल 66, ग्रं 1700	19वीं	
,,	,,	15	27 × 11 × 12 × 50	अपूर्ण दूसरे खंड की तीसरी ढाल	,,	
भक्ति व इतिहास गीत	,,	3	24 × 11 × 11 × 33	प्रतिपूर्ण	20वीं	
तिथि विचार पर औपदेशिक	प्रा.सं.	8	24 × 10 × 15 × 60	संपूर्ण 432 ग्रं., श्लो. 94	1652 जोधपुर	संक्षिप्त संस्करण

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
580	महावीर 4 अ 40	रत्नशेखर-रत्नवती-कथा	Ratnaśekhara Ratnavatī Kathā	जिनहर्ष	चपू
581	ओसियां 4 अ 189	,,	,,	,,	,,
582	कुंथुनाथ 52/13	रत्नवती-रास	Ratnavatī Rāsa	रत्नसुन्दरसूरि	प.
583	के.नाथ 24/64	राजमती पंचढालिया	Rājamatī Pañcaḍhāliyā	ऋषिरायचंद	,,
584	कोलड़ी गु 9/9	रात्रिभोजन-चौपई	Rātribhojana Caupaī	समुद्रवाचक (चन्द्रसूरि शिष्य)	,,
585	,, गु. 12/6	,	,,	शुभचन्द्र भट्टारक	,,
586	के.नाथ 19/121	रामकृष्ण-चौपई	Rāmakriṣṇa Caupaī	लावण्यकीर्ति	,,
587	,, 24/83	,,	,,	,,	,,
588	महावीर 4 अ 30	राम-चरित्र	Rāma Caritra	देवविजय (रामविजय शिष्य) तपगच्छीय	ग.
589	कुंथुनाथ 12/215	रामयश-रसायन	Rāmayaśa Rasāyana	मुनिकेशराज	प
590	के.नाथ 19/105	,,	,,	,,	,,
591	ओसियां 4 अ 30	रामायण	Rāmāyaṇa	शिवलाल	,,
592	कुंथुनाथ 40/2	रुक्मणी-विवाहलो	Rukmaṇī Vivāhalo	किसनदास	,,
593	कोलड़ी 263	,, -विवाह	,, Vivāha	—	,,
594	के.नाथ 22/67	रूपकमाला-चरित्र+बा.	Rūpakamālā Caritra+Bālā	पुण्यनंदि/रत्नरंगोपाध्याय	मू.बा.
595	मुनिसुव्रत 4 अ 141	रूपचंद अमरराय-रास	Rūpacanda Amara Rāya Rāsa	नयसुन्दर (भानमेरु शिष्य)	प.
596	,, 4 अ 117	रूपचंद ऋषिराज-रास	,, Ṛṣi Rāja Rāsa	(मुनिटीकम)	,,
597	,, 4 अ 162	,,	,, ,,	,,	,
598	कुंथुनाथ 55/2	,, चौपई	,, Caupaī	केशर	,,
599-600	के नाथ 18-23, 14-9	,, मांडणी 2 प्रतियां	,, Māṇḍaṇī 2 copies	टीकममुनि	,,
601	कोलडी 1341	,, मांडणी	,, Māṇḍaṇī	,,	,,
602	कुंथुनाथ 16/3	रूपचंद-चौपई	,, Caupaī	केशर	,,
603	मुनिसुव्रत 4 अ 170	रूपसुन्दरी-कथा+पांडव-कथा	Rūpasundarī+Pāṇḍava-Kathā	—	ग.
604	कोलड़ी 368	,,	,, Kathā	—	,,
605	के नाथ 3/3	रूपसेन-कथा	Rūpasena Kathā	जिनसूरि	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तिथि विचार पर औपदेशिक	प्रा सं.	17	28 × 12 × 14 × 49	संपूर्ण 219 श्लोक + गद्य	19वीं	विस्तृत संस्करण
,,	,,	31	27 × 13 × 11 × 33	,, ,,	20वीं निशाल, रणछोड़	,,
औपदेशिक-जीवनी	मा.	14	26 × 11 × 16 × 40	,, 406 गा.	19वीं	1635 की कृति
,,	,,	4	25 × 12 × 14 × 29	,, 5 ढाल	,,	
,,	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 264 गाथा	17वीं	
,,	,,	1	लम्बा रोल × 13सेंटीमीटर	,, 85 गाथा	19वीं	
कृष्णचरित्र जैन मान्यता	,,	29	26 × 11 × 18 × 52	,, 6 खंड	1723 कुंवरउर रत्नमुनि	
,,	,,	45	26 × 11 × 14 × 45	अपूर्ण 5वें खंड की 8वीं ढाल	19वीं	
हेमचन्द्रानुसार-रामायण	सं.	157	26 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण 10 सर्ग ग्रं. 5000	17वीं	पद्मविजय द्वारा संशोधित
जैन मान्यता राम-कथा	मा	245	24 × 11 × 10 × 34	,, 62 ढाल ग्रं. 4375	18वीं	
,,	,,	105	25 × 13 × 15 × 48	,, चार अधिकार 3413 गा.	1927	1680 की कृति
,,	,,	10	25 × 11 × 19 × 47	,, 16 ढालें	1882	
कृष्णजीवन-प्रसंग	हि.	8	15 × 26 × 30 × 25	,, 78 छंद	1741	
,,	मा.	3	27 × 11 × 17 × 38	,,	19वीं	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा.मा.	11	26 × 11 × 18 × 51	,,	1582	
जीवन-चरित्र काव्य	मा.	59	25 × 11 × 15 × 47	,, 6 खंड गा. 1735	17वीं ऋषि-कुंवरजी	
औपदेशिक-जीवनी	,,	6	26 × 12 × 16 × 61	,, 11 ढाल, गा. 224	1702 मेड़ता पंचाइणजी	1699 की कृति
,,	,,	12	25 × 12 × 11 × 41	,, ,, ,,	18वीं	
,,	,,	36	14 × 10 × 8 × 36	,, 21 ढालें	1853	
,,	,,	8,7	26 × 11 × 16/18 × 52	,, 11 ढाल 224 गा	19वीं	
,,	,,	6	26 × 11 × 16 × 54	,, ,, ,,	,,	
,,	,	15	22 × 13 × 11 × 36	अपूर्ण 7 ढालों तक	,,	
धर्मश्रवणे व विरक्ति-पर	सं.	2	26 × 11 × 17 × 54	संपूर्ण 2 कथायें	1760 आगरा वीरमजी	(पांडवकथा भागवत स्कंधे
,, जीवनी	मा.	4*	26 × 10 × 15 × 46	,,	19वीं	
औपदेशिक-जीवनी	सं.	27	25 × 11 × 17 × 36	,,	1730	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2*	3	3 A	4	5
606	ओसियां 3 अ 155	रोहाकथा-सम्बन्ध	Rohākathā Sambandha	विनयचंद	प.
607	,, 4 अ 105	ललितांग-कथा	Lalitāṅga Kathā	—	ग.
608	सेवामंदिर 4 अ 178	लीलावती विक्रम-चौपई	Lilāvati Vikrama Caupaī	वाचनाचार्य अभय	प
609	के.नाथ 5/91	,, ,,	,, ,,	,,	,,
610	,, 24/36	,, ,,	,,	लाभवर्द्धन	,,
611	,, 10/19	,, सुमति-विलास	Lilāuati Sumati Vilāsa	उदयरत्न	,,
612	कुंथुनाथ 39/3गु	,, ,,	,, ,,	,,	,,
613	कोलड़ी 238	वज्रकुमार-ढाल	Vajrakumāra Ḍhāla	—	,,
614	के.नाथ 19/101	वत्सराज देवराज-रास	Vatsarāja Devarāja Rā a	लावण्यसमय	,,
615	कोलडी 69/6	,, ,,	,, ,,	,,	,,
616	के.नाथ 15/151	,, ,,	,, ,,	,,	,,
617	,, 23/68	,, -चौपई	,, Caupai	रत्नवल्लभ	,,
618	मुनिसुव्रत 4 अ 149	,, -रास	,, Rāsa	सत्यसागर (भोज-सागर शिष्य)	,,
619	के.नाथ 13/25	(सदय) वत्स-रास	(Sadaya) Vatsaraja Rāsa	—	,,
620	मुनिसुव्रत 4 अ 165	वयरकुमार-रास	Vayarakumāra Rāsa	अज्ञात	,,
621	के नाथ 15/47	,, रास	,, Rāsa	अज्ञात	,,
622	,, 19/3	,, प्रबन्ध	,, Prabandha	कुसलसूरि	,,
623	,, 15/210	,, सज्झाय	,, Sajjhāya	—	,,
624	महावीर 4 अ 63	वस्तुपाल-चरित्र	Vastupāla Caritra	जिनहर्ष (जयचन्द्र शिष्य)	,,
625	के नाथ 19/34	वासुदेव-चौपई	Vāsudeva Caupai	हर्षकुल	,,
626	महावीर 4 अ/9-10	वासुपूज्य-चरित्र	Vāsūpūjya Caritra	वर्द्धमानसूरि	मू. (प.)
627	ओसियां 4 अ 153	विक्रम-चरित्र	Vikrama Caritra	रामचन्द्र (अभयदेव शिष्य)	ग.प.
628	महावीर 4 अ 23	,,	,, ,,	,,	,,
629	के नाथ 410	विक्रमादित्य-चरित्र	Vikramāditya Caritra	(पंचदण्ड तपछत्रबंधे)	प.
630	महावीर 4 अ 5	,,	,, ,,	शुभशील (मुनिसुन्दर शिष्य)	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-बुद्धि दृष्टांत	मा.	3	26 × 11 × 13 × 48	संपूर्ण 6 ढालें	19वीं जिनसुंदर	
,, जीवनी	सं.	4	26 × 11 × 21 × 56	,,	1562 सिरोही कुशलधर्म	
,, विक्रम जीवन-प्रसंग	मा.	12	20 × 11 × 13 × 35	,, 308 गाथा	19वीं	1724 की कृति
,, ,,	,,	17	25 × 11 × 13 × 31	,,	,,	
,, ,,	,,	22	26 × 10 × 14 × 37	,, 29 ढाल, गा. 600	,,	
,, जीवन-चरित्र	,,	15	27 × 12 × 14 × 47	,, 346 गा.	1840	
,, ,,	,,	90*	22 × 16 × 12 × 32	,, 21 ढालें	1913	
,, जीवनी	,,	12	27 × 11 × 17 × 62	,, 4 ढाल	19वीं	
,, जीवन चरित्र	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	,, 6 खंड	1699	
,, जीवनी	,,	4	26 × 11 × 17 × 50	त्रुटक	19वीं	
,, ,,	,,	2	26 × 11 × 19 × 47	केवल 2 पत्र मात्र अपूर्ण	20वीं	
,, ,,	,,	8	25 × 11 × 37 × 116	संपूर्ण ढाल 45, गा. 964	19वीं	
,, जीवन-चरित्र काव्य	,,	75	23 × 10 × 11 × 39	,, 4 खंड	1799	प्रशस्ति है (मूल प्रति ?)
,, ,,	,,	52*	27 × 10 × 13 × 52	,, 685 गा. ग्रं. 1011	1637	
,, जीवन-चरित्र	,,	5	26 × 11 × 15 × 52	,, 89 गा.	17वीं	
,, ,,	,,	80	26 × 11 × 11 × 41	,, (पहिलापत्र 10 गा. कम)	19वीं	पूर्ण में 89 गाथा होती है
,, ,,	,,	10	25 × 11 × 13 × 33	,, 146 गा.	,,	
,, ,,	,,	1	26 × 12 × 13 × 50	,,	20वीं	
,, ,,	सं.	146	27 × 13 × 15 × 36	,, 8 प्रस्ताव	,,	प्रशस्ति
कृष्ण-जीवनी	,,	14	25 × 11 × 17 × 52	,, 356 गा.	18वीं	
तीर्थंकर-चरित्र	,,	191	27 × 13 × 12/13 × 39	,, 4 सर्ग, श्लो. 4330	1949 अमदाबाद नरोत्तम	
ऐतिहासिक-जीवनी	,,	53	31 × 11 × 15 × 53	,, ग्रं. 2550	1490	
,, ,,	,,	55	26 × 11 × 17 × 52	,,	1670	
,, ,,	,,	39	29 × 11 × 18 × 48	अपूर्ण 4 प्रस्ताव (ग्रं. 1928)+5वें के 37 श्लो.	17वीं	
,, ,,	,,	221	30 × 14 × 11 × 55	संपूर्ण 12 प्रक्रम	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
631	महावीर 4 अ 1	विक्रम-कालीदास-प्रबंध	Vikrama Kālidāsa Prabandha	(प्रबंधचिंतामणि से)	प.
632	मुनिसुव्रत 4 अ 143	विक्रमसेन-चौपई	Vikramasena Caupai	परमसागर (लावण्य सागर शिष्य)	,,
633	कोलड़ी 232	,,	,, ,,	,,	,,
634	,, 231	,,	,, ,,	,,	,,
635	केनाथ गु. 8	,,	,, ,,	,,	,,
636	के.नाथ गु 1	विक्रम-खापरचोर-कथा	Vikramakhāpara Cora Kathā	लाभवर्द्धन	,,
637	कोलड़ी 216	विक्रमादित्य-चौपई	Vikramāditya Caupai	,,	,,
638	के.नाथ 5/107	,,	,,	,,	,,
639	कोलड़ी 1220	विक्रम-कथा	Vikrama Kathā	—	,,
640	के नाथ 21/86	विक्रमचरित्र-चौपई	Vikrama Caritra Caupai	हीरकलश	,,
641	महावीर 4 अ 76	विक्रम-कथा	,, Kathā	अज्ञात	,
642	कोलडी 226	विक्रमसेन-चौपई	Vikramasena Caupai	मानसागर	,,
643	के.नाथ 5/87	,,	,,	,,	,,
644	कोलड़ी 163	विजयचंद्र केवली-चरित्र	Vijayacandra Kevalī Caritra	—	,,
645	के.नाथ 22/61	,,	,,	चंद्रप्रभुसूरि	,,
646	कोलड़ी 1216	,,	,,	(सागरचंद्र शिष्य) ?	,,
647	कुंथुनाथ 18/2	विजयसेठ सेठानी-सज्झाय	Vijaya Setha Sethāni Sajjhāya	रायचंद	,,
648-9	के.नाथ 15/236, 26/44	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	हर्षकीर्ति	,,
650	कुंथुनाथ 10/142	विद्यापति-कथा	Vidyāpati Kathā	—	ग.
651	के.नाथ 6/92	विद्याविलास सौभाग्यसुंदरी-कथा	Vidyāvilāsa Saubhāgya Sundarī Kathā	—	,,
652	महावीर 4 अ 55	विमलनाथ-चरित्र	Vimalanātha Caritra	ज्ञानसागर (रत्नसिंह)	मू+प
653	के.नाथ 10/101	विमलवसही-प्रबंध	Vimalavasahi Prabandha	—	ग.
654	महावीर 4 अ 38	,, -रास	,, Rāsa	लावण्यसमय	प.
655	कोलड़ी 847	,, -रास	,, Rāsa	,,	,,
656	मुनिसुव्रत 4 अ 142	,, -रास	,, Rāsa	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ऐतिहासिक जीवन-प्रसंग	सं.	3	30 × 14 × 17 × 42	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,, जीवनी	मा.	31	25 × 11 × 19 × 51	संपूर्ण 64 ढाल, गा. 1311	1727 मंडल, नरसागर	1724 की कृति/ प्रशस्ति है
,, ,,	,,	42	24 × 10 × 15 × 45	,, ,, गा. 1315	1762	
,, ,,	,,	46	26 × 10 × 16 × 50	,, ,,	1816	
,, ,,	,,	80	16 × 14 × 17 × 16	त्रुटक	19वीं	
औपदेशिक-कथानक	,,	20	22 × 19 × 22 × 32	संपूर्ण 20 ढालें	1814	
पुण्यप्रसंगे-जीवनी	,,	23	22 × 11 × 13 × 34	,, 27 ढालें	1832	
,, ,,	,,	13	25 × 12 × 20 × 44	अपूर्ण 22वीं ढाल तक	19वीं	
ऐतिहासिक-जीवनी	,,	54	26 × 11 × 15 × 54	,, 1519 गा.	16वीं	
,, ,,	,,	34	26 × 11 × 12 × 37	संपूर्ण 759 गा.	19वीं	
,, जीवन-चरित्र	,,	10*	28 × 14 × 17 × 42	,, 175 श्लो	1852	
,,	सं.	32	26 × 11 × 13 × 48	,, 52 ढाल	1797	
,,	मा.	42	25 × 11 × 14 × 34	,, ,,	1818	
जीवन-चरित्र	,,	19	28 × 11 × 17 × 62	,, 1064 गा ग्रं. 1330	1485	
,,	प्रा.	26	27 × 12 × 17 × 51	,, ग्रं. 1400	1863	
,,	,,	190	27 × 11 × 7 × 46	अपूर्ण 2865 गा.	19वीं	
शीलपर औपदेशिक चरित्र	,,	12	26 × 11 × 8 × 32	संपूर्ण 89 गा.	,,	
,,	मा.	2 2	26 × 12 × 13/16 × 40	,, 21 गा.	,,	
जीवन-चरित्र	,,	8	26 × 11 × 15 × 44	,, ग्रंथाग्र 504	1695	अंतिम 10 पंक्ति-पालक पुत्र कथा
औपदेशिक-जीवनी	सं.	6	25 × 11 × 16 × 46	,, 37 अनुच्छेद	19वीं	
तीर्थंकर-चरित्र	,,	141	28 × 13 × 16 × 43	,, 5 सर्ग 5650 ग्रं.	1958, राहेण, सूरजूदास	
जीवन-चरित्र	,,	5	25 × 11 × 13 × 38	अपूर्ण	19वीं	
,,	मा.	85	25 × 11 × 11 × 34	संपूर्ण 9 खण्ड	1662	
,,	,,	31	32 × 11 × 21 × 54	,, 9 खण्ड + 10वीं चूलिका	1690 रामपुर हंसविमल	
,,	,,	40	25 × 10 × 16 × 43	,, ,,	18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
657	के.नाथ 29/11	वीरधवल-चौपई	Vīradhavala Caupai	देवराज	प.
658	कोलड़ी 235	वीराङ्गद-चौपई	Virāṅgada Caupai	पद्मविजय	,,
659	मुनिसुव्रत 4 अ 121	वेदर्भी-चौपई	Vaidarbhi Caupaī	प्रेमराज	,,
660	,, 4 अ 120	,,	,,	,,	,,
661	के नाथ गु. 6	,,	,,	,,	,,
662	मुनिसुव्रत 4 अ 122	,	,,	,	,,
663-4	के.नाथ 15-79, 24-60	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
665	कोलड़ी 248	शंख-कलावती-दृष्टान्त	Śaṅkhakalāvatī Dṛṣṭānta	पंजसवंत	,,
666	कुंथुनाथ 39/3	शालिभद्र-सिलोको (श्लोका:)	Śālibhadra Siloko	रंगविसंघवी-सूत	,,
667	मुनिसुव्रत 4 अ 167	,,	,,	—	,,
668	कुंथुनाथ 55/10	,, चौढालिया	,, Cauḍhāliyā	पदमचदसूरि (पासचंद वडतपगच्छी)	,,
669	महावीर 4 अ 14	शालिवाहन-चरित्र	Śālivāhana Caritra	शुभशील (मुनिसुन्दर शिष्य)	पद्य
670	ओसियां 4 अ 88गु	शासनदेवी-रोहिणी कथादि	Śāsanadevī Rohiṇī Kathādi	—	,,
671	महावीर 4 अ 27	शांतिनाथ-चरित्र	Śāntiñatha Caritra	जिनवल्लभ/--	मू.वृ. (प.ग.)
672	ओसियां 4 अ 86	,,	,,	मुनिदेवसूरि	पद्य
673	महावीर 4 अ 25	,,	,,	जिनप्रभाचार्य	,,
674	,, 4 अ 24	,,	,,	माणिकचन्द्राचार्य	,,
675	के.नाथ 4/22	,,	,,	अजितप्रभसूरि	,,
676	मुनिसुव्रत 4 अ 145	,,	,,	भावचद्रसूरि	गद्य
677	के नाथ 23/48	,,	,,	,,	ग.
678	महावीर 4 अ 73	,,		,,	,,
679	कोलड़ी 160	,,	,,	,,	,,
680	के नाथ 5-66 11-28	,,	,,	,,	,,
681	,, 16-43	,,	,,	,,	,,
682	,, 13-38	,,	,,	अजीतप्रभसूरि	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन चरित्र	मा.	1	26×11×23×63	संपूर्ण 8 ढाल	20वीं	
,,	,,	39	26×12×13×40	,,	1875	
रुक्मणी विवाह प्रसंग	,,	4	25×11×15×43	,, ग्रं. 250	17वीं	
,,	,,	5	26×11×15×40	,, ,,	17वीं बीकानेर	
,,	,,	11	22×15×17×18	,,	1742	
,,	,,	6	26×12×16×41	,, ग्रं. 205	1764 लालचंद	
,,	,,	10,6	22×12 व 25×11	,,	20वीं	
शील परजीवनी	,	7	26×11×13×45	,,	19वीं	
जीवन-प्रसंग	,,	गुटका	22×16×12×32	,, 46 गा.	1913	
,,	,,	5	25×11×14×28	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	4	23×11×13×44	संपूर्ण 4 ढालें	1729 × पृथ्वी विमल	
जीवन चरित्र महाकाव्य	सं.	53	28×13×13×42	,, 1723 श्लोक	1961 सूर्यपूरे	
कथानक	मा.	30*	15×10×12×20	प्रतिपूर्ण	19वीं	
तीर्थंकर-चरित्र	प्रा.सं.	35*	27×11×15×45	संपूर्ण 33 गा.	1531 अमदाबाद धर्मसेन	चरित्रपंचके
,,	सं.	76	25×11×17×66	,, ग्रं. 4845	1520 उज्जैन झनकसुत	
,,	,,	118	26×11×15×52	,, ग्रं. 5000 प्रस्ताव 6	16वीं	
,,	,,	110	28×12×15×46	,, ग्रं. 5000	1612 लालध्वज कर्णगणि	
,,	,,	135	26×11×15×42	,, 8 प्रस्ताव ग्रं. 5001	1697	
,,	,,	57	26×11×17×52	,, 6511 (पहिला पत्रा कम)	1684 जोधपुर मानसिंह	1535 की कृति
,,	,,	135	25×11×17×51	संपूर्ण 6 प्रस्ताव	1763	
,,	,,	128	25×12×15×48	,, ,,	1824 शुद्धदंति नंदलाल	
,,	,,	119	26×12×15×55	,, ,,	1882 फलोदी गुलाबविजय	
,,	,,	73	25×11×15×35	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	10	26×11×15×48	अपूर्ण (बिल्कुल)	,,	
,,	,,	8	26×12×17×48	,, ,,	,,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
683	कोबड़ी 251	शांतिनाथ-रास	Śāntinātha Rāsa	ज्ञानसागर	प.
684	के.नाथ 13/19	शांब प्रद्युम्न-चौपई	Śāmba Pradyumna Caupai	समयसुन्दर	,,
685	कुंथुनाथ 23/11	,,	,, ,,	,,	,,
686	कोबड़ी 213	,,	,, ,,	,,	,,
687	महावीर 4 अ 76	शीलवती-कथा	Śīlavatī Kathā	सोमतिलकसूरि	,,
688	के.नाथ 13/18	,, -चौपई	,, Caupaī	दयासागरमुनि	,,
689	,, 14/14	,, ,,	,, ,,	कुशलधीर	,,
690	कोबड़ी 1332	,, -रास	,, Rāsa	—	,,
691	,, 368	शीलसेन-कथा	Śīlasena Kathā	—	ग
692	के नाथ गुटका 5	शुक्लपक्षी कृष्णपक्षी-चौपई	Śuklapakṣī Kṛṣṇapakṣī Caupaī	राजहंस	प.
693	,, 13-10	श्रीपाल-चरित्र	Śrīpāla Caritra	रत्नशेखर	मू. (प)
694	महावीर 4 अ 33	,,	,,	,,	,,
695	के.नाथ 3/16	,,	,,	,,	,,
696	,, 13/31	,,	,,	,,	,,
697	मुनिसुव्रत 4 अ 136	,,	,,	,,	मू.ट (प.ग)
698-701	के.नाथ 6/63, 11/98, 24/82 5/61	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	मू. (प.)
702-3	कोबड़ी 69/7 1099	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
704-6	के नाथ 11-5, 14-132, 6-15	,, सावचूरि 3 प्रतियां	,, 3 copies	रत्नशेखर/क्षमाकल्याण	मू.अ. (प.ग)
707	के.नाथ 10/94	,,	,,	लब्धिसागर	प.
708	ओसियां 4 अ 83	,,	,,	सत्यराजगणि	,,
709-10	के नाथ 14-131, 17-59	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
711	,, 1-34	,,	,,	गुणसागर	,,
712	कोबड़ी 142	,,	,,	ज्ञानविमल	,,
713	ओसियां 4 अ 97	,,	,,	जयकीर्त्ति	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर-चरित्र	मा.	58	25 × 12 × 16 × 36	संपूर्ण 66 ढाल गा. 1398 ग्रं. 2200	1888	
जीवन-चरित्र	,,	20	27 × 12 × 15 × 38	,, 21 ढालें (2 खंड)	1671	
,,	,,	21	27 × 11 × 13 × 44	,, ,,	19वीं	
,,	,,	19	26 × 11 × 15 × 44	,, 2 खंड 21 ढाल, 542 गा.	,,	
शीलविषये-जीवनी	सं.	10*	28 × 14 × 17 × 42	,, 222 श्लोक	1952 × गोकुलदास	शीलोपदेशमाला-वृत्ति
,,	मा.	11	26 × 12 × 17 × 52	,, 23 ढालें	18वीं	
,,	,,	4	26 × 11 × 17 × 63	अपूर्ण 9वीं ढाल तक	19वीं	
,,	,,	6*	26 × 11 × 17 × 42	संपूर्ण 124 गा.	,,	
,,	,,	4*	26 × 10 × 15 × 46	,,	,,	
,,	,,	17	19 × 13 × 11 × 17	,, 135 गा.	,,	
सिद्धचक्र माहात्म्ये जीवनी	प्रा.	26	26 × 11 × 17 × 55	,, 1341 गा., ग्रं. 1674	1540	शिष्य हेमचन्द्र द्वारा 1428 में लिपिबद्ध
,, ,,	,,	36	26 × 11 × 15 × 52	,, ,	1580 × रामविजय	
,,	,,	52	26 × 11 × 13 × 38	,, 1334 गा.	1674	
,,	,,	40	26 × 11 × 15 × 43	,, 1343 गा., ग्रं. 1674	1676	
,,	प्रा मा.	133	26 × 13 × 7 × 29	,, 1343 गा., ग्रं. 5000	1847 जोधपुर राजेन्द्र	
,,	प्रा.	53,21, 22,12	26 × 11 × भिन्न 2	प्रथम 2 पूर्ण अंतिम 2 अपूर्ण	19वीं	प्रथम प्रति ग्रंथाग्र 1853 लिखे हैं
,,	,,	2,23	25 × 10 व 25 × 12	अपूर्ण	16/20वीं	प्रथम प्रति में चित्र 1
,,	प्रा.सं.	60,125, 120	26 से 32 × 11 से 15	संपूर्ण ग्रंथाग्र 3022	19/20वीं	
,,	सं.	13	30 × 12 × 13 × 53	,, 505 श्लोक	16वीं	
,,	,,	12	25 × 11 × 16 × 46	,, 491 श्लो. ग्रं.500	1869 विक्रमपुर बखतसुंदर	
,,	,,	18,18	26 × 11 व 25 × 12	,, 475/90 श्लोक	19वीं	
,,	,,	19	25 × 11 × 13 × 37	,, ग्रं. 500	,,	
,,	,,	33	26 × 12 × 17 × 52	,,	1795	
,,	,,	40	25 × 11 × 16 × 33	,, 4 प्रस्ताव	1873विक्रमपुर	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
714	कोलड़ी 860	श्रीपाल-चरित्र	Śrīpāla Caritra	जयकीर्त्ति	ग.
715-6	महावीर 4 अ 32 66	,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
717	कुंथुनाथ 3/55	,,	,, ,,	—	,,
718	सेवामंदिर 4 अ 176	,	,, ,,	—	,,
719-21	के.नाथ 21-10-91 5-42	,, 3 प्रतियां	,, -Caupaī 3 copies	जिनहर्ष	मू. (प.)
722	के.नाथ 13-7	,, -रास	,, -Rāsa	विनयविजय 30 यशोविजय	,,
723	,, 20/37	,, ,,	,, ,,	,,	,,
724	कोलड़ी 208	,, ,,	,, ,,	,,	,,
725-7	कुंथुनाथ 13-60 16-15, 18-13	,, ,, 3 प्रतियां	,, ,, 3 copies	,,	,,
728-9	मुनिसुव्रत 4 अ 135 37	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
730-31	के.नाथ 10-109 14-133	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	मू.बा. (प.ग.)
732-35	कोलड़ी 206 209-10,1165	,, ,, 4 प्रतियां	,, ,, 4 copies	,,	मू.पद्य
736-37	,, 205-7	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	मू.ट. (प.ग.)
738	मुनिसुव्रत 4 अ 174	,, ,,	,, ,,	—	प.
739	ओसिया 4 अ 94	,, -चरित्र	,, Caritra	देवमुनि (जिनसौभाग्य सूरि शिष्य)	ग.
740	मुनिसुव्रत 3 इ 323	श्रीपूज्य आचार्य-गीत	Śrīpūjya Ācārya Gīta	भिन्न 2	प.
741	के.नाथ 19/101	श्रीमती-ढाल	Śrīmatī Ḍāhla	—	,,
742	मुनिसुव्रत 4 अ 132	श्रुकराज-कथा	Śrukarāja Kathā	माणिक्यसुंदर	ग.
743	कोलड़ी 215	,, -चौपई	,, Caupaī	शोभाचंद	प.
744	के.नाथ 15/189	श्रेणिकराजा-चौपई	Śreṇikarāja Caupaī	भुवनसोम	,,
745	महावीर 4 अ 7	षट्पुरुष चरित्र	Ṣaṭpuruṣa Caritra	--	ग.
746	के.नाथ 19/10	सज्झाय ढाल-संग्रह	Sajjhāyaḍhāla Saṅgraha	संकलन	प.
747	सेवामंदिर 4 अ 194	सनतकुमार-नौढालिया	Sanatkumāra Nauḍhāliyā	महानंद	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
सिद्धचक्रमाहत्म्ये जीवनी	सं.	26	25 × 12 × 15 × 60	संपूर्ण 4 प्रस्ताव	19वीं	
,,	,,	44,47	27 × 11 × 12/11 × 42	,, ,,	,,	
,,	,,	28	26 × 12 × 12 × 34	,,	1825	
,,	,,	23	23 × 10 × 9 × 27	,,	20वीं	(मूल प्राकृतानुसार)
,,	मा.	47 13, 34	25 से 26 × 11 से 12	संपूर्ण ढाल 21 से 49 तक	19वीं	
,,	,,	45	26 × 12 × 15 × 40	,, 4 खण्ड 41 ढाल 1270 गा.	1828	
,,	,,	59	26 × 11 × 15 × 39	,, ,,	1831	
,,	,,	52	25 × 11 × 14 × 40	,, ,, ग्रं. 1833	1831	
,,	,,	103,48, 68	26 × 13 × 12/15 × 36	,, ,,	19/20वीं	
,,	,,	56,24	24 × 11 × 13/8 × 40	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण (चौथा खंड) व टब्बार्थ	19वीं	
,,	,,	60,33	26 × 11 व 25 × 12	अपूर्ण चौथा खंड मात्र	20वीं	
,,	,,	78,75, 44,5	24 से 27 × 11 से 13	प्रथम तीन पूर्ण, चौथी अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	72,45	25 × 12 व 27 × 13	प्रथम पूर्ण द्वितीय चौथा खंड मात्र	19वीं जोधपुर	
,,	,,	9	25 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	41	24 × 12 × 20 × 48	संपूर्ण चार प्रकाश	1937	1917 की कृति
गुरुभक्ति व इतिहास	,,	8	24 से 26 × 10 से 11	7 आचार्यों के कुल 13 गीत	18वीं (1 बीसवीं का)	1 गीत संस्कृत में
जीवन-प्रसंग	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	संपूर्ण	19वीं	
जीवन-चरित्र	सं.	9	26 × 11 × 17 × 58	,,	18वीं × धनजी	शत्रुञ्जय माहत्म्ये
,,	मा.	35	25 × 11 × 12 × 48	,, 786 गा, ग्रं. 1179	19वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 50	,,	1707	
औपदेशिक-कथायें	सं.	23	28 × 13 × 14 × 30	,, लक्षण वर्णन कथा-सह	19वीं	6 प्रकार के धार्मिक भेदों से रूपक
जीवन-प्रसंग	मा.	68*	26 × 12 × 20 × 50	,, 38 जीवनियां	,,	प्रायः प्रसिद्ध (सात अप्रसिद्ध की अलग
औ. जीवन-प्रसंग	,,	11*	26 × 12 × 13 × 34	,,	20वीं	प्रविष्टियां करदी है)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
748	के.नाथ 19/13	सनत्कुमार चक्रवर्ती-रास	Sanatkumāra Cakravartī Rāsa	पुण्यरत्न	प.
749	कोलडी 245	,, ,,	,, ,,	अज्ञात	,,
750-1	महावीर 4 अ 2,57	समरादित्य-चरित्र 2 प्रतियां	Samarāditya Caritra 2 copies	प्रद्युम्नसूरि	मू (प)
752	मुनिसुव्रत 3 इ 323	समुद्रपाल ऋषि-चौढालिया	Samudrapāla Ṛṣi Cauḍhāliyā	उदयसिंह	प.
753	कुंथुनाथ 54/3	सम्यक्त्व-कौमुदी	Samyaktva Kaumudī	—	ग.
754	कोलडी 1077	,,	,,	—	मू.ट. (ग)
755	,, 812	,,	,,	—	ग.
756	महावीर 4 अ 79	,,	,,	—	,,
757	के.नाथ 11/113	,,	,,	—	,,
758	के.नाथ 4/15	,,	,,	शांतिसागर	मूल (पद्य)
759	के नाथ 23/53	,,	,,	—	मू.ट (पग)
760	के.नाथ 6/106	,,	,,	—	,,
761	के नाथ 21/81	,, पद्यानुवाद	,,	विनयचंद	प.
762	के.नाथ 21/13	,,	,,	—	ग.
763	कोलड़ी 151	सागरचंद्र राजर्षि-कथा	Sāgara Candra Rājarṣi Kathā	जिनहर्ष	प.
764	के.नाथ 19/87	सायरसेठ की चौपई	Sāyara Seṭha kī Caupaī	(हेमनंदन)	,,
765	मुनिसुव्रत 4 अ 169	सिकडाल-संधि	Sikaḍāla Sandhi	खेममुनि	,,
766	कोलड़ी 147	सिंहासन-बत्तीसी	Siṁhāsana Battīsī	क्षेमकरणमुनि	ग.
767	ओसियां 6 इ 39	,,	,,	हीरकलश	प.
768	के.नाथ 21/86	,,	,,	—	,,
769	कोलडी गु 1/13	,,	,,	—	,,
770	सेवामंदिर 4अ 196	,,	,,	—	,,
771	कुंथुनाथ 41/5	,,	,,	—	ग.
772	,, 19/2	,,	,,	—	,,
773	कोलड़ी गु. 3/2	,,	,,	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
श्री. जीवन-प्रसंग	मा.	18*	26 × 12 × 13 × 44	संपूर्ण 274 गाथा	18वीं	1637 की कृति
,,	,,	3	26 × 10 × 15 × 56	,, 85 गा.	19वीं	1677 की कृति
जीवन चरित्र काव्य	सं.	123, 124	30 × 14 व 28 × 13	,, 9 प्रकरण ग्रं. 4874	20वीं	प्रशस्ति व भूमिका है। हरिभद्रानुसार
जीवन-प्रसंग	मा.	1	26 × 11 × 14 × 52	,, 4 ढालें	1768	
सम्यक्त्व ऊपर कथायें	सं.	41	25 × 11 × 17 × 44	,, 7 कथानक	17वीं	
,,	,,	85	24 × 12 × 6 × 30	अपूर्ण पत्रे 10 से 94 अंत	1821	
,,	,,	57	30 × 13 × 9 × 45	संपूर्ण	1883 पौहकर्ण गुलाबविजै	
,,	,,	42	26 × 13 × 15 × 53	,, 7 कथायें	1955 नागौर नरोत्तम	
,,	,,	2	26 × 11 × 15 × 45	केवल 2 पत्रे प्रारंभ के अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	46	27 × 11 × 14 × 42	अपूर्ण 1482 श्लोक	,,	पहिला पन्ना कम
,,	,,	46	26 × 12 × 6 × 32	त्रुटक	,,	
,,	,,	5	26 × 12 × 5 × 35	अपूर्ण केवल 5 पत्रे प्रारंभ के	,,	
,,	मा.	30	26 × 12 × 17 × 51	संपूर्ण 42 ढाल, ग्रं. 1700	,,	1850 की कृति
,,	,,	32	26 × 12 × 15 × 42	,,	1856	
अष्टादश स्थान ज्ञान पर दृष्टांत कथा	,,	14	23 × 13 × 13 × 32	,, 8 ढालें, गा. 224	19वीं	
जीवन-चरित्र	,,	7	26 × 11 × 16 × 45	,, 227 गा.	1804	
,,	,,	3	25 × 11 × 17 × 54	,,	1771 × ऋषि मोटाजी	
विक्रमकथा, भोजदरबार में	सं.	30	23 × 11 × 14 × 45	,, 32 कथायें	1485	
,,	मा.	46	26 × 11 × 19 × 70	,, ,,	1753 मनुदेश की सिमलसेव	
,,	,,	52	26 × 11 × 12 × 37	,, ,,	19वीं	
,,	,,	65*	15 × 13 × 15 × 20	अपूर्ण (24 कथा तक)	,,	
,,	,,	25	24 × 10 × 15 × 40	त्रुटक	18वीं	
,,	,,	70	25 × 17 × 11 × 20	संपूर्ण 32 कथायें	19वीं	अंत में चंद्रकुमार कथा अधूरी
,,	,,	29	23 × 14 × 18 × 4	अपूर्ण 3 कथा	,,	
,,	,,	गुटका	15 × 14 × 16 × 22	,, 18 कथा	1784	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
774	कोलड़ी 282	सिंहासनबत्तीसी-सज्झाय	Siṁhāsana-battīsī Sajjhāya	—	प.
775-6	के.नाथ 9/32, 26/68 अ	सीताराम-चौपई दो प्रतियां	Sītarāma Caupaī 2 copies	समयसुंदर	,,
777	मुनिसुव्रत 4 अ 119	,, -लक्ष्मण-चरित्र	,, Lakṣamaṇa Caritra	अज्ञात	ग.
778	के.नाथ 15/71	सीता-रास	Sītā Rāsa	—	प.
779	,, 18/29	,,	,,	—	,,
780	,, 19/70	सुदर्शनसेठ-ढाल	Sudarśana Seṭha Ḍhāla	—	,,
781	महावीर 4 अ 58	,, चरित्र	,, Caritra	सकलकीर्त्ति	,,
782	के.नाथ 6/31	,, ,,	,, ,,	—	,,
783	सेवामंदिर गु 5 दे	,, प्रबन्ध	,, Prabandha	कवि दीपो	,,
784	के.नाथ 19/13	सुधर्मस्वामी-रास	Sudharmāsvāmī Rāsa	पुण्यरत्न	,,
785	कुंथुनाथ 36 1 क्रम 36	सुप्पय-रास	Suppaya Rāsa	—	मू. (प.)
786	के.नाथ 29/91गु	सुबाहु-संधि	Subāhu Sandhi	पुण्यसागर	प.
787-8	,, 15/73, 227	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
789	मुनिसुव्रत 3 इ 275	सुभद्रासती-गीत	Subhadrā Satī Gīta	---	,,
790-91	ओसियां 2/249, 4 अ 96	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	विनयचंद	,,
792	के.नाथ 19/80	सुरप्रिय चरित्र	Surapriya Caritra	वाचक जयनिधान	,,
793	,, 19/94	सुरसुन्दरी-चरित्र	Surasundarī Caritra	धर्मवर्द्धन	,,
794	,, 19/55	,,	,,	(,,) धर्मसी	,
795	कोलड़ी 1175	,,	,,	(,,) ,,	,,
796	कुंथुनाथ 20/18	,,	,,	नयसुन्दर	,,
797	मुनिसुव्रत 3 इ 323	सुरुपिऋषि-चौढालिया	Surupi Ṛṣi Cauḍhāliyā	अज्ञात	,,
798	के.नाथ 9/43	सुसढ-चरित्र	Susaḍha Caritra	—	मू.प.
799	सेवामंदिर 4 अ 175	सोमकथानक+5 व्यवहार	Somakathānaka+5 Vyavahāra	अज्ञात	ग.
800	के.नाथ 15/231	स्थूलिभद्र-चरित्र	Sthūlibhadra Caritra	—	,,
801	,, 11/35	(स्थूली) थूलभद्र चंदाइणा	(,,) Sthūlibhadra Candāiṇa	गुण सौभाग्यसूरि(प्रसिद्ध नाम जयवंतसूरि	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
विक्रम कथा, भोजदरबार में	मा.	2	27×11×19×48	संपूर्ण 3 ढालें=66गा.	19वीं	
जीवन-चरित्र	,,	16,10	25×11×15×35/51	अपूर्ण	,,	
जैन मान्यतानुसार	,,	14	26×11×19×54	संपूर्ण	18वीं	
सीता के जीवन-प्रसंग	,,	2	24×11×14×40	,, 36 गा. ग्रं. 54	1744	
,,	,,	2	26×11×15×45	,, 35 गाथा	19वीं	
जीवन चरित्र मोक्ष	,,	12	25×12×15×29	,,	1939	
,,	सं.	28	27×12×16×35	,, 8 परिच्छेद ग्रं. 900	1955	
,,	,,	7	26×11×15×36	,, 144 श्लोक	19वीं	
शीलपर-जीवनी ,,	मा	31	17×12×12×14	6 से 8 व 22 से 120 गाथा	1901	
जीवन-चरित्र	,,	18*	26×12×13×44	संपूर्ण 73 गा.	18वीं	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा	गुटका	(?)	,, 79 गा.	1544	
,,	मा.	,,	16×13×15×24	,, 90 गा,	18वीं	सुखविपाक 1
,,	,,	9,5	25×10 व 26×11	,, 87 गा.	19वीं	
जीवन-प्रसंग (शील पर)	,,	2	25×11×13×35	,, 36 गा.	,,	
,,	,,	5,12*	26×11×12/14×35	,, 5 ढालें	20वीं	
जीवन-चरित्र औ.	,,	8	27×11×15×42	,,	1709	
शील व नवकार माहत्म्य पर	,,	22	26×12×15×42	,, 4 खंड-619 गा.	1825	
,,	,,	19	25×11×15×54	अपूर्ण 3 खंड+71 गा.	19वीं	
,,	,,	24	25×11×12×48	लगभग पूर्ण (प्रथम व अंतिम पन्ना कम)	,,	
,,	,,	34	26×12×11×38	संपूर्ण 510 गा.	20वीं	
जीवन-चरित्र मोक्ष	,,	1	25×11×17×52	,, 35 गा.	19वीं	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा.	17	25×11×13×44	,, 517 गा. (प्रथम पन्ना कम)	,,	
,, नियम ऊपर	मा.	4	26×12×16×46	,,	,,	
जीवन-चरित्र	सं.	2	26×11×13×36	,,	,,	
,,	अ.	7	25×11×13×34	,, 148 गा. (पहिला पन्ना कम)	,,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
802	कुंथुनाथ 2/39	स्थूलिभद्र-रास	Sthūlibhadra Rāsa	लालमोहन	प.
803	के नाथ 15/226	,,	,,	,,	,,
804	,, 14/16	,, कवित्त	,, Kavitta	भगवतीदास	,,
805	,, 14/67	,, गुण-रत्नाकर	,, Guṇa Ratnākara	सहजसुन्दर	,,
806	,, 13/33	,, ,,	,, ,,	,,	,,
807-10	,, 10-51, 18-50 19-66-102	,, नवरसौ 4 प्रतियां	,, Navaraso 4 copies	उदयरत्न	,,
811	कुंथुनाथ 18/14	,, सज्झाय	,, Sajjhāya	,,	,,
812	के.नाथ 14/73	,, ,,	,, ,,	,,	,,
813	कोलड़ी 264	,, प्रबन्ध	,, Prabandna	शुभवीर	,,
814	,, गुटका 9/9	,, चौपई	,, Caupaī	वीरविजय	,,
815	,, 156	स्नात्र-पंचाशिका	Snātrapañcāśikā	शुभशील	ग.
816	के.नाथ 10/	,, ,, +बा.	,, +Bālā.	,,	मू.बा.(ग)
817	महावीर 4 अ 3	हरिविक्रम-चरित्र	Harivikrama Caritra	आगमिक जयतिलकसूरि (चरित्रसूरि शिष्य)	पद्य.
818	सेवामंदिर गु. 2 दे	हंसराज (वत्स) वच्छराज-चौपई	Haṁsarāja Vatsarāja Caupaī	जिनोदयसूरि (तिलकसूरि शिष्य)	,,
819	के नाथ 19/119	,, ,,	,, ,,	,,	,,
820	,, 5/98	,, ,,	,, ,,	,,	,,
821	कोलड़ी 9/2	,, ,,	,, ,,	,,	,,
822	कुंथुनाथ 55/24	हंसाउली-चौपई	Haṁsāulī Caupaī	जिबच्छराज	,,
823	के नाथ 13/25	,, ,,	,, ,,	—	,,
824	सेवामदिर 4 अ 198	हीरविजयसूरि-चौपई	Hīravijaya Sūri Caupaī	—	,,
825	कुंथुनाथ 9/113	हीरसूरि-कथा	Hīrasūri Kathā	—	,,
826-7	के नाथ 15-46, 45	हीरा रूपचंदऋषि-रास 2 प्रतियां	Hīrā Rūpacanda Ṛṣi Rāsa 2 copies	कान्ह	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा.	4*	23 × 12 × 28 × 90	संपूर्ण 107 गाथा	17वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 13 × 34	,, 108 गा.	19वीं	
,,	हि.	2	26 × 11 × 14 × 37	,, 9 पद	1784	
,,	मा.	17	26 × 12 × 17 × 45	,, 4 अधिकार	1800	
,,	,,	19	26 × 12 × 15 × 43	,, ,, = 422 गा.	19वीं	
,,	,,	7,2, 111*,9	22 से 27 × 12 से 14	,, 9 ढालें	19/20वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 19 × 50	,, ग्रंथाग्र 108	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 42	,, ,,	,,	
,,(शीलवेली)	,,	12	25 × 12 × 12 × 36	,, 17 ढाल	1879	
,,	,,	गुटका	16 × 12 × 13 × 20	,, 11 ढाल	19वीं	
पूजाफल पर दृष्टांत	सं.	20	27 × 10 × 13 × 32	,, 50 कथायें ग्रं.431	1693	
,,	सं. मा.	34	28 × 12 × 11 × 37	,, 48 कथायें ग्रं.775	1924	
नेमितीर्थे राजर्षि चरित्र	सं.	100	30 × 15 × 16 × 56	संपूर्ण 12 सर्ग ग्रं. 7450	20वीं	
दानपर औ. जीवनी	मा.	23	23 × 20 × 28 × 32	,, 4 खंड	18वीं	
,,	,,	38	25 × 12 × 12 × 42	,, ,, 46 ढालें 910 गा.	1839	
,,	,,	37	26 × 10 × 11 × 29	,, ,, ,,	1850	
,,	,,	गुटका	21 × 13 × 11 × 25	अपूर्ण	19वीं	
औपदेशिक जीवनी	,,	18	26 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण 413 गा. पर प्रथम 2 पन्ने कम	1628 नवानगर	
,,	,,	52*	27 × 10 × 13 × 52	,, 488 गा	1637 रत्नसागर	
जीवन-प्रसंग	,,	2	23 × 11 × 17 × 42	अपूर्ण गा. 25 से 79 अंत तक	19वीं	
जीवनी आचार्य की	,,	18	26 × 13 × 11 × 36	संपूर्ण 395 गा.	18वीं	
औपदेशिक जीवनी	,,	5,5	26 × 10 × 14/13 × 32	,, 89 गा.	19वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1	के.नाथ गु. 1	अडसठ तीर्थ-स्तवन	68 Tīrtha Stavana	सोमहर्ष	प.
2	महावीर 3 अ 7	अंगुलविचार-सत्तरी	Aṅgula Vicāra Sattarī	मुनिचन्द्रसूरि	मू (प)
3	कुंथुनाथ 3/63	अंतरीक्ष पार्श्व-स्तवन	Antarikṣa Pārśva Stavana	लावण्यसमय	प.
4	के.नाथ 17/29	आबूआदि लेख-संग्रह	Ābūādi Lekha Saṅgraha	—	ग.
5	के.नाथ गुटका 10	आबू विमलशाह-छंद	Ābūvimalaśāha Chanda	—	प.
6	कुंथुनाथ 52/2	एकविंशति स्थानक-प्रकरण	Ekaviṁśati Sthānaka	सिद्धसेनसूरि	मू. (प)
7	के.नाथ 14/138	,,	,,	,,	मू.ट (पग)
8	के.नाथ 11/26	,,	,,	,,	मू. (प)
9	के.नाथ 18/56	,,	,,	,,	,,
10	महावीर 4 च 47	,,	,,	,,	मू.ट. (पग)
11	ओसियां 2/236	,,	,,	,,	,,
12	के.नाथ 11/99	,,	,,	,,	,,
13-6	के.नाथ 13/29, 15/36, 26/59 15/90	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	मू. (प)
17	कोलड़ी 1275	ओसवंश-उत्पत्ति	Osavaṁśa Utpatti	—	प.ग.
18	के.नाथ 29/57	ओसवालों की-उत्पत्ति	Osavālonkī Utpatti	—	,,
19	के नाथ गु 22	,, के गोत्रों की उत्पत्ति	,, ke Gotron kī Utpatti	—	ग.
20	कुंथुनाथ 5/107	ओसवाल (भीलड़िया बोहरा) गोत्रोत्पत्ति	Osavāla Gotrotpatti	—	,,
21	,, गुटका 1	कापड़हेडा अष्टक व स्तवन	Kāpaḍaheḍa Aṣṭaka Stavana	हर्षकुशल+आनंद-निधान	प.
22	,, 15/224	,, पार्श्वतीर्थ-रास	,, Pārśva Tīrtha Rāsa	दयारत्न	,,
23	,, 43/7	,, पार्श्व-रास	,, Pārśva Rāsa	लक्ष्मीरत्न	,,
24	के नाथ गु 1	,, पार्श्व-स्तवन	,, ,, Stavana	वेणीराम	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थों की नामावली	मा.	2	23 × 19 × 21 × 27	संपूर्ण 25 गा.	1814	
नापपद्धति	प्रा.	3	29 × 12 × 17 × 59	,, 70 गा.	1594	
तीर्थभक्ति व इतिहास	मा.	2	26 × 10 × 14 × 42	,, 52 छंद	19वीं	
आबू, गोडवाड़ पंच-तीर्थी, शत्रुञ्जय, तारगा के शिला लेखों की नकलें	सं.	48	21 × 10 × भिन्न 2	,, 5 लेख	19वीं	
तीर्थ इतिहास	मा.	6	20 × 12 × 16 × 25	,, 103 गा.	19वीं	
तीर्थंकर जानकारी 21 द्वारों से	प्रा.	3	25 × 10 × 14 × 39	,, 69 गा.	16वीं	
,,	प्रा.मा.	42	25 × 11 × 5 × 31	,, 70 गा.	17वीं	
,,	प्रा.	5	25 × 11 × 7 × 36	अपूर्ण पत्रे 2 व 3 कम हैं	,,	
,,	,,	4	26 × 12 × 13 × 35	संपूर्ण 65 गा.	1727	
,,	प्रा.मा	9	24 × 11 × 5 × 31	,, 66 गा.	1811 विक्रमपुर भीमविजय	अंत में 2 गाथायें अन्य हैं
,,	,,	6	27 × 13 × 7 × 42	,, 67 गा.	1893	
,,	,,	8	25 × 11 × 5 × 35	,, 69 गा.	19वीं	
,,	प्रा.	7,6,4,2	25 से 26 × 10 से 12	प्रथम 3 पूर्ण, अंतिम 52 गा.	,,	
ऐतिहासिक, न्यात गोत्र का	मा.	5	17 × 13 × 17 × 24	प्रतिपूर्ण	,,	
,, +बापना व चौपड़ा गोत्र के 11 पत्रे	,,	13	12 × 15 × 17 × 15	,, + 2 पत्रे अलग हैं	,,	
इतिहास	,,	16	22 × 15 × 18 × 15	अपूर्ण	,,	
संवत् 535 से 1365 तक 42 पीढ़ियों की विगत	,,	187*	23 × 15 × 12 × 14	प्रतिपूर्ण	,,	
तीर्थ इतिहास	,,	3	22 × 19 × 22 × 32	संपूर्ण 8+34 गा.	1814	
,,	,,	3	26 × 11 × 12 × 35	,, 43 गा.	1797	1695 की कृति
,,	,,	2	25 × 11 × 15 × 52	,, 40 गा.	19वीं	
,,	,,	2	22 × 19 × 22 × 32	,, 26 गा.	1814	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
25	के.नाथ 29/4	केसरियाजी-छंद	Kesariyājī Chanda	—	प.
26-7	कोलड़ी 311/332	,, -रास 2 प्रतियां	,, Rāsa 2 copies	दीपविजय	,,
28	कुंथुनाथ 18/11	क्षेत्र-विचार	Kṣetra Vicāra	—	ग.
29	औसियां 2 अ 138	,,	,,	—	,,
30	महावीर 2/69	क्षेत्रसमास (बृहत्)+वृत्ति	Kṣetra Samāsa	जिनभद्र/मलयगिरी	मू.वृ. (प.ग.)
31	के नाथ 9/29	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /हरिभद्र	मू.वृ.
32	औसियां 2/152	,, —	,, —	,,	मू. (प.)
33	कोलड़ी 103	,,	,,	,,	,,
34	के.नाथ 13/26	,, +बा.	,, +Bālā.	,, /—	मू.बा. (प.ग.)
35	मुनिसुव्रत 2/266	,,	,,	,	मू. (प.)
36	के नाथ 11/82	,, +अ	,,	,, /—	मू+अ (प.ग.)
37	कोलड़ी 105	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
38	कुंथुनाथ 38/3	,,	,,	,,	,,
39	के.नाथ 10/93	,,	,,	,,	मू.प.
40	महावीर 2/67	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /हरिभद्र	मू.वृ.
41	के.नाथ 13/45	,,	,,	रत्नशेखर	मू. (प.)
42	,, 1/14	,, ,,	,, +Vṛtti	,,	मू.वृ. (प.ग.)
43	,, 6/28	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
44	,, 23/21	,, +अ	,,	,,	मू.अ. (प.ग.)
45	,, 21/13	,,	,,	,,	मू.प.
46	कोलड़ी 106	,,	,,	,,	,,
47	मुनिसुव्रत 2/267	,, +बा.	,, +Bālā.	,, /पं. दयासिंह	मू बा.
48	कोलड़ी 107	,,	,,	,,	मू. (प)
49	,, 1122	,,	,,	,,	मू. (प)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ इतिहास, मराठों के समय की घटना	मा.	3	22 × 11 × 14 × 32	संपूर्ण 45 गा.	1939	
तीर्थ इतिहास + भक्तिरास	,,	4,3	26 × 11 व 25 × 12	,,	19वीं	
जैन भौगोलिक	सं.	10	25 × 11 × 10 × 30	अपूर्ण	,,	
,,	,,	15	25 × 11 × 9 × 41	,,	1885 वाराणसी कुशलसुंदर	
,,	प्रा.सं.	151	26 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण ग्रं. 7087	16वीं	मूल की गा. 637
,,	,,	3	26 × 10 × 14 × 50	अपूर्ण (ग्रं. 495 पूरे के)	,,	नमि. सजल गा 109
,,	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण	,,	,, गा. 109
,,	,,	11	26 × 11 × 9 × 30	,,	1608	,, गा. 136
,,	प्रा.मा.	19	26 × 12 × 14 × 40	,,	1654	,, गा. 188
,,	प्रा.	12	26 × 12 × 6 × 42	,,	1687 जूनागढ़	,, गा. 137
,,	प्रा.सं.	10	26 × 11 × 15 × 40	,,	17वीं	,, गा. 94
,,	प्रा.मा.	18	26 × 11 × 5 × 35	,,	1700	,, गा. 153
,,	प्रा.	30	27 × 12 × 10 × 33	,, (तीसरा पन्ना कम)	19वीं	,, गा, 246
,,	,,	12	26 × 12 × 7 × 42	अपूर्ण 163 गा. तक	,,	,, गा. (अपूर्ण)
,,	प्रा.सं.	14	26 × 13 × 15 × 37	संपूर्ण ग्रं. 511	20वीं	,, गा 109
,,	प्रा.	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, 160 गा.	16वीं	
,,	प्रा.सं.	30	26 × 12 × 21 × 55	,,	17वीं	
,,	प्रा.मा.	22	26 × 10 × 7 × 34	,, 261 गा.	,,	
,,	प्रा.सं.	34	28 × 12 × 7 × 40	,, (पहिला पन्ना कम	,,	
,,	प्रा.	13	25 × 11 × 13 × 41	,, 263 गा.	1742	
,,	,,	7	25 × 11 × 16 × 54	,, 265 गा. (ग्रं. 270)	1783	
,,	प्रा.मा.	128	26 × 12 × 16 × 45	,, 262 गा. (ग्रं. 4117)	1803 जोधपुर	नक्शे 194 ग्रं. प्रमाण गिने हैं
,,	प्रा.	13	22 × 10 × 13 × 35	,, 465 गा.	1832	
,,	प्रा.मा.	41	25 × 11 × 4 × 32	संपूर्ण (पहिला पन्ना कम)	1837	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
50	ओसियां 1/140	क्षेत्रसमास	Kṣetra Samāsa	रत्नशेखर	मू.ट. (प ग.)
51	कोलड़ी 104	,, +बा.	,, +Bālā	,, /पार्श्वचंद	मू बा. (प.ग.)
52	ओसियां 2/141	,,	,,	,	मू (प)
53	कोलड़ी 1155	,,	,,	,,	,,
54	कुंथुनाथ 32/6	,,	,,	,,	,,
55-6	के.नाथ 21/19 10/32	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
57	,, 18/5	,,	,,	,,	मू ट. (प.ग.)
58	कुंथुनाथ 42/8	,,	,,	,,	मू. (प)
59	के नाथ 9/34	,, +बा	,, +Bālā.	,, /दयासिंह	मू. बा. (प.ग.)
60	मुनिसुव्रत 2/324	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,	मू. वृ. (प.ग.)
61	के नाथ 15/173	,,	,,	,,	मू. (प)
62	,, 6/52	,,	,,	,,	मू.वृ. (प.ग.)
63	,, 11/69	,,	,,	सोमतिलक	मू (प)
64	,, 23/8	,, +वृत्ति	,, + ,,	,, /देवसुंदर	मू.वृ. (प ग)
65	,, 6/55	,,	,,	—	मू.ट. (प ग.)
66	,, 5/47	,, + ,,	,, ,,	—	मू.वृ. (प.ग.)
67	,, 26/76	,, ,,	,, ,,	—	,,
68	,, 15/175	,,	,,	—	मूल
69	कुंथुनाथ 14/11	,, -चौपई	,, Caupaī	मतिसागर (गुणमेरु शिष्य)	पद्य
70	महावीर 2/68	,,	,,	,,	,,
71	के.नाथ 23/13	,,	,,	,,	,,
72-3	के.नाथ 13/49, 15/78	,, बालवबोध 2 प्रतियां	,, Bālāvabodha 2 copies	—	ग.
74	कुंथुनाथ 2/15	,, सूचायंत्र	,, Sūcā Yantra	सुमतिवर्द्धन	ग. तालिका
75	,, 25/5	खंडाजोयण	Khaṇḍājoyaṇa	—	ग.
76	के नाथ गु. 16	खंडेलवालों की उत्पत्ति	Khaṇḍelavalon kī Utpatti	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन भौगोलिक	प्रा.मा.	48	25 × 12 × 4 × 28	संपूर्ण	1869 महिमापुर लक्ष्मीरत्न	
,,	,,	39	25 × 11 × 4 × 40	,, 265 गा.	1882	
,,	प्रा.	13	26 × 11 × 18 × 60	,, 262 गा.	19वीं बीकानेर	नक्शे सह
,,	,,	10	25 × 11 × 13 × 36	,, 265 गा. (पहिला पन्ना कम)	19वीं	
,,	,,	22	26 × 12 × 12 × 40	,, 264 गा,	,,	
,,	,,	22,24	29 × 12 व 26 × 11	,, 262 गा.	,,	
,,	प्रा.मा.	20	25 × 12 × 15 × 34	,, ,,	,,	
,,	प्रा.	7	27 × 11 × 8 × 56	त्रुटक	16वीं	
,,	प्रा.मा.	76	25 × 11 × 17 × 55	अपूर्ण खंड 3 गा. 20 तक	17वीं	गा 389 + 20
,,	प्रा.सं.	13	25 × 12 × 11 × 56	,, गा. 55 से अंत तक	1782 कर्मचार दौलतसागर	
,,	प्रा.	9	26 × 11 × 13 × 45	त्रुटक	18वीं	
,,	प्रा.मा.	35	26 × 11 × 4 × 36	अपूर्ण 128 गा. तक	19वीं	
,,	प्रा.	8	26 × 11 × 17 × 62	संपूर्ण 384 गा.	1516	
,,	प्रा.सं.	39	27 × 11 × 15 × 42	,,	17वीं	
,,	प्रा.मा.	27	23 × 12 × 4 × 26	,, 103 गा.	1844	(सिरिवीरजिणं- दिय
,,	प्रा.सं.	9	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण बीच के पन्ने	16वीं	
,,	,,	10	26 × 11 × 17 × 56	,,	17वीं	
,,	प्रा.	12	26 × 11 × 11 × 40	,, ,,	19वीं	
,,	मा.	16	27 × 10 × 16 × 52	संपूर्ण 43 उल्लास गा. 636	1639	रचना संवत् 1594
,,	,,	16	26 × 12 × 17 × 47	,, 578 गाथा	17वीं	
,,	,,	9	26 × 11 × 23 × 72	,,	19वीं	
,,	,,	8,12	26 × 11 व 25 × 10	अपूर्ण	,,	
,,	,,	69	27 × 12 —	संपूर्ण नक्शों सह	1940	
भूगोल	,,	9	26 × 12 × 21 × 54	,, नौ वां पन्ना कम	18वीं	अंत में मार्गदिशि की 123 पमा
इतिहास	,,	11	15 × 15 × 13 × 13	प्रतिपूर्ण	1747	84 गोत्रों की उत्पत्ति सह

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
77	के.नाथ 29/23	गांगाणी-स्तवन	Gāṅgāṇi Stavana	समयसुंदर	प.
78	सेवामंदिर गु. 5 ति	जसविलास	Jasavilāsa	—	,,
79	के.नाथ 15/41	जंबूद्वीप-विचारादि	Jambūdvīpa Vicārādi	—	ग.
80	कुंथुनाथ 18/7	जंबूद्वीप-संग्रहणी +अ.	Jambūdvīpa Saṅgrahaṇī	हरिभद्र	मू.अ. (ग.प.
81	सेवामंदिर 2 अ 263	,, —	,,	,,	मू. (प.)
82	ओसिया 2/245	,, —	,,	,,	,,
83	सेवामंदिर 2/370	,,	,,	,,	मू.ट. (प.ग)
84	मुनिसुव्रत 2/261	,,	,,	,,	,,
85	ओसियां 2/188	,,	,,	,,	,,
86	,, 2/299	,,	,,	,,	मू. (प.)
87-८	के.नाथ 10/37 व 21/5	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
89	,, 15/192	जैनबद्री (गोमटेश्वर) यात्रा	Jaina Badri Yātrā	माणकचंद अग्रवाल (गर्ग)	ग. (पत्र)
90	ओसियां 4 आ 7	,, ,, ,,	,, ,,	,,	,,
91	के नाथ 15/85	तीर्थमाला-स्तवन	Tīrthamālā Stavana	—	प.
92	सेवामंदिर 4 आ 15	तीर्थंकर-कल्याणकादि	Tīrthaṅkara Kalyāṇakādi	—	ग. तालिका
93	के नाथ 18/83	,, ,,	,, ,,	—	,, ,,
94-6	महावीर 3 आ 104-10-13	,, ,, 3 प्रतियां	,, ,, 3 copies	—	,, ,,
97-104	कुंथुनाथ 4/94, 14/39-40, 34/7-9, 37/16, 13	,, ,, 8 प्रतियां	,, ,, 8 copies	—	,, ,,
105-6	महावीर 4 अ 44 से 46.51	,, च्यवनादि 4 प्रतियां	,, Cyavanādi 4 copies	—	,, ,,
107-10	मुनिसुव्रत 3 इ 321-2	,, नामावली 2 प्रतियां	,, Nāmāvalī 2 copies	—	,, ,,
111-12	महावीर 7 अ 1-2	,, राशि आदि 2 प्रतियां	,, Rāśi Ādi 2 copies	—	,, ,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ इतिहास भक्ति	मा.	2	25 × 11 × 13 × 33	संपूर्ण 24 गा.	17वीं	प्राचीन नाम ग्रर्जुनपुरी
तीर्थ यात्रा वर्णन	,,	2	15 × 10 × 28 × 28	,, 61 पद	,,	बीकानेर से शत्रुञ्जय यात्रा
जैन भौगोलिक + ग्रंतरीक्ष	,,	5	25 × 11 × 15 × 47	,,	19वीं	
जैन भौगोलिक	प्रा.सं.	4	25 × 11 × 5 × 54	,, 30 गा.	1778	
,,	प्रा.	1	26 × 11 × 15 × 43	,, ,,	18वीं	
,,	,,	1	25 × 11 × 18 × 52	,, ,,	18वीं × विनयविजय	
,,	प्रा.मा.	5	26 × 12 × 4 × 33	,, 29 गा.	1844 जैसलमेर	बीजक-सह
,,	,,	10	20 × 10 × 4 × 22	,, ,,	1847	—
,,	,,	5	26 × 12 × 4 × 35	,, 30 गा. ग्रं. 150	19वीं मेघविजय	
,,	प्रा.	2	26 × 11 × 11 × 37	,, ,,	,, ग्राणंदमुनि	
,,	,,	4,4	28 × 11 व 25 × 11	,, ,,	19वीं	
बाहुबलिग्रादि दक्षिण भारत तीर्थ मात्रा वृत्तांत	हि.	2	24 × 12 × 17 × 35	,,	1879	
,,	,,	7	43 × 11 × 12 × 48	,,	1928विक्रमपुर	
तीर्थ संबन्धी इतिहास	मा.	2	26 × 11 × 14 × 50	,,	19वीं	
भिन्न-2 द्वारों से जानकारी	सं.मा.	7	26 × 11 —	भिन्न 2 पन्ने प्रतिपूर्ण	17/18वीं	
,,	मा.	2	26 × 11 × 10 × 28	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,,	,,	4,2,5	25 से 28 × 11 से 13	,,	19/20वीं	
,,	मा.सं.	1,1,1, 2,1,5, 12,1	20 से 26 × 9 से 15	,,	,,	
,,	मा.	2,5,9, 11	20 से 26 × 11 से 12	प्रथम 3 पूर्ण, चौथी ग्रपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	2,2	22 × 10 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	19वीं	
तीर्थंकर ज्योतिष जानकारी	,,	13,2	26 × 12 × ,,	,,	,,	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
113	महावीर 4 अ 48	तेवीस युगप्रधान-यंत्र	Tevisa Yuga Pradhāna Yantra	—	ग. तालिका
114	सेवामंदिर 2/377	द्वीप-विचार	Dvīpavicāra	संकलन	मू.ट.
115	कोलडी 1217	धनुपृष्ठाद्या नयनप्रकार	Dhanupṛsthdāyā Nayana-prakārah	—	ग.
116	सेवामंदर 4 आ 13	नरक का वृत्तान्त	Naraka kā Vṛttānta Gaccha	—	,,
117	के.नाथ 5/81	पट्टावली-उपकेशगच्छ	Paṭṭāvalī-Upakeśa Gaccha	—	,,
118	के.नाथ 15/240	,, -ओसवाल-गच्छ	,, -Osvāla Gaccha	—	,,
119	के.नाथ 17/26	,, -कडुवामति-गच्छ	,, -Kaḍuvāmati	—	,,
120	के नाथ 15/104	,, -खरतर-गच्छ	,, -Kharatara Gaccha	—	,,
121	ओसियां 2 अ 152	,, ,,	,, ,,	—	प.
122	महावीर 4 आ 3	,, ,,	,, ,,	—	,,
123	सेवामंदिर 4 आ 14	,, ,,	,, ,,	—	,,
124	के.नाथ 5/27	,, ,,	,, ,,	—	,,
125	महावीर 4 आ-2	,, ,,	,, ,,	—	ग.
126	सेवामंदिर 4 आ-10	,, ,,	,, ,,	—	ग. तालिका
127	कुंथुनाथ 17/12	,, ,,	,, ,,	—	,,
128	,, 14/29	,, ,,	,, ,,	—	,,
129-33	के नाथ 15/199-221, 18/72, 19/106 29/55	,, , 5 प्रतियां	,, ,, 5 copies	—	,,
134	कुंथुनाथ 15/52	,, ,,	,, ,,	—	,,
135	कोलड़ी 848	,, -तपगच्छ (बड़गच्छ शाखा)	,, -Tapagaccha	—	,,
136	कोलड़ी 849	,, ,,	,, ,,	—	,,
137	के.नाथ 29/7	,, ,,	,, ,,	—	,,
138	कोलड़ी 929	,, ,,	,, ,,	—	,,
139	कुंथुनाथ 14/1	,, ,,	,, ,,	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
आचार्य सम्बंधी जानकारी	मा.	2	26 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
जैन भौगोलिक	प्रा.मा.	15	24 × 11 × 4 × 25	,,	18वीं × पं. श्रीलाल	
,,	सं.	1	26 × 11 × 24 × 62	संपूर्ण	1477	
नरकों की जानकारी	हिं.	5	26 × 12 × 13 × 54	प्रतिपूर्ण	20वीं	
आचार्य पाट-परंपरा	सं.	10	26 × 11 × 14 × 35	संपूर्ण	1689के बाद की	अंत में साधु समाचारी भी है
,,	मा.	6	25 × 11 × 16 × 43	अपूर्ण	19वीं	
,,	सं.	4	30 × 16 × 17 × 50	संपूर्ण	,,	
,,	,,	11	26 × 10 × 15 × 48	,,	1555	
,,	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 10 श्लोक	16वीं	युगप्रधानों के ही विवरण
,,	,,	5	26 × 11 × 19 × 56	,,	17वीं	साथ में ग्रन्थ संलग्न इतिहास
,,	,,	4	24 × 11 × 8 × 48	,,	1701 के आस-पास	68वें पाट तक
,,	मा.	11	25 × 11 × 11 × 40	,,	1796	
,,	सं.	6	26 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण 60वें पाट राजसूरि तक	18वीं	
,,	मा.	3	26 × 13 × —	भिन्न 2 पत्रे 68वें पाट तक	1834 के पहले	
,,	,,	1	26 × 10 × 16 × 50	अपूर्ण 40 पीढी तक	19वीं	
,,	सं.	1	26 × 11 × 15 × 65	संपूर्ण	,,	
,,	,,	2,2 2, 16,9	24 से 28 व 10 × 14	,,	,,	
,,	,,	1	25 × 11 × 12 × 40	,, जिनराजसूरि तक	19वीं	
,,	मा.	9	30 × 12 × 13 × 30	,,	1767 के लगभग	
,,	,,	8	30 × 11 × 11 × 32	,,	1814 × प्रमोदविजय	
,,	सं.	4	26 × 11 × 13 × 40	,, 65 पाट तक	19वीं	कल्पसूत्र वाचनान्तर्गत
,,	मा.	2	24 × 11 × —	,, 69 पाट तक	,,	
,,	,,	2	11 × 24 × —	,, (दो बार लिखी हैं)	,,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
140-43	कुंथुनाथ 18/31 34/11-12 12/213	पट्टावली-पार्श्वचंदगच्छ 4 प्रतियां	Paṭṭāvalī Pārśvacanda Gaccha 4 copies	—	ग. तालिका
144	कुंथुनाथ 10/194	,, -खरतरगच्छ	,, -Kharatara Gaccha	—	ग.
145	के.नाथ 19/45	,, -धाबैत (द्वावैत)	,, -Dhābaita	लाभसूरिंद	प.
146	,, 17/62	,, -लाभसूरि धाबैत (द्वावैत)	,, ,, Lābhasūri	वाचक विनयभक्ति	ग.
147	,, 26/103गु	,, खरतर गच्छ अन्य 3 2	,, Kharatara Gaccha etc	संकलित	,,
148	,, 23/29	,, -सामान्य	,, General	—	,,
149	सेवामंदिर 4 आ 13	,, -भिन्न 2	,, Different	—	,,
150	कुंथुनाथ 33/5	,, -सामान्य	,, General	—	ग. तालिका
151-53	महावीर 2/99 से 101	परिधिउपाय-यंत्र 3 प्रतियां	Paridhi Upāyayantra 3 copies	—	,, ,,
154	के.नाथ 26/103गु.	पार्श्व ओंकारेश्वर तीर्थ	Pārśva Oṅkāreśvara Tīrtha	—	गद्य
155	औसियां 2/238	पांचमा आरानाभाव	Pāñcamā Ārānābhāva	—	पद्य
156	के.नाथ 17/40	प्राचीन जैन बौद्ध शिलालेख प्रशस्ति आदि	Prācīna Jaina Bouddha epigrams etc	—	ग.प.
157	कोलड़ी 447	बीसविरहमान 11 बोलादि	Bīsa Viharamāna 11 Bolādi	—	,,
158	महावीर 3 इ 15	,, नामादि	,, Namādi	—	ग.
159	सेवामंदिर 4 आ 11	भंसालियों की वंशावली	Bhansāliyon kī Vaṁśāvalī	—	ग. तालिका
160	औसियां 2/172	भूगोल व अंतरीक्ष विचार-संग्रह	Bhugola & Antarīkṣa Vicāra Saṅgraha	अज्ञात	,, ,,
161	के.नाथ 18/92	भौगोलिक-तालिकायें	Baugolika Tālikāyen	संकलित	,, ,,
162	कुंथुनाथ 37/13	मंगल-पच्चीसी	Maṅgala Paccīsī	—	प.
163	के.नाथ 10/50	मनुष्यक्षेत्र-समास	Manuṣyakṣetra Samāsa	—	,,
164	,, 29/56	यतिकलह	Yati Kalaha	—	,,
165	महावीर 4 अ 49	युगप्रधान नाम आयु पर्यायादि यंत्र	Yuga Pradhāna Yantra	भद्रबाहुप्रणीत देवेन्द्र-सूरियंत्रित	ग. तालिकायें
166	,, 4 अ 50	,,	,,	,,	,,
167	औसियां 2/230	लोकनालि द्वात्रिंशिका+अ	Lokanāli Dvātriṁśikā	—	मू+अ(प.ग.)

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
आचार्य पाट परंपरा	सं.मा.	1,1,3,1	24 से 26 × 8 से 12	संपूर्ण नाम मात्र	19वीं	
,,	मा.	1	26 × 11 × 11 × 34	,, ,, 69 पाट तक	,,	साथ में आत्मप्रबोध सज्झाय
,,	,,	10	25 × 12 × 15 × 35	,,	,,	पट्टावलीनुसारवर्णन
,,	,,	8	26 × 12 × 13 × 44	,,	,,	, चरित्र
,,	सं.	7	25 × 12 × 20 × 56	,, 5 पट्टावलियां	18वीं	
,,	,,	20	26 × 12 × 15 × 45	,,	—	गच्छ विशेष की नहीं
,,	सं.मा.	21	26 × 12 × 14 × 38	प्रतिपूर्ण स्फुट पत्रे	18/19वीं	भिन्न 2 गच्छों की
,	मा.	1	26 × 12 × —	अपूर्ण 20वें पाट तक	19वीं	गच्छ विशेष की नहीं
जैन भौगोलिक तालिका	,,	8,8,8	25 × 12 × ---	प्रतिपूर्ण	20वीं	
तीर्थ इतिहास	सं.	1	25 × 11 × 20 × 56	संपूर्ण	18वीं	
युगवर्णन, भविष्य-वाणी	मा.	2	25 × 12 × 10 × 34	,,	19वीं	
इतिहास एवं भाषा-लिपि विज्ञान (प्राचीन)	सं.	8	30 × 16 × 16 × 40	,,	,,	
भिन्न 2 द्वारों से जानकारी	प्रा.सं.मा.	12	30 × 11 × 15 × 43	,, 20 जिनेश्वरों की	,,	
सैद्धांतिक जानकारी व औपदेशिक विधि	मा	6	26 × 12 × 13 × 35	,, ,, ,,	20वीं	
गौत्र की पीढियां	,,	11	29 × 10 × 40 × 18	,,	1924	
भौगोलिक आगमा-नुसार	,,	38	29 × 14 × 11 × 27	,,	19वीं	
भूगोलविविध बोल	,,	12	भिन्न 2	,,	,,	
तीर्थंकरों के 5 कल्या-णक	,,	4	24 × 11 × 14 × 42	,, 25 गा.	,,	
जैन भौगोलिक	प्रा.	6	23 × 10 × 11 × 42	,, 95 गा (पहिला पन्ना कम)	,,	
पालीताणा की घटना का वृत्तांत	मा.	3	21 × 11 × 15 × 32	,, 2 बार 17 गा,	,,	
दुःख प्राभृते जैना-चार्यों की नामावली	,	34	27 × 12 × 14 × 41	,, 2004 युगप्रधानों की	1841 स्तंभन, कीर्तिभुवन	
,,	,,	27	26 × 12 × —	किंचित् अपूर्ण ,,	19वीं	
जैन लोक स्वरूप भूगोल	प्रा.सं.	2	27 × 11 × 11 × 39	संपूर्ण 32 गाथा की	15वीं देवसुंदर (सत्यमेरु शिष्य)	अंतिम गाथा की अवचूरि नहीं

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
168	के.नाथ 5/74	लोकनालि-द्वात्रिंशिका + बा.	Lokanāli Dvātriṁśikā + Bālā.	—	मू.बा. (प.ग.)
169	,, 15/8	,, ,, + बा.	,, ,, + Bālā.	—	,,
170	कुंथुनाथ 3/62	,, ,,	,, ,,	—	मू. (प)
171	ओसियां 2/158	,, ,, + बा	,, ,, + Bālā	—	मू.बा. (प.ग.)
172	के.नाथ 11/72	,, ,,	,, ,,	—	मू.ट ,,
173-4	,, 18/49 6/79	,, ,, + बा. 2 प्रतियां	,, ,, + Bālā, 2 copies	—	मू.बा. ,,
175	ओसियां 2/225	,, ,, + बा.	,, ,, + Bālā.	/सहजरत्न	,, ,,
176	कुंथुनाथ 4/84	,, ,,	,, ,,	—	मू + ट (प.ग.)
177	के.नाथ 18/51	,, ,, की अवचूरि	,, ,, kī Avacuri	ज्ञानसागर	ग.
178	कोलड़ी 1238	लोकान्तिक देवस्तव + अ.	Lokāntika Devastava	—	मू.अ. (प.ग.)
179	कुंथुनाथ 42/16	शत्रुञ्जय-कल्पस्तोत्र + बा.	Śatruñjaya Kalpa Stotra + Bālā.	पादलिप्ताचार्य	मू बा. (प.ग.)
180	के.नाथ 10/60	,, कल्पस्तोत्र	,, ,,	,,	मू.ट. (प.ग.)
181	ओसियां 2/416	,, लघुकल्प	,, Laghukalpa	—	
182	के.नाथ 8/12	,, उज्झयंत रेवतगिर-कल्प	,, Ujjhayanta (R) Kalpa	जिनप्रभ (तीर्थकल्प)	पद्य
183	मुनिसुव्रत 3 इ-245	,, उद्धार-रास	,, Uddhāra Rāsa	नयसुन्दर	,,
184	,, 3 इ 316	,, ,,	,, ,,	,,	,,
185	कुंथुनाथ 25/6	,, ,,	,, ,,	,,	,,
186	के.नाथ 10/15	,, ,,	,, ,,	,,	,,
187-8	,, 19-42, 21-40	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
189-95	कोलड़ी 361 से 63, 1097/8, 1127-41	,, ,, 7 प्रतियां	,, ,, 7 copies	,,	,,
196	नवामंदिर 4 आ-12	,, ,,	,, ,,	,,	,,
197	कोलड़ी 415	,, -नाम	,, Nāma	—	—
198	,, 445	,, -माहात्म्य	,, Māhātmya	धनेश्वरसूरि	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन भौगोलिक लोकस्वरूप	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 4 × 45	,, 32 गा.	16वीं	
लोकस्वरूप-भूगोल	,,	8	27 × 11 × 17 × 60	,, ,,	1695	
,,	प्रा.	2	23 × 11 × 10 × 33	,, ,, (31वीं नहीं)	1805	
,,	प्रा.मा.	17	25 × 11 × 13 × 39	,, ,,	1844 पाली	
,,	,,	3	26 × 11 × 7 × 37	,, ,,	19वीं	
,,	,,	6,4,	27 × 12 व 26 × 11	प्रथम पूर्ण द्वितीय में 20 गा.	,,	
,,	,,	7	26 × 12 × 17 × 57	संपूर्ण 32 गा.	20वीं मांडवी बदर	
,,	प्रा.मा.	6	26 × 12 × 4 × 34	,, ,,	19वीं	
,,	सं.	2	27 × 11 × 19 × 67	,, ग्रं 150	16वीं	
अंतरीक्ष देववर्णन	प्रा.सं.	13*	26 × 11 × 15 × 42	,, 16 गा.	19वीं	
तीर्थभक्ति इतिहास	प्रा.मा.	4	27 × 12 × 14 × 42	,, 39 गा.	,,	भद्रबाहुरचित, वज्र स्वामी उद्धारित
,,	,,	4	26 × 12 × 6 × 40	,, ,,	1928	
,,	सं.	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
,,	मा.	6	26 × 11 × 17 × 48	,,	16वीं	
,,	,,	4	26 × 11 × 15 × 56	,, 111 गा.	1769	
,,	,,	5	24 × 10 × 13 × 36	,, 107 गा.	18वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 12 × 48	,, 119 गा.	1821	अंत में दिवाली सज्भाय गा.
,,	,,	5	27 × 11 × 15 × 43	,, 124 गा.	1848	
,,	,,	4,8	25 × 12 व 28 × 12	,, 114/122 गा.	19वीं	
,,	,,	7,4,9, 5,2,5, 5	24 से 27 × 11 से 12	प्रथम 3 पूर्ण शेष 4 अपूर्ण	,,	
,,	,,	7	27 × 12 × 11 × 43	संपूर्ण 121 गा.	,,	
तीर्थ नामावली	—	3	26 × 12 × 9 × 36	,, 99 नाम	,,	
तीर्थभक्ति इतिहास	सं.	96	25 × 11 × 19 × 60	त्रुटक प्रथम खंड 9 सर्ग	18वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
199	महावीर 4 आ 4	शत्रुञ्जय-माहात्म्य	Śatruñjaya Māhātmya	धनेश्वरसूरि	प.
200	के.नाथ 13/2	,, ,, -उल्लेख	,, ,,	हंसरत्न	ग.
201	कोलड़ी 1142	,, ,, -रास	,, ,, Rāsa	जिनहर्ष	प.
202	के नाथ 21/50	,, ,, -विचार	,, ,, Vicāra	—	ग.
203	,, 19/124	,, महिमा-वर्णन	,,Mahimā varṇana	—	,,
204	,, 15/124	,, -रास	,, Rāsa	आनंदनिधान	प.
205	कोलड़ी 261	,, ,,	,, ,,	गुलालविजय (शिष्य?)	,,
206	कुंथुनाथ 16/12	,, ,,	,, ,,	समयसुन्दर	,,
207-9	के.नाथ 18-76, 18-12 23-88	,, ,, 3 प्रतियां	,, ,, 3 copies	,,	,,
210-12	ओसियां 4 आ 5-8, 3 इ 203	,, ,, 3 प्रतियां	,, ,, 3 copies	,,	,,
213-15	कोलड़ी 243, 259-60	,, ,, 3 प्रतिया	,, ,, 3 copies	,,	,,
216-7	कुंथुनाथ 14/3, 9/123	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
218	कोलड़ी 308	,, संघवर्णन	,, Saṅgha Varṇana	ऋषभ	,,
219	सेवामंदिर गुटका3ति	,, -स्तवन	,, Stavana	पार्श्वचंद	,,
220	कुंथुनाथ 56/4	,, ,,	,, ,,	,,	,,
221	कोलडी 1184-D	,, ,,	,, ,,	सोमसुन्दर-शिष्य	,,
222	,, 312	,, ,,	,, ,,	अमृतमुनि	,,
223	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 31	,, -स्तोत्र	,, Stotra	पद्मनंदि	,,
224	महावीर 3 इ 355	शास्वत जिनबिंब-स्तवन +अ.	Śāsvata Jinabimba Stavana	देवेन्द्रसूरि /-	मू.अ. (ग.प.)
225	,, 3 इ 42	,, ,, +अ.	,, ,,	,, /-	,,
226	के नाथ 19/131	,, ,, +बा.	,, ,, +Bālā.	,, /कनकसोमगणि	मू.बा. (प.ग.)
227	,, 14/106	,, ,,	,, ,,	जिनेन्द्रसागर	प.
228	कुंथुनाथ 5/108	,, जिनप्रतिमा संख्या कथन	,, Pratimā Saṅkhyā Kathana	—	मू.ट. (प.ग.)
229	महावीर 2/57	सत्तरिसय ट्ठाण	Sattari Saya Thāṇa	सोमतिलकसूरि	मूल

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थभक्ति इतिहास	सं.	236	27 × 13 × 13 × 48	संपूर्ण 14 सर्ग	1961	
,,	,,	97	27 × 12 × 15 × 40	मूल की व्याख्या अपूर्ण	19वीं	
,,	मा.	19	27 × 13 × 15 × 40	अपूर्ण 22 ढाल तक	,,	
तीर्थ वृत्तांत	,,	24	26 × 13 × 11 × 32	संपूर्ण	1897	
,, इतिहास	,,	20	25 × 13 × 15 × 35	,,	1940	
तीर्थभक्ति इतिहास	,,	4*	26 × 12 × 16 × 29	,, 4 ढालें	19वीं	अंत में 21 गा. का पौषधस्तव
,,	,,	12	24 × 10 × 7 × 26	,, 7 ढालें	1929	
,,	,,	5	26 × 12 × 14 × 42	,,	1846	
,,	,,	5,6,7	23 से 27 × 10 से 13	,, 102/7 गाथा	19वीं	
,,	,,	8,5,6	23 से 27 × 10 से 12	,, 6 ढालें 108 गा.	,,	
,,	,,	5,4,6	25 से 26 × 11 से 12	,, ,,	19/20वीं	
,,	,,	8-8	24 × 11 व 23 × 15	,, ,,	,,	
नेमीदास की तीर्थ यात्रा का	,,	5	24 × 11 × 11 × 32	,,	19वीं	अंत में स्तवन प्रेमविजय रचित
तीर्थभक्ति इतिहास	,,	5	16 × 13 × 13 × 20	,, 45 गा.	1651	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 42	,, 42 गा.	18वीं	
,,	,,	2	27 × 11 × 17 × 60	,, 53 गा.	17वीं	
,,	,,	6	26 × 12 × 14 × 46	,, 10 ढालें	1847	
,,	सं.	गुटका		,, 24 श्लोक	1544	
प्रतिमाओं की जानकारी	प्रा.सं.	1	26 × 11 × 13 × 44	,, 24 गाथा	18वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 18 × 52	,, ,,	19वीं हेमविजय	
,,	प्रा.मा.	5	26 × 10 × 11 × 34	,, 22 गाथा	16वी	
,,	मा.	3	26 × 12 × 15 × 38	,, ढाल दोहे आदि	19वीं	
,,	प्रा.मा.	गुटका	16 × 23 × 11 × 20	,, 46 गा.	1797	
170 द्वारों से तीर्थंकर जानकारी	मा.	12	26 × 11 × 15 × 51	,, 359 गा.	1616 सौभाग्यगणि	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
230	के.नाथ 6/1	सत्तरिसय ट्ठाण	Sattarisayaṭhāṇā	सोमतिलक सूरि	मू.ट
231	,, 21/28	,,	,,	,,	मू.ल.
232	महावीर 2/102	,, -यंत्र	,, Yantra	—	ग. तालिका
233	कुंथुनाथ 10/133	समवसरण-स्तव	Samavasaraṇa Stava	—	मूल पद्य
234	महावीर 3 इ 355	,, ,,	,,	—	,, ,,
235	,, 3 इ 355	,, ,,	,,	सोमसुन्दर	,, ,,
236	,, 4 आ 1	सम्मेतशिखर-माहात्म्य	Sammetaśikhra Māhātmya	लोहाचार्य	प.
237	के.नाथ गु. 29	,, -रास	,, Rāsa	सौभाग्यसूरि	,,
238	कोलड़ी 452	सातसमुद्घात	Sātasamudghāta	—	ग.
239	कुंथुनाथ 55/	सुवर्णगिरि मंडन महावीर -स्तवन	Svarṇagiri Maṇḍana Mahāvīra Stavana	सारंग वाचक	प.
240	ओसियां 2/297	सूर्यशतक +अ.	Sūrya Śataka	/ मुनिसुन्दर शिष्य	मू.अ (प ग)

भाग : 5-जैनेत्तर धार्मिक :-

1	2	3	3 A	4	5
1	महावीर 5 अ 25	अग्निहोत्र-विधान	Agnihotra Vidhāna	—	गद्य
2	कुंथुनाथ 14/56	अजपागायत्री	Ajapāgāyatrī	—	पद्य
3	सेवामंदिर दे गु. 20	अनुभव-विलास	Anubhava Vilāsa	रामचरण	,,
4-5	कुंथुनाथ 25/3-4	अपराजिता-स्तुति 2 प्रतियां	Aparājitā Stuti 2 copies	स्कन्दपुराणे	,,
6	,, 14/53	अभयमुखीदान-प्रयोग	Abhayamukhī Dāna Prayoga	—	गद्य
7	,, 11/201गु	अर्जुनगीता	Arjuna Gītā	—	पद्य
8	सेवामंदिर 5 अ 39	अष्टाध्यायी-रुद्री	Aṣṭādhyāyī Rudrī	—	ग.प. मंत्र
9	के.नाथ 29/90	असिद्धसाधिनी-विद्या	Asidha Sādhanī Vidyā	भगवतीपुराणे	,,
10	ओसियां 6/37	आनन्द समुच्चय	Ānanda Samuccaya	—	प.
11	कोलड़ी 1311	ऋषभ अवतार-चरित्र	Ṛṣabha Avatāra Caritra	—	,,
12	के नाथ 25/22	एकादशी-कथायें	Ekādaśī Kathāyen	पुराणोक्त	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
170 द्वारों से तीर्थंकर जानकारी	प्रा.मा.	34	26 × 11 × 6 × 30	संपूर्ण 360 गा., ग्रं. 2000	1679	
,,	प्रा.	10	26 × 11 × 19 × 60	,, 360 गा.	19वीं	
तीर्थंकर जानकारी	मा.	13	26 × 12 × —	,, 172 द्वारों से	1896 कलकत्ता देवराज	
समवसरण-विधान	ा.	27*	27 × 11 × 13 × 38	,, 69 गा.	16वीं	
,,	सं.	1	26 × 11 × 17 × 54	,, 35 श्लोक	18वीं × रूपाक	
,,	मा.	1	25 × 11 × 20 × 70	,, 33 गा.	18वीं	
तीर्थभक्ति इतिहास	सं.	37	26 × 12 × 19 × 46	,, 1800 श्लोक	19वीं	
,,	मा.	16	12 × 12 × 14 × 12	,,	1933	1907 की कृति
समुद्घात प्रक्रिया वर्णन	,,	2	25 × 11 × 14 × 60	,,	,,	
तीर्थभक्ति इतिहास	,,	4	25 × 11 × 10 × 32	,, 4 गा. = 42 ढालें	1734 × मनोज्ञचंद्र	
सूर्यसंबंधी स्तुति	प्रा.सं.	6	27 × 11 × 13 × 54	,, 100 गा. (चौथा पन्ना कम)	15वीं	

(विभाग अ से ओ) :—

यज्ञविधि	सं.	3	28 × 12 × 10 × 39	संपूर्ण	19वीं	
भक्तिस्तोत्र	,,	1	25 × 11 × 18 × 63	,, 7 श्लोक	,,	
पापपुण्य विरक्ति चिंतन	मा.	11	26 × 20 × 17 × 20	,, 72 पद	1926	
भक्ति स्तुति	सं.	4,4	23 × 10 व 17 × 12	,,	1836 व 19वीं	
धार्मिक	राज.	1	21 × 10 × 9 × 26	,,	19वीं	
,,	सं.	गुटका	22 × 17	,, 106 श्लोक	,,	
पूजा क्रिया	,,	8	26 × 12 × 12 × 42	अपूर्ण	18वीं	प्रारंभ में अरिष्ट नेमिकोवचन
भक्तिमंत्र	,,	3	25 × 13 × 13 × 50	संपूर्ण	17वीं	
योग सम्बन्धी	,,	27	27 × 13 × 11 × 29	,,	19वीं	
वैष्णवाम्नायानुसार	मा.	8	21 × 15 × 23 × 21	,,	,,	अंत में राठौड़ों के जीवनप्रसंग व अफीम भांग संवाद
व्रतकथा	सं.	21	27 × 11 × 17 × 51	लगभग संपूर्ण-24	20वीं	कार्तिक शुक्ला अधूरी

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
13	कुंथुनाथ 19/3गु.	एकादशी-कथायें	Ekādaśi Kathāyen	पद्मपुराणानुसार	ग.
14	सेवामंदर 4 अ 16	,, ,,	,, ,,	—	,,
15	ओसियां 5 अ 13	,, माहात्म्य	,, Māhatmya	—	,,
16	कोलड़ी 861	करुणा-निवास	Karuṇā Nivāsa	मूलचंद	प.
17	ओसियां 3 इ 351	कलंकीराजा की उत्पत्ति	Kalaṅkī Rājā kī Utapatti	अज्ञात	ग.
18	कोलड़ी 931	कालिकादेवी स्तोत्र	Kalikādevī Stotra	—	प.
19	सेवामंदिर गु. 5 ति	कालिका-शतक	Kalikā Śataka	कीर्तिनंदा	,,
20	कुंथुनाथ 31/9	कुलार्णवसार	Kulārṇavasāra	महादेवोक्त	,,
21	सेवामंदिर गु. 23 दे.	कृष्णभजन	Kṛṣṇa Bhajana	कृष्णदास आदि	,,
22	के.नाथ गु. 3	कृष्ण व राम भक्ति-पद	Kṛṣṇa & Rāma Bhakti Pada	ढाढी निसांणिया व ढाढी सूरदास आदि	,,
23	कोलड़ी 1003	कैवल्य उपनिषद्-दीपिका	Kaivalya Upniṣad Dipikā	शंकरानंद	ग. टीका
24	के.नाथ 23/21	खंडप्रशस्ति सह-व्याख्या	Khaṇḍa Praśasti with Vyākhyā	हनुमंत/गुणविनय	मू + टी.(प.ग.)
25	के.नाथ 18/7	खंड-प्रशस्ति	,, ,,	—	ग.
26	कोलड़ी 527	गजानन-सहस्रनाम	Gajānana Sahasranāma	महादेव ऋषि	,,
27	सेवामंदिर 5 अ 37	गरुड़-पुराण	Garuḍa Purāṇa	—	प.
28	कुंथुनाथ 14/54	गंगाष्टक	Gaṅgāṣṭaka	—	,,
29	कोलड़ी 1244 परि. 7 अ	गीत-गोविन्द	Gita Govinda	जयदेव	,,
30	कोलड़ी गु. 7/4 परि. 7 अ	,, ,,	,,	,,	,,
31	कोलड़ी 1135 परि. 7 अ.	,, ,,	,,	,,	,,
32	के.नाथ 7/26 परि. 7 अ.	,, ,, की टीका	,, kī Tikā	—	ग.
33	के.नाथ 9/27 परि. 7 अ.	,, ,, ,,	,, ,,	जगद्धर	,,
34	सेवामंदिर 3 इ345 A	गोरखबोल-सह व्याख्या	Gorakha Bola with Vyākhyā	गोरखनाथ/	प.
35	सेवामंदिर 3 इ345 B	,, ,,	,,	,	,,
36	कोलड़ी 1253	घटस्थापन यक्षिणी-साधनादि	Ghaṭasthāpana etc.	—	गद्य मंत्र
37	कुंथुनाथ 32/27	चामुण्डा-अष्टक	Cāmuṇḍā Aṣṭaka	—	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
व्रत कथा	रा.	34	18 × 15 × 15 × 21	संपूर्ण 24 गा.	1793	
,,	,,	140	29 × 36 × 16 × 20	,,	1936	
,, फल	,,	14	18 × 12 × 20 × 32	,,	1877, पांचुग्रामें राजसुन्दर	
देवीभक्ति	,,	11*	24 × 12 × 17 × 49	,, 42 छंद	1893	
वृत्तान्त	मा.	93*	26 × 12 × 21 × 42	,,	18वीं	
देवीभक्ति	सं.	3	23 × 11 × 11 × 34	,, 28 श्लोक	,,	
,,	रा.	3	16 × 10 × 33 × 19	,, 102 गा.	1767	1708 की कृति
मोक्षशास्त्र	सं.	31	21 × 16 × 14 × 38	,, 5 खंड (17 तरंग)	1835	
कृष्णभक्ति	रा.	32	29 × 14 × 27 × 15	अपूर्ण	19वीं	
भक्ति पद	रा हि.	201	23 × 16 × 15 × 22	प्रतिपूर्ण	,,	सूरदास "ढाढी" कौन है ?
आध्यात्मिक	सं.	8	28 × 14 × 13 × 39	संपूर्ण	,,	
दशावतार कथा	,,	22	26 × 12 × 17 × 51	अपूर्ण 86 श्लोक	,,	
,,	,,	7	29 × 13 × 14 × 46	,, छठे अवतार तक	,,	
गणेशभक्ति	,,	8	32 × 14 × 14 × 34	संपूर्ण 1000 नाम	,,	
प्राचीन धार्मिक कथायें	,,	7	24 × 10 × 9 × 42	अपूर्ण तीसरे अध्याय तक	17वीं	
भक्ति स्तोत्र	,,	1	25 × 10 × 13 × 40	संपूर्ण 9 श्लोक	19वीं	
भक्ति गीत	,,	10	25 × 11 × 15 × 52	,, 12 सर्ग	1707	
,,	,,	गुटका	23 × 15 × 11 × 23	अपूर्ण 11वें सर्ग तक	1746	
,,	,,	10	24 × 11 × 11 × 34	,, 4 सर्ग तक	19वीं	
,,	,,	31	26 × 11 × 17 × 60	संपूर्ण 12 सर्ग की	,,	पहिला पन्ना कम है
,,	,,	34	25 × 10 × 13 × 42	2 से 9 सर्ग (पत्रे 13 से 46)	,	सारदीपिका नाम्नी टीका
आध्यात्मिक	रा.	3	26 × 10 × 14 × 64	प्रतिपूर्ण	17/वीं पं. नैयणसी	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 32	,,	,,	
धार्मिक क्रिया कांड	सं.	9	31 × 15 × 20 × 66	त्रुटक	1868	
देवी भक्ति	,,	1	26 × 11 × 10 × 42	संपूर्ण 8 श्लोक	19वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
38	के.नाथ 29/92	चामुण्डा व क्षेत्रपाल-छंद	Cāmuṇḍā & Kṣetrapāla Chanda	—	प.
39	सेवामंदिर 5 अ 28	चौथमाता-कवित्त	Cauthamātā Kavitta	सेवक भवानीदास	,,
40	के.नाथ 29/61	(केरड़ावाली) चौथमाता-कथा	(Keraḍā) ,, ,,	—	ग.
41	कोलड़ी 1305	,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
42	कुंथुनाथ 43/10	चौबीस भिन्न-2 गायत्री मंत्र	24 Gāyatri Mantras	—	प.
43	कोलड़ी 537	चौसठयोगिनी-स्तोत्र	64 Yoginī Stotra	शंकराचार्य	मूल पद्य
44	,, 533	,,	,, ,,	,,	,,
45	के.नाथ गु. 9	जगन्नाथ रथ-लीला	Jagannātha Ratha Līlā	माधवदासP/oजगन्नाथ	प.
46	कोलड़ी 857	जड़भरत-प्रश्नावली	Jaḍabharata Praśnavālī	जड़भरत	ग.
47	,, 1274	जन्माष्टमी-व्रतकथा	Janmāṣṭami Vrata Kathā	ब्रह्माण्डपुराणे	प.
48	के.नाथ गु 9	जय-जय	Jaya Jaya	माधवदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
49	,, 29/	जालन्धरनाथ स्तुति महिमाष्टक	Jālandhara Nātha Stuti etc.	पीरचन्द्र	,,
50	सेवामंदिर 5 अ 27	जानकी-रामायण	Jānaki Rāmāyaṇa	—	,,
51	के नाथ गुटका 9	तत्त्ववंशावली	Tatva Vaṁśāvalī	रामचन्द्र	,,
52	मुनिसुव्रत 5 अ 14	तत्त्वानुसंधान	Tattvānusandhāna	महादेव सरस्वती	ग.
53	कुंथुनाथ 14/59	त्रिपुरसुन्दरी-पूजा	Tripurasundarī Pūjā	—	प.
54	ओसियां 4 अ 10	दुर्गा-पाठ	Durgā Pāṭha	संकलित	,,
55	कुंथुनाथ 29/12	दुर्गापाठ-सप्तशति	,, Saptaśatikā	मार्कण्डेयपुराणे	,,
56	कोलड़ी 1303	,, ,,	,, ,,	,,	,,
57	,, 1196	,, ,,	,, ,,	,,	,,
58	के नाथ 26/4	देवीकवच-सप्तशतिका-न्यास	Devī Kavaca Saptaśatikā Nyāsa	—	मूल गद्य
59	महावीर 5 अ 8	,,	Devī Kavaca	हरिहरब्रह्मा	मूल पद्य
60	सेवामंदिर 5 अ 34	,, +अर्गला-स्तोत्र	,, +Argala Stotrā	,,	,,
61	मुनिसुव्रत 3 इ 246	,, +भवानी-स्तोत्र	,, +Bhavāni ,,	,,	,,
62	कोलड़ी गु 11/12	देवी+भैरव-छंद	Devī+Bhairava Chanda	संकलन	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
देवी व देव भक्ति	रा	8	24 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण 4 छंद कुल गाथा 104	19वीं	2 छंद देवी के 2 छंद क्षेत्रपाल
देवी भक्ति व्रत कथा	,,	2	24 × 11 × 22 × 68	अपूर्ण गाथा 41 से 73	1808 कनकपुर भवानीदास	1808 की कृति
,,	,,	6	20 × 12 × 14 × 24	संपूर्ण	1882	
,,	,,	19	14 × 11 × 10 × 15	अपूर्ण दो प्रतियों के त्रुटक पत्र	19वीं	नापादि औसतन लिया है
धार्मिक मन्त्र	सं.	2	15 × 11 × 12 × 22	संपूर्ण 24 मंत्र	,,	
व्यंतर भक्ति	,,	3	30 × 11 × 13 × 30	,, 11 श्लोक	1843	
,,	,,	3	28 × 10 × 7 × 19	,, 17 श्लोक	19वीं	
भक्ति लीला	रा.	8	15 × 15 × 18 × 20	,, 61 गा.	1716	
तात्त्विक	सं.	14	31 × 11 × 9 × 30	,, 52 प्रश्नोत्तर	19वीं जोधपुर स्वरूपचंद	
धार्मिक क्रिया कथा	,,	5	21 × 10 × 9 × 20	,, 46 श्लोक	19वीं	
भगवद् भक्ति	रा.	5	15 × 15 × 18 × 20	,, 77 छंद	1716	
नाथ संप्रदाय भक्ति	सं.रा.	21	22 × 16 × 17 × 15	,, 5 स्तोत्र (कुल 54 गाथा)	19वीं	9 पत्र भजनों के हैं
सीताराम कथा	हि.	9	26 × 12 × 13 × 36	,,	1959	1813 की कृति
जगत् उत्पत्ति विचार	रा.	2	15 × 15 × 18 × 20	,, 70 गाथा	1716	
ब्रह्मविद्या दार्शनिक	सं,	32	31 × 14 × 12 × 37	,,	1878 × शिवरामदास	
भक्ति स्तोत्र	,,	1	25 × 11 × 14 × 54	,, 17 श्लोक	19वीं	
देवी भक्ति काव्य	,,	43	26 × 13 × 9 × 22	अपूर्ण 10 कवच तक	18वीं	
,,	,,	73	21 × 11 × 7 × 22	संपूर्ण	1798	
,,	,,	16	15 × 10 × 12 × 20	,,	19वीं	
,,	,,	17	21 × 14 × 12 × 25	अपूर्ण 2 अध्याय 32श्लो.	,,	
,,	,,	5	24 × 13 × 14 × 38	संपूर्ण	,,	मंत्र
,,	,,	4	21 × 11 × 10 × 34	,, 55 श्लोक	,,	
,,	,,	7	22 × 9 × 7 × 28	; 53+25 श्लोक	,,	
,,	,,	6*	23 × 10 × 12 × 22	,, 49+21 श्लोक	,,	
देव देवी भक्ति	सं.मा.	गु.	16 × 15 × 17 × 25	प्रतिपूर्ण	1773	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
63	कोलड़ी 1184B	देवी+भैरव-छद	Devī+Bhairava Chanda	—	पद्य
64	कुंथुनाथ 10/157	देवीसूक्त	Devī Sūkta	(वैदिक)	,,
65	कोलड़ी 1308	देवी-स्तोत्र	Devī Stotra	लध्वाचार्य	,,
66	महावीर 2 अ 27	धर्मसर्वस्वाधिकार	Dharma Sarvasva Adhikāra	संकलित	,,
67	,, 5 अ 9	,, ,,	,, ,,	,,	,,
68	के.नाथ गु 9	ध्यान-लीला	Dhyāna Līlā	माधवदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
69	,, गु. 9	ध्रुव-चरित्र	Dhruva Caritra	—	,,
70	,, गु. 3	,,	,,	—	,,
71	कुंथुनाथ 46-3	,,	,,	—	,,
72	,, 15/23	नर्मदा-स्तोत्र	Nar Madā Stotra	—	,,
73	,, 46/3	नरसीमेहता की हुंडी	Narasī Mehatā kī Huṇḍī	नरसीभगत	,,
74	सेवामंदिर 5 अ 36	नवरात्रि+शिवरात्रि-कथा	Nava+Śiva Rātri Kathā	महादेवोक्त	ग.
75	के नाथ 15/50	नंद-बत्तीसी	Nanda Battīsī	—	प. (संवाद)
76	कुंथुनाथ 48/1	नागदमन-छंद	Nāgadamana Chanda	चत्रिदास ?	प.
77	ओसियां 3 इ 195	,,	,,	—	,,
78	के.नाथ गु. 8	,,	,,	—	,,
79	कोलड़ी 11/11गु	,,	,,	—	,,
80	कुंथुनाथ 19/3	नचिकेत-यम-कथा	Naciketa Yama Kathā	—	ग.
81	,, 2/2	,,	,,	--	,,
82	के नाथ गु 2	,,	,,	—	,,
83	सेवामंदिर 5 अ 18	निर्जला-व्रत	Nirjalā Vrata	ब्रह्म वैवर्त्तपुराणे	,,
84	कुंथुनाथ 40/2	निंदा-स्तुति	Nindā Stuti	ईसरदास	प.
85	सेवामंदिर गु दे 15	पद्म-पुष्पाञ्जली	Padma Puṣpāñjalī	रामकृष्ण कवि	,,
86	,, गु.ति. 2	परशराम-गजल	Paraśarāma Gajala	यतिजयचन्द्र	,,
87	के.नाथ 29/69	पश्चिमीधीश का-छंद	Paścimīdhīśa kā Chanda	कविविदुर	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
देव देवी भक्ति	मा	2	25 × 10 × 12 × 36	संपूर्ण	19वीं	
देवी भक्ति स्तोत्र	सं.	2	16 × 11 × 8 × 16	,, 8 श्लोक	,,	
,,	,,	4	27 × 12 × 9 × 27	,, 22 श्लोक	,,	
पौराणिक-उद्धरण	,,	4	30 × 14 × 16 × 56	,, 148 श्लोक	1961 जयपुर	जैनत्व से मिलते-जुलते
,,	,,	22	21 × 13 × 11 × 19	प्रतिपूर्ण	19वीं	
कृष्ण रास-संबंधी	रा.	4	15 × 15 × 18 × 20	संपूर्ण 80 गा.	1716	
भक्त जीवनी	,,	4	23 × 16 × 17 × 27	,,	18वीं	
,,	,,	7	23 × 16 × 17 × 27	अपूर्ण	20वीं	
,,	,,	गु.	17 × 12 × 17 × 12	संपूर्ण 92 छंद	1919	
देवी भक्ति	सं,	4	16 × 7 × 6 × 20	,, 11 श्लोक	1875	
प्रभु भक्ति	गु.	4	17 × 12 × 11 × 10	,,	1919	
व्रत कथा	रा.	9	24 × 11 × 10 × 32	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	19वीं	
औपदेशिक	सं.	2	25 × 11 × 11 × 28	संपूर्ण 32 श्लोक	,,	
कृष्ण जीवन प्रसंग भक्ति	रा.	गु.	15 × 13 × 10 × 15	,, 124 छंद	1770	
,,	,,	6	26 × 12 × 16 × 37	,, 127 छंद	18वीं काकर-ग्राम मुक्तिविजै	
,,	,,	13	16 × 14 × 17 × 17	,, 128 छंद	1810	
,,	,,	गु.	14 × 11 × 10 × 11	,,	1810	
तात्त्विक विवेचन	,,	24	18 × 15 × 15 × 21	,,	1793	
,,	,,	11	26 × 11 × 15 × 54	,,	1795	
,,	,,	17	22 × 18 × 14 × 27	,, 18 अध्याय	1813	
पर्व-कथा	सं.	13	26 × 11 × 17 × 48	अपूर्ण (1360 ग्रं कुल के)	17वीं	
कृष्ण-लीला	रा.	22	15 × 26 × 30 × 35	संपूर्ण 304 गा.	1739	
भक्ति-गीत	सं.	5	16 × 12 × 13 × 19	,, 32 श्लोक	1874	
परशुअवतार तीर्थ वर्णन	मा.	3	18 × 13 × 22 × 37	,, 88 गा.	19वीं	1874 की कृति/अत में 4 देवी छंद
भक्ति	रा.	1	24 × 11 × 13 × 45	,, 23 गा.	1773	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
88	के.नाथ गु. 9	पंचाध्याय-रास	Pañcādhyāya Rāsa	—	प.
89	,, 29/87	पाबुजी के दोहे	Pābūji ke Dohe	—	,,
90	कुंथुनाथ 48/1	पांडव-गीता	Pāṇḍava Gītā	—	,,
91	कोलड़ी 797	,,	,,	महाभारत-शांतिपर्व	,,
92	सेवामंदिर 5 अ 23	पौराणिक श्लोक-संग्रह	Paurāṇika Śloka Saṅgraha	संकलन	,,
93	ओसियां 5 अ 2	,,	,,	,,	,,
94	के.नाथ 29/64	(देवी) प्रभाव-कथन	(Devi) Prabhāva Kathana	—	,,
95	कोलड़ी 944	प्रश्नोत्तरी-रत्नमाला	Praśnottari Ratnamālā	शंकराचार्य (गोविंद शिष्य)	,,
96	कुंथुनाथ 46/3	प्रहलाद-चरित्र	Prahlāda Caritra	—	,,
97	कोलड़ी 903	बटुक गणपति-स्तुति	Batuka Gaṇapati Stuti	—	,,
98	कुंथुनाथ 14/61	,, भैरव-सहस्रनाम	,, Bhairava Sahasra-nāma	—	,,
99	के.नाथ 29/73	,, भैरव-स्तोत्र	,, Stotra	रुद्रयामले	,,
100	कोलड़ी 526	,, ,,	,, ,,	,,	,,
101	कुंथुनाथ 35/38	,, ,,	,, ,,	—	,,
102	,, 14/62	,, ,, मंत्र	,, ,, Mantra	—	,,
103	कोलड़ी 1176	,, ,, व साधना	,, ,, & Sādhanā	महादेवोक्त	,,
104	के.नाथ गु. 9	बाल-लीला	Bāla Līlā	माधवदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
105	कोलड़ी 9/14	बौद्धावतार	Baudhāvatāra	नरहर	ग.
106	के.नाथ गु. 9	ब्रह्म जिज्ञासा-स्तोत्र	Brahma Jijñāsāstotra	—	प.
107	कोलड़ी 523	भगवतीमानस-पूजा	Bhagavatī Mānasa Pūjā	शंकराचार्य	मू.प.
108	के.नाथ 27/27	भगवद्गीता	Bhagavad Gītā	वेदव्यास	मूल पद्य
109	कुंथुनाथ 49	,, -सार्थ	,,	,, /-	मू+अनुवाद (गद्य में)
110	कोलड़ी 983	,, -सटीक	,,	,, /श्रीधर	मू.+व्याख्या (गद्य में)
111	कुंथुनाथ 6/109	,, ,,	,,	,, /कालूरामविप्र	,, ,,
112	सेवामंदिर 5 अ 20	,, ,,	,,	,, /श्रीधर	,, ,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
कृष्ण जीवन भक्ति	रा.	6	15 × 15 × 18 × 20	संपूर्ण 30 गा.	1716	
देवता भक्ति	,,	1	28 × 10 × 15 × 50	अपूर्ण 31 से 60	1849	
भक्ति नमस्कार	सं.	गुटका	15 × 13 × 10 × 15	संपूर्ण 59 श्लोक	1770	
,	,,	4	25 × 11 × 12 × 45	,, 101 श्लोक	1853	
जैनसम्मत-उद्धरण	,,	13	23 × 11 × 14 × 29	अपूर्ण (पन्ना 3 व 8 कम)	18वीं हुलाकड़ी जिनदत्त	
,,	,,	2	43 × 11 × 18 × 70	प्रतिपूर्ण	1924 बीकानेर देवगुप्तसूरि	
देवी-स्तुति	प्रा.रा.	10	19 × 9 × 8 × 24	संपूर्ण 30+20 गा.	19वीं	
आध्यात्मिक	सं.	2	26 × 10 × —	,, 32 प्रश्नोत्तर	,,	
भक्त-जीवनी	रा.	गु	17 × 12 × 17 × 12	,, 81 छंद	1919	
देवता-भक्ति	सं.	2	22 × 11 × 10 × 44	,, 10 श्लोक	19वीं	
,,	,,	5	22 × 10 × 10 × 40	,, 66 श्लोक	,,	
,,	,,	5	26 × 11 × 11 × 30	,, 75 श्लोक	,,	
,,	,,	10	28 × 11 × 7 × 19	, 76 श्लोक	,,	
,,	,,	10	13 × 11 × 10 × 8	अपूर्ण	,,	
,,	,,	6	15 × 11 × 8 × 24	संपूर्ण	1834	
,,	,,	6	25 × 11 × 13 × 36	स्तोत्र-पूर्ण, विधि अपूर्ण	19वीं	
कृष्णजीवन-भक्ति	रा.	3	15 × 15 × 18 × 20	संपूर्ण 61 छंद	1716	
वैष्णवाम्नायानुसार	,,	गु.	17 × 12 × 10 × 22	,,	1800	
तात्त्विक-भक्ति	,,	5	15 × 15 × 18 × 20	,,	1716	अंत में 35 गा. का भक्ति छंद
देवी-भक्ति	सं.	8	26 × 14 × 16 × 24	,, 71 श्लोक	19वीं	
धर्म-शास्त्र	,,	39	26 × 10 × 12 × 35	,, 18 अध्याय	17वीं	अंतिम पन्ना कम
,,	सं.रा.	100	31 × 23 × 27 × 26	,,	1806	
,,	सं.	93	32 × 15 × 12 × 62	,, 701 श्लोक	1857	
,,	सं.रा.	202	23 × 14 × 9 × 22	,, 700 श्लोक	1877	
,,	रा.	76	33 × 17 × 15 × 46	,, ,,	1923	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
113	कोलड़ी 3/3	भगवद्गीता का बालावबोध	Bhagavad Gitā kā Bālā-vabodha	—	ग.
114	कोलड़ी गु. 10/6	भजन-संग्रह	Bhajana Saṅgraha	संकलन	प.
115	ग्रौसियां 5 ग्र 4	भवानी-छंद	Bhavānī Chanda	—	,,
116	मुनिसुव्रत 5 ग्र 43	भवानी-सहस्रनाम	,, Sahasranāma	रुद्रयामलतन्त्रे	,,
117	कोलडी 1297	,,	,, ,,	,,	,,
118	कोलड़ी 531	,,	,, ,,	नंदीकेश्वरसंवादे	,,
119-20	ग्रौसियां 5 ग्र 6 व 7	भवान्या-पुष्पांजली 2 प्रतियां	Bhavānyā Puṣpāñjalī 2 copies	रामकृष्ण	,,
121	के.नाथ 28/7	भागवत	Bhāgavata	वेदव्यास	,,
122	के.नाथ 28/8	,,	,,	,,	,,
123	के.नाथ 28/9	,,	,,	,	,,
124	कोलड़ी 506	भुवनेश्वरी वृद्ध-स्तोत्र	Bhuvaneśvarī Vṛdha Stotra	पृथ्वीधराचार्य	,,
125	के.नाथ 19/58	,,	,, ,,	,,	,,
126	महावीर 3 इ 355	भैरवाष्टक	Bhairavāṣṭaka	—	,,
127	कोलड़ी 825A	,,	,,	—	,,
128	कुंथुनाथ 10/132	,,	,,	—	,,
129	कुंथुनाथ 45/3	मनसावाचा की कथा	Manasāvācā kī Kathā	महादेवोक्त	ग.
130	सेवामंदर 5 ग्र 44	,, ,,	,,	,,	,,
131	के.नाथ 17/18	मरकतेश्वर-प्रशस्ति	Marakateśvara Praśasti	जयवर्म्मदेव	,,
132	कोलड़ी गु 6/1	महादेव-लीला	Mahādeva Līlā	—	प.
133	के.नाथ गु. 3	,, -ब्याह	,, Vyāha	जसकीर्त्ति	,,
134	सेवामंदिर 5 ग्र 41	महान्यास	Mahānyāsa	—	ग.प मंत्र
135	के नाथ 28.9A	महाभारत	Mahābhārata	वेदव्यास	प. मूल
136	,, 28/3	,,	,,	,,	,,
137	,, 28/4	,,	,,	,,	,,
138	के.नाथ 28/6	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
धर्मशास्त्र	रा.	60	18 × 10 × 12 × 31	संपूर्ण 18 अध्याय	1795	
भक्ति व नैतिक पद	,,	3	22 × 16 × 30 × 33	प्रतिपूर्ण	19वीं	
देवी-स्तुति	,,	2	21 × 11 × 11 × 28	संपूर्ण 22 पद	20वीं	
देवी भक्ति	सं.	12	25 × 11 × 9 × 37	,,	1760	
,,	,,	10	14 × 10 × 13 × 27	,, 103 श्लोक	19वीं	
,,	,,	9	31 × 12 × 11 × 40	,, 203 श्लोक	,,	
,,	,,	2,2	24 × 11 × 13 × 43	,, 29 श्लोक	1858,1875	
धर्म भक्ति शास्त्र	,,	52	33 × 14 × 12 × 64	अपूर्ण 6 स्कंध 18अध्याय	17वीं	
,,	,,	22	27 × 13 × 15 × 34	त्रुटक 8वां स्कन्ध	,	
,,	,,	5	32 × 15 × 19 × 56	,, 9वां स्कन्ध	19वीं	
देवी भक्ति	,,	3	30 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण 46 श्लोक	18वीं	
,,	,,	5	26 × 13 × 12 × 35	,, 50 श्लोक	1845	(सिद्ध सारस्वत नाम)
देवता भक्ति	,,	1	26 × 13 × 13 × 52	,, 10 श्लोक	18वीं	
,,	,,	2	30 × 11 × 11 × 40	,, 8 श्लोक	19वीं	
,,	,,	1	26 × 12 × 14 × 36	,, 10 श्लोक	20वीं	
व्रतकथा	रा.	26	18 × 13 × 10 × 21	,,	1871	अंत में 1 पन्ना शृंगारी कवित्त
,,	,,	11	16 × 11 × 9 × 18	अपूर्ण	20वीं	
उत्कीर्ण प्रशस्ति की प्रति	सं.	3	30 × 16 × 17 × 43	संपूर्ण	19वीं	सं. 1019 व 1173 में उत्कीर्ण की हुई
महादेव जीवन-भक्ति	रा.	गुटका	21 × 14 × 23 × 20	,, 18 छंद	1870	
,,	,,	4	23 × 16 × 16 × 21	,, 28 छंद	18वीं	
रुद्र अर्चना विधि	,,	13	22 × 10 × 7 × 32	अपूर्ण	17वीं	
धार्मिक इतिहास	,,	12	29 × 13 × 12 × 62	आदिपर्व-अपूर्ण	18वीं	
,	,,	7	27 × 12 × 10 × 38	प्रस्थानिकपर्व	1745	
,,	,,	91	28 × 12 × 10 × 48	विराट्पर्व	18वीं	
,,	,,	59	29 × 13 × 10 × 44	शल्यपर्व अपूर्ण	,,	अध्याय 2 से 28तक

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
139	के.नाथ 11/12	महाभारत	Mahābhārata	वेदव्यास	प. मूल
140	कोलड़ी 525	महालक्ष्मी-सहस्रनाम	Mahālakṣmī Sahasranāma	,,	,,
141	मुनिसुव्रत 3 इ 246	,, -स्तोत्र	,, Stotra	—	,,
142	कोलड़ी 524	,, ,,	,, ,,	रामचन्द्र	,,
143	सेवामंदिर 5 अ 31	,, ,,	,, ,,	भैरवदत्त शर्मा	प.
144	महावीर 3 इ 141	,, ,,	,, ,,	—	,,
145	कुंथुनाथ 14/52	मंगलाष्टक	Maṅglāṣṭaka	कालीदास	,,
146	के.नाथ 29/71	मातंगीकल्प+सर्वत:स्तोत्रादि	Mātaṅgī Kalpa+Sarvataḥ etc.	महादेवोक्त, स्वरतंत्रे	,,
147	कोलड़ी गु 4/11	मानसी-पूजा	Mānasī Pūjā	शिवनाथ	,,
148	ग्रोसियां 5 अ 1	मार्कण्डेयपुराण	Mārkaṇḍeya Purāṇa	—	,,
149	सेवामंदिर 5 अ 35	,,	,, ,,	—	,,
150	मुनिसुव्रत 4 ग्रा 9	,, -भोगलपुराण	,, Bhogala Purāṇa	गौरी-शंकर-संवाद	प.ग.
151	सेवामंदिर 5 अ(?)	मोक्ष-एकादशी	Mokṣa Ekādaśī	ब्रह्मवैवर्त्त-पुराणे	,,
152	,, (?)	यज्ञादिविधि	Yjñādi Vidhi	—	प.
153	,, (?)	यज्ञोपवीत-पद्धत्ति	Yjñopavīta Paddhatti	यजुर्वेदे	ग.प. मंत्र
154	कुंथुनाथ (?)	योगवासिष्ठ-सार	Yogavāsiṣṭhasāra	—	प.
155	के नाथ (?)	रघुनाथ-लीला	Raghunātha Līlā	माधवदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
156	,, (?)	रामकृष्णकाव्य-सटीक	Rāmakṛṣṇa Kāvya with Tikā	—	मू.व्याख्या(प.ग.)
157	सेवामंदिर 5 अ 32	राम-पद्धति	Rāma Paddhatti	रामानुज	ग.
158	के.नाथ 29/76	राम-सहस्रनाम	Rāma Sahasranāma	—	प.
159	,,	रामायण-कथा	Rāmāyaṇa Kathā	अज्ञात	,,
160	,, गु 3	रुक्मिणी-व्याह	Rukmiṇī Vyāha	कृष्णदास	,,
161	,, गु 9	,, -स्वयंवर	,, Svayaṁvara	माधोदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
162	सेवामंदिर 3 इ 345	लक्ष्मी-विचार	Laksmī Vicāra	—	ग.
163	कुंथुनाथ 10/186	,, -सूक्त	,, Sūkta	—	प.

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
धार्मिक इतिहास	सं.	12	28 × 12 × 10 × 26	स्वर्गारोहणपर्व	1745	
देवीभक्ति	,,	11	26 × 10 × 10 × 34	संपूर्ण 166 श्लोक	18वीं	
,,	,,	6*	23 × 10 × 12 × 22	,,	,,	
,,	,,	4	26 × 10 × 11 × 16	,, 30 श्लोक	19वीं	
,,	,,	11	22 × 13 × 8 × 28	,, 53 श्लोक	1944	
,,	,,	7	20 × 10 × 7 × 18	,, 31 श्लोक	20वीं	
,,	,,	1	25 × 10 × 18 × 42	,, 21 श्लोक	19वीं	
भक्ति मंत्र-तंत्र	,,	9	25 × 11 × 13 × 42	प्रतिपूर्ण	,,	
भक्ति-काव्य	मा.	12	14 × 10 × 12 × 23	अपूर्ण 73 छंद	,,	
धार्मिक-कथायें	सं.	24	27 × 13 × 11 × 42	संपूर्ण 13 अध्याय 700 मंत्र 578 श्लोक	17वीं	
,,	,,	53	21 × 10 × 7 × 30	अपूर्ण (2 से 10 अध्याय पूरे)	18वीं	
,,	रा.	9	26 × 11 × 15 × 40	संपूर्ण	19वीं	
कार्तिक एकादशी व्रत कथा	सं.	8	26 × 11 × 17 × 66	,,	17वीं	
धार्मिक क्रिया कांड विधि	,,	19	24 × 13 × 10 × 28	अपूर्ण 7 से 268 श्लोक	19वीं	
उपनयन संस्कार	,,	9	20 × 10 × 9 × 34	संपूर्ण (केवल प्रथम पन्ना कम)	1859जोटवाड़ा भूपतिराय	
तात्त्विक-औपदेशिक	,,	7	28 × 14 × 18 × 54	,, 10 प्रकरण	19वीं	
रामकथा	रा.	14	15 × 15 × 18 × 20	,, 268 छंद	1716	
भक्तिकथा	सं.	18	26 × 11 × 12 × 37	अपूर्ण 37 श्लोक तक ही	19वीं	
अर्चना-विधि	,,	10	23 × 11 × 10 × 28	संपूर्ण	18वीं	
भक्ति-स्तोत्र	,,	6	23 × 10 × 10 × 38	अपूर्ण 79 श्लोक तक है	17वीं	
राम सीता-कथा	रा.	41	21 × 13 × 15 × 35	,, छंद 24 से 1006	20वीं	
कृष्णजीवन-प्रसंग	,,	5	23 × 16 × 17 × 21	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	11	15 × 15 × 18 × 20	,, 229 छंद	1716	
वृत्तांत व भक्ति	सं.	1	25 × 10 × 15 × 50	,,	19वीं	
भक्ति-स्तोत्र	,,	3	22 × 11 × 6 × 20	,,	,,	जीर्ण

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
164	मुनिसुव्रत 5 अ 15	लघुआदित्य-हृदय-स्तोत्र	Laghu Āditya Hṛdaya Stotra	पद्मपुराणे	प.
165	ओसियां 3 इ 264	लघु-स्तोत्र	Laghu Stotra	लघ्वाचार्य	,,
166-68	कोलड़ी 511-3	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
169	,, 514	,, सह-बालावबोध	,,	,,	मू.बा. (प.ग
170	सेवामंदिर 5 अ 38	विष्णुनामापामार्जन-स्तोत्र	Viṣṇu Nāmāpāmārjana Stotra	धर्मोत्तर-पुराणे	प.
171	कोलड़ी 1309	विष्णुपंजर-स्तोत्र	,, Pañjara Stotra	ब्रह्माण्डपुराणे	,,
172	,, गु. 7/4	विष्णुसहस्रनाम-सटीक	,, Sahasranāma	पद्मपुराणे	मू × टी (प.ग
173	कुंथुनाथ 48/1	,,	,, ,,	—	प.
174	ओसियां 5 अ 5	,, -स्तोत्र	,, Stotra	महाभारत शांतिपर्व	,,
175	कोलड़ी 861	शक्ति-भक्ति	Śaktibhakti	मुंशी माधोराम	,,
176	कुंथुनाथ 2/28	शिवा-अष्टक	Śivāṣṭaka	—	,,
177	कोलड़ी 543	शिवमहिम्न-स्तोत्र	Śiva Mahimna Stotra	पुष्पदन्त	मू.प.
178	सेवामंदिर 5 अ 42	,,	,,	,,	,,
179	कुंथुनाथ 12/204	,,	,,	,,	,,
180-81	के नाथ 29/70 व 83	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
182	कुंथुनाथ 12/216A	शीतला-स्तोत्र	Śītalā Stotra	—	प.
183	सेवामंदिर 5 अ 30	श्राद्ध-प्रकरण	Śrāddha Prakaraṇa	—	,,
184	के.नाथ 8/15	श्लोक संग्रह	Śloka Saṅgraha	संकलन	,,
185	,, गु. 16	सगुण	Saguṇa	तुलसीदास	,,
186	महावीर 3 इ 156	सरस्वती-स्तोत्र	Sarasvatī Stotra	सनत्कुमार संहिता से	,,
187	कुंथुनाथ 16/10	,,	,,	,,	,,
188	सेवामंदिर 5 अ 29	.... सहस्रनाम	.... Sahasranāma	—	,,
189	के.नाथ 22/39	सिद्धसारस्वत भुवनेश्वरी-स्तोत्र	Siddha Sārasvata (B) Stotra	पृथ्वीधर	,,
190	,, गु. 3	सीताजू-व्याहलौ	Sītājū Vyāhalau	हेतदास	,,
191	कुंथुनाथ 17/16	सुदामा-चरित्र	Sudāmā Caritra	कवलानंद	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
192	के.नाथ गु 3	सुदामा-चरित्र	Sudāmā Caritra	कवलानंद	प.
193	कुंथुनाथ 14/57	सूर्य-उपस्थानादि	Sūrya Upasthānādi	—	,,
194	कोलड़ी 1302	सूर्यभैरव शनि-स्तोत्राणि	Sūrya Bhairava Stotras	—	,,
195	सेवामंदिर 7 उ 3	सूर्य-सहस्रनाम	Sūrya Sahasranāma	—	,,
196	के.नाथ 29/78	सूर्य-स्तुति	Sūrya Stuti	कृष्णोक्त	,,
197	ओसियां 5 अ 12	सौन्दर्यलहरी-सटीक	Saundarya Laharī	आद्य शंकराचार्य	मू. + व्या(प.ग.)
198	के नाथ 29/82	,, ,,	,, ,,	,,	प.
199	,, गु. 26 8	स्नेह-लीला	Sneha Līlā	—	,,
200	कोलड़ी 869	स्वस्तिवाचन	Svasti Vācana	दानखंडोक्त	प ग.
201	सेवामंदिर 5 आ 7	स्वात्मानंद-प्रकाशिका	Svātmānanda Prakāśika	—	प.
202	के नाथ 29/80	हरसिद्धि भवानी-छंद	Harasiddhi Bhavānī Chanda	—	,,
203	कोलड़ी गु 10/7	हरिरस	Harirasa	ईश्वरदास बारहठ	,,
204	कुंथुनाथ 48/1	,,	,,	,,	,,
205	,, 31/1	,,	,,	,,	,,
206	कोलड़ी 864	,,	,,	,,	,,
207	कोलड़ी 865	हरिलीला	Hari Līlā	भागवती-कथा	,,
208-9	कोलड़ी बस्ता 71,69	स्फुट अपूर्ण व लघग्रंथ व त्रुटक पत्र (दो बस्ते)	Incomplete & Stray folios	भिन्न-2	ग.प.
210	के.नाथ 28/24	,, ,,	,, ,,	,,	,,
211	के.नाथ 11/27	सप्तपदार्थी	Saptapadārthī	शिवादित्य	मू.ग.
212	,, 22/39	,,	,,	,,	,,
213	कुंथुनाथ 37/7	,,	,,	,,	,,
214	सेवामंदिर 2/361	,, -सटीक	,, +Tīkā	,, /	मू+वृ (ग)
215	के नाथ 7/32	,, -की टीका	,, +kī Tīkā	माधव-सरस्वती	ग.
216	महावीर 6 आ 18	सिद्धान्त-मञ्जरी	Siddhānta Mañjarī	जानकीनाथ	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
सुदामा-जीवनी	रा.	4	23 × 16 × 15 × 21	संपूर्ण 31 गा.	18वीं	
सूर्य-भक्ति	सं.	1	20 × 10 × 11 × 24	,, 5 श्लोक	19वीं	
ग्रह व देवता-स्तुति	,,	13	14 × 10 × 10 × 16	,, 8+8+8+50 श्लोक	,,	कुल 4 स्तोत्र
सूर्य-भक्ति	,,	13	14 × 10 × 9 × 17	,, 104 श्लोक	,,	
,	,,	11	21 × 10 × 8 × 32	त्रुटक	,,	
देवी भक्ति-काव्य	,,	15	25 × 12 × 15 × 52	संपूर्ण 102 श्लोक	18वीं	
,,	,,	3	27 × 11 × 21 × 67	अपूर्ण 97 श्लोक तक	19वीं	
गोपीकृष्ण उद्धव प्रकरण	हि	गु.	13 × 12 × 10 × 10	,, 68 छंद	,,	
ब्राह्मणदान-सुपात्रता	सं.	12	22 × 10 × 8 × 26	संपूर्ण	1858	
आध्यात्मिक	,,	13	21 × 22 × 7 × 44	अपूर्ण 145 श्लोक	18वीं	
देवी-माहात्म्य	रा.	1	25 × 11 × 32 × 54	संपूर्ण 65 छंद	1747	
कृष्णभक्ति-काव्य	हि.	गु.	19 × 15 × 14 × 27	,, 186 छंद	1767	
,,	,,	गु.	15 × 13 × 10 × 15	,, 164 छंद	1770	
,,	,,	16	21 × 11 × 13 × 55	,, 203 छंद	1795	
,,	,,	5	24 × 11 × 18 × 58	,, 162 छंद	19वीं	
,,	रा.	24	27 × 11 × 20 × 34	अपूर्ण 8 कला	,,	
विविध जैनेतर-भक्ति	सं.रा.	97	24 से 30 × 10 से 15	पूर्ण-अपूर्ण	18/20वीं	
,,	,	150	23 से 27 × 10 से 16	,,	,,	
वैशेषिक-न्यायग्रंथ	सं.	5	25 × 11 × 15 × 48	संपूर्ण	1733	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 46	,,	1743	
,,	,,	4	27 × 11 × 19 × 42	,,	19वीं	
,,	,,	15	24 × 11 × 17 × 48	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	26	25 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण ग्रं. 1700	19वीं	
न्याय	,,	23	27 × 12 × 18 × 42	,,	17वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
नोट :– प्रथम प्रविष्टि का अकारादिक्रम भंग है					
217	के.नाथ 2/18	तत्त्व-चिंतामणि	Tattva Cintāmaṇi	गगेश्वर	ग.
218	के.नाथ 21/101	तर्कपरिभाषा की टीका	Tarka Paribhāṣā kī Ṭikā	केशव/चिन्न भट्ट	,,
219	महावीर 6 ग्रा 22	,, ,,	,, ,,	,,	,,
220	ग्रोसियां 6 ग्रा 27	तर्क-भाषा	Tarka Bhāṣā	केशवमिश्र	,,
221	के.नाथ 2/11	,,	,,	,,	,,
222-23	,, 14/70, 16/28	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
224	,, 23/62	,, की टीका	,, kī Ṭikā	—	,,
225	,, 15/115	,, की व्याख्या	,, kī Vyākhyā	गंगाधर (सुत ?)	,,
226	कोलड़ी 1184A	तर्क-वाद	Tarkavāda	—	,,
227	ग्रोसियां 6 ग्रा 30	तर्क-संग्रह	Tarka Saṅgraha	ग्रन्नं भट्ट	मू ग.
228	के नाथ 14/19	,,	,,	,,	,,
229	ग्रोसियां 6 ग्रा 24	,, -सटीक	,,	,, /चंद्रजसिंह	मू+वृ (ग)
230	के.नाथ 14/55	,, -दीपिकासह	,,	,, /—	,,
231-3	,, 22/14,10/99,11/10, 11 14-56, 76,24/11	,, 7 प्रतियां	,, 7 copies	,,	मू.ग.
238-40	कोलड़ी 837, 1005-6	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
241-42	सेवामंदिर 6 ग्रा 32 35	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
243	ग्रोसियां 6 ग्रा 25	,, -की दीपिका	,, kī Dīpikā	—	ग (टीका)
244	,, 6 ग्रा 28/29	,, ,,	,, ,,	—	,,
245-46	के.नाथ 9/31, 10/85	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	—	,,
247	महावीर 6 ग्रा 17	,, -फक्किका	,, Fakkikā	क्षमाकल्याण	,,
248	के नाथ 11/52	,, ,,	,, ,,	—	,,
249	ग्रोसियां 6 ग्रा 26	तर्कामृत	Tarkāmṛta	जगदीश भट्टाचार्य	,,
250	के नाथ 10/22	तार्किक-रक्षा	Tārkika Rakṣā	बरदराज	ग.
251	,, 29/95	,, -की व्याख्या	,, ,, kī Vyākhyā	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
न्याय-ग्रंथ	सं.	50	26 × 11 × 16 × 45	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	23	27 × 11 × 26 × 75	,, ग्रंथाग्र 2000	17वीं × हर्ष मंदिरगणि	प्रकाशिका नाम्नी
,,	,,	46	26 × 11 × 19 × 48	,,	1750 × रूप-सागर	
,,	,,	48	25 × 11 × 8 × 29	,, ग्रंथाग्र 715	16वीं सुमति-विजय	
,,	,,	22	25 × 11 × 13 × 45	,,	17वीं	
,,	,,	17,23	26 × 11 × 15 × 48/59	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	15	26 × 11 × 19 × 55	संपूर्ण	,	
,,	,,	17	26 × 11 × 17 × 58	,, ग्रं. 1274	,,	
,,	,,	1	25 × 11 × 18 × 46	,,	,,	
,	,,	6	25 × 11 × 11 × 41	,,	17वीं	
कणाद-न्याय	,,	3	25 × 11 × 14 × 45	,,	1763	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 61	,,	18वीं	
,,	,,	17	26 × 11 × 11 × 44	,,	1860	
,,	,,	4,2,8,4,6,3,7	25 से 26 × 11 से 13	,, (केवल अंतिम प्रति अपूर्ण	1802 से 20वीं	
,,	,,	8,5,6	21 से 28 × 12 से 13	,,	19/20वीं	
,,	,,	7,7	20 से 25 × 11	,,	1936-9 पाली	
,,	,,	9	26 × 11 × 17 × 54	,,	1824विक्रमपुर बखतसुंदर	मूल की टीका
,,	,,	22	25 × 11 × 10 × 43	,,	1895	,,
,,	,,	17,9	26 × 14 व 26 × 11	,,	19वीं	,,
,,	,,	18	26 × 12 × 16 × 45	,,	18वीं	,,
,,	,,	16	26 × 11 × 14 × 55	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 49	संपूर्ण	16वीं	तर्क संग्रह की टीका
न्याय-ग्रंथ	,,	5	27 × 11 × 16 × 43	,, 3 परिच्छेद	19वीं	
,,	,,	13	26 × 11 × 14 × 68	अपूर्ण बीच के पत्र 24 से 36 तक	,,	लघु दीपिका नाम्नी

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
1	महावीर 3 इ 151	अकडम-चक्रम्	Akaḍama Cakram	—	प.ग.
2	,, 3 इ 354	अदृश्यता-विधि व यंत्र	Adṛśyatā Vidhi Yantra	—	ग तालि.
3	कुंथुनाथ 13/	अमृत-धुन	Amṛtadhuna	—	प मंत्र
4	महावीर 3 इ 354	अष्टगंध विधि व मंत्र-यंत्र	Aṣṭagandha Vidhi & Mantra-yantra	—	ग.
5	,, ,,	अंगन्यास मंत्र	Aṅga-nyāsa-mantra	—	पद्य मंत्र
6	,, ,,	आधाशिरनहरूवादि मंत्र-यंत्र	Ādhāśira Naharūvādi Mantra-yantra	—	ग.
7	कुंथुनाथ 18/37	आधाशीशी-कथा	Ādhāśīśī Kathā	—	,,
8	,, 19/4	,, -मंत्र	,, Mantra	—	,,
9	कोजड़ी 505	इन्द्राक्षी-स्तोत्र	Indrākṣī Stotra	—	प.
10	,, 944	,,	,, ,,	—	,,
11	के.नाथ 22/34	उद्धार-कोश	Uddhāra Kośa	मुनि दाक्षिण्यमूर्त्ति	ग.
12	महावीर 3 इ 87	ऋषिमंडल-स्तोत्र आराधन विधि-सह	Ṛṣimaṇḍala Stotra Ārādhanā Vidhisaha	—	प.ग.
13	,, 3 इ 83	,, +मंत्र विधि	,, +Mantra-vidhi	—	,,
14	,, 3 इ 85	,, ,,	,, ,,	—	ग.
15	,, 3 आ 48	,, -स्तव यंत्र लेखन	,, Stava Yantra Lekhana	—	पद्य
16	,, 3 इ 356	,, -पट दो	,, -Paṭa (Two)	—	यंत्र
17	,, 3 इ 345	एकाक्षी नारिकेलकल्प	Ekākṣī Nārikela Kalpa	—	ग. मंत्र
18	,, 3 इ 258	ॐनमो जल्लोसडी पचाणंआदि	Oṁ Namo Jalloṣaḍi Pacāṇam (etc.)	—	ग.प.
19	कोलड़ी गु. 1/27	औषध मंत्र-तंत्र	Auṣadha, Mantra-tantra	—	ग.
20	महावीर 7 इ 8	,, -मंत्र	,, -Mantra	—	,,
21	,, 3 इ 354	कर्णपिशाचिनी मंत्र-यंत्र	Karṇapiśācinī Mantra-yantra	—	मंत्र व तालिका
22	,, 3 इ 68	कर्णपिशाच-कल्प	Karṇapiśāca-kalpa	—	ग.
23	,, 3 इ 79	कल्याणवृष्टि+भारती+पद्मावती-स्तोत्र	Kalyāṇavṛti+Bhārati+Padmāvatī-stotra	—	प.
24	,, 3 इ 354	कष्टनिवारणार्थ-मंत्र	Kaṣṭa-nivāraṇārtha-Mantra	—	मंत्र-गद्य-यंत्र

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मंत्र-यंत्र	स.मा.	2	25 × 11 × 12 × 42	संपूर्ण	19वीं	ज्योतिष
यंत्र व तंत्र	,,	1	27 × 12 × 5 × —	प्रतिपूर्ण	,,	
मंत्र व कवित्त	रा.	1	17 × 13 × 14 × 26	,,	,,	
यंत्र; जाप विधि साधना	सं.रा.	1	27 × 12 × 10 × 30	,,	,,	
मंत्र	सं.	1	27 × 13 × 8 × 38	,,	20वीं	
मंत्र बिमारियों का	रा.	1	23 × 12 × 14 × 48	,,	18वीं	
कथा व मंत्र	,,	1	24 × 11 × 12 × 40	संपूर्ण	19वीं	
बिमारी का मंत्र	,,	1	23 × 16 × 8 × 22	,,	,,	
मंत्रभक्ति	सं.	3	27 × 10 × 7 × 42	,, 14 श्लोक	,,	
मंत्र व पटल	,,	2	26 × 11--	,, 16 श्लोक	,,	
मांत्रिक	,,	13	25 × 11 × 17 × 51	,, 7 कल्प	,,	
जैन भक्ति मंत्र विधि	,,	2	28 × 13 × 15 × 42	,, 85 श्लोक	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 11 × 41	,, 90 पद मंत्रादि	1960 माईदास	
,,	,,	2	26 × 13 × 15 × 39	,,	19वीं	
,,	,,	40*	25 × 11 × 14 × 50	,, 36 श्लोक	1962	
यंत्र व पट	,,	2	63 × 63 व 52 × 33	,, 2 पट	18वीं	
मंत्र व विधि	मा.	1	25 × 12 × 15 × 52	,,	1952 बंबई जयविजय	
मंत्र तंत्र यंत्र	सं.	11	26 × 11 × 15 × 40	अपूर्ण	20वीं	
,, औषधनुस्खे	सं.मा.	6	15 × 12 × 22 × 35	,,	1702	
औषधिनुस्खे व मंत्र	मा.	6	25 × 12 × 17 × 42	प्रतिपूर्ण	1929 अजीमगंज गोपीचंद	
2 मंत्र व गद्य में विधि यंत्र	सं.	1	26 × 13 × 10 × 40	,,	19वीं	
मंत्र साधना	सं.रा.	10*	26 × 12 × 15 × 40	संपूर्ण	,,	
मांत्रिक भक्ति स्तोत्र	सं.	18	20 × 11 × 7 × 18	,, 16 × 6 × 34 स्तोत्र	20वीं	
4 यंत्र तथा मंत्र विधि सहित	,,	1	27 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2.	3	3 A	4	5
25	कोलड़ी 507	कंकणबंधन आचमनादि मंत्र	Kaṅkaṇa-bandhana Ācamanādi-yantra		पद्य
26	कुंथुनाथ 32/2	कालिका कवच	Kālikā Kavaca	कालिकातन्त्रे	,,
27	महावीर 3 इ 354	कालि-मंत्र	Kāli-mantra	—	,,
28	कोलड़ी 1288	कौतुक-रत्नावली	Kautuka Ratnāvalī	—	ग.प.
29	महावीर 3 इ 354	क्षेत्रपाल-मंत्र	Kṣetrapāla-mantra	—	मंत्र गद्य
80	कुंथुनाथ 14/44	खररावण यंत्र-विधि	Khara Rāvaṇa-yantra vidhi	—	गद्य
31	,, 13/	गणेश-पूजा व मंत्र	Gaṇeśa-pūjā & Mantra	—	ग.मं.
32	,, 19/6	गणेश-यंत्र	,, -yantra	—	,, यं.
33	महावीर 3 इ 354	गर्भ मंत्र औषधि व यंत्र	Garbha Mantra Auṣadhī & Yantra	—	,,
34	,, ,	ग्रहजापादि व विधि	Graha-jāpādi & vidhi	—	,,
35-9	,, 3 इ 120-1-2,4 5	घंटाकर्ण-कल्प 5 प्रतियां	Ghaṇṭākarṇa Kalpa 5 copies	—	ग यंत्र
40	,, 3 इ 122	,, -लघुकल्प	,, -Laghu-kalpa	—	ग.
41	,, 3 इ 356	,, पट	,, -Paṭa	—	यंत्र चित्र
42	,, 3 इ 354	,, -प्रयोग	,, -Prayoga	—	ग. यंत्र
43	,, 3 इ 127	,, -मंत्र विधि	,, -Mantra Vidhi	—	ग.
44-5	कुंथुनाथ 12/208 15/24	,, -मंत्र 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
46	ओसियां 3 इ 358	,, -मंत्र कल्पविधि	,, -Kalpa Vidhi	—	,,
47	महावीर 3 इ 354	चतुर्विंशति जिनमंत्र	Caturviṁśati Jina-Mantra	—	ग.मंत्र
48	,, ,,	चिंतामणि चक्रेश्वरी आदि मंत्र	Cintāmaṇi Cakreśvariādi Mantra	—	ग प.मंत्र
49	,, ,,	चोरी पता लगाने का मंत्र यंत्र	Corī Patā Lagāne kā Mantra-yantra	—	ग.मं. यंत्र
50	कोलड़ी 1322	चौरासी-तन्त्र	Caurāsī Tantra	—	ग.
51	कुंथुनाथ 19/5	चौसठ योगिनी मंत्र	Causaṭha Yoginī Mantra	—	,,
52	,, 10/185	,, -स्तोत्र	,, Stotra	—	प.
53	,, 3 इ 356	,, -यंत्र पट	,, Yantra-paṭa	—	यंत्र ग.

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मंत्र-तंत्र गृहस्थी के	रा.	5	31 × 13 × 14 × 16	संपूर्ण	19वीं	
मंत्र-तंत्र विज्ञान अघोरी महाविद्या-कल्प	सं.	25	26 × 14 × 16 × 39	,, 21 कवच	,,	
मांत्रिक-भक्ति	,,	1	28 × 13 × 11 × 20	प्रतिपूर्ण	,,	
मंत्र-तंत्र कौतुक	,,	73	24 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण	1812	
मांत्रिक-भक्ति	,, + रा.	1	18 × 10 × 13 × 24	प्रतिपूर्ण	19वीं	
मंत्र-तंत्र-यंत्र	रा.	1	23 × 11 × 14 × 62	संपूर्ण	,,	
भक्ति व मंत्र-तंत्र	सं.मा.	1	22 × 12 × 14 × 42	,,	,,	
यंत्र-मंत्र	सं.	1	30 × 44 × —	,,	20वीं	जीर्ण
,,	रा.	1	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	1 चित्र सहित
मंत्र व होमविधि	संस्कृत	1	25 × 12 × 14 × 66	,,	,,	
जैन मांत्रिक भक्ति यंत्र-तंत्र	सं.मा.	6,10, 9,3,7	23 से 25 × 11 से 12	संपूर्ण	1871 से 20वीं	
,,	मा	3	25 × 12 × 13 × 47	,, 91 गद्य सूत्र	1934 जोधपुर अमरदत्त	साथ में विजया यंत्र-विधि
जैन भक्ति यंत्र-मंत्र व जाप विधि	,,	1	34 × 19 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	
,,	हिन्दी	1	21 × 13 × —	,,	19वीं	
जैन मांत्रिक भक्ति-विधि	मा.	3*	24 × 10 × 12 × 30	संपूर्ण	20वीं	
,, भक्ति मंत्र स्तोत्र	सं.	1,1	12 × 9 व	,,	19/20वीं	
जैन मांत्रिक भक्ति यंत्र-तंत्र	सं.मा.	6	27 × 13 × 14 × 36	,,	20वीं	विधि सहित
,, ,,	,,	1	25 × 12 × 20 × 44	,,	18वीं	
,, ,,	सं.	1	28 × 11 × 13 × 42	,,	19वीं	
यंत्र-मंत्र सह विधि	रा.	1	27 × 12 × —	,,	,,	
तंत्र नुस्खे	मा.	3	26 × 10 × 12 × 40	अपूर्ण 70 तक	20वीं	
मंत्र-जैन आम्नाय	सं मा	1	23 × 16 × 17 × 44	संपूर्ण	19वीं	
मांत्रिक-भक्ति आम्नाय	सं.	1	24 × 10 × 21 × 62	,, 13 श्लोक	20वीं	जीर्ण/अंत में 5 अनुच्छेद शकुन निमित्त
मंत्र-यंत्र ,,	,,	1	26 × 23	प्रतिपूर्ण	18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
54	कोलड़ी 501	जयत्रपताका यंत्रोद्धार व पंचदश विधि	Jayatra Patākā Yantrodhāra & Pañcadaśa Vidhi	—	प.
55	,, 500	जयपताका विजययंत्र	Jayapatākā Vijaya-yantra	—	मू + अ.
56	कुंथुनाथ 12/206	जंजीरा व हनुमान मन्त्र	Jañjirā & Hanumāna Mantra	—	ग मंत्र
57	कोलड़ी बस्ता 69/30	जैन मन्त्र का ग्रंथ सटीक	Jaina Mantra kā Grantha with Tīkā	—	मू + वृ गद्य
58	महावीर 3 इ 153	ज्वालामालिनी-स्तोत्र	Jvālāmālinī Stotra	—	ग. मंत्र
59	,, 3 इ 68	,, -कल्प	,, -Kalpa	—	ग. यन्त्र
60	,, 3 इ 354	तिजयपहुत्त यन्त्र	Tijaya Pahutta-Yantra	—	,,
61	कोलड़ी 1270	त्रैलोक्यविजय गोपाल-कवच	Trailokya-Vijaya Gopāla Kavaca	ब्रह्मसंहितायाम्	प.
62	महावीर 3 इ 143	,, यन्त्र कल्प	,, -yantra-kalpa		,,
63	,, 7 इ 6	दत्तात्रयी पडल	Dattātrayī Paḍala	ईश्वरदत्तात्रेय संवादे	प ग.
64	,, 3 इ 354	दुर्गाष्ट-चक्राणि	Durgāṣṭa Cakrāṇi	—	प.
65	,, 3 इ 114	द्वादश यन्त्रादि अधिकार	Dvādaśa Yantrādi Adhikāra	—	ग यं.
66	,, 3 इ 354	(पार्श्व) धरणेन्द्र पद्मावती मन्त्र	(Pārśva) Dharaṇendra Padmāvatī Mantra	—	ग प यं.
67	कुंथुनाथ 13/231	धान सड़ने आंख दूखने पर मन्त्र	Dhāna Saḍane, Āṅkha Dūkhane para Mantra	—	मं.
68	महावीर 3 इ 354	नगर-प्रवेशादि मन्त्र व विधि	Nagara-Praveśādi Mantra Vidhi	—	ग.यं.
69	, 3 इ 106	नमुत्थुणंकल्प श्रुतबोध	Namutthuṇam-kalpa Śrutabodha	—	ग.प.
70	,, 3 इ 63	नवकार-कल्प	Navakāra Kalpa	—	ग.
71-3	,, 3 इ 64-5-6	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
74	,, 3 इ 354	,, -प्रयोग मन्त्र	,, -Pryyoga Mantra	—	ग.प.
75	,, ,,	,, -मन्त्र व भैषज नुस्खा	Navakāra Mantra & Bhaiṣaja-nuskhā	—	ग.
76	,, ,,	नवकाराधित-मन्त्र	Navakārādhita Mantra	—	,,
77	,, ,,	नारियल-कल्प	Nāriyala-kalpa	—	प.ग
78	,, 3 इ 154	,, -यन्त्र मन्त्र	,, Yantra-Mantra	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मन्त्र-तन्त्र	सं.	3	32 × 13 × 16 × 42	संपूर्ण 48+28 श्लोक	19वीं	
मन्त्र-यन्त्र	,,	7	31 × 13 × 13 × 38	,,	1887	
मन्त्र-सामान्य	रा.	2	21 × 18 × 15 × 17	,, 2 मं.	19वीं	
जैन आम्नाय-मांत्रिक	सं.	5	23 × 11 × 26 × 50	अपूर्ण	,,	एक ओर प्रति कटी हुई
जैनाम्नाय-मांत्रिक भक्ति	,,	2	29 × 14 × 12 × 40	संपूर्ण	,,	
,, ,,	सं.मा.	10*	26 × 12 × 15 × 40	,,	,,	यंत्र व साधना विधि-सह
,, ,,	सं.	1	27 × 12 × —	,, 2 मं.	,,	यंत्र पट चित्रनुम
मंत्र-तंत्र भक्ति स्तोत्र	,,	11	13 × 10 × 7 × 14	,, 52 श्लोक	,,	
,, ,,	प्रा.	2	24 × 12 × 14 × 30	,, 23 गाथा	,,	
तन्त्र-विद्या	सं.	25	28 × 15 × 10 × 42	,,	1967 × पन्नालाल मुनि	
मांत्रिक भक्ति यन्त्र सह	,,	1	25 × 11 × —	अपूर्ण अंत के 73 से 79 श्लोक, 7 यं.	18वीं	अंतिम पृष्ठ मात्र
मन्त्र-तन्त्र यन्त्र	,,	11*	29 × 13 × 14 × 43	संपूर्ण	,,	
जैन तन्त्र-यन्त्र सविधि	,,	1	25 × 11 × --	,,	,,	
जीव न पड़ने का व्याधि मिटानेका मंत्र	,,	1	11 × 10 × 12 × 8	,, 2 मंत्र	19वीं	
विधि परक विघ्न निवारणार्थ	प्रा सं.	1	27 × 13 × 12 × 40	प्रतिपूर्ण	,,	
जैन मांत्रिक भक्ति	,,	3	26 × 12 × 16 × 46	संपूर्ण मूल पाठ+47 श्लोक	,,	
,,	,,	8	28 × 15 × 10 × 33	,,	20वीं	
,,	,,	3,4,3	27 × 12 × 14 × 44	,,	,,	संक्षिप्त संस्करण
मन्त्र जाप विधि सह भक्ति	सं.मा.	1	26 × 11 × 10 × 38	,,	18वीं	
यंत्र व विधि सह भक्ति	प्रा.मा.	1	25 × 12 × 15 × 32	,,	,,	अंत में औषधिनुस्खा
जैन मांत्रिक भक्ति साधना विधि सहित	प्रा.सं.	1	26 × 11 × 11 × 44	,,	,,	
मंत्र-यंत्र सहित	सं.	1	28 × 12 × 7 × 32	,,	19वीं	
मंत्र-तन्त्र-विधि	सं.म .	6	26 × 11 × 11 × 36	,,	19वीं	साथ में 3 पन्ने औपदेशिक पद

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
79	महावीर 3 इ 147	नित्य वसुधारा महाविद्या	Nitya Vasudhārā Mahāvidyā	—	ग. मंत्र
80	,, 3 इ 11	नौली-विचार	Naulīvicāra	—	ग.
81-2	कोलड़ी 495-7	पद्मावती अष्टक-वृत्ति 2 प्रतियां	Padmāvatī Aṣṭaka Vṛtti 2 copies	—	,, (वृत्ति मात्र
83-4	महावीर 3 इ 115 108	,, -कल्प 2 प्रतियां	,, -Kalpa ,,	—	,, मत्र
85	,, 3 इ 354	,, ,, -सटीक	,, with Tikā	/मल्लिसेण	मू+वृ (प.ग.)
86	सेवामंदिर 3 इ 345	,, ,, -व्याख्यान	,, -Vyākhyāna	—	ग.
87	,, 3 इ 350	,, -चौपई	,, Caupaī	जिणप्रभसूरि	प.
88	महावीर 3 इ 355	,, -मंत्र का पन्ना	,, Mantra's folio	—	मन्त्र
89	कोलड़ी 496	,, -मंत्र-यंत्र विधि विधान	,, ,, Yantra-Vidhi Vidhāna	—	प ग.मं यं.
90	महावीर 3 इ 110	,, -महामंत्र जाप विधि	,, Mahāmantra Jāpa Vidhi	—	ग य.
91	कोलड़ी 1149	,, -सहस्रनाम पूजा विधि	,, Sahasranāma-pūjā-Vidhi	—	प.
92	महावीर 3 इ 117	,, -साधना विधि	,, Sādhanā Vidhi	—	ग.
93	सेवामदिर 3 इ 350	,, -स्तव	,, Stava	—	प.
94	कोलड़ी 1324	,, -मंत्रगर्भित स्तोत्र सावन विधिसह	,, Mantragarbhita-Stotra Sādhana with Vidhi	—	ग.प. मंत्र
95-6	,, 944,499	,, -स्तोत्र 2 प्रतियां	,, Stotra 2 copies	—	प.
97	,, 1181	,, विधि मंत्र-यंत्र साधन	,, Vidhi Yantra Sādhana	—	ग प. मंत्र
98	,, 498	,, पूजा-पद्धति	,, Pūjā-paddhati	—	प.ग.
99-104	महावीर 3 इ 111 79,109,112 113,116	,, -स्तोत्र 6 प्रतियां	,, Stotra 6 copies	—	प.
105	सेवामदिर 3 इ 375	,, ,,	,, ,,	—	,,
106	के.नाथ 19/66	,, व ज्वालादेवी-स्तोत्र	,, & Jvālādevi-stotra	—	,,
107	मुनिसुव्रत 3 इ 314	,, स्तोत्र+भैरवी पद्मावती 108 नामादि	,, Stotra+Bhaisavi Padmāvatī 108 Nāmādi	—	,,
108	महावीर 7 इ 5	पनरियादि यंत्र-विधि	Panariyādi Yantra-vidhi	—	ग. यंत्र
109-10	कोलड़ी 519-20	पंचदशीविद्या 2 प्रतियां	Pañcadaśi-vidyā 2 copies	—	प.

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मंत्र-तंत्र भक्ति सह	सं.	4	20 × 10 × 9 × 27	संपूर्ण	1924 मेड़ता जैलाल	
भूतपिशाचव्याधि के उपचार व इन्द्रजाल कौतुक तंत्र	मा.	41	25 × 11 × 14 × 51	अपूर्ण	19वीं	
देवी मांत्रिक भक्ति जैन आम्नाय	सं.	10,8	31 × 12 × भिन्न 2	संपूर्ण 522 ग्रंथाग्र	1884/19वीं	1273 की कृति
,, ,,	,,	9,13	26 × 12 व 29 × 14	,, 6 अध्याय	1960/20वीं	यन्त्र-तन्त्र सहित
,, ,,	,,	1	25 × 12 × 12 × 60	टीका अपूर्ण उद्धरण मात्र	19वीं	,,
,, ,,	मा.	2	21 × 10 × 14 × 28	अपूर्ण	20वीं	,,
,, ,,	अपभ्रंश	8	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण 37 गा.	18वीं	
,, ,,	सं.	1	12 × 16 × 13 × 18	प्रतिपूर्ण	,,	साथ में लक्ष्मीमंत्र
,, ,,	सं मा.	6	31 × 12 × 17 × 41	संपूर्ण 25 श्लोक	1755	यन्त्र-तन्त्र सह
,, ,,	,,	5	23 × 10 × 9 × 36	प्रतिपूर्ण	20वीं	,,
,, ,,	सं.	8	24 × 12 × 13 × 57	अपूर्ण	,,	
,, ,,	,,	3	26 × 13 × 8 × 26	संपूर्ण	1921	,,
,, ,,	,,	2	10 × 6 × 7 × 16	,, 8 श्लोक	18वीं	
,, ,,	,,	3	24 × 11 × 26 × 50	,, दीपालिका विधि कल्प सह	17वीं	जिनदत्तसूरिकृत आम्नाय
,, ,,	,,	2,6	26 × 10 × 20 × 10	,, 27 श्लोक	19वीं	
,, ,,	सं मा.	4	26 × 13 × 17 × 52	अपूर्ण	,,	यंत्र-तंत्र विधि सहित
,, ,,	,,	7	32 × 13 × 11 × 40	संपूर्ण	,,	,,
,, ,,	सं.	9,18* 8,3,53	14 से 28 × 10 से 13	प्रथम अपूर्ण शेष संपूर्ण 27/35 श्लोक	19/20वीं	अंतिम प्रति में किंचित् विधि
,, ,,	,,	4	26 × 12 × 10 × 36	प्रथम 3 श्लोक कम	19वीं	
,, ,,	,,	111*	22 × 12 × 14 × 26	संपूर्ण दोनों स्तोत्र	,,	
,, ,,	,,	4	25 × 10 × 9 × 37	,, 26+15 श्लोक	1859	
मंत्र-यंत्र	मा.	5	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	1943 जोधपुर साध्वीलिछमा	
मंत्र-तंत्र	सं.	6,11	32 × 12 व 26 × 11	संपूर्ण	19/20वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
111	कोलड़ी 518	पंचमुखी हनुमान मंत्र-कवच	Pañcamukhī Hanumāna-Mantra-kavaca	रामचन्द्र ऋषि	प ग.
112	महावीर 3 इ 126	पंचागुलि-कल्प	Pañcāñguli-kalpa	—	ग.
113	,, 3 इ 128	,, बीज कल्प विधान	,, Bījakalpa-vidhāna	—	,,
114	,, 3 इ 21	,, मन्त्र	,, Mantra	—	ग प.मंत्र
115	,, 3 इ 356	,, ,, पट दो	,, ,, -yantra-paṭa(2)	—	ग मंत्र
116	कुंथुनाथ 31/7	,, , -स्तोत्र	,, ,, Stotra	—	प
117	महावीर 3 इ 92	, सहस्रनाम	,, Sahasranāma	—	ग.
118	,, 3 इ 354	पासाकेवली मंत्र-यंत्र	Pāsākevalī Mantra-yantra	—	प. यंत्र
119	कोलड़ी 521	पुरश्चरण विधि सहित	Puraścaraṇa with Vidhi	—	,,
120	कुंथुनाथ 15/26	पैंसठिया यंत्र-स्तोत्र	Painsaṭhiyā Yantra Stotra	—	,, मंत्र
121	महावीर 3 इ 354	फोफिड़ा कल्प + मंत्र-यंत्र	Phophiḍā Kalpa + Mantra Yantra	—	ग यंत्र
122	,, ,,	बिच्छू आदि के मंत्र-तंत्र-यंत्र	Bicchūādi ke Mantra-Tantra-Yantra	—	ग.मं. यंत्र
123	,, 3 इ 72	भक्तामर-कल्प	Bhaktāmara Kalpa	मानतुङ्ग/-	प ग.यं.
124-6	,, 3 इ 74, 67,69	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,, /-	,,
127	,, 3 इ 68	,, -नमोत्थुणं आदि कल्प	,, Namotthuṇam Ādi Kalpa	,, /-	,,
128	मेवामंदिर 3 इ 372	,, पचविधान	,, Pañcavidhāna	,, /-	,,
129	कुंथुनाथ 39/2	,, ,,	,, ,,	,, /-	,,
130	कोलड़ी 472	,, ,,	,, ,,	,, /हेमरतन	,,
131	कुंथुनाथ 9/114	,, ,,	,, ,,	,, /-	,,
132	,, 55/7	,, ऋद्धि मंत्र सहित	,, with Ṛddhimantra	,, /-	,,
133	के.नाथ 469	,, ,,	,, ,,	,, /-	,,
134	मुनिसुव्रत 7 इ 1	भुवनेश्वरी कवच सहस्रनामादि	Bhuvaneśvarī-kavaca Sahasranāmādi	,, /- संकलित	पद्य
135	महावीर 3 इ 114	भैरव पद्मावती कल्प विधि-सह	Bhairava Padmāvatī-Kalpa with Vidhi	कविशेखर मल्लिषेण सूरि	ग.प.यं.
136	,, 3 इ 118	,, ,,	,, ,,	,,	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मांत्रिक-भक्ति	सं.	4	25 × 12 × 10 × 24	संपूर्ण	19वीं	यत्र-तन्त्र विधि सह
,	मा.	2	27 × 12 × 13 × 40	,,	20वीं	,,
,,	सं + मा	10	25 × 11 × 16 × 55	,,	1878	,,
,,	सं.मा.	2	17 × 8 × 8 × 22	,,	1733	
यंत्र पट चित्रनुमा	सं.	2	25 × 25 व 37 × 40	प्रतिपूर्ण	18वीं	
मांत्रिक भक्ति-स्तोत्र	मा.	16	18 × 22 × 13 × 14	संपूर्ण 25 गा.	20वीं	
,, नाम-जाप	सं.	25*	27 × 11 × 14 × 58	,,	18वीं	
मन्त्र-यन्त्र सह	,,	1	25 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
मन्त्र-तन्त्र	,,	2	30 × 11 × 11 × 36	संपूर्ण	,,	
यन्त्र विद्या	,,	2	(?)	,,	,,	
मन्त्र-यन्त्र	सं.मा.	1	21 × 11--	,, 3 यं	,,	
,, -तन्त्र	रा.सं उर्दू	1	25 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	
जैन मांत्रिक भक्ति	सं.मा.	10	26 × 11 × 24 × 60	संपूर्ण 48 काव्यपर्यंत	17वीं जावद में	यंत्र-तंत्र-विधि सहित
,, ,,	,,	15 24, 47	26 से 31 × 13 से 14	,, 47/48 ,	1934 से 20वीं	,,
,, ,,	सं प्रा.मा	10*	26 × 12 × 15 × 40	भक्तामर अपूर्ण, शेष त्रुटक	19वीं	,,
,, ,,	सं मा.	37	22 × 10 × 7 × 22	संपूर्ण 48 श्लोकों का	1912 पुष्कर किसनलाल	मूल + मंत्र + ऋद्धि + भाषा + यंत्र विधि सह
,,	,,	16	20 × 15 × 19 × 32	,, ,,	19वीं	,, ,,
,,	,,	22	21 × 13 × 11 × 25	,, ,,	,,	,, ,,
,,	,,	25	26 × 13 × 16 × 22	,, ,,	20वीं	,, ,,
,,	सं.	6 + 1	25 × 14 × 17 × 40	,, + साथ में 5 छोटे मंत्र	1964 सांचौर प्रताप मेहता	,, ,,
,,	,,	6	24 × 11 × 18 × 35	,, 48 काव्य का	19वीं	,, ,,
मन्त्र व भक्ति स्तोत्र	,,	14	24 × 11 × 8 × 27	,, 5 स्तोत्र	1856	
जैन मांत्रिक भक्ति	,,	11	29 × 13 × 14 × 43	,,	19वीं	यंत्र विधि सहित
,,	,,	2	25 × 12 × 16 × 48	,,	,,	संक्षिप्त संस्करण

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
137	कुंथुनाथ 15/25	भैरव-मन्त्र	Bhairava-mantra	—	प.मं.
138	कोलड़ी 1296	महाभैरव काली सरस्वती लक्ष्मीमंत्र सहस्रनाम	Mahābhairava Kālī Sarasvati Lakṣamī Mantra Sahasranāma	—	प ग.मं.
139	कुंथुनाथ 2/16	महामृत्युञ्जय मंत्र व जाप-विधि	Mahāmṛtyuñjaya Mantra & Jāpa Vidhi	—	,,
140	महावीर 3 इ 354	महासंमोहिनीय विद्या	Mahā Sammohinīya-vidyā	—	,,
141	केनाथ 18/14	मन्त्र-तन्त्र औषध-संग्रह	Mantra Tantra Ouṣadha Saṅgraha	संकलन	,,
142	कोलड़ी 944	,, -मुक्तावली	,, Muktāvalī	—	,,
143	,, 765	,, -शास्त्र	,, Śāstra	—	प.
144	,, 1316	,, -शकुनावली	,, Sakunāvalī	—	,,
145-6	कुंथुनाथ 13/230 34/10	,, -संग्रह 2 प्रतियां	,, Saṅgraha 2 copies	संकलन	ग प.
147	महावीर 3 इ 92	मंत्राधिराज	Mantrādhirāja	सिंहतिलक	प.
148	सेवामंदिर 3 इ 350	,, मन्त्राक्षर न्यास प्रभाव स्तवन	Mantrādhirāja Mantrākṣaranyāsa-prabhāva-stavana	—	,,
149	कोलड़ी 927	मन्त्राराधन विधि	Mantrārādhana-vidhi	—	,,
150	महावीर 3 इ 101	मायाबीज-कल्प	Māyābīja-kalpa	—	मू प.
151	,, 3 इ 146	,, महाविद्या	,, Mahāvidyā	—	ग.
152	ओसियां 7 इ 11	,, व साधना विधि	,, & Sādhanā-vidhi	—	,,
153	महावीर 3 इ 102	मायाबीज जाप विधि	,, Jāpa-vidhi	—	,,
154-5	,, 3 इ 355	,, -स्तोत्र	,, Stotra 2 copies	—	प.
156	,, 7 इ-3	यन्त्र और वस्तु प्रयोग	Yantra & Vastu-prayoga	—	ग.यं.
157	,, 3 इ 107	यन्त्र-मन्त्र स्तोत्र	Yantra-mantra Stotra	संकलन	ग.प.
158	कोलड़ी गु. 4/9	राखड़ी कणामूठादि मन्त्र	Rākhaḍi Kaṇāmuṭhādi Mantra	,,	पद्य
159	सेवामंदिर 5 अ 19	रामपडल	Rāma-paḍala	—	ग.प.
160	,, 5 अ 21	रामरक्षा	Rāmarakṣā	रामानन्द स्वामी	मू.प.
161	कोलड़ी 1199	,, -स्तोत्र	,, Stotra	—	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मंत्र-तंत्र भक्ति	सं.	2	22 × 10 × 9 × 30	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	7	15 × 10 × 16 × 30	प्रतिपूर्ण	1828	
मंत्र-यंत्र जाप विधि सहित	,,	6	17 × 12 × 7 × 77	संपूर्ण	1856	
मंत्र-तंत्र	सं.रा.	1	24 × 10 × 14 × 40	प्रतिपूर्ण	19वीं	
मांत्रिक-तांत्रिक-वैद्यक विद्याए	,,	11	26 × 14 × 19 × 27	,,	,,	
विविध मन्त्र व देवी स्तोत्र	सं.	3	26 × 11 × विभिन्न	,,	,,	
दीक्षादि धार्मिक मन्त्र विधि	,,	465	31 × 13 × 11 × 46	संपूर्ण	,,	
मन्त्र व निमित्त	,,	2	25 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण	,,	
विभिन्न डाकणी घूघरा आदि मन्त्रों का संग्रह	रा.सं.म.	6,2	12 × 11 व 15 × 13	प्रतिपूर्ण	19/20वीं	
जैन भक्ति मन्त्र	सं.	25*	27 × 11 × 14 × 58	संपूर्ण ग्रं. 559	19वीं	
जैन मन्त्र भक्ति स्तोत्र	,,	5	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 27 श्लोक	18वीं	
मन्त्र-तन्त्र	,,	2	17 × 12 × 13 × 20	संपूर्ण	19वीं	
मन्त्र-तन्त्र-यन्त्र	,,	2	25 × 12 × 12 × 32	,, 30 श्लोक	20वीं × हीराचंद्र	
,,	सं.रा.	6	21 × 11 × 12 × 25	,,	20वीं × अमृतचंद्र	
मन्त्र विधि विधान	,,	11	27 × 12 × 13 × 42	,,	1963 जोधपुर	
मंत्रपाठ साधनाविधि	रा.	2	28 × 12 × 12 × 34	,,	20वीं	
मन्त्र-काव्य	सं.	1,1	26 × 12 व 28 × 13	,, 15 व 9 श्लोक	19/20वीं	
निमित्त व तांत्रिक विद्या	रा.	7	28 × 15 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
विभिन्न मन्त्र-यन्त्र	सं.रा.	10	28 × 14 × 9 × 36	,,	20वीं	
,, मंत्र-तंत्र-यंत्र	मा.	15	15 × 11 × 14 × 23	अपूर्ण	19वीं	
मन्त्र भक्ति स्तोत्र व विधि	सं.	4	27 × 15 × 15 × 39	प्रतिपूर्ण	1955	
भक्ति मन्त्र-स्तोत्र	,,	3	27 × 14 × 11 × 32	संपूर्ण 29 श्लोक	18वीं	आध्यात्म रामायण से उद्धरित
,, ,,	मा.	2	29 × 14 × 14 × 36	,,	1916 खारिया	(आत्म रक्षा मन्त्र)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
162	महावीर 3 इ 354	रोगहरणादि-मन्त्र	Rogaharaṇādi-mantra	—	मंत्र ग.
163-4	कोलड़ी 1273, 1265	लक्ष्मीनारायणाख्यान 2 प्रतियां	Lakṣmīnārāyaṇākhyāna 2 copies	देवीरहस्ये	ग. मंत्र
165	,, 1307	लक्ष्मीस्तोत्र + त्रिपुर-सौन्दर्याष्टक	Lakṣmī-Stotra + Tripura-saundaryāṣṭka	पद्मपुराणे	प. ,,
166	महावीर 3 इ 119	लब्धिपद-रहस्य	Labdhi-pada-rahasya	—	पद्य
167	,, 3 इ 148	लोगस्स-कल्प	Logassa-kalpa	—	प.ग.मं.यं.
168	,, 3 इ 354	,, -मंत्राक्षर-फल	,, -Mantrākṣaraphala	—	प. गद्य
169	,, 3 इ 356	लौकिक अष्टतीर्थ-पट	Laukika-aṣṭatīrtha Paṭa	—	यन्त्र
170	कोलड़ी 508	वर्द्धमान-विद्या	Varddhamāna-vidyā	—	ग.
171	महावीर 3 इ 96	,, (यंत्र विधि सह)	,, (Yantra-vidhi saha)	सिंहतिलकसूरि	प.
172	सेवामंदिर 3 इ 345	(लघु) ,, आम्नाय	(Laghu) Varddhamāna Āmnāya	—	ग. मंत्र
173	महावीर 3 इ 92	,, -कल्प	Varddhamāna Vidyākalpa	सिंहतिलकसूरि (विबुधचंद्र शिष्य)	प.
174	,, 3 आ 48	,, (यंत्र लेखन विधि सह)	,, (Yantra-Lekhana-with vidhi	,,	,,
175	,, 3 इ 90	,, -कल्प	,, -kalpa	—	ग प.
176-7	,, 3 इ 91,48	वर्द्धमान विद्या-कल्प तृतीय स्थान विवरण 2 प्रतियां	,, Tṛtīya Sthāna-Vivaraṇa 2 copies	वज्रस्वामी उद्धारित	ग.
178	,, 3 इ 356	वर्द्धमान विद्या-पट	,, -Paṭa	—	यंत्र
179	के.नाथ 18/57	,, -स्तवन	,, -Stavana	—	पद्य
180	सेवामंदिर गु.दे. 17	वशीकरणआदि नुस्खे व मन्त्र	Vaśīkaraṇādi-nuskhe & Tantra	—	प.ग.
181	कोलड़ी 493	वसुधारा-स्तोत्र	Vasudhārā-stotra	—	मू.ग.प.मं.
182	,, 940	,,	,,	—	,,
183	के.नाथ 26/18	,,	,,	—	,,
184-91	कोलडी 488 से, 92,94,1153, 1348	,, 8 प्रतियां	,, 8 copies	—	,,
192	महावीर 3 इ 145	,,	,,	—	,,
193	अंसिया 4 अ 154	,,	,,	—	,,
194	के.नाथ 19/130	,,	,,	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मन्त्र व जाप विधि	सं.रा.	1	25 × 11 × 14 × 48	अपूर्ण	18वीं	
मन्त्र-तन्त्र	सं.	10,16	21 × 10 × 10 × 35	,,	19वीं	
भक्ति मन्त्र-स्तोत्र	,,	2	14 × 10 × 14 × 26	संपूर्ण 15+8 श्लोक	,,	
मन्त्र-तन्त्र	,,	4	27 × 12 × 11 × 42	,, 51 श्लोक	,,	
जैन मांत्रिक भक्ति	प्रा सं.	8	25 × 11 × 17 × 69	,,	,,	यन्त्र-सह
,,	प्रा.सं.मा	2	26 × 13 × 14 × 46	,, 6 मंडल	20वीं	दो बार लिखा है
जैन यन्त्र	हिन्दी	1	31 × 30 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	
जैन मन्त्र भक्ति	सं.	4	29 × 13 × 15 × 44	संपूर्ण	1881	
मन्त्र-व्याख्या	,,	30*	24 × 11 × 14 × 43	,, 169 श्लोक	19वीं	
मन्त्र जैनाम्नाय	प्रा.सं.	1	26 × 12 × 11 × 34	प्रतिपूर्ण	,,	अंत में 'गौतमयन्त्र' है
जैनाम्नाय भक्ति मन्त्र	सं.	25*	27 × 11 × 14 × 58	संपूर्ण 177 श्लोक	,,	
,,	,,	40*	25 × 11 × 14 × 50	,, 184 श्लोक	1962	
,,	,,	7	26 × 12 × 11 × 42	,,	20वीं	
,,	,,	6,40	25 × 13 व 25 × 11	,, तीसरा अधिकार ग्रं. 175	1967/1962 सोजत बलदेव	
,, यन्त्र	हिन्दी	1	31 × 31 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	
,, मन्त्र भक्ति	अपभ्रंश	2*	26 × 11 × 18 × 55	संपूर्ण 17 गा.	19वीं	अंत में 2 नवग्रह स्तुतियां
तांत्रिक कौतुक विद्यायें	रा.	15	14 × 12 × 15 × 14	लगभग पूर्ण	,,	
मन्त्र भक्ति स्तोत्र	सं.	4	30 × 12 × 15 × 65	संपूर्ण	1702	बौद्ध आम्नाय
,,	,,	3	25 × 11 × 18 × 72	,,	1733	,,
,,	,,	7	24 × 11 × 11 × 30	,,	1746	,,
,,	,,	4,7,6,5, 5,4,4,5	25 से 32 × 10 से 13	,, (केवल 7वीं में प्रथम पन्ना कम)	19/20वीं	,,
,,	,,	4	26 × 12 × 16 × 37	,,	1834 × रामवर्द्धन	,,
,,	,,	7	26 × 11 × 11 × 34	,,	1848 बांभण-वाड लायकसागर	,,
,,	,,	4	26 × 11 × 16 × 46	,,	1863	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
195	कुंथुनाथ 52/17	वसुधारा-स्तोत्र	Vasudhārā Stotra	—	मू.ग.प.मन्त्र
196	सेवामंदिर 2/372	,,	,, ,,	—	,,
197	मुनिसुव्रत 3 इ 323	(लघु) वसुधारा-स्तोत्र	(Laghu) Vasudhārā Stotra	—	,,
198	महावीर 7 इ 9	विजयमन्त्र-कल्प व नौली-विचार	Vijaya Mantra kalpa Naul Vicāra	—	.
199	के.नाथ 23/66	विजय-यन्त्र	Vijaya Yantra	—	,,
200	कुंथुनाथ 29/18	,, जयपताका, विधि प्रतिष्ठादि	,, Jayapatākā Vidhi Pratiṣṭhādi	—	प ग.
201	कोलड़ी 1106	,,	,,	—	अंकतालिकायें
202	महावीर 7 इ (4)	,, + भरणविधि	,, +Bharaṇa-vidhi	—	प.ग.
203	कुंथुनाथ 14/43	,, व उसका माहात्म्य	,, & Māhātmya	—	प
204	महावीर 3 इ 149	,, विधि माहात्म्य	,, Vidhi ,,	—	ग. ता.
205	कोलड़ी 1243	विधानतन्त्र-दुर्गा	Vidhāna Tantra Durgā	—	ग.
206	,, 1267	विश्वसंमोहन विश्व वसु गंधर्वराज-स्तोत्र	Viśvasammohana-Viśvasu Gandharvarāja-stotra	रुद्रयामलतन्त्रे	प.
207	,, 944	वैद्यक मंत्र-पत्र	Vaidyaka-Mantra Patra	—	प.ग.
208	कुंथुनाथ 9/122	शांतिधारा	Śāntidhārā	—	ग.मंत्र
209	महावीर 3 इ 129	सरस्वती कल्प	Sarasvati-kalpa	—	ग.
210	कुंथुनाथ 10/177	,, -मन्त्र	,, -Mantra	रूपचन्द ?	प.
211	महावीर 3 इ 356	,, ,, पट	,, -Mantra-paṭa	—	यंत्र
212	,, 3 इ 354	,, ,, व बुद्धिवर्धक नुस्खा	,, Mantra & Buddhi-vardhaka Nuskhā	—	ग.
213	,, 3 इ 354	सर्प-मंत्र-यंत्र	Sarpa Mantra-yantra	—	ग.मं.
214	,, 3 इ 137	सर्वलोक-मोहनादि-यंत्र	Sarva Lokamohanādi Yantra	—	ग यंत्र
215	कुंथुनाथ 14/63	संकटारो मन्त्र-स्तोत्र	Saṅkaṭāro Mantra-stotra	शंकराचार्य	प.मंत्र
216	महावीर 3 इ 166	संकल्प-विधि	Saṅkalpa-vidhi	—	ग.
217	,, 7 इ 7	सिद्धनागार्जुनीयकक्ष-पुट	Siddhanāgārjunīya Kakṣa Paṭa	सिद्धनागार्जुन	ग.प.
218	,, 3 इ 356	सिल्पयंत्रपट	Silpa Yantra-pata	—	ग.यं.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मंत्र भक्ति स्तोत्र	सं.	5	26 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण	19वीं	बौद्ध आम्नाय
,,	,,	10	24 × 12 × 9 × 27	अपूर्ण	18वीं	,,
,,	,,	1	21 × 11 × 14 × 34	संपूर्ण	1849 मेड़ता धनसागर	,,
मंत्र-तंत्र कौतुक-विधि	सं रा	8	27 × 12 × 14 × 45	,,	1968 आजिकाजपुर, रामचंद्र	
मंत्र-यंत्र प्रसिद्ध	सं.	4	23 × 12 × 15 × 59	,, विधि-सह	19वीं	
मंत्र-तंत्र-यंत्र	,,	1	26 × 11 × 19 × 78	,,	,,	
(केवल अंकतालिकाये प्रति पत्रे परिवर्तित ?)	,,	4	21 × 16 × —	त्रुटक	20वीं	
यंत्र-तंत्र-मंत्र	सं.मा.	4	27 × 12 × 14 × 40	प्रतिपूर्ण	19वीं	विधि-सहित
मंत्र व उसका माहात्म्य	सं.	1	26 × 10 × 14 × 60	सपूर्ण 27 श्लोक	,,	
मंत्र-तंत्र	रा.	4	25 × 11 × 17 × 53	,,	1889	
मन्त्र-संग्रह	सं.मा.	4	27 × 14 × 11 × 32	प्रतिपूर्ण	1917	
तंत्र-मंत्र	सं.	2	23 × 14 × 13 × 30	संपूर्ण 21 श्लोक	1893	
निदान व ज्वर मंत्र	सं.रा.	2	25 × 11 × विभिन्न	प्रतिपूर्ण	19वीं	
भक्ति मन्त्र	सं.	1	27 × 15 × 12 × 24	अपूर्ण	20वीं	
स्तुति-मन्त्र	,,	3	28 × 12 × 14 × 47	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	1	21 × 10 × 10 × 48	,, 9 श्लोक	1845	जीर्ण फटा हुआ
मन्त्र	,,	1	38 × 22 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	
मंत्र व औषध-प्रयोग	स हि.	1	27 × 12 × 10 × 30	,,	,,	
मंत्र-यंत्र उपचार	सं.	1	19 × 11 × —	,,	19वीं	
मंत्र-यंत्र-तंत्र	,	2	26 × 11 × —	,,	18वीं	
भक्ति-मंत्र	,,	6	10 × 10 × 6 × 9	संपूर्ण	19वीं	
मंत्र-स्तोत्र	,,	9	19 × 10 × 4 × 12	,,	20वीं	
मंत्र-तंत्र	,,	40	28 × 13 × 13 × 58	,,	19वीं	
,,	,,	1	49 × 43 —	प्रतिपूर्ण	18वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
219	महावीर 3 इ 98	सूरिमन्त्र-स्तोत्र व स्तवन	Sūri Mantra-stotra & Stavana	जिनसूरि	प.
220	,, 3 इ 133	,,	,,	—	प.ग.
221	,, 3 इ 97	,,	,,	राजशेखरसूरि	ग.प.
222	,, 3 इ 354	,, +लब्धि-मन्त्र	,, +Labdhi Mantra	—	प.
223	,, 3 इ 93	,, स्तवन-सह	,, with Stavana	—	प.ग.
224	,, 3 इ 95	,, ,,	,, ,,	राजशेखरसूरि	,,
225-6	,, 3 इ 96 3 श्रा 48	,, -कल्प 2 प्रतियां	,, -Kalpa	सिंहतिलकसूरि	पद्य
227	,, 3 इ 94	,, ,,	,, ,,	—	ग.प.
228	,, 3 इ 99	,, ,,	,, ,,	देवसूरि	ग.
229	कोलड़ी 966	,, ,, सविवरण	,, ,, with Vivaraṇa	—	ग मंत्र
230	महावीर 3 इ 356	,, -यन्त्र पट	,, Yantra Paṭa	वृद्धिसागरसूरि	ग.यंत्र
231	,, ,,	सूर्यपताका-पट	,, Sūrya-Patākā-Paṭa	—	,,
232	,, ,,	स्त्री-पुरुष वशीकरण-मंत्र	Strī-Puruṣavaśikaraṇa Mantra	—	ग मंत्र
233	,, 7 इ 10	स्थापनाचार्य-कल्प	Sthāpānacārya-kalpa	भद्रबाहुउक्त	ग.प.
234	,, 3 इ 354	स्वेतग्राक-कल्प व अन्य कौतुक	Sveta Āka-kalpa & Kau-tuka etc.	—	ग.
235	कोलड़ी 1310	हनुमत् कवच स्तोत्र मंत्र-ध्यान	Hanumat kavaca-stotra Mantra-dhyāna	श्रीरामचन्द्रऋषि	प ग.मं.
236	केनाथ 29/72	,, दिव्य कवचमाला मंत्र स्तोत्र	,, Divya Kavacamālā Mantra-stotra	रुद्रयामलेउमामहेश्वर संवादे	प.
237	महावीर 3 इ 356	हनुमानपताका-पट	Hanumāna-Patākā Paṭa	—	मन्त्र
238	,, 3 इ 103	ह्रींकार महास्तोत्र व विधि	Hṛṁkāra Mahā-stotra & Vidhi	—	मू.+ट (प.ग)
239	,, 3 इ 100	,, जाप-विधि	,, Jāpa Vidhi	—	पद्य
240	केनाथ 28/17	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रंथ तथा त्रुटक पन्ने	Sphuṭa Laghu & Apūrṇa Grantha & Truṭaka Ponne	भिन्न 2	ग.प.
241-92	कुंथु 11/197 से 200, 12/210 13/222से 29,32, 34,49, 26/14 से 24,31/2-5,32/ 25 से 31	,, 52 प्रतियां	,, ,, 52 copies	,,	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन मंत्र-स्तोत्र	प्रा.	2	27 × 12 × 9 × 47	संपूर्ण 30 गा.	1962 जोधपुर गोपीकिशन	
,,	,,	12	27 × 11 × 6 × 26	,, 50 गा + मन्त्र	1961	
,, विधि व माहात्म्य	,, सं	11	27 × 12 × 12 × 43	,,	1878 जोधपुर लक्ष्मीनारायण	मलधारी गच्छानुसार
,,	,,	1	26 × 12 × 14 × 40	,,	18वीं	
,, भक्ति	,, सं.	31	24 × 11 × 7 × 34	,,	19वीं जोधपुर माईदास	
विधिसह जैनमंत्र भक्ति	,, ,,	12	24 × 11 × 14 × 39	,,	1962	,,
,,	,,	30,40*	25 × 11 व 25 × 11	,, 632 श्लो. ग्रं. 900	19वीं/1962	
,,	,, ,,	20	20 × 11 × 11 × 38	,, 20 अधिकार	20वीं	
,,	सं.	17	24 × 11 × 14 × 48	,,	1962	साथ में देवतावसर विधि भी
,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 58	प्रथम पीठ 84 पद	19वीं	पांचवा पन्ना कम है
जैन मन्त्र यन्त्र	,,	1	25 × 23 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	
यन्त्र-मन्त्र सह	,,	1	25 × 22 × —	,,	,,	
मन्त्र-यन्त्र चित्र सहित	,,	1	30 × 22 × —	,,	17वीं	
स्थानापनाचार्य सबंधित निमित्त शास्त्र	,,	2	27 × 13 × 13 × 30	,,	1955	जीर्ण
नुस्खे प्रयोग व कौतुक तन्त्र विद्या	रा.	1	25 × 11 × 20 × 52	,,	18वीं	
मन्त्र भक्ति स्तोत्र	सं.	5	16 × 11 × 12 × 18	अपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	4	25 × 13 × 14 × 33	संपूर्ण	1899	
मन्त्र-यन्त्र चित्र सहित	,,	1	24 × 30 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	
मन्त्र-तन्त्र	,, रा.	2	27 × 12 × 7 × 37	संपूर्ण 23 श्लोक	19वीं रत्नावतीपुरी मानचंद्र	
मंत्र व पाठ विधि साधना	,, ,,	3	25 × 12 × 8 × 35	संपूर्ण	20वीं	
विविध मन्त्र-यन्त्र-तन्त्र	प्रा.सं.मा	422	24 से 32 × 10 से 16	पूर्ण/अपूर्ण	17 से 20वीं	
,,	,,	62	24 से 28 × 10 से 15	,,	19/20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
293-5	कोलड़ी 1508 गु 10/12 व 69	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रंथ तथा त्रुटक पत्र (2 प्रतियां 1 बस्ता)	Sphuṭa Laghu & Apūrṇa grantha & Truṭaka 2 copies	भिन्न 2	प.ग
296-7	महावीर 3 इ 354 3 इ 136	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रंथ तथा त्रुटक पत्र 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,

भाग 7 साहित्य व भाषा/विभाग (अ):-

1	सेवामंदिर दे गु 20	अकबर की नसीयत	Akabara kī Nasīyata	अकबर बादशाह	ग.
2	कुंथुनाथ 46/3	अजय सोलंकी अलाउद्दीन खीलजी की बात	Ajaya Solaṅkī Allāuddīna-khilajī kī Bāta	—	,,
3	केनाथ 26/92	अजीतसिंहजी की निशाणी	Ajītasiṁhajī kī Niśāṇī	यतिलालचन्द	प.
4	,, 18/62	अनुभव-प्रकाश	Anubhava Prakāśa	म. जसवन्तसिंहजी	,,
5	ओसियां 2/287	अन्यापदेश-शतक	Anyāpadeśa Śataka	मैथिली मधुसूदन (पद्मनाभसुत)	मू प.
6	सेवामंदिर 6 इ 35	अमरु-शतक	Amaru Śataka	अमरुक कवि	,,
7	ओसियां 6 इ 19	,,	,,	,,	,,
8	केनाथ 27/42	,,	,,	,,	,,
9	ओसियां 6 इ 20	,, -सटीक	,, +Tikā	अमरुकवि/नन्दलाल	मू+वृ (प.ग.)
10	,, 6 इ 21	अवयवर्ग	Avayavarga	—	पद्य
11	महावीर 6 इ 49	अष्टलक्षी	Aṣṭa Lakṣī	समयसुन्दर	गद्य
12	कोलड़ी गुटका 10 7	आध्यात्मिक पद-संग्रह	Ādhyātmika Pada Saṅgraha	सुन्दरदास	पद्य
13	,, 11/12	,, ,,	,, ,,	,,	,,
14	कोलड़ी 140	,, ,,	,, ,,	,,	,,
15	केनाथ 29/96	आभूषण-बत्तीसी	Ābhūṣaṇa Battīsī	चन्द्रसेन	प/तालिका
16	कुंथुनाथ 28/3	आसफखान की वार्त्ता व सवैये	Āsaphakhāna kī Vartā & Savaiye	—	प.
17	महावीर 6 इ 47	आसिक-पच्चीसी	Āsika Paccīsi	—	,,
18	ओसियां 6 इ 10	उंदर-रासा	Undara Rāsa	लाभसुन्दर	,,
19	केनाथ 11/13	ऋतु-संहार	Ṛtusaṁhāra	कालीदास	मू.+ट (प.ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
विविध मंत्र-यंत्र-तंत्र	प्रा.सं.मा	389	24 से 28 × 10 से 15	पूर्ण/अपूर्ण	17 स 20वीं	
,,	,,	10,2	,,	,,	19/20वीं	

महाकाव्य आदि साहित्यिक ग्रंथ :—

प्रशासनिक राजनीति	हिं.	4	26 × 20 × 17 × 18	संपूर्ण	1926	
ऐतिहासिक वार्ता	रा.	2	17 × 12 × 17 × 12	अपूर्ण	1919	
,, काव्य	,,	2	20 × 16 × 15 × 21	संपूर्ण	18वीं	
साहित्यिक-काव्य	हिं	2	21 × 9 × 22 × 47	,, 26 पद्य	19वीं	
,,	सं.	6	27 × 12 × 13 × 43	,, 110 श्लोक	19वीं × बखत-सागरगण	
नैतिक साहित्यिक	,,	5	26 × 11 × 15 × 60	,, 101 श्लोक	1706 × जिनहर्ष	
,,	,,	14	30 × 14 × 8 × 36	,, ,,	18वीं	
,,	,,	12	26 × 11 × 10 × 31	,, 100 श्लोक	19वीं	
,,	,,	14	30 × 14 × 20 × 70	,,	18वीं विक्रमपुर	
साहित्यिक	,,	26	30 × 15 × 9 × 43	,,	,,	
एक पद के 8 लाख अर्थ	,,	41	27 × 11 × 12 × 52	,,	1946 × जोशी जेठमल	अलंकारिक व्याख्यान
भक्ति मय औपदेशिक पद	रा.	गु.	19 × 15 × 14 × 27	,, 5 अध्याय शताधिक	1767	(अपरनाम ज्ञान-समुद्र)
,,	,,	गु.	16 × 15 × 17 × 25	,, 183 सवंये	1773	
,,	,,	8	25 × 11 × 17 × 37	प्रतिपूर्ण	19वीं	
गहनों के नाम व काव्य	,,	1	16 × 12 × —	संपूर्ण 34 छंद	,,	
ऐतिहासिक साहित्यिक	,,	19	14 × 18 × 17 × 16	,, 154 छंद	,,	
श्रृंगारिक	रा.	2	24 × 11 × 12 × 28	,, 25 पद	18वीं	
चूहों पर हास्य व्यंग काव्य	,,	3	22 × 10 × 10 × 23	,, ,,	20वीं	
साहित्यक काव्य	,,	8	26 × 12 × 11 × 43	अपूर्ण (शिशिर 5वें सर्गतक)	19वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
20	कुंथुनाथ 19/3	ऐतिहासिक वर्षावली	Aitihāsika Varṣāvalī	—	गद्य तालिका
21	के.नाथ 29/97	,, ,	,, ,,	—	,,
22	सेवामंदिर गु.ति. 6	कथा-संग्रह	Kathā Saṅgraha	संकलन	ग.
23	कोलड़ी 854	कबीर की साखियाँ	Kabīra kī Sākhiyān	कबीरदास	प.
24	कुंथुनाथ 10/178	कर-संवाद	Kara Saṁvāda	मु. लावण्यसमय	,,
25	के.नाथ 17/16	कर्कराज शासन-पत्र	Karkarāja Śāsanapatra	—	ग.प.
26	,, 5/11A	कला-विलास	Kalā Vilāsa	व्यासक्षेमेन्द्र	मू.प.
27-34	कुंथुनाथ 12/203 13.14/49-51, 33/44-45, 3/72	कविता-संग्रह 8 प्रतियां	Kavitā Saṅgraha 8 copies	भिन्न 2	प.
35	कोलड़ी गु.10.7	कहावतों के दोहे	Kahāvaton ke Dohe	संकलन	,,
36	सेवामंदिर 6 इ 24	कागड़ा बालोछ ढाणी की वार्ता	Kagaḍā Bālccha Ḍhāṇī kī Vārtā	—	ग.
37	कोलड़ी गु. 2/1	कार्पासिक नीति-शास्त्र	Kārpāsika Nītiśsātra	—	प.
38	के.नाथ 18/55	काव्य-सूक्तावली	Kāvya Sūktāvalī	—	तालिका
39	ओसियां 6 इ 5	किरातार्जुनीय-सटीक	Kirātā juniya +Tīkā	भारवि/मल्लिनाथसूरि	मू.वृ. (ग.प.)
40	कोलड़ी 713	,,	,,	भारवि	मू.प.
41	के.नाथ 22/26	,, -सटीक	,, +Tīkā	भारवि/	मू.वृ. (प.ग.)
42	ओसियां 6 इ 9	,, ,,	,,	भारवि/मल्लिनाथ	,,
43	के नाथ 7/45	,,	,,	,,	मू प.
44	ओसियां 6 इ 7	,,	,,	,,	मू.ट (प.ग.)
45-6	के.नाथ 25/26, 7/5	,, -सटीक 2 प्रतियां	,, +Tīkā 2 copies	,, /-	मू.वृ. (प.ग)
47	सेवामंदिर 6 इ 14	,, -की टीका	,, ki Tīkā	मल्लिनाथ	ग.
48	ओसियां 6 इ 6	,, ,,	,, ,,	—	,,
49	कोलड़ी 988	,, ,,	,, ,,	मल्लिनाथसूरि	,,
50	के नाथ 2/17	कुमारसंभव-सटीक	Knmāra Sambhava Tīkā	कालिदास/-	मू.टी. (प.ग.)
51	,, 10/104	,, -सावचूरि	,, +with Avacūri	,, /-	मू.अ. ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
किलों शहरों राज्यों के संवत्	रा.	3	18 × 15 × 13 × 14	प्रतिपूर्ण	1793	मध्ययुगीन
राजा व नगरों के संवत्	,,	2	25 × 11 × 11 × 30	,,	19वीं	802 से 1786 [illegible] (गुजरात व राज. के)
बोधक-कथायें	,,	150	14 × 15 × 17 × 22	त्रुटक	,	पन्ने बिना क्रम के
औपदेशिक साहित्यिक	हिन्दी	11	29 × 12 × 21 × 48	संपूर्ण 31 विषयसांग 591 दोहे	,,	
बायें व दाहिने हाथ का वादविवाद	मा.	3	26 × 11 × 13 × 42	,, 69 छंद	,,	
ऐतिहासिक वृत्तांत	सं.	3	30 × 16 × 14 × 30	,,	,,	राजपुत्रदत्तिवर्मा द्वारा दिया गया
सुभाषितानि	,,	7	27 × 11 × 21 × 66	,, 10 सर्ग ग्रं. 676	17वीं	पहिला पन्ना कम है
साहित्यिक रचनायें	डि.	1,1,1,1 2,1,1,1	भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	19/20वीं	स्फुट लघु ग्रन्थ
,, नैतिक काव्य	रा.	गु.	19 × 15 × 14 × 27	,, प्रपर्याप्त	1767	समस्यापूर्ति
लोककथा	,,	6	22 × 15 × 15 × 33	संपूर्ण	1856 जीवाण	
नीतिशास्त्र	सं.	गु.	14 × 9 × 9 × 16	,, 8 अध्याय 135 श्लोक	1666	
श्लोकों की आदि गाथायें अकारादिक्रम से	,,	5	26 × 12 × 30 × 68	प्रतिपूर्ण	19वीं	
ऐतिहासिकमहाकाव्य	,,	142	26 × 13 × 17 × 48	संपूर्ण 18 सर्ग	17वीं	
,,	,,	60	22 × 11 × 11 × 40	,, ,,	1725	
,,	,,	128	26 × 11 × 4 × 42	,, ,,	1785	
,,	,,	139	26 × 12 × 17 × 52	,, ,,	1854विक्रमपुर बखतसुन्दर	
,,	,,	52	25 × 11 × 13 × 33	,, 19 सर्ग	1854	
,,	,,	36	28 × 13 × 10 × 46	अपूर्ण 11वें सर्ग तक	16वीं	
,,	,,	232, 140	29 × 13 व 25 × 11	,, 16/17 सर्ग तक	18/19वीं	
,,	,,	12	29 × 14 × 17 × 40	,, प्रथम सर्ग + मात्र	16वीं	
,,	,,	33	26 × 12 × 17 × 64	,,	17वीं	जीर्ण,पन्ने चिपक गये हैं
,,	,,	115	31 × 15 × 17 × 52	संपूर्ण 18 सर्ग	19वीं	
साहित्यिक महाकाव्य	,,	45	29 × 11 × 10 × 34	,, 8 सर्ग	1541	[illegible] या 8वें सर्ग 60 श्लोक तक हैं
,,	,,	38	26 × 12 × 10 × 31	,, 7 सर्ग	16वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2.	3	3 A	4	5
52-3	कोलड़ी 716-7	कुमारसंभव 2 प्रतियां	Kumāra Sambhava 2 copies	कालिदास	मू प.
54	ओसियां 6 इ 28	,,	,,	,,	,,
55-8	के नाथ 22/49, 7/9,22/28, 7/27	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
59-60	के.नाथ 22/29, 6/99+ 22/10	,, -सटीक 2 प्रतियां	,, +Tikā 2 copies	,, /मल्लिनाथ	मू.+वृ (प.ग)
61	सेवामंदिर गु ति-5	कृपण-दर्पण	Kṛpaṇa Darpaṇa	—	प.
62	मुनिसुव्रत 3 इ 318	केशव-सुभाषित	Keśava Subhāṣita	केशवदास	,,
63	के.नाथ 29/64	कोकसार	Kokasāra	आनन्द	,,
64	कोलड़ी गु 11/4	,,	,,	,,	,,
65	कुंथु 31/12	,	,,	,,	,,
66	कोलड़ी गु 9/7	कोकमंजरी	Kokamañjarī	—	,
67	,, 768	कोकशास्त्र	Kokaśāstra	कोकदेव	ग.
68-9	कुंथु 44/8, 44/4	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
70	कोलड़ी 1315	खटमल व पोसती-रास	Khaṭamala & Posatī Rāsa	—	प.
71	,, गु 6/1	खुमाणसिंह बारहमासा	Khumāṇasiṁha Bārahamāsā	खुमाणसिंह	,,
72	,, पुट्ठा 55 में बिना नम्बर	गाहाकोश	Gāhākośa	वीरभद्र ?	मू.प.
73	कुंथु. 4/91	गंगातेली-कथा	Gāṅgā Tailī Kathā	—	ग.
74	कोलड़ी 262	,,	,,	—	,,
75	के नाथ 29/85	,,	,,	—	,,
76	सेवामंदिर 2/380	गुणसागर	Guṇa Sāgara	दौलु	,,
77	,, ति. गु. 4	गोरमजी की गजल	Goramjī kī Gajala	कविप्रेम	प.
78	के.नाथ 9/41	गोराबादल-चरित्र	Gorā Bādala Caritra	वाचक हेमरत्न	,,
79	कुंथु 42/6	,, -चौपई	,, Caupaī	—	,,
80	,, 40/2	चन्द्रकुमार की वार्ता	Candrakumāra kī Vārtā	—	,,
81	सेवामंदिर ति गु 4	,, ,,	,, ,,	खुमाणरसक हंसकविराय	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक महाकाव्य	सं.	26,27	25 × 10 × 13 × 36	संपूर्ण 8/7 सर्ग	1759/19वीं	
,,	,	37	25 × 11 × 8 × 33	,, 7 सर्ग	1801 विक्रमपुर बखतसुन्दर	
,,	,,	29,44 35,13	24 से 26 × 11 से 12	अंतिम प्रति अपूर्ण शेष संपूर्ण	1802 व 19वीं	दूसरी प्रति में टब्बार्थ भी है
,,	,,	30,98	25 से 28 × 11 से 12	प्रथम अपूर्ण द्वितीय पूर्ण	19वीं/1823	
कंजूस पर व्यंग	रा.	2	16 × 10 × 22 × 17	सपूर्ण 44 गा.	17वीं	
नीति विषयक भी	हि	5	24 × 11 × 15 × 38	अपूर्ण 63 छंद	18वीं	
पुरुष-स्त्री रतीशास्त्र	रा.	8	16 × 21 × 19 × 20	संपूर्ण	1835	
,,	,,	गु.	12 × 11 × 16 × 15	अपूर्ण	1758	
,,	,,	7	16 × 23 × 22 × 19	,, 106 गा.	19वीं	
,,	,,	गु.	12 × 10 × 10 × 17	,, 28 छंद	1915	
,,	,,	10	26 × 11 × 15 × 48	(?)	19वीं	
,,	,,	18,17	22 × 16 व 16 × 12	अपूर्ण	,,	पहिली प्रति में औषधादि भी
साहित्यिक कवितायें (दो)	,,	1	25 × 11 × 18 × 60	संपूर्ण 37+15 छंद	,,	
श्रृंगारिक कविता	,,	गु.	21 × 14 × 23 × 20	,, 28 छंद	1870	
,,	प्रा.	1	34 × 13 × 14 × 62	,, 40 गाथा	15वीं	
लोककथा	सं.	1	26 × 11 × 14 × 56	,,	19वीं	
,,	,,	1	17 × 9 × 11 × 31	अपूर्ण	1932	(साथ में 2 पत्र रामायण के)
,,	मा.	1	26 × 11 × 13 × 48	,,	19वीं	
सुभाषित संग्रह	रा.	11	16 × 13 × 9 × 22	संपूर्ण	1956 जोधपुर आसकरण	1921 की कृति
गोरखनाथ धाम व यात्रा वृत्तांत	हिं.	4	17 × 11 × 20 × 11	,, 28 गा.	1892	1837 की कृति
ऐतिहासिक वार्त्ता	,,	30	26 × 11 × 14 × 40	,, 738 गा.	19वीं	
,,	मा.	44	26 × 11 × 14 × 32	अपूर्ण 888 गा	,,	
लोककथा	रा.	7	15 × 26 × 30 × 25	संपूर्ण 87 गा.	1831	
,,	,,	12	17 × 11 × 22 × 10	,, 89 गा.	1892	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
82	कोलड़ी 9/13	चन्द्रकुमार की वार्त्ता	Candrakumāra kī Vārtā	खुमाण रसकहंस कविराय	प.
83	कुंथुनाथ 54/1	,, की कथा	,, kī Kathā	—	ग.
84	ओसियां 6 इ 38	चाणक्य-नीति	Cāṇakya Nīti	चाणक्य	मू ट. (प.ग.)
85	,, 6 इ 8	,,	,,	,,	मू.प.
86	कोलड़ी 1093	,, लघु व बृहत् नीतिशास्त्र	,,	,,	मू ट.(प.ग.)
87	सेवामंदिर 5 आ 6	,, ,,	,,	,,	मू प.
88	कुंथुनाथ 16/1	,, ,	,,	,,	,,
89	,, 44/1	,, लघुनीति सानुवाद	,,	,, /भावनादास	मू बा (प.)
90-2	,, 33/9, 35/40, 19/1	,, ,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	मू.प
93-5	के.नाथ 15/181 16/25, 15/138	,, नीति ,,	,, ,,	,,	,,
96	सेवामंदिर 6 इ 45	चांपावत भाटियोंरी कमाल	Cāmpāvata Bhātiyon Rī Kamāla	—	पद्य
97-8	के.नाथ 26/60. 92	चित्तौड़गढ़ गजल 2 प्रतियां	Cittauḍa Gaḍha Gajala 2 copies	खेतलजैनयति	,,
99	मुनिसुव्रत 6 इ 43	जखड़ी	Jakhaḍī	—	,,
100	के.नाथ 26/93	जगदेव परमार की वार्त्ता	Jagadeva Paramāra ki Vārtā	"कविश्वर"	ग.
101	सेवामंदिर गु ति. 4	,, ,,	,, ,,	,,	,,
102	,, दे गु 4	जमाल-श्रृंगार	Jamāla Śṛṅgāra	मोहनोतचन्द्र सेन	प.
103	के नाथ गु. 2	जलाल गाहाणी की वार्ता	Jalāla Gāhāṇī kī Vārtā	—	ग.
104	मुनिसुव्रत 3 इ 32	जीभ-दांत विवाद	Jibha-dānta Vivāda	—	प.
105	कोलड़ी गु 11/10	डाकोर रणछोड़जी रोशिलोको	Dākora Raṇachoḍajī Śiloko	—	,,
106	के.नाथ गुटका 10	ढोला-मारवणी-चौपाई	Ḍholā Māravaṇī Caupai	वाचक कुशललाभ	,,
107	कोलड़ी गु. 12/8	,,	,,	—	,,
108	कुंथुनाथ 54/4	,, के दोहे	,, ke Dohe	—	,,
109	के.नाथ गु. 2	दाढाला बाराह भूंडण की वार्त्ता	Dāḍhālā Bāraha Bhūṇḍaṇa kī Vārtā	"कवीश्वर"	ग.
110	कोलड़ी गु 6/1	,, ,,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
लोककथा	रा.	19	15 × 11 × 10 × 16	अपूर्ण 54 छद	19वीं	1740 की कृति
,,	,,	50	17 × 13 × 12 × 7	संपूर्ण	1922	अंत में गिदोली कथा बिल्कुल अपूर्ण
राजनीति-शास्त्र	सं.	32	18 × 10 × 5 × 22	,, 8 अध्याय	16वीं	
,,	,,	37	23 × 14 × 18 × 15	,, 534 श्लोक	17वीं	
,,	सं.मा.	36	22 × 11 × 5 × 33	अपूर्ण पहिले 3 पत्रे कम	1847	
,,	सं.	10	22 × 11 × 10 × 42	बृहत् के 4 अध्याय लघु पूरे 8	19वीं	
,,	,,	8	26 × 14 × 17 × 46	लघु के 7 व बृहत् के पूरे 8 अध्याय	1939	
,,	सं.हि.	20	14 × 17 × 14 × 24	पहिले 2 पत्रे कम/ लगभग पूर्ण	1936	
,,	सं.	6,15,7	17 से 28 × 11 से 15	प्रथम 2 पूर्ण अंतिम अपूर्ण	20वीं	
,,	,,	11,4 8	24 से 26 × 11 से 12	अपूर्ण	1850 से 20वीं	
ऐतिहासिक काव्य	डि.	6	17 × 12 × 10 × 21	संपूर्ण 29 छंद	19वीं × गेनचंद	
गढ-वृत्तान्त	मा.	4,4	23 × 11 × 15 × 30	,,	19/20वीं	
कृष्ण-रुक्मिणी ब्याह	डि.	3	25 × 10 × 13 × 38	,,	18वीं	
शौर्यसत्य पर जीवन।	रा.	32	20 × 15 × 23 × 22	,,	1814	12वीं सदी की धारा नगरी
,,	,,	60	17 × 11 × 20 × 10	,,	1892	बीच 2 में दोहे
स्त्री शृंगार	,,	6	15 × 11 × 7 × 21	,, 16 गाथा	1822	
ऐतिहासिक कथा	,,	24	22 × 18 × 14 × 27	,,	1813	
साहित्यिक कल्पना	,,	1	23 × 10 × 10 × 28	,, 9 गाथा	19वीं	
लोककथा	,,	गु.	15 × 13 × 9 × 19	,,	1834	रजपूत विजैनंद की कथा
प्रसिद्ध लोक गीत	मा.	23	20 × 12 × 20 × 31	,, 819 छंद	1755	1677 या 17 की कृति
,,	,,	गु.	19 × 12 × भिन्न 2	अपूर्ण	19वीं	जीर्ण
,,	,,	,,	17 × 14 × 11 × 18	संपूर्ण 454 दोहा	1828	
साहित्यिक वीर-कथा	डि.	13	22 × 18 × 14 × 27	संपूर्ण	1814	
,,	,,	गु.	21 × 14 × 23 × 20	अपूर्ण	1870	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
111	सेवामंदिर गु ति 4	दाढाला बाराह भूंडण की वार्त्ता	Dāḍhāḷā bārāha Bhūṇḍaṇa kī vārtā	"कवीश्वर"	ग.
112	के नाथ 29/88	दिनदरवेश की कुंडलिया	Dinadarveśa kī Kuṇḍaliyā	दिनदरवेश	प.
113	सेवामंदिर गु दे. 5	देवीदास राजनीति-कवित्त	(Devīdāsa) Rajanītikavitta	देवीदास	,,
114	के नाथ 22/43	नवरत्न काव्य कवित्त सानुवाद	Navaratnakāvya Kavitta	—	मू.बा. (प.)
115	,, 10/55	नन्दबत्तीसी के दोहे	Nandabattīsī Ke dohe	नरपति	प.
116	कुंथुनाथ 45/4	नन्दबहुत्तरी	Nanda Bahuttarī	जसराज	,,
117	के नाथ 17/32	नायिकाभेद व नीतिपद्य	Nāyikābheda & Nīti Padya	संकलन	,,
118	औसियां 6 इ 40	नीति शृंगार वैराग्य-शतक	Nīti Śṛṅgāra Vairāgya Śataka	भर्तृहरि	,,
119	,, 5 आ 2	,, ,,	,,	,,	,,
120	के नाथ 22/17	,, ,,	,,	,,	,,
121	,, 16/44	,, -शतक सटीक	,, Śataka+Tīkā	,, /व्यास पुवकरदास	मू+वृ (प.ग.
122-3	,, 21/49 22/508/2	नीति-शतक 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
124	सेवामंदिर 5 आ 5	,,	,,	,,	मू प.
125	औसिया 5 आ 3	,,	,,	—	मू प.
126	के.नाथ 27/40	नैषधीय-चरित्र	Naiṣadhīya Caritra	श्रीहर्षकवि	मू ट. (प.ग)
127	कोलड़ी 1246	,,	,,	,,	मू.प.
128	के नाथ 26/66	,,	,,	,,	,,
129	कोलड़ी 1249	,, -महाकाव्य की वृत्ति	,, Mahākāvya kī Vṛtti	जिनराजसूरि	ग.
130	,, 996	पत्र पारूप	Patra Prārūpa	—	,,
131	कुंथुनाथ 4/106	,,	,,	—	,,
132	,, 45/7	,,	,,	—	,,
133	कोलड़ी गु 10/5	परमार्थ-शतक	Paramārtha Śataka	चौधरी	प.
134	,, गु. 1/1	पहेली-संग्रह	Pahelī Saṅgraha	संकलन	,,
135	,, गु. 11/6	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक वीर कथा	डिं.	17	17 × 11 × 20 × 19	संपूर्ण	1892	
,, व भक्ति	हिं.	3	21 × 11 × 17 × 42	,, 40 कुंडलिया	19वीं	
राजनीति साहित्य	डिं.	50	16 × 12 × 9 × 13	,, 122 छंद	1903	
नीति विषयक श्लोक	सं.हिं.	4	23 × 12 × 10 × 28	,, 9 का०	19वीं	
साहित्यिक धार्मिक	डिं.	4	26 × 12 × 16 × 45	,, 116 पद	,,	
,,	रा.	गु.	17 × 14 × 11 × 18	,, 73 छंद	1828	
शृंगार व नीतिकाव्य	हिं.	30	31 × 16 × 13 × 34	प्रतिपूर्ण	19वीं	
प्रसिद्ध शतक त्रय	सं.	16	26 × 10 × 16 × 55	संपूर्ण 107, 101, 125 श्लोक	1641	(देखें 'वैराग्यशतक भी)
,,	,,	18	27 × 11 × 13 × 43	,, ,,	1708, पाटण सोमगणि	
,,	,,	77	26 × 12 × 4 × 37	, 105,102 109 श्लोक	19वीं	
,,	,,	51	26 × 11 × 13 × 29	नीति संपूर्ण शृंगार 40 तक	,,	टीका सुखबोधिनी नाम्नी
,,	,,	17,20	28 × 13 × 7 × 32	संपूर्ण 109/108 श्लोक	,,	
,,	,,	9	26 × 11 × 10 × 28	अपूर्ण 22 से 95 श्लोक	,,	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 51	,, 17 श्लोक	20वीं	
,,	,,	101	26 × 11 × 10 × 30	संपूर्ण 22 सर्ग, श्लोक 5250	1643	
,,	,,	102	25 × 11 × 15 × 52	लगभग पूर्ण 22/140 तक	17वीं	
,,	,,	81	26 × 11 × 15 × 52	अपूर्ण बीच के 5 से 85 पत्र	18वीं	
,,	,,	195	25 × 11 × 13 × 48	,, 6 सर्ग तक	19वीं	
राजा गुरु आदि को लिखने के नमूने उपमादि	,,	3	31 × 15 × 14 × 52	संपूर्ण 35 प्रकार के पत्रों के	,,	
,,	,,	1	26 × 13 × 12 × 44	प्रतिपूर्ण	,,	
,,	,,	1	लम्बारोल 15 से. चौड़ा	,,	,,	
नैतिक साहित्यिक	मा.	गु.	19 × 13 × 13 × 23	संपूर्ण 101 गा.	1884	
साहित्यिक	,,	30	13 × 10 × 11 × 20	अपूर्ण शताधिक	1783	
,,	,,	गु.	15 × 9 × 7 × 14	16 पहेलियां	19वीं	* सार्थ

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2*	3	3 A	4	5
136	कोलड़ी 993	पहेली-संग्रह	Pahelī Saṅgraha	संकलन	प.
137	,, 1261	पंच-तन्त्र	Pañcatantra	विष्णु शर्मा	मू.
138	,, 1105	,,	,,	,,	मू प.
139	के नाथ 15/188	,, सहबालावबोध	,, +Bālāvabodha	,, /-	मू.+बा.
140	,, 16/2	,, का पद्यानुवाद	,, kā Padyānuvāda	मेरुसूरि का शिष्य	प.
141	कोलड़ी गु. 11/9	,, -भाषा	,, Bhāṣā	(मू. हितोपदेश से)	ग.
142	के नाथ गु. 20	पंचसहेली-वार्ता	Pañca Sahelī Vārttā	छीहल	प.
143	कोलड़ी गु.2/3	,,	,,	,,	,,
144	,, 1319	,,	,,	,,	,,
145	के नाथ गु. 26/103	पुरुष 72 कला स्त्री 64 गुण	Puruṣa 72 kalā Strī 64 Guṇa	—	ग.
146	ओसियां 6 इ 12	पुष्करणों की उत्पत्ति	Puṣkaraṇon kī Utpatti	—	,,
147	सेवामंदिर 6 इ 44	पोसती-रास	Posati Rāsa	वखत	प.ग.
148	के.नाथ 17/4	प्रबोधचन्द्रोदय	Prabodha Candrodayā	कृष्णमिश्र	मू नाटक
149	,, 9/42	प्रश्नषष्टिशतकम्	Praśna Ṣaṣṭi Śatakam	जिनवल्लभ	पद्य
150	सेवामंदिर गु.ति.5	प्रीत के दोहे, परिहा व पद	Prītake Dohe Parihā & Pada	संकलन	प.
151	कोलड़ी 1312	प्रीत सखी के दोहे	Prīta Sakhī ke Dohe	—	,,
152	के.नाथ 26/103	फूहड़ स्त्री रास	Phūhaḍastrī Rāsa	जयदेव	,,
153	सेवामंदिर गु दे. 4	बारहमासा	Bāraha Māsā	काजीहमीद	,,
154	कोलड़ी 272	,,	,,	,,	,,
155	,, गु. 7/7	बावनी (कुंडलिया+कवित्त)	Bāvanī	मुनि धर्मसिंह	,,
156	सेवामंदिर गु.दे.15	बांकीदास-ग्रंथावली	Bāṅkīdāsa Granthāvali	कवि बांकीदास	,,
157	,, गु.ति. 4	बिरद शृंगार	Birada Śṛṅgāra	कविया करणीदान	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
समस्या सुभाषित श्लोक	सं.	2	27 × 13 × 17 × 45	प्रतिपूर्ण 78 श्लोक	19वीं	
साहित्यिक बोध कथायें	,,	152	22 × 16 × 17 × 32	संपूर्ण 5 तन्त्र	1788	
,,	,,	3	24 × 12 × 14 × 36	अपूर्ण 75 श्लोक मात्र	19वीं	
,,	सं.मा.	11	25 × 11 × 17 × 60	,, 143 श्लोक तक	18वीं	
,,	मा.	68	26 × 11 × 14 × 38	त्रुटक (श्लोक 1902/ग्रं. 4600	19वीं	1522 की कृति
,,	हिं	गु.	19 × 14 × 14 × 20	संपूर्ण चारों विभाग	1784विक्रमपुर	
शृंगारप्रधान लोक-कथा	रा.	10	20 × 15 × 14 × 25	,, 163 गाथा	1754	1575 की कृति
,,	,,	गु.	15 × 12 × 12 × 22	,,	1762	,,
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 28	,, 63 गाथा	1802	प्रथम पन्ने पर राम सिलोको (श्लोक)
साहित्यिक	,,	1	25 × 12 × 20 × 56	,,	18वीं	
जाति उत्पत्ति व्यंग	,,	1	43 × 11 × 18 × 65	,,	20वीं	
साहित्यिक काव्य	,,	8	26 × 11 × 10 × 36	,,	19वीं	(देखें खटमल व पोसतीरास)
,, कृति	सं.	28	30 × 16 × 13 × 40	,, 6 अंक	,,	
,, ,,	,,	11	26 × 11 × 12 × 37	,, 162 श्लोक (प्रथम पन्ना कम)	,,	श्लोक में ही प्रश्नोत्तर
प्रेमपत्री नीति व स्फुट	मा.	19	16 × 10 × 33 × 19	प्रतिपूर्ण 256 कुल पद	1764	
,,	,,	3	25 × 11 × 17 × 48	,, 141+18 दोहे	19वीं	
स्त्री-लक्षण	,,	2	25 × 12 × 20 × 56	,, 33 गाथा कुल	18वीं	अंत में तंबाखू गीत
विरहिणी गीत	हिं.	26	15 × 11 × 8 × 15	संपूर्ण 122 गाथा	1823	प्रथम 6 दोहे कम
,,	,,	35*	26 × 11 × 22 × 58	,, 95 गा.	1732	
साहित्यिक औपदेशिक	मा.	गु.	22 × 16 × 20 × 30	,, 52 कुंडलिया+57 कवित्त	19वीं	
सिंह छत्तीसी, सूर-छत्तीसी, कृपण-पच्चीसी, वचनविवेक पच्चीसी, वणिक-वार्त्ता, मोहमर्दन	डिं.	12	15 × 10 × 27 × 19	अपूर्ण 15 में से केवल 7 ग्रंथ क्रमांक 9 से 15	1939	
ऐतिहासिक काव्य महाराज अभयसिंह जोधपुर हेतु	डिं.	21	17 × 11 × 18 × 10	संपूर्ण 134 गा.	1892	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
158	कोलड़ी गु. 10/7	बिहारी सतसई	Bihārī Satasaī	कवि बिहारीलाल	प.
159	सेवामंदिर गु.दे.21	,,	,,	,,	,,
160	कोलड़ी 1145	,,	,,	,,	,,
161	,, 1272	,,	,,	,,	,,
162	के.नाथ 29/63	,, -सटीक	,, with Tikā	बिहारी/सूरतिमिश्र	मू.टी (प.ग.
163	कोलड़ी 1256	,, -सटीक सानुवाद	,, ,,	,, /-	,, (बा.)
164	के.नाथ 27/50	,,	,,	बिहारी	मू.प.
165	औसियां 6 इ 16	,, -सूचनिका	,, Sūcanikā	—	ग.
166	के.नाथ गु. 26/103	बिंजा सौखी के दोहे	Biñjā Saukhī ke dohe	कवि बिंजा	प.
167	कोलड़ी गु. 11/9	बीकानेर की गजल	Bikānera kī Gajala	उदेचंद	,,
168	,, गु. 6/1	बीका सोरठ की वार्त्ता	Bīkā Soraṭha kī Vārttā	—	ग.
169	के.नाथ 29/89	बुढ्ढा-रास	Buḍḍhā Rāsa	—	प.
170	औसियां 6 इ 17	बुढ्ढे का चौढालिया	Buḍḍhe kā Cauḍhāliyā	—	,,
171	कोलड़ी 1268	भट्टिकाव्य	Bhaṭṭi Kāvya	भट्टिकवि	,,
172	,, 1191	,, -सटीक	,, with Tikā	भट्टिकवि/जयमंगल	मू.टी (प.ग.)
173	औसियां 6 इ 20	भामिनीविलास	Bhaminī Vilāsa	जगन्नाथ	मू.प.
174	,, 6 इ 30	,,	,,	,,	,,
175	सेवामंदिर गु.दे.4	भाषा ग्रन्थ	Bhāṣā Grantha	छाजुराम	पद्य
176	के नाथ 17/33	भाषा-मण्डन	Bhāṣā Maṇḍana	—	ग.
177	,, 17/15	भूगोल व इतिहास	Bhūgola & Itihāsa	—	,,
178	कोलड़ी गु. 11/5	भोज, माघ व बुढिया की कथा	Bhoja Māgha & Buḍhiyā kī Kathā	—	,,
179	कुंथुनाथ 13/221	,,	,,	—	,,
180	कोलड़ी गु 10/5	भ्रमविहंडरा	Bhrama-vihaṇḍaṇa	—	प.
181	औसियां 6 इ 11	मजालिस	Majālisa	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
शृंगारिकसाहित्यिक	हिं.	गु.	19 × 15 × 14 × 27	दोहे 70 से 710 तक	1767	
,,	,,	54	23 × 16 × 18 × 15	संपूर्ण 710 दोहे	1793	अंत में कवि आलम के 8 कवित्त
,,	,,	23	25 × 11 × 14 × 40	लगभग पूर्ण 16 से 702 तक	18वीं	प्रथम व अंतिम पत्रा नहीं
,,	,,	56	20 × 15 × 18 × 27	संपूर्ण 699 दोहे	1869	
,,	,,	75	21 × 13 × 20 × 14	त्रुटक 3-4 प्रतियों के पत्र	19वीं	टीका अमर चंद्रिका नाम्नी अकारादिक्रम से सूची भी है
,,	,,	गु.	15 × 15 × 18 × 26	अपूर्ण 349 से 709 अंत तक	,,	संपूर्ण के ग्रंथाग्र 4505 थे
,,	,,	26	25 × 11 × 15 × 45	बिल्कुल अपूर्ण	,,	
आलोचनात्मक अध्ययन	रा.	7	28 × 13 × 19 × 55	संपूर्ण	18वीं	
साहित्यिक-कृति	डि.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 62 दोहे	,,	
वृत्तान्त	रा.	11	17 × 14 × 14 × 23	,,	1784	
ऐतिहासिक-काव्य	,,	गु.	21 × 14 × 23 × 20	अपूर्ण	1870	
वृद्ध विवाह पर व्यंग	,,	3	21 × 11 × 21 × 48	संपूर्ण	19वीं	
वृद्धावस्था दुःख	,,	4	26 × 12 × 16 × 50	,,	1836	
रामकथा-साहित्यिक	सं.	5	27 × 13 × 19 × 35	अपूर्ण प्रकीर्ण काण्डे तृतीय सर्ग	19वीं	
,,	,,	50	33 × 14 × 13 × 50	,, ,,	,,	
साहित्यिक कृति	,,	13	26 × 12 × 13 × 42	संपूर्ण 4 विलास श्लो.283	1823 विक्रमपुर वखतसुंदर	
,,	,,	19	27 × 13 × 10 × 39	,,	19वीं	
सात भाषा, सात कवित्त	भिन्न 2	3	15 × 15 × 9 × 18	प्रतिपूर्ण 7 पद	1823	सिरोही, गुजराती, मेवाड़ी, पंजाबी, थली ढुंढाडी, मारवाड़ी
भाषा उपयोगितादि	डि.	6	30 × 16 × 15 × 38	संपूर्ण	19वीं	
वैष्णव शास्त्रों व आम्नायानुसार	सं.	4	30 × 16 × 18 × 82	प्रतिपूर्ण	,,	जंबूद्वीप राजा आदि जानकारी
लोककथा-तात्त्विक	रा.	गु.	15 × 11 × 14 × 14	संपूर्ण	,,	
,,	,,	1	26 × 11 × 11 × 48	,,	,,	
साहित्यिक कृति	मा.	गु.	19 × 13 × 13 × 23	अपूर्ण 75 गा.	1884	
,, वार्त्ता	हिं.	2	25 × 10 × 14 × 49	प्रतिपूर्ण	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
182	कुंथुनाथ 45/4	मदनकुमार शतक-वार्त्ता	Madanakumāra Śataka Vārttā	—	ग प.
183	कोलड़ी गु 2/1	मदनयुद्ध	Madana Yuddha	—	प.
184	कुंथुनाथ 41/1	मधुमालती-चौपई	Madhu Mālatī Caupaī	कायस्थ चतुर्भुज	,,
185	केनाथ 29/66	,, -प्रबन्ध	,, Prabandha	—	,,
186	कोलड़ी गु 9/2	,, -चौपई	,, Caupaī	—	,,
187	कुंथु 48/1	मारवाड़ का इतिहास	Māravaḍa kā Itihāsa	—	ग.
188	कोलड़ी गु. 10/5	,,	,,	—	,,
189	केनाथ 29/86	मारुवणी-मेवाड़ी संवाद	Māruvaṇī Mevāḍī Saṁvāda	—	प.ग.
190	कोलड़ी 964	मांधाताराजा-उत्पत्ति कथा	Māndhātā Rājā Utpatti Kathā	—	ग.
191	,, गु. 2/3	मूर्खप्रकार	Mūrkha Prakāra	—	,,
192	केनाथ 16/3	मेघदूत	Meghadūta	कालिदास	प.
193	ग्रौसियां 6 इ 32	,,	,,	,,	,,
194	केनाथ 1/35	,,	,,	,,	,,
195	,, 14/82	,,	,,	,,	,,
196	कोलड़ी 984	,, सावचूरी	,, with Avacūri	,,	मू × अ (प.ग)
197	महावीर 6 इ 21	,,	,,	,,	मू+ट (प.ग.)
198	कोलड़ी 714	,, सावचूरी	,, ,,	,,	मू+अ (प.ग.)
199-201	केनाथ 24/18, 17,13/48	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	मू.प.
202	ग्रौसिय 6 इ 26	,, सटीक	,, with Tīkā	कालिदास/मल्लिनाथ	मू+टी(प.ग.)
203	कोलड़ी 1043	,,	,,	,,	मू प.
204	,, 715	,, की टीका	,, kī Tīkā	मल्लिनाथ	गद्य
205	के.नाथ 14/79	,, पंजिका	,, Pañjikā	—	,,
206	कोलड़ी 1241	मेड़तिया जालमसिंह की कमाल	Meḍatiyā Jālamasiṁha kī Kamāla	चारण हेमराज	प.ग.
207	कुंथु. 13/220	,, शेरसिंह का शिलोका (श्लोका:)	,, Śerasiṁha kā Śīlokā	—	प.
208	कोलड़ी गु 6/1	मेवाड़-रास	Mevāḍa Rāsa	जिनेन्द्र	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक वार्त्ता	हिं.	गु.	17 × 14 × 11 × 18	संपूर्ण 110 दोहे सहित	1828	
,,	रा.	,,	14 × 9 × 9 × 16	,,	1666	
,, महाकाव्य	,,	53	13 × 13 × 17 × 26	,, 883 गा.	1825	
,,	,,	22	22 × 10 × 15 × 60	प्रथमबंध पूर्ण	1764	
,,	,,	गु.	21 × 13 × 11 × 25	अपूर्ण 69 छंद	19वीं	अपरनामरसिक-मालती
इतिहास भारतीय संदर्भ में	,,	49	15 × 13 × 10 × 15	संपूर्ण	1770	
,,	,,	40	19 × 13 × 13 × 23	अपूर्ण	1884	
दूल्हा-दुल्हिन संवाद	डिं.	1	25 × 10 × 20 × 84	संपूर्ण 67 छंद	19वीं	
गर्भ-संक्रमण पर कथा	रा.	2	25 × 12 × 12 × 43	,,	1874	
साहित्यिक	,,	गु.	15 × 12 × 12 × 22	,, 90 प्रकार	1762	
,,	सं.	16	26 × 11 × 11 × 31	,,	1597	
,,	,,	9	26 × 11 × 13 × 52	,, 124 श्लोक	16वीं	
,,	,,	17	26 × 11 × 7 × 37	,, 125 श्लोक	,,	
,,	,,	14	24 × 11 × 11 × 31	,, ,,	1637	भीगी हुई है
,,	,,	8	25 × 13 × 11 × 52	,, ,,	1642	
,,	,,	15	24 × 11 × 10 × 29	,, 124 श्लोक	1663 × कनकरत्न	
,,	,,	12	31 × 11 × 15 × 35	,, 127 श्लोक	1734	
,,	,,	7,9,7	26 × 12 × भिन्न 2	प्रथम दो संपूर्ण अंतिम प्रति अपूर्ण	1823 से 20वीं	प्रथम में टब्बार्थ भी है
,,	,,	38	25 × 11 × 15 × 43	संपूर्ण 121 श्लोक	19वीं विक्रमपुर बखतसुंदर	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 45	अपूर्ण 23 श्लोक मात्र	19वीं	
,,	,,	66	24 × 10 × 9 × 32	संपूर्ण 121 श्लोक	1727	संजीवनी नाम्नी
,,	,,	16	24 × 10 × 13 × 44	अपूर्ण 84 श्लोक तक	19वीं	
ऐतिहासिक वीर काव्य	डिं.	7	26 × 16 × 13 × 26	संपूर्ण	1813	
,,	मा.	2	26 × 11 × 16 × 44	अपूर्ण 30 गा.	19वीं	अंत में औषध + मंत्र
साहित्यिक ऐति	,,	गु.	21 × 14 × 23 × 20	संपूर्ण 12 छंद	1870	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2.	3	3 A	4	5
209	कोलड़ी 1250	रघुवंश	Raghuvaṁśa	कालिदास	मू.प.
210	के.नाथ 2/10	,,	,,	,,	,,
211	,, 14/81	,,	,,	,,	,,
212	कोलड़ी 711	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /मल्लिनाथ	मू टी. (प.ग
213	के.नाथ 14/80	,,	,,	,, —	,,
214	,, 2/12	,,	,,	,, /श्री विजयगणि	,,
215	महावीर 6 इ 46	,,	,,	कालिदास	मू प.
216	ओसियां 6 इ 3	,,	,,	,,	,,
217-20	कोलड़ी 709, 1084,1317, 710	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
221-3	के.नाथ 16/33, 22/1, 24/12	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,, मू टी.(प.ग.)
224	,, 27/60	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /मल्लिनाथ	,,
225-6	ओसियां 6 इ 31 53	,, ,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	ग.
227	कुंथुनाथ 25/4	,, -की टीका	,, ki Tikā	दिनकर मिश्र	,,
228	कोलड़ी 712	,, -की पंजिका	,, Pañjikā	वल्लभदेव	,,
229	के नाथ 29/58	,, -की टीका	,, Tikā	श्री विजयगणि	,,
230	कोलड़ी 1260	,, ,,	,, ,,	मल्लिनाथ	,,
231	के नाथ 29/60	,, ,,	,, ,,	,,	,,
232	,, 2/24	,, ,,	,, ,,	चरित्रवर्द्धन (खरतर गच्छी)	,,
233	,, 18/32	,, ,,	,, ,,	गुणविनय	,,
234	,, 24/15	,, दुर्घटपदव्याख्या	,, Durghaṭa Pada Vyākhyā	वैद्य कुंडराज	,,
235	,, 7/24	,, +कुमारसंभव+मेघदूत दुर्घटपदव्याख्या	,,+Kumāra Sambhava+Meghadūta	,,	,,
236	कोलड़ी गु. 3/1	रतनाहमीर की वार्त्ता	Ratanā Hamira ki Vārttā	—	प.
237	कुंथुनाथ 31/10	रसप्रवाह-रस	Rasa Pravāha Rasa	कविचंद	,,
238	,, 43/4	रस-मंजरी	Rasa Mañjari	भानुदत्त कवि	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक महाकाव्य	सं.	107	22 × 9 × 10 × 36	संपूर्ण 19 सर्ग ग्रं. 2200	1469	
,,	,,	97	27 × 11 × 11 × 36	,, 19वें के 56 श्लोक तक	1553	
,,	,,	88	27 × 11 × 11 × 39	,, 19 सर्ग	1642	जीर्ण प्रति
साहित्यिक ऐतिहासिक	,,	109	29 × 11 × 10 × 40	,, ,,	19वीं	
,,	,,	25	26 × 11 × 18 × 47	अपूर्ण 3/22 तक	17वीं	
,,	,,	45	25 × 11 × 13 × 36	,, सर्ग 16 से अंत तक	1730	पत्र 328 से 372 (अंत)
,,	,,	12	28 × 18 × 14 × 12	,, प्रथम सर्ग के 75 श्लोक	18वीं	
,,	,,	8	28 × 14 × 10 × 28	,, ,,	,,	
,,	,,	52,31, 5,12	23 से 25 × 11 से 12	,,	1890 से 20वी	प्रथम प्रति सावचूरि है
,,	,,	24,68 19	21 से 27 × 11 से 12	,,	19/20वीं	
,,	,,	9	27 × 12 × 15 × 45	,, केवल 57 श्लो. तक	19वीं	
,,	,,	41,28	25 × 11 व 28 × 13	,, मात्र 1/2 सर्ग	19/20वीं	
,,	,	80	26 × 11 × 17 × 60	प्रथम 6 पत्र कम बाकी संपूर्ण	17वीं	
,,	,,	119	26 × 10 × 19 × 60	संपूर्ण 19 सर्ग की	1762	
,,	,,	330	27 × 11 × 13 × 36	,, ,,	1819	रामविजय तपगच्छीय का शिष्य
,,	,,	146	26 × 12 × 15 × 48	,, ,,	1890 जोधपुर	
,,	,,	17	22 × 11 × 12 × 36	अपूर्ण 2 सर्ग तक ही	1884	
,,	,,	75	24 × 10 × 17 × 52	,, 9 ,,	17वीं	
,,	,,	9	24 × 11 × 16 × 53	,,	19वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 14 × 51	,, 12वें सर्ग तक	15वीं	
,,	,,	15	26 × 11 × 15 × 52	प्रथम 2 ग्रंथों की पूरी मेघदूत अपूर्ण	19वीं	
,,	मा.	75	15 × 11 × 15 × 15	संपूर्ण	1895	
पत्नी गुणलक्षण मनोविज्ञान	,,	28	15 × 25 × 20 × 22	,, 10 विलास 307 गाथा	1795	प्रथम पन्ना 14 गाथा का कम
,,	सं.	15	26 × 11 × 12 × 32	,, केवल पहिला पन्नाकम	1704	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
239	औसियां 6 अ 96	रसमंजरी	Rasa Mañjarī	भानुदत्त कवि	प.
240	,, 6 अ 98	,, -सटीक	,, wit hTikā	,, /शेष	मू.वृ (प.ग.)
241	, 6 अ 95	,, ,,	,, ,,	,, /गोपालभट्ट	,,
242	कोलड़ी गु. 9/14	रसावला गोगाजी का-रास	Rasāvalā Gogāji kā Rāsa	विठू मेहू	प.
243	कुंथुनाथ 40/2	रसिक प्रिया	Rasikapriyā	केशवदास	,,
244	कोलड़ी गु 11/12	,,	,,	,,	,,
245	के.नाथ 10/46	,,	,,	,,	,,
246	कुंथु. 44/9	राजाभोज की बात	Rājābhoja kī Bāta	व्यास भवानीदास	ग.
247	के नाथ 17/14	राठौड़ों की प्रयावली व उत्पत्ति	Rāthaudon kī Prayāvalī & Utpatti	भट्टारक खूबचंद खरतर	ग प.
248	कोलड़ी गु 11/11	,, की वंशावली	,, kī Vaṁśavalī	—	ग.
249	,, गु. 7/3	,, व राजपूतों की पीढ़ियें	,, & Rajapūton kī Pīdhiyen	—	,,
250	,, गु. 2/3	राधाकृष्ण बारहमासा	Rādhākṛṣṇa Bārahamāsā	चुतरा चारण	प.
251	के.नाथ 26/103	रामचन्द्र नाटक रस	Ramacandra Nātaka Rasa	—	ग.
252	कोलड़ी गु. 10/7	रामरासौ	Rāma Rāsau	माधौदास दधाड़िया	प.
253	सेवामंदिर 5 अ 24	,,	,,	,,	,,
254	कोलड़ी गु 11/9	,,	,,	,,	,,
255	,, गु. 10/8 + 10/7	,,	,,	,,	,,
256	,, गु 1/6	रावरतनजी की वचनिका	Rāva Ratanaji kī Vacanika	राठौड़ महेशदास	,,
257	,, 876	राष्ट्रकूट-वंशावली	Rāṣtrakūṭa Vaṁśāvalī	—	ग. तालिका
258	सेवामंदिर गु.नि.4	रिसालू राजा की वार्त्ता	Risālū Rājā kī Vārttā	—	ग.
259	के.नाथ 20/25	,, ,,	,,	—	,,
260	कोलड़ी 272	लाहौर वर्णन + गजल	Lāhaura Varṇana + Gajala	जट्टमल नाहर	प.
261	,, 1321	लुकमान हकीम की नसीयत	Lukamāna Hakīma kī Nasīyata	लुकमान हकीम	ग.
262	महावीर 2/396	वज्जालयं (छाया सह)	Vajjālayam	—	मू अ. (प्रा.सं.)
263	कोलड़ी गु. 7/4	वागरव्याल	Vāgara Vyāla	—	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
पत्नी गुण लक्षण मनोविज्ञान	सं.	10	27 × 12 × 14 × 49	संपूर्ण 139 श्लोक	19वीं	
,,	,,	29	26 × 12 × 17 × 58	,, ,,	,,	
,,	,,	24	24 × 10 × 14 × 53	,, 138 श्लोक	,,	
सर्प पूजा (शक्ति भक्ति)	रा.	गु.	17 × 12 × 10 × 22	,, 16 छंद	1800	
शृंगार रस प्रधान 9 रस पूर्ण ग्रंथ	हिं.	57	15 × 26 × 30 × 25	,, 16 प्रभाव	1729	
,,	,,	गु.	16 × 15 × 17 × 25	,, ,,	1773	
,,	,,	23	29 × 14 × 10 × 28	अपूर्ण चार प्रभाव	19वीं	
साहित्यिक ऐतिहासिक	मा.	55	16 × 22 × 17 × 22	,	,,	
,,	,,	22	30 × 16 × 14 × 28	संपूर्ण	1906	
,,	रा.	गु.	14 × 11 × 10 × 11	प्रतिपूर्ण सिहाजी से रामसिंह	1810	
,,	,,	16	24 × 17 × 16 × 23	,,	19वीं	
विरह गीत	डिं.	गु.	15 × 12 × 12 × 22	,, 14 छंद	1762	
साहित्यिक	रा.	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण	18वीं	अंत में 'चौबोली' कथा
रामकथा साहित्यिक	,,	गु.	19 × 15 × 14 × 27	,, 1094 छंद	1767	
,,	,,	33	25 × 11 × 15 × 55	,, 2375 छंद	1773 × खेतसिंहमुनि	
,,	,,	गु.	17 × 14 × 14 × 23	,, 1035 छंद	1784	
,,	,,	77	15 × 11 × 21 × 27	लगभग पूर्ण 1077 छंद	19वीं	अंत में औषध नुस्खे
राठौड़ महिमा इतिहास	डिं.	53	13 × 13 × 10 × 12	संपूर्ण	1767 माडकी पूरणप्रभू	तीर्थ व राजधानियां स्थापना के संवत् भी
राठौड़ वंशावली पौराणिक	मा.	1	25 × 11 × —	,, 73 पीढी	19वीं	
लोककथा	,,	26	17 × 11 × 20 × 10	,,	1892	बीच 2 में दोहे भी हैं
,,	,,	16	20 × 12 × 14 × 25	,,	19वीं	
नारि व शहर वृत्तांत	,,	गु.	26 × 11 × 22 × 58	,,	1732	
नैतिक शिक्षायें	हिं.	3	26 × 12 × 12 × 32	,,	1909	अंत में प्रताप पच्चीसी' के 6 दोहे
सुभाषित संग्रह	प्रा.सं.	58	27 × 12 × 14 × 42	,,	1653 विक्रमपुर धर्मस्नेह	
साहित्यिक	डिं.	गु.	23 × 15 × 11 × 23	,, 31 छंद	1746	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
264	के नाथ 17/30	विजयसिंहराजोत्पत्ति	Vijayasiṁha Rajotpatti	पंडित केशव	प.
265	कोलड़ी गु. 10/(	विरह-बत्तीसी	Viraha Battīsī	रसिकनाथ	,,
266	,, 1255	वीरमदेव-नारी (पन्ना) वार्त्ता	Vīramadeva Nārī Vārttā	शेरसिंह	प ग.
267	ओसियां 6 इ 15	वृन्द सत्सई	Vṛnda Satsaī	वृन्दकवि	प.
268	कोलड़ी 850	,,	,,	,,	,,
269	,, गु 1/12	,,	,,	,,	,,
270	के.नाथ गु. 7	,,	,,	,,	,,
271	कोलड़ी गु 7/4	वेताल-कथा	Vaitālakathā	—	.
272	ओसियां 6 इ 9	,, भट्ट कवित्त	,, Bhaṭṭa Kavitta	—	,,
273	के नाथ 7/14	वैराग्य-शतक	Vairāgya Śataka	भर्तृहरि	मू प.
274	ओसियां 5 अ 1	,, -सटीक	,, with Tikā	, /-	मू वृ. (प.ग.)
275	के नाथ 22/51	वैराग्य शृंगार शतक	,, Śṛṅgāra Śataka	,,	मू प.
276	,, गु 2	वैहली मराहिब साहिब-वार्ता	Vaihalī Marābiba Sābiba Vārtā	—	ग + प
277	महावीर 6 इ 50	शतार्थवृत्तिकाव्य सावचूरि	Śatārtha Vṛtti Kāvya with Avacūri	सोमप्रभाचार्य	ग.
278	के.नाथ 7/6	शिशुपाल वध	Śiśupāla Vadha	माघ	मू प.
279	ओसियां 6 इ-1	,,	,,	,,	,,
280	कोलड़ी 1247	,,	,,	,,	,,
281	,, 719	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /मल्लिनाथ	मू + वृ (प.ग.)
282	ओसियां 6 इ-27	,, -सावचूरि	,, with Avacūri	,, /-	मू + अ ,,
283	के नाथ 7/4	,,	,,	,,	मू प
284	,, 17/68	,, -सटीक	with Tikā	,, /मल्लिनाथ	मू + वृ (प.ग.)
285	ओसियां 6 इ 33	,, ,,	,, ,,	,, /समयसुंदर	,,
286	के नाथ 22/53	,, ,,	,, ,,	,, /वल्लभदेव	,,
287	ओसियां 6 इ 22	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
288	कुंथुनाथ 28/18	,, ,,	,, ,,	,, / ,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऐतिहासिक काव्य	सं.	3	30 × 16 × 13 × 35	संपूर्ण 44 श्लोक	19वीं	
साहित्य विरहनी वर्णन	रा.	गु.	22 × 16 × 30 × 33	,, 33 छंद	,,	
ऐतिहासिक काव्य	,,		15 × 15 × 15 × 22	,,	1868	
नैतिक आदि	मा.	13	26 × 13 × 20 × 52	,, 700 दोहे	1821 पालनपुर जिनविजय	
,,	,,	19	31 × 12 × 14 × 48	,, 702 दोहे	1860 धोलका कनकराज	
,,	,,	61	14 × 14 × 12 × 17	,, 700 दोहे	1885	
,,	,,	50	23 × 16 × 21 × 15	,, 716 दोहे	1887	
लोककथा	,,	गु.	23 × 15 × 11 × 23	अपूर्ण 49 छंद	1746	
विक्रम वैताल कथा काव्य	,,	5	25 × 10 × 15 × 50	63 पद्य प्रतिपूर्ण	1706 आणनगरे थोभा	
वैराग्य परक साहित्यिक	सं.	15	23 × 11 × 11 × 24	संपूर्ण 108 श्लोक	1845	
,,	,,	5	26 × 12 × 17 × 65	अपूर्ण 44 श्लोक तक	19वीं	
विरक्ति व साहित्यिक	,,	47	28 × 14 × 7 × 43	संपूर्ण 101+135 श्लो	,,	
वीर कथानक	रा.	25	22 × 18 × 14 × 27	,, 85 अनुच्छेद	1807	
भाषा पांडित्य सा.	सं.	25	27 × 12 × 12 × 41	,,	1946	
ऐतिहासिक महाकाव्य	,,	72	26 × 11 × 13 × 45	,, 20 सर्ग	17वीं	
,,	,,	66	26 × 12 × 15 × 45	,, ,,	18वीं	
,,	,,	81	27 × 13 × 11 × 42	,, ,,	1889	
ऐतिहासिक टीका सर्वकंषा नाम्नी	,,	452	24 × 12 × 14 × 46	,, मूल श्लोक 1684	1872	अंत में 3 पन्ने कम हैं
ऐतिहासिक महाकाव्य	,,	33	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण 8 सर्ग तक	16वीं	
,,	,,	21	26 × 12 × 13 × 38	,, 5 ,,	19वीं	
,,	,,	62	25 × 11 × 15 × 34	,, 3 ,,	,,	
,,	,,	12	26 × 12 × 23 × 75	,, 2 ,,	18वीं	जीर्ण
,,	,,	46	26 × 11 × 17 × 51	,, सर्ग 3/10 तक	17वीं	
,,	,,	18	27 × 12 × 22 × 70	,, 2 सर्ग	18वीं	
,,	,,	12	29 × 13 × 6 × 60	,, त्रुटक	19वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2*	3	3 A	4	5
289	कोलड़ी 991	शिशुपाल वध सटीक	Śiśupāla Vadha with Tikā	माघ/वल्लभदेव	मू वृ. (प.ग)
290	कुंथुनाथ 40/2	शुक्र बहोत्तरी	Śukrabahottarī	भट्ट देवदत्त	ग.
291	महावीर 6 इ 48	शृंगार वैराग्य मुक्तावली	Śṛṅgāra Vairāgya Muktāvalī	विमलाचार्य	प.
292	के.नाथ गु. 11	सदयवच्छ- सावलिंगा-चौपई	Sadayavachha Sāvaliṅgā Caupaī	केशवमुनि	,,
293	कुंथुनाथ 52/21	,,	,,	,,	,
294	कोलड़ी 272	,, की वार्त्ता	,, kī Vārttā	—	,,
295	,, गु. 12/8	,, की चौपई	,, Caupaī	केशवमुनि	,,
296	कुंथु. 28/15	,, ,,	,, ,,	—	,,
297	सेवामंदिर 6 इ 54	,, ,,	,, ,,	—	,,
298	के.नाथ 23/67	सप्तशती	Saptaśatī	हाल विरचित गाथा वच्छल कवित्तद्वार १कथित	मू+ट (प.ग.
299	महावीर 6 अ 6	संस्कृत भाषा मंजरी	Saṁskṛta Bhāṣa Mañjarī	—	ग.
300	कोलड़ी 895	,, मंजरी	,, ,,	—	,,
301	ओसियां 6 इ 36	,, ,,	,, ,,	—	,,
302	,, 6 अ 81	साहित्यसार	Sāhityaśāra	—	प.
303	सेवामंदिर गु दे. 4	साहित्यिक दोहे	Sāhityika Dohe	जगन्नाथ	,,
304	कोलड़ी गु 6/1	साहिबसिंह के दोहे	Sāhibasiṁha ke Dohe	साहिबसिंह	,,
305	,, गु 2/1	सुभाषित-संग्रह	Subhāṣita Saṅgraha	संकलन	,,
306-7	सेवामंदिर 5 अ 26 3 इ 345	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
308	मुनिसुव्रत 3 इ 315	,,	,,	,,	,,
309	कोलड़ी 133	(बृहत्) सुभाषित-संग्रह	(Bṛhat) Subhāṣita Saṅgraha	,,	,,
310-12	,, गु. 12/5, 132, 985	सुभाषित-संग्रह 3 प्रतियां	Subhāṣita Saṅgraha 3 copies	,,	,,
313	ओसियां 2-310	,,	,,	,,	,,
314-5	सेवामंदिर 5 आ 4 गु ति. 2	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
316-7	कुंथु 26/12,13	,,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ऐतिहासिक महा. काव्य	सं.	11	33 × 16 × 17 × 58	अपूर्ण प्रथम सर्ग	18वीं	
साहित्यिक कथायें	रा.	86	15 × 26 × 30 × 25	संपूर्ण 72 कथायें	1729	प्रारंभ 1-2 पन्ने कम
,, पद	सं.	4	28 × 11 × 15 × 62	,, 80 श्लोक	16वीं	पहिला पन्ना कम
लोककथा	मा.	31	14 × 11 × 15 × 21	,, 48 गा.	1709 लगभग	1697 की कृति
,,	,,	16	25 × 8 × 14 × 54	,, 437 गा.	1753 राधरण-वाड़ा अमीचंद	
,,	,,	35*	26 × 11 × 22 × 58	,, 114 दोहे पद	1732	
,,	,,	गु. 15	19 × 12 × 17 × 33	,,	19वीं	
,,	,,	23	15 × 14 × 13 × 24	अपूर्ण	,,	
,,	,,	6	25 × 13 × 17 × 45	,,	,,	
कामशास्त्र युक्ति	प्रा सं.	7	24 × 11 × 9 × 37	संपूर्ण 110 श्लोक	,,	
संस्कृत में संवाद शिक्षा	सं.	10*	16 × 11 × 11 × 20	,,	,,	
,, चर्चा	,,	4	26 × 13 × 11 × 38	,,	,,	
,,	,,	6	23 × 12 × 11 × 27	,,	,,	
साहित्यिक-संग्रह	,,	3	28 × 13 × 14 × 48	प्रतिपूर्ण 53 श्लोक	,,	
,,	मा.	27	15 × 11 × 7 × 16	संपूर्ण 51 + 4 कवित्त	1823	
,,	,,	गु.	21 × 14 × 23 × 20	,, 64 दोहे	1870	
,,	सं.	,,	14 × 9 × 9 × 16	प्रतिपूर्ण 60 श्लोक	1666	
,,	,,	16,1	20 × 12 व 26 × 12	,, 120 + 23 श्लोक	18/19वीं	
,,	,,	25	24 × 10 × 16 × 40	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	17	27 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण 421 श्लोक	19वीं	
,,	,,	39,2,3	11 से 32 × 9 से 14	प्रतिपूर्ण 259 + 54 + 29 श्लोक	,,	
,,	प्रा.सं.मा.	5	24 × 11 × 17 × 50	,,	16वीं	
,,	सं.मा	6,10	26 × 13 व 18 × 13	अपूर्ण/पूर्ण	18/19वीं	अंतिम 2 पन्नों में ऐ. घटना संवतावली
,,	,,	3,1	26 × 12 व 27 × 14	प्रतिपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
318	के नाथ गु. 16	सुभाषित-संग्रह	Subhāṣita Saṅgraha	संकलन	प.
319	कोलड़ी 1245	,, काव्य समुदाय	,, (Kāvya)	,,	मू.बा. (प.ग.)
320	,, 862	,,	,,	,,	प.
321	ओसियां 2/414	,,	,,	,,	,,
322	के नाथ गुटका 11	,,	,,	,,	,,
323-6	कुंथु. 17/4,19/3, 18/36, 5/107	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
327	ओसियां 3 इ 351	,,	,,	,,	,,
328-9	सेवामंदिर गु दे 6 व 13	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
330-37	कोलड़ी 272,320 1293,1318 गु 1/14,24 गु.11/11,12/(	,, 8 प्रतियां	,, 8 copies	,,	,,
338	महावीर 2/391	सूक्तावली	Sūktāvalī	,,	,,
339	के नाथ 11/49	सुन्दर-शृंगार	Sundara Śṛṅgāra	सुंदरदास	,,
340	कोलड़ी गु.9/1	,,	,,	,,	,,
341	के.नाथ 11/21	,,	,,	,,	,,
342	कोलड़ी 718	हनुमान-नाटक	Hanumāna Nāṭaka	हनुमान/मिश्रदामोदर	नाटक
343	के.नाथ 27/45	,, की दीपिका	,, kī Dīpikā	मिश्रमोहनदास	ग.
344	महावीर 3 इ 56	हालड़ा-फूलड़ा	Hālaḍā Phūlaḍā	शुभवीर/वीरविजय	मू ट.प.ग.
345	ओसियां 3 इ 210	,,	,,	संकलन	,,
346	,, 6 इ 13	हास्यादि कथा-संग्रह	Hāsyādi Kathā Saṅgraha	मलधारी राजशेखर सूरि	ग.
347	,, 6 इ 25	हितोपदेश भाषान्तर	Hitopdeśa Bhāṣāntara	—	,,
348	कोलड़ी गु. 6/1	हीररांजा के दोहे	Hīra Rañjhā ke Dohe	हीररंजा	प.
349	के.नाथ 29/79	,, का झूलणा	,, kā Jhūlaṇā	,,	,,
350	,, 28/22	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रंथ व त्रुटक पत्र	Incomplete Small stray folios	भिन्न-भिन्न	ग प.
351-2	कोलड़ी 900+ बस्ता71	,, 1 प्रति 1 बस्त	,,	,,	,,
353	मुनिसुव्रत बस्ता 78	,,	,,	,,	,,
354	ओसियां बस्ता 20 दुबारा	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक संग्रह	सं.मा.	24	15 × 15 × 13 × 13	प्रतिपूर्ण	1846	
,,	,,	28	27 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण 145 श्लोक	19वीं	
,,	,,	3	25 × 11 × 14 × 40	प्रतिपूर्ण	,,	
,,	प्रा सं.मा.	24	26 × 11 × 11 × 38	,,	20वीं	
शृंगारिक साहित्य	रा.	100	14 × 11 × 15 × 21	,,	1709-14	अच्छा संकलन है
,, आदि साहित्य	,,	2,10,2 187	15 से 26 × 11 से 15	,,	1761-93 व 19वीं	,,
,, ,,	,,	93*	26 × 12 × 18 × 43	,, 20 सवैये	18वीं	
,, ,,	,,	गु., 63	14 × 11 व 16 × 12	,, /अपूर्ण	1841/70	,,
,, ,,	,,	24,6,22 4,27,5, गु. गु.	भिन्न × भिन्न	पूर्ण अपूर्ण	18/19वीं	,,
,, सुभाषित	प्रा.सं.मा.	14	29 × 13 × 7 × 44	प्रतिपूर्ण 189 श्लोक	,,	
शृंगारिक औपदेशिक	मा.	15	26 × 11 × 18 × 53	,, 358 दोहे सवैये	1739	
,,	,,	गु.	15 × 14 × 11 × 19	अपूर्ण 340 छंद	19वीं	
,,	,,	31	28 × 12 × 10 × 32	, 64 से 301 पद	,,	बीच के पन्ने हैं
साहित्यिक धार्मिक कृति	सं.	59	25 × 12 × 11 × 30	संपूर्ण 14 अंक	1869	
,,	,,	77	25 × 11 × 17 × 51	किंचित् अपूर्ण 14वां अधूरा	17वीं	मूल की व्याख्या/ प्रथम पन्ना कम
पहेलियां	मा.	2	25 × 14 × 19 × 36	संपूर्ण 8 गाथा	1937	
,,	,,	2	27 × 12 × 4 × 29	,, ,,	19वीं	
औपदेशिक-दृष्टांत	सं.	6	43 × 11 × 18 × 98	,, 82 कथायें	20वीं	
बोध कथायें नैतिक	रा.	117	25 × 12 × 13 × 31	,,	18वीं	
प्रेम संवाद साहित्यिक	,,	गु.	21 × 14 × 23 × 20	,, 25 दोहे	1870	
,,	,,	1	24 × 11 × 17 × 72	अपूर्ण	19वीं	
साहित्यिक-विविध	सं.मा.	244	23 से 31 × 10 से 16	पूर्ण/अपूर्ण	18/20वीं	
,,	,,	259	,,	,,	,,	
,,	,,	50	,,	,,	,,	
,,	,,	31	,,	,,	,,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1	महावीर 6 अ 9	अनिट्कारिका-सावचूरि	Aniṭkārikā	/सोममुनि	मू+अ (प.ग.)
2	औसियां 6 अ 37	„ सह-वृत्ति	„ +Avacūri	—	मू +वृ.(प.ग)
3	कोलड़ी 947A	„ -सटीक	„ +Tīkā	/देवचन्द्र ?	मू+टी (प.ग)
4	„ 737	„ + उपसर्ग व प्रादि गण	„	—	मू+व्या(प.ग.)
5	कुंथुनाथ 2/33	„	„	—	मू.प.
6	के नाथ 24/62	„ सावचूरि	„ +Avacūri	—	मू+अ (प.ग.)
7	कुंथुनाथ 42/10	„ व्याख्या सह.	„ +Vyākhyā	—	मू+व्या(प.ग.)
8	कोलड़ी 738	„ की अवचूरि	„ kī Avacūri	—	ग.
9	के.नाथ 2/22	„ की वृत्ति	„ kī Vṛtti	हर्षकीर्त्ति	प.
10	कोलडी 740	अव्यय	Avyaya	—	ग.
11	कुंथु. 13	अव्यय अर्थ प्रकाश	„ Artha Prakāśa	पतंजलि	„
12	कोलड़ी 741	अव्ययानि+अव्यय अर्थ प्रकाश	„ Avyayāni	- +„	„
13	औसियां 6 अ 67	अष्टाध्यायी	Aṣṭādhyāyī	पाणिनि	मू.ग.
14	कोलड़ी 1000	„	„	„	„
15	„ 761	„	„	„	„
16	के.नाथ 9/45	„	„	„	„
17	कुंथु. 33/46	इति की व्याख्या	Iti kī Vyākhyā	—	ग.
18	महावीर 6 अ 15	ऋजु व्याकरण	Ṛju Vyākaraṇa	—	„
19	के नाथ 7/44	कातन्त्र दौर्गसिंह वृत्ति	Kātantra	दुर्गसिंह	„
20	„ 10/86	„ विभ्रमसूत्र सावचूरि	„	/चारित्रसिंह	मू+अ (प.ग.)
21	„ 16/36	„ सिद्धोवर्ण समाम्नाय: पाठ+वृत्ति सह	„	—	मू+वृ. (ग)
22	के नाथ 10/105	काशिका वृत्ति-सह	Kaśikā	—	„
23	„ 7/34	„	„ kī Vṛtti	—	ग.
24	मुनिसुव्रत 6 अ 90	कृदन्त प्रक्रिया	Kṛdanta Prakrīyā	—	„
25	के.नाथ 17/61	„	„	अनिटकारिका-(सारस्वतानुसार)	„

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण धातु सेट	सं.	2	26 × 11 × 17 × 25	संपूर्ण 11 श्लोक	15वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 14 × 46	,, ,,	19वीं विक्रमपुर	
,,	,,	4	25 × 11 × 5 × 42	,, ,,	20वीं	पंचपाठी/साथ में 2 पत्र सारस्वत के
,,	,,	6	26 × 12 × 19 × 77	,,	19वीं	
,,	,,	1	26 × 12 × 8 × 36	,, 11 श्लोक	,,	
,,	,,	3	25 × 11 × 13 × 45	,,	,,	
,,	,,	3	25 × 11 × 20 × 54	अपूर्ण 8वें श्लोक तक	,,	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 32	संपूर्ण	,,	
,,	,,	18*	24 × 12 × 11 × 44	,, 21 श्लोक	1881	
व्याकरण	,,	4	25 × 11 × 11 × 34	,,	1853	
,,	,,	2	26 × 12 × 18 × 72	,,	19वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 13 × 60	,,	1820	
व्याकरण-शास्त्र	,,	24	26 × 12 × 13 × 47	,, 8 अध्याय	19वीं	
,,	,,	48	28 × 14 × 12 × 38	,, ,,	,,	
,,	,,	4	27 × 12 × 31 × 82	अपूर्ण चौथे अध्याय के तीसरे पाद तक	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 14 × 44	,, तीसरे अध्याय के दूसरे पाद तक	20वीं	
शब्दार्थ रूपी व्याख्या	,,	1	26 × 12 × 12 × 52	प्रतिपूर्ण	,,	
व्याकरण	,,	19	25 × 11 × 13 × 56	संपूर्ण	17वीं	
,,	,,	65	26 × 11 × 15 × 45	,, अष्टम पाद तक	19वीं	
,,	,,	8	27 × 11 × 17 × 46	,, 21 श्लोक	,,	
वर्णशास्त्र प्रथमपाठ	,,	2	21 × 11 × 16 × 31	,,	1690	
व्याकरण	,,	35	28 × 12 × 11 × 30	अपूर्ण 5 अध्याय 2 से 4 पाद मात्र	1521	वृति रूपसिद्धिनाम्नी
,,	,,	21	27 × 11 × 16 × 43	,,	19वीं	
,	,,	13	26 × 11 × 10 × 34	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 50	,, ग्रंथाग्र 250	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
26	के नाथ 21/102	क्रिया-कलाप	Kriyā Kalāpa	विद्यानंद	प मू.
27	मुनिसुव्रत 6 अ 91	,,	,,	,,	,,
28	ओसियां 6 अ 43	,,	,,	,,	,,
29	कोलड़ी 757	,,	,,	,,	,,
30	के.नाथ 14/84	गण-दर्पण	Gaṇa Darpaṇa	भोजदेवार्थ	प.
31	,, 7/46	गणरत्न महोदधि-वृत्ति	Guṇa Ratna Mahodadhi-Vṛtti	वर्द्धमान (गोविन्दसूरि का शिष्य)	गद्य
32	कोलड़ी 755	गोञ्चादि शब्द सिद्धि	Goñcādi Śabda Siddhi	—	,,
33	के.नाथ 27/28	त्याद्यंत् प्रक्रिया	Tyādyant Prakriyā	उपाध्याय सर्वधर	,,
34	मुनिसुव्रत 6 अ 89	धातु-पाठ	Dhātu Pāṭha	पाणिनी	,,
35	महावीर 6 इ 18	,,	,,	,,	,,
36	के.नाथ 7/16	,, स्वोपज्ञ वृत्ति	,,	हर्षकीर्ति	ग.
37	,, 2/19	,,	,,	—	,,
38	महावीर 6 अ 11	,,	,,	—	तालिकायें
39	के नाथ 2/30	धातु-रत्नाकर स्वोपज्ञ वृत्ति सह	Dhātu Ratnākara	साधु सुन्दरगणि	मू+वृ (प.ग.
40	,, 7/29	धातु-रूपावली	,, Rūpāvalī	—	रूपतालिकायें
41	,, 5/57	धातु-वृत्ति	,, Vṛtti	उज्ज्वलदत्त	वृ. गद्य में
42	,, 7/40	नयसुन्दरीय व्याकरण वृत्ति	Nayasundarīya Vyākaraṇa Vṛtti	नयसुन्दर	ग.
43	कोलड़ी 1045	पंचसंधि प्रक्रिया	Pañcasandhi Prakriyā	—	मू ट.
44	ओसियां 6 आ 66	,,	,,	—	ग.
45	,, 6 आ 70	,,	,,	—	,,
46	महावीर 6 अ 17	पाणिनीय व्याकरण शिक्षा	Pāṇinīya Vyākaraṇa Śikṣā	—	प.
47	,, 6 अ 13	प्रक्रिया कौमुदी	Prakriyā Kaumudī	रामचन्द्राचार्य	ग.
48	,, 6 अ 7	,,	,,	,,	,,
49	कोलड़ी 758	,,	,,	(पाणिनी) अनुसारिणी	,,
50	के.नाथ 23/52	,, (मध्य) कौमुदी	,,	—	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	सं.	6	26 × 11 × 19 × 57	संपूर्ण 4 अध्याय 267 श्लोक	1632	
,,	,,	6	27 × 11 × 20 × 58	,,	17वीं	
,,	,,	11	25 × 11 × 13 × 39	,,	1854	
,,	,,	9	27 × 11 × 15 × 60	,,	1890	
,,	,,	19	27 × 11 × 13 × 49	,, 3 अध्याय ग्रं 900	1518	
,,	,,	68	25 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 432 पद तक	19वीं	
गो आदि के शब्दार्थ	,,	2	26 × 11 × 13 × 48	संपूर्ण		
,,	,,	66	27 × 12 × 17 × 51	,, 3300 ग्रंथाग्र	,,	
व्याकरण शास्त्र	,,	15	26 × 11 × 11 × 39	,,	1759 नागौर	
,,	,,	16	32 × 16 × 14 × 36	,,	1906 अमदाबाद खूबचन्द	
,,	,,	72	26 × 10 × 15 × 48	,,	1603	
,,	,,	2	26 × 11 × 19 × 63	,,	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × —	,,	18वीं	
,,	,,	314	25 × 11 × 17 × 54	,, 377 श्लो (मूल ग्रंथाग्र 1822)	1680	वृति क्रियाकल्पलता नाम्नी प्रशस्ति है। प्रथम 2 पत्र कम
,,	,,	75	25 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,,	,,	68	23 × 10 × 9 × 39	अपूर्ण	,,	
,,	,,	38	25 × 11 × 17 × 48	,, द्वन्द्व समास प्रक्रिया तक	,,	
,,	सं.मा.	10	25 × 10 × 5 × 32	,, (प्रथम 3 पत्र कम)	1763 बीकानेर में	
,,	,,	6	25 × 11 × 10 × 40	संपूर्ण	1832 मालपुरा पं. फतेचंद	
,,	,,	11	25 × 12 × 13 × 38	,,	18वीं	
,,	,,	4	33 × 16 × 11 × 36	,, 61 पद	,,	
,,	,,	42	26 × 11 × 13 × 38	अपूर्ण समास प्रक्रिया पर्यन्त	15वीं	
,,	,,	94	26 × 11 × 13 × 34	सुबंत प्रकरण तक संपूर्ण	17वीं	कञ्चित् अर्थ सह
,,	,,	18	28 × 11 × 11 × 36	अपूर्ण	,,	,,
,,	,,	21	25 × 11 × 13 × 41	,,	19वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
51	के नाथ 26/67	प्रक्रियाकौमुदी-टीका	Prakriyā Kaumudi Tīkā	नरसिंहसूरि	ग.
52	कुंथु. 38/2	,,	,,	विठ्ठलाचार्य	,,
53	के.नाथ 17/2	प्राकृतप्रकाश	Prākṛta Prakāśa	वररुचि	,,
54	कोलड़ी 763	,, लक्षण	,, Lakṣaṇa	चंड	,,
55	सेवामंदिर गु.दि. 7	,, ,,	,, ,,	,,	,,
56	महावीर 6 अ 3	,, ,,	,, ,,	,,	,,
57	मुनिसुव्रत 6 अ 108	भूषणसार (कौशिकी-व्याकरण	Bhūṣaṇa Sāra	—	,,
58	के.नाथ 16/19	मध्य-मनोरमा	Madhya Manoramā	—	,,
59	,, 2/28-29	माधवीधातु-वृत्ति	Madhavī Dhātu Vṛtti	सायणाचार्य	,,
60	,, 7/3	,,	,,	जिनराजसूरि शिष्य	,,
61	,, 15/239	लघु उपसर्ग दीपिका	Laghu Upsarga Dīpikā		,,
62	,, 2/22	लिंगानुशासन	Liṅgānuśasana	भट्टोजी दीक्षित	,,
63	ओसियां 6/अ/94	,,	,,	—	,,
64	,, 6 अ 73	,,	,,	—	,,
65	,, 6 अ 56	,,	,,	अज्ञात	,,
66	महावीर 6 अ 118	वाक्यप्रकाश	Vākya Prakāśa	रत्नसूरि उदयधर्म शिष्य धर्म संज्ञ	,,
67	के.नाथ 23/60	,,	,,	,,	,,
68	कोलड़ी 947B	,,	,,	,,	,,
69	कुंथु. 18/40	वाक्य-विवेचन	Vākya Vivecana	—	प.ग.
70	सेवामंदिर 6 अ 112	विद्व-चिंतामणि	Vidva Cintāmaṇi	विनयसागर	प.
71	ओसियां 6 अ 72	विभक्ति अर्थ	Vibhakti Artha	—	ग.
72	कोलड़ी 756	,, प्रत्यय	,, Pratyaya	—	,,
73	के नाथ 18/53	,, विस्मय प्रकरण	,, Vismaya Prakaraṇa	मुनिनेतृसिंह	प.ग.
74	,, 24/49	विंशति उपसर्गादि	Viṁśati Upasargādi	—	ग.
75	कोलड़ी 1010	वैयाकरण भूषणसार	Vaiyākaraṇa Bhūṣaṇasāra	कोण्डभट्ट	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	सं.	40	26 × 11 × 17 × 53	अपूर्ण (पत्रे 3 से 43)	19वीं	
,,	,,	143	27 × 11 × 15 × 44	त्रुटक	,,	
,,	,,	22	31 × 16 × 14 × 32	संपूर्ण 10 परिच्छेद ग्रं. 650	,,	
प्राकृत व्याकरण	,,	21	25 × 11 × 7 × 34	,, 4 अध्याय(विधान)	1903	
,,	,,	56	10 × 8 × 8 × 9	,, ,,	1905	
,,	,,	11	26 × 12 × 11 × 36	,, ,,	1937 × शिवचन्द	
व्याकरण	,,	53	34 × 13 × 10 × 70	,,	18वीं	
,,	,,	18	25 × 15 × 13 × 62	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	276	25 × 11 × 17 × 52	संपूर्ण 1400 ग्रंथाग	1702	
,,	,,	132	26 × 11 × 17 × 55	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 43	संपूर्ण	,,	
पाणिनीय	,,	18*	24 × 12 × 11 × 44	,,	1881	
व्याकरण	,,	5	25 × 11 × 17 × 47	प्रतिपूर्ण	1821 विक्रमपुर वखतसुंदर	
पाणिनीय	,,	16	28 × 13 × 10 × 29	संपूर्ण	1892	
व्याकरण	,,	2	30 × 13 × 10 × 37	,, 28 श्लोक	19वीं	
व्याकरण वाक्य रचना	,,	5	27 × 13 × 14 × 37	,, 130 श्लोक	1607 सिंहपुर	
,,	,,	9	26 × 11 × 9 × 38	,, 125 श्लोक	1652	
,,	,,	5	23 × 10 × 14 × 28	,, ,,	19वीं	अपरनाम उदयमुनि)
,,	,,	1	26 × 11 × 18 × 54	,,	,,	
व्याकरण	,,	4	26 × 12 × 13 × 48	संपूर्ण 127 श्लोक	19वीं फतेचंद	
,,	,	5	26 × 12 × 18 × 46	,,	18वीं	
,,	,,	2	26 × 12 × 13 × 40	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 38	संपूर्ण	,,	
व्याकरणन्यायादि चर्चा भी	,,	21	26 × 11 × 13 × 39	,,	,,	
,,	,,	50	28 × 13 × 14 × 40	,,	1904	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
76-7	के.नाथ 7/28,30	शब्दरूपावली 2 प्रतियां	Śabda Rūpāvalī 2 copies	—	ग. तालिका
78	कोलड़ी 1114	,,	,,	—	,,
79	औसियां 6 अ 104	शब्द-संचय	Śabda Sañcaya	—	गद्य
80	,, 6 अ 103	षट्कारक	Saṭkāraka	अमरचन्द्र	प.
81	मुनिसुव्रत 6 अ 92	,, -प्रक्रिया	,, Prakriyā	—	ग.
82	कुंथु. 10/175	,, -विवरण	,, Vivaraṇa	—	,,
83	कोलड़ी 760	सकर्म-अकर्म धातु विवेचन	Sakarma Akarma Dhātu Vivecana	—	,,
84	,, 914	समास	Samāsa	—	,,
85	सेवामंदिर 6 अ 110	,, -चक्र	,, Cakra	—	,,
86	के.नाथ 15/129	,, -प्रक्रिया	,, Prakriyā	वररुचि ?	,,
87	मुनिसुव्रत 6 अ 86	संज्ञा प्रकरण-सटीक	Sañjñā Prakaraṇawith Tīkā	—	मू+टी.
88	महावीर 6 अ 5	संधि-प्रकरण	Sandhi Prakaraṇa	—	ग.
89	कोलड़ी 764	,,	,,	—	,,
90	,, 1271	संधि-प्रक्रिया	,, Prakriyā	—	,,
91	के.नाथ 15/131	संस्कृतकौमुदी	Saṁskṛta Kaumudī	—	,,
92	कुंथुनाथ 52/3	सारस्वत सावचूरि	Sārasvata with Avacūri	अनुभूति स्वरूपाचार्य/ विशालहंस मुनि	मू +अ. (ग.)
93	के.नाथ 17/12	,, -सटीक	,, with Tīkā	/माधवभट्ट	मू.टी +(ग.)
94	औसियां 6 अ 48	,, -सह वृत्ति	,, with Vṛtti	,,/	,,
95	के.नाथ 7/33	,, -सह दीपिका	,, with Dīpikā	,,/चन्द्रकीर्ति	,,
96	औसियां 6 अ 42	,, -सटीक	,, with Tīkā	,,/पुंजराज	,,
97	कोलड़ी 749	,, —	,,	अनुभूतिस्वरूप	ग.
98	औसियां 6 अ 44	,, -सटीक	,, with Tīkā	अनुभूति /माधवभट्ट	मू+टी (ग.)
99	,, 6 अ 54	,, —	,,	अनुभूतिस्वरूप	ग.
100	कोलड़ी 730	,, -सह दीपिका	,,	अनुभूति./चंद्रकीर्ति	मू+टी (ग)
101	महावीर 6 अ 8	,, —	,,	अनुभूतिस्वरूप	ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	सं.	32,3	26 × 11—	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,,	,,	4	26 × 11—	अपूर्ण	,,	
रूपनियमावली	,,	5	25 × 11 × 18 × 50	संपूर्ण	15वीं	
व्याकरण	,,	2	25 × 11 × 17 × 45	,, 75 श्लोक	19वीं	
,,	,,	11	23 × 11 × 12 × 37	,,	1825	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 40	,,	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 16 × 64	,,	,,	
,,	,,	3	26 × 12 × 13 × 40	,,	,,	
,,	,,	4	23 × 11 × 13 × 37	,,	1933	
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 38	त्रुटक	1806	
,,	सं.रा.	5	25 × 12 × 17 × 42	संपूर्ण	1819	
हेमचन्द्रानुसारिणी	सं.	15	27 × 12 × 13 × 38	,,	18वीं	
व्याकरण	रा.	6	30 × 12 × 11 × 34	अपूर्ण	19वीं	
,,	सं.	30	17 × 13 × 5 × 14	संपूर्ण	,,	
,,	,,	3	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण	,,	
,,	,,	25	26 × 11 × 15 × 56	संपूर्ण	1629	
,, (टीका सिद्धांतरत्नावली नाम्नी)	,,	81	25 × 11 × 19 × 65	ग्रंथाग्र 6600	17वीं	प्रथम 5 पत्रे कम हैं
व्याकरण	,,	40	26 × 11 × 13 × 45	प्रत्ययपर्यंत	,,	
,,	,,	163	25 × 11 × 17 × 52	संपूर्ण	1716	
,,	,,	104	24 × 11 × 15 × 42	,,	1745बेनासर कनकवर्द्धन	
,,	,,	44	25 × 11 × 15 × 42	,,	1747	
,,	,,	185	26 × 12 × 13 × 35	,,	18वीं	
,,	,,	67	23 × 11 × 12 × 30	प्रथम 7 पत्रे कम	1841मेदिनीपुर, वखतसुन्दर	
,,	,,	160	25 × 11 × 16 × 42	संपूर्ण ग्रं. 7000	1854	
,,	,,	44	26 × 12 × 13 × 42	,,	1866 × शांतिसमुद्रमुनि	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
102	मुनिसुव्रत 6 अ 93	सारस्वत	Sārasvata	अनुभूतिस्वरूपाचार्य	ग.
103	कुंथु. 17/14	,,	,,	,,	मू+ट (ग.)
104-7	के.नाथ 24/27, 22/15, 7/36,7	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	ग.
108	कोलड़ी 752	,,	,,	,,	,,
109	औसियां 6 अ 41	,,	,,	,,	,,
110	,, 6 अ 46	,,	,,	,,	,,
111-4	,, 6 अ 52, 53,38,47	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
115-20	कुंथु. 27/1,3/75 24/3,43,2 29/27,3	,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,
121-33	के.नाथ 22/7, 7/21,22-1,2 10/64-2,10/65, 11/9 14/70,15/ 163,18,25,48, 24/24,29	,, 13 प्रतियां	,, 13 copies	,,	,,
134-39	कोलड़ी 1043, 746,753-4, 1046,913	,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,
140	सेवामंदिर 6 अ 111	,,	,,	,,	मू+ट (ग)
141	,, 6 अ 109	,,	,,	,,	ग.
142-6	के.नाथ 22/2, 18/4,15/171, 16/29,15/165	,, -सटीक 5 प्रतियां	,, with Tikā 5 copies	,, /-	मू.+टी (ग.)
147	कुंथुनाथ 17/1	,, -सह दीपिका	,, with Dīpikā	,, /-	,,
148	सेवामंदिर 6 अ 113	,, -सटीक सवक्तव्य	,, with Tikā	,, /-	मू+ट (ग.प.)
149	के.नाथ 22/5	,, बालावबोध सह	,, with Bālā	,, /-	मू.+बा (ग.)
150	,, 11/76	,, धातुपाठ	,, Dhātupāṭha	,, /-	ग.
151	,, 29/59	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /हर्षकीर्ति	मू.+टी. (ग)
152-4	,, 22/33, 16/4,10	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,, /-	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	सं.	99	25 × 11 × 11 × 34	संपूर्ण	1872 पीराण-पट्टन धनसागर	
,,	,,	44	21 × 11 × 3 × 22	,, प्रथम पन्ना कम	1837	जीर्ण व खण्डित
,,	,,	46,52, 54,68	22 से 26 × 10 से 12	,,	1806 से 20वीं	
,,	,,	58	24 × 11 × 11 × 30	,,	1816	
,,	,,	18	23 × 9 × 9 × 36	कृदन्त प्रत्यय तक	1647 हरिपुर कल्याणगिरि	
,,	,,	27	26 × 11 × 12 × 32	तद्धित प्रक्रिया तक	1782 फतेपुर, सिद्धसूरि	
,,	,,	19,25,2 22	25 से 28 × 10 से 13	अपूर्ण	1854 से 20वीं	
,,	,,	40,30 38,7 22 25	23 से 32 × 10 से 16	,,	1828 से 20वीं	
,,	,,	36,31 21,22 21,10, 11,42 9,37, 3,14	22 से 30 × 10 से 13	,,	1839 से 20वीं	
,,	,,	41,23 14,7, 40,3	25 से 27 × 10 से 13	,,	1816 से 20वीं	
,,	सं मा.	21	27 × 12 × 12 × 52	,,	16वीं	
,,	सं.	13	26 × 13 × 11 × 35	,,	1877	
,,	,,	104,61, 41,9,21	21 से 26 × 11	,,	18/20वीं	अंतिम टीका चंद्रकीर्त्ति की है।
,,	,,	123	26 × 11 × 17 × 80	,,	19वीं	
,,	,,	13	26 × 12 × 13 × 40	,, श्लोक 226	1931	व्याख्या गद्य व पद्य दोनों में
,,	सं.मा.	64	26 × 13 × 7 × 19	,, संधि प्रकरण तक	19वीं	
,,	सं.	5	25 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण	1756	
,,	,,	26	23 × 10 × 10 × 36	,,	1850	
,,	,,	4,13,4	25 से 26 × 11 से 12	प्रथम संपूर्ण शेष अपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2*	3	3 A	4	5
155-6	कोलड़ी 747 981	सारस्वत धातु-पाठ 2 प्रतियां	Śārasvata Dhātupātha 2 copies	अनुभूतिस्वरूपाचार्य	ग.
157	कुंथु. 24/6	,	,,	,,	,,
158-9	कोलड़ी 745,742	,, धातु प्रक्रिया 2 प्रतियां	,, Dhātu Prakriyā 2 copies	,,	,,
160	महावीर 6 अ 12	,, की दीपिका	,, kī Dīpikā	चन्द्रकीर्त्तिसूरि	,,
161	कोलड़ी 1047 1042	,, ,,	,	,,	,,
162-3	,, 1041 1044	,, ,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
164	के.नाथ 7/35	,, ,,	,,	,,	,,
165	कुंथुनाथ 55/6	,, की टीका	,, kī Tīkā	सोनिगिरा मंडन (बाहड़ का पुत्र)	,,
166	कोलड़ी 748	,, ,,	,,	माधवभट्ट	,,
167	के नाथ 2/21	,, ,,	,,	,,	,,
168	ओसियां 6 अ 51	,, ,,	,,	,,	,,
169	के.नाथ 2/27	,, ,,	,,	,,	,,
170	,, 2/20	,, ,,	,,	पुंजराज	,,
171	ओसियां 6 अ 49	, ,,	,,	वासुदेव	,,
172	कोलड़ी 751	,, ,,	,,	पद्माकरभट्ट	,,
173	,, 750	,, ,,	,,	महीदासभट्ट	,,
174	के नाथ 22/23	,, ,,	,,	तिलकभट्ट	,,
175	,, 7/23	,, ,,	,,	—	,,
176	,, 16/1	,, ,,	,,	—	,,
177	कोलड़ी 743	,, ,,	,,	—	,,
178	,, 744	,, ,,	,,	—	,,
179	,, 1160	,, ,,	,,	—	,,
180	कुंथु. 52/16	,, ,,	,,	—	,,
181	के.नाथ 15/119	,, लघुभाष्य	,, Laghu Bhāṣya	—	,,
182	,, 26/65	,, टिप्पण	,, Tippaṇa	क्षेमेन्द्र	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	सं.	5,2	25 × 11 व 34 × 13	संपूर्ण ग्रं. 205	1807 व 19वीं	
,,	,,	32	26 × 12 × 12 × 20	,, (पन्ने 14 व 15 कम हैं)	1822	
,,	,,	87 50	26 × 13 व 25 × 12	,,	1890 व 19वीं	
,,	,,	101	27 × 11 × 18 × 55	,,	1646 × सोमविमल	
,,	,,	124	26 × 11 × 17 × 50	,, (52वां पन्ना कम)	19वीं	
,,	,,	47,37	28 × 11 व 26 × 11	अपूर्ण	,,	
,,	,,	14	25 × 11 × 15 × 42	,,	,,	
,,	,,	71	31 × 12 × 17 × 52	संपूर्ण	17वीं	श्रीमाल गोत्र खरतर गच्छीय
,,	,,	162	26 × 10 × 15 × 44	,, ग्रं. 7500	1673	(सिद्धांतरत्नावली)
,,	,,	154	25 × 11 × 15 × 48	,, ग्रं. 6500	1712	
,,	,,	37	26 × 13 × 17 × 47	अपूर्ण तद्धित प्रक्रिया तक	1891	
,,	,,	26	25 × 11 × 15 × 47	,,	19वीं	
,,	,,	94	26 × 11 × 15 × 48	संपूर्ण	17वीं	
,,	,,	50	26 × 11 × 19 × 54	,,	1753, समीनगरे रत्नगणि	
,,	,,	34	25 × 12 × 17 × 38	अपूर्ण प्रत्यय से	1840	
,,	,,	19	26 × 11 × 19 × 58	,,	19वीं	
,,	,,	19	26 × 12 × 18 × 51	,,	,,	
,,	,,	110	25 × 11 × 9 × 35	पूर्वार्द्ध (प्रथम 4 पन्ने कम)	,,	
,,	,,	30	26 × 11 × 18 × 51	अपूर्ण (विभक्ति से लिंग)	,,	
,,	,,	21	25 × 12 × 16 × 48	,,	,,	प्रथम वृत्ति
,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 36	,, (प्रत्यय भाग)	,,	
,,	,,	7	25 × 11 × 16 × 60	,, (संज्ञा प्रकरण)	,,	
,,	,,	51	19 × 11 × 9 × 24	,,	,,	
,,	,,	38	26 × 11 × 13 × 45	,,	,,	
,,	,,	21	26 × 11 × 14 × 48	संपूर्ण	1634	संक्षिप्त टिप्पणियां व टब्बे

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
183	कोलड़ी 868	सारस्वत-अर्थ	Sārasvata Artha	—	ग.
184	कुंथु. 55/21	,, -सार	,, Sāra	हरिदेव	,,
185	ओसियां 6 अ 50	,, -व्याख्यान	,, Vyākhyāna	—	,,
186	महावीर 6 अ 14	सिद्धान्त-चन्द्रिका	Siddhānta Candrikā	रामचन्द्राश्रम	मू + ट (ग.
187	ओसियां 6 अ 65, 59	,,	,,	,,	ग.
188	,, 6 अ 64	,,	,,	,,	,,
189	,, 6 अ 63	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /सदानन्द	मू. + टी. (ग.)
190	,, 6 अ 61	,,	,,	,, ,,	,,
191	के नाथ 22/36	,,	,,	,, /उ रूपचंद	,,
192	,, 22/37	,,	,,	,,	,,
193-4	कोलड़ी 732, 729	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	ग.
195	कुंथु 9/117	,,	,,	,,	,,
196	,, 16/8	,,	,,	,,	,,
197	ओसियां 6 अ 58	,,	,,	,,	,,
198	,, 6 अ 60	,,	,,	,,	,,
199	,, 6 अ 62	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /सदानन्द	मू टी. (ग.)
200-7	के नाथ 22/6 8 19 27,24/8, 9,13,16	,, 8 प्रतियां	,, 8 copies	,,	ग.
208	कोलडी 1048	,,	,,	,,	,,
209	ओसियां 6 अ 45	,, की टीका	,, kī Tikā	लोकेशकर	,,
210	कोलड़ी 735	,, ,,	,, ,,	,,	,,
211	के.नाथ 1007-8	,, ,,	,, ,,	,,	,,
212	,, 24/14	,, ,,	,, ,,	,,	,,
213	कोलड़ी 734	,, ,,	,, ,,	सदानन्द	,,
214	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	सं.	3	26 × 12 × 11 × 30	अपूर्ण प्रथम श्लोक मात्र	1917	
,,	,,	23	27 × 11 × 11 × 40	संपूर्ण	1767	
,,	रा	14	26 × 13 × 17 × 54	संधि प्रकरण मात्र	18वीं	
,,	सं.रा.	192	26 × 11 × 9 × 33	संपूर्ण	16वीं	
,,	सं.	115	25 × 11 × 9 × 36	,,	17वीं × विष्णु गिरि	
,,	,,	70	26 × 12 × 15 × 40	,,	18वीं	सचित्र
,,	,,	102	25 × 11 × 15 × 43	,, पूर्वार्द्ध	18वीं × वखतसुंदर	
,,	,,	118	25 × 11 × 15 × 40	,, ,,	,,	
,,	,,	207	25 × 11 × 14 × 39	,,	19वीं	
,,	,,	141	25 × 11 × 15 × 47	,,	1850	
,,	,,	101,57	25 × 10 व 26 × 13	,,	1848 व 20वीं	
,,	,,	52	25 × 13 × 11 × 30	प्रतिपूर्ण द्वितीय वृत्ति तक	1938	
,,	,,	23	24 × 12 × 12 × 36	,,	,,	
,,	,,	20	26 × 11 × 11 × 37	,,	18वीं × राजसुंदर	
,,	,,	42	26 × 11 × 11 × 42	अपूर्ण	16वीं	
,,	,,	85	25 × 11 × 17 × 52	उत्तरार्द्ध	18वीं	
,,	,,	35,58, 170,104 19,45, 17,15	25 से 29 × 11 से 14	अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	16	27 × 14 × 9 × 29	,,	19वीं	
,,	,,	29	26 × 12 × 16 × 44	प्रतिपूर्ण	1843 विक्रमपुर बखतसुंदर	तत्व दीपिका नाम्नी
,,	,,	49	26 × 12 × 13 × 50	संपूर्ण	1888	,,
,,	,,	50	27 × 12 × 13 × 50	,,	,,	,,
,,	,,	11	25 × 11 × 14 × 45	,,	19वीं	लघुदीपिका
,,	,,	64	26 × 10 × 13 × 46	अपूर्ण कृदन्त पर्यन्त	1840	सुबोधिनीनाम्नी
,,	,,	125	26 × 11 × 15 × 60	पूर्वार्द्ध	1841	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
215	के नाथ 24/10	सिद्धांतचन्द्रिका की टीका	Siddhānta Candrikā kī Tīkā	सदानन्द	ग.
216	कोलड़ी 731	,,	,,	—	,
217	,, 736	,,	,,	—	,,
218	के.नाथ 22/22	,,	,,	—	,,
219	कोलड़ी 1170	,	,,	—	,,
220	ओसियां 6 अ 57	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	—	,,
221	सेवामंदिर 6 अ 120	,,	,,	—	,,
222	कोलड़ी 739	,, धातुरूप निर्णय	,, Dhāturūpa-nirṇaya	—	,,
223	के.नाथ 7/37	,, रूपावली	,, Rūpāvalī	—	,, तालिकायें
224	, 7/8	सिद्धान्त-कौमुदी	Siddhānta Kaumudī	भट्टोजी दीक्षित	,,
225	महावीर 6 अ 114-7	,,	,,	,,	,,
226-7	के नाथ 24/25	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
228-9	ओसियां 6 अ 69, 71	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
230	के नाथ 24/26	,, -भाष्य	,, kā bhāṣya	—	,,
231	,, 24/20	,, -लघुभाष्य	,, kā Laghubhāṣya	—	,,
232	कोलड़ी 974	,, की व्याख्या	,, kī Vyakhyā	ज्ञानेन्द्रसरस्वती	,,
233	के नाथ 11/17	,, की टीका	,, kī Tīkā	—	,,
234	कोलड़ी 759	,, ,,	,, ,	—	,,
235	के नाथ 24/54	(मध्य) सिद्धांत-कौमुदी	(Madhya) Siddhānta Kaumudī	—	,,
236	,, 22/50-1	(लघु) ,,	(Laghu) ,, ,,	—	,,
237	महावीर 6 अ 4	सिद्धान्तरत्न शब्दानुशासन	Siddhātna Ratna Śabdānu-Śāsana	जिनेन्दु	,,
238	के.नाथ 15/154	स्यादिशब्द समुच्चय सावचूरि	Syādi Śabda Samuccaya	अमरचन्द्र (जिनदत्त शिष्य)	मू+अ (ग)
239	महावीर 6 अ 1	हेमशब्दानुशासन	Hema Śubdānuśāsana	हेमचन्द्राचार्य	मूल सूत्र गद्य
240	के नाथ 16/35	,,	,,	,,	,,
241	,, 7/20(-1)(2)	,, बृहत्वृत्ति	,, Bṛhata Vṛtti	,, (स्वोपज्ञ)	गद्य

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	सं.	31	24 × 12 × 21 × 41	अपूर्ण (उण् से कृदन्त तक)	19वीं	सुबोधिनीनाम्नी
,,	,,	80	26 × 10 × 13 × 43	आख्यात काण्ड तक	1840	
,,	,,	54	25 × 12 × 17 × 44	,,	1883	(उपरोक्त की नकल)
,,	,,	35	27 × 12 × 14 × 30	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	32	25 × 10 × 11 × 38	,,	,,	
,,	,,	47	26 × 13 × 17 × 43	,,	18वीं	
,,	,,	4	30 × 11 × 15 × 55	त्रुटक	,,	
,,	,,	28	27 × 12 × 18 × 65	संपूर्ण	19वीं	अति सामान्य लिखावट
,,	,,	22	26 × 11 × 13 × 46	अपूर्ण	,,	
,,	,,	30	26 × 11 × 13 × 50	संपूर्ण ग्रं. 1250	1851	वैदिक प्रक्रिया
,,	,,	2264	32 × 34 × 10 × 16	,,	20वीं	चार खण्डों में, बड़े अक्षर
,,	,,	23,99	25 × 11 व 26 × 20	अपूर्ण	19वीं	प्रथम में किञ्चित् अवचूरि
,,	,,	82,9	27 × 12 व 26 × 12	,,	,,	
,,	,	22	25 × 10 × 14 × 47	,,	,,	
,,	,,	31	26 × 11 × 17 × 51	,,	,,	
,,	,,	322	33 × 14 × 12 × 45	पूर्वार्द्ध	,,	तत्वबोधिनीनाम्नी
,,	,,	13	29 × 13 × 14 × 40	अपूर्ण	,,	मनोरमा नाम्नी
,,	,,	7	28 × 12 × 19 × 64	,,	,,	
,,	,,	78	26 × 11 × 17 × 51	,, धातु अधिकार	20वीं	
,,	,,	74	26 × 12 × 11 × 37	,, प्रत्यय पर्यन्त	18वीं	
,,	,,	55	21 × 10 × 9 × 33	संपूर्ण कृदन्त ,,	1891	
,,	,,	5	25 × 11 × 6 × 34	,, चारों प्रकम	16वीं	
,,	,,	27	28 × 12 × 13 × 48	,, 7 अध्याय (28 पाद)	20वीं	
,,	,,	17	26 × 11 × 13 × 58	अपूर्ण 4 अध्याय तक ही	17वीं	
,,	,,	227	26 × 11 × 15 × 55	,, 4 अध्याय तक	1687	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
242	कुंथुनाथ 55/3	हेमशब्दानुशासन बृहद्-वृत्तौन्यासोद्धार	Hema Śabdānuśāsana Bṛhad Vṛttaunyāsoddhār	हेमचन्द्र/कनकप्रभ (देवेन्द्रसूरि)	मू वृ (प.ग.)
243	कोलड़ी 762	,, की बृहद्ढुंढिका	Hema Śabdānuśāsana kī Bṛhada Ḍhuṇḍhikā	(मूल हेमचंद्र)—?	गद्य
244	के.नाथ 15/150	,, लघुवृत्तिसह	Hema Śabdānuśāsana with Laghu Vṛtti	हेमचन्द्राचार्य स्वोपज्ञ	,, (मू.वृ.)
245	महावीर 6 अ 2	,, ,,	,, ,,	,,	,, ,,
246	,, 6 अ 19	,, सह लघुवृत्ति सावचूरी	,, ,, Sāvacūri	,, /-	मू+वृ+अ (ग)
247	के.नाथ 7/38	,, लघु वृत्ति सह	,, ,,	,,	,, (ग)
248	,, 7/39	,, ,, सावचूरी	,, ,, Sāvacūri	,, /-	मू+वृ+अ (ग)
249	,, 11/39	,, ,,	,, ,,	,,	,, (ग)
250	,, 7/47	हेमप्राकृत व्याकरण वृत्तिसह	Hema Prākṛta Vyākaraṇa with Vṛtti	,,	गद्य
251	महावीर 6 अ 16	हेमलिंगानुशासन	Hema Liṅgānuśāsana	,,	मू पद्य
252	औसियां 6 अ 68	,,	,,	,,	,,
253	कोलड़ी 979	,, -वृत्ति	,, Vṛtti	,, स्वोपज्ञ	गद्य
254	के नाथ 2/16	,, सहवृत्ति	,, with Vṛtti	,,	मू.वृ. (प.ग.)
255	,, 22/13	,, -वृत्ति	,, kī Vṛtti	जयानन्द	गद्य
256	,, 24/28	,, ,,	,, ,,	—	,,
257	औसियां 6 अ 105	हेमधातु-ग्रन्थ	Hema Dhātu Grantha	हेमचन्द्राचार्य	,,
258	के नाथ 22/32	,, -पाठ	,, Pāṭha	,,	,,
259	महावीर 6 अ 10	धातु-प्रकरण	Dhātu Prakaraṇa	हेमचन्द्राचार्यानुस्मृता	मू + वृ
260	कोलड़ी 978	हेमधातु-पाठ	Hema Dhātu Pāṭha	शीलविजयगणि	ग.
261	कुंथु. 23/5	उणादिसूत्र सविवरण	Uṇādi Sūtra	हेमचन्द्राचार्य स्वोपज्ञ	मू.वृ. (प)
262	महावीर 6 अ 20	हेमव्याकरण लघुप्रक्रिया	Hema Vyākaraṇa Laghu Prakriyā	विनयविजय	गद्य
263	के.नाथ 2/26	,, ,,	,, ,,	,,	,,
264	कोलड़ी 1049	हेमसुबोध-प्रक्रिया	Hema Subodha Prakriyā	—	,,
265	मुनिसुव्रत बस्ता 78	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रंथ व त्रुटक पत्रे	Incomplete Stray Folia	भिन्न 2	ग.प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	सं.	66	25 × 11 × 19 × 57	अपूर्ण अध्याय 3/2 से 7/4 तक	16वीं	अंत में न्याय सूत्र वृत्तिसह (ग्रं 243)
,,	,,	81	25 × 7 × 12 × 66	,, 3/2 तक	17वीं	
,,	,,	110	26 × 10 × 12 × 55	,, 5 अध्याय तक ग्रं. 6000	,,	
,,	,,	85	26 × 12 × 16 × 33	,, 4/4 तक	18वीं	
,,	,,	16	31 × 11 × 19 × 49	केवल 5वां अध्याय ग्रं. 730	1495, देवकुल पाटक, उदय धर्मगणि	
,,	,,	14	26 × 11 × 17 × 56	अपूर्ण 2/2 तक	16वीं	
,,	,,	33	26 × 11 × 10 × 55	,, ,,	17वीं	
,,	,,	22	26 × 11 × 15 × 55	,, 1/4 + 213 श्लोक	18वीं	
,,	,,	43	26 × 11 × 15 × 50	कुछ अपूर्ण	,,	(शब्दानुशासन का आठवां अध्याय)
,,	,,	9	32 × 16 × 10 × 36	संपूर्ण 139 श्लोक	,,	
,,	,,	8	27 × 11 × 11 × 42	,, 183 ग्रंथाग्र	1809 जैसलमेर आलमचंद	
,,	,,	39	34 × 13 × 20 × 72	,, 3384 ग्रंथाग्र	1616 × भावचन्द्र	
,,	,,	13	26 × 11 × 17 × 50	अपूर्ण स्त्रीलिंग समाप्त + 10 श्लोक	19वीं	
,,	,,	22	26 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण	,,	
,,	,,	14	27 × 11 × 16 × 52	,,	1664	
,,	,,	21	20 × 7 × 8 × 35	अपूर्ण पत्र 23 से 43	14वीं	
,,	,,	10	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण	1656	
,	,,	7	26 × 13 × 13 × 50	,, 10 गण	1479 डुंगरपुर	
,,	,,	4	26 × 12 × 15 × 60	,,	1686	
,,	,,	56	24 × 11 × 20 × 60	,, 963 श्लोक	1765	
,,	,,	82	29 × 14 × 13 × 37	,, ग्रंथाग्र 2500	1947 सरसपुर मोतीविजय	
,,	,,	36	26 × 11 × 17 × 55	अपूर्ण (17 से 52 पत्र अन्त)	19वीं	
,,	,,	5	27 × 13 × 13 × 37	,,	,,	
,,	प्रा.सं.रा.	12	23 से 32 × 10 से 16	पूर्ण/अपूर्ण	17/20वीं	प्रति सामान्य

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
466-7	ओसियां 6 अ 74/ 20 दुबारा बस्ता i e. 6	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रन्थ व त्रुटक पत्रे 1 प्रति 1 बस्ता	Incomplete stray folia	भिन्न 2	ग प.
268	के नाथ 28/25	,,	,,	,,	,,
269-71	कोलड़ी 1058, 1257, बस्ता 71	,, 2 प्रति 1 बस्ता	,, ,,	,,	,,
272-73	कुंथु. 37/23-24	,, ,,	,, ,,	,,	,,

भाग (7) साहित्य व भाषा/विभाग (इ)

1	के.नाथ 6/103	अनेकान्त-मंजरी	Anekānta Mañjarī	—	प.
2	,, गु 9	अनेकार्थ-मंजरी	Anekārtha Mañjarī	नन्ददास	,,
3	सेवामंदिर दे गु 6	,,	,,	,,	,,
4	कोलड़ी गु. 12/12	,,	,,	,,	,,
5	के नाथ 19/52	,,	,,	,,	,,
6	महावीर 6 अ 22	,, -संग्रह	,, Saṅgraha	हेमचन्द्राचार्य	ग.
7	के.नाथ 5/52	अनेकार्थी-एकाक्षरीमाला	Anekārthī Ekākṣarī Mālā	—	,
8	,, 7/41	अभिधानचिंतामणी सहवृत्ति	Abhidhāna Cintāmaṇi with Vṛtti	हेमचन्द्राचार्य स्वोपज्ञ	मू+वृ (ग.प.)
9	ओसियां 6 अ 31	,,	,,	,,	,,
10	,, 6 अ 36	,,	,,	हेमचन्द्राचार्य	मू.प.
11	कोलड़ी 724	,,	,,	,,	,,
12	के.नाथ 2/13	,, सहवृत्ति	,, with Vṛtti	,,	मू +वृ. (ग.)
13	कोलड़ी 723	,, -सावचूरि	,, with Avacūri	,,	मू+अ (प.ग.)
14	के.नाथ 2/15	,,	,,	,,	मू.प.
15	ओसियां 6 अ 30	,,	,,	,,	,,
16	के.नाथ 24/6	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	ग सं.रा.	27,31	23 से 32 × 10 से 16	पूर्ण/अपूर्ण	17/20वीं	अति सामान्य
,,	,,	102	,,	,,	,,	,,
,,	,,	20*+8 +96	,,	,,	,,	,,
,,	सं.	2,1	23 से 26 × 11	प्रतिपूर्ण	20वीं	,,

शब्दकोश :—

6	7	8	8 A	9	10	11
शब्दकोश	सं.	5	25 × 10 × 16 × 48	अपूर्ण 3 अध्याय 19 श्लो	19वीं	
,,	रा.	5	15 × 15 × 18 × 20	संपूर्ण 119 गा.	1716	एक के अनेक अर्थ
,, व साहित्यिक पद	,,	29	17 × 12 × 12 × 16	लगभग पूर्ण गा. 9 से से 116 अंत	1889	अंत के 16 पन्नों में कवित्त हैं
,,	,,	72*	31 × 23 × 9 × 17	संपूर्ण 118 गा.	19वीं	एक के अनेक अर्थ
,,	,,	5	24 × 12 × 12 × 32	,, 119 गा.	,,	,,
शब्दार्थ संग्रह	सं.	37	32 × 16 × 10 × 32	अपूर्ण $2\frac{1}{2}$ कांड/773 पद	17वीं	,,
शब्दकोश	,,	8	24 × 10 × 13 × 44	संपूर्ण	19वीं	एक अक्षर अनेक अर्थ
,,	,,	211	30 × 11 × 14 × 48	,, ग्रं. 10000	1525	
,,	,,	203	25 × 10 × 15 × 52	,, ,,	16वीं	
,,	,,	50	25 × 11 × 15 × 44	,, शेष संग्रह सम्मेत	,,	
,,	,,	49	26 × 10 × 13 × 50	,, 6 काण्ड	1622	
,,	,,	305	26 × 11 × 13 × 35	,, ग्रं. 10000 कांड 6	1641	
,,	,,	51	22 × 11 × 19 × 40	,, ग्रं. 5719	1643	
,,	,,	71	26 × 11 × 13 × 37	,, 6 काण्ड	1694	
,,	,,	83	26 × 10 × 15 × 48	,, ,,	17वीं	
,,	,,	53	26 × 9 × 15 × 51	,, ,,	,,	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
17	के.नाथ 2/14	अभिधानचिंतामणी	Abhidhāna Cintāmaṇi	हेमचन्द्राचार्य	मू+ट (प.ग.)
18	,, 11/30	,,	,,	,,	मू प.
19	मुनिसुव्रत 6 अ 83	,,	,,	,,	,,
20	के.नाथ 22/9	,,	,,	,,	मू ट. (प.ग.)
21	कुंथु. 22/1	,,	,,	,,	मू प.
22	ओसियां 6 अ 34	,,	,,	,,	,,
23	के.नाथ 7/19	,, सबालावबोध	,, with Bālā.	,, /रामविजय	मू+बा (प.ग.)
24-7	,, 17/41, 16/6, 29/26, 15/164	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	मू प.
28	के.नाथ 7/1	,, सवृत्ति	,, with Vṛtti	,, स्वोपज्ञ	मू+वृ (प.ग.)
29	मुनिसुव्रत 6 अ 82, 84	,,	,,	,,	मू प.
30	ओसियां 6 अ 35	,, सटीक	,, with Tikā	,, /श्रीवल्लभ-गणि	मू+वृ (प.ग.)
31	कुंथु. 52/19	,, सहवृत्ति	,, with Vṛtti	,, स्वोपज्ञ	,,
32	,, 43/8	,,	,,	,,	मू.प.
33-9	कोलड़ी पुट्ठा 69/2, 725, 1169, 1179-80, 1251, 1269	,, 7 प्रतियां	,, 7 copies	,,	,,
40	ओसियां 6 अ 32	,,	,,	,,	,,
41	के.नाथ 11/15	,, शेष संग्रह	,, Śeṣa Saṅgraha	—	,,
42	मुनिसुव्रत 6 अ 85	,, ,,	,,		,,
43	,, 6 अ 87	,, -बीजक	,, Bijaka	—	गद्य तालिकायें
44	कोलड़ी 726	अमरकोश सटीक	Amara Kośa Tikā	अमरसिंह/भानुजी दीक्षित	मू+टी (प.ग.)
45-9	के नाथ 22/25, 3, 7/43, 11/111, 22/52	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,,	मू प.
50	कुंथु. 26/1	,,	,,	,,	,,
51-5	कोलड़ी 728-27 1051-3	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
शब्दकोश	सं.	62	25 × 11 × 11 × 38	संपूर्ण 6 कांड (पन्ने 60/61 कम)	17वीं	पर्याय सहित
,,	,,	48	26 × 11 × 15 × 38	,, ,, (पहिला पन्ना कम)	1708	
,,	,,	61	26 × 11 × 13 × 36	,, ,,	1737 जोधपुर विजयमुनि	
,,	सं मा.	65	26 × 11 × 15 × 45	,, ,,	1752	क्वचित् बीजक सह
,,	सं.	109	26 × 11 × 11 × 55	,, ,,	1775	
,,	,,	99	26 × 11 × 11 × 32	,, ,,	18वीं	
,,	सं.मा.	104	25 × 11 × 18 × 50	,, ,,	1836	
,,	सं.	86,71, 62,25	24 से 32 × 11 से 16	प्रथम पूर्ण शेष तीन अपूर्ण	1893/20वीं	
,,	,,	260	27 × 11 × 13 × 45	,, ग्रं. 9987	19वीं	
,,	,,	31	25 × 11 × 15/11 × 40	अपूर्ण तीसरे काड तक	18वीं	
,,	,,	15	26 × 10 × 20 × 65	,, मात्र षष्ठकांड 27 से अंत	1678	ग्रंथ के अंतिम पत्रे
,,	,,	144	26 × 11 × 15 × 58	,,	17वीं	
,,	,,	13	26 × 11 × 13 × 54	त्रुटक	,,	
,,	,,	8,20, 38,12, 22,33, 14	24 से 26 × 10 से 11	अपूर्ण	18/19वीं	
,,	,,	47	26 × 12 × 12 × 32	,,	18वीं	जीर्ण चिपकी हुई
,,	,,	7	26 × 11 × 14 × 48	संपूर्ण 6 कांडों के (पहिला पन्ना कम)	1641	परिवर्द्धन सूची
,,	,,	19	26 × 11 × 13 × 38	,, 6 कांडों के	17वीं	,,
अनुक्रमणिका	,,	7	26 × 11 × —	,, दो बार लिखी हुई	,,	
शब्दकोश	,,	357	26 × 12 × 14 × 50	,, 3 कांड	19वीं	
,,	,,	55,40, 82 49, 94	25 से 30 × 11 से 14	,, ,,	1806 से 19वीं	
,,	,,	87	25 × 13 × 11 × 32	,, ,,	1874	
,,	,,	57,102, 40,12, 22	23 से 27 × 11 से 13	प्रथम 2 पूर्ण, शेष 3 अपूर्ण	1843 से 20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
56-61	के नाथ 7/25, 10/102, 11/6, 11/7(1) 11/12, 26/77	अमरकोश 6 प्रतियां	Amara Kośa 6 copies	अमरसिंह	मू प.
62	ओसियां 6 अ 33	,,	,,	,,	,,
63	के.नाथ 18/46	एकाक्षर अभिधानमाला	Ekākṣara Abhidhāna Mālā	—	,,
64	महावीर 6 अ 24	एकाक्षरी-कोश	Ekākṣarī Kośa	महाक्षणकवि	गद्य
65	कोलड़ी 723	,, नाममाला सावचूरि	,, Nāmamālā	हेमचन्द्राचार्य	मू + अ (प.ग.)
66	कुंथु. 55/13	देशीनाम-माला	Deśīnāma Mālā	—	ग.प.
67	महावीर 6 अ 21	देशीशब्द-संग्रह सहवृत्ति	Deśī Śabda Saṅgraha with Vṛtti	हेमचन्द्राचार्य स्वोपज्ञ	मू. + वृ.
68	,, 6 अ 23	नामाङ्कित नाममाला	Nāmāṅkita Nāmamālā	—	ग.
69	मुनिसुव्रत 6 अ 88	पारस-कोश	Pārasa Kośa	—	प.
70	के नाथ गु. 9	मानमञ्जरी	Mānamañjarī	नन्ददास	,,
71	,, 19/35	,,	,,	,,	,,
72	सेवामंदिर दे गु. 14	,,	,,	,,	,,
73	कोलड़ी 725A	,,	,,	,,	,,
74	ओसियां 6 अ 106	शब्दकोश	Śabda Kośa	—	ग.
75	के नाथ 14/65	शब्दरत्नाकरकोश	Śabda Ratnākara Kośa	महीप	प.
76	,, 18/63	सर्वादि शब्दार्थ	Sarvādi Sabdārtha	—	ग.
77	कोलड़ी 722	शारदीयनाममाला	Śāradīya Nāmamālā	हर्षकीर्त्तिसूरि	प.
78	,, 721	,,	,,	,,	,,
79	के.नाथ 15/169	सुन्दर-विलास	Sundara Vilāsa	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
शब्दकोश	सं.	17,100 31,4,3 42	24 से 30 × 11 से 15	अपूर्ण	19/20वीं	
शब्दकोश	सं.	30	29 × 14 × 7 × 35	,, प्रथम काण्ड मात्र	19वीं	
,,	,,	4*	28 × 11 × 18 × 61	संपूर्ण 20 श्लोक	18वीं	एक अक्षर वाले शब्द
,,	,,	2	25 × 12 × 12 × 33	,, 39 अक्षरों के अनेक अर्थ	19वीं	
,,	,,	51*	22 × 11 × 19 × 40	,,	1664	
,,	मा.	1	24 × 10 × 19 × 58	प्रतिपूर्ण	1765	
,,	मा सं.	72	31 × 16 × 12 × 46	संपूर्ण ग्रं. 3320	18वीं	
,,	सं.	17	26 × 12 × 15 × 60	अपूर्ण	17वीं	
,,	,,	7	26 × 12 × 13 × 35	संपूर्ण 126 श्लोक	16वीं	
,, (पर्यायवाची)	रा.	10	15 × 15 × 18 × 20	,, 259 छंद	1716	
,, ,,	,,	12	26 × 12 × 15 × 36	,, ,,	1873	
,, ,,	,,	22	15 × 11 × 12 × 17	,, 263 छंद	19वीं	
,,	,,	8	26 × 12 × 13 × 48	अपूर्ण	,,	
,,	सं.	11	24 × 10 × 7 × 38	,,	16वीं	नाम का पता नहीं पड़ता है
,,	,,	25	24 × 11 × 15 × 43	संपूर्ण 4 काण्ड	1622	(अपरनाम महीप-कोश)
शब्दार्थ सामान्य	,,	2	25 × 12 × 11 × 33	,,	19वीं	
शब्दकोश	,,	16	17 × 10 × 15 × 42	,, 3 काण्ड	1750	
,,	,,	22	19 × 11 × 16 × 30	,, ,,	1835	
,,	,,	31	26 × 11 × 16 × 44	अपूर्ण श्लोक 30 से 1200	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1	कुंथु. 45/2	कविप्रिया	Kavipriyā	केशवदास	प.
2	के.नाथ 29/62	,,	,,	,,	,,
3	के.नाथ 20/39	काव्यप्रकाश -सटीक सावचूरि	Kāvyaprakāśa with Avacūri	मम्मट-/वंशलोचन/-	मू +वृ +अ
4	कोलड़ी 976	,,	,,	मम्मट	ग.
5	के.नाथ 22/12	,, -सहवृत्ति	,, ,,	,, /-	मू+वृ (ग.)
6	महावीर 6 अ 26	,, -संकेत	,, with Vṛtti	/माणिकचन्द्रसूरि	गद्य
7	के.नाथ 27/48	,, -दीपिका	,, kī Dīpikā	जयंतभट्ट पुरोहित	,,
8	,, 17/13	,, ,,	,, ,,	,,	,,
9	ओसियां 6 अ 39	,, -वृत्ति	,, Vṛtti	गुणरत्नगणि	,,
10	के.नाथ 7/31	,, -मौक्तिक विवरण	,, Mauktika Vivaraṇa	/हर्षकुल	,,
11	,, 22/20	काव्य राक्षस सटीक	Kāvya Rākṣasa Tīkā	कालिदास	मू+वृ (प.ग.)
12	,, 11/38	काव्य साहित्यिक ग्रंथ	Kāvya Sāhityika Grantha	—	ग.
13	कोलड़ी गु 9/14	गीतजाति 48 सटीक	Gīta Jāti 48 with Tīkā	शेषनाग	प ग.
14	के.नाथ 6/86	छंदकोश	Chandakośa	—	प.
15	,, 22/24	,, -सावचूरि	,, with Avacūri	—	मू.+अ.(प.ग)
16	,, 14/69	छंद कौस्तुभ भाष्य	Chandakaustubha Bhāsya	विद्याभूषण	प.
17	कुंथुनाथ 52/11	छंद ग्रंथ (?) की अवचूरि	Chandagrantha ki Avacūrī	—	ग.
18	के.नाथ 29/81	छंदरत्नावली	Chandaratnāvalī	—	प.
19	ओसियां 6 अ 77	छंद-सार	Chanda Sāra	सूरतिमिश्र	,,
20	कोलड़ी गु. 11/10	,,	,,	,,	,,
21	के.नाथ 26/2	,,	,,	,,	,,
22	,, 19/51	,, की टीका	,, kī Tīkā	(मूल सूरतिमिश्र का)	ग.
23	ओसियां 6 अ 101	,,	,, ,,	—	प.
24	के.नाथ 10/45	छंदो-विभूषण	Chando Vibhūṣaṇa	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक अलंकार काव्य-शास्त्र	हिं.	60	21 × 17 × 19 × 25	संपूर्ण 17 प्रस्ताव	1767	अंतिम 3 पत्रे औषध मंत्र के
,,	,,	90	14 × 20 × 17 × 15	अपूर्ण 13 प्रस्ताव	19वीं	
काव्यालंकार-शास्त्र	सं.	100	26 × 11 × 16 × 42	संपूर्ण 10 उल्लास	15वीं	
,,	,,	53	33 × 16 × 16 × 48	,, , 2130 ग्रंथाग्र	1870 कृष्णगढ	
,,	,,	12	26 × 11 × 17 × 54	अपूर्ण 4 उल्लास	19वीं	
,,	,,	77	27 × 12 × 15 × 49	,, 10 उल्लास के/ ग्रं. 3244	1540	मूल की व्याख्या
,,	,,	43	26 × 11 × 15 × 55	साढे छ उल्लास तक	17वीं	,,
,,	,,	32	26 × 12 × 17 × 53	संपूर्ण	19वीं	,,
,,	,,	237	28 × 13 × 14 × 49	अपूर्ण-त्रुटक	18वीं	मूल की व्याख्या बीच में आधे पत्रे कम हैं
,,	,,	16	26 × 11 × 14 × 45	संपूर्ण	19वीं	मूल की व्याख्या
काव्य-लक्षण	,,	5	26 × 12 × 13 × 35	,, 20 श्लोक	,,	
काव्य-शास्त्र	,,	10	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण बीच के पत्रे 2 से 11	,,	नामादिका पता नहीं पड़ता है
छंद-शास्त्र	रा.	गु.	17 × 12 × 10 × 22	संपूर्ण लगभग 48 गीत	1800	
अलंकार शास्त्र	प्रा.	4	25 × 11 × 15 × 34	,, 76 गा.	20वीं	
,,	प्रा.सं.	7	25 × 13 × 9 × 33	,, 75 गा.	19वीं	
,,	सं.	6	27 × 11 × 15 × 54	,, 5 प्रभायें	,,	
,,	,,	6	27 × 11 × 17 × 60	संपूर्ण 6 अध्याय की ग्रंथाग्र 340	16वीं	प्राचीन प्राकृत या सं. में किसी मूल ग्रंथ की अवचूरि है।
,,	रा.	6	23 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण	19वीं	बीच में पत्रे कट्टे हुए हैं।
,,	,,	8	27 × 13 × 14 × 55	संपूर्ण 273 छंद	18वीं	
,,	,,	गु.	15 × 13 × 9 × 19	,, 121 छंद	1834	
,,	,,	21	25 × 13 × 10 × 30	,, 273 पद	19वीं	
,,	,,	9	23 × 13 × 13 × 35	,,	,,	
,,	,,	5	25 × 11 × 11 × 36	,, 60 पद	,,	
,,	,,	35	29 × 14 × 10 × 28	संपूर्ण	,,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
25	ओसियां 6 इ 34	नलोदय	Nalodaya	जीवदास	प.
26	के.नाथ 17/38	नवरस-विचार	Navarasa Vicāra	कविभूषण ?	,,
27	कोलड़ी 1248	नंदिताढ्य छंद सावचूर	Nanditādhya Chanda with Avacūri	(नन्दिताढ्य)/रत्नचंद्र	मू अ (प.ग.)
28	ओसियां 6 अ 97	परिभाषा	Paribhāṣā	—	ग मूल
29	,, 6 अ 78	,, +श्लोकयोजन निर्णय	,, +Ślokayojana Nirṇaya	/नीलकंठ/सूरिसुनु	ग.प.
30	के.नाथ 7/15	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	सिरदेव	ग.
31	,, 14/71	पंचवर्गपरिहार	Pañcavarga Parihāra	जिनभद्रसूरि	प.
32	कुंथु. 55/16	पिंगल ग्रन्थ	Piṅgala Grantha	क्षेमराज का शिष्य ?	ग.
33	ओसियां 6 अ 75	,, -ज्ञान	,, Jñāna	—	,,
34	,, 6 अ 79	,, -सार	,, Sāra	हरिप्रसाद	,,
35	महावीर 6 अ 27	प्राकृत छंद-कोश	Prākṛta Chanda Kośa	—	प.
36	,, 6 अ 29	भाषा-पिंगल	Bhāṣa Piṅgala	—	ग.
37	ओसियां 6 अ 55	,, -भूषण	,, Bhūṣaṇa	हरिचरणदास	प.
38	,, 5 अ 11	वृंदावन, घटकर्पूर, मेघाभ्युदय चन्द्रदूत, शिवभद्र	Vṛndāvana, Ghaṭakarpūra Meghābhyudaya Candradūta, Śivabhadra	मानांक (3) जंबूक(1) शिवभद्र 1	,,
39	के.नाथ 17/23	रसतरङ्गिणी	Rasataraṅgiṇī	भानुदत्त	,,
40	कोलड़ी 1304	रसरत्न	Rasaratna	सूरतिमिश्र	,,
41	कोलड़ी गु. 10/6	,,	,,	सूरतमिश्र	,,
42	,, गु. 9/1	,,	,,	—	,,
43	,, 839	रूपदीप	Rūpadīpa	जयकृष्ण	,,
44	के.नाथ 18/92	,,	,,	,,	,,
45	कुंथु. 46/1	,,	,,	—	,,
46	ओसियां 6 इ 23	,,	,,	—	गद्य
47	के नाथ 14/83	वृत्तरत्नाकर	Vṛtta Ratnākara	भट्टकेदार	मू.पद्य
48	,, 3/32	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
काव्य ग्रन्थ	सं.	14	28 × 13 × 9 × 32	संपूर्ण	19वीं	किञ्चित् टब्बार्थ भी
काव्यलक्षण-शास्त्र	डि	35	31 × 15 × 15 × 30	प्रतिपूर्ण	,,	5 पत्रे स्फुट ग्रन्थ हैं
छंद-शास्त्र	प्रा सं.	4	27 × 10 × 14 × 58	संपूर्ण 99 गा.	1511	पंचपाठ
वाक्य रचना छंद योजना	सं.	2	27 × 12 × 13 × 51	,, 8 अध्याय/ग्रं. 66	19वीं	
,,	,,	3	25 × 10 × 15 × 47	,, ,, +30 श्लोक	18वीं	
,,	,,	54	26 × 10 × 15 × 52	,,	1677	
शब्द व्यंजन स्वर शास्त्रकोश	,,	10	27 × 11 × 17 × 40	,, दो खंड 346 श्लो.	19वीं	(अपरनाम = अपवर्ग नाम माला)
छंदशास्त्र	प्रा.	6	27 × 11 × 22 × 62	,, 84 छंद सोदाहरण	16वीं	
काव्य छंद शास्त्र	सं.	5	26 × 11 × 13 × 50	,,	18वीं	अजितशांतिस्तव' के छंदों पर
,,	,,	3	28 × 13 × 18 × 52	प्रतिपूर्ण	,,	
,,	प्रा.	9	26 × 11 × 10 × 46	,,	,,	
छंद काव्य भाषा शास्त्र	रा.	16	25 × 11 × 11 × 33	संपूर्ण 152 छंद	19वीं	
काव्यालंकार शास्त्र	हिं.	13	28 × 12 × 9 × 39	,, 212 छंद	1866 सुखराम	
साहित्यिक काव्य-शास्त्र	सं.	13	25 × 12 × 11 × 40	,, 5 काव्य 229 श्लो.	18वीं	यमक प्रधान 5 काव्य चंद्रदूत आदि लघुकाव्य
,,	,,	38	31 × 15 × 9 × 40	,, 8 तरंग	19वीं	
शृंगार रसों का वर्णन	हिं.	7	22 × 15 × 20 × 19	,, 64 पद	1831	
,,	,,	गु.	22 × 16 × 30 × 33	,, 66 पद	19वीं	
शृंगार रस वर्णन	,,	,,	15 × 14 × 11 × 19	,, 26 छंद	,,	
छंदशास्त्र	डि.	19	31 × 12 × 14 × 43	,, 22 जाति के कवित्त	1868	
,,	,,	4	25 × 13 × 16 × 31	,, 52 छंद	19वीं	
,,	,,	13	16 × 13 × 12 × 19	,, 75 छंद	,,	
,,	,,	8	21 × 12 × 13 × 27	,,	18वीं	
,,	सं.	6	25 × 11 × 12 × 40	,, 6 अध्याय	1663	
,,	,,	6	25 × 11 × 14 × 40	,, ,,	1717	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
49	ओसियां 6 अ 2	वृत्तरत्नाकर सटीक	Vṛttasatnākara with Tīkā	भट्टकेदार/समयसुन्दर	मू+वृ (प.ग.)
50	,, 6 अ 102	,,	,,	,,	मू पद्य
51	महावीर 6 इ 28	,,	,,	,,	,,
52	के.नाथ 29/91, 20/45, 17/65	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
53	,, 22/4	,, -सटीक	,, with Tīkā	,, /शिवचरण	मू+वृ (प.ग.)
54	कोलड़ी 987	,, की टीका	,, kī Tikā	सुल्हणकवि	गद्य
55	के.नाथ 7/42	,, ,,	,, ,,	सोमचन्द्र	,,
56	,, 9/36	विदग्धमुखमंडन	Vidagdha-mukhmaṇḍana	धर्मदास	ग.
57-8	,, 14/78,21	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
59-60	ओसियां 6 अ 99/100	,, -सटीक	,, Tīkā ,,	,, /दुर्गकवि(पूर्वार्द्ध ताराचंद (उत्तरार्द्ध)	मू+वृ (ग.)
61	कोलड़ी 1054	,, -की टीका	,, kī Tikā	मेरुसुन्दर गरिण	गद्य
62	मुनिसुव्रत 6 अ 107	श्रुतबोध-सटीक	Śrutabodha with Tikā	कालिदास/वररुचि	मू टी. (प.ग.)
63	के.नाथ 22/35	,,	,,	,, /हर्षकीर्ति	,,
64	,, 22/18	,,	,,	,, /माधवदैवज्ञ	,,
65	सेवामंदिर 6 इ 55	शृंगारतिलक	Śṛgāra Tilaka	कालिदास	मू प.
66	के.नाथ 17/34	शृंगारसार-संग्रह सावचूरि	,, Sāra Saṅgraha with Avacūri	समरसिंह	मू+अ (प.ग.)

भाग : 7 साहित्यिक भाषा/विभाग (उ) :—

1	कोलड़ी 897	अलंकार-कारिका	Alaṅkāra Kārikā	—	पद्य
2-3	ओसियां 6 अ 40	,, -कारिकावली	,, Kārikāvali	—	,,
4	कोलड़ी गु. 11/10 842	,, -माला 2 प्रतियां	,, Mālā 2 copies	सूरतिमिश्र	प.
5	के.नाथ 19/53	,, ,,	,, ,,	,,	,,
6	ओसियां 6 अ 80	,, -लक्षण	,, Lakṣaṇa	—	ग.प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
छंद-शास्त्र	सं.	12	26 × 12 × 17 × 55	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	7	26 × 12 × 14 × 46	संपूर्ण 6 अध्याय	,,	
,,	,,	9	26 × 11 × 11 × 33	,, ,,	19वीं	
,,	,,	10,6, 9	17 से 26 × 11 से 12	,, ,,	1886 व 20वीं	
,,	,,	20	26 × 12 × 18 × 51	,, ,,	19वीं	
,,	,,	10	34 × 13 × 19 × 80	,, ,,	17वीं	
,,	,,	23	29 × 10 × 15 × 55	,, 6 अध्याय की ग्रं. 1219	,,	
व्याकरण साहित्यिक काव्यशास्त्र	,,	13	26 × 11 × 12 × 40	,, 4 परिच्छेद	17वीं	
,,	,	17,10	26 × 11 व 27 × 12	प्रथम संपूर्ण द्वितीय अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	19,11	28 × 12 × 20 × 57 28 × 13 × 12 × 50	पूर्वार्द्ध 2 परिच्छेद(2+2) उत्तरार्द्ध 2 ,,	18वीं	
,,	,,	35	26 × 11 × 17 × 55	अपूर्ण	19वीं	
छन्द-शास्त्र	,,	5	25 × 12 × 22 × 66	सं 40 पदों में 37 छंदों के लक्षण	17वीं	
,,	,,	6	26 × 11 × 15 × 47	,, 40 श्लोक	1729 मेदिनीतटे ज्ञानसागर	
,,	,,	4	26 × 13 × 12 × 37	,, 42 श्लोक	19वीं	
काव्य-शास्त्र	,,	2	25 × 11 × 14 × 42	,, 27 श्लोक	1822	
,,	,,	48	22 × 16 × 6 × 43	अपूर्ण श्लो. 182 से 754	18वीं	

अलंकार :—

अलंकार-शास्त्र	सं.	10	24 × 11 × 9 × 46	संपूर्ण 172 श्लोक	1890	
,,	,,	7	26 × 12 × 13 × 45	,, ,,	18वीं	
,,	रा.	गु. 12	25 × 13 व 29 × 14	,, 262 छंद	19वीं	1766 की कृति
,,	,,	11	27 × 13 × 14 × 52	,, ,,	19वीं	
,,	सं.	16	26 × 12 × 17 × 55	अपूर्ण	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
7-8	कोलड़ी 840-1	कविकुल कंठाभरण 2 प्रतियां	Kavikula Kaṇṭhābharaṇa	कविदूलहमिश्र	प
9	महावीर 6 अ 25	कुवलयानंद	Kuvalayānanda	अप्पय्य दीक्षित	ग.प.
10	,, 27/47	,, अंककार चंद्रिका-टीका	,, Aṅkakāracandrikā Tikā	अप्पय्यदीक्षित/वैद्यनाथ	वृ.गद्य में
11	ओसियां 6 इ 18	चन्द्रालोक	Candrāloka	जयदेव	गद्य
12	ओसियां 6 अ 76	वाग्भटालंकार	Vāgbhaṭālaṅkāra	वाग्भट	पद्य
13	कुंथु. 42/15	,,	,,	,,	,,
14	सेवामंदिर 6 अ 119	,,	,,	,,	,,
15	के.नाथ 18/45	,,	,,	,,	,,
16	,, गु. 22	समुच्चयालंकार	Samuccayālaṅkāra	—	प

भाग/विभाग : 8

1	2	3	3 A	4	5
1	कोलड़ी 693	अजीर्णमञ्जरी-सावचूरी	Ajirṇa Mañjarī Sāvacūri	—	मू+अ (प.ग.)
2-3	,, 1291, 699	अनुपानमञ्जरी 2 प्रतियां	Anupāna Mañjari 2 copies	पीताम्बर	मू+ट (प ग.)
4	के.नाथ 15/153	अश्वचिकित्सा	Aśva Cikitsā	शालीहोत्रऋनकुल	पद्य
5-6	कोलड़ी 794, 795	,, (शालिहोत्र) 2 प्रतियां	,, (Śalīhotra) 2 copies	माल शालहोत्रऋषि कृतनकुलवार्ता	गद्य
7	कुंथु. 14/48	,, ,,	,, ,,	,,	,,
8	कोलड़ी 1287	अश्विनी संहिता	Aśvinī Saṁhitā	—	ग.प.
9	मुनिसुव्रत 7 ई 23	अष्टाङ्ग हृदय संहिता	Aṣṭāṅga Hṛdaya Saṁhitā	वाग्भट	प.
10	ओसियां 7 ई 10-9	,,	,,	,,	,,
11	सेवामंदिर 7 ई 21	,,	,,	,,	,,
12	के.नाथ 16/39	,, टीका	,, Tikā	,, /रुणदत्त	ग.
13	कोलड़ी 696	आयुर्वेद महोदधि	Āyurveda Mahaudadhi	सुख	प.
14	के.नाथ 26/63	उत्तरनिबन्ध-संग्रह सटीक	Uttaranibandha Saṅgraha Saṭika	—	मू.+टी
15-16	,, गुटका 6, 24/44	औषधिनुस्खा-संग्रह 2 प्रतियां	Auṣadhi Nuskhā Saṅgraha 2 copies	संकलन	ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
अलंकार-शास्त्र	रा.	10,8	31 × 12 × 12 × 45	संपूर्ण 60 छंद	1881 फलोदी इंद्र भानु (हीरविजय)	
अलंकार-शास्त्र	सं.	59	24 × 12 × 14 × 42	संपूर्ण	1854, सूर्यपुर, विनयचंद	
,,	,,	74	26 × 12 × 15 × 47	अपूर्ण प्रमाणालंकार प्रकरण तक	19वीं	मूल की टीका है
अलंकार-शास्त्र	,,	9	28 × 13 × 11 × 54	,, 4 मयूख	18वीं	
काव्यालंकार-शास्त्र	,,	14	26 × 11 × 11 × 33	संपूर्ण 5 परिच्छेद 266 श्लोक	16वीं × चंद्रसूरि	
,,	,,	11	26 × 11 × 11 × 54	,, ,,	1678	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 41	अपूर्ण (पत्र 7 से 17)	1877	
,,	,,	16	27 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण 5 परिच्छेद	1944	
अलंकार व काव्य शास्त्र	रा.	23	22 × 15 × 24 × 17	अपूर्ण 44 से 133 छंद	19वीं	

आयुर्वेद वैद्यक :—

अजीर्ण रोग के बारे में	सं.मा.	14*	25 × 12 × 11 × 40	अपूर्ण 38 श्लोक	1899	
विषविकार चिकित्सा	,,	12,6	29 × 13 व 27 × 13	संपूर्ण 5 उद्देशक	1886/1916	द्वितीय प्रति में टब्बार्थ नहीं है
घोड़ों की चिकित्सा व अन्य ज्ञान	सं.	10	25 × 11 × 15 × 37	,, श्लोक 350	1751	
,,	रा.	3,6	27 × 10 व 29 × 10	,,	1848/19वीं	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 40	अपूर्ण	20वीं	
वैद्यकशास्त्र	सं.	5	24 × 12 × 14 × 33	,, (केवल कुमाराक्ष चिकित्सा	19वीं	
,,	,,	71	27 × 11 × 10 × 32	,, 13 से 18 व 23 से 38 अ.	17वीं	
,,	,,	117	26 × 12 × 17 × 55	,, 2 से 6 स्थान तक	1734	
,,	,,	38	23 × 11 × 9 × 34	त्रुटक	18वीं	
,,	,,	77	25 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण 4।। अध्याय	19वीं	
आहार द्रव्यगुण पथ्य पर	,,	23	27 × 12 × 13 × 45	संपूर्ण 600 ग्रंथाग्र	1864	
वैद्यकविज्ञान	,,	276	28 × 12 × 12 × 46	लगभग पूर्ण (प्रथम दो पत्र कम	1677	
चिकित्सा दवाइयां	मा.	17,12	25 × 15 व 22 × 11	प्रतिपूर्ण	17/18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
17-34	कोलड़ी 692 701 877,912, 1266,गुटके 1/7 9/4-8,10,10/5 8 9 12,12/2 13,8,9,10	औषधिनुस्खा-संग्रह 18 प्रतियां	Auṣadhi Nuskhā Saṅgraha 18 copies	संकलन	ग.
35-47	कुंथु. 14/45-47 12/111,37/ 25-27,40/3, 35/32-33 2/35,26/2, 17/5	औषधिनुस्खा-संग्रह 13 प्रतियां	Auṣadhi Nuskhā Saṅgraha 13 copies	,,	,,
48-49	सेवामंदिर गु दे.18 7 ई 12	औषधि नुस्खा-संग्रह 2 प्रतियां	Auṣadhi Nuskhā Saṅgraha 2 copies	,,	,,
50	कोलड़ी 697	,, निर्माण-यन्त्र	,, Nirmāṇa Yantra	—	,, चित्र
51	,, 706	,, रसायन-विधि	,, Rasāyana Vidhi	—	,,
52-3	,, 703,705	कालज्ञान 2 प्रतियां	Kālajñāna 2 copies	—	प.
54	,, 704	,,	,,	—	मू + ट (ग.ग.)
55	के नाथ 18/10	,,	,,	—	प.
56	ओसियां 7 ई 13	,,	,,	शंभुनाथ	मू ट.
57	,, 7 ई 19	,,	,,	,,	ग.
58	,, 7 ई 18	,, भाषान्तर	,, Bhāṣāntara	(मू शंभुनाथ) लक्ष्मी वल्लभ	प.
59	के.नाथ 24/36	काशिनाथ-पद्धति	Kāśinātha Paddhati	काशीनाथ	ग.
60	कोलड़ी 707	कुठमुद्गर सावचूरि	Kuṭhamudgara Sāvacūri	माधव	(प ग.) मू+अ
61	मुनिसुव्रत 7 ई 16	गर्भ-चिकित्सा	Garbha Cikitsā	धन्वन्तरी	,,
62	कोलड़ी 693	गुणरत्नमाला	Guṇaratnamālā	—	प.
63	,, 698	चंद्रोदयपारदादि-औषधियां	Candrodaya Pāradādi Auṣadhiyān	—	ग.
64	के.नाथ 25/27	चिकित्सासार-संग्रह	Cikitsā Sāra Saṅgraha	आत्रेयभाषित	प.
65	,, 25/38	,,	Cikitsāsāra	क्षेमेन्द्रमित्र	मू.ग.
66	,, 26/3	ज्वरद्विशति	Jvara Dviśati	ठाकुरप्रसाद	प.
67	,, 26/13	ज्वरत्रिशती	,, Triśati	यतिशार्ङ्गधर	मू प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
चिकित्सा दवाइयां	मा.	14,10 9 27,5 (गु. 12)	11 से 18 × 7 से 13	प्रतिपूर्ण/अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	1,1,1,1 1,1,1,2 2,1,39 8,7,6	13 से 28 × 10 से 13	,, ,,	19/20वीं	
,,	,,	19,20	22 × 16 व 12 × 12	,, ,,	18/19वीं	
उपकरण विवरण	सं.	2	8 × 10	संपूर्ण 37 उपकरण	19वीं	
बनाने की प्रक्रिया	मा.	5	25 × 11 × 11 × 28	,,	,,	
रोगी की उम्र का व चिकित्सा का समय ज्ञान आदि	सं.	16,12	22 × 14 व 25 × 12	,,	1863/19वीं	
,,	सं.मा.	15	25 × 12 × 8 × 42	,, 221 श्लोक	19वीं	
,,	सं.	10	24 × 11 × 11 × 38	,, 7 उद्देशक 88 श्लोक	,,	
,,	सं.मा.	18	21 × 12 × 8 × 33	,, 5 उद्देशक	1894विक्रमपुर	
,,	सं.	10	27 × 12 × 13 × 40	,, ,,	18वीं	
,,	मा.	11	26 × 11 × 10 × 37	,, ,,	,,	
वैद्यकशास्त्र (अपरनाम आयुर्वेदसार)	सं.	63	26 × 11 × 15 × 47	अपूर्ण	17वीं	
6 रस व 3 दोष संबन्ध	,,	6	23 × 11 × 4 × 24	संपूर्ण 20 श्लोक	19वीं	
वैद्यक+मांत्रिक चिकित्सा	,	3	25 × 11 × 16 × 59	अपूर्ण	15वीं × यशकीर्ति	
वैद्यक द्रव्यगुण औषधादि	,,	14	25 × 12 × 11 × 40	,, 20 से 254 श्लोक (अन्त	1899	
रसायन-प्रक्रिया	सं मा.	4	26 × 10 × 10 × 42	संपूर्ण	19वीं	
वैद्यकशास्त्र	सं.	152	26 × 12 × 16 × 54	अपूर्ण छर्दि चिकित्सा तक	18वीं	
,,	,,	74	28 × 14 × 27 × 51	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	15	28 × 13 × 14 × 32	,,	1852	
,,	,,	23	26 × 11 × 11 × 33	,, 327 श्लोक	1753	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
68	महावीर 3 इ 54	धूणी की औषध	Dhūṇī kī Ausadha	—	ग.
69	कोलड़ी 708	नाड़ी परीक्षा व मूत्र परीक्षा	Nāḍī Parīkṣā & Mūtra-parīkṣā	—	प.
70	के.नाथ 24/30	,, व वैद्य उल्लास	,, & Vaidya Ullāsa	श्रीधर	ग प.
71	ओसियां 7 इ 8	नाड़ी-प्रकाश	Nāḍī Prakāśa	शंकरसेन	,,
72	के.नाथ 27/58	नाम-रत्नाकर	Nāma Ratnākara	कयदेव	पद्य
73	,, 25/43	,,	,,	,,	,,
74	ओसियां 7 ई 5	निघंटु	Nighaṇṭu	—	ग.
75	,, 7 ई 6	,,	,,	—	,,
76	के.नाथ 17/53	,,	,,	धनवन्तरी	,,
77	,, 16/40	,,	,,	,,	ग.
78	कोलड़ी 720	,,	,,	—	प.
79	,, 1254	नेत्ररोग-यत्न	Naitra Roga Yatna	—	ग
80	के नाथ 17/21	पथ्या-पथ्या विनिश्चय	Pathyāpathya Viniścaya	—	प.
81	महावीर 3 इ 354	बांझपन	Bānjhapana	—	,,
82-5	के.नाथ 25/28, 30.31,33	भावप्रकाश 4 प्रतियां	Bhāvaprakāśa 4 copies	भावमिश्र	प.
86	कोलड़ी 702	भिषक्चक्रचित्रोत्सव	Bhiṣak Cakra Citrotsava	हंसराज	ग
87	मुनिसुव्रत 7 ई 2	मतिभद्र	Matibhadra	—	,,
88	के नाथ 17/10	मदनविनोद	Madana Vinoda	मदननृप	,,
89	ओसियां 7 ई 14	मनोरमायोग	Manoramā Yoga	—	,,
90	के.नाथ 26/10	मातृकावर्ण-निघंटु	Mātṛkāvarṇa Nighaṇṭu	महीधरदास	प.
91	,, 26/16	माधवनिदान (रोगविनिश्चय)	Mādhava Nidāna (Roga-Viniścaya)	माधवभट्ट	,,
92	,, 26/1	,, ,,	,, ,,	,,	,,
93	ओसियां 7 ई 7	,, ,,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
धूप का नुस्खा	रा.	1	23 × 12 × 19 ×	प्रतिपूर्ण	19वीं	
निदान प्रक्रिया/योग रत्नाकर, राम विनोद आदि से)	,,	6	25 × 10 × 13 × 34	संपूर्ण	,,	
,,	सं	12	21 × 12 × 17 × 34	अपूर्ण वैद्य उल्लास के प्रथम उद्देशक तक	,,	
,,	,,	12	26 × 11 × 12 × 39	संपूर्ण 3 उद्योत	16वीं	
वैद्यककोश	,,	58	26 × 11 × 16 × 45	अपूर्ण $5\frac{1}{2}$ वर्ग तक	17वीं	
,,	,,	14	26 × 12 × 16 × 51	,, 488 श्लोक तक	19वीं	
,,	,,	37	26 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण	17वीं	
,,	,,	86	26 × 11 × 11 × 33	,,	1768,किराड दिनकर	
,,	,,	28	25 × 11 × 17 × 46	,, 7 वर्ग	1787	
,,	,,	20	26 × 11 × 13 × 38	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	32	26 × 13 × 12 × 25	,,	,,	
चक्षुचिकित्सा	मा.	8	18 × 24 × 26 × 24	संपूर्ण	,,	
आयुर्वेद (विभिन्न रोगों) में हिताहित आहारादि	सं.	13	30 × 15 × 18 × 50	,,	1794	
कारण निदान व औषध	रा.	1	25 × 12 × 10 × 44	प्रतिपूर्ण	18वीं	
वैद्यक शास्त्र पाठ्य पुस्तकनुमा	सं.	142,105,24	27 × 14 × 12/16 × 36	अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	24	25 × 13 × 21 × 42	संपूर्ण	1894	
औषधिनुस्खे	,,	6	24 × 11 × 15 × 40	,,	1723 केशर-विमल	प्रथम पन्ना कम है
वैद्यककोश	,,	31	30 × 16 × 19 × 48	,, 14 सर्ग	1898	
वैद्यक औषधि विज्ञान	,,	13	26 × 12 × 12 × 48	,,	1882 नेपाल मध्ये	
वैद्यक-कोश	,,	4	21 × 13 × 11 × 24	,, 59 श्लोक	19वीं	(अकारादिक्रम से)
वैद्यक निदान व चिकित्सा ग्रंथ	,,	56	26 × 11 × 13 × 42	,,	1763	
,,	,,	144	33 × 15 × 7 × 28	,,	1856	
केवल ज्वर निदान	,,	8	25 × 11 × 12 × 39	अपूर्ण 190 श्लोक	18वीं	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
94	कोलड़ी 694	माधवनिदान (रोगविनिश्चय)	Mādhava Nidāna (Roga-viniścaya)	माधवभट्ट	प.
95	के.नाथ 25/35	,, सावचूरी	,, with Avacurī	,,	मू + अ (प.ग)
96	,, 27/54	,,	,,	,,	मू प.
97	कोलड़ी 1068	,,	,,	—	ग.
98-100	के.नाथ 25/32, 42, 26/7	,, -सटीक 3 प्रतियां	,, with Tīkā 3 copies	माधवभट्ट/वैद्यवाचस्पति	मू + वृ (प ग.)
101	,, 25/34	,, ,,	,, ,,	,, /कर्मचन्द्र	,, ,,
102	,, 25/25	,, ,,	,, ,,	,, /—	,, ,,
103-5	,, 25/41, 26/8, 12	,, -की टीका 3 प्रतियां	,, kī Tīkā 3 copies	वैद्यवाचस्पति	ग
106	ओसियां 7 ई 4	योगचिंतामणि सहबाला.	Yoga Cintāmaṇi with Bālāvabodha	/हर्षकीर्तिसूरि	मू बा. (प ग.)
107	,, 7 ई 3	,, ,,	,, ,,	,,	,,
108	मुनिसुव्रत 7 ई 1	,, ,,	,, ,,	,,	,,
109	के.नाथ 26/15	,,	,,	—	मू.प.
110	कोलड़ी गु. 3/2	,, -का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha	हर्षकीर्त्ति	ग.
111	,, गु. 7/2	,, ,,	,, ,,	—	,,
112	,, 1252	योगतरङ्गिणी	Yoga Taraṅgiṇī	विमलभट्ट	प ग.
113	कुंथु. 37/8	योगशतक-सटीक	Yoga Śataka with Tīkā	—/—	मू + वृ (प ग)
114	के नाथ 27/30	,,	,,	—	मू.प.
115	कोलड़ी 700	,,	,,	—	,,
116	के नाथ 26/11	,, सहबालावबोध	,, with Bālāvabodha	—	मू + बा
117	कोलड़ी 1069	योगसंग्रह	Yoga Saṅgraha	शाङ्गधर	प.
118	ओसियां 7 ई 15	योगसार	Yoga Sāra	—	ग
119	कोलड़ी 695	रामविनोद	Rama Vinoda	मुनिरामचन्द्र	प.
120	के.नाथ 27/53	,,	,,	,,	,,
121	कुंथु. 40/4	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
निदान व चिकित्सा	सं.	188	25 × 12 × 12 × 40	संपूर्ण ग्रं. 5575	19वीं	
,,	,,	64	25 × 11 × 13 × 36	,,	,,	
,,	,,	39	26 × 12 × 16 × 52	अपूर्ण 211 से 1574 श्लोक (अंत)	1772	
,,	,,	121	26 × 11 × 11 × 30	त्रुटक	17वीं	
,,	,,	15,57 118	25 से 26 × 10 से 13	अपूर्ण	19/20वीं	(टीका 'आतंक दपर्ण' नाम्नी)
,,	,,	24	26 × 12 × 11 × 35	,, ज्वराधिकार मात्र	19वीं	
,,	,,	11	27 × 13 × 17 × 51	,, 105 श्लो मात्र	,,	
,,	,,	86,40 6	22 से 25 × 11	,,	1857 से 20वीं	आतंक दर्पण' नाम्नी
औषधिविज्ञान	सं.मा.	41	26 × 11 × 15 × 49	संपूर्ण 7 अध्याय	1720 हाजीपाल मानसूरि	
,,	,,	76	26 × 11 × 17 × 50	,, ,,	1739बीकानेर सबलसिंह	
,,	,,	119	26 × 11 × 8 × 41	,, ,,	1844श्रीभटपुर धनसागर	
,,	सं.	19	26 × 13 × 6 × 33	अपूर्ण बीच के 76 से 94 पत्र	19वीं	पांचवा व छठा अध्याय मात्र
,,	मा.	गु.	15 × 14 × 16 × 22	संपूर्ण	1784	(वैद्यकसार संग्रह)
,,	,,	26	21 × 15 × 19 × 26	त्रुटक	19वीं	(,,)
,,	सं.	124	30 × 15 × 11 × 32	संपूर्ण 81 सर्ग तक	,,	
,,	,,	11	25 × 11 × 20 × 52	,, 135 श्लोक ग्रं. 685	17वीं	
,,	,,	26	26 × 12 × 6 × 43	,, 271 श्लोक	1790सवाईजै-पुर	
,,	,,	6	27 × 10 × 13 × 55	,, 120 श्लोक	1848	
,,	सं.मा	7	26 × 11 × 18 × 42	,, 107 श्लोक	19वीं सेत्रावा	
,,	सं.	10	29 × 14 × 13 × 50	अपूर्ण	20वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 17 × 52	प्रतिपूर्ण	18वीं	
वैद्यक ग्रंथ सामान्य	मा.	65	27 × 10 × 13 × 56	संपूर्ण 28 अध्याय ग्रं. 3367	,,	
,,	,,	22	23 × 11 × 11 × 33	अपूर्ण 301 पद	19वीं	
,,	,,	60	27 × 27 × 28 × 38	त्रुटक	,,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
122	सेवामंदिर 7 ई 22	लघुसंहिता	Laghu Saṁhitā	—	प.
123	के नाथ गु. 31	वैद्यकग्रन्थ (नाम रहित)	Vaidyaka Ms. (without name)	संकलित	,,
124	,, 25/40	,, ,,	,, ,,	,,	ग.
125	कुंथु. 40/2	वैद्यमनोत्सव पद्यानुवाद	Vaidya Manotsava Padyānuvāda	नयनसुख (केशवसुत)	प.
126	के.नाथ गु. 16	,, ,,	,, ,,	,,	,,
127	,, 27/55	,, ,,	,, ,,	,,	,,
128	,, 25/37	वैद्यविनोद (शार्ङ्गधर का अनुवाद)	Vaidya Vinoda (Śārṅgadharaś Trans)	मुनिरामचंद्र (पद्मरंग शिष्य)	,,
129	कुंथु. 25/1	,,	Vaidya Vinoda	अनंतभट्ट आत्मज शंकर	,,
130	,, 20/10	वैद्यसंजीवन	,, Sañjīvana	लोलिम्बराज	मु.प.
131	के नाथ 26/14	,,	,,	,,	,,
132	ओसियां 7 ई 17	,,	,,	,,	,,
133	के.नाथ 28/11	,,	,,	,,	मू.ट. (प ग.)
134	कोलडी 1285	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /गो हरिनाथ	मू+वृ (प ग.
135	के नाथ 26/6	,, -सद्दीपिका	,, with Dīpikā	,, /रूद्रभट	,,
136	कुंथु 4/6	,,	,,	,,	मू.ट (प.ग)
137	के नाथ 17/19	वैद्यकसार	Vaidyaka Sāra	—	प.
138	कोलडी 836	,,	,,	—	ग.
139	के नाथ 7/2	शब्दरत्न-प्रदीप	Śabda Ratna Pradīpa	कल्याणदास	मू
140	,, 25/29	शाकवर्ग	Śāka Varga	—	ग.
141	सेवामंदिर 7 ई 20	शार्ङ्गधरयोगप्रदीपिका	Śārṅgadharayoga Pradīpikā	—	,,
142	कुंथु 3/53	सन्निपातकलिका सटीक	Sannipāta Kalikā Saṭika	—	मू+वृ (प ग.)
143	सेवामंदिर गु दे.16	,, ज्वरचिकित्सा	,, Jvara Cikitsā	—	प.
144	कुंथु. 28/1	,, -चिकित्सा	,, Cikitsā	—	ग.
145	सेवामंदिर गु दे.16	सालोत्तर-सार	Sālottara Sāra	—	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
वैद्यक ग्रंथ सामान्य	सं.	23	21 × 16 × 14 × 30	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	26	12 × 11 × 11 × 13	प्रतिपूर्ण	19वीं	साथ में नुस्खे व तंत्र के 20 पत्र अतिरिक्त
,,	मा.	14	26 × 11 × 15 × 47	,,	1784	
,,	,,	23	15 × 26 × 30 × 25	संपूर्ण 302 गा.	1738	
,,	,,	38	15 × 15 × 13 × 13	,, 327 गा.	1847	
,,	,,	18	26 × 11 × 13 × 39	अपूर्ण 344 गा.	18वीं	
,,	,,	109	28 × 12 × 13 × 39	संपूर्ण	19वीं	रामविनोद कर्त्ता का यह दूसरा ग्रंथ है रामसिंह राजा के कहने पर लिखा
,,	सं.	35	22 × 10 × 15 × 54	अपूर्ण त्रुटक	,,	
,,	,,	9	25 × 10 × 15 × 45	संपूर्ण 5 विलास	1736	
,,	,,	21	25 × 11 × 10 × 30	,, ,, +22 श्लो.	1852	
,,	,,	11	25 × 11 × 12 × 50	,, ,, = 221श्लो.	1857	
,,	सं.मा.	33	23 × 11 × 4 × 65	,, ,,	1877	
,,	सं.	26	27 × 13 × 13 × 40	,, ,,	1905	
,,	,,	54	25 × 12 × 12 × 34	,, ,,	19वीं	
,,	सं.मा	9	26 × 12 × 7 × 37	अपूर्ण	,,	
वैद्यक-रोगनिदान औषधि	सं.	65	31 × 15 × 9 × 25	,,	,,	
,, -औषधि	मा.	4	24 × 12 × 14 × 42	,,	,,	
वैद्यक-औषधि नाम वर्ग शब्द कोश	सं.	19	25 × 12 × 13 × 40	संपूर्ण 'अ' से 'ह'	1803 जैपुर दीपचंदगणि	(अकरादिक्रम से) प्रशस्ति है
वैद्यक-द्रव्यसार पदार्थादि	,,	7	28 × 14 × 13 × 41	अपूर्ण	19वीं	
,, औषधि विज्ञान	,,	12	32 × 17 × 17 × 46	,,	17वीं	
सन्निपात चिकित्सा 13 प्रकारी की	सं.मा.	14	27 × 12 × 16 × 54	संपूर्ण	1748	
,, ,,	मा.	20	20 × 16 × 15 × 33	लगभगपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	31	15 × 11 × 11 × 20	संपूर्ण	,,	
अश्वचिकित्सा	,,	20*	20 × 16 × 20 × 30	,, 3 खंड	,,	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
146	महावीर 3 इ 354	स्वर व बुद्धि औषध	Sarva & Buddhi Auṣadha	—	ग.
147	के.नाथ 28/20	स्फुट अपूर्ण व लघु ग्रंथ व त्रुटक पत्रे	Stray incomplete & Small works & loose folios	भिन्न 2	प.ग.
148-9	कोलड़ी ब. 71+69	,, ,, 2 बस्ते	,, ,, 2 Baste	,,	,,
150	मुनिसुव्रत ब. 78	,, ,,	,, ,,	,,	,,

भाग (9) ज्योतिष व निमित्त विभाग (अ)

1	के नाथ 26/19	अक्षरचिंतामणि	Akṣara Cintāmaṇi	शिव	मू प.
2	कोलड़ी 995	अब्दारिष्ट-विचार	Abdāriṣṭa Vicāra	(देवज्ञनीलकंठ)गोविन्द	ग.
3	,, गु. 1/21	अयनांश-ज्योतिष	Ayanāṁśa Jyotiṣa	—	,,
4	कुंथु. 10/156	,, (बिलाड़ा नगर के)	Ayanāṁśa (of Bilāḍānagara)	—	अंकतालिका
5	कोलड़ी 986	अरिष्ट-परिहाराध्याय विवृत्ति	Ariṣṭa Parihārādhyāya Vṛtti	(नीलकंठ सुत गोविन्द)	ग.
6	मुनिसुव्रत 7 अ 90	अरिष्टाध्याय-जातकाभरण	Ariṣṭādhyāya Jātakābharaṇa	ढुंढिराज	प.
7	के नाथ 25/24	,, आदि जन्मपत्री ग्रंथ	,, Ādi Janmapatrī grantha	संकलन	,,
8	कोलड़ी 565	अष्टोत्तरिदशा भुक्तभोग्यविधि	Aṣṭottaridaśā Bhuktabhogyavidhi	—	ग.
9	,, 1279	अस्तोदय ग्रहस्पष्टकरणम्	Astodaya Grahaspaṣṭakaraṇam	—	,,
10	,, 689	अहर्गण	Aharggaṇa	—	,,
11	,, 690	,, कर्त्तव्यता	,, Karttavyatā	—	प.ग.
12	महावीर 7 अ 6	आरंभसिद्धि वृत्तिसह	Ārambhasiddhi with Vṛtti	उदयप्रभ/हेमहंसगणि	मू+वृ (प.ग.)
13	महावीर 7 अ 5	,, सावचूरि	,, with Avacūri	उदयप्रभ	प ग. (मू.अ.)
14	कोलड़ी 1172	आशाधर-ज्योतिष	Āśādhara Jyotiṣa	—	गद्य
15	,, 691	इष्ट-कष्ट-बल-साधन	Iṣṭa-kaṣṭa Balasādhana	—	ग.
16	औसि 7 अ 84	करणकुतूहल	Karaṇa Kutūhala	भास्कराचार्य	प.मूल
17	मुनिसुव्रत 7 अ 61	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
उपचार	सं.	1	27 × 13 × 8 × 30	प्रतिपूर्ण	19वीं	
नुस्खेआदि	सं.मा.	457	20 से 28 × 10 से 16	पूर्ण/अपूर्ण	17/20वीं	
,,	,,	127	25 से 30 × 10 से 14	,,	,,	
,,	,,	36	,, ,,	,,	,,	

ज्योतिष :—

6	7	8	8 A	9	10	11
निमित्त ज्योतिष	सं.	21	21 × 11 × 11 × 32	संपूर्ण	1709	
वर्षफल मुंथा अरिष्ट-कल्पादि (अरिष्ट-परिहार)	,,	9	32 × 14 × 9 × 42	,,	19वीं	
ज्योतिष फलावट	मा.	9	15 × 11 × 11 × 18	अपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिष सारिणी	,,	1	25 × 11 × —	संपूर्ण 12 राशि का लग्न पत्र	20वीं	
वर्षफल मुंथारिष्ट	सं.	6	32 × 14 × 11 × 36	,, 15 श्लोक	19वीं मनोहरपुर रामनारायण	
योगफल अभावादि विषयक	,,	12	26 × 11 × 15 × 46	,, 318 श्लोक	18वीं जोधपुर, तखतसागर	
सामान्य संकलन	,,	46	23 × 10 × 7 × 21	अपूर्ण (14 श्लोक कम हैं 3 पत्रों के)	1850	
ज्योतिष	रा.	2	29 × 12 × 16 × 40	संपूर्ण	19वीं	
चंद्रग्रहण पर्व (1895 आसोज सुद 15) साधनं	,,	28	24 × 16 × 14 × 20	,,	1865	
ग्रहस्पष्ट-विधि	सं.	13	26 × 12 × 16 × 68	,,	19वीं	
ज्यो. (भुजसंज्ञा)	सं+रा	2	23 × 10 × 12 × 50	,, 20 श्लोक	,,	
मुहूर्त-ज्योतिष	सं.	173	26 × 11 × 12 × 42	,, (6075 श्लोक टीका) 5 विमर्श	1954 राजनगर जीवनसिंह	
,,	,,	36	27 × 13 × 16 × 50	,, 5 विमर्श	1952, अहिपुर किसनकिरण	
	,,	2	26 × 12 × 12 × 48	अपूर्ण	19वीं	
फलित (ग्रहफल)	रा.	7	28 × 12 × 11 × 48	संपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिष	सं.	9	24 × 10 × 13 × 32	,, 11 अधिकार	16वीं	
ब्रह्मतुल्य सिद्धांत ,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 42	,, 10 ,,	1798 × सत्यसागर	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
18	मुनिसुव्रत 7 अ 60	करणकुतुहल	Karaṇa Kutūhala	भास्कराचार्य	प. मूल
19-23	कोलड़ी 671, 591,1137, 598,1151	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,,	,, ,,
24	कोलडी 586	,, -सहवृति	,, with Vṛtti	,, /	प.
25	,, 646	,, की सोदाहरण वृत्ति	,, kī Sodāharaṇa Vṛtti	—	ग.
26	कुंथु. 10/195	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	सुमतिहर्षगणि	,,
27	कोलड़ी 587	,, ,,	,, ,,	,,	,
28	,, 588	, ,,	,, ,,	—	,
29-30	,, 590,589	,, ग्रहसाधन 2 प्रतियां	,, Grahasādhana 2 copies	—	,,
31-32	,, 597,596	करणकौतूहले ग्रहगतिस्थानम् 2 प्रतिया	Karaṇa Kautūhale Grahagatisthānam 2 copies	हर्षरत्नगणि	ग. अंकतालिका
33	केनाथ 27/67	,, ,,	,, ,,	—	,,
34	कोलड़ी 1210	,, (मध्यम प्रकार) ग्रहफलं	,, (Madhyama Prakāra) Grahaphalam	—	,,
35	,, 613	कर्मप्रकाश (ताजिकतंत्रसार) सहवृत्ति	Karma Prakāśā (Tājika Yantrasāra)with Vṛtt	समरसिंह स्वोपज्ञ	मू+वृ (प ग.)
36	,, 1067	,, -की वृत्ति	,,	,,	मू.प.
37	,, 1174	कर्मप्रकाश की वृत्ति	Karma Prakāśa kī Vṛtti	—	ग.
38	कुंथु. 46/2	कर्मविपाक	Karma Vipāka	महादेवोक्त	,,
39-41	कोलड़ी 688 87 गु 9/7	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
42	सेवामंदिर 7 अ 100 /5	काकपिंड पत्र	Kākapiṇḍapatra	नन्दकिशोर	प.
43	कोलड़ी 1284	कामधेनु सविवरण	Kāmadhenu with Vivaraṇa	महादेव	ग.
44	,, 989	कालचक्र (जातक)	Kālacakra (Jātaka)	ईश्वर पार्वती संवादे	,
45	,, 661	कुण्डली-विचार	Kuṇḍalī Vicāra	—	ग. कुंडलियें
46	ओसियां 7 अ 83	केशव-ज्योतिष	Keśava Jyotiṣa	केशवाचार्य	मू ट (ग.)
47	,, 7 अ 56	केशवजातक पद्धति की वृत्ति	,, Jātaka Paddhatti kī Vṛtti	विश्वनाथदैवज्ञ	ग. तालिका सह
48	कोलड़ी 641	,, ,,	,, ,,	,,	,,
49	,, 666	खेचरमञ्जरी	Khecara Mañjarī	सागरेन्दुशिष्य	अंक तालिकायें

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित ज्योतिष ब्रह्म-तुल्य सिद्धांत	स.	10	25 × 11 × 13 × 86	सपूर्ण 10 अधिकार	18वीं	
,,	,,	10,11, 9,8,5	25 से 27 × 10 से 13	प्रथम दो पूर्ण, शेष 3 अपूर्ण	1863 से 20वीं	
,,	,,	42	26 × 12 × 13 × 49	संपूर्ण (संभवाधिकार तक) 11 अधिकार	1880 श्रीपतिका गुलाबविजय	
,,	,,	40	26 × 13 × 15 × 48	,, 11 अधिकार ग्रं 2184	19वीं	
,,	,,	49	27 × 11 × 15 × 45	,,	1856	
,,	,,	12	24 × 9 × 13 × 54	अपूर्ण 5 अधिकार	19वीं	
,,	,,	18	24 × 11 × 15 × 30	,, 10 ,,	,,	अंतिम 2 पत्रों में गुर.चार
गणित ज्योतिष	,,	26,3	28 × 13 व 27 × 12	संपूर्ण	1878 व 19वीं	
,,	,,	27,4	27 × 13 व 26 × 13	,,	1871 व 19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 16 × 45	त्रुटक	19वीं	
,,	रा.	37	18 × 23 × 28 × 25	संपूर्ण	,,	
ज्योतिष मनुष्य जातक	सं.	38	26 × 11 × 12 × 42	,,	1909 जोधपुर	वृत्ति 'अणुदीपिका' नाम्नी
,,	,,	21	25 × 12 × 12 × 32	अपूर्ण 13 अधिकार	20वीं	
,,	,,	47	27 × 12 × 14 × 40	,, पितृगंडाताधिकार	19वीं	
पूर्वभव आधारित ज्योतिष कथासह	रा.	14	18 × 11 × 11 × 20	संपूर्ण	1782	
,,	,,	6,6गु.	25 × 12 व 12 × 10	,,	1846 से 1915	
ज्योतिष-मन्त्र	सं.	1	26 × 13 × 13 × 40	,, 11 श्लोक	19वीं	
गणितज्योतिष(तिथि सारणी सहित	रा.	4	26 × 13 × 13 × 40	,,	,,	
ज्योतिष पाराशरी पद्धति	सं.	11	30 × 15 × 15 × 48	,,	1905 जयदुर्ग गुलाबचंद	
प्रश्नज्योतिष	रा.	4	27 × 13 × भिन्न 2 कुण्डलियें	,,	19वीं	
ज्योतिष गणित (जातक पद्धति)	सं.रा.	8	25 × 11 × 5 × 41	अपूर्ण	17वीं	
,,	सं.	30	26 × 11 × 18 × 45	संपूर्ण	1675	
,,	,,	43	25 × 13 × 16 × 32	,,	1876	
ज्योतिष गणित (सारिणियां)	,,	12	30 × 13 × —	,,	1890	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
50	कुंथुनाथ 16/18	गोरखपत्र	Gorakha Patra	—	ग. अंकतालिकायें
51	कोलड़ी 1209	ग्रहउदयास्त-साधनम्	Graba Udayāsta Sādha-nam	—	ग
52	,, 659	,, सोदाहरण	,, with Udāharaṇa	—	,,
53	,, 562	ग्रहकरण आम्नाय	Grahakaraṇa Āmnāya	(करणकौतूहले)	,,
54	,, 655	ग्रहफलादि (वीरोज्योतिष)	Grahaphalādi (Virojyo-tiṣa)	—	,,
55	कुंथु. 44/2	ग्रह बलस्वप्न वर्षेश अरिष्टादि फल	Grahabala Svapna Varṣeśa Ariṣṭādi Phala	—	प.
56	के.नाथ 27/59	ग्रहभावप्रकाश सटीक	Grahabhāva-prakāśa with Tīka	—	मू+वृ (प.ग.)
57	मुनिसुव्रत 7 अ 69	ग्रहभावफल	Grahabhāva Phala	—	मू.प.
58	,, 7 अ 70	,,	,,	—	,,
59	महावीर 7 अ 15	,,	,,	—	,,
60	औसियां 7 अ 36	,,	,,	—	,,
61-2	कोलड़ी 1215/648	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
63-4	कुंथु 14/66, 35/10	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
65-8	के नाथ 23/81, 25/9,27/19, 27/46	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	(चमत्कारचिंतामणी)	,,
69	कोलड़ी 649	ग्रहभावफल-भाषा	,, Bhāṣā	—	ग.
70	,, 554	ग्रहभूषण	Graha Bhūṣaṇa	—	अंकतालिकायें
71	,, 687	ग्रहरेखा प्रतिदिनफलं	Graharekhā Pratidina Phalam	—	प.ग.
72	. 37/9	ग्रहलग्न-विचार	Grahalagna Vicara	—	प.
73	कोलड़ी 555	ग्रहलाघव	Grahalāghava	गणेशदेवज्ञ	मू.प.
74	,, 551	,,	,,	,,	मू.ट. (प ग)
75	, 553	,, सहवृत्ति	,, with Vṛtti	,, /विश्वनाथ	मू वृ. (प ग.)
76	सेवामंदिर 7 अ 103	,,	,,	मकरन्द	ग.
77	कुंथु. 14/64	,, ग्रहण अहर्गणादि	Grahalāghava Grahaṇa Ahargaṇādi	—	,,
78	कोलड़ी 552	,, टिप्पणकं	,, Tippaṇakam	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मुहूर्त ज्योतिष	रा.	1	25 × 12 × —	संपूर्ण	19वीं	
गणित ज्योतिष	सं रा.	6	18 × 23 × 23 × 22	अपूर्ण	1852	
,,	सं.	7	26 × 11 × 12 × 29	,,	19वीं	
ग्रह-स्पष्टकरण विधि	रा.	6	27 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण	,,	
ज्योतिष, ग्रहराशि फल संबंधी	सं.रा.	3	28 × 10 × 16 × 50	,,	1717	
फलित ज्योतिष	सं.	15	23 × 12 × 13 × 40	अपूर्ण (बीच के 8 से 22 पत्र)	19वीं	
,,	,,	14	27 × 11 × 17 × 51	,, (पत्र 9 व 10 कम हैं)	17वीं	
फलित (9 ग्रहों की 12 भावनायें)	,,	12	25 × 11 × 14 × 45	संपूर्ण	16वीं	
,,	,,	9	26 × 11 × 13 × 38	,,	1870 पाटण	
,,	,,	6	25 × 11 × 17 × 39	,, 141 श्लोक	19वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 14 × 38	अपूर्ण 120 श्लोक	,,	
,,	,,	9	33 × 23 व 27 × 10	प्रथम अपूर्ण द्वितीय संपूर्ण 113 श्लोक	,,	
,,	,,	6,8	26 × 11 × भिन्न 2	प्रथम पूर्ण 115 श्लोक द्वितीय अपूर्ण 84 श्लोक	,,	
,,	,,	5,26, 9,7	24 से 25 × 10 से 12	अंतिम अपूर्ण प्रथम तीन संपूर्ण	19/20वीं	दूसरी व चौथी में टब्बार्थ भी है
,,	रा.	3	26 × 12 × 16 × 52	संपूर्ण	19वीं	
गणित ज्योतिष-सारणियां	—	8	26 × 10 × —	,,	1879	
फलित ज्योतिष	सं.	2	26 × 12 × 12 × 30	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,,	,,	5	22 × 11 × 9 × 22	संपूर्ण 44 श्लोक	,,	
	,,	11	25 × 11 × 17 × 51	,,	1859	
ग्रहगतिफल स्फुटि-करणादि	सं.रा.	13	26 × 11 × 3 × 42	अपूर्ण 3 अधिकार	1664	
,,	सं.	51	25 × 10 × 13 × 50	संपूर्ण 15 ,,	1822	
ज्योतिष गणित सिद्धांत	,,	17	25 × 11 × 12 × 54	,, प्रथम पन्ना कम	1870	
,,	सं रा.	23	20 × 11 × 10 × 30	अपूर्ण	19वीं	सारणियों सहित
,,	रा.	13	17 × 10 × 12 × 17	संपूर्ण	,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
79	मुनिसुव्रत 7 अ 67	ग्रहलाघव सिद्धान्तरहस्य	Grahalāghava Siddhānta Rahasya	गणेशदैवज्ञ	प.
80	के.नाथ 27/29	ग्रहवर्ग-फल	Graha Varga Phala	—	मू प.
81	कोलड़ी 560	ग्रहवार लग्न सक्रांति फल व मन्त्र	Graha Vāra Lagna Saṅk-rānti Phala & Mantra	—	प ग. मन्त्र
82	,, 557	ग्रहसाधन स्पष्टीकरणादि	Graha Sādhana Spaṣṭi Karaṇādi	—	ग.
83	,, 679	ग्रहसिद्धि	Grahasiddhi	—	प.
84	मुनिसुव्रत 7 अ 121	ग्रहस्पष्ट-विधि	Graha Spaṣta Vidhi	—	ग.
85	कोलड़ी 1299	ग्रहस्पष्टीकरण जातकसारो-द्धारादि	,, Spaṣṭikaraṇa Jātaka Saroddhārādi	—	ग + तालिकाएं
86	कुंथु. 10/193	ग्रामप्रवेश-विचार	Grāma Praveśa Vicāra	—	ग.
87	कोलड़ी 1286	चक्र-चूडामणि	Cakra Cndamaṇi	—	,, ,,
88	मुनिसुव्रत 7 अ 95	चन्द्रकुण्डलीफल	Candra Kuṇḍalī Phala	—	,,
89	कोलड़ी 1212	चन्द्रग्रहण-साधनादिगणित	,, Grahaṅa Sādhanādī Gaṇita	—	,,
90	,, 960D	चन्द्रलग्न-स्पष्टीकरण	,, Lagna Spaṣṭikaraṇa	—	,,
91	,, 1060	चन्द्रसाधन	,, Sādhana	—	,,
92	कुंथु. 32/26	चन्द्र-सूर्यग्रहण	,, Sūrya Grahaṇa	—	,,
93	ओसियां 7 अ 34	चन्द्रार्की	Candrārkī	—	तालिकायें
94	कोलड़ी 579	,,	,,	—	प.ग.
95	,, 581	,,	,,	—	प.
96	,, 1182	चन्द्रोदयज्ञान	Candrodaya Jñana	—	तालिका
97	के.नाथ 7/11	चमत्कार-चिंतामणि	Camatkāra Cintāmaṇi	—	मू + ट (प ग
98	ओसियां 7 अ 55	,,	,,	—	मू.प.
99	कुंथु. 37/6	,,	,,	—	मू + ट (प ग.
00	के.नाथ 28/13	,,	,,	—	मू.प.
01	कोलड़ी 627	,, सावचूरि	,, with Avacūri	—	मू + अ (प.ग.
02-3	,, 628/1185	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	मू.प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष गणित सिद्धांत	सं.	5	25 × 11 × 12 × 40	संपूर्ण 3 अधिकार 45 श्लोक	1849 × शोभसागर	
फलित ज्योतिष	,,	42	22 × 10 × 17 × 53	,,	19वीं	
,, विविध	सं.रा.	3	25 × 11 × 13 × 39	,,	,,	सामान्य
गणित ज्योतिष	रा.	9	26 × 11 × 12 × 42	,,	1877	
,,	सं.	3	27 × 10 × 10 × 35	,, 39 श्लोक	1864,जोधपुर	अंत में चरखंडा साधन 4 लकीरें
,,	,,	13	22 × 11 × 17 × 36	,,	18वीं	
ज्योतिष विविध + विश्वोत्पत्तिविचार	सं.रा.	52	25 × 23 × भिन्न 2 + तालिकायें	अपूर्ण	19वीं	
मुहूर्त ज्योतिष, निमित्त	रा.	1	25 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	20वीं	
ज्योतिष गणित	,,	16	24 × 16 × —	संपूर्ण	19वीं	
फलित ज्योतिष	सं.	2	25 × 11 × 19 × 56	प्रतिपूर्ण	1793	
ज्योतिष	सं.रा.	17	28 × 20 × 28 × 30	अपूर्ण	19वीं	
,, गणित	रा.	2	25 × 12 × 15 × 45	संपूर्ण	,,	
ज्योतिष ग्रहस्पष्टीकरण	सं.	4	28 × 13 × 14 × 52	अपूर्ण	,,	(1831 माघ पूर्णिमा पर्व)
ग्रहणसूची 1917 से 1934	,,	1	22 × 39 × 28 × 42	संपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिष	,,	9	26 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	
मुंथा वर्षेशमासेश फलं	सं.रा.	5	28 × 11 × 14 × 38	संपूर्ण	1850	
फलावट	सं.	2	26 × 9 × 10 × 42	,, 31 श्लोक	1815	
गणित ज्यो.	,,	7	22 × 11 × —	अपूर्ण	1731	
ग्रहभावफल	सं.रा.	12	25 × 11 × 6 × 39	संपूर्ण 110 श्लोक	1791	
,,	सं.	12	21 × 10 × 10 × 26	,,	18वीं	
,,	,,	18	27 × 12 × 6 × 36	,, 96 श्लोक	1845	
,,	,,	6	26 × 10 × 11 × 55	अपूर्ण भाव अध्याय	19वीं	
,,	,,	12	25 × 12 × 8 × 36	संपूर्ण	1879	
,,	,,	9,7	24 × 11 व 22 × 11	,, 112 श्लोक	1799/1844	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2.	3	3 A	4	5
104	मुनिसुव्रत 7 अ 59	चमत्कार चिंतामणि-भाषा	Camatkāra Cintāmaṇi Bhāṣā	—	प.
105	महावीर 7 अ 9	चूडामणिसार	Cūḍāmaṇi Sāra	—	,,
106	,, 7 अ 99	,, गाथायन्त्र	,, Gāthā Yantra	—	यंत्र
107-8	,, 7 अ 18, 19	चौघड़िये दिशा शूलादि 2 प्रतियां	Caughaḍiye Diśā Śūlādi 2 copies	—	तालिका
109	कुंथु 3/66	,,	,,	—	ग. तालिया
110	के नाथ 25/21	जनिपद्धति	Jani Paddhatti	गगान्वयअनन्त	मू प.
111	,, 25/5	,,	,,	—	ग.
112-3	,, 25/8 7	जन्मकुण्डली-ग्रहयोगफल 2 प्रतियां	Janmakuṇḍali Grahayoga phala 2 copies	—	मू + ट
114	कोलड़ी 660	जन्मनिषेक-काल	Janma Niṣekakāla	—	ग.
115	के नाथ 25/17	जन्मपत्री	Janmapatrī	जातकाभरणे	प.
116	कोलड़ी 640	,, -गणित	,, Gaṇita	श्रीपति पद्धतिमार्गेण	ग.
117	,, 1064	,, ,,	,, ,,	केशवपद्धतिमार्गेण	,,
118	महावीर 7 अ 8	,, ग्रंथ	,, Grantha	—	,,
119	ओसियां 7 अ 43	,, -पद्धति	,, Paddhati	हर्षकीर्तिसूरि	प.
120	,, 7 अ 47	,, ,,	,, ,,	लब्धिचन्द्र	,,
121	कोलड़ी 800	,, -फल	,, Phala	—	ग.प.
122	,, 1204	,, ,,	,, ,,	—	प.
123	के.नाथ 29/84	,, ,,	,, ,,	—	ग.
124	कोलड़ी 683	,, -योगफल	,, Yogaphala	—	,,
125	,, 615	,, -विचार	,, Vicāra	—	,,
126	के नाथ 25/6	,, ,,	,, ,,	—	मू.प.
127	सेवामदिर 7अ100, 13	जन्मारिष्ट योग मृत्युज्ञान	Janmāriṣṭa Yoga Mṛtyu-jñana	—	प.
128	कोलड़ी 637	जातककर्म-पद्धति	Jātaka Karma Paddhatti	केशव	ग.प.
129	,, 638	,, ,,	,,	श्रीपतिभट्ट	मू.प.
130	के.नाथ 27/32	,, ,,	,,	केशव	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ग्रहभाव फल	रा.	7	25 × 12 × 9 × 26	संपूर्ण 144 दोहे	19वीं × समयसागर	
प्रश्न ज्योतिष	सं रा.	33	20 × 11 × 8 × 28	प्रतिपूर्ण	18वीं	
,,	सं.	2	25 × 11 × तालिकायें	,,	,,	
ज्योतिष सामान्य गणित	,,	2,2	27 × 13 व 26 × 13	,,	19वीं	
,,	हिं.	1	25 × 11 × —	संपूर्ण	,,	
गणित ज्यो (नीलकंठ) पत्रिका विधि	सं.	8	26 × 13 × 15 × 44	अपूर्ण 2 प्रकरण + 21 श्लो.	,,	
जन्मपत्रिका बनाने की विधि	,,	59	25 × 13 × 10 × 30	,,	,,	
फलित ज्योतिष	सं.रा.	7,6	25 × 12 व 26 × 12	प्रथम अपूर्ण द्वितीय पूर्ण	1822,1868	
ज्यो. इष्ट दर्पण, सोदाहरणं	सं.	2	26 × 13 × 12 × 40	संपूर्ण	19वीं	
ज्योतिष सामान्य	,,	52	24 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिष	,,	17	26 × 13 × 19 × 56	संपूर्ण	1823	
,,	,,	6	26 × 12 × 19 × 52	अपूर्ण	19वीं	
लेखन व फलादेश	,,	102	25 × 15 × 17 × 40	,,	,,	
,,	,,	71	26 × 11 × 14 × 42	संपूर्ण	1751 सातू	जीर्ण पत्रे चिपक गये हैं
,,	,,	127	27 × 11 × 17 × 60	,,	1784विक्रमपुर पद्मसुन्दर	
फलित ज्योतिष	सं.रा.	87	25 × 11 × 20 × 48	,,	19वीं	
,,	सं.	3	26 × 12 × 18 × 48	अपूर्ण प्रथम पन्ना कम	,,	
सक्रांति व ग्रहफलं	,,	14	24 × 10 × 16 × 46	त्रुटक	16वीं	
फलित ज्योतिष	रा.	5	28 × 12 × 18 × 42	संपूर्ण	1846	
,,	सं.	91	26 × 13 × 12 × 60	,,	1852	
,,	,,	7	22 × 13 × 8 × 35	,, 78 श्लोक	19वीं	
,,	,,	1	27 × 13 × 13 × 46	,, 14 श्लोक	18वीं	
गणित ज्योतिष व सिद्धांत	,,	6	26 × 12 × 10 × 33	,, 44 श्लोक	1895जोधपुर गुलाबविजय	(जातक पद्धत्ति)
,,	,,	9	26 × 13 × 13 × 39	,, 8 अध्याय	1863	
,,	,,	4	25 × 11 × 14 × 45	,, 41 श्लोक	1743	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
131	के नाथ 27/2	जातककर्म पद्धति सटीक	Jātaka Karma Paddhati Saṭika	श्रीपतिभट्ट	मू+वृ (प.ग.)
132	औसियां 7 अ 32	,,	,,	केशव	मू प.
133	कोलड़ी 642	,,	,,	,,	,,
134	,, 636	,,	,, Saṭika	श्रीपति/कृष्णदैवज्ञ(?)	मू+वृ (प.ग.)
135	औसियां 7 अ 33	,,	,, ,,	,, /खुशालसुन्दर	,,
136	कुंथु. 21/3	जातकपद्धति	,, Paddhati	—	,, ,,
137	कोलड़ी 639	,, -दीपिका	,, Dipikā	हर्षविजय/(सुखविजय शिष्य)	,, ,,
138	के नाथ 27/52	,, -सार	,, Sāra	(कामधेनु)	पद्य
139	महावीर 7 अ 29	जातकाभरण	Jātakābharaṇa	ढुंढिराज (नृसिंह का पुत्र)	ग.
140	कोलड़ी 1138	,,	,,	,,	,,
141	महावीर 7 अ 30	जातकालंकार	Jātakālaṅkāra	गणेशदैवज्ञ	,,
142	कोलड़ी 632	,,	,,	,,	,,
143	,, 633	,, की टीका	,, kī Tikā	जयगोपाल	,,
144	,, 1104	जैमनीयउपदेश-सूत्र	Jaimanīya Updeśa Sūtra	जैमिनी	,,
145	औसियां 7 अ 81	,, -सूत्र की वृत्ति	,, Sūtra kī Vṛtti	,, /-	,,
146	कोलड़ी 1002	,, ,,	,, ,,	,, /-	,,
147	मुनिसुव्रत 7 अ 65	जोधपुर-लग्नपत्रम्	Jodhapura Lagna Patram	—	ग. तालिका
148	,, 6/4	,, नरेशादि की कुंडलियां	,, Nareśādi kī Kuṇḍaliyān	—	कोष्ठक
149-50	,, 69/1 1323	ज्योतिषग्रन्थ 2 प्रतियां	Jyotiṣa Grantha 2 copies	—	प.
151	,, 1063	,,	,,	—	ग.
152	के.नाथ 2/22	ज्योतिष-नाममाला	Jyotiṣa Nāmamālā	हरदत्त	,,
153	,, 25/18	,,	,,	,, (श्रीपतिसुत)	प.
154	कोलड़ी 676	ज्योतिष-रत्नमाला	Jyotiṣa Ratnamālā	श्रीपतिभट्ट	पद्य
155	के नाथ 7/18	,, सबालावबोध	,, with Bālāvabodha	,, /-	मू+बा (प.ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित ज्योतिष सिद्धांत	सं.	38	26 × 11 × 17 × 51	अपूर्ण 7वें अध्याय तक	19वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 11 × 38	संपूर्ण 41 श्लोक	1827	
,,	,,	5	27 × 13 × 11 × 35	,, 43 श्लोक	19वीं	
,,	,,	68	27 × 13 × 15 × 38	,, 8 अध्याय	1881	
,,	सं.रा.	55	25 × 11 × 15 × 43	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,,	,,	13	29 × 14 × 5 × 44	अपूर्ण मैत्री चक्र तक 77 श्लोक	,,	
,,	,,	10	26 × 12 × 7 × 33	संपूर्ण 93 श्लोक	,,	1765 की कृति
,,	सं.	12	26 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण चन्द्रयोग तक	,,	
फलित ज्योतिष	,,	118	26 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण ग्रं. 7978	17वीं	
,,	,,	12	26 × 11 × 12 × 48	अपूर्ण (पंचाङ्गफल तक)	,,	
,,	,,	26	20 × 10 × 9 × 24	संपूर्ण 7 अध्याय	19वीं	
,,	,,	16	26 × 13 × 10 × 40	,, ,,	16वीं	
,,	,,	19	25 × 11 × 10 × 40	,, ,,	19वीं	
,	,,	6	24 × 12 × 13 × 52	अपूर्ण 3 अध्याय 2 पाद तक	16वीं	
,,	,,	19	26 × 11 × 17 × 52	,, प्रथम 5 पत्रे कम	18वीं	
,,	,,	44	28 × 14 × 11 × 42	,, 2 अध्याय 4 पाद तक	1905अजमेर सालगराम	
पंचाङ्ग, चंद्रस्पष्ट विधिसह	,,	8	25 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
राव जोधाजी से	रा.	6	18 × 16 × —	अपूर्ण 105 कुंडलियां	,,	साथ में मुगल बादशाहों की भी
सामान्य फलित ज्योतिष	सं.	16,13	27 × 11 व 25 × 11	दोनों त्रुटक द्वितीय में 236 श्लो.	18/19वीं	
,,	,,	6	24 × 13 × 21 × 105	अपूर्ण	19वीं	
ज्योतिष गणित शब्दकोष	,,	18*	24 × 12 × 11 × 44	संपूर्ण	1881	अपरनाम (गणित नाममाला)
,,	,,	6	23 × 11 × 12 × 37	,, 131 श्लोक (पहिले 8 कम)	1893 सूरत गुलाबचंदमुनि	,,
मुहूर्त ज्योतिष	,,	26	26 × 11 × 14 × 42	संपूर्ण 21 अध्याय	1711	
,,	सं रा.	40	26 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण 18वें प्रकरण तक	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
156	कोलड़ी 1208	ज्योतिष-रत्नमाला की टीका	Jyotiṣa Ratnamālā kī Tīkā	महादेव	ग.
157	के नाथ 7/10	,, का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha	हेमभित्ति ?	,,
158	मेव मंदिर 7 अ 100 /14	ज्योतिष-यन्त्र	Jyotiṣa Yantra	—	तालिका
159	,, 7 अ 100 /16	,,	,,	—	,,
160	ओसियां 7 इ 2	,,	,,	—	,,
161	कोलड़ी 684	ज्योतिष विषयक संकलन	Jyotṣia Viṣaya Saṅkalana	—	ग.
162	के.नाथ 7/13	ज्योतिषशास्त्र बालबोध	Jyotiṣa Śāstra ka Bālabodha	मुंजादित्य	,,
163	,, 27/9	ज्योतिषसार	Jyotiṣa Sāra	—	,,
164	कुंथु. 46/1	,,	,,	—	प.
165	,, ,,	,,	,,	लघुजातकानुसारे	,,
166	मुनिसुव्रत 7 अ 6?	,, -संग्रह	,, Saṅgraha	शिव	मू+ट (प.ग.
167	महावीर 7 अ 2?	ज्योतिष स्फुट विषय	Jyotiṣa Sphuṭa Viṣaya	—	गद्य
168	कोलड़ी 665	ज्ञानमंजरिका	Jñāna Mañjarikā	ऋषिशर्मा	ग.
169	के नाथ 27/17	ताजिक ज्योतिष	Tājika Jyotiṣa	नीलकंठ	मू.पद्य
170	कोलड़ी 616	,, वर्ष तन्त्र सटीक	,, Varṣa Tantra Saṭīka	,, /विश्वनाथ	मू+वृ (प.ग.)
171	मुनिसुव्रत 7 अ 7?	,, 16 योगविचार सटीक	,, 16 Yoga Vicāra ,,	,, ,,	,, ,,
172	कोलड़ी 1285	,, योग+अरिष्टहर्त्ता	,, Yoga+Ariṣṭa Harttā	—	पद्य
173	मुनिसुव्रत 7 अ 66	,, वर्षफल	,, Varṣaphala	नीलकंठ	,,
174	कोलड़ी 1283	,, पद्मकोश	,, Padmakośa	गोवर्द्धन	,,
175	कुंथु. 33/8	,, ,,	,, ,,	,,	,,
176-7	के नाथ 27/15 28/14	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
178	कोलड़ी 678	,, ,,	,, ,,	,,	,,
179	कुंथु 35/2	,, प्रश्नावली	,, Praśnāvali	—	,,
180	सेवामंदिर 7 अ 10?	,, समुच्चयादि	,, Samuccayādi	—	,,

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
मुहूर्त ज्योतिष	सं.	14	26 × 11 × 18 × 66	अपूर्ण 6/17 तक	18वीं	
,,	रा.	51	26 × 10 × 16 × 43	संपूर्ण 20 प्रकरण	19वीं	
मुहूर्त निकालके का	सं.	1	24 × 12 × —	,,	17वीं	
ग्रह नक्षत्र वेध यन्त्र	,,	1	27 × 12 × —	,,	18वीं	
योगतिथि केन्द्र चक्रादि	,,	11	24 × 13 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
स्फुट ज्योतिष विषय सामान्य	रा.	2	27 × 9 × 13 × 43	,,	,,	
सामान्य ज्योतिष ग्रन्थ	सं.	21	26 × 11 × 15 × 40	संपूर्ण ग्रं. 739	,,	
,,	,,	23	26 × 12 × 14 × 42	अपूर्ण	,,	
प्रश्नफलमुहूर्तादि	रा.	गु.	18 × 14 × 14 × 21	संपूर्ण 1089 छंद दोहे	18वीं	
फलित ज्योतिष	,,	गु.	16 × 13 × 11 × 15	,, 511 दोहे	,,	
ज्यौतिष-सामान्य	सं रा.	26	24 × 11 × 6 × 41	,, 341 श्लोक	1810	
,,	,,	3	25 × 12 × 14 × 44	अपूर्ण	19वीं	
निमित्त मुहूर्त 50 प्रकरण	सं.	16	32 × 12 × 13 × 50	संपूर्ण	,,	
फलित ज्योतिष	,,	15	26 × 11 × 13 × 41	अपूर्ण मास प्रवेशादि 49 श्लोक	,,	
,,	,,	103	26 × 13 × 11 × 30	संपूर्ण	,,	
,,	,,	24	24 × 11 × 15 × 40	,,	,,	
,,	,,	4	22 × 11 × 15 × 49	त्रुटक	17वीं	
,,	,,	20	24 × 11 × 16 × 44	संपूर्ण	1847 जोधपुर सौभाग्यसागर	
,,	,,	4	25 × 12 × 17 × 44	,,	1859	
,,	,,	4	27 × 13 × 14 × 61	,, 96 श्लोक	1862	
,,	,,	12,11	26 × 11 व 23 × 11	,,	1875-6	
,,	,,	8	25 × 12 × 14 × 34	,,	19वीं	साथ में मुंथाफलम्
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 50	,, 33 श्लोक	,,	अंत में हंस केवली 4 गाथा
वर्षसम्बन्धी	,,	15	24 × 11 × 9 × 34	अपूर्ण	1869	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
181	कोलड़ी 620	ताजिकसहम....	Tājika Sahama....	—	ग
182	के.नाथ 25/12	ताजिकसंज्ञातन्त्र-सटीक	Tājika Sajñja Tantra Saṭika	नीलकंठ/विश्वनाथ	मू टी. (प ग)
183	,, 27/37	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,, ,,
184	कालड़ी 10 0	ताजिकसार-सटीक	Tājika Sāra Saṭika	हरिभट्ट	मू वृ. (प ग.)
185	ओसियां 6 अ 86	,,	,,	,,	मू.प.
186	,, 7 अ 53	,,	,,	,,	,,
187	कोलड़ी 619	,, की वृति	,, kī Vṛtti	,,	ग.
188	,, 677	,,	,,	,,	प.
189	,, 617	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	,, /	ग.
190	के नाथ 27/25	,, सबाला.	,, with Bālāva-bodha	,,	मू+बा (प.ग.
191	कोलड़ी 618	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	,,	ग.
192	ओसियां 7 अ 52	,, सोदाहरण	,, Sodāharaṇa	त्रिविक्रम	ग प.
193	कोलड़ी 992	,, विवेकवृत्ति	,, Viveka Vṛtti	गोविन्दज्योति (नीलकंट सुत)	ग.
194	के नाथ 27/36	,, विवृत्ति	,, Vivṛtti	(नीलकंठ) भट्टमाधव	,,
195	कोलड़ी 1134	,, भाषा	,, Bhāṣā	(मू. नीलकंठ)	,,
196	मुनिसुव्रत 7 अ 89	,, ,	,, ,,	,,	,,
197	कोलड़ी 594	तिथि आदि सिद्धि	Tithi Ādi Siddhi	—	,,
198	,, 1050	तिथिनिर्णय	Tithi Nirṇaya	अनंतदेवज्ञ	,,
199	,, 681	त्रिषष्ठी	Triṣaṣṭhi	—	,,
200	के.नाथ 2/22	त्रैलोक्य दीपिका	Trailokya Dīpikā	—	,,
201	महावीर 7 अ 20	दग्धासूर्य-तिथि	Dagdhā Sūrya Tithi	—	,,
202	कोलड़ी 1192	दशाक्रम-विवरण	Daśākrama Vivaraṇa	—	,,
203	के.नाथ 25/4	दशाफल	Daśāphala	—	ग.मू.
204	सेवामंदिर 7 अ 100 (4)	दिनकर सारिणीसूत्र	Dinakara Sāriṇi Sūtra	—	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
फलित ज्योतिषादि	रा.	12	26 × 11 × 14 × 50	संपूर्ण	19वीं	
,,	सं.	69	25 × 12 × 12 × 24	,, ग्रं. 800	1890	
,,	,,	28	25 × 10 × 11 × 44	ग्रहग्रध्याय + 13 श्लो.तक	19वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 42	ग्रपूर्ण	,,	
,,	,,	33	25 × 10 × 12 × 46	संपूर्ण 438 श्लोक	1782 फतेहपुर उदयसुंदर	
,,	,,	28	25 × 11 × 15 × 45	,,	1792 मंडाण सिंहविजय	
,,	,,	16	26 × 11 × 15 × 45	,, पहिला पन्ना कम	1794	
वर्षेशनिर्णय फलादि	,,	16	25 × 10 × 13 × 37	प्रतिपूर्ण ग्रं. 714(प्रकरण	1813	श्लोक 97 से प्रारंभ
फलित ज्योतिष	,,	24	25 × 11 × 12 × 40	संपूर्ण	1839	
,,	सं.मा.	2	25 × 11 × 20 × 57	ग्रपूर्ण	19वीं	
,,	सं.	10	28 × 12 × 14 × 40	,,	,,	
,,	,,	86	26 × 11 × 16 × 45	संपूर्ण	1885विक्रमपुर व तसुंदर	
सहमवर्ष फल निर्णय (रसाला)	,,	51	32 × 14 × 10 × 35	,,	1912जयपुर	
फलित ज्योतिष	,,	30	25 × 10 × 12 × 40	ग्रपूर्ण	19वीं	
,,	रा.	31	26 × 11 × 12 × 35	,, बीच के पन्ने	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 15 × 50	,,	,,	
तिथिनक्षत्रादि गणनानिर्णय	,,	4	25 × 12 × 15 × 48	संपूर्ण	,,	
,,	सं.	10	25 × 11 × 8 × 38	ग्रपूर्ण	,,	मुहूर्त चिंतामणि के ग्रनुसार
ग्रहभाव-फल	,,	11	23 × 11 × 12 × 38	संपूर्ण	1859	
,,	रा.	18*	24 × 12 × 11 × 44	,,	1881	
,,	,,	6	28 × 12 × 12 × 36	,,	1955 फलोधी माणकलाल	
ग्रहदशाग्रादि	सं.	34	32 × 15 × 10 × 36	ग्रपूर्ण	19वीं	
फलित ज्योतिष	,,	11	25 × 11 × 7 × 51	संपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिष	,,	1	26 × 11 × 15 × 40	,, 25 श्लोक	18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
205	कोलड़ी 603	दिनादिवार ध्रुव उत्पातकरण	Dinādi-vāra-dhruva Utpā-takaraṇa	—	प.
206	मुनिसुव्रत 7 अ 93	दिनेश दिनफल	Dineśa Dina Phala	—	ग.
207	कुंथु 2/30	दीक्षासंबन्धी ज्योतिष-विचार	Dīkṣā Sambandhī Jyotiṣa Vicāra	वर्द्धमानोक्त	प.
208	मुनिसुव्रत 7 अ 114	दुघडियाज्ञान-सारिणी	Dughaḍiyā Jñāna Sāriṇī	—	अंकतालिका
209	के.नाथ 28/16	दृष्टिअष्टक चन्द्रार्की आदि	Dṛṣti Aṣṭaka Candrārkī Ādi	—	प.
210	,, 27/44	दोषावली	Doṣāvalī	—	ग.
211-2	कोलड़ी 672, 960	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
213-4	कुंथु. 2/21, 13/	द्वादशभाव मुंथाफल 2 प्रतियां	Dvādaśabhāva Munthā Phala 2 copies	—	मू.प.
215	कोलड़ी 994	,, -विचार	,, Vicāra	(मू.नीलकंठ) गोविन्द	ग.
216	,, 887	द्वादसराशि वर्ग	Dvādaśarāśi Varga	,,	ग. तालिका
217	,, 998	द्विकोटि	Dvikoṭi	श्रीपति आचार्य	ग
218	के नाथ 37/43	नक्षत्रनिर्णय	Nakṣatra Nirṇaya	—	,,
219	कुंथु. 9/128	नक्षत्रयोग धानरस-ध्रुवांक	,, Yoga Dhāna Rasa Dhruvāṅka	—	ग अंक
220	महावीर 3 अ 47	नक्षत्रयोगादि	,, Yogādi	—	पद्य
221	प्रेमामंदिर 7 अ 100 (20)	नक्षत्रध्यान-जप	,, Dhyāna Japa	—	ग. तालिका
222	,, 7 अ 97	नरपतिजयचर्या-सटीक	Narapati Jayacaryā Saṭīka	—	मू.वृ. (प ग.)
223	कुंथु. 14/58	नवग्रह-जाप	Nava Graha Jāpa	—	पद्य
224	,, 2/40	,, -दान	Nava Graha Dāna	—	ग.
225	कोलड़ी 880	,, दिनदशा प्रमाण चरखंडा	,, Dina Daśā Pra-māṇa Carakhaṇḍā	—	,,
226	कुंथु 14/55	,, -वाहन	,, Vāhana	—	,,
227	कोलड़ी 561	नवांशादि विधि+हीनांदशा फल	Navāṁśādividhi+Hīnāṁ-daśā Phala	—	ग प.
228	,, 1314	नष्टजन्माध्याय ज्योतिष-सारादि	Naṣṭa Janmādhyāya Jyo-tiṣa Sārādī	—	प.
229	,, 9608	नष्टजातक	Naṣṭa Jātaka	—	ग.
230	कुंथु. 3/64	नाड़ीवेध	Nāḍi Vedha	—	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित ज्योतिष	सं.	14	26 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण	19वीं	
ज्योतिष वर्षफल ताजिकानुसारे	,,	3	25 × 11 × 19 × 52	प्रतिपूर्ण	,,	
दीक्षाहेतु ग्रहफल	,,	6	26 × 11 × 17 × 52	संपूर्ण	1778	
फलित ज्योतिष	,,	5	27 × 12 × —	अपूर्ण (प्रथम पन्ना कम है)	20वीं	
गणित ,,	,,	9	23 × 11 × 10 × 40	संपूर्ण 67 श्लोक	1876	
नक्षत्र कष्टावली	रा.	5	17 × 13 × 10 × 24	,, 27 अनुच्छेद	1860	
,, व उपशमन विधि	,,	4,2	25 × 11 व 26 × 13	,,	1899/19वीं	
ग्रहफल	सं.	4,15	22 × 11 व 27 × 12	प्रथम संपूर्ण 108 श्लोक द्वि. 103 श्लोक	1761/ ,,	द्वितीय में राजस्थानी टब्बार्थ भी
ग्रहवर्षफल	,,	58	31 × 11 × 10 × 33	संपूर्ण 12 भावविचार	19वीं	
ग्रहगति फल सारिणि	,,	3	25 × 13 × —	,,	,	
सूर्यचंद्र पर्व साधनादि	,,	4	28 × 15 × 17 × 44	,,	1880	
नक्षत्र-गणनानियम	,,	5	20 × 10 × 13 × 37	,, 52 अनुच्छेद	19वीं	
तेजीमंदी-विचार	,,	1	27 × 14 × 14 × 44	,,	,,	
प्रतिष्ठा संबन्धी मुहूर्तविचार गणना	,,	8	26 × 11 × 17 × 45	,, 194 श्लोक	18वीं	
जपयोगध्यान के लिये नक्षत्र विचार	,,	1	25 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
ज्योतिष शास्त्र	,,	7	25 × 11 × 14 × 69	अपूर्ण 101 श्लोक	16वीं	
,, ग्रहभक्ति	,,	1	23 × 11 × 9 × 24	संपूर्ण 9 श्लोक	19वीं	
वारानुसारदेय वस्तु	मा.	1	26 × 12 × 9 × 32	,, 9 ग्रहों के	,,	
ज्योतिष स्फुट	रा.	2	25 × 12 × 14 × 56	,,	18वीं	
,, भक्ति	,,	1	10 × 9 × 9 × 10	,,	19वीं	
,, गणित	सं.रा.	2	27 × 11 × 19 × 57	,,	1847	
,, सामान्यग्रंथ व प्रश्ननिमित्त	सं.	6	21 × 12 × 11 × 26	अपूर्ण	19वीं	
,, गणित	,,	2	26 × 13 × 15 × 42	संपूर्ण	,,	
,, ,,	,,	1	24 × 11 × 17 × 70	,, 9 श्लोक	18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
231	सेवामंदिर 7 अ 100 (15)	नाड़ीवेध फलयंत्र	Nāḍi Vedha Phalayantra	—	ग. तालिका
232	कुंथु. 31/6	नाम ज्योतिष	Nāma Jyotiṣa	—	ग.
233	मुनिसुव्रत 7 अ 63	नारचन्द्र	Nāra Candra	नारचन्द्रसूरि	ग.प.
234	,, 7 अ 62	,,	,,	,,	,,
235	केनाथ 13/45	,,	,,	,,	प.
236	,, 27/3	,,	,,	,,	प. तालिकायें
237-40	,, 25/1, 26/5, 27/22	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	प. मूल
241-4	कोलड़ी 623-5-9, 1205	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
245-6	कोलड़ी 624, 622	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	मूट+ (प.ग.)
247	कुंथु. 13/	,,	,,	,,	मू प.
248	महावीर 7 अ 10	,, टिप्पणकं	,, Tippaṇakam	,,	ग.
249	,, 7 अ 27	,, ,,	,, ,,	,,	,,
250	,, 7 अ 11	,, ,,	,, ,,	,,	,,
251	कोलड़ी 960B	निषेक	Niṣeka	—	,,
252	,, 650	पंचाङ्ग आनयनम्	Pañcāṅga Ānayanam	—	,,
253	,, 1276	,, -फलादि	Pañcāṅga Phalādi	—	प.
254	,, गु. 7/6	पंचाशिका	Pañcāśikā	श्रीपति (जातकत्व)	ग.
255	सेवामंदिर 7 अ 100 (1)	पंथाराहु	Panthā Rāhu	—	प.
256	मुनिसुव्रत 7 अ 106	पाराशरी-जातक	Pārāśarī Jātaka	पराशर	,,
257	कोलड़ी 1278	,, -सटीक	,, Saṭīka	,, /परमसुख	मू+वृ (प.ग.)
258	,, 990	पाराशरी-पद्धति	Pārāśari Paddhati	—	ग.
259	,, 1195	,, होराटीकासह	,, Horā-ṭīkāsaha	—	मू+टी (प.ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष गणित	स.	1	26 × 11 × —	संपूर्ण	18वीं	
आद्यक्षर नामनिर्णय	रा.	4	16 × 12 × 11 × 19	,,	19वीं	
ज्योतिष-शास्त्र	सं.	9	25 × 10 × 14 × 43	,, ग्रं. 320	1543	
,,	,,	12	25 × 11 × 17 × 45	,, ,,	16वीं	
,,	,,	24*	30 × 12 × 19 × 86	अपूर्ण श्लोक 37 से 100 (अंत)	,,	
,,	,,	32	26 × 11 × 15 × 45	संपूर्ण 536 श्लोक 2 प्रकीर्णक	1694	सागरचंद्र कृत टिप्पण सह
,,	,,	33,5, 34,3	25 से 27 × 11 से 13	अपूर्ण	1920	दूसरी प्रति में किंचित् अनुवाद कवि जोशी द्वारा
,,	,,	12,28, 8,14	24 से 26 × 11 से 12	दो पूर्ण दो अपूर्ण	1797 से 1905	
,,	सं.रा.	55,45	25 × 11 × 6 × 30/31	संपूर्ण ग्रंथाग्र ट 800	1899/20वीं	
,,	सं.	9	13 × 17 × 13 × 14	अपूर्ण	19वीं	
,, पंचांग यंत्रोद्धार	,,	31	26 × 13 × 14 × 34	,,	17वीं	
,,	,,	44	20 × 10 × 12 × 31	,,	1690सागरचंद गोगुंदा	
,,	,,	30	26 × 11 × 16 × 48	,,	1825	
,,	सं.रा.	3	26 × 12 × 15 × 42	संपूर्ण	1863	
,,	सं.	5	25 × 11 × 17 × 45	,,	19वीं	
फलित ज्योतिष	,,	24	25 × 13 × 14 × 35	अपूर्ण	,,	
,,	,,	14	21 × 17 × 11 × 27	संपूर्ण	,,	
प्रश्नज्योतिष	,,	1	28 × 12 × 15 × 46	,, 10 श्लोक	,,	(मुहूर्त चिंतामणि का भाग)
फलित ज्योतिष	,,	2	27 × 13 × 13 × 37	,, 41 श्लोक	1873जोधपुर	(लघु पाराशरी)
,,	सं हिं.	5	30 × 15 × 4 × 44	,, ,,	1905	
कुण्डली निर्माण गणित	सं.	9	31 × 16 × 5 × 22	,,	19वीं	
ज्योतिष फलित	,,	7	30 × 15 × 18 × 44	अपूर्ण 39 श्लोक तक	,,	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
260	कुंथु 26/13	पुत्र-पुत्री ज्ञान	Putra Putrī Jñāna	—	ग.
261	सेवामंदिर 7 अ 100/3	पुरुष-स्त्री जन्मकुण्डलीज्ञान	Pruuṣa Strī Janmakuṇḍali Jñāna	—	ग.प अंकतालिका
262	कोलड़ी 611	,, संबन्धी ग्रहफल	Puruṣa Strī Sambandhī Grahaphala	—	ग.
263	,, 651	,, ,,	,, ,,	—	प.
264	,, 685	पृथुयश ज्योतिष	Pṛthuyaśa Jyotiṣa	—	,,
265	के नाथ 13/45	प्रतिष्ठा दीक्षा कुण्डलीकानंद	Pratiṣṭhā Dīkṣā Kuṇḍlikānanda	नारचन्द्र	,,
266	सेवामंदिर 7 अ 100 (2)	प्रयाणगमन प्रवेशमुहूर्त	Prayāṇa Gamana Praveśa Muhūrta	—	ग. तालिका
267	के नाथ 29/67	प्रश्नचूडामणि	Praśna Cuḍāmaṇi	—	मू.प+ग.
268	कोलड़ी 770	,,	,,	—	ग.
269	के नाथ 27/34	, -सार	,, Sāra	—	मू.प.
270	,, 24/33	,, ,, सटीक	,, ,, with Tikā	—	मू+ट (प ग.)
271	ओसियां 7 अ 85	प्रश्नज्ञान	Praśna Jñāna	ज्योतिब्रह्मकवि	मू.प.
272	कोलड़ी 793	,,	,,	ब्रह्मादित्य	,,
273	के नाथ 18/56	प्रश्नतन्त्र	Praśna Tantra	दुर्योधन	,,
274	कोलड़ी 1202	प्रश्नध्वज	Praśna Dhvaja	—	प.
275	ओसियां 7 अ 37	प्रश्ननिधि-टीका	Paaśna-nidhi-ṭikā	—	ग.
276	महावीर 7 अ 22	प्रश्नप्रकाशिका+बा.	Praśna Prakāśikā+Bālāvabodha	वाचकवल्लभगणि/जीवणदास	मू+बा (प.ग
277	कोलड़ी 566	,, -भाषा	,, ,, Bhāṣa	(मू.पृथुयश)--	ग.
278	के नाथ 25/15	प्रश्नप्रदीप	Praśna Pradīpa	काशीनाश	मू.प.
279	कुंथु. 2/20	,,	,,	,,	,,
280	के.नाथ 29/68	प्रश्नभैरव	Praśna Bhairava	—	,,
281	कोलड़ी 773	प्रश्न-रत्न	Praśna Ratna	हयग्रीव	,,
282	,, 792	,,	,,	(केरलीय) मू. रुद्रोक	,,
283	कुंथु. 26/3	,,	,,	ले. मिश्रनंदराम	,,
284	कोलड़ी 774	,, सटीक	,, Saṭika	स्वोपज्ञ	मू.+टी.(प.ग.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष निमित्त	रा.	1	12 × 16 × 30 × 40	प्रतिपूर्ण	19वीं	
मुहूर्त ज्यो. एवं शीर्षकानुसार	हिं.	1	24 × 11 × —	,,	18वीं	
वैवाहिक ज्योतिष	सं.	3	24 × 11 × 14 × 37	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 38	संपूर्ण	,,	
ज्योतिष-सामान्य	,,	20	26 × 11 × 10 × 34	,, 406 श्लोक	1659	
मुहूर्त ज्योतिष	प्रा.सं.	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, 111 श्लोक	16वीं	
,,	हिं.	1	27 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
प्रश्न ज्योतिष	सं रा.	11	25 × 10 × 13 × 54	संपूर्ण	1848	व्याख्या किञ्चित् ही है।
,,	,,	12	21 × 13 × 14 × 48	,,	19वीं	
,,	सं.	7	26 × 12 × 15 × 47	,, 138 श्लोक	1824	
,,	सं.रा.	18	25 × 11 × 11 × 35	,,	19वीं	
,,	सं.	5	25 × 10 × 15 × 45	अपूर्ण, 9 प्रकरण	16वीं	
,,	,,	5	27 × 12 × 13 × 30	संपूर्ण 16 प्रकरण	19वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 51	,, 77 श्लोक	,,	
,,	,,	2	23 × 11 × 10 × 35	अपूर्ण (पन्ना 1 व 3)	,,	पद्य 1 से 18, 39 से 46 प्रत
,,	,,	9	26 × 11 × 15 × 44	,,	18वीं	
,,	सं+रा.	12	27 × 12 × 17 × 40	,, 6 अध्याय/46श्लो	19वीं	षट्पंचाशिका के आधार पर
,,	रा.	2	26 × 13 × 15 × 42	,,	,,	
,,	सं.	7	30 × 14 × 15 × 45	संपूर्ण	,,	
,,	,,	15	25 × 11 × 10 × 42	,,	1810	
,,	,,	10	22 × 11 × 14 × 32	,,	1880	
,,	,,	9	27 × 11 × 14 × 60	,, 24 अधिकार	1882	
,,	,,	15	26 × 12 × 14 × 34	संपूर्ण 5 अध्याय 239 श्लोक	1808	
,,	,,	6	27 × 12 × 8 × 34	,, 57 श्लोक	1913	
,,	,,	8	25 × 11 × 21 × 78	,, 85 श्लोक	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
285	के.नाथ 24/54	प्रश्नविनोद	Praśnavinoda	—	ग.प.
286	कोलड़ी 769	प्रश्नवैष्णव	Praśna Vaiṣṇava	नारायणदास	पद्य
287	मुनिसुव्रत 7 अ 76	,,	,,	,,	,,
288	,, 7 अ 107	प्रश्नसार	Praśna Sāra	हयग्रीव	,,
289	कोलड़ी 612	प्रश्नाक्षर श्रेणी + नष्ट जन्मपत्रनयनम्	Praśnākṣaraśreṇī + Naṣṭa Janmapatra Nayanam	—	,,
290	,, 1001	प्रश्नाध्याय	Praśnādhyāya	बादरायण	,,
291	के नाथ 25/16	प्रश्नाधिकार	Praśnādhikāra	—	,,
292	कुंथु 37/22	बारहभाव-विधि	Bāraha Bhāva Vidhi	—	ग.
293	,, 36/1क 44	बालबोधजोटिकं	Bālabodha Joṭikam	—	प.
294	कोलड़ी 599	बुधउदय-साधनादि विधियां	Budha Udaya Sādhanādi Vidhiyān	—	ग.
295	,, गु. 9/11	भटोत्पलकाव्य	Bhaṭotpala Kāvya	भट्टोत्पल	प.
296-7	महावीर 7 अ 4. 3	भद्रबाहु-संहिता 2 प्रतियां	Bhadrabāhu Saṁhitā 2 copies	भद्रबाहु	,,
298	के नाथ 5/116	,,	,,	,,	,,
299	सेवामदिर 7अ100 (7)	भयाभय-यन्त्र	Bhayābhaya Yantra	—	,,
300	कोलड़ी 963A	भड्डलीवाक्य	Bhaḍḍli Vākya	भड्डली	,,
301	कुंथु 4/103	भुक्तभोग्यदशा-विधि	Bhukta Bhogya Daśā Vidhi	—	ग.
302	कोलड़ी 1207	भुवनदीपक	Bhuvana Dīpaka	पद्मप्रभसूरि	मू + ट (प.ग.
303	ओसियां 7 अ 46	,,	,,	,,	,,
304	कुंथु. 46/2	,,	,,	,,	,,
305	ओसियां 7 अ 48	,,	,,	,,	मू.प.
306	के नाथ 25/2	,,	,,	,,	,,
307	कोलड़ी 576	,,	,,	,,	मू ट (प ग.)
308	महावीर 7 अ 16	,, ढुंढिका	,, Ḍhuṇḍhikā	(मू पद्मसूरि की)	ग.
309	मुनिसुव्रत 7 अ 94	मध्यम ग्रहकरणविधि	Madhyama Craha Karana Vidhi	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रश्न ज्योतिष	सं.	15	25 × 11 × 15 × 36	संपूर्ण	1901	
,,	,,	23	27 × 14 × 18 × 44	,, 15 अध्याय	19वीं	
,,	,,	48	25 × 12 × 11 × 34	,, ,,	1841	
,,	,,	6	23 × 11 × 16 × 51	,,	1903	
,,	,,	3	27 × 12 × 9 × 45	,,	19वीं	
,,	,,	3	32 × 14 × 13 × 48	,, 75 श्लोक	1912	
,,	,,	13	30 × 14 × 13 × 42	,, 218 श्लोक	19वीं	अंत में षोडश योग
गणित ज्योतिष	मा.	1	25 × 11 × 16 × 65	,	,,	
मुहूर्त ,,	सं.	गु.		,, 113 श्लोक	1544	
गणित ,,	मा.	2	26 × 11 × 10 × 25	,,	20वीं	
,, ,,	,,	गु.	14 × 10 × 10 × 18	प्रतिपूर्ण	,,	
ज्योतिष शास्त्र	सं.	78,32	24 × 13 व 27 × 13	संपूर्ण 26 अध्याय ग्रं 1780	19वीं/1950	
,,	,,	40	26 × 11 × 14 × 45	,, 26 अध्याय ग्रं 1764	1943	
ज्योतिष तन्त्र-यन्त्र	मा.	1	20 × 10 × 14 × 34	,, 8 पद	18वीं	
निमित्त ज्योतिष	रा.	5	24 × 11 × 11 × 22	,,	1877	
गणित ज्योतिष	,,	1	25 × 11 × 13 × 58	,,	19वीं	
फलित ज्योतिष	सं.मा.	16	25 × 11 × 6 × 36	,, 175 श्लोक	16वीं	(ग्रह भाव प्रकाश)
,,	,,	14	26 × 11 × 6 × 41	,, 173 श्लोक	17वीं मेदिनीपुर	
,,	,,	39	18 × 11 × 4 × 16	अपूर्ण	1782	
,,	सं.	7	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 173 श्लोक, ग्रं. 220	18वीं	
,,	,,	14	25 × 11 × 10 × 25	,, 174 श्लोक	1838	
,,	सं मा.	29*	26 × 10 × 5 × 37	,, 171 श्लोक	19वीं	
,,	मा.	6	26 × 11 × 15 × 60	,, 157 गाथा	16वीं	
गणित ज्यो. सारिणि सिद्धान्तसह	सं.	3	25 × 11 × 19 × 66	,,	18वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
310	सेवामंदिर 7 अ 100 (11)	मरणज्ञान-यंत्र	Maraṇa Jñāna Yantra	(उपदेशमाला गाथा पर)	ग. अंकतालिक
311-2	कोलड़ी 607-8	महादेवी-दीपिकावृत्ति 2 प्रतियां	Mahādevī Dīpikā Vṛtti 2 copies	मणिभोजराज शिष्य धनराज	ग.प. अंक ता.
313	मुनिसुव्रत 7 अ 96	महादेवीसारण्यां ग्रहाणां स्पष्टनयनम्	Mahādevīsāraṇyāṁ Grahāṇāṁ Spaṣṭa Nayanam	—	ग.
314	,, 7 अ 92	माशेषफल	Māśeṣa Phala	—	,,
315	सेवामंदिर 7 अ 100 (18)	मुहूर्त-चौघड़िया	Muhūrta Caughaḍiyā	गोरखपत्रानुसार	ग. अंकतालिक
316	के नाथ 27/4	मुहूर्त-चिंतामणि	Muhūrta Cintāmaṇi	रामदैवज्ञ	मू.प.
317	सेवामंदिर 7 अ 98	,,	,,	,,	,,
318	के नाथ 27/1	,,	,,	,,	मू+वृ (प ग.)
319	कोलड़ी 645	,,	,,	,, (रामचन्द्र)	मू + ट (प ग)
320	,, 568	मुहूर्त ज्योतिष ग्रंथ	Muhūrta Jyotiṣa Grantha	—	प.ग.
321	,, 1065	,,	,,	—	प.
322	,, 799	,,	,,	—	प ग.
323	,, 669	मुहूर्ततत्व	Muhūrta Tattva	केशव दैवज्ञ	प.
324-5	के नाथ 27/24, 18	मुहूर्तदीपक-सटीक 2 प्रतियां	Muhūrta Dīpaka Saṭika 2 copies	महादेवोक्त/	मू+वृ (प.ग)
326	मुनिसुव्रत 7 अ 74	मुहूर्तमुक्तावली	Muhūrta Muktāvalī	—	प.
327	महावीर 7 अ 12	,,	,,	हरिभट्ट	,,
328	के.नाथ 25/19	,,	,,	,,	मू.ट (प.ग.)
329-30	कोलड़ी 670-68	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	परमहंसपरिवाज्रकाचार्य	,, ,,
331	,, 25/20	,,	,,	हरिभट्ट	,, ,,
322	कुंथु 18/39	मुहूर्तविचार	Muhūrta Vicāra	—	मंत्र
333	कोलड़ी 1289	यन्त्रचिंतामणि-सटीक	Yantra Cintāmaṇi Saṭīka	चक्रधर/रामदैवज्ञ	मू+वृ. प.ग.
334	ओसियां 7 अ 54	यन्त्रराज	Yantrarāja	मलयसूरि	पद्य
335	के.नाथ 27/33	,, -सटीक	,, Saṭtka	,,	मू+वृ (प.ग.)

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष यंत्र-तंत्र	रा.	1	25 × 11 × —	संपूर्ण	18वीं	
गणित ज्योतिष सारणी सिद्धांतसह	सं.	34,30	25 × 11 व 24 × 13	,,	1723,1822	
,,	,,	2	25 × 11 × 19 × 52	प्रतिपूर्ण	17वीं	
मुंथाफल	,,	3	21 × 11 × 11 × 35	,,	1807	
ज्योतिष मुहूर्त	,,	1	23 × 11 × —	,,	19वीं	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	40	22 × 10 × 12 × 37	संपूर्ण ग्रह प्रवेश प्रकरण तक	1769	
,,	,,	12	28 × 13 × 13 × 37	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	111	25 × 11 × 15 × 40	,, नक्षत्र 2/49 से वास्तु 6 तक	19वीं	
,,	,,	98	24 × 11 × 4 × 40	संपूर्ण 9 अध्याय	1842	
,,	सं.मा.	8	27 × 13 × 5 × 33	अपूर्ण	1880	
,,	सं.	3	26 × 13 × 7 × 38	त्रुटक बीच के पन्ने	19वीं	
,,	सं.मा.	51	24 × 11 × 12 × 33	अपूर्ण (56 से 106 पन्ने)	20वीं	
,,	सं.	14	24 × 12 × 11 × 42	संपूर्ण 176 श्लोक	16वीं	
,,	,,	23,25	29 × 12 व 26 × 11	,, 57/58 श्लोक	19वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 54	,, 92 श्लोक	17वीं	
,,	,,	3	25 × 11 × 13 × 49	,, 47 श्लोक	19वीं	
,,	सं.मा.	7	25 × 11 × 7 × 41	,, ,,	19वीं	
,,	,,	6,7	26 × 10 व 24 × 11	,, 55,42 अनुच्छेद	1843-62	प्रथम प्रति में 10 अनुच्छेद अतिरिक्त
,, तन्त्र	,,	10	26 × 10 × 4 × 33	,, 47 श्लोक	1771	प्रति में कर्त्ता का नाम परिव्राजकाचार्य लिखा है
,, मन्त्र	सं.	1	8 × 5 × —तालिका	,,	19वीं	
गणित ज्योतिष	,,	11	33 × 14 × 18 × 46	,, 4 अध्याय	1863	
ज्योतिष ग्रन्थ	,,	8	26 × 11 × 13 × 42	,,	1852विक्रमपुर	
,,	,,	28	25 × 11 × 17 × 54	,, 5 अध्याय	18वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
336	कोलड़ी 1242	यन्त्र-संग्रह	Yantra Saṅgraha	—	ग + अंक तालिका
337	,, 621	यवनतुर्की ताजिक + भावफल	Yavana Turkī Tājika + Bhāvaphala	—	मू + ट
338	के नाथ 27/69	यात्रा-प्रकरणम्	Yātrā Prakaraṇam	मुहूर्तचिंतामणि-टीकायाम्	ग.
339	कुंथु. 10/150	योगकोष्ठक	Yogakoṣṭhaka	—	कोष्ठक
340	के नाथ 25/10	योगिनीदशा	Yoginīdaśā	—	मू प.
341	,, 27/57	योगिनीदशान्तर्दशा सिद्धांक सारिणी	Yoginīdaśāntardaśā Siddhāṅka Sāriṇī	—	ग अंकतालिका
342	,, 18/8	रत्नदीपक	Ratna Dīpaka	—	ग.
343	कोलड़ी 675	रत्नावली	Ratnāvalī	लक्ष्मीधर	प.
344	,, 674	,, -पद्धत्ति	,, Paddhati	—	ग.
345	कुंथु. 37/3	रमल प्रश्नतन्त्र	Ramala Praśna Tantra	चिंतामणि पंडित	प ग.
346	,, 42/11	,, संज्ञा-तन्त्र	,, Sañjñā Tantra	,,	प.
347	के नाथ 17/70	,, शास्त्र	,, Śāstra	सोमनाथ	,,
348	महावीर 7 अ 14	रविआदि रात्रिघटिमान यंत्रादि	Ravi Ādi Rātri Ghaṭi Māna Yantrādi	शिव	प. अंकतालिका
349	मेवामंदिर 7 अ 100 (17)	राशिपत्र-प्रश्नज्ञान प्रदीपिका	Rāśi Patra-Praśna Jñāna Pradīpikā	—	प.
350	,, 7 अ 100 (5)	राशि-विचार	Rāśi Vicāra	—	ग.
351	,, 7 अ 100 (21)	राहुअष्टोत्तरी-दशादि	Rāhu Aṣṭottarīdaśādi	—	,,
352	के नाथ 27/14	लग्न-अधिकार	Lagna Adhikāra	—	ग.प.
353	कोलड़ी 680	लग्न कर्त्तव्यता अल्पेटादि विधि	,, Karttavyatā Alpeṭādi Vidhi	—	ग.
354	महावीर 7 अ 17	लग्न-कुण्डलिका	,, Kuṇḍalikā	हरिभद्रोक्त	प.
355	कोलड़ी 643	लग्न-चन्द्रिका	,, Candrikā	काशीनाथ	,,
356	के.नाथ 26/9	,,	,, ,,	,,	,,
357	कोलड़ी 662	लग्नदशाफल	,, Daśāphala	—	ग.
358	कुंथु. 32/24	लग्नविचार	,, Vicāra	—	ग. तालिका
359	महावीर 7 अ 21	,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष यंत्र-मंत्र	मा.	8	28 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,, ग्रहफल	सं.उर्दू+हिं	2	27 × 12 × 6 × 38	संपूर्ण 10+9 गाथा	1865	
निमित्त मुहूर्त ज्यो.	सं.	6	20 × 11 × 14 × 45	,,	19वीं	
सारिणियां-परिभाषाएं	,,	1	25 × 10 × —	,, 28 योगों का	,,	
ग्रहफल	,,	8	25 × 12 × 12 × 32	,,	,,	
गणित ज्यो. (ग्रह-अन्तर्दशा-सारिणी)	,,	11	26 × 11 × 10 × 37	अपूर्ण	,,	एक पन्ना अन्य
ग्रहफल	,,	5	26 × 11 × 17 × 56	संपूर्ण	,,	
भावदशादि विषय	,,	5	28 × 12 × 15 × 50	,,	1693	
गणित ज्योतिष	मा.	9	27 × 12 × 17 × 44	,,	19वीं	
प्रश्न ,,	सं.	13	24 × 12 × 10 ×	,,	,,	
फलित ,,	,,	7	25 × 12 × 10 × 56	अपूर्ण श्लोक 123 से 249	,,	
,, ,,	,,	28	25 × 15 × 13 × 30	शकलपद्धति पूरी+3 पन्ने	,,	प्रथमपत्र जीर्ण व त्रुटित
मुहूर्त व गणित ज्योतिष	,,	6	25 × 10 × —	प्रतिपूर्ण	1738+ गंगासुन्दर	
प्रश्न ज्योतिष	,,	1	23 × 11 × 18 × 40	संपूर्ण 28	19वीं विसलपुर जसरूप	
गणित ज्योतिषि	,,	1	26 × 11 × 16 × 46	,,	18वीं	
,,	,,	1	23 × 9 × 15 × 30	,,	,,	
ज्योतिष	,,	18	23 × 10 × 5 × 34	,, 132 पद्यानुच्छेद	1876	
,,	रा.	4	27 × 10 × 16 × 50	,,	19वीं	
गणित ज्योतिष व मुहूर्त	प्रा.	5	29 × 13 × 16 × 38	,, 129 गा.	1943 नागौर बंशीधर व्यास	
विवाह संबन्धी ज्योतिष	सं.	38	24 × 11 × 13 × 35	,,	1848	
,,	,,	20	27 × 11 × 17 × 41	अपूर्ण 746 श्लोक	19वीं	
गणित ज्योतिष	,,	3	24 × 13 × 12 × 38	संपूर्ण	1905	
,,	,,	1	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
,,	,,	3	17 × 13 × 15 × 23	,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
360	कोलड़ी 1066	लग्नसाधन	Lagna Sādhana	—	ग.
361	के.नाथ 27/5	लघुजातक	Laghu Jātaka	वराहमिहिर	मू प.
362	ओसियां 7 अ 42	„ -सटीक	„ -Saṭīka	„ /-	मू+वृ (प.ग.)
363	„ 7 अ 41	„ „	„ „	„/भट्टोत्पल	„ („)
364	महावीर 7 अ 31	„ „	„ „	„/ „	„ („)
365	ओसियां 7 अ 40	„	„	वराहमिहिर	मू.प.
366-7	के नाथ 25/13, 16/41	„ 2 प्रतियां	„ 2 copies	„	„
368	„ 7/12	„ -सटीक	„ -Saṭīka	„ /मतिसागर	मू वृ.
369	कोलड़ी 635	„ „	„ „	„ /भट्टोत्पल	„ (प.ग.)
370	„ 634	„	„	„	मू प.
371	ओसियां 7 अ 51	„ की टीका	„ -kī Tīkā	भट्टोत्पल	ग
372	कोलड़ी 1059	„ „	„ „	—	प.
373	के नाथ 27/35	वधूप्रवेश मुहूर्त	Vadhu Praveśa Muhūrta	—	ग.
374	सेवामदिर 7अ100 (6)	वर्ण बल यन्त्र	Varṇa Bala Yantra	—	प.
375	कोलड़ी 652	वर्षगणितपद्धति भूषण	Varṣa Gaṇita Paddhati Bhūṣaṇa	दिवाकर	ग.प.
376	मुनिसुव्रत 7 अ 108	वर्षतन्त्र-ताजिक	„ Tantra (Tājika)	नीलकण्ठ	मू प.
377	कोलड़ी 1313	वर्षफलोपयोगी योम	„ Phalopayogī Yoma	—	„
378	कुंथु 10/189	वर्षप्रवृत्ति	„ Pravṛtti	—	ग.तालिका
379	के.नाथ 27/66	वर्षप्रतिग्रक्षय कोष्टका	Varṣa Prati Akṣaya Koṣṭaka	—	ग. अं तालिका
380	कुंथु. 42/3	वर्षभविष्य	Varṣa Bhaviṣya	—	ग.प.
381	कोलड़ी 654	वर्षेशदशा व मुंथाफल	Varṣeśa Daśā & Munthāphala	—	प.
382	„ 653	वर्षेशदशाफल मुंथाफलसह	Varṣeśa Phala with Munthāphala	—	ग.
383	के.नाथ 27/68	वास्तुप्रकरण	Vāstu Prakaraṇa	—	„
384	मुनिसुव्रत 7 अ 91	विदशाफल	Vidaśā Phala	—	„
385	कुंथु. 46/2	विवाह अधिकार काव्य	Vivāha Adhikāra Kāvya	—	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित ज्योतिष	रा.	4	26 × 11 × 16 × 45	अपूर्ण	19वीं	
फलित ज्योतिष	सं.	5	26 × 11 × 17 × 51	संपूर्ण ग्रंथाग्र 172	1649	
,,	,,	19	26 × 12 × 5 × 38	,, 13 अध्याय	17वीं × अणंद-सुन्दर	
,,	,,	21	26 × 11 × 16 × 49	,, ,,	1721 × घण-सुन्दर	
,,	,,	51	21 × 10 × 9 × 27	,, ,,	18वीं	
,,	,,	6	25 × 11 × 16 × 36	अपूर्ण 10 अध्याय तक	1874 × दौलतसुन्दर	
,,	,,	12,5	28 × 13 व 27 × 11	संपूर्ण 13 अध्याय 71पद	19वीं	
,,	,,	26	25 × 10 × 14 × 48	,, ,,	,,	लिपि गुजराती है
,,	,,	35	26 × 13 × 13 × 42	,, ,,	1902	
,,	,,	18	28 × 13 × 6 × 28	,, ,,	1910	
,,	,,	24	25 × 11 × 15 × 35	,,	1875 × दौलतसुन्दर	
,,	,,	18	25 × 12 × 6 × 36	अपूर्ण 8वें अध्याय तक	19वीं	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	2	19 × 10 × 14 × 32	संपूर्ण	,,	
ज्योतिष गणित	,,	1	26 × 11 × तालिका	प्रतिपूर्ण	18वीं	
गणित ज्योतिष	,,	11	25 × 9 × 6 × 30	,, 8वां पत्राकम	1856	
फलित ज्योतिष	,,	17	27 × 11 × 12 × 37	अपूर्ण (11 से 27 अंत के पत्र)	1875	जीर्ण
,,	,,	7	25 × 12 × 17 × 45	संपूर्ण 197 श्लोक	19वीं	अंत में शहरोंकेअक्षांश देशांतर वग्रहभावफल विषय सूची
वर्षफल निर्णय व विधान	,,	1	21 × 7 × —	प्रतिपूर्ण	,,	
गणित सारिणियां	,,	5	23 × 11 × 20 × 58	संपूर्ण	,,	
वर्षफल निर्णय ग्रहानुसार	,,	7	25 × 10 × 19 × 82	लगभगपूर्ण	,,	
फलित ज्योतिष वर्षफल	,,	3	28 × 12 × 14 × 62	संपूर्ण 69 श्लोक	,,	
,,	,,	5	24 × 11 × 16 × 48	,,	,,	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	10	20 × 10 × 115 × 35	,,	,,	
फलित ज्योतिष	,,	2	26 × 11 × 19 × 59	,,	,,	
वैवाहिक ज्योतिष	रा.	7	18 × 11 × 4 × 16	,, 59 छंद	1782	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
386	कोलड़ी 578	विवाहदोषाणि	Vivāha Doṣāṇi	—	ग प.
387	सेवामंदिर 7 अ 100 (8)	विवाह-गुणदोष	,, Guṇa Doṣa	—	,,
388	महावीर 7 अ 23	विवाह-पडल	Vivāha Paḍala	—	,,
389	कोलड़ी 575	,,	,,	—	ग.
390	केनाथ 27/7	,, सबालावबोध	,, with Bālāvabodha	/अमरसाधु	मू+बा (प.ग.
391	कोलड़ी 667	,,	,,	—	ग
392	मुनिसुव्रत 7 अ 64	,,	,,	—	मू+ट (प.ग.)
393	कोलड़ी 577	,,	,,	—	मू.प.
394	मुनिसुव्रत 7 अ 88	,,	,,	—	,,
395	महावीर 7 अ 24	,, सबालावबोध	,, with Bālāvabodha	—/—	मू+बा (प.ग.
396	कोलड़ी 576	,,	,,	—	मू+ट (,,)
397	केनाथ 24/68	,, -सावचूरि	,, with Avacūri	—	मू+अ (,,)
398-400	,, 26/17, 25/23,11	,, सबालावबोध 3 प्रतियां	,, with Bālāvabodha 3 copies	—	मू+बा (,,)
401	कोलड़ी 1280	,, -भाषा	,, Bhāṣā	रूपचन्द	प.
402	ओसियां 7 अ 35	,, ,,	,, ,,	—	ग.
303	कोलड़ी 960E	विवाह-मुहूर्त	Vivāha Muhūrta	—	प.
304	,, 658	,, (दोष-निवारण)	,, (Doṣa-nivāraṇa)	—	ग. अं.तालिकाए
305	कुंथु. 13/	,,	,,	—	,,
306	कोलड़ी 673	वृतशत	Vṛta Śata	महेश्वराचार्य	प.
307	कुंथु. 23/1	वृहत्‌जातक व अन्य लेख	Vṛhat Jātaka & ther-articles	वराहमिहिरादि	प ग.
308	कोलड़ी 631	,,	,,	वराहमिहिर	मू.प.
309	,, 1290	,, -सटीक	,, Saṭika	,,	मू+वृ (प.ग.)
310	महावीर 7 अ 28	,,	,,	,,	मू.प.
311	कोलड़ी 1171	,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
विवाह दूषण निवारण	सं. रा.	8	25 × 12 × 11 × 30	संपूर्ण	1836	
विवाह नक्षत्र समीक्षा	सं.	1	27 × 12 × 13 × 38	अपूर्ण	18वीं	
वैवाहिक ज्योतिष	सं मा.	10	25 × 12 × 18 × 38	,,	,,	
,,	सं.	11	25 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण	1818	
,,	सं मा	22	24 × 12 × 13 × 33	,, ग्रं 650	1842	
,,	,,	14	26 × 11 × 16 × 70	,	1846	
,,	,,	11	26 × 12 × 8 × 37	,, 114 श्लोक	1877सालावास वृद्धिचंद	
,,	सं.	24	25 × 10 × 10 × 25	,, 232 श्लोक	1878	
,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 36	अपूर्ण 265 श्लोक	19वीं	
,,	सं मा	10	27 × 12 × 13 × 53	प्रतिपूर्ण	,,	
,,	,,	29*	26 × 10 × 5 × 37	संपूर्ण 104 श्लोक	,,	
,,	सं.	4	26 × 11 × 12 × 41	,, 90 श्लोक	,,	
,,	सं मा.	3,14,17	24 से 27 × 12 से 13	,,	1867 से 20वी	
,,	मा.	2	16 × 13 × 14 × 30	,, 32 गा.	19वीं	
,,	,,	9	26 × 13 × 12 × 41	,, (नौवां पन्ना कम)	1915बीकानेर	
,,	,,	2	25 × 12 × 20 × 48	,, 62 दोहे	19वीं	
वैवाहिक दस दोष निवारण यंत्र	सं मा.	4	25 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	,,	
वैवाहिक ज्योतिष	मा.	4	21 × 13 × 19 × 34	,,	,,	
मुहूर्तादि प्रकरण	सं.	9	25 × 12 × 13 × 42	संपूर्ण 108 श्लोक	1863	
फलित सामान्य संकलन	,,	67	25 × 11 × 19 × 44	,,	1799	
फलित सर्व विषय	,,	28	26 × 11 × 12 × 40	,, 26 अध्याय	1864	
,,	,,	59	30 × 15 × 9 × 50	,, 25 ,,	1902	
,,	,,	23	27 × 12 × 12 × 48	,,	1909पवन-कासमपुरशिवचंद्र	
,,	,,	22	26 × 13 × 14 × 38	लगभग पूर्ण 25 अध्याय	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
412	कोलड़ी 1206	बृहत्जातक	VṛhatJātaka	,,	मू + ट (प.ग.)
413	,, 630	,, की टीका	,, -kī Tikā	—	ग.
414	के नाथ 29/93	शतसंवत्सरी (महामाइ वाक्य)	Śata Saṁvatsarī (Mahā-māivākya)	—	प.
415	कोलड़ी 656	,,	,,	—	ग.
416	मुनिसुव्रत 7 अ 71	,,	,,	—	,,
417-8	कोलड़ी 657, गु. 12/8	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	प.
419	कुंथु. 32/23	,,	,,	अहृर्षपुराणे	ग.
420	कोलड़ी गु 10/10	,, + भड्डली पुराण	,, + Bhaḍḍlī Purāṇa	—	प.
421	के नाथ 29/94	,,	,, —	—	,,
422	,, 19 25	,,	,, —	—	ग.
423	कोलड़ी 1292	,,	,, —	—	प.
424	कुंथु 15/15	(षष्ठी) शतसंवत्सरी की टीका	(Ṣaṣṭhi) Śata Saṁvatsarī ki Tikā	—	ग.
425	,, 49	,, ,,	,, ,,	—	,,
426-9	कोलड़ी गु 10/5 866-7 1306	शनिकथा 4 प्रतियां	Śani Kathā 4 copies	जोरावरमल कायस्थ	प.
430	कुंथु 46/3	,,	,,	,,	,,
431	,, 28/2	शनि-छद	Śani Chanda	—	,,
432	नेतामंदिर 5 अ 22	,,	,,	गणेशचन्द्र	,,
433	के नाथ 28/95	,,	,,	हेम	,,
434	कुंथु 37/20	शनि-स्तवन	Śani Stavana	—	,,
435	महावीर 6 अ 6	शनि-स्तुति	Śani Stuti	—	,,
436	ओसियां 5 अ 3	शनि-स्तोत्र	Śani Stotra	(अग्निपुराणे)	,,
437	कुंथु. 10/171	शनि (गुरु) स्तोत्राणि	Śani (Guru) Stotrāṇi	—	,,
438	कोलड़ी 600	शिवा-मुहूर्त	Śivā Muhūrta	शिव	प.ग. अं. तालिका

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
फलित सर्व विषय	सं.	2	26 × 12 × 6 × 42	केवल भाव अध्याय (18वां) 11 श्लो.	19वीं	
,,	,,	81	28 × 13 × 14 × 39	संपूर्ण	1865	
वर्षफल भविष्य वाणियां	मा.	5	25 × 11 × 15 × 54	,, 199 गा.	1718	1225 से 2172
,,	,,	14	23 × 11 × 19 × 62	,,	1630	1651 से 1700
,,	सं.	8	25 × 10 × 13 × 42	,,	1762, मुछाला सुजाणरुचि	1701 से 1800
,,	मा.	4 गु.	25 × 12 व 19 × 12	,, 74 गाथा	19वीं	,, ,,
,,	,,	5	21 × 11 × 17 × 44	प्रतिपूर्ण	1774	1770 से 1800
,,	,,	गु.	19 × 14 × 18 × 33	अपूर्ण	19वीं	1801 से 1845
,,	,,	3	25 × 11 × 22 × 44	संपूर्ण	1840	1801 से 1900
,,	,,	12	26 × 11 × 17 × 44	,,	19वीं	,, ,,
,,	,,	6	16 × 12 × 12 × 20	प्रतिपूर्ण	19वीं	1942 से 2000
,,	सं.	5	25 × 10 × 20 × 55	संपूर्ण 60 वर्षों की	1703	नाम सहित 60 प्रकार के वर्षों की
,,	रा.	गु.	31 × 23 × 27 × 26	,, 1800 से 1860	1806	,,
ग्रहभक्ति	मा.	गु. 8, 8, 19	16 से 25 × 12 से 13	,, 167/75 छंद	1844 से 20वीं	अंतिम प्रति में 15वां पन्ना कम
,,	,,	60*	17 × 12 × 17 × 12	अपूर्ण 45 से 352 (अंत) छंद	1919	
,,	,,	15	17 × 13 × 13 × 19	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	3	21 × 10 × 9 × 25	,, 16 पद	1850 वीरमपुर गणेशचन्द्र	अंत में स्वप्न विचार भी
,,	,,	3	23 × 12 × 11 × 24	,, 17 गाथा	1870	
,,	सं.	1	25 × 11 × 8 × 62	,, 10 श्लोक	19वीं	
,,	,,	10	16 × 11 × 11 × 20	,, 45 श्लोक	18वीं	
,,	,,	10	16 × 8 × 7 × 18	,, 54 श्लोक	18वीं	
,,	,,	1	27 × 11 × 13 × 44	,, दो 7+5 श्लोक	19वीं	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	8	27 × 13 × 15 × 44	,, 46 श्लोक	1881	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
439	कोलड़ी 567	शिवा-मुहूर्त	Śivā Muhūrta	शिव	प.ग. अं तालिक
440	महावीर 7 अ 13	,,	,,	,,	,,
441	मुनिसुव्रत 7 अ 109	,,	,,	,,	,,
442	के.नाथ 23/61	शीघ्रबोध	Śighrabodha	काशीनाथ	प.
443	कुंथु. 37/17	,,	,,	,,	,,
444-5	के.नाथ 25/14, 28/12	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
446-7	के.नाथ 7/17, 27/41	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	मू+ट (प.ग.)
448	ओसियां 7 अ 82	,,	,,	काशीनाथ भट्टाचार्य	मू.प.
449-51	कोलड़ी 570, 569, 1190B	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
452	सेवामंदिर 7अ100 (22)	शुभकार्य-मुहूर्त	Śubhakārya Muhūrta	—	ग.तालिका
453	मुनिसुव्रत 7 अ 58	षट्पंचाशिका सहबाला.	Ṣaṭpañcāśikā with Bālāvabodha	पृथुयश/भट्टोत्पल	मू बा. (प ग.)
454	के.नाथ 10/17	,, -सटीक	,, Saṭīka	,, / ,,	मू वृ. (,,)
455	,, 27/8	,, सहबाला.	,, with Bālāvabodha	,, /	मू.बा. (प.ग.)
456	कोलड़ी 775	,,	,,	,,	मू प.
457	के.नाथ 27/10	,,	,,	,,	,,
458	कोलड़ी 777	,,	,,	,,	मू.ट. (प ग.)
459	महावीर 7 अ 26	,, सहबाला.	,, with Bālāvabodha	,, / ,,	मू.बा.(प.ग)
460-61	ओसियां 7 अ 39 38	,, -सटीक 2 प्रतियां	,, Saṭika 2 copies	,, / ,,	मू.वृ. (प.ग.)
462	कोलड़ी 776	,, का बालावबोध	Ṣaṭpañcāśikā kā Bālāvabodha	—	ग.
463	सेवामंदिर 7 अ 101	,, ,,	,, ,,	भट्टोत्पल	,,
464	ओसियां 7 अ 78	षोडश-योगाध्याय	Ṣoḍaśa Yogādhyāya	—	मू.प.
465	कोलड़ी 573	,,	,, ,,	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
मुहूर्त ज्यो. पंथाराहु सह	सं.	8	26 × 12 × 11 × 40	संपूर्ण 65 श्लो.	19वीं	
,, सारिणियें सह	,,	6	25 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	1953 रतलाम	
,, ,,	,,	5	25 × 11 × —	,,	1815	
सामान्य पाठ्यपुस्तक नुमा	,,	14	26 × 12 × 16 × 48	संपूर्ण	1716	
,,	,,	29	26 × 11 × 12 × 36	,, 429 श्लोक	1825	
,,	,,	29,11	27 × 15 व 25 × 11	प्रथम संपूर्ण 508 श्लोक द्वितीय अपूर्ण	1847 व 20वीं	प्रथम प्रति में विवाह पडल भी संपूर्ण है।
,,	सं.मा	47,108	25 × 11 व 23 × 12	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	1828 व 20वीं	
,,	सं.	22	25 × 10 × 13 × 41	संपूर्ण 4 प्रकरण	1854 विक्रमपुर बखतसुंदर	
,,	,,	8,29,10	25 × 11 से 12	प्रथम संपूर्ण शेष 2 अपूर्ण	19/20वीं	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	1	26 × 13 × —	प्रतिपूर्ण	18वीं	
प्रश्न ज्योतिष	सं.मा.	10	25 × 11 × 15 × 44	संपूर्ण 57 श्लोक	17वीं	
,,	सं.	8	26 × 11 × 24 × 52	,, 56 श्लोक	1782	
,,	सं.मा	8	26 × 12 × 17 × 42	,, ,,	1785	
,,	सं.	4	31 × 11 × 12 × 40	,, 58 श्लोक	1802	
,,	,,	6	23 × 11 × 8 × 25	,, 56 श्लोक	1807	
,,	सं मा	11	27 × 10 × 4 × 44	,, 57 श्लो. ग्रं. 505	1846	
,,	,,	17	25 × 11 × 12 × 36	,, 53 श्लोक	19वीं जालोर त्रिभुवनराय	
,,	सं.	10,4	26 × 12 × भिन्न 2	प्रथम संपूर्ण, द्वितीय अपूर्ण	1846/19वीं	
,,	मा.	18	27 × 11 × 10 × 30	संपूर्ण 56 श्लोक का	1863	
,,	,,	11	20 × 9 × 7 × 16	अपूर्ण 52 श्लोक	1868	
फलित ज्योतिष	सं.	3	28 × 13 × 15 × 45	,, 9 से 75 श्लो. अंत	19वीं	योगलक्षण सहोदारण
,,	,,	13	27 × 11 × 12 × 42	संपूर्ण	1860	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
466-9	कोलड़ी 572-4-1 1320	षोडश योगाध्याय की व्याख्या 4 प्रतियां	Ṣoḍaśa Yogādhyaya kī Vyākhyā 4 copies	—	गद्य
470	ओसियां 7 अ 80	,, की टीका	,, kī Tīkā	गोविन्द	,,
471	कुंथु 46/1	षोडशयोग सोदाहरण	Ṣoḍaśa Yoga with Udāharaṇa	—	ग.
472	कोलड़ी 960F	सपुच्छसशिखा केतुतारोदय	Sapuccha Saśikhā-ketutārodaya	—	प.
473	सेवामंदिर 7 अ 100 (19)	सर्वतोभद्रयंत्र	Sarvatobhadra Yantra	—	ग. अंकतालिक
474-5	कोलड़ी 626, 1281	सर्वार्थचिंतामणि 2 प्रतियां	Sarvārtha Cintāmaṇi 2 copies	वेंकटेशदेवज्ञ	मू.प.
476	,, 997	सहमविचार व विधि	Sahama Vicāra Vidhi	नीलकंठानुसार	ग.
477	कुंथु 10/129	सहमविधि	,, Vidhi	—	ग. अंक ता.
478	कोलड़ी 1203	संकेतकौमुदी	Saṅketa Kaumudī	हरिश्रीनाथाचार्य	प.
479	केनाथ 2/22	संक्रान्तिफलम्	Saṅkrānti Phalam	—	ग.
480	कुंथु 17/2	,, विचार	,, Vicāra	—	अंककोष्ठक
481	,, 32/22	संज्ञाविवेक तंत्र (ताजिक)	Sañjñāviveka Tantra (Tājika)	नीलकंठ	मूलपद्य
482	केनाथ 27/40	सार-संग्रह	Sāra Saṅgraha	भट्टमहादेव	,,
483	कोलड़ी 602	सारिणी-आशाधर	Sāriṇi-Āśādhara	—	अंकतालिका
484-6	,, 592-3, 595,1300	,, -कामधेनु 3 प्रतियां	,, -Kāmadhenu 3 copies	—	,,
487	केनाथ 27/64	,, ,,	,, ,,	—	,,
488	कुंथु 14/65	,, ,, रोहिणी-चक्रादि	,, ,, Rohiṇīcakrādi	—	,,
489-90	कोलड़ी 550 1282	,, -ग्रहलाघव 2 प्रतियां	,, -Grahalāghava 2 copies	—	,,
491-93	,, 583,582, 580	सारिणी चन्दार्की 3 प्रतियां	,, -Candrārkī 3 copies	—	,,
494	के.नाथ 27/39	,,	,, ,,	—	,,
495	कोलड़ी 604	सारिणी जयचन्द्र	,, Jayacandra	जयचंद सुमतिसूरि का शिष्य	,,
496	केनाथ 27/62	सारिणी-मकरंद	,, Makaranda	हरिकर्णशर्मा	,,
497	कोलड़ी 601	,,	,, ,,	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
फलित ज्योतिष	सं.	18,7, 27,8	24 से 27 × 10 से 12	प्रथम 3 पूर्ण अंतिम अपूर्ण	1850-3-5, 20वीं	
,,	,,	31	27 × 11 × 15 × 47	संपूर्ण	20वीं	मूल ग्रंथ नील-कंठ का
,,	रा.	14	16 × 13 × 11 × 15	,,	18वीं	
,,	सं.	2	25 × 11 × 13 × 44	,,	19वीं	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	1	25 × 11 × —	,,	,,	सूर्यचन्द्र कालानल-सह
फलित ज्योतिष	,,	73,17	27 × 11 व 29 × 13	प्रथम संपूर्ण द्वितीय अपूर्ण 2/159 तक	1878	
ज्योतिष कर्मकाण्ड	रा.	2	27 × 14 × 16 × 36	संपूर्ण	19वीं	सारिणि सह
गणित ज्योतिष	,,	4	26 × 13 × —	,, 7 वारों की	20वीं	,,
फलित ग्रहअव-स्थायें	सं.	12	28 × 13 × 13 × 36	,,	1906	
फलित ज्योतिषि	रा.	18*	24 × 12 × 11 × 44	,, 12 राशिका	1881	
संक्रांतिफल	सं.	1	26 × 19 × —	,,	1914	
फलित ज्यो. (योग)	,,	10	24 × 12 × 12 × 38	,, 173 श्लोक	1659	
ज्योतिष सामान्य	,,	24	23 × 13 × 9 × 23	,, 249 श्लोक	19वीं	
गणित-ग्रहगति फल	,,	33	26 × 11 × —	,,	,,	
,, ग्रह तिथि आदि	,,	22,13 20	25 से 27 × 11 से 20	प्रथम 2 पूर्ण अंतिम अपूर्ण	1876 से 20वीं	
,, ,,	,,	14	26 × 12 × 21 × 64	संपूर्ण	17वीं	
,, ,,	,,	3	25 × 11 × —	,,	19वीं	
,, ग्रह भ्रमणादि	,,	5,5	26 × 12 व 27 × 12	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	1850 जोधपुर अणदाजी 20वी	
,, मंदफलमासादि	,,	9,9,2	25 से 26 × 11 से 12	संपूर्ण	1841 से 1871	
,,	,,	11	23 × 13 × 18 × 55	,,	19वीं	
,, पंचाङ्ग इष्ट तिथिआदि	,,	24	27 × 12 × —	,, पन्ना नं. 2 कम है	1861	
,, ,,	,,	20	26 × 11 × —	,,	1878	
,, पंचाङ्ग चन्द्र शृंगोन्नतसाधन	,,	18	26 × 13 × —	,,	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
498-502	कोलड़ी 606 605 609, 610,1056	सारिणी-महादेवी 5 प्रतियां	Sāriṇī-Mahādevi 5 copies	—	अंकतालिका
503	कोलड़ी 8/1	,,	,, Mahādevokta	महादेवोक्त	ग+अंक तालिका
504	केनाथ 27/6	,, ,, की वृत्ति	,, ,, ki Vṛtti	—	,,
505	मुनिसुव्रत 7 अ 72	,, -मृगांक	,, Mṛgāṅka	भोजराज	,,
506-14	कोलड़ी 545-9, 801,1136 1211, 1301	,, ,, 9 प्रतियां	,, ,, 9 copies	राजामृङ्गाक	,,
515	केनाथ 27/12	,, ,	,, ,,	,,	,,
516	कोलड़ी 663	,, ग्रहदशा-उपदशाकाल	,, Grahadaśā Upadaśākāla	—	,,
517	,, 559	,, ग्रहसिद्धि	,, Grahasiddhi	—	,,
518	,, 1277	,, चन्द्रपर्व, ग्रहलाघवादि	,, Candra Parva, Grahalāghavādi	—	,,
519	,, 1213	,, तिथिवार घटी-निक्षेपादि	,, Tithivāra Ghaṭī Nikṣepādi	—	,,
520	,, 1062	,, पंचवर्गी बालसाधनार्थ	,, Pañcavargī Bāla Sādhanārtha	—	,,
521	,, 1295	,, बुध पंक्ति भ्रमण	,, Budha Paṅkti Bhramaṇa	—	,,
522	,, 1214	,, त्रिकर्म मध्याखेटनादि	,, Trikarma Madhyā Kheṭanādi	ब्रह्मतुल्ये	,,
523	,, 558	,, मंगलायावत्	,, Maṅgalāyāvat	—	,,
524-28	,, 647,556 1057 1061 1294	,, रवि पंक्ति आदि 5 प्रतियां	,, Ravi Paṅktyādi 5 copies	भिन्न 2	,,
529	केनाथ 27/20	,, ध्रुवक्षेपादि	,, Dhruva Kṣepādi	—	,,
530-38	,, 27/13, 38,61-3-5, 27/11,21, 26,56	,, राशिवर्गादि 9 प्रतियां	,, Rāśi Vargādi 9 copies	भिन्न 2	,,
539	मुनिसुव्रत 7 अ 110	,, ग्रहप्रदीप त्रिधयोति	,, Grahapradipa Tridhayoti	—	,,
540	,, 7 अ 111	,, जगदूषण	,, Jagadūṣaṇa	—	,,
541	,, 7 अ 112	,, केंद्र राशि कोष्ठक	,, Kendra Raśikoṣṭakha	—	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित ग्रहगति कोष्ठक	सं.	92,77, 53,75	24 से 28 × 10 से 13	चार संपूर्ण, अंतिम अपूर्ण	1845 से 20वीं	
,, पंचाग 1814-73 साथ में	,,	200	27 × 18 × 31 × 28	संपूर्ण	19वीं	
,, ग्रहगति स्थिति आदि	,,	27	26 × 11 × 19 × 61	,,	19वीं	
,, ,,	,,	22	24 × 11 × —	,,	17वीं गंगाराम	
,, ,,	,,	45,2,7 93,7,7, 4,22,62	26 से 30 × 10 से 20	प्रथम 5 अपूर्ण शेष 4 पूर्ण	19/20वीं	
,, ,,	,,	135	26 × 12 × 18 × 50	अपूर्ण	1845	
,, ,,	,,	8	27 × 10 × —	संपूर्ण	19वीं	
,, ग्रह संदोच्च फलादि	,,	6	26 × 12 × —	,,	19वीं	
,, ग्रहगति आदि	,,	18	33 × 16 × —	,,	19वीं	सूत ज्ञान साथ में
,, ,,	,,	16	28 × 19 × —	अपूर्ण	1917	
,, ,,	,,	5	26 × 12 × —	संपूर्ण	1854	
,, ,,	,,	9	27 × 11 × —	,,	19वीं	
,, ,,	,,	40	29 × 27 × —	अपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	6	25 × 11 × —	संपूर्ण	19वीं	संकटाष्ट दशा विचार
,, ,,	,,	90,6, 152,2 6,	24 से 29 × 11 से 13	पूर्ण/अपूर्ण	19/20वीं	
,, ,,	,,	9	24 × 10 × 24 × 71	अपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	60,56. 21,86, 76,11, 14,10	26 से 28 × 11 से 12	प्रथम 5 पूर्ण शेष 4 अपूर्ण	19/20वीं	
,, ,,	,,	60	26 × 11 × —	संपूर्ण	1784	
,, ,,	,,	84	26 × 12 × —	,,	20वीं	
,, ,,	,,	13	26 × 12 × —	त्रुटक	20वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
542	मुनिसुव्रत 7 अ 113	सारिणी अष्टोत्तरी	Sāriṇi Aṣṭottarī	—	ग. अंकतालिका
543	,, 7 अ 115	,, फलअंशादि	,, Phala Aṁśādi	—	,,
544	,, 7 अ 120	,, विभिन्न	,, Vibhinna	भिन्न-2	,,
545	कुंथु 32/21	,, वार घटि	,, Vāra Ghaṭi	—	,,
546	,, 10/191	,, अन्तर्दशा, अष्टोत्तरी	,, Antardaśā Aṣṭottarī	—	,,
547	सेवामंदिर 7 अ 117	,, योगकेन्द्र	,, Yoga Kendra	—	,,
548	,, 7 अ 119	,, मासप्रवेश	,, Māsa Praveśa	—	,,
549	,, 7 अ 118	,, राशि ज्ञान	,, Raśi Jñāna	—	,,
550	मुनिसुव्रत 7 अ 87	सावाविचार	Sāvā Vicāra	मोतीराम	पद्य
551	,, 7 अ 75	सावाविधि	Sāvā Vidhi	—	गद्य
552	कुंथु 26/4	सावाविधि-मुहूर्तादि	Sāvā Vidhi Muhūrtādi	—	ग. तालिका
553	कोलड़ी 1055	सिद्धान्त शिरोमणि सभाष्य	Siddhānta Śiromaṇi with Bhāṣya	भास्कराचार्य (महेश्वर उपाध्याय सुत)	प.ग.
554	ओसियां 7 अ 49	,,	,,	,,	मू.प.
555	,, 7 अ 45	,, -सटीक	,, Saṭīka	,,	,,
556	कोलड़ी 1194	,, ,,	,, ,,	,,/-	मू : वृ (प.ग.)
557	कोलड़ी 664	सिरोही महाराज रायसिंह जन्मपत्रिका	Sirohī Mahārāja Rāyasiṁha Janma Patrikā	—	ग.अंकतालिका
558	के.नाथ 27/23	सूर्यचन्द्रोद्भव ग्रहस्पष्टादि	Sūrya Candrodbhava Grahaspaṣṭādi	—	प.
559	कुंथु 32/25	सूर्यचन्द्र आठग्रह महादशा	Sūrya Canda Āṭha Graha Mahādaśā	—	ग.
560	कोलड़ी 1163	सूर्य पर्व स्थापन	Sūrya Parva Sthāpana	—	,,
561	कोलड़ी 585	सूर्य सिद्धान्त	Surya Siddhānta	भास्कराचार्य	प.
562	कोलड़ी 584	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	,,	ग.
563	कोलड़ी 682	स्त्रीजातक (जन्मपत्री)	Strī Jātaka (Janma Patri)	रामचन्द्र	प.
564	कोलड़ी 18/38	,, सूर्य-चन्द्र अन्तर्दशा	,, (Sūrya Candra Antardaśā	गौरीजातके	,,
565	कोलड़ी 614	हायनरत्न	Hāyana Ratna	बलभद्र	ग.

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
गति ग्रहगति आदि	सं.	9	22 × 12 × —	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	160	14 × 13 × —	अपूर्ण	17वीं	
,, ,,	,,	81	27 × 12 × —	,,	18/20वीं	
,, ,,	,,	150	26 × 11 × —	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	7	25 × 11 × —	अपूर्ण	,,	
,, ,,	,,	18	27 × 18 × —	त्रुटक	20वीं	
,, ,,	,,	136	19 × 11 × —	अपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	15	33 × 21 × —	संपूर्ण	,,	जिल्दबंधी पंजिका
वैद्यक ज्योतिष	,,	7	25 × 12 × 10 × 25	,, 66 छंद	1876 कापरड़ा गुलाबविजय	
,,	मा.	5	25 × 11 × 11 × 33	,	19वीं	
,,	रा.	4	18 × 12 × 16 × 32	,,	,,	
ज्योतिष शास्त्र	,,	299	24 × 10 × 9 × 36	लगभग पूर्ण (प्रथम 2 पन्ने कम)	18वीं	
,,	सं.	40	26 × 12 × 15 × 45	संपूर्ण 16 अध्याय	1823 विक्रमपुर वखतसुंदर	
,,	,,	56	31 × 12 × 9 × 36	अपूर्ण	20वीं	
,,	,,	44	33 × 16 × 19 × 52	,,	19वीं	
जपत्रिका विस्तृत	,,	14	27 × 11 × —	संपूर्ण	1632	
गात ज्योतिष	,,	10	23 × 11 × 10 × 34	,,	19वीं	
विसहित	,,	1	26 × 11 × 12 × 42	,,	20वीं	
शुग्रह गणित	रा.	9	24 × 21 × 25 × 39	,,	1777	1776 व 77 के
सूत्रारित गणित	सं.	13	26 × 12 × 16 × 54	,, 13 अध्याय	1882	
,,	,,	58	24 × 12 × 20 × 50	,,	1883	
स्फलित ज्योतिष	,,	22	26 × 11 × 11 × 34	,, 14 अधिकार	1853	
,,	,,	2	23 × 10 × 9 × 46	,, 16 श्लोक	19वीं	
फल ज्यो. वर्षफल ताजिक	,,	181	27 × 13 × 11 × 35	,, 8 अध्याय	,,	

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
566	ओसियां बस्ता 20 दुबारा है	स्फुट, लघु व अपूर्ण ग्रंथ व त्रुटक पत्रे	Stray, Small & Incomplete works & Loose Folios	भिन्न 2	ग. प.
567	मुनिसुव्रत 7 अ 122	,, ग्रन्थ	Stray, Small works	,,	,,
568	,, बस्ता 78	,, व अपूर्ण ग्रन्थ व त्रुटक पत्रे	Stray, Small & Incomplete works & Loose Folios	,,	,,
569	केनाथ 28/26	,, ,,	,,	,,	,,
570	,, 28/23	,, ,,	,,	,,	,,
571-98	कुंथु 2/12, 13/, 14/67-70, 15/27-31, 33/55-43, 34/11-14, 35/34-37	,, ,, 28 प्रतियां	,, 28 copies	,,	,,
599-606	कोलड़ी 546, 563,881-3, 1058, 879,876, बस्ता 71	,, ,, 8 प्रतियां	,, 8 copies	,,	,,

भाग (9) ज्योतिष व निमित्त/विभाग (आ)

1	कोलड़ी 772	अवयदी शकुनावली	Avayadī Śakunāvalī	सतीदास पंडित	गद्य
2	सेवामंदिर 7 आ 21	इन्द्रजाल कौतुकादि	Indrajāla Kautakādi	—	प.ग.मंत्र
3-4	के.नाथ 23/76, 21/64	उपदेशमाला शकुनावली 2 प्रतियां	Updeśamāla Śakunāvalī 2 copies	—	ग. तालिका
5	महावीर 7 आ 8	कागबोली परीक्षा	Kāga Boli Parikṣā	—	ग.
6	,, 7 आ 5	काग-शकुन	Kāga Śakuna	—	ग.प.
7-8	,, 7 आ 6,7	काग शकुनादि विचार 2 प्रतियां	Kāga Śakunādi Vicāra 2 copies	—	,,
9	,, 7 आ 19	घरोलीविचार	Gharolī Vicāra	—	ग.
10	,. 7 आ 18	चोरज्ञानादि-पत्र	Cora Jñānādi Patra	—	ग.प.
11	के नाथ 11/107	चौदह स्वप्न विचार	Caudaha Svapna Vicāra	—	प.

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
विविध ज्योतिष	सं.रा.	40	20 से 28 × 10 से 15	पूर्ण अपूर्ण	17/20वीं	सामान्य
,, 1-1 पत्रे के ग्रंथ	,,	75	27 × 11 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	16/19वीं	,,
,, ज्योतिष	,,	60	22 से 30 × 10 से 15	पूर्ण अपूर्ण	16/20वीं	,,
,,	,,	190	23 से 28 × 13 से 16	,,	,,	,,
,,	,,	50	23 से 28 × 13 से 16	,,	,,	,,
,,	,,	150 कुल	23 से 28 × 13 से 16	,,	,,	,,
,,	,,	534 कुल	23 से 28 × 13 से 16	,,	,,	,,

शकुन सामुद्रिक व अन्य निमित्त शास्त्र—

शकुन शास्त्र	हिं.	14	27 × 13 × 12 × 36	संपूर्ण 64 अनुच्छेद	1873	
मंत्र तंत्र निमित्त	सं.	31	21 × 10 × 8 × 22	त्रुटक	18वीं	
शकुन नक्शा	प्रा.	3,4	26 × 12 व 28 × 13	संपूर्ण 544 कोष्ठक	19वीं	
पक्षी शकुन	रा.	2	22 × 8 × 9 × 42	,,	19वीं	
,,	सं.रा.	5	27 × 12 × 14 × 46	,,	19वीं	
,,	,,	2,9	25 × 10 व 27 × 12	,,	19वीं/1968	
निमित्त शकुन	रा.	3	23 × 11 × 11 × 35	,,	19वीं	
,, संकलन	,,	3	25 × 10 × 14 × 42	,,	19वीं	
त्रिशला स्वप्न फल	मा.	5	26 × 11 × 12 × 40	,, 14 छंद	18वीं	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
12-4	कुंथु. 20/19, 13/,16/2	चौदह स्वप्न विचार 3 प्रतियां	Caudaha Svapna Vicāra 3 copies	—	ग.
15	मुनिसुव्रत 7 आ 16	केवली शकुनावली	Kevalī Śakunāvali	—	,,
16	कोलड़ी 901	तुर्की प्रश्नावली	Turkī Praśnāvali	—	ग कोष्ठक
17	,, 784	दारिद्र विद्रावणं (?)	Dāridra Vidrāvaṇam (?)	वसंतराज (?)	प.
18	कुंथु. 37/21	दोष केवली	Doṣa Kevalī	—	प. तालिका
19	सेवामंदिर 7 अ 105	निमित्त प्रकाशनी ग्रन्थ	Nimitta Prakāśanī Granth	—	ग.
20	कोलड़ी 771	पक्षी बोली विचार	Pakṣī Boli Vicāra	—	,,
21	,, 785	पल्लीविचार	Pallī Vicāra	—	प.
22	,, 786	,,	,,	—	प.ग.
23	,, 779	पल्ली विसमरा विचार	Pāllī Vismarā Vicāra	—	प.
24	कुंथु. 16/5	पवनविजय स्वरोदय	Pavana Vijaya Svarodya	—	,,
25	कोलड़ी 923	पचाशस्रपन	Pañcāśa Srapana	महारुद्र	प. + कोष्ठक
26	के.नाथ 27/31	पासाकेवली शकुनावली	Pāśākevalī Śakunāvalī	गर्गऋषि	प.
27	कुंथु 36/1	,,	,,	,,	,,
28	महावीर 7 आ 10	,,	,,	,,	,,
29-31	कोलड़ी 788-9, 1162	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
32-3	ओसियां 7 आ 12, 14	,, -भाषा 2 प्रतियां	,, Bhāṣa 2 copies	(मूल गर्ग ऋषि)	ग.
34	के.नाथ 6/113	,, ,,	,, ,,	(,,)	,,
35	मुनिसुव्रत 7 आ 25	,, ,,	,, ,,	(,,)	,,
36	कोलड़ी 787	प्रश्न शकुनावली	Praśna Śakunāvalī	—	यंत्र
37	,, 778	भूमि-परीक्षा	Bhūmi Parīkṣā	—	पद्य
38	महावीर 7 आ 9	मातृका शकुनावली	Matṛkā Sakunāvalī	—	यंत्र
39	के.नाथ 25/39	मेषादि पुत्र शकुन कथायें	Meṣādiputra Śakuna Kathāyen	ब्रह्माजीबाय (?)	पद्य

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
त्रिशला स्वप्न फल	सं.मा.	5,1,7	25 से 27 × 11 से 13	संपूर्ण	1750 से 19वीं	
निमित्त शकुन	मा.	4	25 × 11 × 9 × 32	,,	19वीं	
,,	हि.	2	22 × 12 × 14 × 35	,,	,,	
,,	सं.	64	27 × 11 × 13 × 62	,, 20 वर्ग	1676	
,,	मा.	1	21 × 11 × —	अपूर्ण	19वीं	
निमित्त विद्या स्वप्न विचार	सं.	5	28 × 10 × 14 × 46	,,	1872	
शकुन निमित्त	रा.	8	29 × 11 × 11 × 16	संपूर्ण 16 पक्षियों के	19वीं	
,,	सं.	2	25 × 11 × 13 × 39	,, 27 श्लोक	,,	
,,	सं.मा	4	24 × 11 × 9 × 40	,, 44 श्लोक + 20 वाक्य	,,	
,,	सं.	2	24 × 12 × 18 × 40	,, 46 श्लोक	,,	
स्वरोदय निमित्त	,,	6	27 × 13 × 16 × 50	,, 180 श्लोक	,,	
शकुनावली निमित्त	,,	3	26 × 11 × 11 × 39	,, 50 श्लोक	1899	
निमित्त शकुनावली	,,	7	25 × 10 × 12 × 36	प्रतिपूर्ण चुने हुये श्लोक 444	15वीं	एक पत्र जीव स्वरूप
,,	,,	गु.	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण	1544	—
,,	,,	7	25 × 11 × 13 × 42	,, 186 श्लोक	1676 × कीर्तिसागर	
,,	,,	6,6,5	24 से 26 व 10 से 13	दो संपूर्ण अंतिम त्रुटक	1759 से 20वीं	
,,	मा.	5,5	25 से 26 × 11 से 12	संपूर्ण	18वीं × वासुदेव	
,,	,,	7	25 × 11 × 14 × 34	,,	19वीं	
,,	,,	23	17 × 13 × 12 × 19	,, (पहिला पन्ना कम)	1907	
शकुन के नक्शे	सं.	12	26 × 11 × —	,,	19वीं	
निमित्त वास्तु शास्त्र	,,	2	26 × 11 × 14 × 48	,, 40 श्लोक	,,	
निमित्त शास्त्र	,,	2	26 × 12 × 14 × 41	प्रतिपूर्ण	1877 रेणुवर क्षमारत्न	
निमित्त लग्न प्रश्न	मा.	4	26 × 13 × 16 × 26	संपूर्ण	1947	

For Private and Personal Use Only

1	2	3	3 A	4	5
40	मुनिसुव्रत 7 आ 15	रमलशकुनावली	Ramala Śakunāvalī	—	पद्य
41	कोलड़ी 791	,,	,,	—	ग. कोष्ठक
42-3	के.नाथ 24/32, 29/75	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	ग.
44-5	कुंथु. 39/3, 26/5	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	ग.तालिका
46	कोलड़ी गु. 9/8	राजावली भड्डली दूहा	Rājāvalī Bhaḍḍlī Dūhā	विभिन्न संकलन	पद्य
47	सेवामंदिर 7आ17	शकुन नक्शे	Śakuna Nakśe	—	कोष्ठक
48	,, 3 इ 354	शकुन पशु पक्षी बोली व यंत्र	Śakuna Paśu Pakṣī bolī & Yantra	अज्ञात	गद्य
49	,, 7 आ 22	शकुन प्रश्नावली	Śakuna Praśnāvalī	—	ग. तालिका
50	महावीर 7 आ 11	शकुन विचार	Śakuna Vicāra	—	प.
51	कुंथु. 14/2	शकुनावली	Śakunāvali	—	तालिका
52	,, 46/2	,, चित्रित	,, (illustrated)	—	ग.
53	के.नाथ 19/37	,,	,,	—	ग+64कोष्टक
54	कोलड़ी 790	,,	,,	—	ग. कोष्ठक
55	,, 1264	,,	,,	—	ग. यंत्र
56-7	,, गु 1/2, 6/3	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	पद्य
58	के.नाथ गु. 10	शकुन मंत्र तंत्र यंत्र	Śakuna Mantra Tantra Yantra	—	ग. यंत्र
59	कुंथु. 36/1 (क्रम 50)	सामुद्रिक	Sāmudrika	—	प.
60	,, 36/1 (क्रम 51)	,,	,,	—	,,
61	ओसियां 7 आ 13	,,	,,	—	मू.ट. (प.ग.)
62	महावीर 7 आ 2	,, सबालावबोध	,, with Bālāvabodha	—	मू.बा. (प.ग.)
63	,, 7 आ 3	,, लक्षण	,, Lakṣaṇa	—	,,
64-6	के.नाथ 19/36, 24/34, 17/69	,, शास्त्र 3 प्रतियां	,, Śāstra 3 copies	—	मू.प.
67	कुंथु. 23/2	,, ,,	,,	—	प.

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
निमित्त तन्त्र	रा.	3	23 × 11 × 14 × 43	संपूर्ण 16 गा.	1811 जोधपुर ईश्वरसागर	
निमित्त शकुनावली	उर्दू रा.	3	27 × 10 × 13 × 45	,,	19वीं	
,,	,,	7,7	25 × 13 व 21 × 11	,,	1890/1932	
,,	,,	गु. 6	22 × 16 व 26 × 10	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	1913/20वीं	
निमित्त भविष्य	मा.	गुटका	16 × 12 × 13 × 20	प्रतिपूर्ण	19वीं	
निमित्त शकुनावली	संस्कृत	3	33 × 11 × —	,,	18वीं	
,,	रा.	1	26 × 11 × —	संपूर्ण 8 जानवरों के 80 शकुन	,,	
,,	मा.	3	25 × 11 × —	संपूर्ण	17वीं	
,,	रा.	2	22 × 9 × 11 × 56	,,	19वीं	
,,	प्र.	2	25 × 10 × —	,,	,,	
,,	रा.	8	18 × 11 × —	,,	1782	सामान्य 2 चित्र
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 28	,,	19वीं	
पारसी निमित्त	उर्दू	2	25 × 10 × 12 × 36	,,	1873-77	
निमित्त शकुन	मा.	41	18 × 14 × —	अपूर्ण 21 कोष्ठक	19वीं	
,,	,,	4,6	16 × 10 व 18 × 10	,,	,,	पक्षी आदि पर
,,	,,	33	20 × 12 × —	संपूर्ण	,,	
निमित्त स्त्री-पुरुष शरीर लक्षण	सं.	गु.	23 × 20 × 21 × 38	,, 53 श्लोक	1544	
,,	,,	गु.	23 × 20 × 21 × 38	,, 6 अध्याय + 7 श्लोक	,,	
,,	सं.मा.	33	25 × 11 × 5 × 80	,,	1728 मेदिनीपुर शिवसुन्दर	
,,	,,	19	25 × 11 × 15 × 36	,, पहिला पन्ना कम	18वीं, भुजनगर समुद्रगणि	
,,	,,	13	25 × 11 × 15 × 56	अपूर्ण	18वीं	
,,	सं.	36,10,18	21 से 26 × 11 से 12	संपूर्ण 187 श्लोक	1851-63/19वीं	प्रथम में टब्बार्थ भी राजस्थानी में
,,	सं.	5	30 × 11 × 12 × 60	किंचित् अपूर्ण 185 श्लो.	19वीं	

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
68	कोलड़ी गु. 1/17	सामुद्रिकशास्त्र	Sāmudrika Śāstra	—	प.
69	कुंथु. 11/196	,,	,,	—	ग.
70	महावीर 7 आ 1	,,	,,	—	,,
71	सेवामंदिर 7 अ 100 (10)	,,	,,	—	,,
72	के.नाथ 25/45	स्वप्नाध्याय आदि	Svapnādhyāya Ādi	—	पद्य
73	कुंथु. 33/1	,, विचार फलसह	,, with Vicāra Phala	—	,,
74	के.नाथ 10/48	स्वप्नविचार	Svapna Vicāra	ब्रह्म रायमल	,,
75	कुंथु 36/1 क्रम 45	स्वरोदय	Svarodaya	—	,,
76	कोलड़ी 796	,, (हंसचार)	,, (Haṁsacāra)	जीवनाथ	,,
77	कोलड़ी 11/7	,,	,,	चरणदास	,,
78	कोलड़ी 782	,,	,,	अखैराम	,,
79	कोलड़ी 781	,,	,,	महादेवोक्त	प.ग.
80	मुनिसुव्रत 7 आ 24	,,	,,	(चिदानन्द)	पद्य
81	महावीर 7 आ 20	,, (चिदानंदीय)	,, (Cidānandiya)	मु कपूरचंदजी	,,
82	कोलड़ी 783	,, ,,	,, ,,	,,	,,
83	सेवामंदिर 7 अ 100 (12)	,, विचार	,, Vicāra	—	,,
84	महावीर 7 आ 4	हस्तसंजीवन	Hasta-sañjivana	मेघविजयगणि	प.
85	कोलड़ी 780	,,	,,	,,	,,
86	कोलड़ी 1143	,,	,,	—	,,
87	सेवामंदिर 7 आ 23	हेमाद्रिप्रयोग+स्वरोदय	Hemādri-prayoga+ Svarodaya	—	,,
88	कोलड़ी बस्ता 71	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रन्थ तथा त्रुटक पत्र	Stary, Small & Incomplete works & loose folios	भिन्न-2	ग.प.
89	के.नाथ 28/21	,, ,,	,, ,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
निमित्त स्त्री पुरुष शरीर लक्षण	मा.	84*	16 × 11 × 19 × 31	संपूर्ण	19वीं	
हस्तरेखा विज्ञानादि	,,	42		,,	,,	
,,	,,	6	25 × 11 × 13 × 35	,	17वीं	
,,	सं.	1	26 × 12 × —	,,	18वीं	हस्त चित्रसह
निमित्त स्वप्न विचार	,,	9	26 × 12 × 10 × 35	,,	19वीं	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 36	,, 58 श्लोक	,,	
,,	मा.	3	25 × 12 × 9 × 22	,, 26 गा.	,,	
निमित्त शरीर श्वासादि पर	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 107 श्लोक	1544	
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 40	,, 121 श्लोक	1768	
,,	हिंदी	54	13 × 10 × 7 × 13	,, 227 छंद	19वीं	अंत में 7 श्लोकी गीता, भागवत, संकट स्तोत्र, 28 विष्णुनाम
,,	रा.	5	25 × 12 × 14 × 46	,, 108 छंद	,,	
,,	,,	7	27 × 11 × 12 × 34	,,	1913	
,,	,,	16	27 × 13 × 13 × 41	अपूर्ण 424 छंद	17वीं	
,,	,,	9	29 × 13 × 19 × 57	संपूर्ण 550 छंद	19वीं	
,,	,,	18	24 × 12 × 13 × 40	,, 443 छंद	1932	
,,	,,	1	28 × 13 × 10 × 44	प्रतिपूर्ण	1861 अजमेर छत्रीलजी	
सामुद्रिक ज्योतिष	सं.	51	20 × 11 × 9 × 26	संपूर्ण ग्रंथाग्र 782	19वीं	
,,	,,	30	25 × 13 × 12 × 40	,, 248 श्लोक	1920	
,,	,,	4	26 × 12 × 16 × 52	अपूर्ण	19वीं	
निमित्त	सं. मा.	11	19 × 9 × 7 × 32	,,	,,	
,, व अन्य विज्ञान	,,	19	25 से 30 × 10 से 12	पूर्ण/अपूर्ण	17वीं से 20वीं	सामान्य
,, ,,	,,	66	,, ,,	,,	,,	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

1	2	3	3 A	4	5
1	सेवामंदिर 7 अ 104	गणित पन्ने	Ganita Panne	—	ग.
2	कुंथु 9/126	गिनती जैन-पद्धति	Ginti Jaina-padhaiti	—	अंकतालिका
3	ओसियां 7 अ 57	पट्टि पहाड़े	Paṭṭi Pahāḍe	—	,,
4-5	कोलड़ी 1298, 1004	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
6	ओसियां 7 अ 77	भागानुबंध	Bhāgānūbandha	—	ग.
7	कोलड़ी 1201	लीलावती-सटीक	Lilāvati with Tikā	भास्कराचार्य	मू.वृ.(प.ग) अंक
8	महावीर 7 अ 7	,, ,,	,, ,,	,,/लक्ष्मीदास	,,
9	कोलड़ी 1167	,,	,,	,,	मू.ग.
10	ओसियां 7 अ 44	,,	,,	,,	,,
11	,, 7 अ 50	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	लक्ष्मीदास	ग.
12	के.नाथ 27/16	,, का विवरण	,, kā Vivaraṇa	परशुराम	,,
13	कुंथु. 39/1	,, भाषा	,, Bhāṣā	लालचंद	,,
14	,, 29/14	,, ,,	,, ,,	,,	,,
15	सेवामंदिर गु दे. 3	,, ,,	,, ,,	—	,,
16	कुंथु. 47/8	लेखों की उपरवाड़ियें (फारमूले)	Lekhon kī Upara Vāḍiyen (Formula	—	,,
17	कोलड़ी 1263	,, की गुणाणी (,,)	,, Guṇāṇī (,,)	—	,,

भाग (10)

1	के नाथ 26/74	ज्ञान चौपड़ खेल	Jñāna Copaḍa Khela		नक्शा
2	मुनिसुव्रत 7 अ 116	जीवछाया सारिणि	Jiva Chāyā Sāriṇi		अंकतालिका
3	सेवामंदिर 7 उ 1	दशक (दश श्लोकी)	Daśaka (Daśa Śloki)		प.
4	के नाथ 17/35	प्राचीन लिपि यन्त्र	Prācina Lipi Yantra		ग.प.
5	,, 17/28	,,	,,	पं. श्री विल्हण	,,
6	,, 17/36	भवदेव-प्रशस्ति	Bhavadeva Praśasti	—	प.

For Private and Personal Use Only

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित शास्त्र	सं.	11	19 × 12 × 11 × 50	त्रुटक	1871	
गणित	—	1	26 × 13 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
गणित पहाड़े	—	9	20 × 10 × —	अपूर्ण	20वीं	
,,	—	29,13	26 × 16 × —	प्रतिपूर्ण	,,	
गणित	सं.	4	28 × 13 × 13 × 35	संपूर्ण	18वीं	
गणित शास्त्र	,,	14	26 × 11 × 18 × 50	,, 270 काव्य वृ. ग्रं. 800	1648	
,,	,,	219	26 × 11 × 15 × 36	,,	1685	
,,	,,	17	25 × 11 × 15 × 40	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	34	32 × 12 × 10 × 38	,,	19वीं	
,,	,,	161	26 × 12 × 15 × 44	संपूर्ण	1899	
,,	,,	59	27 × 11 × 13 × 37	,,	19वीं	
,,	मा.	35	14 × 21 × 17 × 22	,,	,,	1736 की [illegible]
,,	,,	13	25 × 10 × 10 × 48	अपूर्ण	1740	सपूर्ण 16 अध्याय
,,	,,	63	13 × 10 × 14 × 11	संपूर्ण	19वीं	किंचित् पद्य भी
गणित विधि	,,	5	15 × 11 × 9 × 13	प्रतिपूर्ण	,,	
गणित विधि व्यापारिक हिसाब	,,	11	19 × 10 × 8 × 18	अपूर्ण	,,	

अवर्गीकृत शेष :—

6	7	8	8 A	9	10	11
सांप सीढीनुमा खेल	मा.	1	27 × 13 × 8 × 24	प्रतिपूर्ण	1865	
	—	30	23 × 16 × —	अपूर्ण	17वीं	
सूतक विचार	सं.	2	28 × 13 × 10 × 38	संपूर्ण 10 श्लोक	19वीं	
बौद्ध प्रशस्तियों का देवनागरी में रूपान्तर	सं.पाली	12	30 × 16 × 7 × 20	प्रतिपूर्ण	,,	
,,	,,	12	30 × 16 × 7 × 25	,,	,,	
प्रशस्ति/अंतिम पत्रा लिपि विकास का	सं.	4	30 × 16 × 15 × 40	संपूर्ण 34 श्लोक	,,	

1	2*	3	3 A	4	5
7	के.नाथ 17/6	मिताक्षरा व्यवहारे (दायभाग) सटीक	Mitākṣarā-vyavahāre(Dayā Bhāga) with Tīkā	—	मू. वृ (प ग.)
8	,, 17/9	मिताक्षरा व्यवहारे (वाक्दण्ड पारुष्य) सटीक	Mitākṣarā-vyavahāre(Vāk-daṇḍaPārūṣya) with Tīkā	—	,,
9	,, 17/8	मिताक्षरा व्यवहारे (संभूय समुत्थान) सटीक	Mitākṣarā-vyavahāre (Sambhūya Samuthāna) with Tīkā	—	,,
10	,, 17/7	मिताक्षरा व्यवहारे (स्तेय व स्त्री सग्रह	Mitākṣarā-vyavahāre (Steya & Strī Saṅgraha)	—	,,
11	कोलड़ी गु. 2/1	रत्नपरीक्षा	Ratna Parīkṣā	—	मू.प.
12	सेवामंदिर गु.दे. 16	,,	,,	रत्नवोह	प.
13	,, ,, 21	राग-बत्तीसी	Rāga Battīsī	—	,,
14	के नाथ 9/39	राग-माला	Rāgamālā	जोगीश	,,
15	कुंथु. 10/140	राग-संग्रह	Rāga Saṅgraha	—	,,
16	के.नाथ 6/114	वास्तुशास्त्र	Vāstu Śāstra	क्षेत्रात्मज सूत्र भूम्मंडन	ग.
17	सेवामंदिर 7-ड 2	वास्तुसार	Vāstu Sāra	चन्द्रागज ठक्कुर फेरु	प.
18	,, 7-ड-4	विज्ञप्ति-पत्र	Vijñapti Patra	पालीश्री संघ	ग.प.त्र
19	कुंथु. 55/1	,,	,,		,,
20	के.नाथ 17/11	संगीतरत्नाकर	Saṅgīta Ratnākara	—	प.
21	कोलड़ी 1130	हठरत्नावली	Haṭha Ratnāvalī	शार्ङ्गदेव	,,
22	,, 767	,,	,,	श्रीनिवास योगीश्वर	ग.
23	ओसियां 3 इ 351	हियहुलास	Hiyahulāsa	अज्ञात	प.
24-5	कोलड़ी 944, 1164	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रन्थ तथा त्रुटक पत्रे 2 प्रतियां	Stray, Small & Incomplete works & loose folios	भिन्न 2	ग.प.
26-8	के.नाथ 28/3, 26/102, 17/72	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रन्थ तथा त्रुटक पत्रे 3 प्रतियां	Stary' Small & Incomplete works & loose folios	,,	,,

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

6	7	8	8 A	9	10	11
संपत्ति अधिनियम	सं.	31	30 × 16 × 14 × 34	संपूर्ण 152 श्लोक	19वीं	
विवाद व दंडविधान	,,	8	30 × 16 × 13 × 31	,, 206 से 232	19वीं	
दंडविधान	,,	10	30 × 16 × 13 × 30	,, 233 से 267	19वीं	
,,	,,	11	30 × 16 × 12 × 29	,, 268 से 293 श्लो	19वीं	
जवाराहात की परीक्षा	,,	गु.	14 × 9 × 9 × 16	,, 118 श्लोक	1666	
,,	मा.	7	20 × 16 × 20 × 24	,, 160 छंद	19वीं	मूल संस्कृत का अनुवाद है
संगीत-शास्त्र	,,	54*	23 × 16 × 18 × 15	,, 31 छंद	1793	
,,	,,	14	26 × 11 × 15 × 50	,, 384 पद्य	1766	भरतवाद ग्रन्थे
,,	सं.	1	25 × 12 × 16 × 42	प्रतिपूर्ण 24 श्लोक	19वीं	
प्रतिमा विज्ञान	,,	5	26 × 12 × 17 × 57	अपूर्ण चौथा अध्याय	19वीं	
मंदिर-निर्माण विधान	प्रा	3	25 × 10 × 17 × 64	अपूर्ण प्रथम अधूरे से अध्याय तृतीय अंत	14वीं	1372 की कृति
चातुर्मास विनती कागज	मा.	1	चौड़ाई 25 से.मी.	संपूर्ण स्क्रोल	1839	सचित्र है
,,	,,	1	100 × 30	,,	1883	1 साधारण चित्र है
संगीतशास्त्र (दोष गुणादि	सं	28	26 × 11 × 9 × 45	अपूर्ण (अध्याय 3 व 4 मात्र)	18वीं	
हठयोग	,,	7	25 × 12 × 9 × 24	,, 63 श्लोक	19वीं	
,,	,,	20	25 × 13 × 11 × 30	संपूर्ण 4 उपदेश	,,	
संगीत-शास्त्र	मा.	9*	28 × 13 × 26 × 72	,, 70 दोहे	18वीं	रागों का वर्णन
विविध	प्रा.सं.मा.	73	25 से 27 × 10 से 12	पूर्ण/अपूर्ण	19वीं	प्रति सामान्य
,,	,,	1401	,, ,,	,,	18/20वीं	,,

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

परिशिष्ट

लेखकों की अकारादिक्रम से सूची--

	पृष्ठ
अ	
अकबर बादशाद	400
अखैराम	514
अचलकीर्ति	258
अजीतदेव सूरि	18,298
अजीत प्रभ सूरि	334
अनन्त दैवज्ञ	480
अनन्त भट्ट आत्मजशङ्कर	464
अनुभूतिस्वरूपाचार्य	432,434,436
अनोपचंद (क्षमाप्रमोद)	244;324
अप्पय दीक्षित	456
(वाचनाचार्य) अभय	330
अभयदेव (प्रद्युम्न शिष्य)	178
अभयदेवसूरि	2,4,6,8,12 14,16,18,20 132,144,156,178 184,228,256,
अभयसोम	302
अमरकीर्ति	164,166,242,256
अमरचंद	430,440
अमरप्रभ	248,250,252
अमरसाधु	496
अमरसिंह	446,448
अमर सुन्दर	288
अमरु कवि	400
अमितगति	122
अमृत कुशल	192
अमृत चन्द्राचार्य	156,158
अमृतमुनि	360
अमृतवल्लभ	198
अमृत विजय	314
अम्मा मुनि	310
आ	
आत्रेय भाषित	458
आनन्द	220,248,404
आनन्द कीर्ति	236
आनन्द धन	212,226
आनन्द तिलक	88
आनन्द निधान	166,206,260,280 296,346,360
आनन्द विजय	28,220,300
आनन्द विमल	220
आनन्द सार	120,236
आलमचन्द	276
आशकरण	56,82,124
(पण्डित) आशाधर	112
इ,ई	
इन्द्रदेव योगी	132
ईश्वर दत्तात्रय संवादे	386
ईश्वर पार्वत्ति "	468
ईश्वराचार्य	114
उ	
उज्जवलदत्त	428
उत्तमविजय	38,278
उदय कीर्ति	212
उदयनाचार्य	176
उदय प्रभसूरि	136,446,466
उदयरत्न	140,212,218,226 236,310,330,344
उदयविजय	56,246
उदयवीर	316
उदयसागर	196
उदयसिंह	80,324,340
उदेचन्द	412
उद्योत सागर गणि	138
उमास्वाति	116,118
ऋ	
ऋषभ	360
(कवि) ऋषभ	226
(श्रावक) ऋषभ	236
ऋषभदास	292
ऋषिराज	290
ऋषिवर्द्धन सूरि	312
ऋषिशर्मा	478
क	
कक्कसूरि शिष्य	294
कनक	326
कनककीर्ति	314
कनककुशल	202,206,252,262

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

4

	पृष्ठ
कनक निधान	326
कनक प्रभ	442
कनक सुन्दर	10
कनक सोम	262,290,360
कपूरचन्द	514
कबीरदास	402,404,416
(वाचक) कमल	214
कमल कलश शिष्य	248
कमलप्रभ(रत्न प्रभ शिष्य)	230,314
कमल प्रभाचार्य	228
कमल विजय	304
कमल हर्ष	52,214
कयदेव	460
कर्मचन्द	462
कर्मसागर	210
कल्याण तिलक	310
कल्याण दास	464
कल्याणवर्द्धन	184
कविश्वर	404,408
काजी हमीद	410
कान्ति विजय	114,200,212
कान्ह	344
कामधेनु	476
कालिदास	400,402,404,414 416,450,454
काशीनाथ	458,486,492,500
काशीनाथ भट्टाचार्य	500
किसनदास	326
किस्तूर सेवग	220
कीर्ति गणि	282

5

	पृष्ठ
कीर्ति विजय	176,182,272, 284,326
कीर्ति सूरि	232
कुण्डराज वैद्य	416
कुन्दकुन्दाचार्य	118,136,156,158
कुमुदचन्द्र	216,218
कुम्भकर्ण (पार्श्वचन्दगच्छ)	100
कुलमण्डन सूरि	268
कुशल (नागौरीगच्छ)	268
कुशल ऋषि	312
कुशलधीर	336
कुशल पण्डित	268
(वाचक) कुशललाभ	232,246 324,406
कुशलसूरि	330
कुंअरजी	268
कृष्ण दैवज्ञ	476
कृष्णा मिश्र	410
केशर	328
केशर धीर	254
केशर मुनि	36
केशर विमल	172,174
केशराज मुनि	328
केशव	118,474,476
केशवदास	418,450
केशवदास मुनि	144,404,422
केशव दैवज्ञ	490
केशव पण्डित	420
केशवाचार्य	468
कोकदेव	404

6

	पृष्ठ
कोण्ड भट्ट	430
क्षमा कल्याण	108,180,182,190 196,199,204,208 222,224,228,262 280,288,326,336
क्षमाकीर्ति	320
क्षमा विजय	250
क्षेत्रात्मज सूत्रभूत्मंडन	518
क्षेमकरण मुनि	340
क्षेमकीर्ति	30
क्षेमेन्द्र	436
क्षेमेन्द्रकीर्ति	1180
,, मित्र	458
,, व्यास	402

ख

खुमाणरसक	404
खुमाण सिंह	404
खुशाल सुन्दर	244,476
खेतल यति	406
खेतलस (राजसूरि शिष्य)	234
खेम	222
खेममुनि	286,340
खेमराज	222

ग

गगान्वयअनन्त	474
गजकुशल	150
गजराज	102,110,112,130
गणेशचन्द्र	498

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

7

	पृष्ठ
गणेश दैवज्ञ	470,472,476
गम्भीरविजय	244
गर्ग	96
गर्गऋषि	510
गुणचन्द्र	248,314
गुणरत्न (गणि)सूरि	156,216,450
गुणविजय	30,32,192,204
गुणविनय	120,222,276,416
गुणविमल	192
गुणविलास	226
गुणसागर	124,294,336
गुणसूरि	306,312
गुण सौभाग्य सूरि	342
गुमान विजय	316
गुलाल विजय	360
गोपाल भट्ट	418
गोरखनाथ पत्रानुसार	490
गोवर्द्धन	478
गोविन्द	466,482,502
गोविन्द ज्योति	480
गोहरिनाथ	464
गौतमऋषि	106
च	
चक्रधर	490
चण्ड	430
चण्डपाल	308
चतुर्भुज	236
चतुर्भुज कायस्थ	414
(कवि) चन्द	416

8

	पृष्ठ
चन्द महत्तरा महासति	82
चन्दर्षि	96,98,100,132 225,233
चन्द्रकीर्ति	270,312,432,436
चन्द्रगज	518
चन्द्रतिलक	282
चन्द्रप्रभ	118,160,332
चन्द्रमुनि	230
चन्द्रशेखर	160
चन्द्रसूरि	28,72,78,98,258
चन्द्रसेन	400
चरणदास	514
(वाचक) चरित्र (भंग सेन शिष्य)	318
(") चरित्रनंद	230
चरित्र नंदि	234
चरित्र रत्न	118,120
चरित्र वर्द्धन	416
चाणक्य	406
चारण चतुरा	418
चारित्रसिंह	251,426
चारुचन्द्र	292
चिदानन्द	514
चैनजी	136
चौधरी	408
छ	
छाजुराम	412
छीं हल	410

9

	पृष्ठ
ज	
जगन्नाथ	412,422
जट्टमलनाहर	418
जयकीर्ति	152,296,336,338
जयकृष्ण	452
जयचन्द	152,220,502
जयचन्द्र गणि	194
" " शिष्य	330
जयचन्द्र सूरि	194
जयतसी	52,294
जयतिलक सूरि	322,344
" " शिष्य	240
जयदेव	456
जयदेवमुनि	144,410
जयदेव सूरि शिष्य (तपगच्छ)	114
(वाचक) जयनिधान	342
जयन्त भट्ट पुरोहित	450
जयमङ्गल	412
(ऋषि) जयमलजी	82,152,222 268,314
जयविनय	224
जयशेखर	90,124,126,164 166,306
जयसागर	220,254,318 326
जयसिंह सूरि	176
जय सोम गणि	138,268
जयानन्द	230
जयानन्द सूरि	40,228,442

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

10

पृष्ठ

जसराज 160,312,408
(महाराजा) जसवंतसिंहजी 400
जिनकीर्ति 82,238
जिनचन्द्र सूरि 222,228,240
जिनदत्त सूरि 150,212,220
276,280,282
जिनदास 256,284
जिनपति 240,282
जिनपद्मसूरि 220
जिन प्रभसूरि 32,40,204,220
222,224,230,234
238,240,242,266
278,334,358,388
जिनभद्र 44,66,348,452
जिन मण्डन 122
जिन महेन्द्रसूरि 226
जिन रङ्ग 122
जिन राज सूरि 224,248,296
310,408,430
जिनलाभसूरि 82
जिन वल्लभ सूरि 80,96,168,
180,182,240,254
256,258,260,
262,282,292,314
316,334,410
जिनविजय 62,192,282,310
जिनसमुद्र 176
जिनसागर 248

11

पृष्ठ

जिनसुन्दर 188,208
जिन सूर (तपगच्छ) 108
जिन सूरि 320,328,398
जिन सेन 185,306
जिन हर्ष 90,140,150,214,248
278,286,302,320
322,326,328,330
338,340,360
जिन हंससूरि 40
जिनेन्दु 440
जिनेन्द्र 414
जिनेश्वर सूरि 82,132,146,302
जिनोदय सूरि(तिलकसूरिशिष्य) 344
जिवच्छराज 344
(वाचक) जीवणदास 486
जीवदास 452
जीवनाथ 514
जेठमल 282
जैनेन्द्रसागर 192,360
जैमिनी 476
जोगीश 518
जोगेन्द्राचार्य 156
जोरावरमल कायस्थ(पंचोली) 246,
498
ज्योति ब्रह्मकवि 486
ज्ञानतिलक 106
ज्ञान भूषण 186,292
ज्ञानमेरु 298
ज्ञान विमल (नयविमल) 44,74

12

पृष्ठ

84,108,192,200
208,212,218,220
226,232,234,238,
262,300,336
ज्ञानसागर 339,358
" " (देवसुन्दर शिष्य तपगच्छ)
100,243,290,292,312
" " (रत्नसिंह शिष्य) 332
ज्ञानसार 110,114,116,128
130,140,212,224,
226,232
ज्ञानसुन्दर 302,326
ज्ञानेन्द्र सरस्वती 400

- ट, ठ, ड, ढ, ण -

टीकम मुनि 328
ठक्कर फेरु 518
ठाकुर प्रसाद 458
ढाढसीमुनि 116
ढुंढीराज 466,476

त

तत्वहंस 292
ताराचन्द 454
तिलक भट्ट 436
तिलकाचार्य 44,66,68,76,160
तेजसिंह गणि 308
त्रिविक्रम 480

द

दयारत्न 346
(वाचक) दयासागर 138
दयासारमुनि 336

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

13

	पृष्ठ
(पण्डित) दयासिंह	348,350
दर्शनविजय	300
दानचन्द्र गणि	198
दानविजय	156
दासानन्द	156
दिनकर मिश्र	416
दिनदनवेश	408
दिवाकर	494
(ऋषि) दीप	298
दीप मुनि	192
दीपविजय	202,348
(कवि) दीपो	342
दुर्गकवि	454
दुर्गसिंह	426
दुर्योद्धन	486
(कवि) दूलहमिश्र	456
(कवि) देपाल	300
देव (विनीत विजय शिष्य)	212
(वाचक)देव	222
(संवेगी)देवगणि	66
देवगुप्तसूरि	130
देवचंद	108,210,212,226,234
	238,248,260,270,272
देवदतभट्ट	422
देवनन्दी	258
देवप्रभसूरि	162,316
देवभद्र	118
देशभद्राचार्य (प्रसन्नचन्द्रशिष्य)	316
देवमुनि (जिनसौभाग्यशिष्य)	338
देवराज	334

14

	पृष्ठ
देववाचक	44,46
देवविजय	120,246,316,328
देवसुन्दर	350
देवसुन्दरशिष्य	44
देवसूरि	200,230,398
देवसेन	116,150,176
देवाचार्य	178
देवीचन्द्र	84,86,132,150,234
देवीदास	408
देवेन्द्रमुनि	138,148
देवेन्द्रसागर	144
देवेन्द्रसूरि	68,74,96,98,100,120
	122,124,136,154,156,168
	225,233,270,302,356,360
दौलु	404

ध

धनपाल	214
धनराज	490
धनवन्तरी	458,460
धनेश्वरमुनि	110
धनेश्वरसूरि	190,358,360
धर्मघोष	94;102,252
धर्मचन्द	236,454
धर्मतिलक	258
धर्मदासगणि	90,92,454
धर्मनन्दनउपाध्याय	242
धर्मप्रमोदगणि	258
(पाठक)धर्ममन्दिर	132,184
धर्मरत्न	132,212

15

	पृष्ठ
धर्मवर्द्धन	342
धर्मसागर	30,32,160,276,278
धर्मसिंह (धर्मसी)	106,114
	122,152
	246,342,410
धर्मसूरि	222,240
" " काशिष्य	290
धर्मसंज्ञ(उदयधर्मकाशिष्य)	430
(कवि)धर्महंस	140

न

नन्दकिशोर	468
नन्ददास	444,448
नन्दलाल	400
नन्दसूरि	148
नन्दिरत्नशिष्य	106
नन्दीषेण	210
नयनसुख	464
नयमुद(भावसुन्दरशिष्य)	258
नयरङ्ग	316
नयविजय	208,262
नयविमल	(देखें ज्ञान विमल)
नयसुन्दर	312,328,342,358
	428
नरपति	408
नरसिंहसूरि	430
नवविजय	196
नाथूराम	314
नारचन्द्र	484,486

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

16	पृष्ठ
नारायणदास	488
नीलकण्ठ	452,460,478 480,494,502
(मुनि) नेतृसिंह	430
नेमीचन्द भण्डागारिय	156,158
नेमीचंद (रामजी का पुत्र)	82,136
नेमीचंद्रसूरि	52,122,136
नेमीदत्त	320
नेमीविजय	244
प	
पतञ्जलि	426
पदमचन्द	128
पदमचन्द सूरि	304,334
पदमराज	138,296
(वाचक) पदमराज	106
पदम विजय	180
पद्मजिनेश्वर सूरि	92,99
पद्मनंदी	114,132,142,230 240,262,270,360
पद्मप्रभ सूरि	304,488
पद्म मन्दिर गणि	94
पद्म राज	146
पद्मविजय	222,224,226,270,334
पद्मसागर	56,226
पद्मसुन्दर	178
पद्मसूरि	488
पद्माकर भट्ट	436
पन्नालाल	228
परम सागर	332

17	पृष्ठ
परमसुख	484
परमहंस परिव्राजकाचार्य	490
परमान्नद	96,298
पर शिक्षित सुन्दर	240
परशुराम	516
पराशर	484
पाणिनि	426,428
पादलिप्ताचार्य	358
पायचन्द	112
पार्श्वचन्द	2,18,112,140,236 256,264,266,268 270,276,278;280 282,284,296,360
पार्श्वनाग	86
पार्श्वनाथ	212
पीताम्बर	456
(व्यास) पुष्करदास	408
पुञ्जराज मुनि	226,432,436
(पाठक)पुण्यकीर्ति(कलश)	286,316
पुण्यनन्दी	328
पुण्य महोदय	260
पुण्यरत्न	314,326,340,342
पुण्यराज	208
पुण्यसागर	140,288,342
पुरुषोत्तम	324
पूज्यपाद	88,160
पृथुयश	486,500
प्रतापविजय (जिन विजय-शिष्य)	160
प्रपातविजय (वीरविजय-शिष्य)	308

18	पृष्ठ
प्रद्युम्नसूरि	340
प्रबोधचन्द्र	282
प्रभाचन्द्र	116,152,160,272
प्रभाचार्य	266
प्रभानन्द	260
प्रमोदसूरि	256
प्रीतविमल	244
(कवि) प्रेम	404
प्रेमराज	196,334
प्रेमविजय	86,260
फ	
फतेचन्द	320
फतेन्द्र सूरि	208
फतेह सागर	318
ब	
(ऋषि) बच्छराज	298
बनारसीदास	108,124,138,150 158,172,218
बप्पभट्टसूरि	222,266
बलभद्र	506
(कवि) बाङ्कीदास	410
बादरायण	488
बालचन्द	138
बालेन्द्र कवि	90
बिहारीलाल (कवि)	412
(कवि) बीञ्जा	412

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

19

	पृष्ठ
बुद्धिसार	304
ब्रह्म	82,90,142
ब्रह्म रायमल	514
ब्रह्मरूप संवेगी	102,146
ब्रह्मर्षि	244
ब्रह्मा जीवाय	510
ब्रह्मा दित्य	486

भ

भक्तिलाभ	30,240,270
" " शिष्य	202
भक्तिविलास	36
भगवतीदास	110,344
भट्ट केदार	452,454
भट्ट महादेव	502
भट्टारक खूबचन्द (खरतर)	418
भट्टिकवि	412
भट्टोसी दीक्षित	430,440
भट्टोत्पल	488,494,500
भड्ली	488
भर्तृहरी	408,420
भद्रबाहू	30,32,34,36,38,58 66,212,220,230,258 488,356,398
भद्रसेन	300
भवानीदास व्यास	320,418
भानुजी दीक्षित	446
(कवि) भानुदत्त	416,418,452
भारती	402
भालमुनि	292

20

	पृष्ठ
भावचन्द्र सूरि	334
भावदेव	200,294,316
भावनादास	406
भावमिश्र	460
भावरत्न	306
भावविजय	54,56,124,226,244
भावसूरि	270
भाव हर्ष सूरि	268
भास्कराचार्य	466,468,506,516
भुवन रत्नाचार्य	180
भुवन सोम	310,338
(कवि) भूषण	450
भोजदेव	428
भोजराज	504
भोजसागर	176

म

मकरन्द	470
मणिरत्नसूरि	128
मणिसागर	278
मतिकुशल	302
मतिचन्द्र	96,98,130,144
मतिवर्द्धन	106,107
मति शेखर	310,322
मति सागर	200,322,494,850
मति हंस	244
मदननृप	460
मधुकर मुनिराम	286
मम्मट्ट	450
मलयगिरि	22,24,26,46,78, 96,102,132,348

21

	पृष्ठ
मयलसूरि	490
मल्लिनाथ	402,404,414 416,420
मल्लिषेण	156,388,390
महनोतचन्द्र सेन	406
महाक्षण कवि	448
महादेव	468,478
महादेवोक्त	462,490,504,514
महानन्द	216,338
महारुद्र	510
महिमा मेरू	314
महिमा सुन्दर	154,216
महीदास भट्ट	436
महीधरदास	460
महीप	448
महेन्द्र प्रभ सूरि	148
महेशदास राठौड़	418
महेश्वर सूरि	116,148
महेश्वराचार्य	496
माघकवि	420,422
माघनन्दि	246
माणकचन्द गर्ग अग्रवाल	352
माणकचन्द्राचार्य	334
माणिक चन्द्र सूरि	450
माणिक शेखर	48
माणिक्य सुन्दर	322,338
माथुर नन्दि	270
माधव	276,458
माधवदास दधाड़िया'	418

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

22

	पृष्ठ
माधव दैवज्ञ	454
माधव भट्ट	432,436,460,462 480
मानतुङ्ग	238,248,250,252 254,266,390
मानदेव	258
मानमुनि	278
मानविजय	10,222,244,312
मानसर्वज्ञ	176
मानसागर	208,290,294,332
मालदेव आनन्द	318
मालमुनि	288,304,306
मालशालहोत्र ऋषि	456
मिश्र दामोदर	424
मिश्र नंदनराम	486
मिश्र मोहनदास	424
मुक्ति सागर	276
मुञ्जादित्य	478
मुनिचन्द्रसूरि	72,74,90,148,346
मुनिदेव (ज्ञानचंद-शिष्य)	268
मुनिदेवसूरि	334
मुनिमेरु	114,290
मुनिराज	298
मुनि सुन्दर	82,94,222
" (रत्नचन्दगणि शिष्य)	82
मेघऋषि	12
मेघनन्द	114
मेघमुनि	230
(वाचक) मेघराज	22
मेघ विजय	174,278,514

23

	पृष्ठ
मेरुतुङ्ग	90,240,242,250
मेरुनन्दन (मुनिमेरु)	210,240,242
मेरु मनोहर मुनि	246
मेरुसुन्दर गणि	146,152,250, 454
मेरुसुमन्त	236
मैथिली मधुसूदन	400
मोतीराम	506,
मोहन विजय	226,300,312,324

य

यक्षसूरि शिष्य	310
यतिसुन्दर	306
यशकीर्ति	124
यशोदेवसूरि	68,180
यशोभद्र	68,70,72,80
यशोविजय	84,90,108,136,144 152,160,166,176,178 214,220,224,226,234 238,244,248,256,262 272,278,280,284

र

(पाठक) रघुपति	94
रङ्गविजय	244
रङ्ग विसङ्ग विसुत	334
रतनचन्द	300
रतन मुनि	226,246
रत्नचन्द्र(शान्तिचन्द्र शिष्य तपगच्छ)	118,318

24

	पृष्ठ
रत्नचन्द्र (नन्दिताढ्य)	452
रत्नचन्द्रगणि	276
रत्नपुरि भट्टारक	176
रत्नप्रभाचार्य	178
रत्न मन्दिर	90
रत्न रङ्गोपाध्याय	328
रत्नवल्लभ	330
रत्नविजय	246
रत्नवोह	518
रत्नशेखर (हेमतिलक शिष्य)	104
रत्नशेखर (जयशेखर शिष्य)	68,86 104,106,154,336, 348,350
" " शिष्य	66
रत्न सुन्दर सूरि	328
रत्नसूरि	124,126,230,430
" शिष्य	310
रत्नसोम	218
रत्न हर्ष	124,126,230
रत्नाकर	146,242,258
रविसागर	198
रसिकनाथ	420
राज कवि	144,226,286
राजकीर्ति	148
राजवल्लभ (पाठक)	302,320
राजशील	168,170
राज शेखर सूरि	298,398
(मलधारी) राज शेखर सूरि	424
राज समुद्र	152,214
राज सूरि	52,112,262,272

For Private and Personal Use Only

25	पृष्ठ	26	पृष्ठ	27	पृष्ठ
(पाठक) राजसोम	154		316,396,438,496	लालमोहन	344
राज हर्ष	256,286	रूपचंदगणिशिष्य	198	लावण्यकीर्ति	212,328
राजहंस	336	रूपभद्र	284	लावण्यविजय	122
राजामृगाङ्क	504	रुपविजय	200,238,286,318	लावण्यसमय	108,118,224,270
राणीदानकवँया	410				330,332,346,402
रामचंद्र	118,122,196,330,506	**ल**		लुकमान हकीम	418
रामचन्द्रऋषि	390'398	लक्ष्मण	256	लोकेशकर	438
रामचन्द्रमुनि	462,464	लक्ष्मीदास	516	लोलिम्बराज	464
रामचन्द्राचार्य	428	लक्ष्मीधर	492	**व**	
रामचन्द्राश्रम	438	लक्ष्मीरत्न	346	वखत	410
रामदैवज्ञ	490	लक्ष्मीरुचिकर	138	वज्रस्वामि	220,394
रामविजय	280,312,320,446	लक्ष्मी वल्लभ	34,36,74,102,226	वरजाग	304
" (जिनलाभशिष्य)	224		246,286,316,458	वररुचि	430,454
" (जिनवल्लभशिष्य)	104,176	लक्ष्मी सूरि	202,256	वराहमिहिर	494,496
" (विमलविजयशिष्य)	256	लक्ष्मीहर्ष	322	वर्द्धमान	428
" (सुमतिविजयशिष्य)	226	लब्धिचन्द्र	474	वर्द्धमानसूरि	122,180,330
(वाचक) रामविजय	56	लब्धिरुचि	246	वर्द्धमानोक्त	482
रामानन्द स्वामी	392	लब्धि विजय	292	वाचक वल्लभ गणि	486
(ऋषि) रायचंद	140,278,302	लब्धिसागर	336	वल्लभदेव	416,420,422
	314,322,328,332	लब्धिसूरि	284	वल्लभ सुन्दर	244
रुचिरविमल	322	ललितकीर्ति	286	वल्लभ सूरि	180,238
रुणदत्त	456	ललितसागर	320	वसन्तराज	510
रुद्रभट्ट	464	लाभगणि	172	वाग्भट्ट	456
रुद्रयामले उमामहेश्वरसंवादे	396,398	लाभवर्द्धन	312,330,332	वादिदेवसूरि	178
रुद्रोक्त	486	लाभविजय	258	वादिराज	216
रूडऋषि	262	लाभसुन्दर	400	वासुदेव	436
रूपऋषि	258	लाभसूरि	232,356	वासुनन्दि	88
रूपकवि	82	लालचंद	316,516	विजयगणि	416
रूपचंद	108,238,258,314	" ऋषि	82,152,258	विनयतिलक	212,214
		" यति	400	विजयदेव	256

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

28

	पृष्ठ
विजयदेवसूरि	152,256
विजयप्रभ	248
विजयभद्र	232
विजय लक्ष्मी मुनि	206
विजय लक्ष्मी सूरि	238,248
विजयविमल	76,88,144,148,190
विजय शेखर	294
विजयसिंह	218
विजयसिंह-शिष्य	176
विठमेह	418
विट्ठलाचार्य	430
विद्याकुशल	324
विद्यानन्द	152,428
विद्यापति	240
विद्याभूषण	450
विद्यारत्न	296
विद्यारुचि	300
विद्यावर्द्धन	232
विद्याविलास	242
विनयचंद	114,188,210,226 236,248,288,300, 330,340,342
विनयचंदसूरि	188,322
विनयप्रभ	298
विनय भक्ति वाचक	356
विनय विजय	32,36,148,174 182,222,246,256 270,314,338,442
विनय समुद्र(पार्श्वचंद शिष्य)	288

29

	पृष्ठ
" (हर्ष समुद्र शिष्य)	316
विनय सागर	430
विनोदीलाल	252
विमलकीर्ति	70
विमल गणि	118
विमल भट्ट	462
विमल विनय	286
विमल सूरि	138,316
विमलाचार्य	422
विशालहंस	432
विश्वनाथ दैवज्ञ	468,470,478, 480
विष्णु शर्मा	410
वीरदेव गणि	322
वीरभद्र	76,78,262,404
वीर विजय	212,226,236,238 246,248,278,326 344,424
वीर सागर	198
वृद्धिविजय	52,116
वृद्धिसागर सूरि	398
वृन्द कवि	236,420
वेंकश दैवज्ञ	502
वेणीराम	228,346
वैद्यवाचस्पति	462
वंशलोचन	450
श	
शङ्करसेन	460
शङ्कराचार्य	396

30

	पृष्ठ
शम्भुनाथ	458
(वाचक) शान्तिचन्द्र	26
शान्ति सागर	42,340
शान्ति सूरि	114;116,122,130 252
शान्त्याचार्य	54,56
शार्ङ्गदेव	518
शार्ङ्गधर	462
शार्ङ्गधर यति	458
शिव	466,478,492,498,500
शिवचरण	454
शिवनिधानगणि	42,164,186 188,206
शिवलाल	328
शिवशङ्कर	240
शीलगणि	56
शीलविजय	86
शीलांकाचार्य	2,4
शुभचन्द्र	110,328
शुभवर्द्धन	148
" " शिष्य	299
शुभविजय	236,280
शुभवीर	260,344,424
शुभशील	320,330,334,344
(कवि) शेखर	390
शेरसिंह	420
शेष	418
शेषनाग	450
शोभन मुनि	222,224,270
शोभमुनि	308

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

31

पृष्ठ

शोभाचंद 338
श्यामाचार्य 24,26
श्रीचन्द्र 28,160,162,164
श्रीधर 460
श्री निवास योगीश्वर 518
श्री पति 474,476,482,484
श्री पति (मुनि) 156
श्रीवल्लभ गणि 446
श्रीसार मुनि 84,88,90,98,164
168,202,288

स

सकलकीर्ति 158,342
सकलचंद उपाध्याय 212,264
सकलचंद (हीरविजयशिष्य) 256
सकल हर्ष 304
संघतिलक (सङ्घतिलक) 118
संघदास क्षमा श्रमण (सङ्घदास क्ष.)
44
संघाचार्य (सङ्घाचार्य) 186
(पण्डित) सतीदास 508
सत्यराज गणि 336
सत्य सागर 330
सदानन्द 438,440
सदासागर 118
समन्तभद्र 88,272
" शिष्य 210
समय सुन्दर 36,40,88,102,104
(समयराज उपाध्याय) 120,132,
134,144150,154,156,164

32

पृष्ठ

182,184,194,208
214,226,248,250
266,268,284,294
302,310,312,318
320,326,336,342
352,360,400,420
454
समरचंद 94,106,244,264
समरमुनि 230
समरसिंह 88,454,468
समुद्र गणि 406
समुद्रवाचक 328
सयंभव सूरि 46,48,50
(उपाध्याय) सर्वधर 428
सर्वराज गणि 276
सहजकीर्ति 68,262,312
सहज रत्न 358
(वाचक) सहज सुन्दर 318
सागरचन्द्र 188,332
सागरेन्दु-शिष्य 468
साधुकीर्ति 104,210,218,248
264,286
साधुरङ्ग 4
साधुराज 230
साधुसुन्दरगणि 286,428
साधुसोमगणि 134,254
सायणाचार्य 430
साहिबसिंह 422
सिद्धनागार्जुन 296
सिद्धसाधु 92

33

पृष्ठ

सिद्धसूरि 246
सिद्धसेन 118 232,254,260,346
सिद्धसेनदिवाकर 178,228
सिरदेव 452
सिंह तिलक सूरि 190,238,392
394,398
सिंहसूरि 174
सिंहात्मज 108
सुख 456
सुधर्मास्वामी 2,4,6,8,10,12,14
16,18,20,28
सुन्दरदास 400,424
सुमति 82,238,266
सुमति गणि 276
सुमतिप्रभ 284
सुमति वर्द्धन 100,116,350
सुमतिविजय 58,226
सुमतिसुख 304
सुमतिसूरि 52
सुमति हर्ष गणि 468
सुमति हंस 34,132,286,300
सुमुखोनसूरि 258
सुरिसुनु 452
सूरत मिश्र 412,450,452,454
सूरीसागर 304
सोनिगिरा मण्डन 436
सोमचन्द्र 96,150,454
सोमतिलक 296
सोमतिलकसूरि 336,360
सोमनाथ 492

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

34	पृष्ठ
सोमप्रभ	44,156,168,170
	172,420
सोमसुन्दर	74,146,244
शिष्य	360
सोमसूरि	76,78
सोमहर्ष	346
सौभाग्यनंदसूरि	198
सौभाग्यनदि	198
सौभाग्यविजय	276
ह	
हनुमान	424
हयग्रीव	486,488
हरकीत्तिसूरि	448
हरखचंद	212,226,298
हरदत्त	476
हरि	95,150
हरिकर्णशर्मा	502
हरिचरणदास	452
हरिदेव	438
हरिप्रभसूरि	206
हरिप्रसाद	452
हरिभट्ट	480,490
हरिभद्र	50,66,72,82,84,90

35	पृष्ठ
	118,132,144,148,152
	156,176,268,324
	348,352,492
हरिश्रीनाथाचार्य	502
(कवि)हर्ष	408
हर्षकीर्त्ति	168,170,216,218
	230,252,258,260
	332,426,428,434
	454,462,474
हर्षकुल	4,330,450
हर्षकुशल	246,346
हर्षचन्द	142
हर्षनन्दन	94
हर्षभूषण	278,282
हर्षरत्नगणि	468
हर्षवर्द्धनगणि	124
हर्षशीश	284
हर्षसागर	242
हर्षसुन्दर	270
हापराज	300
हीरकलश	332,340
हीररञ्जा	424
हीरविजय	284,326

36	पृष्ठ
हेम	112,498
(मलधारी) हेमचन्द्र	134,142,192
	262,442
हेमचन्द्राचार्य	66,144,146,178
	260,262,306,440
	442,444,446,448
हेमनन्दन	340
हेमभित्ति	340
हेमरत्न	404
हेमरत्नवाचक	390
हेमराज	252
हेमराजचारण	414
हेमविजय	102,230,292
हेमविमलशिष्य	212
हेमशीश	134
हेमसोमसूरि	68
हेमहंसगणि	62,176,446
हेमाचार्य	188
हंस कवि	404
हंसमुनि	146
हंसरत्न	360
हंसराज	460

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

— शुद्धि पत्रक —

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
2	प्राक्कथन	पंक्ति 18	किवे	किये
3	,,	,, 23	त्रटक	त्रुटक
4	31	2	27/4	274
,,	33	,,	132	129
6	40	,,	13/13	1 अ 13
,,	41	,,	66/13	166/13
,,	42	,,	महा/अ 5	महा० 1 अ 5
7	51	10	(अंत में जोड़े)	श्याम कायस्थ
,,	58	10	,, ,,	अणहिलपुर नागरदास
8	68	4	अमय	अमयदेव
9	61	8	205	255
,,	62	,,	904	404
,,	75	9	जवाली	जमाली
13	105	6	वि	विश्लेषण
14	121	2	1 अ 2	1 अ 22
15	120	9	12	10
,,	135	10	11ली,	पाली
16	156	2	10/5	1015
17	159	4	-(अंत में जोड़े)	/अमयदेव
20	186	2	9/94	944
21	6	11	"प्रथम 3 पत्रे कम" (यह टिप्पणी नीचे अनु. 7 के लिये है)	
23	14	11	सुर्यादेव	सूर्यामदेव
25	30	9	,,	,,
25	46	6	विभ	विभक्तियां
30	14,17,27	5	अन्तर्वाच्य	अन्तर्वाच्य सह
से	55,66,71			

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
33	31	11	—	पांचवी समाचारी तक है
,,	32	,,	कठिन पद भंजि	कठिन पद-भञ्जिका
,,	35	10	नेयमूर्ति	नेममूर्ति
37	61	8A	17	11
,	71	11	सूत्र	सूरि
,,	72	11	अस्थ व्यस्थ	अस्त व्यस्त
38	78	2	52/54	52/4
39	80	9	जन्महोत्सव	जन्म महोत्सव
40	112	3	विषौबधिनाम्नी	विषौषधिनाम्नी
,,	122	2	2/26	2/216
43	123	9	सपूण……कथा	संपूर्ण…कथा सह
45	154	11	जिनचन्द्रका	जिनभद्र का
47	13	6	साहित्ए	साहित्य
49	40	9	7470	7970
,,	41	10	1846	1896
51	50	10	नाग	नागोर
53	69	9	संपूर्ण सज्झाय	संपूर्ण 12 सज्झाय
54	98	11	पाई	पाईय
56	100	1	100	110
57	119	11	1137	1657
58	129	2	1324	1342
59	..	9	संपूर्ण	अपूर्ण
,,	4	10	1664	1646
60	23-4	2	आ 24	3 अ 24
61	17	8	7	71
63	60	8	107	100
64	88	2	1 अ 17	3 अ 17

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra
www.kobatirth.org
Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
65	96	8	क्रम गुटका 6	गुटका-क्रम-6
,,	,,	8A	—	23 × 20 × 21 × 38
67	109	5	पौष	पौषध
,,	128	11	लगभग	लगभग है)
69	143	9	वदित्	वंदितु
72	195	3	क्षामरा	क्षमापरणा
73	196	9	क्षामरणा	क्षमापरणा
74	233	2	3/281	2/281
75	240	9	के	की
77	261	9	वृतिये	वृत्ति के
79	11	,,	के	की
,,	31	,,	ग्रंथाय	ग्रंथाग्र
8	46 से 54	3	पिंऽ विशुद्धि	पिंड वशुद्धि
81	46	10	'775	1475
82	7,11	3	अध्यात्मक	अध्यात्म
83	4	11	14	24
,,	6	,,	पुङ्गल	पुद्गल
,,	7	9	(...422)	ग्रं. 422
,,	18	8A	57	17
,,	21	11	निर्युक्तिकार	निर्युक्ति की
86	77	3	देवता	देशना
87	60	8A	—	23 × 20 × 21 × 38
88	80	2	10/95	19/95
90	111	4	ब्रह	ब्रह्म
,,	117	,,	गुंकित	गुंफित
93	155	9	(12 प्रक्षिप्त)	(ये शब्द हटा दें)
,,	157	10	दीपाविजय	दीपविजय
94	168	6	उठायरणा	उठामरणा

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
95	182	11	—	उठामरणा
96	190	3	सूक्ष्म विचार सार	सूक्ष्मार्थ सार्द्ध शतक
,,	191	,,	विचारसार	आगमिक वस्तु
			आगमिक वस्तु	विचारसार
97	190	11	+	+ देखे पन्ना 168/ प्र० 1168
102	283	3	केशी दिपंताशि का	केशी द्विपंचाशिका
104	290	,,	गणधरावद	गणधरवाद
,,	294	4	जिन बल्लभ	जिन लाभ
106	308	3	गुणस्धान	गुणस्थान
,,	,,	4	समुन्द्रगणि	समुद्रगणि
,,	330	,,	शिव्य	शिष्य
107	310	6	गुणस्थाय	गुणस्थान
110	358	2	ओसियां	ओसियां 3 इ 191
112	388	2	19/99	19/97
,,	410 से 17	1	10,11-13,14, 15,16,17	11,12-14,15, 16.17,18
113	388	7	सं.मा.	प्रा.मा.
,,	409-11	10	19/2वीं	19/20वीं
114	440	2	2/336	2/331
119	490	8A	16	26
,,	,,	9	65	650
120	524	2	344	345
122	553	1	253	553
124	5 3	1	5 3	573
127	604	8A	19	39
128	633	2	5/133	15/133
131	663	6	(,,)	दार्शनिक व आचार
132	670	4	इन्द्रदेव	इन्दुदेव

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
132	676	1	576	676
,,	,,	4	जिनेश्व सूरि	जिनेश्वर सूरि
,,	680	,,	हरिभद्र? स्वोपज्ञ	अज्ञात (हरिभद्र ?)
,,	681	,,	(,, ?)	,,/हरिभद्र
133	674	9	67 ढाले	6 ढालें
,,	680	,,	पां सूत्र	पांच सूत्र
134	703	3	वृत्ति	लघुवृत्ति
135	701	10	1993	1593
137	728	11	13 से 47	13 से 478
138	740	2	11/35	11/45
139	749	11	स्थायें	रचनायें
141	781-2	8 A	26 + 13 × 17/ 51 × 43	26 × 13 × 17/ 15 × 43
142	808-9	2	141	14/1
,,	819-20	2	521	5/21
146	858	2	10/56	10/96
152	947	2	14/42	14/12
154	976	2	33/7	23/7
158	1018-20	4	मंडारी अनेमीचंद	मंडारीअ नेमीचंद
161	1046	6	दज्ञानादि	ज्ञानादि
168	1167	2	101	141
,,	1179	4	संग्रगृही	संग्रहीत
169	1168	6	कठिन निराकरण	कर्म सिद्धान्त
177	17	11	—	नामादि का पता नहीं पड़ा
178	27	2	,, 2/18	महावीर 6 आ. 4
,,	28	2	,, 14/39	के. नाथ 14/39
,,	34	4	मद्यमेरु	पद्ममेरु
182	43	3	दीप	टीप
193	221-2	6	शस्त्र	शास्त्र

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
199	325	10	1762	1716
201	355	9	154 गा.	145 गा.
203	375	6	शमन विधि	शयन विधि
204	394	3	विधिप्रभा	विधिप्रपा
206	435	2	11/39	11/31
207	,,	11	द	दो
208	468	2	9/18	9/118
,,	472	,,	16	163
209	457	10	1833	1883
217	81-6	9	भिन्न	भिन्न भिन्न 63/93
218	136	2	345	354
219	123	11	1 ।रंभ	प्रारंभ
220	154	7	प्र.	प्रा.
229	277	11	—	देखे पृष्ठ 259
230	294	2	336	536
,,	303	,,	6/12	6/112
232	323	2	3 इ 223	3 इ 323
233	324-5	8A	17 × 47	26 × 11
234	350	2	24/ 0	54/10
235	351	11	जयति	जयतिहुअरण
237	384	11	—	कवि जैन धर्मी है।
238	404	3	स्वव	स्तव
241	423	11	मरिणभद्रचंद	मरिणभद्र छंद
,,	437-8	9	94	45
243	449	11	प्रशक्ति	प्रशस्ति
244	464	2	महारीर	महावीर
245	479	11	दो	दोनों
,,	482	9	डालें	ढालें
,,	489	10	लाभद	लाभचंद

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
246	493	3	शंखेश्वव	शंखेश्वर
,,	515	2	16/187	15/187
247	503	11	एकादश का	एकादशी की
,	507	8A	13	23
,,	,,	9	गागा	गाथा
,,	515	1!	—	अंत में सचित्ताचित्त सज्झाय
248	529	,,	असल	असल (प्रथमादर्श)
250	550	2	348	248
,,	563	9	21 से 24	21 से 44
252	582	2	235	233
254	610	4	पार्श्वदेव	,,/पार्श्वदेव
,,	623	2	(,,)	,, 3 आ 48
,,	624	,,	15/33	15/233
255	623	10	1662	1962
258	682	11	—	देखें पृष्ठ 228
260	697	3	वृहत् नवकार नमस्कार	वृहत् नवकार
262	738	4	हेमचल्द्राचार्य	हेमचन्द्राचार्य
,,	743	,,	वीरभद्र/हेमचन्द्र	(वीरभद्र ?) हेमचन्द्र
263	736	11	मूलहेमचन्द्राचार्य का है	(ये शब्द हटा दें)
265	768	10	18वीं	18वीं
267	786-91	11		देखें पृष्ठ 262, 396, 376
269	813	,,	भक्तिभर	मत्तिभर
,,	815	8A	26	16
,,	827	9	35	53
,,	835	11	—	देखें पृष्ठ 256/ प्र. 656-9

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
270	847	2	15/82	15/182
,,	853	,,	323	223
272	885	,,	783	873
,,	886	,,	26/10	26/103
,,	888-947	,,	14-42; 86;	14/42-;96;
274	948-72	,,	70 कार्ड में	70 (बीगत कार्ड में)
,,	973-1166	,,	(,,)	(बीगत कार्ड में)
276	16	2	11/88	21/88
,,	21	3	दीपिका	दीपिकासह
277	16	6	कठिन...समाधान	साधुजीवनियाँ
,,	,,	11	(अंत में जोड़े)	4 अ विभाग का ग्रंथ है।
279	6	26	पुत्तिपूजा	मूर्तिपूजा
,,	34-5	9	120	102
282	48-9	8A	22	12
,,	91	4	स्वोपज्ञ	धर्मसागर (स्वोपज्ञ)
284	117-8	,,	सेनसूरि	विजयसेनसूरि
285	5	9	487 ढाल	48 ढाल
,,	8	8A	12	15
286	34-5	3	(,,) (अंत में लिखें)	2 प्रति.
288	39	2	5/58	5/88
,,	45	2	43/3	34/3
289	54	6	जय	जप
,,	56	9	(,,) (,,)	संपूर्ण 16 दृष्टाँत कथानक
290	67	3	आमत्यकी क्रीड़ा	आमलकी क्रीड़ा
,,	72-4	,,	प्रयियां	प्रतियां
292	102-3	2	6/6	6,62
293	94	10	हहींसिह	हट्ठिसिह

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
294	124	2	264	246
,,	128-30	2	15/50	14/50
296	156	2	120	102
,,	164	,,	29/65	19/65
297	153	8A	16	26
298	181 व 182 के बीच में	3	—	गणधर सार्द्ध शतक देखें पृष्ठ 276
299	183	10	1171	1711
302	234	2	3 अ 27	4 अ 27
,,	241	,,	24/5	42/5
303	247	9	25	52
304	274	2	24/53	24/43
,,	283	,,	109	106
305	260	9	ग्रं. 300	ग्रं. पूरे के 3000
,,	261	,,	(,,) (,,)	सं. 21 उद्देशक
,,	263	7	मा	प्रा
,,	264	,,	(,,)	मा
306	293	2	43/3	41/3
,,	297	,,	2 /4	23/4
309	331	6	कथानस	कथानक
319	463	8	8	28
320	487	5	(,,)	प.
,,	488	,,	(,,)	ग.
,,	490	3	दाल	ढाल
,,	496	3	भोच चरित्र	भोज चरित्र
325	534-5	10	18/18 वीं	18/19 वीं
327	569	10	19 वीं दीप विजय	19 वीं जैनापुर दीपविजय
,,	573	,,	1945	1845

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
328	591	2	30	95
329	590	9	3413	3313
329	598	8A	14	24
,,	602	,,	36	26
330	620	2	165	156
331	621	8	80	7
332	653	3	निमलवसही	विमलवसही
333	632	6	जीवनी	जीवनी, विक्रमादित्य पुत्र
,,	641	7	(,.)	सं.
,,	642	6	(,,)	,, विक्रमादित्य पुत्र
,,	,,	7	सं	मा.
,,	644	,,	(,,)	प्रा.
,,	647	,,	(,,)	मा.
,,	650	,,	(,,)	सं.
334	670	3	सनदेवी	शासनदेवी
,,	682	5	(,.)	प
337	698	11	1853	1835
338	747	3	सत्नकुमार	सनत्कुमार
339	719-21	8	34	14
,,	739	8A	48	42
342	786	2	29/91	61/91
343	785	8A	2	23 × 20 × 21 × 38
344	816	2	10/	10/3
346	9	2	18/56	18/65
350	50	2	1/140	2/140
351	65	11	सिरिवीर जिणंदिय	सिरिवीर जिणंवंदिय
,,	75	,,	123 पमा	123 उपमा

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
352	81	2	2 अ 263	2/363
356	149	2	4 आ 13	4 आ 16
,,	151	3	परिविउपाय	परिघिउपाय
,,	157	,,	बीसविरहमान	बीसविहरमान
361	229	7	मा.	प्रा.
362	8	11	अरिष्टनेमि को वचन	अरिष्टनेमी को नमन
364	14	2	सेवा मंदर 4अ16	सेवा मंदिर 5अ16
,,	24	,,	23/21	22/21
365	29	6	भक्ति गीत	साहित्यिक काव्य
,,	,,	11	—	भाग 7 (अ) का ग्रंथ है
366	54	2	4 अ 10	5 अ 10
367	40	10	1882	1822
368	69	2	गु 9	गु 3
369	84	8A	35	25
374	155	2	के नाथ (?)	के. नाथ गु 9
378	199	,,	गु 26	गु 26/8
384	30	1	80	30
,,	50,52,53	3	৮	त्र
385	160	6	आम्नाय	जैन आम्नाय
388	87	4	जिए प्रभसूरि	जिन प्रभसूरि
390	122	5	ग. मं. . त्र	ग. मं. यंत्र
391	121	9	3 यं	3 यंत्र
392	154-5	3	स्तोत्र	स्तोत्र 2 प्रति
400	6	4	अमरुक	अमरु
401	5	10	बखत सागरण	बखतसागरेण
402	20	3	ऐतिहासक	ऐतिहासिक

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
,,	42	2	6 इ 9	6 इ 4
403	51	11	सर्ग श्लोक	सर्ग 50वें श्लोक
404	75 व 76 के बीच	3	—	गीत गोविन्द देखें पृष्ठ 364
405	67	9	?	प्रतिपूर्ण
406	83	2	54/1	45/1
,,	104	2	32	323
,,	108	,,	54/4	45/4
408	113	2	गु. दे.	गु. दे. 5
,,	124	,,	5 आ	5 आ 5
409	111	8A	19	10
410	142	4	छीहल	छीहल (विल्हल)
411	153	6	विगहिणी गीत	विरहिणी गीत
,,	157	,,	हेतु	काल
412	173	2	6 इ 2 ए	9 इ 29
414	203	,,	1043	1083
415	208	6	ऐति	ऐतिहासिक
416	224	5	(,,)	[ऊपर से मू.टी.(प.ग)" शब्द यहाँ लाकर पढ़ें]
417	238	6	मनावज्ञान	मनोविज्ञान
418	242	4	विठमेह	विठुमेह
,,	256	,,	राठौड़ महशदास	राठौड़ महेशदास ? (खड़ियाजगा)
419	257	6	पौराणिक	पौराणिक काल से
,,	261	,,	नैनिक	नैतिक
420	265	2	गु. 10	गु. 10/6
,,	277	4	सोमप्रमाचार्य	सोमप्रभाचार्य (स्वोपज्ञ)
422	291	3	वैराग्य	वैराग्य

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तंभ	अशुद्ध	शुद्ध
423	292	9	48 गा.	448 गा.
424	319	3	समुदाय	सानुवाद
,,	330-7	2	गु 11/11	गु. 11/12
,,	347	3	हितपदेश	हितोपदेश
,,	348	3	हीर रांजा	हीररंजा
425	338	10	(,,)	19 वीं
426	25	4	अनिटकारिका	(अनिटकारिका व)
428	34	2	6 अ 8	6 अ 89
429	33	6	(,,)	व्याकरण
,,	48	11	कञ्चित् अर्थ स	किञ्चित् अर्थ सह
430	66	4	रत्नसूरि...धर्मसंज्ञ	उदयधर्म (रत्नसूरि शिष्य)
,,	74	3	उपसर्गादि	उपसर्ग कारकादि
434	151	3	सटीक	धातु पाठ सटीक
438	199	,,	सदीक	सटीक
444	466-7	1	466-7	266-7
448	64	4	महाक्षण कवि	महाक्षपण कवि
449	65	10	1664	1643
451	14	6	अलंकार शास्त्र	छंदशास्त्र
453	25	9	संपूर्ण	सं. 4 आश्वास
,,	37	10	1866	1886
,,	38	11	1मकप्रधान	यमकप्रधान
455	3-4	10	19 वीं	1834 व 19 वीं
456	0	2	(,,) 27/47	के. नाथ 27/47
,,	4	4	शाली होत्र ऋन कुल	शाल होत्र ऋषि कृतन कुल
457	12	9	411	4½
459	64	,,	तव	तक
462	117	4	शार्ङ्क धर	शार्ङ्ग धर
468 से 514 तक	शीर्षक		भाग/विभाग	विभाग
468	47	4	दूवज्ञ	दैवज्ञ
474	117	,,	केभव पद्धत्ति मार्गण	केशव पद्धत्ति मार्गण
476	148	2	l 6/4	कोलड़ी 6/4
479	158	6	निकालके का	निकालने का
481	192	10	व तसुन्दर	बखत सुन्दर
484	231	2	नवामन्दिर	सेवामन्दिर
,,	233	4	नारचन्द्रसूरि	नरचन्द्रसूरि
486	265	,,	नारचन्द्र	नरचन्द्रसूरि
,,	278	,,	काशीनाश	काशीनाथ
488	301	3	मुक्तमोग्यदथा विधि	मुक्तमोग्यदशा विधि
489	293	8A	—	23 × 20 × 21 × 38
494	331	3	वधु प्रवेध	वधु प्रवेश
,,	380	,,	बर्ष भविष्य	वर्ष भविष्य
498	412	4	(,,)	वराह मिहिर
504	शीर्षक		ज्यातिष	ज्योतिष
506	553	4	उपाध्यय	उपाध्याय
510	37	3	भूमि शिक्षा	भूमि परीक्षा
511	26	11	पन्न	पन्ना
519	14	11	भरतवाद	भरतनाट्य

For Private and Personal Use Only

380 वें पन्ने के अन्त में जोड़कर पढावें भाग : 5 जैनेतर धार्मिक-न्यायदर्शन

क्रमांक 1	स्रोतपरिचयाङ्क 2	ग्रन्थ का नाम 3	नाम रोमन लिपि में 3A	ग्रन्थकार का नाम व परिचय 4	स्वरूप 5
252	कोलड़ी 1009	न्याय सूत्र सहवृत्ति	Nyāya Sutra with Vṛtti	गौतम ऋषि/?	मू + वृ (ग
253–4	महा.6अ 14,7	न्याय दीपिका 2 प्रति	Nyāya Dīpikā 2	अभिनव धर्म भूषण	ग
255	केनाथ 29/65	न्याय बोधिनी (तर्क संग्रह)	Nyāya Bodhini	—	,,
256	,, 29/74	न्याय सिद्धान्त दीप	,, Sidhānta Dīpa	शशधर शर्मा	,,
257	,, 29/77	,, ,, मंजरी	,, ,, Mañjarī	जानकीनाथ शर्मा	,,
258	महावीर 6अ120	भाषा परिच्छेद	Bhāṣā Pariccheda	विश्वनाथ पंचानन भट्ट	मू . प
259	कोलड़ी 975	,,	,, ,,	,,	,,
260	,, 1259	भाषा परिच्छेद की टीका	,, ,, kī Tīkā	,, स्वोपज्ञ	ग
261–2	केनाथ 2/9;2/25	,, ,, 2 प्रति	,, ,, ,, ,,	,, ,,	,,
263	कोलड़ी 838	मुक्तावली	Muktāvalī	दिनकर	,,
264	,, 1117	मुक्तावली प्रकाश	,, Prakās'a	महादेव	,,

381वें पन्ने के अन्त में जोड़कर पढ़ावें भाग 5 जैनेतर धार्मिक- न्याय दर्शन

विषय संकेत 6	भाषा 7	पन्ने 8	नाप पंक्त्याक्षर लं × चौ × प × अ. 8A	परिमाण 9	प्रतिलेखन संवतादि 10	विशेष ज्ञातव्य 11
षट् दर्शन में एक	सं.	4	26 × 11 × 25 × 57	संपूर्ण 5 अध्याय	18वीं	
न्याय ग्रंथ	,,	12,45	26 × 12 व 28 × 13	,,	19/20वीं	
गौतम सूत्र टीका	,,	16	30 × 14 × 11 × 35	शब्द खंड पूरा	1879	
न्याय सूत्र दार्शनिक	,,	3	26 × 11 × 13 × 50	अपूर्ण	19वीं	
न्याय ग्रन्थ	,,	4	24 × 13 × 13 × 44	,,	19वीं	
न्याय खंडन मंडन	,,	7	25 × 11 × 14 × 33	संपूर्ण 166 श्लो०	1801	
,,	,,	6	33 × 14 × 13 × 45	,, 167 ,,	19वीं	
,,	,,	36	26 × 12 × 13 × 44	संपूर्ण	1796 उदयपुर	सिद्धांतमुक्तावली नाम्नी
,,	,,	46,61	25 × 12 व 23 × 10	,,	19वीं	,,
न्याय ग्रन्थ	,,	78	26 × 11 × 12 × 45	,, ग्रं. 2300	1868 जोधपुर मानकचंद	
,,	,,	68	26 × 11 × 12 × 38	अ. प्रत्यक्षखंड ग्रं.2000	19वीं	बीच के त्रुटक पन्ने

(कृपया पृष्ठ 378-79 की प्रविष्टियां क्रमांक 211 से 216 उपरान्त प्रविष्टि 264 के बाद पढावें)

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

For Private and Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

gyanmandir@kobatirth.org
093607
Serving JinShasan

For Private and Personal Use Only